विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा प्रायोजित एवं वर्तमान में
राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी (NTA) द्वारा आयोजित –

- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) एवं कनिष्ठ अनुसन्धान अध्येतावृत्ति (JRF) एवं महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में लेक्चररशिप हेतु

आख्यातास्मि

NTA, UGC-NET/JRF

संस्कृतम्

प्रश्नपत्रम्-II, III

सम्पादक
सर्वज्ञभूषण

सह-सम्पादक
सत्यप्रकाश साहू
अम्बिकेश प्रताप सिंह

प्रकाशक
युनिवर्सल बुक्स
1519 अल्लापुर, प्रयागराज

☛ **प्रकाशक**
यूनिवर्सल बुक
1519 अल्लापुर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)

☛ पुस्तक डाक द्वारा भी मँगवा सकते हैं–
Mob. : 8004545096 (गोपेश मिश्र)

☛ प्रथमसंस्करण – फरवरी - 2015
द्वितीयसंस्करण – अगस्त - 2015
तृतीयसंस्करण – जून - 2016
चतुर्थसंस्करण – जनवरी - 2017
पञ्चमसंस्करण – जून - 2019

☛ **मूल्य – ₹ 180/-** (एक सौ अस्सी रुपये मात्र)

☛ **मुख्यवितरक**
राजू पुस्तक केन्द्र
अल्लापुर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
मो० –9453460552

☛ **प्रकाशनाधिकारिणी संस्था**
संस्कृतगङ्गा (पञ्जीकृत)
59, मोरी, दारागञ्ज, प्रयागराज
(कोतवाली दारागञ्ज के आगे, गङ्गाकिनारे
संकटमोचन छोटे हनुमान मन्दिर के पास)
कार्यालय - 9839852033
email-Sanskritganga@gmail.com
www.Sanskritganga.org

पुस्तक प्राप्ति के स्थान

1. राजू पुस्तक भण्डार, अल्लापुर, प्रयागराज
   सम्पर्क सूत्र : 0532-2503638, 9453460552
2. संस्कृतगङ्गा, दारागञ्ज, प्रयागराज - 7800138404
3. गौरव बुक एजेन्सी, कैण्ट, वाराणसी
4. विजय मैग्जीन सेन्टर, बलरामपुर
5. जायसवाल बुक सेन्टर, हरदोई – 9415414569
6. शिवशंकर बुक स्टाल, जौनपुर
7. न्यू पूर्वांचल बुक स्टाल, जौनपुर – 9235743254
8. कृष्णा बुक डिपो बस्ती – 8182854095
9. मौर्या बुक डिपो, पाण्डेयपुर, वाराणसी– 9454735892
10. मनीष बुक स्टोर, गोरखपुर – 9415848788
11. द्विवेदी ब्रदर्स, गोरखपुर – 0551-344862
12. विद्यार्थी पुस्तक मन्दिर, गोरखपुर – 9838172713
13. रंजन मिश्रा, गोरखपुर (बस स्टैण्ड)
14. आशीर्वाद बुक डिपो, अमीनाबाद, लखनऊ
15. मालवीय पुस्तक केन्द्र, अमीनाबाद, लखनऊ – 9918681824
16. मॉडर्न मैग्जीन बुक शॉप, कपूरशाला, लखनऊ
17. साहू बुक स्टॉल, अलीगंज, लखनऊ – 9838640164
18. भूमि मार्केटिंग, लखनऊ – 9450520503
19. दुर्गा स्टोर, राजा की मण्डी, आगरा – 9927092063
20. महामाया पुस्तक केन्द्र, बिलासपुर – 09907418171
21. डायमण्ड बुक स्टाल, ज्वालापुर, हरिद्वार
22. कम्पटीशन बुक हाउस, सब्जी मण्डी रोड, बरेली – 9897529906
23. अजय गुप्ता बुक स्टोर, लखीमपुर – 809062054
24. शिवशंकर बुक स्टाल, रीवा – 9616355944
25. कृष्णा बुक एजेन्सी, वाराणसी – 9415820103
26. गर्ग बुक डिपो, जयपुर
27. अग्रवाल बुक सेन्टर, मुखर्जी नगर, नयी दिल्ली
28. चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी (सभी बुक स्टालों पर)
    मो. – 9839243286, 9415508311, 0532-2420414
29. विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी – 0542-2413741
30. मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
31. केशवी बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली – 93
32. महावीर बुक स्टाल, खजूरी बाजार, इन्दौर
33. हिन्दी बुक डिपो, मुरादाबाद – 94566888596
34. माँ बुक स्टेशनर्स, शहडोल छत्तीसगढ़ – 9406754644
35. परिमल प्रकाशन, नयी दिल्ली – 9891143247

संस्कृतगङ्गा उवाच

प्रियसंस्कृतमित्राणि!

नमः संस्कृताय।

- संस्कृतगङ्गा दारागञ्ज प्रयाग की प्रस्तुति के रूप में **UGC - NET/JRF** (संस्कृत) परीक्षा हेतु **'आख्यातास्मि'** के नाम से यह हलप्रश्नपत्र संस्कृतमित्रों की सेवा में प्रस्तुत है। पुस्तक का यह नाम ''आख्यातोपयोगे'' (1.4.29) सूत्र से प्रेरित है।
- इस पुस्तक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा आयोजित **जून-1994** से लेकर अब तक के लगभग **52 प्रश्नपत्रों के 3300 प्रश्नों** का सप्रमाण हल प्रस्तुत किया जा रहा है। जुलाई 2019 तक इसका व्याख्यात्मक हल भी प्रस्तुत करने की योजना है।
- संस्कृतमित्रों को UGC का प्रामाणिक पेपर तथा उसका सही उत्तर खोजने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, उसी को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तक की योजना बनायी गयी है। इस पुस्तक में प्रारम्भ के कुछ प्रश्नपत्र स्मृति के आधार पर जोड़े गये हैं तथा बाद के प्रश्नपत्र UGC के मूल प्रश्नपत्र ही हैं।
- मित्रों! पूर्व में निर्गत चतुर्थ संस्करण की अपेक्षा यह **पञ्चम संस्करण** अधिक शुद्ध, प्रामाणिक एवं उपादेय हो गया है, क्योंकि अब प्रत्येक प्रश्नों का प्रामाणिक स्रोत भी प्रश्नों के नीचे लिख दिया गया है।
- उन सभी संस्कृतमित्रों को हार्दिक धन्यवाद; जिन्होंने इस पुस्तक के लिए प्रश्नपत्रों को उपलब्ध कराने तथा प्रूफ संशोधन, टाइपिंग तथा प्रकाशन आदि कार्यों में संस्कृतगङ्गा का मनसा, वाचा, कर्मणा सहयोग किया, जिनमें **श्रीमती गिरिराज मिश्रा** (पीलीभीत),, **सुमन सिंह, अर्पितात्रिपाठी** (A.U.), **अमित सिंह, मनीषशर्मा, विकास सिंह एवं सुशील सिंह 'चञ्चल', संगीता राय, स्वागतम् मौर्य, श्याम किशोर मिश्र, योगेश मिश्र (राधे राधे), संतोष कुमार यादव 'साहब', राकेश कुमार (R.K. पाल), गोपेश मिश्र, जितेन्द्र तिवारी 'मामा बवाली', कृष्ण कुमार, जितेन्द्र मिश्र** आदि मुख्य हैं।
- इस विकीर्ण सामग्री को अपनी टाइपिंग कला द्वारा पुस्तकीय आकार प्रदान करने वाले कृष्णा कम्प्यूटर संस्थान, दारागंज, प्रयागराज एवं प्रकाशकीय कार्यों के सहयोगी एवं मुख्य वितरक **राजू पुस्तक केन्द्र, अल्लापुर, प्रयागराज** के स्वामी श्री राजकुमार गुप्ता (राजू) भी धन्यवाद के पात्र हैं।
- यह प्रयास किया गया है कि पुस्तक पूर्णरूपेण शुद्ध हो, फिर भी प्रमाद या अज्ञानवशात् कुत्रचित् मुद्रणदोष या गलत उत्तर छप गया हो तो कृपया हमें सूचित करें – 9839852033, 8004545095

संस्कृतगङ्गा, दारागञ्ज, प्रयाग — **सम्पादकः**

जून–2019 — **सर्वज्ञभूषणः**

यूजीसी (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) (यूजीसी-नेट) - जून 2019

सार्वजनिक सूचना

दिनाँक - 1 मार्च 2019

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा एक स्वतंत्र, स्वायत्त, आत्मनिर्भर, स्वपोषित प्रमुख परीक्षा संगठन के रूप में की गई है। यूजीसी-नेट परीक्षा के संचालन का कार्य भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) को सौपा गया है। एनटीए द्वारा **'सहायक प्रोफेसर'** अथवा **'कनिष्ठ शोध फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर'** के लिए आगामी यूजीसी-नेट का संचालन 20 जून से 28 जून, 2019 तक किया जाएगा। परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होंगे -

प्रश्न पत्र	प्रश्नों की संख्या (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं)	अंक	समयावधि/ प्रथम पाली	समयावधि/ द्वितीय पाली
1	50	100	03 घण्टे (प्रातः 09.30 बजे से अपराह्न 12.30 तक) भारतीय मानक समय	03 घण्टे अपराह्न 02.30 बजे से सायं 05.30 बजे तक) भारतीय मानक समय
2	100	200		

परीक्षा का आयोजन केवल **कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी)** विधि से ही किया जायेगा ।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

पाठ्यक्रम

संस्कृत (विषयकोड-25)

इकाई 1

वैदिक साहित्य

वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय-

- **वेदों का काल -** मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम.विन्टरनिट्ज, भारतीय परम्परागत विचार,
- **संहिता साहित्य**
- **संवाद सूक्त-** पुरूरवा-उर्वशी (10-95), यम-यमी (10.10), सरमा-पणि (10.108), विश्वामित्र-नदी (3.33)
- **ब्राह्मण साहित्य**
- **आरण्यक साहित्य**
- **वेदांग-** शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष

इकाई 2

वैदिक साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

- **निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन -**
- **ऋग्वेद -** अग्नि (1.1), वरुण (1.25), सूर्य (1.115), इन्द्र (2.12), उषस् (3.61), पर्जन्य (5. 83), अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71), पुरुष (10.90), हिरण्यगर्भ (10.121), वाक् (10.125), नासदीय (10.129),
- **शुक्लयजुर्वेद -** शिवसंकल्प,अध्याय- 34 (1-6) प्रजापति, अध्याय- 23(1-5)
- **अथर्ववेद -** राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), काल (10.53), पृथिवी (12.1)
- **ब्राह्मण साहित्य-** प्रतिपाद्य विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दर्शपूर्णमास यज्ञ, पञ्चमहायज्ञ, आख्यान (शुनःशेप, वाङ्मनस्)।
- **उपनिषद् साहित्य-** निम्नलिखित उपनिषदों की विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन -
  ईश, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय, श्वेताश्वतर।
- **वैदिक व्याकरण निरुक्त एवं वैदिक व्याख्या पद्धति-**
- **ऋक्प्रातिशाख्य-** निम्नलिखित परिभाषाएँ - समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष,सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य, रिफित।
- **निरुक्त-** (अध्याय 1 तथा 2)
  चार पद- नाम विचार, आख्यात विचार, उपसर्गों का अर्थ, निपात की कोटियाँ,
- **निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन**
- **निर्वचन के सिद्धान्त**
- **निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्ति**
  आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु

निरुक्त- (अध्याय 7 दैवत काण्ड)

वैदिक स्वर- उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित ।

वैदिक व्याख्या पद्धति- प्राचीन एवं अर्वाचीन ।

इकाई 3

दर्शन साहित्य

(क) प्रमुख भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय

प्रमाणमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, आचारमीमांसा
(चार्वाक, जैन, बौद्ध, सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं उत्तरमीमांसा के सन्दर्भ में)

इकाई 4

(ख) दर्शन साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

- **ईश्वरकृष्ण- सांख्यकारिका-** सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप, प्रकृतिस्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य
- **सदानन्द, वेदान्तसार-** अनुबन्ध-चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप-अपवाद, लिंगशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त महावाक्य, जीवन्मुक्ति ।

- **अन्नंभट्ट, तर्कसंग्रह/ केशव मिश्र, तर्कभाषा-** पदार्थ, कारण, प्रमाण (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द,) प्रामाण्यवाद, प्रमेय ।
- **लौगाक्षिभास्कर-अर्थसंग्रह-**
- **पतंजलि-योगसूत्र-** (व्यासभाष्य) - चित्तभूमि, चित्तवृत्तियाँ, ईश्वर का स्वरूप, योगाङ्ग, समाधि, कैवल्य ।
- **बादरायण-ब्रह्मसूत्र 1.1 (शाङ्करभाष्य)**
- **विश्वनाथपञ्चानन-न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)**
- **सर्वदर्शनसंग्रह- जैनमत, बौद्धमत**

इकाई 5

व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

- **सामान्य परिचय- निम्नलिखित आचार्यों का परिचय-**
  पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट, जैनेन्द्र, कैय्यट,शाकटायन, हेमचन्द्रसूरि, सारस्वतव्याकरणकार।
- **पाणिनीय शिक्षा**
- **भाषाविज्ञान -**
  भाषा की परिभाषा, भाषा का वर्गीकरण, (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक), ध्वनियों का वर्गीकरण, स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर, स्वर, (संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में), मानवीय ध्वनियन्त्र, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम,ग्रासमान,वर्नर), अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, वाक्य का लक्षण व भेद, भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय, वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर, भाषा तथा वाक् में अन्तर, भाषा तथा बोली में अन्तर

इकाई 6

(ख) व्याकरण का विशिष्ट अध्ययन

- **परिभाषाएँ-** संहिता, संयोग,गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी,घि, उपधा,अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, भ, सर्वनाम, निष्ठा।
- **सन्धि-** अच् सन्धि, हल् सन्धि, विसर्ग सन्धि, (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- **सुबन्त-अजन्त-** राम, सर्व, (तीनों लिंगों में), विश्वपा, हरि, त्रि, (तीनों लिंगों में), सखि, सुधी, गुरु, पितृ, गौ, रमा, मति, नदी, धेनु, मातृ, ज्ञान, वारि, मधु ।
- **हलन्त-** लिह्, विश्ववाह्, चतुर् (तीनों लिंगों में), इदम् (तीनों लिंगों में), किम् (तीनों लिंगों में), तत् (तीनों लिंगों में), राजन्, मघवन्, पथिन्, विद्वस्, अस्मद्, युष्मद् ।
- **समास-** अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुब्रीहि, द्वन्द्व, (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- **तद्धित-** अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय (सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- **तिङन्त-** भू,एध् ,अद् ,अस् ,हु, दिव् ,षुञ् ,तुद् ,तन् ,कृ, रुध् ,क्रीञ् ,चुर्
- **प्रत्ययान्त-** णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुगन्त, नामधातु।
- **कृदन्त-** तव्य/तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्यप्, शतृ, शानच्, क्त्वा, क्तवतु, तुमुन्, णमुल् ।
- **स्त्रीप्रत्यय-** लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- **कारकप्रकरण-** सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- **परस्मैपद एवं आत्मनेपद विधान-** सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- **महाभाष्य (पस्पशाह्निक)-**
  शब्दपरिभाषा, शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध, व्याकरण अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण पद्धति।
- **वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)-**
  स्फोट का स्वरूप, शब्द-ब्रह्म का स्वरूप, शब्द-ब्रह्म की शक्तियाँ, स्फोट एवं ध्वनि का सम्बन्ध, शब्द-अर्थ का सम्बन्ध,ध्वनि के प्रकार, भाषा के स्तर।

इकाई 7

संस्कृत साहित्य, काव्यशास्त्र एवं छन्दपरिचय

- **निम्नलिखित का सामान्य परिचय -**
  भास, अश्वघोष, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, भारवि, माघ, हर्षवर्धन, बाणभट्ट, दण्डी,भवभूति, भट्टनारायण, बिल्हण, श्रीहर्ष, अम्बिकादत्तव्यास, पण्डिता क्षमाराव, वी. राघवन्, श्रीधरभास्कर वर्णेकर

- **काव्यशास्त्र-** रससम्प्रदाय, अलंकारसम्प्रदाय, रीतिसम्प्रदाय, ध्वनिसम्प्रदाय, वक्रोक्तिसम्प्रदाय, औचित्यसम्प्रदाय ।
- **पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र-** अरस्तू, लॉन्जाइनस, क्रोचे

इकाई 8

निम्नलिखित ग्रन्थों का विशिष्ट अध्ययन

- **पद्य-** बुद्धचरितम् (प्रथम सर्ग), रघुवंशम् (प्रथमसर्ग), किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग), शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग), नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग)
- **नाट्य-** स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, वेणीसंहारम्, मुद्राराक्षसम्, उत्तररामचरितम्, रत्नावली, मृच्छकटिकम्,
- **गद्य-** दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास), हर्षचरितम् (पञ्चम उच्छ्वास) कादम्बरी (शुकनासोपदेश)
- **चम्पूकाव्य-** नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास)
- **साहित्यदर्पण-**
  काव्यपरिभाषा, काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन, शब्दशक्ति (संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), काव्यभेद (चतुर्थ परिच्छेद), श्रव्यकाव्य (गद्य,पद्य, मिश्र काव्य-लक्षण)
- **काव्यप्रकाश-**
  काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्र विमर्श, रसदोष, काव्यगुण, व्यञ्जनावृत्ति की स्थापना (पञ्चम उल्लास)
- **अलंकार-**
  वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि।
- **ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)**
- **वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)**
- **भारत-नाट्यशास्त्र (द्वितीय एवं षष्ठ अध्याय)**

दशरूपकम् (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश)

छन्दपरिचय-

आर्या, अनुष्टुप् , इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा,वसन्ततिलका, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, शालिनी, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा।

इकाई 9

पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र एवं अभिलेखशास्त्र

निम्नलिखित का सामान्य परिचय -

- **रामायण-** विषयवस्तु, काल, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्रोत, साहित्यिक महत्त्व, रामायण में आख्यान।
- **महाभारत-** विषयवस्तु, काल, महाभारतकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्रोत, साहित्यिक महत्त्व, महाभारत में आख्यान।
- **पुराण-** पुराण की परिभाषा, महापुराण-उपपुराण, पौराणिक सृष्टि-विज्ञान पौराणिक आख्यान ।
- **प्रमुख स्मृतियों का सामान्य परिचय**
- **अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय**
- **लिपि-** ब्राह्मी लिपि का इतिहास एवं उत्पत्ति के सिद्धान्त
- **अभिलेख का सामान्य परिचय**

इकाई 10

निम्नलिखित ग्रन्थों का विशिष्ट अध्ययन

कौटिलीय-अर्थशास्त्र (प्रथम-विनयाधिकारिक)

मनुस्मृति- (प्रथम,द्वितीय एवं सप्तम अध्याय)

याज्ञवल्क्यस्मृति- (व्यवहाराध्याय)

लिपि तथा अभिलेख- गुप्तकालीन तथा अशोक कालीन ब्राह्मी लिपि

अशोक के अभिलेख- प्रमुख शिलालेख, प्रमुख स्तम्भलेख।

मौर्योत्तरकालीन अभिलेख- कनिष्क के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौद्ध प्रतिमा लेख, रुद्रदामन् का गिरनार शिलालेख, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख ।

गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तर कालीन अभिलेख-
समुद्रगुप्त का इलाहाबाद स्तम्भलेख, यशोधर्मन् का मन्दसौर शिलालेख, हर्ष का बांसखेड़ा ताम्रपट्ट अभिलेख, पुलकेशिन् द्वितीय का ऐहोल शिलालेख

अनुक्रमणिका

NTA UGC-NET/JRF संस्कृतम् (कोड-25) हलप्रश्नपत्रम्

॥ नमः संस्कृताय ॥

1	जून 1994	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. 'वेद' शब्द से क्या अभिप्रेत है –

(A) दर्शन (B) ऋषिमत
(C) ज्ञान (D) सिद्धान्त

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–01

2. विष्णु का 'परमपद' (निवासस्थान) है –

(A) द्युस्थान (B) हृदय
(C) अन्तरिक्ष (D) भूलोक

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–15

3. ऋग्वेद में कितने मण्डल हैं –

(A) पन्द्रह (B) आठ
(C) दस (D) सात

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी पेज–47

4. ज्ञानकाण्ड किसका विषय है –

(A) शुक्ल-यजुर्वेद का (B) प्रातिशाख्य का
(C) उपनिषदों का (D) ब्राह्मणग्रन्थों का

स्रोत–तैत्तिरीयोपनिषद्-चुन्नीलाल शुक्ल, पेज–01 प्रस्तावना

5. 'नारद-सनत्कुमार' संवाद आता है –

(A) केन उपनिषद् में (B) तैत्तिरीय उपनिषद् में
(C) छान्दोग्य उपनिषद् में (D) प्रश्न उपनिषद् में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

6. 'पुरुष-सूक्त' आता है –

(A) केन उपनिषद् में (B) तैत्तिरीय उपनिषद् में
(C) ऋग्वेद में (D) ईशोपनिषद् में

स्रोत– ऋक्सूक्तसंग्रह (10.90) - हरिदत्तशास्त्री, पेज-392

7. 'बृहदारण्यक उपनिषद्' सम्बद्ध है –

(A) ऋग्वेद से (B) शुक्ल यजुर्वेद से
(C) अथर्ववेद से (D) सामवेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

8. 'वैदिक-देवशास्त्र' (वैदिक मैथोलॉजी) के लेखक कौन हैं –

(A) मैक्समूलर (B) वेबर
(C) मैक्डोनल (D) कीथ

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–20

9. 'उत्तर ध्रुव' को वेदों का रचना स्थान किसने माना है –

(A) मैक्डोनल ने (B) मैक्समूलर ने
(C) वेबर ने (D) बालगङ्गाधर तिलक ने

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–103

10. सर्वप्रथम 'वेदों' का निर्वचन किसने किया है –

(A) वेदव्यास ने (B) शाण्डिल्य ने
(C) यास्क ने (D) श्वेतकेतु ने

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–16

11. शब्द-प्रक्रियाशास्त्र का मूल वेदाङ्ग है –

(A) शिक्षा (B) कल्प
(C) व्याकरण (D) निरुक्त

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193

12. प्राणाग्निहोत्र-विद्या किस उपनिषद् में है –

(A) ईशावास्योपनिषद् में (B) मुण्डकोपनिषद् में
(C) प्रश्नोपनिषद् में (D) छान्दोग्योपनिषद् में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–177

13. सांख्यमतानुसार यथार्थस्वभाव में पुरुष कैसा होता है –

(A) सदैव सक्रिय (B) सृष्टिकाल-सक्रिय
(C) सदैव निष्क्रिय (D) प्रलये एव निष्क्रिय

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-19,20)-राकेशशास्त्री, पेज–62

14. सांख्य में स्वीकृत प्रमाणों की संख्या कितनी है –

(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका 4) - राकेशशास्त्री, पेज–12

15. प्रकृति का अस्तित्व जानने का प्रमाण कौन-सा है –

(A) प्रत्यक्ष (B) अनुमान
(C) उपमान (D) अर्थापत्ति

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-6) - राकेशशास्त्री, पेज–23

1. (C)	**2.** (A)	**3.** (C)	**4.** (C)	**5.** (C)	**6.** (C)	**7.** (B)	**8.** (C)	**9.** (D)	**10.** (C)
11. (C)	**12.** (C)	**13.** (C)	**14.** (B)	**15.** (B)					

16. सांख्यमतानुसार मोक्ष का साक्षात् कारण है –
(A) ब्रह्मज्ञान (B) प्रकृति-पुरुष विवेकज्ञान
(C) अष्टाङ्गयोग (D) ईश्वरज्ञान
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका 68) - राकेशशास्त्री, पेज–173

17. अद्वैतवेदान्तमतानुसार 'अज्ञान' का स्वरूप होता है –
(A) सत् (B) असत्
(C) सदसत् (D) सदसद्विलक्षण
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

18. अद्वैतवेदान्तमतानुसार जगत् का स्वरूप है –
(A) मायाविवर्त (B) मायापरिणाम
(C) ब्रह्मविवर्त (D) जीवपरिणाम
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव पेज–117

19. 'भामती' के रचयिता हैं –
(A) वाचस्पतिमिश्र (B) पद्मपाद
(C) सदानन्द योगीन्द्र (D) शङ्कर
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज भू.-viii

20. अद्वैतवेदान्तमतानुसार ब्रह्म और जीव का सम्बन्ध कैसा है –
(A) भेद (B) अभेद
(C) भेदाभेद (D) अनिर्वचनीय
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–30

21. अनुमिति का कारण है –
(A) हेतुज्ञान (B) पक्षधर्मताज्ञान
(C) सपक्षधर्मताज्ञान (D) व्याप्तिज्ञान
स्रोत–तर्कसंग्रह-केदारनाथ त्रिपाठी, पेज–40

22. कार्य का अन्तिम कारक है –
(A) अवान्तर-व्यापार (B) करण
(C) कर्ता (D) साधारणकारण
स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवासशास्त्री, पेज–58

23. घटाभाव और भूतल का सम्बन्ध होता है –
(A) संयोग-सम्बन्ध
(B) समवाय-सम्बन्ध
(C) स्वरूप-सम्बन्ध
(D) विशेषण-विशेष्यभाव-सम्बन्ध
स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री, पेज–68

24. न्यायमतानुसार जीवात्मा का परिणाम होता है –
(A) देहपरिणाम (B) विभुपरिणाम
(C) अणुपरिणाम (D) मध्यमपरिणाम
स्रोत–तर्कभाषा श्रीनिवासशास्त्री, पेज–175

25. 'उपधा' का लक्षण पाणिनि के अनुसार है :
(A) क्तक्तवतू (B) अलोऽन्त्यात्पूर्व
(C) यू स्त्र्याख्यौ (D) सुप्तिङन्तम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-64) ईश्वरचन्द्र, पेज–48

26. पाणिनि के अनुसार ''आ, ऐ, औ'' की संज्ञा है :
(A) गुण संज्ञा (B) टि संज्ञा
(C) गति संज्ञा (D) वृद्धि संज्ञा
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-2) ईश्वरचन्द्र, पेज–05

27. पाणिनि के अनुसार 'कर्म' का लक्षण है :
(A) ध्रुवमपाये (B) कर्तुरीप्सिततमम्
(C) आधारः (D) स्वतन्त्रः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-49) ईश्वरचन्द्र, पेज–127

28. 'चोरभयम्' पद में समास है –
(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि
(C) कर्मधारय (D) द्वन्द्व
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–76

29. 'हरित्रातः' का विग्रहवाक्य है –
(A) हरये त्रातः (B) हरिणा त्रातः
(C) हरौ त्रातः (D) हरि त्रातः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–66

30. 'समया' के योग में विभक्ति होती है –
(A) षष्ठी (B) पञ्चमी
(C) द्वितीया (D) चतुर्थी
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–31

31. 'द्वादश' पद में समास है –
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–165

16. (B)	**17.** (D)	**18.** (C)	**19.** (A)	**20.** (B)	**21.** (B)	**22.** (A)	**23.** (D)	**24.** (B)	**25.** (B)	**26.** (D)
27. (B)	**28.** (A)	**29.** (B)	**30.** (C)	**31.** (D)						

32. **'द्विमूर्धः' पद में समास है –**

(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु

(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–209

33. **'वैदिक भाषा' किस भाषा के सबसे निकट है –**

(A) Hittite (हिटाइट) (B) Indo-European

(C) Avestan (अवेस्ता) (D) Persia (पर्सिया)

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–416

34. **ध्वनि के आधार पर भारोपीयभाषा के मुख्य विभाग हैं**

(A) दो (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384

35. **भारोपीय भाषा से संस्कृत 'च-वर्ग' की उत्पत्ति बताने वाला है –**

(A) Grimm (ग्रिम) (B) Collitz (कॉलित्स)

(C) Verner (वर्नर) (D) Grassman (ग्रासमान)

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–247-248

36. **दिगम्बर जैन अनुयायियों की मुख्य भाषा है –**

(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री

(C) संस्कृत (D) वैदिकभाषा

स्रोत–भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–118

37. **''सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।'' इस सूक्ति से युक्त काव्य है –**

(A) रघुवंशम् (B) किरातार्जुनीयम्

(C) शिशुपालवधम् (D) बुद्धचरितम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/30)-आचार्य श्रीनिवास शर्मा, पेज-41

38. **'शाल्मली-वृक्ष' का वर्णन किसमें पाया जाता है –**

(A) कादम्बरी में (B) हर्षचरित में

(C) दशकुमारचरित में (D) स्वप्नवासवदत्ता में

स्रोत–कादम्बरी कथामुख-तारिणीश झा, पेज–195

39. **'वसन्तक' किसमें है –**

(A) रत्नावली में (B) मृच्छकटिकम् में

(C) उत्तररामचरितम् में (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में

स्रोत–रत्नावली-तारिणीश झा, पेज भू.–43

40. **''अहो उदाररमणीया पृथिवी'' यह वाक्य किस नाटक में है–**

(A) मुद्राराक्षसम् में (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में

(C) वेणीसंहारम् में (D) मालविकाग्निमित्रम् में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (अङ्क-7)–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–400

41. **'अजविलाप' किसमें है –**

(A) स्वप्नवासवदत्तम् में (B) नैषधीयचरितम् में

(C) रघुवंशम् में (D) कुमारसम्भवम् में

स्रोत–रघुवंशम् (8/43) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–254

42. **''ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति''- इस सूक्ति से युक्त रचना है –**

(A) उत्तररामचरितम् (B) कुन्दमाला

(C) मुद्राराक्षसम् (D) मालतीमाधवम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/10) कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22

43. **'शकार' किस रचना में है –**

(A) किरातार्जुनीयम् में (B) मृच्छकटिकम् में

(C) वेणीसंहारम् में (D) नागानन्दम् में

स्रोत–मृच्छकटिकम् श्रीनिवासशास्त्री, पेज–01

44. **आचार्य विश्वनाथ का काव्यलक्षण है –**

(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्

(B) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्

(C) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

(D) शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

45. **साक्षात्सङ्केतित अर्थ की बोधिका है –**

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) तात्पर्या (D) व्यञ्जना

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4) शालिग्राम शास्त्री, पेज–26

46. **'रति-स्थायीभाव' वाला रस है –**

(A) करुण (B) शृङ्गार

(C) अद्भुत (D) वीर

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/187) शालिग्राम शास्त्री, पेज–106

32. (D)	**33.** (C)	**34.** (A)	**35.** (B)	**36.** (A)	**37.** (B)	**38.** (A)	**39.** (A)	**40.** (B)	**41.** (C)	**42.** (A)
43. (B)	**44.** (C)	**45.** (A)	**46.** (B)							

47. यह प्रहसन है –

(A) प्रियदर्शिका (B) प्रतिज्ञायौगन्धरायण

(C) मत्तविलास (D) मृच्छकटिक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–548

48. रूपक कितने प्रकार के होते हैं –

(A) तीन (B) दो

(C) पाँच (D) दस

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) शान्तिग्राम शास्त्री, पेज–170

49. इनमें से कौन-सा महाकाव्य नहीं है –

(A) रघुवंशम् (B) शिशुपालवधम्

(C) हर्षचरितम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-396

50. नाटक सन्धियों में प्रथम है –

(A) निर्वहण (B) प्रतिमुख

(C) गर्भ (D) मुख

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/75) शालिग्राम शास्त्री, पेज–184

47. (C) **48.** (D) **49.** (C) **50.** (D)

2	जून 1995	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. ऋग्वेद के प्रथम मण्डल के प्रथमसूक्त में 'पुरोहित' विशेषण किस देवता से सम्बद्ध है –
(A) इन्द्र से (B) सवितृ से
(C) अग्नि से (D) वरुण से
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी, पेज–44

2. वृत्र का नाश किस देवता ने किया –
(A) अग्नि ने (B) वरुण ने
(C) विष्णु ने (D) इन्द्र ने
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–41

3. 'यम-यमी' संवादसूक्त किस वेद में है –
(A) सामवेद में (B) ऋग्वेद में
(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–58

4. 'शाकल-शाखा' से सम्बद्ध वेद है –
(A) अथर्ववेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) ऋग्वेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

5. 'शतपथब्राह्मण' से सम्बद्ध वेद है –
(A) यजुर्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) ऋग्वेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव, द्विवेदी पेज–9

6. 'यम-नचिकेता' संवाद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
(A) कठ (B) केन
(C) श्वेताश्वतर (D) बृहदारण्यक
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175

7. 'असतो मा सद्गमय' यह उक्ति किस उपनिषद् में है–
(A) बृहदारण्यक में (B) कठ में
(C) केन में (D) ईश में
स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (02-3-28)-गीताप्रेस, पेज–153

8. 'शुनःशेप-आख्यान' किस ब्राह्मण में है –
(A) ऐतरेय (B) तैत्तिरीय
(C) गोपथ (D) शतपथ
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

9. किस विद्वान् के अनुसार ऋग्वेद का आरम्भकाल 6000 से 4000 ई०पू० है –
(A) बालगङ्गाधर तिलक (B) मैक्समूलर
(C) याकोबी (D) वेबर
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

10. ऋग्वेद की सूक्त-व्यवस्था निम्नलिखित में से किसके अनुसार है –
(A) मण्डल (B) प्रपाठक
(C) लम्बक (D) सर्ग
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

11. किस वेदाङ्ग को वेद का 'मुख' कहा गया है –
(A) छन्द (B) कल्प
(C) शिक्षा (D) व्याकरण
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

12. 'निरुक्त' के रचयिता हैं –
(A) कालिदास (B) भामह
(C) यास्क (D) पाणिनि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

13. 'कारण में कार्य विद्यमान ही है' - यह किसका मत है –
(A) न्याय का (B) वैशेषिक का
(C) सांख्य का (D) मीमांसा का
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका 9) सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

14. सांख्यमतानुसार पुरुष और प्रकृति का सम्बन्ध है –
(A) नित्यः (B) असत्यः
(C) सत्यासत्यः (D) ज्ञानजन्यः
स्रोत–सांख्यकारिका - राकेशशास्त्री, पेज–6

1. (C)	**2.** (D)	**3.** (B)	**4.** (D)	**5.** (A)	**6.** (A)	**7.** (A)	**8.** (A)	**9.** (A)	**10.** (A)
11. (D)	**12.** (C)	**13.** (C)	**14.** (A)						

15. सांख्यमतानुसार अपवर्ग होता है –
(A) ज्ञानजन्यः (B) वैराग्यजन्यः
(C) अभ्यासजन्यः (D) विवेकजन्यः
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-4) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज भू.-67

16. सांख्यमतानुसार प्रमाण हैं –
(A) चत्वारि (B) पञ्च
(C) त्रीणि (D) षट्
स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

17. 'तत्त्वमसि' इस वाक्य को कहते हैं –
(A) अभेदवाक्य (B) महावाक्य
(C) ब्रह्मवाक्य (D) अद्वयवाक्य
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–121

18. अद्वैतमतानुसार संसारबन्ध का कारण है –
(A) अज्ञान (B) विशेषज्ञानाभाव
(C) ममत्वज्ञान (D) जीवज्ञान
स्रोत–वेदान्तसार सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–57

19. अद्वैतमतानुसार जीव कहलाता है –
(A) सर्वज्ञ (B) किञ्चिदज्ञ
(C) आत्मज्ञ (D) त्रिकालज्ञ
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–31

20. 'अहं ब्रह्मास्मि' यहाँ 'अहम्' पद में वृत्ति है –
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) जहदजहल्लक्षणा

21. सादृश्य को स्वतन्त्र पदार्थ मानते हैं –
(A) प्रभाकर-मीमांसा (B) भट्ट-मीमांसा
(C) वेदान्त (D) न्यायवैशेषिक
स्रोत–भारतीयदर्शन की रूपरेखा-हरेन्द्रप्रसाद सिन्हा, पेज–287

22. वैशेषिक मतानुसार 'करण' का लक्षण है –
(A) व्यापारवदसाधारणं कारणम्
(B) फलोत्पादकम्
(C) साधकतमम्
(D) फलसाधनम्
स्रोत–तर्कसंग्रह-रामभजनशर्मा वात्स्यायन, पेज–39

23. न्याय-वैशेषिक मतानुसार 'पद' का लक्षण है –
(A) शक्तम् (B) सुबन्तम्
(C) तिङन्तम् (D) सुप्तिङन्तम्
स्रोत–तर्कसंग्रह-रामभजनशर्मा वात्स्यायन, पेज–86

24. न्यायवैशेषिक मतानुसार 'अप्रमा' का लक्षण है –
(A) प्रत्यक्षभिन्नं ज्ञानम्
(B) प्रत्यक्षानुमानभिन्नं ज्ञानम्
(C) तदभाववति तत्प्रकारकं ज्ञानम्
(D) असाक्षिज्ञानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह-रामभजनशर्मा वात्स्यायन, पेज–37

25. पाणिनि के अनुसार 'प्रातिपदिक' का लक्षण है –
(A) आद्यन्तौ टकितौ (B) तुल्यास्यप्रयत्नम्
(C) नवेति (D) अर्थवदधातुरप्रत्ययः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-2-45) ईश्वरचन्द्र, पेज–69

26. पाणिनि के अनुसार 'निष्ठा' है –
(A) अचोऽन्त्यादि (B) क्तक्तवतू
(C) ईदूदेद्द्विवचनम् (D) नवेति
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-25) ईश्वरचन्द्र, पेज–19

27. पाणिनि के अनुसार 'कर्म' है –
(A) कर्मणा यमभिप्रैति सः (B) साधकतमम्
(C) कर्तुरीप्सिततमम् (D) आधारः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-49) ईश्वरचन्द्र, पेज 127

28. 'नीलोत्पलम्' में समास है –
(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु
(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–112

29. 'पीताम्बरः' का विग्रहवाक्य है –
(A) पीतं च तत् अम्बरं च
(B) पीतम् अम्बरं यस्य सः
(C) पीतम् अम्बरं येन सः
(D) पीतम् अम्बरं यस्मिन् सः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज–954

15. (D) **16.** (C) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (B) **20.** (B) **21.** (A) **22.** (A) **23.** (A) **24.** (C) **25.** (D)
26. (B) **27.** (C) **28.** (D) **29.** (B)

30. 'नमः' के योग में प्रयुक्त विभक्ति है –
(A) तृतीया (B) पञ्चमी
(C) षष्ठी (D) चतुर्थी
स्रोत– अष्टाध्यायी (2-3-16) ईश्वरचन्द्र, पेज–199
कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–55

31. 'अनुरूपम्' पद में समास है –
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-4), पेज–33

32. 'त्रिलोकी' पद में समास है –
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि
स्रोत–लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–111

33. 'उ' ऐसा स्वर है, जो है –
(A) केन्द्रीय (B) विवृत
(C) पश्च (D) अग्र
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150

34. 'd' का अघोष रूप निम्नलिखित में से कौन-सा है–
(A) द् (B) ठ्
(C) त् (D) थ्
स्रोत–भाषा विज्ञान-कर्ण सिंह, पेज–158

35. 'मराठी' निम्नलिखित में से किस भाषा परिवार के अन्तर्गत है –
(A) पालि (B) चीनी
(C) जर्मन (D) आधुनिक भारतीय आर्यभाषा
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–443

36. दो क्रमिक व्यञ्जन महाप्राण ध्वनियों में से एक के महाप्राणत्वह्रास का प्रस्ताव जिसने किया, वह है –
(A) ग्रिम (B) वर्नर
(C) बूचट (D) ग्रासमान
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246

37. ''याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा''– यह सूक्ति जिस रचना में है, वह है –
(A) वेणीसंहार (B) नैषधीयचरित
(C) किरातार्जुनीय (D) मेघदूत
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ श्लोक–6)

38. बाणभट्ट की आत्मकथा जिस रचना में वर्णित है, वह रचना है –
(A) दशकुमारचरित (B) हर्षचरित
(C) बुद्धचरित (D) शिशुपालवध
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–396

39. भट्टनारायण जिस रूपक के रचयिता हैं वह रूपक है-
(A) मृच्छकटिकम् (B) रत्नावली
(C) वेणीसंहारम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–518

40. 'राक्षस' पात्र जिस रूपक में है, वह है –
(A) मुद्राराक्षस (B) प्रतिज्ञायौगन्धरायण
(C) उत्तररामचरित (D) स्वप्नवासवदत्ता
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–505

41. ''एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद् भिन्नः पृथक् पृथगिव श्रयते विवर्तान्'' यह उद्धरण किस ग्रन्थ से है–
(A) स्वप्नवासवदत्तम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) उत्तररामचरितम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–260

42. ''लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः। असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता'' यह उद्धरण किस ग्रन्थ से है –
(A) वेणीसंहार (B) मेघदूत
(C) मृच्छकटिक (D) रत्नावली
स्रोत–मृच्छकटिकम् (1/34) - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–30

43. 'सानुमती' पात्र जिस काव्य में है, वह ग्रन्थ है –
(A) किरातार्जुनीयम् (B) शिशुपालवधम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम्-कपिलदेव द्विवेदी, भू.पेज–100

30. (D) **31.** (A) **32.** (A) **33.** (C) **34.** (C) **35.** (D) **36.** (D) **37.** (D) **38.** (B) **39.** (C) **40.** (A)
41. (D) **42.** (C) **43.** (D)

44. ''वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'' - यह काव्यलक्षण जिसने प्रतिपादित किया, वह लक्षणकार हैं –

(A) मम्मट
(B) आनन्दवर्द्धन
(C) विश्वनाथ
(D) धनञ्जय

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

45. 'अभिधा' द्वारा जिस अर्थ का बोध होता है, वह अर्थ है–

(A) लक्ष्यार्थ (B) व्यङ्ग्यार्थ
(C) तात्पर्यार्थ (D) अभिधेयार्थ

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–26

46. 'करुणरस' का स्थायीभाव है –

(A) शोक (B) रति
(C) भय (D) उत्साह

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/223) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–116

47. 'मालतीमाधव' रूपक के प्रकार का नाम है –

(A) प्रकरण (B) नाटक
(C) ईहामृग (D) प्रहसन

साहित्यदर्पण 6/225 शालिग्राम शास्त्री पेज–214

48. नाटक में सन्धियों की संख्या होती है –

(A) पञ्च (B) एक
(C) नव (D) दश

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/76) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–184

49. निम्नलिखित में से खण्डकाव्य कौन है –

(A) रघुवंश (B) शिशुपालवध
(C) मेघदूत (D) सौन्दरनन्द

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–332

50. रूपक भेदों की संख्या कितनी है –

(A) पञ्च (B) एक
(C) नव (D) दस

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

44. (C) **45.** (D) **46.** (A) **47.** (A) **48.** (A) **49.** (C) **50.** (D)

3	दिसम्बर 1996	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. 'ऋग्वेद' के प्रथम मण्डल के प्रथमसूक्त का देवता है–
(A) इन्द्र (B) वरुण
(C) अग्नि (D) बृहस्पति
स्रोत–वैदिक सूक्तसंग्रह - विजयशङ्कर पाण्डेय, पेज–31

2. 'ऋग्वेद' में मन्त्रों की संज्ञा है –
(A) साम (B) ऋचा
(C) यजुः (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–44

3. 'सामवेद' की कितनी शाखाएँ मानी जाती हैं –
(A) 9 (B) 21
(C) 101 (D) 1000
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–83

4. 'आयुर्वेद' किस वेद का उपवेद है –
(A) ऋग्वेद का (B) सामवेद का
(C) यजुर्वेद का (D) अथर्ववेद का
स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

5. 'शुक्ल-यजुर्वेद' से सम्बन्धित ब्राह्मण है –
(A) गोपथ ब्राह्मण (B) शतपथ ब्राह्मण
(C) ऐतरेय ब्राह्मण (D) तैत्तिरीय ब्राह्मण
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

6. विन्टरनित्स के अनुसार ऋग्वेद का समय है –
(A) 1500 B.C. (B) 2500 B.C.
(C) 3500 B.C. (D) 4500 B.C.
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–42

7. इन्द्र का कार्य है –
(A) वर्षा (B) प्रकाश
(C) विद्या (D) धन
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज भू.–11

8. 'पुरूरवा-उर्वशी संवाद' किस वेद में है –
(A) ऋग्वेद में (B) यजुर्वेद में
(C) सामवेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–58

9. ''कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः'' यह सूक्ति किस उपनिषद् से है –
(A) कठोपनिषद् से (B) केनोपनिषद् से
(C) ईशोपनिषद् से (D) मुण्डकोपनिषद् से
स्रोत–ईशोपनिषद् (मन्त्र–2) गीता प्रेस, पेज–28

10. 'पृथिवी-सूक्त' किस वेद में है –
(A) अथर्ववेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) ऋग्वेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109

11. किस वेदाङ्ग को 'चक्षु' कहा गया है –
(A) छन्द को (B) व्याकरण को
(C) ज्योतिष को (D) शिक्षा को
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

12. 'निरुक्त' के रचयिता हैं –
(A) शौनक (B) कात्यायन
(C) गार्ग्य (D) यास्क
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

13. 'पदार्थ सात ही होते हैं' - यह किसका मत है –
(A) न्याय-दर्शन का (B) वैशेषिक-दर्शन का
(C) सांख्य-दर्शन का (D) योग-दर्शन का
स्रोत–तर्कसंग्रह - रामभजन शर्मा वात्स्यायन, पेज–04

14. 'मन' का लक्षण है –
(A) सङ्कल्प-विकल्प (B) अभिमान
(C) अध्यवसाय (D) अवधारणा
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–66

1. (C) **2.** (B) **3.** (D) **4.** (A) **5.** (B) **6.** (B) **7.** (A) **8.** (A) **9.** (C) **10.** (A)
11. (C) **12.** (D) **13.** (B) **14.** (A)

15. 'न्यायसूत्र' के रचयिता हैं –

(A) कपिल (B) बादरायण
(C) गौतम (D) जैमिनि

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज भू.–18

16. 'वैशेषिक' मतानुसार प्रमाण हैं –

(A) त्रीणि (B) द्वे
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–136

17. सांख्य का सिद्धान्त है –

(A) शून्यवाद (B) विवर्तवाद
(C) असत्कार्यवाद (D) सत्कार्यवाद

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-09) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

18. 'तर्कभाषा' के ग्रन्थकार हैं –

(A) सदानन्द (B) केशवमिश्र
(C) वात्स्यायन (D) उदयनाचार्य

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज भू.–28

19. शाङ्करवेदान्त है –

(A) द्वैत (B) विशिष्टाद्वैत
(C) अद्वैत (D) अचिन्त्यभेदाभेद

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज भू.–8

20. मीमांसकों के अनुसार किससे प्रामाण्यग्रहण होता है –

(A) अनुव्यवसाय से (B) विषयता से
(C) संवित्ति से (D) ज्ञातता से

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–160

21. मीमांसा के अनुसार 'धर्म' का लक्षण है –

(A) चोदनालक्षणोऽर्थो धर्मः
(B) यतोऽभ्युदयनिःश्रेयसंसिद्धिः स धर्मः
(C) धारणाद्धर्म इत्याहुः
(D) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–14

22. 'न्यायदर्शन' के अनुसार जीवन का लक्ष्य है –

(A) कैवल्य (B) निःश्रेयस
(C) मोक्ष (D) निर्वाण

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–04

23. व्यास किसके भाष्यकार हैं –

(A) सांख्यसूत्र के (B) ब्रह्मसूत्र के
(C) न्यायसूत्र के (D) योगसूत्र के

स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज भू.–21

24. 'पञ्चीकरण' किसका सिद्धान्त है –

(A) न्याय का (B) मीमांसा का
(C) सांख्य का (D) वेदान्त का

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–79

25. 'मनोरथः' में सन्धि है –

(A) गुण सन्धि (B) पूर्वरूप सन्धि
(C) प्रकृतिभाव सन्धि (D) विसर्ग सन्धि

स्रोत–लघुसिद्धान्त कौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–122

26. 'पञ्चाननः' में समास है –

(A) तत्पुरुष समास (B) बहुव्रीहि समास
(C) द्विगु समास (D) कर्मधारय समास

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-4), पेज–192

27. 'अलम्' के योग में विभक्ति होती है –

(A) पञ्चमी (B) चतुर्थी
(C) षष्ठी (D) द्वितीया

स्रोत–कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–55

28. 'पाकः' में कौन-सा प्रत्यय है –

(A) क (B) ण्वुल्
(C) क्त (D) घञ्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमीव्याख्या भाग-3), पेज–193

29. 'अबोधीत्' में लकार है –

(A) लिट् लकार (B) लङ् लकार
(C) लुङ् लकार (D) लृङ् लकार

स्रोत–बृहद्धातुकुसुमाकर - हरेकान्तमिश्र, पेज–224

30. 'चित्रगुः' का विग्रहवाक्य है –

(A) चित्रा चासौ गौः (B) चित्रा गावो यस्य सः
(C) चित्राणां गवां समाहारः (D) चित्रायाः गौः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–198

15. (C) **16.** (B) **17.** (D) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (D) **21.** (A) **22.** (B) **23.** (D) **24.** (D) **25.** (D) **26.** (B) **27.** (B) **28.** (D) **29.** (C) **30.** (B)

31. पाणिनि के अनुसार 'पद' का लक्षण है –

(A) अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्
(B) वा पदान्तस्य
(C) पदान्ताद्वा
(D) सुप्तिङन्तं पदम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114

32. पाणिनि के अनुसार कर्म का लक्षण है –

(A) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(B) कर्मण्यधिकरणे च
(C) कर्मण्यण्
(D) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-49) - ईश्वरचन्द्र, पेज-127

33. 'ङ' का उच्चारण स्थान है –

(A) कण्ठतालु (B) कण्ठोष्ठ
(C) दन्तोष्ठ (D) कण्ठनासिका

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

34. 'व' का सम्प्रसारण है –

(A) इ (B) उ
(C) ऋ (D) ऌ

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–26

35. 'अवेस्ता' का भाषापरिवार है –

(A) द्राविड़ (B) सामी-हामी
(C) भारतीय-आर्यभाषा (D) जर्मानिक

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

36. 'स' का घोषरूप है –

(A) ज् (B) व्
(C) द् (D) ग्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–225

37. ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्''– यह सूक्ति जिस रचना में है, वह रचना है –

(A) मेघदूतम् (B) मुद्राराक्षसम्
(C) शिशुपालवधम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

38. हर्षचरितम् है –

(A) कथा (B) आख्यायिका
(C) नाटिका (D) प्रकरण

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी पेज–491

39. विशाखदत्त की रचना है –

(A) मृच्छकटिकम् (B) वेणीसंहारम्
(C) नागानन्दम् (D) मुद्राराक्षसम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–354

40. वेणीसंहार का अङ्गीरस है –

(A) रौद्र (B) वीर
(C) वीभत्स (D) भयानक

स्रोत–वेणीसंहार - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू. पेज –06

41. यौगन्धरायण किसका प्रमुखपात्र है –

(A) उत्तररामचरितम् का (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् का
(C) स्वप्रवासवदत्तम् का (D) कादम्बरी का

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - जयपाल विद्यालंकार, पेज–1

42. वह रचना जिसमें शुकनासोपदेश है –

(A) दशकुमारचरितम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) शिवराजविजयम् (D) कादम्बरी

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–399

43. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः''– यह सूक्ति जिस रचना में है, वह रचना है –

(A) रघुवंशम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) बुद्धचरितम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज–42

44. ''रहस्यं साधूनामनुपधि विशुद्धं विजयते'' जिस कवि की उक्ति है, वह कवि है –

(A) कालिदास (B) अश्वघोष
(C) भवभूति (D) दिङ्नाग

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2.12) कपिलदेव द्विवेदी, पेज–99

45. ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्'' लक्षण जिस आचार्य का है, वह आचार्य हैं –

(A) भामह (B) दण्डी
(C) कुन्तक (D) मम्मट

स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, भू. पेज–44

31. (D) **32.** (A) **33.** (D) **34.** (B) **35.** (C) **36.** (A) **37.** (D) **38.** (B) **39.** (D) **40.** (B) **41.** (C) **42.** (D) **43.** (B) **44.** (C) **45.** (A)

46. सङ्केतग्रह का सम्बन्ध है –

(A) अभिधा से (B) लक्षणा से
(C) व्यञ्जना से (D) तात्पर्या से

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4) शालिग्राम शास्त्री, पेज–26-27

47. साधारणीकरण सिद्धान्त के उद्भावक आचार्य हैं –

(A) आनन्दवर्धन
(B) अभिनवगुप्त
(C) भट्टनायक
(D) महिमभट्ट

स्रोत–साहित्य दर्पण - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, भू. पेज–83

48. 'बीभत्सरस' का स्थायीभाव है –

(A) रति (B) हास
(C) शोक (D) जुगुप्सा

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/239) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

49. यह उपरूपक का एक भेद है –

(A) नाटिका (B) भाण
(C) प्रहसन (D) डिम

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/4-6) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

50. प्रकरण का नायक होता है –

(A) धीरोदात्त (B) धीरललित
(C) धीरोद्धत्त (D) धीरप्रशान्त

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/225) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–214

46. (A) **47.** (C) **48.** (D) **49.** (A) **50.** (D)

4	दिसम्बर 1997	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. 'ऋग्वेद' का दूसरा नाम है –
(A) श्रोत्रवेद (B) त्रयी
(C) गानवेद (D) दशतयी
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–35

2. वेद इन्हें कहते हैं –
(A) धर्मसूत्र और उपनिषद् को
(B) श्रौतसूत्र और गृह्यसूत्र को
(C) शिक्षा और प्रातिशाख्य को
(D) मन्त्र और ब्राह्मण को
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–5

3. 'पुराणी देवी' किसका विशेषण है –
(A) सरस्वती का (B) उषस् का
(C) पृथिवी का (D) वाक् का
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, भू. पेज–17

4. पृथिवी की पूजा किसमें है –
(A) तैत्तिरीयब्राह्मण में (B) सामवेद में
(C) अथर्ववेद में (D) पारस्करगृह्यसूत्र में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज 109

5. जल से उत्पत्ति का सिद्धान्त किसमें है –
(A) शिवसङ्कल्प-सूक्त में (B) नासदीयसूक्त में
(C) पुरुषसूक्त में (D) विश्वकर्मासूक्त में
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (10.129) - हरिदत्त शास्त्री, पेज–430

6. 'उमा-हेमवती कथा' किस उपनिषद् में है –
(A) श्वेताश्वतरोपनिषद् में
(B) छान्दोग्योपनिषद् में
(C) केनोपनिषद् में
(D) मुण्डकोपनिषद् में
स्रोत–केनोपनिषद् खण्ड-4 (ईशादि नौ उपनिषद्), पेज–67

7. 'वैदिकव्याकरण' के पाश्चात्त्य आधुनिक लेखक हैं–
(A) बॉप (B) मायरहोफर
(C) लुई रेनू (D) आर०एन० दण्डेकर
स्रोत–संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-2), पेज–331

8. 'पैप्पलादशाखा' का सम्बन्ध है –
(A) ऋग्वेद से (B) अथर्ववेद से
(C) यजुर्वेद से (D) सामवेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

9. पञ्चमहायज्ञों का वर्णन किसमें है –
(A) बृहदारण्यकोपनिषद् में (B) तैत्तिरीयारण्यक में
(C) ऋग्वेद में (D) पैप्पलादशाखा में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–164

10. ''शब्द अनेक धातुओं से बनते हैं'' - यह किसका मत है–
(A) शाकटायन का (B) यास्क का
(C) वार्ष्यायण का (D) गार्ग्य का
स्रोत–निरुक्तम् आचार्य - विश्वेश्वर, पेज–81

11. ऋग्वेद में ये 'पारिवारिक-मण्डल' कहे जाते हैं –
(A) एक से पाँच (B) पाँच से दस
(C) आठ से नौ (D) दो से सात
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

12. यह द्युलोक का देवता है –
(A) वरुण (B) सोम
(C) बृहस्पति (D) अग्नि
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

13. सत्कार्यवाद का साधक हेतु है –
(A) संघातपरार्थत्वात् (B) कारणभावात्
(C) त्रैगुण्यविपर्ययात् (D) भोक्तृभावात्
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-9)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

1. (D) **2.** (D) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (B) **6.** (C) **7.** (C) **8.** (B) **9.** (B) **10.** (A) **11.** (D) **12.** (A) **13.** (B)

14. सांख्यदर्शन में तन्मात्र का मूल है –

(A) पुरुष (B) महत्

(C) अहङ्कार (D) पञ्चभूत

स्रोत–सांख्यतत्त्वकौमुदी (कारिका-22) आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–217

15. सांख्यमतानुसार कार्य है –

(A) सदसत् (B) असत्

(C) सदसद्विलक्षण (D) सत्

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-9) आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–153

16. सांख्यकारिका का रचयिता कौन है –

(A) उदयन (B) ईश्वरसेन

(C) ईश्वरकृष्ण (D) ईश्वरनन्दिन्

स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–15

17. वेदान्त का एक अनुबन्ध है –

(A) उपनिषद् (B) सम्बन्ध

(C) अज्ञान (D) आत्मा

स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण, श्रीवास्तव पेज–09

18. जीव को बन्धन में डालने वाली शक्ति को कहते हैं–

(A) आवरणशक्ति (B) विक्षेपशक्ति

(C) परिणामशक्ति (D) विवर्तशक्ति

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

19. वेदान्तानुसार 'मन' का स्वरूप है –

(A) अभिमान (B) सङ्कल्प-विकल्प

(C) अनुसन्धान (D) निश्चय

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–66

20. 'रज्जु' में सर्प का ज्ञान कहलाता है –

(A) परिणाम (B) अपवाद

(C) विक्षेप (D) विवर्त

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–116

21. न्यायवैशेषिक मतानुसार 'सुवर्ण' है –

(A) रूप (B) द्रवत्व

(C) तेजस् (D) रूपाभाव

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–39

22. न्यायमतानुसार 'समवायिकारण' होता है –

(A) द्रव्य (B) सामान्य

(C) विशेष (D) प्रागभाव

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–30

23. उपमान-प्रमाण का फल है –

(A) निर्विकल्पक ज्ञान (B) शाब्दबोध

(C) शब्दप्रत्यक्ष (D) संज्ञासंज्ञिसम्बन्धज्ञान

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–120

24. शब्दत्व के प्रत्यक्ष में सन्निकर्ष होता है –

(A) समवेत समवाय (B) संयोग

(C) संयुक्त समवाय (D) समवाय

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–67

25. 'घि' संज्ञा किसकी नहीं होती है –

(A) भूपति (B) सखि

(C) नरपति (D) हरि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.7) ईश्वरचन्द्र, पेज–112

26. इनमें 'प्रातिपदिक' है –

(A) गच्छति (B) जस्

(C) वनम् (D) अहन्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-2-45) ईश्वरचन्द्र, पेज–69-70

27. 'हेतौ' इस सूत्र का उदाहरण है –

(A) धूमात् वह्निमान् (B) अध्ययनेन वसति

(C) धनेन किम् (D) बाणेन हतः

स्रोत–कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–45

28. इनमें शुद्ध रूप है –

(A) व्याकरणम् अधीती (B) व्याकरणेन अधीती

(C) व्याकरणे अधीती (D) व्याकरणस्य अधीती

स्रोत–कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–94

29. 'बलिं वसुधां याचते' - यहाँ 'बलि' की कर्मसंज्ञा विधायक सूत्र है –

(A) अकथितं च (B) तथायुक्तं चानीप्सितम्

(C) दिवः कर्म च (D) अभिनिविशश्च

स्रोत–कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–19

14. (C)	**15.** (D)	**16.** (C)	**17.** (B)	**18.** (A)	**19.** (B)	**20.** (D)	**21.** (C)	**22.** (C)	**23.** (D)	**24.** (A)
25. (B)	**26.** (D)	**27.** (B)	**28.** (C)	**29.** (A)						

30. इनमें सवर्ण संज्ञक हैं –

(A) इ, श (B) आ, ह

(C) ऋ, ऌ (D) अ, उ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–16

31. ''रूपस्य योग्यम्'' इससे बनता है –

(A) यथारूपम् (B) प्रतिरूपम्

(C) अनुरूपम् (D) अतिरूपम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–33

32. 'द्वियमुनम्' किस सूत्र से बनता है –

(A) अव्ययीभावश्च (B) नदीभिश्च

(C) संख्यापूर्वो द्विगुः (D) अव्ययीभावे चाकाले

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–42

33. चीनी भाषा इस प्रकार में आती है –

(A) Isolating (अयोगात्मक)

(B) Incorporating (समासप्रधान)

(C) Agglutinating (प्रत्ययप्रधान)

(D) Inflecting (विभक्तिप्रधान)

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357

34. 'शतम्' वर्ग की भाषा है –

(A) तोखारी (B) आर्मीनी

(C) जर्मानिक (D) केल्टिक

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

35. इनमें मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा है –

(A) वैदिक-संस्कृत (B) मराठी

(C) मागधी (D) उड़िया

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–435

36. 'स्वराघात के कारण ध्वनि परिवर्तन होता है' - इस नियम के प्रवर्तक हैं –

(A) वर्नर (B) ग्रिम

(C) ग्रासमान (D) फोर्तुनातोव

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246

37. ''स्नेहक्षयात् केवलमेति शान्तिम्''– यह सूक्ति किस काव्य से है –

(A) मेघदूतम् से (B) बुद्धचरितम् से

(C) शिशुपालवधम् से (D) किरातार्जुनीयम् से

38. 'पत्रलेखा' किसकी पात्र है –

(A) मृच्छकटिकम् की (B) रत्नावली की

(C) हर्षचरितम् की (D) कादम्बरी की

स्रोत–कादम्बरी - कृष्णमोहनशास्त्री, पेज–38

39. किस काव्य में एक पात्र के पाँच रूप हैं –

(A) बुद्धचरित में (B) नैषधीयचरित में

(C) मुद्राराक्षस में (D) वेणीसंहार में

स्रोत–नैषधीयचरितम् (सर्ग-13)-देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, पेज–127

40. अभिसारिकाओं (वेश्याओं) का वर्णन है –

(A) कादम्बरी में (B) मृच्छकटिकम् में

(C) दशकुमारचरितम् में (D) रत्नावली में

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवासशास्त्री, भू. पेज–18

41. किस रूपक में रथ परिवर्तन से कथानक आगे चलता है–

(A) मुद्राराक्षस में (B) मृच्छकटिक में

(C) वेणीसंहार में (D) उत्तररामचरित में

स्रोत–मृच्छकटिकम् (अङ्क-6)-श्रीनिवासशास्त्री, भू. पेज–19

42. 'शकारी प्राकृत' का प्रयोग किस ग्रन्थ में है –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) स्वप्नवासवदत्तम् में

(C) मृच्छकटिकम् में (D) वेणीसंहारम् में

स्रोत–मृच्छकटिकम् - रमाशंकर त्रिपाठी, भू. पेज–40

43. उपमा, अर्थगौरव और पदलालित्य- ये तीनों गुण किस महाकाव्य में है –

(A) बुद्धचरित में (B) किरातार्जुनीय में

(C) रघुवंश में (D) शिशुपालवध में

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–269

30. (C)	**31.** (C)	**32.** (B)	**33.** (A)	**34.** (B)	**35.** (C)	**36.** (A)	**37.** (B)	**38.** (D)	**39.** (B)	**40.** (B)
41. (B)	**42.** (C)	**43.** (D)								

44. ''राजनीतिरपस्पशा'' किस काव्य से है –
(A) रघुवंश से (B) शिशुपालवध से
(C) बुद्धचरित से (D) किरातार्जुनीय से
स्रोत–शिशुपालवधम् (2/112) हरगोविन्द शास्त्री, पेज–120

45. 'ईश्वरानुद्भाविता' का किससे सम्बन्ध है –
(A) अभिधा से (B) तात्पर्या से
(C) ध्वनि से (D) लक्षणा से
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–29

46. यह भाण है –
(A) रत्नावली (B) मुद्राराक्षस
(C) धूर्तसमागम (D) कर्पूरमञ्जरी
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/227) शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

47. 'रसभावनैरन्तर्य' किसमें होता है –
(A) रूपक में (B) खण्डकाव्य में
(C) महाकाव्य में (D) चम्पू में
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/8) शालिग्रामशास्त्री, पेज–171

48. यह खण्डकाव्य है –
(A) दशकुमारचरितम्
(B) नलचम्पू
(C) मेघदूतम्
(D) किरातार्जुनीयम्
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्रामशास्त्री, पेज–226

49. यह सामान्य गुणों से युक्त नायक है –
(A) धीरोदात्त
(B) धीरप्रशान्त
(C) धीरललित
(D) दक्षिण
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/34) शालिग्रामशास्त्री, पेज–66

50. ''व्यापी प्रासङ्गिक वृत्त'' कहलाता है –
(A) प्रकरी (B) बिन्दु
(C) पताका (D) सन्धि
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/67) शालिग्रामशास्त्री, पेज–182

44. (B) **45.** (D) **46.** (C) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (B) **50.** (C)

5	जून 1998	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'पुरोहित' - यह विशेषण किसका है –
(A) इन्द्र का (B) रुद्र का
(C) अग्नि का (D) मरुत् का
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–44

2. 'यस्य त्री पूर्णा मधुना पदानि' इसका किससे सम्बन्ध है-
(A) वायु से (B) विष्णु से
(C) इन्द्र से (D) अश्विनौ से
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–168

3. 'नासत्याभ्यां बर्हिरिव'- यह किस सूक्त में है –
(A) अग्निसूक्त में (B) विष्णुसूक्त में
(C) इन्द्रसूक्त में (D) अश्विनसूक्त में
स्रोत–ऋग्वेद 1.116.1

4. 'यम-नचिकेता' संवाद किस उपनिषद् में है –
(A) केन में (B) ऐतरेय में
(C) कठ में (D) छान्दोग्य में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175

5. 'रोहित-सूक्त' किसमें उपलब्ध होता है –
(A) ऋग्वेद में (B) अथर्ववेद में
(C) सामवेद में (D) यजुर्वेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–111

6. 'विश्वामित्र-नदी संवाद' किसमें मिलता है –
(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) अथर्ववेद में (D) कृष्णयजुर्वेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

7. 'केनोपनिषद्' किस वेद से सम्बद्ध है –
(A) अथर्ववेद से (B) सामवेद से
(C) शुक्लयजुर्वेद से (D) ऋग्वेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

8. 'काण्व संहिता'- किस वेद से सम्बद्ध है –
(A) ऋग्वेद से (B) शुक्लयजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) कृष्णयजुर्वेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

9. महीधर- किस वेद के भाष्यकार हैं -
(A) अथर्ववेद के (B) कृष्णयजुर्वेद के
(C) शुक्लयजुर्वेद के (D) सामवेद के
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24

10. ऋग्वेद के पदपाठकार हैं –
(A) शाकल्य (B) आत्रेय
(C) यास्क (D) कात्यायन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22

11. 'प्रातिशाख्य' किस वेदाङ्ग से सम्बद्ध है –
(A) व्याकरण से (B) ज्योतिष से
(C) शिक्षा से (D) कल्प से
संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-2)-बलदेव उपाध्याय पेज–05

12. वेदाङ्ग में छन्दस् कहलाता है –
(A) पाद (B) हस्त
(C) चक्षु (D) मुख
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

13. 'सत्कार्यवाद' का एक साधक हेतु है –
(A) त्रैगुण्यविपर्यय (B) उपलब्धि
(C) सर्वसम्भवाभाव (D) त्रैगुण्य
स्रोत–सांख्यतत्त्वकौमुदी (कारिका-09)-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–143

14. 'सांख्यमतानुसार' आकाश किससे उत्पन्न होता है –
(A) ईश्वर से (B) अव्यक्त से
(C) अहङ्कार से (D) शब्दतन्मात्र से
स्रोत–सांख्यतत्त्वकौमुदी (कारिका-22)-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–224

1. (C)	**2.** (B)	**3.** (D)	**4.** (C)	**5.** (B)	**6.** (A)	**7.** (B)	**8.** (B)	**9.** (C)	**10.** (A)	**11.** (C)
12. (A)	**13.** (C)	**14.** (D)								

15. 'प्रत्ययसर्ग' में यह अन्तर्भूत है –
(A) तन्मात्र (B) विपर्यय
(C) पुरुष (D) अहङ्कार
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका 46) आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–285

16. सांख्यमतानुसार प्रधान है –
(A) अपरिणामी (B) भोक्ता
(C) अप्रसवधर्मी (D) प्रकृति
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-11) सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–129

17. वेदान्त का एक अनुबन्ध है –
(A) अधिकारी (B) अद्वैत
(C) ब्रह्म (D) ज्ञान
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

18. वेदान्तमतानुसार आवरणशक्ति किसकी है –
(A) ब्रह्म की (B) ईश्वर की
(C) अज्ञान की (D) ज्ञान की
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

19. संसार है ब्रह्म का –
(A) परिणाम (B) अपवाद
(C) विवर्त (D) अद्वैत
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–117

20. 'पञ्चीकरण सिद्धान्त' किसका है –
(A) सांख्य का (B) योग का
(C) वैशेषिक का (D) अद्वैतवेदान्त का
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–78

21. मनस् है –
(A) सामान्य (B) गुण
(C) द्रव्य (D) विशेष
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–28

22. समवाय इनके बीच होता है –
(A) गुण-कर्म के बीच
(B) अवयव-अवयवी के बीच
(C) सामान्य विशेष के बीच
(D) घटाभाव-भूतल के बीच
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–120

23. पट का समवायिकारण है –
(A) तन्तुवाय (B) तन्तुसंयोग
(C) तन्तुत्व (D) तन्तु
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–71

24. 'शब्दत्व' के प्रत्यक्ष में सन्निकर्ष होता है –
(A) संयोग सन्निकर्ष (B) समवेतसमवाय सन्निकर्ष
(C) संयुक्तसमवाय सन्निकर्ष (D) समवाय सन्निकर्ष
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–80

25. 'टि' - संज्ञा का लक्षण है –
(A) परः सन्निकर्षः (B) एकाल्
(C) अचोऽन्त्यादि (D) अदेङ्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-63) ईश्वरचन्द्र, पेज–47

26. इसमें प्रगृह्यसंज्ञक है –
(A) पचेते (B) सेवते
(C) विमतिः (D) नदी
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-11) ईश्वरचन्द्र, पेज–13

27. लिङ्गमात्राधिक्ये प्रथमा - इसका उदाहरण है –
(A) एकः, द्वौ, बहवः (B) द्रोणो व्रीहिः
(C) तटः, तटी, तटम् (D) श्रीः, कृष्णः, ज्ञानम्
स्रोत–कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–13

28. 'इत्थम्भूतलक्षणे' - इस सूत्र का उदाहरण है –
(A) मुखेन त्रिलोचनः (B) जटाभिः तापसः
(C) पादेन गच्छति (D) प्रकृत्या शोभनः
स्रोत–कारकप्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–43

29. 'अभिव्यापक आधार' का उदाहरण है -
(A) कटे आस्ते (B) केशेषु गृहीतः
(C) तिलेषु तैलम् (D) गुरौ भक्तिः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–102

30. 'आरात्' के योग में विभक्ति होती है –
(A) तृतीया विभक्ति (B) द्वितीया विभक्ति
(C) चतुर्थी विभक्ति (D) पञ्चमी विभक्ति
स्रोत–कारकप्रकरण (2-3-29) राममुनि पाण्डेय, पेज–65

15. (B)	**16.** (D)	**17.** (A)	**18.** (C)	**19.** (C)	**20.** (D)	**21.** (C)	**22.** (B)	**23.** (D)	**24.** (B)	**25.** (C)
26. (A)	**27.** (C)	**28.** (B)	**29.** (C)	**30.** (D)						

31. 'सतृणम्' यहाँ समास किस अर्थ में है –

(A) समीप अर्थ में (B) साकल्य अर्थ में
(C) समृद्धि अर्थ में (D) विभक्ति अर्थ में

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–40

32. 'भूतपूर्वः' यहाँ समासविधायक सूत्र है –

(A) प्राक्कडारात्समासः (B) कुगतिप्रादयः
(C) सह सुपा (D) उपसर्जनं पूर्वम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–09

33. यह पश्चस्वर है –

(A) ए (B) इ
(C) अ (D) आ

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150

34. विभक्तिप्रधान भाषा है –

(A) संस्कृत (B) तुर्की
(C) द्रविड़ (D) चीनी

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–363

35. 'तालव्यीकरण' का नियम किसमें लागू होता है –

(A) चकार में (B) बभूव में
(C) तस्थौ में (D) पपात में

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–248

36. यह सन्ध्यक्षर पालि-भाषा में नहीं है –

(A) ए (B) ओ
(C) ऐ (D) इनमें से कोई नहीं

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–434

37. ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्''- यह सूक्ति किसमें है –

(A) उत्तररामचरितम् में (B) मालतीमाधवम् में
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (D) विक्रमोर्वशीयम् में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

38. 'रैवतक-पर्वत' का वर्णन किसमें है –

(A) कुमारसम्भव में (B) शिशुपालवध में
(C) नैषधीयचरित में (D) किरातार्जुनीय में

स्रोत–शिशुपालवधम् (सर्ग-4) - तारिणीश झा, भू. पेज–24

39. 'बुद्धचरितमहाकाव्य' का रचयिता कौन है –

(A) भारवि (B) अश्वघोष
(C) माघ (D) कालिदास

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–228

40. 'महाभारत' पर आधारित महाकाव्य है –

(A) कुमारसम्भवमहाकाव्य
(B) रघुवंशमहाकाव्य
(C) रावणवधमहाकाव्य
(D) शिशुपालवधमहाकाव्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर ऋषि, पेज–259

41. 'गर्भाङ्क' किस नाटक में है –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) उत्तररामचरितम् में
(C) स्वप्नवासवदत्तम् में (D) वेणीसंहारम् में

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–528-529

42. 'मृच्छकटिकम्' में विदूषक का नाम है –

(A) आत्रेय (B) माधव्य
(C) मैत्रेय (D) वसन्तक

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–01

43. 'मुद्राराक्षस' का प्रधानरस है –

(A) शृङ्गार (B) शान्त
(C) करुण (D) वीर

स्रोत–मुद्राराक्षस - पुष्पा गुप्ता, पेज भू.–xxiv

44. 'शाल्मली-वृक्ष' का वर्णन किस गद्यकाव्य में है –

(A) हर्षचरित में (B) दशकुमारचरित में
(C) कादम्बरी में (D) वासवदत्ता में

स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, पेज–195

45. विश्वनाथ ने किसके काव्यलक्षण का खण्डन किया है-

(A) भामह के (B) मम्मट के
(C) दण्डी के (D) जगन्नाथ के

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–12, 13

46. 'लक्षणा' - स्वीकृति का आधार है –

(A) योग्यता (B) आसत्ति
(C) सङ्केत (D) मुख्यार्थबाध

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/5) शालिग्राम शास्त्री, पेज–28

31. (B)	**32.** (C)	**33.** (D)	**34.** (A)	**35.** (A)	**36.** (C)	**37.** (C)	**38.** (B)	**39.** (B)	**40.** (D)	**41.** (B)
42. (C)	**43.** (D)	**44.** (C)	**45.** (B)	**46.** (D)						

47. वीररस का स्थायीभाव है –

(A) उत्साह (B) जुगुप्सा
(C) शोक (D) भय

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/232)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–118

48. नाटक में सन्धियों की संख्या है –

(A) षट् (B) नव
(C) पञ्च (D) दश

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/76) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–184

49. 'मृच्छकटिक' किस प्रकार का रूपक है –

(A) नाटक (B) भाण
(C) व्यायोग (D) प्रकरण

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/225) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–214

50. यह धीरललित नायक है –

(A) उदयन (B) भीम
(C) दुष्यन्त (D) राम

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/34) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–66

47. (A) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (A)

6	दिसम्बर 1998	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'मरुत्वान्' यह विशेषण किसका है –

(A) इन्द्र का (B) विष्णु का
(C) अग्नि का (D) रुद्र का

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्त शास्त्री, भू. पेज–11

2. 'भिषक्तमं त्वा भिषजां शृणोमि' इसका किस देवता से सम्बन्ध है –

(A) वायु (B) विष्णु
(C) रुद्र (D) सोम

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (2-33-4)-हरिदत्तशास्त्री, पेज–196

3. ''यो जात एव प्रथमो मनस्वान्'' यह किस सूक्त में है-

(A) अग्नि-सूक्त में (B) रुद्र-सूक्त में
(C) वरुण-सूक्त में (D) इन्द्र-सूक्त में

स्रोत–ऋक् सूक्त संग्रह (2-12-1)-हरिदत्तशास्त्री, पेज–177

4. ''उद्दालक-श्वेतकेतु संवाद'' किस उपनिषद् में है –

(A) कठ में (B) केन में
(C) ईश में (D) छान्दोग्य में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

5. कौनसी संहिता ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, धर्मसूत्रादि से सर्वाङ्गपूर्ण है–

(A) अथर्ववेदसंहिता में (B) सामवेद संहिता में
(C) तैत्तिरीयसंहिता में (D) वाजसनेयी संहिता में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68

6. 'सरमा-पणि संवाद' किसमें मिलता है –

(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) अथर्ववेद में (D) कृष्णयजुर्वेद में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

7. छान्दोग्योपनिषद् किस वेद से सम्बद्ध है –

(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) अथर्ववेद से (D) शुक्लयजुर्वेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

8. 'माध्यन्दिन-संहिता' किस वेद से सम्बद्ध है –

(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) शुक्लयजुर्वेद से (D) कृष्णयजुर्वेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

9. 'वेङ्कटमाधव' किस वेद के भाष्यकार हैं –

(A) ऋग्वेद के (B) कृष्णयजुर्वेद के
(C) अथर्ववेद के (D) सामवेद के

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23

10. वेदीनिर्माण की प्रक्रिया यहाँ उपलब्ध है –

(A) श्रौतसूत्र में (B) गृह्यसूत्र में
(C) शुल्बसूत्र में (D) धर्मसूत्र में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

11. यह वेदाङ्ग है –

(A) आरण्यक (B) छन्द
(C) ब्राह्मण (D) उपनिषद्

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

12. वेदाङ्गों में व्याकरण कहलाता है –

(A) पाद (B) हस्त
(C) नेत्र (D) मुख

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

13. 'सत्कार्यवाद' का एक साधक हेतु है –

(A) उपादानग्रहण (B) त्रैगुण्यविपर्यय
(C) उपलब्धि (D) त्रैगुण्य

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-09) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–143

1. (A) **2.** (C) **3.** (D) **4.** (D) **5.** (C) **6.** (A) **7.** (B) **8.** (C) **9.** (A) **10.** (C) **11.** (B)
12. (D) **13.** (A)

14. 'तन्मात्र' किससे उत्पन्न होता है –

(A) पुरुष से (B) महत् से
(C) अहङ्कार से (D) पञ्चभूत से

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-22) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–224

15. 'प्रत्ययसर्ग' में यह अन्तर्भूत है –

(A) तन्मात्र (B) अशक्ति
(C) पुरुष (D) अहङ्कार

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-46) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–288

16. सांख्य के अनुसार बन्ध का कारण है –

(A) विवेकग्रह (B) विवेकख्याति
(C) अनिर्वचनीयख्याति (D) सत्ख्याति

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-44) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–263

17. वेदान्तानुसार विक्षेपशक्ति किसकी है –

(A) ब्रह्म की (B) ईश्वर की
(C) अज्ञान की (D) ज्ञान की

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

18. 'साधनचतुष्टय' के अन्तर्गत है –

(A) ईश्वर
(B) नित्यानित्यवस्तुविवेक
(C) ब्रह्मज्ञान
(D) उपनिषद्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

19. 'रज्जु में सर्प का ज्ञान' किसका उदाहरण है –

(A) परिणाम का (B) अपवाद का
(C) विवर्त का (D) अद्वैत का

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–116

20. वेदान्तानुसार 'सूक्ष्मशरीर' के अवयवों की संख्या है –

(A) पञ्च (B) सप्तदश
(C) चतुर्दश (D) अष्टादश

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

21. आकाश है –

(A) गुण (B) द्रव्य
(C) सामान्य (D) विशेष

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेनगुप्ता, पेज–28

22. 'विशेष' पदार्थ इसमें ही रहता है –

(A) अनित्यद्रव्य में (B) समवाय में
(C) अभाव में (D) नित्यद्रव्य में

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेनगुप्ता, पेज–32

23. ज्ञान का समवायिकारण है –

(A) शरीर (B) इन्द्रिय
(C) आत्मा (D) मन

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेनगुप्ता, भू. पेज–13

24. घटरूप का असमवायिकारण है –

(A) कपालरूप (B) दण्डरूप
(C) कपालत्व (D) कुम्भकार

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–36

25. संहिता का लक्षण है –

(A) अदेङ् (B) एकाल्
(C) हलोऽनन्तराः (D) परः सन्निकर्षः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

26. सर्वनामस्थान संज्ञाविधायक सूत्र है –

(A) सुप्तिङन्तम् (B) न वेति
(C) शि सर्वनामस्थानम् (D) तुल्यास्यप्रयत्नम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–24

27. अकथितकर्म का उदाहरण है –

(A) विषं भुङ्क्ते (B) ग्रामं गच्छति
(C) मासमास्ते (D) देवदत्तं शतं मुष्णाति

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–22

28. हेतु तृतीया का उदाहरण है –

(A) प्रकृत्या चारु (B) अध्ययनेन वसति
(C) दुःखेन याति (D) मासेन व्याकरणम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनिपाण्डेय, पेज–45

29. 'इदम् एषां शयितम्'- यहाँ षष्ठीविधायक सूत्र है –

(A) क्तस्य च वर्तमाने (B) कृत्यानां कर्तरि वा
(C) अधिकरणवाचिनश्च (D) कर्तृकर्मणोः कृति

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–85

14. (C) **15.** (B) **16.** (A) **17.** (C) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (B) **22.** (D) **23.** (C) **24.** (A)
25. (D) **26.** (C) **27.** (D) **28.** (B) **29.** (C)

30. 'अधिहरि'- यह समास किस अर्थ में है –
(A) समीप अर्थ में (B) समृद्धि अर्थ में
(C) व्यृद्धि अर्थ में (D) विभक्ति अर्थ में
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–21

31. 'पञ्चगङ्गम्' यहाँ समास है –
(A) द्विगुसमास (B) तत्पुरुषसमास
(C) अव्ययीभावसमास (D) बहुव्रीहिसमास
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–43

32. 'छात्राणां रामः श्रेष्ठः' इसका वैकल्पिक रूप है –
(A) छात्रेभ्यः रामः श्रेष्ठः (B) छात्रेषु रामः श्रेष्ठः
(C) छात्रैः रामः श्रेष्ठः (D) छात्रान् रामः श्रेष्ठः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–98

33. यह श्लिष्ट भाषा परिवार है –
(A) Dravedian (द्रविड)
(B) Chinese (चीनी)
(C) Greenlandish (ग्रीनलैण्डिस)
(D) Indo-European (भारोपीय)
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-383, 385

34. यह अग्र स्वर है –
(A) उ (B) य
(C) इ (D) ओ
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150

35. इसमें ग्रासमान का नियम लागू होता है –
(A) बभूव में (B) चकार में
(C) जगाम में (D) तस्थौ में
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246

36. संस्कृत का 'ऐ' प्राकृत भाषा में हो जाता है –
(A) अ (B) ए
(C) औ (D) उ
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–434

37. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' -यह किस काव्य में है-
(A) नैषधीयचरित में (B) मेघदूत में
(C) शिशुपालवध में (D) किरातार्जुनीय में
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4)-अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज–42

38. किसमें नारद का वर्णन है –
(A) रघुवंश में (B) बुद्धचरित में
(C) शिशुपालवध में (D) हर्षचरित में
स्रोत–शिशुपालवधम् (1/1)-तारिणीश झा, पेज–02

39. 'वेणीसंहार' के रचयिता हैं –
(A) कालिदास (B) भवभूति
(C) श्रीहर्ष (D) भट्टनारायण
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–381

40. 'महाभारत' पर आश्रित नाटक है –
(A) रत्नावली (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) मालतीमाधवम्
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–41

41. छाया-सीता इनमें से किस नाटक में आती हैं –
(A) मृच्छकटिक में (B) मुद्राराक्षस में
(C) उत्तररामचरित में (D) रत्नावली में
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–58

42. 'अभिज्ञानशाकुन्तल' में विदूषक का नाम है –
(A) आत्रेय (B) माधव्य (माढव्य)
(C) मैत्रेय (D) वसन्तक
स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–90

43. 'उत्तररामचरित' नाटक का प्रधानरस है –
(A) शृङ्गार (B) शान्त
(C) करुण (D) वीर
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–86

44. 'दुर्भिक्ष' का वर्णन किस काव्य में है –
(A) हर्षचरित में (B) दशकुमारचरित में
(C) कादम्बरी में (D) वासवदत्ता में
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–397

45. विश्वनाथ का काव्यलक्षण है –
(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्
(B) अदोषं गुणवत्काव्यम्
(C) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(D) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

46. 'गङ्गायां घोषः' - इसमें व्यङ्ग्यार्थ है –
(A) गङ्गाप्रवाह (B) गङ्गातट
(C) मीन (D) शैत्यपावनत्वादि
स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज–185

30. (D)	**31.** (C)	**32.** (B)	**33.** (D)	**34.** (C)	**35.** (A)	**36.** (B)	**37.** (D)	**38.** (C)	**39.** (D)	**40.** (B)
41. (C)	**42.** (B)	**43.** (C)	**44.** (A)	**45.** (C)	**46.** (D)					

47. 'बीभत्सरस' का स्थायीभाव है –

(A) जुगुप्सा (B) शोक
(C) उत्साह (D) भय

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/239)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

48. यह खण्डकाव्य है –

(A) बुद्धचरित (B) कुमारसम्भव
(C) मेघदूत (D) नैषधीयचरित

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–226

49. नाटक में 'अर्थ-प्रकृति' की संख्या कितनी होती है –

(A) षट् (B) अष्ट
(C) नव (D) पञ्च

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/64) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–182

50. यह धीरोदात्त नायक है –

(A) उदयन (B) भीम
(C) दुष्यन्त (D) चारुदत्त

स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–86

47. (A) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (C)

7	जून 1999	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'ऋग्वेद' में मण्डल हैं –
(A) 4 (B) 6
(C) 10 (D) 8
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

2. 'सामवेद' का दूसरा नाम है –
(A) स्तुतिवेद (B) कर्मवेद
(C) गानवेद (D) यजुर्वेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77

3. पौनः पुन्येन संस्तुत देवता है –
(A) अग्नि (B) सविता
(C) विष्णु (D) वरुण
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-एक) पेज–139

4. 'उरुगाय' किसका विशेषण है –
(A) इन्द्र का (B) वरुण का
(C) विष्णु का (D) अग्नि का
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–299

5. 'शाकलशाखा' का सम्बन्ध है –
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी पेज–09

6. 'सत्यकाम-जाबालि कथा' किस उपनिषद् में है –
(A) श्वेताश्वतरोपनिषद् में (B) छान्दोग्योपनिषद् में
(C) बृहदारण्यकोपनिषद् में (D) केनोपनिषद् में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

7. 'शिक्षा' वेदाङ्ग का सम्बद्ध है –
(A) वर्णोत्पत्ति तथा उच्चारण से (B) दण्डनीति से
(C) सामाजिक नियमों से (D) कर्मकाण्ड से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190-191

8. वेद का समय '6000 ई० पू०' किनके मत में है –
(A) मैक्समूलर के मत में
(B) वेबर के मत में
(C) जैकोबी के मत में
(D) बालगङ्गाधर तिलक के मत में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

9. 'ताण्ड्य-ब्राह्मण' का सम्बन्ध है –
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

10. 'यम-यमी संवाद' किस वेद में है –
(A) ऋग्वेद में (B) यजुर्वेद में
(C) सामवेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

11. 'वेदाङ्गों' की संख्या है –
(A) 1 (B) 4
(C) 6 (D) 8
स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

12. 'शब्द अनेक धातुओं से बनते हैं' - यह किसका मत है–
(A) शाकटायन का (B) यास्क का
(C) वार्ष्यायण का (D) गार्ग्य का
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–81

13. 'उत्पत्तेः प्राक् कार्यं सत्' - इस मत का समर्थक है –
(A) मीमांसा (B) न्याय
(C) वैशेषिक (D) सांख्य
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

14. 'प्रधान' का एक लक्षण है –
(A) प्रसवधर्मित्वम् (B) चैतन्यम्
(C) उदासीनत्वम् (D) अपरिणामित्वम्
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-11)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–129

1. (C) **2.** (C) **3.** (A) **4.** (C) **5.** (A) **6.** (B) **7.** (A) **8.** (D) **9.** (C) **10.** (A) **11.** (C) **12.** (A) **13.** (D) **14.** (A)

15. 'प्रकृति' का द्वितीय परिणाम है –

(A) पुरुष (B) तन्मात्र

(C) महत् (D) अहङ्कार

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

16. सांख्य के अनुसार पुरुष है –

(A) अहङ्काररूप (B) चैतन्यस्वरूप

(C) पाञ्चभौतिक (D) त्रिगुणात्मक

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-11)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–129

17. अधिकारी का एक साधन है –

(A) अद्वैतबुद्धि (B) ईश्वर

(C) नित्यानित्यवस्तुविवेक (D) उपनिषद्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

18. अज्ञान की एक शक्ति है –

(A) अभिमान (B) अनुसन्धान

(C) परिणाम (D) आवरण

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–57

19. वेदान्तानुसार बुद्धि का स्वरूप है –

(A) निश्चय (B) अनुसन्धान

(C) अभिमान (D) सङ्कल्प-विकल्प

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–66

20. वेदान्त का एक अनुबन्ध है –

(A) उपनिषद् (B) अधिकारी

(C) अध्यास (D) परमात्मा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

21. न्यायवैशेषिक मतानुसार 'तमः' है –

(A) अभाव (B) द्रव्य

(C) गुण (D) छाया

स्रोत–तर्कसंग्रह - केदारनाथ त्रिपाठी, पेज–04

भारतीयदर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–224

22. घट का समवायिकारण है –

(A) कुम्भकार (B) कपालरूप

(C) कपालसंयोग (D) दण्ड

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–143

23. अनुमिति की उत्पत्ति में कारण है –

(A) परामर्श (B) सन्निकर्ष

(C) सादृश्यज्ञान (D) नियमन

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–83

24. शब्द के 'प्रत्यक्ष' में सन्निकर्ष होता है –

(A) संयोग सन्निकर्ष (B) संयुक्तसमवाय सन्निकर्ष

(C) समवेतसमवाय सन्निकर्ष (D) समवाय सन्निकर्ष

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–79

25. 'नदी' संज्ञा इसकी होती है –

(A) सुधी की (B) ग्रामणी की

(C) वधू की (D) मुनि की

स्रोत– अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109

26. 'विभाषा' संज्ञा का अर्थ है –

(A) निषेध (B) विकल्प

(C) निषेध-विकल्प (D) प्राप्ति

स्रोत– अष्टाध्यायी (1.1.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज 25

27. 'अक्ष + ऊहिनी' - सन्धि का रूप होता है –

(A) अक्षोहिनी (B) अक्षौहिनी

(C) अक्षैहिणी (D) अक्षौहिणी

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–54

28. 'अलम्' शब्द के योग में विभक्ति होती है –

(A) पञ्चमी (B) द्वितीया

(C) चतुर्थी (D) प्रथमा

स्रोत–अष्टाध्यायी (2.3.16) ईश्वरचन्द्र, पेज–199

29. 'विषं भक्षयति' - यहाँ कर्मसंज्ञा विधायक सूत्र है –

(A) अकथितं च (B) तथायुक्तं चानीप्सितम्

(C) दिवः कर्म च (D) अभिनिविशश्च

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19

30. 'महान् च असौ राजा' इससे रूप बनता है–

(A) महाराजः (B) महद्राजः

(C) महराजा (D) महाराजा

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–945

15. (D)	**16.** (B)	**17.** (C)	**18.** (D)	**19.** (A)	**20.** (B)	**21.** (A)	**22.** (C)	**23.** (A)	**24.** (D)	**25.** (C)
26. (C)	**27.** (D)	**28.** (C)	**29.** (B)	**30.** (A)						

31. इसमें सवर्ण नहीं होते हैं –

(A) उ-उ (B) आ-आ
(C) ऋ-ऌ (D) अ-इ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17-18

32. 'येनाङ्गविकारः' - इस सूत्र का उदाहण है –

(A) जटाभिस्तापसः (B) वपुषा चतुर्भुजः
(C) दण्डेन ताडितः (D) बाणेन हतः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

33. अभिव्यापक आधार का उदाहरण है –

(A) कटे आस्ते (B) केशेषु गृहीतः
(C) तिलेषु तैलम् (D) वने व्याघ्रः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–102

34. संस्कृतभाषा है –

(A) प्रत्ययप्रधान (B) विभक्तिप्रधान
(C) अयोगात्मक (D) समासप्रधान

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–363

35. 'बभूव' इस पद में यह नियम लागू होता है –

(A) Grasmann's Law (ग्रासमान नियम)
(B) Verner's Law (वर्नर नियम)
(C) Grimm's Law (ग्रिम नियम)
(D) Fortunator's Law (फोर्तुनातोव नियम)

स्रोत– भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246

36. 'पूर्वेभिः' इस पद का प्रयोग किस भाषा में होता है –

(A) Classical Sanskrit (क्लासिकल संस्कृत)
(B) Vedic Sanskrit (वैदिक संस्कृत)
(C) Pali (पालि)
(D) Prakrit (प्राकृत)

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– 427

37. 'प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः' यह सूक्ति किस काव्य से है –

(A) किरातार्जुनीय से (B) रघुवंश से
(C) शिशपालवध से (D) बुद्धचरित से

स्रोत–रघुवंशम् (1/3) कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–03

38. 'उत्तर-कादम्बरी' को किसने पूरा किया है –

(A) दण्डी ने (B) सुबन्धु ने
(C) श्रीहर्ष ने (D) पुलिनभट्ट ने

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–496

39. 'नैषधीयचरित' का आधार है –

(A) महाभारत (B) ऋग्वेद
(C) बृहत्कथा (D) रामायण

स्रोत–नैषधीयचरितम् - बद्रीनाथ मालवीय, भू. पेज–10

40. ''दैवायत्तं कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम्'' यह सूक्ति किस काव्य से है –

(A) वेणीसंहारम् से (B) मुद्राराक्षसम् से
(C) स्वप्नवासवदत्तम् से (D) नैषधीयचरितम् से

स्रोत–वेणीसंहार (3/37) - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज–173

41. 'धन्यो माघकविर्वयं च कृतिनः तत्सूक्तिसंसेवनात्' - इस बात को कहने वाले थे –

(A) माघकवि (B) वल्लभदेव
(C) मल्लिनाथसूरि (D) उद्भट

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–265

42. 'एक आभरण खो जाने से' किस कथा में स्थिति बदल गई है –

(A) रत्नावली में (B) स्वप्नवासवदत्तम् में
(C) बुद्धिचरितम् में (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (अंक-5)

43. ''ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति'' यह सूक्ति किस कवि की है :

(A) कालिदास की (B) भवभूति की
(C) भारवि की (D) भास की

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/10) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22

44. भाण का एक मात्र पात्र होता है –

(A) विट (B) कञ्चुकी
(C) नायक (D) विदूषक

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/228) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

31. (D) **32.** (B) **33.** (C) **34.** (B) **35.** (A) **36.** (B) **37.** (B) **38.** (D) **39.** (A) **40.** (A) **41.** (C) **42.** (D) **43.** (B) **44.** (A)

45. 'लक्षणावृत्ति' का आधार है –
(A) मुख्यार्थबाध (B) सङ्केत
(C) व्यङ्ग्यार्थसम्बन्ध (D) काव्यसौन्दर्य
स्रोत– साहित्यदर्पण (2.15) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–28

46. 'वीररस' का स्थायीभाव है –
(A) क्रोध (B) उत्साह
(C) भय (D) विस्मय
स्रोत– साहित्यदर्पण (3/232) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–117

47. ''यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः'' यह सूक्ति किस नाटक में है –
(A) उत्तररामचरित में (B) अभिज्ञानशाकुन्तल में
(C) मुद्राराक्षस में (D) वेणीसंहार में
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/18) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–229

48. 'शकटविपर्यास' किसमें होता है –
(A) वेणीसंहारम् में (B) मुद्राराक्षसम् में
(C) मृच्छकटिकम् में (D) स्वप्नवासवदत्तम् में
स्रोत–मृच्छकटिकम् (अंक-6) - श्रीनिवासशास्त्री, भू. पेज–19

49. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक का नायक उदयन किस कोटि का है –
(A) धीरोदात्त (B) धीरोद्धत
(C) धीरललित (D) धीरप्रशान्त
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा, भू. पेज–14

50. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः''-यह सूक्ति किस काव्य में है –
(A) रघुवंशम् में (B) वाल्मीकिरामायणम् में
(C) किरातार्जुनीयम् में (D) नैषधीयचरितम् में
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज–42

45. (A) **46.** (B) **47.** (B) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (C)

8	दिसम्बर 1999	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'वेदत्रयी' में किसकी गणना नहीं होती है –
(A) ऋग्वेद की (B) यजुर्वेद की
(C) सामवेद की (D) अथर्ववेद की
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–101

2. किस वेदाङ्ग को वेद का मुख कहते हैं –
(A) शिक्षा को (B) कल्प को
(C) व्याकरण को (D) छन्दस् को
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–172

3. 'कविक्रतुः' किसका विशेषण है –
(A) अग्नि (B) विष्णु
(C) इन्द्र (D) वरुण
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1.1.5) - हरिदत्तशास्त्री, पेज–57

4. 'पुरूरवा-उर्वशी संवाद' किस वेद में है –
(A) ऋग्वेद में (B) यजुर्वेद में
(C) सामवेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–55

5. मैक्समूलर के अनुसार वेद का समय है –
(A) 4500 B.C. (B) 3500 B.C.
(C) 1200 B.C. (D) 2500 B.C.
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–78

6. 'गोपथ-ब्राह्मण' का सम्बन्ध किस वेद से है –
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी पेज–140

7. प्रातः और सायं का देवता है –
(A) अग्नि (B) इन्द्र
(C) सविता (D) विष्णु
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, भू. पेज–16

8. वेदाङ्ग 'छन्दशास्त्र' के प्रणेता हैं –
(A) वेदव्यास (B) श्वेतकेतु
(C) पिङ्गल (D) जैमिनि
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–188

9. 'निरुक्त' के लेखक हैं –
(A) पाणिनि (B) कात्यायन
(C) पतञ्जलि (D) यास्क
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज 184

10. 'ईशावास्योपनिषद्' का सम्बन्ध किस वेद से है –
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–153

11. 'यम-नचिकेता कथा' किस उपनिषद् में है –
(A) श्वेताश्वतरोपनिषद् में (B) केनोपनिषद् में
(C) कठोपनिषद् में (D) मुण्डकोपनिषद् में
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–156

12. 'शतपथ-ब्राह्मण' का सम्बन्ध किस वेद से है –
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) अथर्ववेद से (D) सामवेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129

13. सत्कार्यवादसाधक एक हेतु है –
(A) उपादानग्रहणात् (B) त्रैगुण्यविपर्ययात्
(C) उपलब्धेः (D) त्रैगुण्यात्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव पेज–100

14. सांख्य के अनुसार 'आकाश' का कारण है –
(A) ईश्वर (B) अव्यक्त
(C) अहङ्कार (D) शब्द तन्मात्रा
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

1. (D) **2.** (C) **3.** (A) **4.** (A) **5.** (C) **6.** (D) **7.** (C) **8.** (C) **9.** (D) **10.** (B) **11.** (C)
12. (B) **13.** (A) **14.** (D)

15. प्रकृति का प्रथम परिणाम है –
(A) पुरुष (B) तन्मात्र
(C) महत् (D) अहङ्कार
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

16. सांख्य के अनुसार 'प्रमाणों' की संख्या है –
(A) दश (B) त्रीणि
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–सांख्यकारिका (का.-04)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

17. वेदान्त के अनुसार 'अनुबन्ध' होते हैं –
(A) पञ्च (B) त्रीणि
(C) चत्वारः (D) नव
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

18. 'अज्ञान' का स्वरूप है –
(A) अनिर्वचनीय (B) वस्तु
(C) अभाव (D) सत्
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

19. अज्ञान का अस्तित्व बोधक प्रमाण है –
(A) उपमान (B) अपरोक्षानुभव
(C) अनुपलब्धि (D) अर्थापत्ति
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–42

20. निम्नलिखित में से एक कर्मेन्द्रिय है –
(A) श्रोत्र (B) वाक्
(C) घ्राण (D) चक्षु
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-69

21. 'न्याय वैशेषिक' के अनुसार द्रव्य नहीं है –
(A) तेज (B) जल
(C) तम (D) मन
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–28

22. न्यायमतानुसार असमवायिकारण होता है –
(A) द्रव्य (B) सामान्य
(C) अभाव (D) गुण
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–44

23. इन दोनों में समवाय सम्बन्ध होता है –
(A) घट-भूतल (B) जाति-व्यक्ति
(C) घटाभाव-भूतल (D) ज्ञान-विषय
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–29

24. विशेष पदार्थ रहते हैं –
(A) नित्यद्रव्य में (B) अनित्यद्रव्य में
(C) समवाय में (D) अभाव में
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–32

25. 'टि' संज्ञा विधायक सूत्र है –
(A) अर्थवदधातुरप्रत्ययः (B) ईदूदेद्द्विवचनम्
(C) न वा (D) अचोऽन्त्यादि
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-63) - ईश्वरचन्द्र, पेज–47

26. 'आ, ऐ, औ' की संज्ञा होती है –
(A) गुणसंज्ञा (B) वृद्धिसंज्ञा
(C) सवर्णसंज्ञा (D) पदसंज्ञा
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–05

27. 'निष्ठा संज्ञा' विधायक सूत्र है –
(A) तुल्यास्यप्रयत्नम् (B) यूस्त्र्याख्यौ
(C) अदेङ् (D) क्तक्तवतू
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

28. 'अपादान संज्ञा' विधायक सूत्र है –
(A) स्वतन्त्रः (B) साधकतमम्
(C) ध्रुवमपाये (D) कर्मणा यमभिप्रैति
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-24) - ईश्वरचन्द्र, पेज–119

29. 'अभि + क्रुध्' धातु के योग में विभक्ति आती है –
(A) द्वितीया विभक्ति (B) तृतीया विभक्ति
(C) चतुर्थी विभक्ति (D) पञ्चमी विभक्ति
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-38) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

30. इसमें शुद्ध रूप है –
(A) ग्रामात् परितः (B) ग्रामस्य परितः
(C) ग्रामेण परितः (D) ग्रामं परितः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–31

15. (C) **16.** (B) **17.** (C) **18.** (A) **19.** (D) **20.** (B) **21.** (C) **22.** (D) **23.** (B) **24.** (A) **25.** (D)
26. (B) **27.** (D) **28.** (C) **29.** (A) **30.** (D)

31. इनमें से दन्त्यवर्ण हैं –

(A) क, ख (B) च, छ

(C) ट, ठ (D) त, थ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

32. 'यथारूपम्' पद में समास है –

(A) अव्ययीभावसमास (B) द्विगुसमास

(C) द्वन्द्वसमास (D) बहुव्रीहिसमास

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्दशास्त्री, पेज–827

33. 'रूपवद्भार्यः' - पद में समास है –

(A) द्विगु (B) द्वन्द्व

(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–199

34. ग्रिम नियम के अन्तर्गत 'भ' का परिवर्तित रूप है –

(A) प् (B) फ्

(C) ब् (D) म्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–242

35. एकाक्षरी भाषा है –

(A) तुर्की भाषा (B) चीनी भाषा

(C) जर्मन भाषा (D) अवेस्ता भाषा

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–399

36. वर्नर नियम के अनुसार 'क' का परिवर्तित रूप है –

(A) ख् (B) ग्

(C) घ् (D) ङ्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246

37. ''याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा'' यह सूक्ति किस काव्य से है –

(A) उत्तररामचरितम् से (B) बुद्धचरितम् से

(C) मेघदूतम् से (D) नैषधीयचरितम् से

स्रोत–पूर्वमेघ (श्लोक 6) - तारिणीश झा, पेज–13

38. 'शर्विलक' किस नाटक का पात्र है –

(A) मृच्छकटिकम् का (B) रत्नावली का

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् का (D) उत्तररामचरितम् का

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवासशास्त्री, भू. पेज–38

39. 'प्रकरण' में अङ्कों की संख्या होती है –

(A) 7 (B) 10

(C) 5 (D) 4

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/8) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–171

40. किस कथा का आधार पुनर्जन्म सिद्धान्त पर विश्वास है–

(A) दशकुमारचरित का (B) शुकसप्तति का

(C) कादम्बरी का (D) शिशुपालवध का

स्रोत–कादम्बरी - तारिणीश झा, भू. पेज–67

41. किस नाटक में स्त्री पात्रों का प्रयोग नहीं है –

(A) वेणीसंहार में (B) मुद्राराक्षस में

(C) कादम्बरी में (D) शिशुपालवध में

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–360

42. किस उपरूपक को सट्टक के नाम से जाना जाता है –

(A) रत्नावली को (B) मालविकाग्निमित्र को

(C) कर्पूरमञ्जरी को (D) विक्रमोर्वशीय को

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/277) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–221

43. ''माघे मेघे गतं वयः'' यह सूक्ति किस विद्वान् की है –

(A) मल्लिनाथसूरि की (B) राजशेखर की

(C) वल्लभदेव की (D) भास्कराचार्य की

स्रोत– मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, पेज–44

44. ''चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्यपङ्क्तिः'' यह सूक्ति किसमें है –

(A) मेघदूतम् में (B) मृच्छकटिकम् में

(C) हितोपदेश में (D) स्वप्नवासवदत्तम् में

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् (1/4) – जयपाल विद्यालङ्कार, पेज–06

45. 'अभिहितान्वयवाद' का किससे सम्बन्ध है –

(A) तात्पर्यार्थ से (B) व्यङ्ग्यार्थ से

(C) प्रभाकरमत से (D) सङ्केतितार्थ से

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–37

46. अष्टविधा नायिकाओं का सम्बन्ध किस 'रस' से होता है –

(A) वीररस से (B) अद्भुतरस से

(C) हास्यरस से (D) शृङ्गाररस से

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/73) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–79

31. (D)	**32.** (A)	**33.** (D)	**34.** (C)	**35.** (B)	**36.** (B)	**37.** (C)	**38.** (A)	**39.** (B)	**40.** (C)	**41.** (B)
42. (C)	**43.** (A)	**44.** (D)	**45.** (A)	**46.** (D)						

47. 'हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकाऽपि वा' यह सूक्ति किस काव्य से है –

(A) रघुवंश से (B) रामायणचम्पू से
(C) किरातार्जुनीय से (D) पञ्चतन्त्र से

स्रोत–रघुवंशम् (1/10) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–06

48. 'बुद्धचरितम्' महाकाव्य का कर्ता है –

(A) सुबन्धु (B) अश्वघोष
(C) नागार्जुन (D) असङ्ग

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–168

49. किसमें प्राकृत का प्रयोग आवश्यक है –

(A) शुद्ध विष्कम्भक में (B) पताकास्थान में
(C) प्रस्तावना में (D) प्रवेशक में

स्रोत–दशरूपक (प्रथम प्रकाश) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–101

50. 'स्फुटता न पदैरपाकृता न च न स्वीकृतमर्थगौरवम्'- यह सूक्ति किस काव्य से है –

(A) किरातार्जुनीयम् से (B) नैषधीयचरितम् से
(C) बुद्धचरितम् से (D) कुमारसम्भवम् से

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/27) - श्रीनिवास शर्मा, पेज–40

47. (A) **48.** (B) **49.** (D) **50.** (A)

9	जून 2000	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'ऋतावरी' यह विशेषण किसका है –
(A) इन्द्र का (B) सवितृ का
(C) उषा का (D) वरुण का
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–306

2. 'मृगो न भीमः कुचरो गिरिष्ठाः' इसका किससे सम्बन्ध है–
(A) रुद्र से (B) विष्णु से
(C) बृहस्पति से (D) सोम से
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–165

3. ''स नः पितेव सूनवे-----सूपायनो भव'' यह किस सूक्त में है –
(A) उषःसूक्त में (B) वरुणसूक्त में
(C) बृहस्पतिसूक्त में (D) अग्निसूक्त में
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1-1-9) - हरिदत्तशास्त्री, पेज–60

4. 'सत्यकाम-जाबालि' की कथा किस उपनिषद् में है –
(A) तैत्तिरीयोपनिषद् में (B) कठोपनिषद् में
(C) छान्दोग्योपनिषद् में (D) बृहदारण्यकोपनिषद् में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

5. 'शुनःशेप उपाख्यान' किस ब्राह्मण में है –
(A) शतपथ ब्राह्मण में (B) ऐतरेय ब्राह्मण में
(C) गोपथ ब्राह्मण में (D) जैमिनीय ब्राह्मण में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

6. 'पुरूरवा-उर्वशी संवादसूक्त' ऋग्वेद के किस मण्डल में है –
(A) दशममण्डल में (B) प्रथममण्डल में
(C) तृतीयमण्डल में (D) पञ्चममण्डल में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

7. तैत्तिरीयोपनिषद् किस वेद का है –
(A) ऋग्वेद का (B) यजुर्वेद का
(C) सामवेद का (D) अथर्ववेद का
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

8. मैक्समूलर के अनुसार ऋग्वेद का काल है –
(A) 6000 ई०पू० (B) 10000 ई०पू०
(C) 1200 ई०पू० (D) 3000 ई०पू०
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

9. 'कौथुम-शाखा' किस वेद से सम्बद्ध है–
(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) यजुर्वेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

10. अष्टकों में विभाजन किस वेद में है –
(A) अथर्ववेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) ऋग्वेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

11. 'गृह्यसूत्र' किसके भाग हैं –
(A) शिक्षा के (B) कल्प के
(C) निरुक्त के (D) ज्योतिष के
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

12. वेदाङ्गों में किसको 'मुख' कहा गया है –
(A) छन्दस् को (B) व्याकरण को
(C) कल्प को (D) ज्योतिष को
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

13. 'सत्कार्यवाद' का साधक हेतु है –
(A) उपादानग्रहणात् (B) त्रैगुण्यविपर्ययात्
(C) उपलब्धेः (D) त्रैगुण्यात्
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-9) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–143

1. (C) **2.** (B) **3.** (D) **4.** (C) **5.** (B) **6.** (A) **7.** (B) **8.** (C) **9.** (B) **10.** (D) **11.** (B)
12. (B) **13.** (A)

14. 'तन्मात्रा' की उत्पत्ति का कारण है –
(A) पुरुष (B) प्रकृति
(C) अहङ्कार (D) पञ्चभूत
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका 22) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–224

15. सांख्य के अनुसार तत्वों की संख्या कितनी है –
(A) पञ्चविंशतिः (B) दश
(C) पञ्च (D) पञ्चदश
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-03) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–93

16. सांख्य के अनुसार पुरुष है –
(A) एक (B) पञ्च
(C) द्वौ (D) सप्त
स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-03) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–93

17. वेदान्त के अनुसार अनुबन्धों की संख्या है –
(A) पञ्च (B) अष्ट
(C) नव (D) चत्वारः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण, श्रीवास्तव पेज–09

18. अज्ञान के अस्तित्व में प्रमाण है –
(A) उपमानम् (B) अपरोक्षानुभवः
(C) अनुपलब्धिः (D) अर्थापत्तिः
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–42

19. रज्जु में सर्प की भ्रान्ति इसका उदाहरण है –
(A) परिणाम का (B) अपवाद का
(C) विवर्त का (D) अद्वैत का
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–115

20. यह 'कर्मेन्द्रिय' है –
(A) श्रोत्र (B) पाणि
(C) घ्राण (D) चक्षु
स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–69

21. 'विशेष' का आश्रय है –
(A) नित्यद्रव्य (B) अनित्यद्रव्य
(C) समवाय (D) अभाव
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–32

22. जाति और व्यक्ति का सम्बन्ध है –
(A) संयोग (B) समवाय
(C) तादात्म्य (D) स्वरूप
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–29

23. घटरूप का असमवायिकारण है –
(A) दण्डरूप (B) कपालत्व
(C) कुम्भकार (D) कपालरूप
स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री, पेज–36

24. न्याय-वैशेषिक के अनुसार 'मनस्' का परिणाम है–
(A) विभु (B) अणु
(C) महत् (D) दीर्घ
स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज – 77

25. 'टि' संज्ञा किसकी होती है –
(A) यचि (B) अलोऽन्त्यात् पूर्व
(C) अचोऽन्त्यादि (D) परः सन्निकर्षः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-63) - ईश्वरचन्द्र, पेज–47

26. यह सवर्ण है –
(A) अ-इ (B) इ-ई
(C) इ-उ (D) ए-ओ
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी—गोविन्दाचार्य, पेज–18

27. किस अर्थ में 'परि' कर्मप्रवचनीय होता है –
(A) पूजा अर्थ में (B) भाग अर्थ में
(C) अतिक्रमण अर्थ में (D) समुच्चय अर्थ में
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)–राममुनि पाण्डेय, पेज–66

28. 'अकथित कर्म' का उदाहरण है –
(A) विषं भुङ्क्ते (B) ग्रामं गच्छति
(C) मासमास्ते (D) माणवकं पन्थानं पृच्छति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)- राममुनि पाण्डेय, पेज–21

29. 'तस्मै कुप्यति' में चतुर्थी विभक्ति किस सूत्र से है –
(A) स्पृहेरीप्सितः
(B) क्रुधद्रुहरुपसृष्टयोः कर्म
(C) क्रुध्-द्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः
(D) येनाङ्गविकारः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-37) - ईश्वरचन्द्र, पेज–124

14. (C) **15.** (A) **16.** (A) **17.** (D) **18.** (D) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (A) **22.** (B) **23.** (D) **24.** (A) **25.** (C) **26.** (B) **27.** (B) **28.** (D) **29.** (C)

30. 'पञ्चमी विभक्ते' इस सूत्र का उदाहरण है –
(A) शतात् बद्धः
(B) माथुराः पाटलिपुत्रकेभ्यः आढ्यतराः
(C) जाड्याद् बद्धः
(D) चोराद् रक्षति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–99

31. ''पाणिश्च पादश्च'' इससे बनता है –
(A) पाणिपादौ (B) पाणिपादाः
(C) पादपाणिः (D) पाणिपादम्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–974

32. 'अधिहरि' में समास किस अर्थ में है –
(A) समीप अर्थ में (B) समृद्धि अर्थ में
(C) विभक्ति अर्थ में (D) साकल्य अर्थ में
स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–894

33. 'शतम्' परिवार की भाषा है –
(A) केल्टिक (B) इटेलिक
(C) अवेस्ता (D) हिटाइट
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

34. द्रविड़ भाषा है –
(A) अश्लिष्टयोगात्मक (B) श्लिष्टयोगात्मक
(C) अयोगात्मक भाषा (D) प्रश्लिष्ट योगात्मक
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–396

35. 'बभार' - इस पद में यह नियम लागू होता है –
(A) Grassmann's Law (B) Verner's Law
(C) Grimm's Law (D) Collitz Law
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–246

36. 'पूर्वेभिः' यह किसका रूप है –
(A) Classical Sanskrit (B) Pali
(C) Vedic Sanskrit (D) Prakrit
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–427

37. ''वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'' यह मत किसका है –
(A) मम्मट का (B) आनन्दवर्धन का
(C) विश्वनाथ का (D) जगन्नाथ का
स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

38. ''एको रसः करुण एव'' यह कथन किस कवि का है–
(A) कालिदास का (B) भवभूति का
(C) माघ का (D) श्रीहर्ष का
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–260

39. विश्वनाथ ने किसके 'काव्यलक्षण' का खण्डन किया है–
(A) पण्डितराजजगन्नाथ के (B) मम्मट के
(C) अप्पयदीक्षित के (D) भरतमुनि के
स्रोत–साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)-शालिग्राम शास्त्री, पेज-12, 13

40. 'मेघदूत' का अङ्गी रस है –
(A) करुणरस (B) करुण-विप्रलम्भ
(C) सम्भोगशृङ्गार (D) वियोगशृङ्गार
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वभाग) - तारिणीश झा, भू. पेज–21

41. 'वक्रोक्ति-सम्प्रदाय' के प्रवर्तक हैं –
(A) भरतमुनि (B) अभिनवगुप्त
(C) कुन्तक (D) राजशेखर
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–595

42. ''काव्यस्यात्मा ध्वनिः'' यह कथन है –
(A) अभिनवगुप्त का (B) आनन्दवर्धन का
(C) मम्मट का (D) जगन्नाथ का
स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

43. 'वीभत्स-रस' का स्थायीभाव है –
(A) भय (B) क्रोध
(C) जुगुप्सा (D) शोक
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/239) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–120

44. शब्दों की शक्तियों की संख्या है –
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4
स्रोत–साहित्यदर्पण (2/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–26

45. एक अङ्क का रूपक है –
(A) नाटक (B) प्रकरण
(C) भाण (D) नाटिका
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/228) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

30. (B) **31.** (D) **32.** (C) **33.** (C) **34.** (A) **35.** (A) **36.** (C) **37.** (C) **38.** (B) **39.** (B) **40.** (D)
41. (C) **42.** (B) **43.** (C) **44.** (C) **45.** (C)

46. रूपक के भेद होते हैं –

(A) 4 (B) 6
(C) 8 (D) 10

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

47. नाटक का नायक होता है –

(A) धीरप्रशान्त (B) धीरललित
(C) धीरोदात्त (D) धीरोद्धत

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/31) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–65

48. आनन्दवर्धन के अनुसार 'काव्य की आत्मा' है –

(A) रस (B) ध्वनि
(C) रीति (D) अलङ्कार

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-2

49. ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्'' यह सूक्ति मिलती है –

(A) रामायण में (B) अभिज्ञानशाकुन्तल में
(C) उत्तररामचरित में (D) रघुवंश में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

50. ''अपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्''-यह सूक्ति मिलती है –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में
(B) उत्तररामचरितम् में
(C) रामायणम् में
(D) किरातार्जुनीयम् में

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/28) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–52

46. (D) **47.** (C) **48.** (B) **49.** (B) **50.** (B)

10	दिसम्बर 2000	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे पञ्चाशत् (50) बहुवैकल्पिकप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य अङ्कद्वयं वर्तते। सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. सवितृदेवस्य नामोल्लेखः प्रायः भूतः अस्ति –

(A) 200 बारम् (B) 170 बारम्

(C) 150 बारम् (D) 140 बारम्

स्रोत–वैदिक माइथोलॉजी - रामकुमार राय, पेज–58

2. विष्णुः निवसति –

(A) अन्तरिक्षे (B) द्युलोके

(C) पाताललोके (D) पृथिवीलोके

स्रोत–वैदिक माइथोलॉजी - रामकुमार राय, पेज–70

3. ''हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्'' इत्यस्मिन् मन्त्रे 'हिरण्यगर्भः' इति पदस्य कः अर्थः?

(A) हिरण्यस्य गर्भः (B) हिरण्यगर्भ-प्रजापतिः

(C) गर्भे हिरण्यः (D) हिरण्यः इव

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (10.121.1) - हरिदत्तशास्त्री, पेज–405

4. यजुर्वेदः कति भागेषु विभक्तः –

(A) द्वि (B) त्रि

(C) पञ्च (D) अष्ट

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–64

5. पतञ्जलिमतानुसारं सामवेदस्य शाखाः सन्ति –

(A) 1,000 (B) 800

(C) 950 (D) 990

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–88

6. बालगङ्गाधरतिलकमनुसृत्य वेदस्य रचनाकालम् अस्ति–

(A) 6000 ई. पू. तः 4000 ई. पू. पर्यन्तम्

(B) 5000 ई. पू. तः 3000 ई. पू. पर्यन्तम्

(C) 5000 ई. पू. तः 4000 ई. पू. पर्यन्तम्

(D) 6000 ई. पू. तः 5000 ई. पू. पर्यन्तम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

7. सायणमतानुसारम् अरण्ये पठनीयाः सन्ति –

(A) वेदाः (B) आरण्यकाः

(C) उपनिषदः (D) ब्राह्मणग्रन्थाः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–156

8. 'विपाशा शुतुद्रि' इति नाम्नोः नद्योः वर्णनं कस्मिन् संवादसूक्ते विद्यते?

(A) यम-यमी-सूक्ते (B) सरमा-पणि-सूक्ते

(C) विश्वामित्र-नदी-सूक्ते (D) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्ते

स्रोत–ऋग्वेद (3-33) विश्वामित्र नदी संवाद-सूक्त

9. 'एना वयं पयसा पिन्वमाना अनु योनिं देवकृतं चरन्ती' इति ऋचायाः केन संवादसूक्तेन सम्बन्धः –

(A) यम-यमी-संवादसूक्तेन

(B) विश्वामित्र-नदी-संवादसूक्तेन

(C) पुरूरवा-उर्वशी-संवादसूक्तेन

(D) सरमा-पणि-संवादसूक्तेन

स्रोत–ऋग्वेद (3-33-4) विश्वामित्र नदी संवाद सूक्त

10. जलेन उत्पत्तेः सिद्धान्तं कस्मिन् सूक्तेऽस्ति –

(A) नासदीयसूक्ते (B) शिव-सङ्कल्प-सूक्ते

(C) पुरुषसूक्ते (D) विश्वकर्मा-सूक्ते

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (10.129.1) - हरिदत्तशास्त्री, पेज–430

11. वेबरमहाभागः यजुर्वेदीयानां शतपथब्राह्मणग्रन्थानां आलोचनात्मकं संस्करणं कदा अप्रकाशयत् –

(A) 1855 ईसवीये वर्षे (B) 1955 ईसवीये वर्षे

(C) 1850 ईसवीये वर्षे (D) 1852 ईसवीये वर्षे

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129

12. पदानां प्रकृतेः प्रत्ययस्य च उपदेशकं वेदाङ्गम् अस्ति –

(A) कल्पम् (B) शिक्षा

(C) व्याकरणम् (D) छन्दस्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193

1. (B) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (A) **5.** (A) **6.** (A) **7.** (B) **8.** (C) **9.** (B) **10.** (A) **11.** (A) **12.** (C)

13. रोगनाशकानां विधीनां वर्णनम् अस्ति –

(A) गृह्यसूत्रे (B) श्रौतसूत्रे

(C) धर्मसूत्रे (D) पाणिनीयसूत्रे

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–197

14. रूपरहितं स्पर्शं किमस्ति –

(A) तेजस् (B) वायुः

(C) पृथ्वी (D) आकाशः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–41

15. सत्त्वगुणं ददाति –

(A) दुःखम् (B) प्रीतिः

(C) विषादम् (D) मोहम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 9)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–135

16. अज्ञानादिसकलजडसमूहः अस्ति –

(A) वस्तु (B) अवस्तु

(C) विवर्तः (D) अध्यारोपः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

17. जीवः सुषुप्तिकाले कथ्यते –

(A) ब्रह्मा (B) विराट्

(C) प्राज्ञः (D) विश्वः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–46

18. पापक्षयसाधनानि 'चान्द्रायणादीनि' कर्म अस्ति –

(A) नित्यकर्म (B) नैमित्तिककर्म

(C) उपासनाकर्म (D) प्रायश्चित्तकर्म

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

19. जश्त्व-सन्धेः सूत्रमस्ति –

(A) झलां जशोऽन्ते (B) खरि च

(C) शश्छोऽटि (D) तोर्लि

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–89

20. लृट्लकारः कस्य कालस्य बोधकः अस्ति –

(A) वर्तमानकालस्य (B) भूतकालस्य

(C) भविष्यत्-कालस्य (D) एतेषु न कोऽपि

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–399

21. शुद्धमस्ति –

(A) उपर्युक्तम् (B) उपरोक्तम्

(C) उप्रयुक्तम् (D) उपर्यक्तम्

स्रोत–संस्कृतगङ्गा व्याकरणम् - सर्वज्ञभूषण, पेज-186

22. ''चक्रपाणिः'' अत्र कः समासः –

(A) द्वन्द्वः (B) द्विगुः

(C) तत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–189

23. कृ + क्तवतु = ... भवति –

(A) कुर्वाणः (B) कर्तवान्

(C) कृतवान् (D) क्रियमाणः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–808

24. 'सहयुक्तेऽप्रधाने' इति सूत्रमस्ति –

(A) प्रथमा-विभक्तेः (B) तृतीया-विभक्तेः

(C) पञ्चमी-विभक्तेः (D) षष्ठी-विभक्तेः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–42

25. ध्वनिपरिवर्तनस्य अन्तःकारणं नास्ति –

(A) प्रयत्नलाघवम् (B) क्षिप्रभाषणम्

(C) ध्वनिनां परिवेशम् (D) बलाघातम्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227-229

26. 'आङ्ग्लभाषा' भारोपीयपरिवारस्य कया भाषया सम्बद्धा अस्ति –

(A) इटालिक-भाषया (B) केल्टिक-भाषया

(C) ग्रीक-भाषया (D) जर्मनिक-भाषया

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–392

27. ग्रिमनियमस्य सम्बन्धः कति स्पर्शध्वनिभिः अस्ति –

(A) 9 (B) 6

(C) 3 (D) 12

स्रोत–भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–168

28. मौसलपर्वणः उल्लेखोऽस्ति –

(A) रामायणे (B) महाभारते

(C) भगवद्गीतायाम् (D) रघुवंशे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–117

13. (A) **14.** (B) **15.** (B) **16.** (B) **17.** (C) **18.** (D) **19.** (A) **20.** (C) **21.** (A) **22.** (D) **23.** (C) **24.** (B) **25.** (C) **26.** (D) **27.** (A) **28.** (B)

29. भारविः कस्योपासकः आसीत् –

(A) ब्राह्मणः (B) विष्णोः

(C) शिवस्य (D) पार्वत्याः

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)-अभिराजराजेन्द्र मिश्र, भू. पेज–16

30. 'जानकीहरणम्' इति महाकाव्ये कति सर्गाणि सन्ति –

(A) 18 (B) 20

(C) 22 (D) 21

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज–257

31. ऋतुसंहारे कति ऋतूनां वर्णनमस्ति –

(A) 5 (B) 6

(C) 3 (D) 4

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज–330

32. 'वेणीसंहारम्' इति ग्रन्थस्य कः रचनाकारः अस्ति –

(A) बाणभट्टः (B) भट्टनारायणः

(C) भवभूतिः (D) भासः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि पेज–518

33. उदयपुरस्य राजाजगतसिंहस्य वर्णनं जगन्नाथः कस्मिन् ग्रन्थे अकरोत् –

(A) प्राणाभरणे (B) जगदाभरणे

(C) यमुनावर्णने (D) गंगालहर्याम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी पेज–555

34. एतेषु प्रसिद्धं गद्यकाव्यं किमस्ति –

(A) शिशुपालवधम् (B) विष्णुपुराणम्

(C) वासवदत्ता (D) वेदान्तदर्शनम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी पेज–485

35. भामहस्य काव्यालङ्कारे श्लोकसंख्या अस्ति –

(A) 500 (B) 400

(C) 425 (D) 300

संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र–अभिराज राजेन्द्र मिश्र पेज–89

36. 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि' इति अनेन सम्बद्धः आचार्यः अस्ति –

(A) मम्मटः (B) रुद्रटः

(C) विश्वनाथः (D) भामहः

स्रोत–काव्यप्रकाश (1/1)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–19

37. 'वस्तु च द्विधा' इति केन ग्रन्थेन सम्बद्धोऽस्ति –

(A) काव्यप्रकाशेन (B) साहित्यदर्पणेन

(C) दशरूपकेन (D) रसगङ्गाधरेण

स्रोत–दशरूपक (1/11) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–13

38. 'कश्चित् कान्ताविरहगुरुणा स्वाधिकारात्प्रमत्तः' अत्र किं छन्दः अस्ति –

(A) मन्दाक्रान्ता (B) शिखरिणी

(C) स्रग्धरा (D) उपजातिः

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ 1/1) - तारिणीश झा, पेज–04

39. ''ननमयययुतेयं मालिनीभोगिलोकैः'' इदं लक्षणमस्ति –

(A) मालिनीछन्दसः (B) शालिनीछन्दसः

(C) वंशस्थछन्दसः (D) वसन्ततिलकाछन्दसः

स्रोत–वृत्तरत्नाकर - धरानन्द शास्त्री, पेज–136

40. वेदस्य मुखं कथ्यते –

(A) छन्दस् (B) व्याकरणम्

(C) ज्योतिषस् (D) कल्पम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

41. भीमः प्रतिज्ञातवान् –

(A) दुर्योधनेन वैरत्वं

(B) दुर्योधनेन कृतं द्रौपद्याः तिरस्कारम् अपकर्तुम्

(C) दुःशासनेन कृतं तिरस्कारेण

(D) भानुमत्या द्रौपद्याः तिरस्कारेण

स्रोत–वेणीसंहार (प्रथम अंक)-परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू. पेज-11

29. (C) **30.** (B) **31.** (B) **32.** (B) **33.** (B) **34.** (C) **35.** (B) **36.** (A) **37.** (C) **38.** (A) **39.** (A) **40.** (B) **41.** (B)

42. विश्वनाथेन कस्य काव्यलक्षणस्य खण्डनं कृतम् –

(A) जगन्नाथस्य (B) भामहस्य

(C) मम्मटस्य (D) रुद्रटस्य

स्रोत–साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)-शालिग्राम शास्त्री पेज–12-13

43. सुमेलयतु –

(क) शिक्षा 1. पादः

(ख) व्याकरणम् 2. नासिका

(ग) छन्दस् 3. मुखम्

(घ) निरुक्तम् 4. श्रोत्रम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	2	3	1	4
(D)	3	2	4	1

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

44. शिक्षाग्रन्थाः वेदानां निरूपकाः सन्ति –

(A) निर्वचनम् (B) उच्चारणम्

(C) व्याकरणम् (D) काल-निर्धारणम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

45. सुमेलयतु –

(क) किरातार्जुनीयम् 1. शृङ्गाररसः

(ख) नैषधीयचरितम् 2. वीररसः

(ग) उत्तररामचरितम् 3. वियोगशृङ्गारः

(घ) मेघदूतम् 4. करुणरसः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी पेज– क = 188, ख = 228, ग = 403, घ = 530

46. निरुक्ते काण्डानि सन्ति –

(A) 3

(B) 7

(C) 2

(D) 4

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–185

47. लक्षणायाः हेतवः सन्ति –

(A) 3

(B) 4

(C) 5

(D) 9

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/5) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–29

48. 'ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति' इत्यत्र केन सूत्रेण द्वितीया विभक्तिः भवति –

(A) 'अकथितं च' सूत्रेण

(B) 'शब्दायतेर्न' सूत्रेण

(C) 'तथायुक्तं चानीप्सितम्' सूत्रेण

(D) 'दिवः कर्म च' सूत्रेण

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19

49. 'इति हेतुस्तदुद्भवे' इति उद्धृतः अस्ति –

(A) काव्यप्रकाशात् (B) दशरूपकात्

(C) नाट्यशास्त्रात् (D) ध्वन्यालोकात्

स्रोत–काव्यप्रकाश (1/2) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-16

50. 'माघे मेघे गतं वयः' उक्तिः अस्ति –

(A) राजशेखरस्य

(B) मल्लिनाथ-सूरिमहोदयस्य

(C) वल्लभदेवस्य

(D) भास्कराचार्यस्य

स्रोत–मेघदूतम् - दयाशंकर शास्त्री, पेज–44

42. (C) **43.** (C) **44.** (B) **45.** (A) **46.** (A) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (A) **50.** (B)

11	जून 2001	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' सूक्ति किस ग्रन्थ की है –

(A) मेघदूतम् की (B) रघुवंशम् की
(C) किरातार्जुनीयम् की (D) शिशुपालवधम् की

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - रामसेवक दुबे, पेज-50

2. साहित्यदर्पणकार के अनुसार 'रस' कितने हैं –

(A) 2 (B) 5
(C) 7 (D) 9

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/182) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–106

3. वीर रस प्रधान नाटक है –

(A) वेणीसंहारम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–388

4. 'हेति' शस्त्र से सम्बद्ध हैं –

(A) रुद्र (B) अग्नि
(C) वरुण (D) उषस्

स्रोत–ऋक्सूक्त संग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–205

5. 'साहित्यदर्पण' विभक्त है –

(A) परिच्छेदों में (B) उच्छ्वासों में
(C) सर्गों में (D) अङ्कों में

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, भू. पेज–19

6. 'दशकुमारचरित' में उल्लिखित किसी एक कुमार का नाम है –

(A) राजवाहन (B) राजहंस
(C) नल (D) बुद्ध

स्रोत–दशकुमारचरितम् (प्रथम उच्छ्वास)-श्रीनिवासशर्मा, पेज–36

7. निम्नलिखित में कालक्रमानुसार कौन सही है –

(A) कालिदास, माघ, भारवि, वाल्मीकि
(B) वाल्मीकि, कालिदास, भारवि, माघ
(C) माघ, भारवि, वाल्मीकि, कालिदास
(D) भारवि, कालिदास, वाल्मीकि, माघ

स्रोत–संस्कृतगंगा साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज–291-292

8. 'शाल्मली-वृक्ष' का वर्णन किसमें है –

(A) कादम्बरी में (B) रघुवंशम् में
(C) बुद्धचरितम् में (D) किरातार्जुनीयम् में

स्रोत–कादम्बरी (कथामुख)-तारिणीश झा, पेज–195

9. कालिदास विरचित 'मालविकाग्निमित्रम्' नाटक में अग्निमित्र की द्वितीय पत्नी है –

(A) मदनिका (B) मालविका
(C) धारिणी (D) इरावती

स्रोत–कालिदासग्रन्थावली - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज-568

10. एक पात्र प्रयोजित रूपक है –

(A) अङ्क (B) ईहामृग
(C) भाण (D) डिम

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/228) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–215

11. रूपकों की संख्या है –

(A) 8 (B) 9
(C) 10 (D) 11

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–170

12. ''विरतास्वभिधाद्यासु ययार्थो बोध्यते परः'' यह किस वृत्ति का लक्षण है –

(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/12) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–39

13. सांख्यानुसार प्रधान है –

(A) प्रकृति (B) महत्
(C) पञ्चतन्मात्र (D) मन

स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–123

1. (C)	**2.** (D)	**3.** (A)	**4.** (A)	**5.** (A)	**6.** (A)	**7.** (B)	**8.** (A)	**9.** (D)	**10.** (C)	**11.** (C)
12. (C)	**13.** (A)									

14. सत्कार्यवाद का हेतु है –

(A) सामीप्य (B) पुरुषस्वभाव
(C) प्रकृतिस्वरूप ज्ञान (D) सर्वसम्भवाभाव

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-09) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–143

15. 'अज्ञान' का लक्षण है –

(A) असत् (B) सत्
(C) सदसद्विलक्षण (D) जगत्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

16. 'साधनचतुष्टयसम्पन्न' होता है –

(A) अधिकारी (B) अज्ञान
(C) ब्रह्म (D) जगत्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–11

17. न्याय-वैशेषिक मत में 'व्याप्तिविशिष्टपक्षताज्ञान' है –

(A) व्यक्ति (B) साध्य
(C) परामर्श (D) अनुमान

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–84

18. 'सांख्यमत' में स्वीकृत प्रमाणों की संख्या है –

(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 4) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

19. सांख्यमत में यथार्थ स्वभाव में पुरुष रहता है –

(A) सदैव सक्रिय (B) सृष्टिकाल में सक्रिय
(C) प्रलयकाल में निष्क्रिय (D) सदैव निष्क्रिय

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका 19, 20)-राकेश शास्त्री पेज-62

20. प्रकृति का अस्तित्वबोधक प्रमाण है –

(A) प्रत्यक्षप्रमाण (B) अनुमानप्रमाण
(C) उपमानप्रमाण (D) अर्थापत्तिप्रमाण

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 6) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–88

21. 'उ' का सम्प्रसारण है –

(A) प (B) व
(C) द (D) य

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.44) - ईश्वरचन्द्र, पेज–26

22. 'येनाङ्गविकारः' सम्बन्धित है –

(A) तृतीया (B) चतुर्थी
(C) पञ्चमी (D) षष्ठी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

23. निम्न में से 'हरी' शब्द है –

(A) प्रगृह्य (B) टि
(C) सवर्ण (D) पद

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-1), पेज–83

24. 'रूपवद्भार्यः' में समास है –

(A) अव्ययीभावसमास (B) बहुव्रीहिसमास
(C) केवलसमास (D) द्वन्द्वसमास

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–199

25. 'अ, ए, ओ' की संज्ञा क्या है –

(A) वृद्धिसंज्ञा (B) गुणसंज्ञा
(C) संहितासंज्ञा (D) प्रातिपदिकसंज्ञा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–06

26. 'कर्म' का लक्षण है –

(A) ध्रुवमपाये (B) कर्तुरीप्सिततमम्
(C) आधारः (D) स्वतन्त्रः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–16

27. 'ऐ' कैसा स्वर है –

(A) अर्द्धविवृत (B) विवृत
(C) स्पर्श (D) संवृत

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–152

28. 'वैदिकभाषा' किस भाषा के सबसे निकट है –

(A) पर्शियन (B) अवेस्ता
(C) इण्डो-यूरोपियन (D) हिट्टाइट

स्रोत–भाषाविज्ञान - कर्णसिंह, पेज–89

29. 'भारोपीय भाषा' के मुख्य भाग हैं –

(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

14. (D)	**15.** (C)	**16.** (A)	**17.** (C)	**18.** (B)	**19.** (D)	**20.** (B)	**21.** (B)	**22.** (A)	**23.** (A)	**24.** (B)
25. (B)	**26.** (B)	**27.** (A)	**28.** (B)	**29.** (A)						

30. 'ऋक्-प्रातिशाख्य' सम्बन्धित है –

(A) सामवेद से (B) अथर्ववेद से
(C) ऋग्वेद से (D) यजुर्वेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–197

31. 'वेदाङ्गज्योतिष' के रचयिता हैं –

(A) लगध (B) पाणिनि
(C) पतञ्जलि (D) कालिदास

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208

32. 'मैक्समूलर' के अनुसार वेदों का समय है –

(A) 1200 B.C. (B) 6000 B.C.
(C) 1200 A.D. (D) 2500 B.C.

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

33. वेदपुरुष का 'शिक्षा' है –

(A) घ्राण (B) मुख
(C) हस्त (D) पाद

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

34. 'उमा-हेमवती संवाद' किससे सम्बन्धित है –

(A) केनोपनिषद् से (B) कठोपनिषद् से
(C) बृहदारण्यकोपनिषद् से (D) मुण्डकोपनिषद् से

स्रोत–केनोपनिषद् - (खण्ड-4)

35. 'गोपथ-ब्राह्मण' किससे सम्बन्धित है –

(A) अथर्ववेद से (B) सामवेद से
(C) ऋग्वेद से (D) यजुर्वेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

36. 'ताण्ड्य-ब्राह्मण' किससे सम्बन्धित है –

(A) ऋग्वेद से (B) अथर्ववेद से
(C) सामवेद से (D) यजुर्वेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

37. 'छान्दोग्योपनिषद्' किस वेद से सम्बन्धित है –

(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) अथर्ववेद से (D) यजुर्वेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

38. 'निरुक्त' रचना है –

(A) यास्क की (B) पाणिनि की
(C) पतञ्जलि की (D) लगध की

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

39. 'उत्तरार्चिक' में कितने प्रपाठक हैं –

(A) 6 (B) 7
(C) 8 (D) 9

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–81

40. 'पुरुषसूक्त' आता है –

(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) अथर्ववेद में (D) उपनिषद् में

स्रोत–ऋग्वेद (10/90)

41. 'उत्तरध्रुव' को वेदों का रचना माना है –

(A) बालगङ्गाधरतिलक ने (B) मैक्समूलर ने
(C) वेबर ने (D) मैकडॉनल ने

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–103

42. विश्वनाथ के अनुसार काव्यलक्षण है –

(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्
(B) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(C) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
(D) शरीरं तावदिष्टार्थ-व्यवच्छिन्ना पदावली

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

43. 'समया' के योग में कौन-सी विभक्ति होगी –

(A) षष्ठी विभक्ति (B) पञ्चमी विभक्ति
(C) द्वितीया विभक्ति (D) चतुर्थी विभक्ति

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–31

44. 'करुणरस' का स्थायीभाव है –

(A) शोक (B) रति
(C) शम (D) उत्साह

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/223) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–116

45. 'शुनःशेप आख्यान' किस ब्राह्मण में है –

(A) तैत्तिरीय ब्राह्मण में (B) शतपथ ब्राह्मण में
(C) गोपथ ब्राह्मण में (D) ऐतरेय ब्राह्मण में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

30. (C) **31.** (A) **32.** (A) **33.** (A) **34.** (A) **35.** (A) **36.** (C) **37.** (B) **38.** (A) **39.** (D) **40.** (A)
41. (A) **42.** (B) **43.** (C) **44.** (A) **45.** (D)

46. ऋग्वेद के नवम मण्डल से सम्बद्ध देवता है –

(A) इन्द्र (B) अग्नि
(C) सोम (D) उषा

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

47. 'पुरोहित' है –

(A) वरुण (B) इन्द्र
(C) सविता (D) अग्नि

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–44

48. करुणरस प्रधान नाटक है –

(A) उत्तररामचरितम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–82

49. 'ऋग्वेद' में देवताओं की संख्या है –

(A) 33
(B) 35
(C) 39
(D) 45

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–295

50. बृहत्कथा की भाषा है –

(A) संस्कृतभाषा
(B) प्राकृतभाषा
(C) मागधीभाषा
(D) पैशाचीभाषा

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–422

46. (C) **47.** (D) **48.** (A) **49.** (A) **50.** (D)

12	दिसम्बर 2001	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'ऐतरेय-आरण्यक' सम्बन्धित है –
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

2. 'अग्निमीळे पुरोहितं-----' किस वेद का है –
(A) ऋग्वेद का (B) यजुर्वेद का
(C) सामवेद का (D) अथर्ववेद का
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1-1-1) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-55

3. 'उरुक्रम' विशेषण है –
(A) इन्द्र का (B) रुद्र का
(C) विष्णु का (D) अग्नि का
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, भू. पेज–16

4. 'असुर' विशेषण है –
(A) अश्विनौ का (B) वरुण का
(C) इन्द्र का (D) विष्णु का
स्रोत–ऋक्सूक्त संग्रह - हरिदत्तशास्त्री, भू. पेज–14

5. 'ताण्ड्य-ब्राह्मण' किस वेद से सम्बन्धित है –
(A) ऋग्वेद से (B) यजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

6. 'पुरूरवा-उर्वशी संवाद' किस वेद में है –
(A) ऋग्वेद में (B) यजुर्वेद में
(C) सामवेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

7. मैक्समूलर के मतानुसार वैदिक रचनाकाल है –
(A) 6000 B.C. (B) 4500 B.C
(C) 1200 B.C. (D) 2500 B.C
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

8. 'कौथुम-शाखा' से सम्बद्ध वेद है –
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

9. वेदपुरुष का 'मुख' कहलाने वाला वेदाङ्ग है –
(A) शिक्षा (B) कल्प
(C) व्याकरण (D) निरुक्त
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

10. ''असतो मा सद्गमय'' वाक्य किस उपनिषद् में पाया जाता है –
(A) मुण्डकोपनिषद् में (B) छान्दोग्योपनिषद् में
(C) ईशोपनिषद् में (D) बृहदारण्यकोपनिषद् में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–185

11. 'सत्यकाम-जाबालि' की कथा है –
(A) मुण्डकोपनिषद् में (B) छान्दोग्योपनिषद् में
(C) ईशोपनिषद् में (D) बृहदारण्यकोपनिषद् में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–181

12. 'वेद' कहलाते हैं –
(A) ब्राह्मण (B) आरण्यक
(C) मन्त्र एवं ब्राह्मण (D) उपनिषद्
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–05

13. 'कल्पसूत्र' का विषय है –
(A) यज्ञ-वेदी का निर्माण
(B) मन्त्रों के शुद्धातिशुद्ध उच्चारण का होना
(C) वैदिक पदों का निर्वचन
(D) भावबोधन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

14. सांख्यकारिका के अनुसार प्रमाण हैं –
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 4) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

15. सांख्यकारिका के अनुसार सिद्धि के भेद हैं –
(A) 8 (B) 9
(C) 18 (D) 28
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 47)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–271

1. (A) **2.** (A) **3.** (C) **4.** (B) **5.** (C) **6.** (A) **7.** (C) **8.** (C) **9.** (C) **10.** (D) **11.** (B) **12.** (C) **13.** (A) **14.** (C) **15.** (A)

16. उत्प्रेक्षालङ्कार में समर्थ कवि है –
(A) कालिदास (B) माघ
(C) श्रीहर्ष (D) भारवि
स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–230

17. 'इन्दुमती' किस महाकाव्य की पात्र है –
(A) शिशुपालवधम् की (B) रघुवंशम् की
(C) नैषधीयचरितम् की (D) किरातार्जुनीयम् की
स्रोत–रघुवंशम् (सर्ग-6) - कृष्णमणि त्रिपाठी, भू. पेज–16

18. वेदान्तसार के अनुसार 'अज्ञान' की शक्तियाँ हैं –
(A) आवरण एवं विक्षेप (B) परिणाम
(C) विवर्त (D) अध्यास
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

19. तर्कभाषानुसार कारण माने गए हैं –
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) षट्
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–24

20. सांख्यानुसार कर्मेन्द्रियों का मूल है –
(A) पुरुष (B) महत्
(C) अहङ्कार (D) प्रकृति
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

21. 'पुरुष' विपरीत है –
(A) अहङ्कार के (B) पञ्चमहाभूत के
(C) प्रकृति के (D) पञ्चतन्मात्रा के
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 11)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–129

22. 'यू स्त्र्याख्यौ'- - -- - है –
(A) अपृक्त (B) टि
(C) प्रगृह्य (D) नदी
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109

23. 'अपृक्तसंज्ञा' होती है –
(A) परः सन्निकर्षः (B) एकाल्प्रत्ययः
(C) अचोऽन्त्यादि (D) अदेङ्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

24. 'ईदूदेद्द्विवचनम्' है –
(A) प्रगृह्य संज्ञक (B) उपधा संज्ञक
(C) टि संज्ञक (D) नदी संज्ञक
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13

25. 'अनुक्त-कर्म' में विभक्ति होती है –
(A) प्रथमाविभक्ति (B) द्वितीयाविभक्ति
(C) तृतीयाविभक्ति (D) चतुर्थीविभक्ति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–17

26. 'पूर्वपदप्रधान' समास है –
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) द्वन्द्व
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

27. 'द्वादश' में समास है –
(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–165

28. 'भारोपीय-भाषा' के प्रकार हैं –
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384

29. भारतीयभाषा की अवस्थाएँ हैं –
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–425

30. 'उ' ऐसा स्वर है, जो है –
(A) केन्द्रीय (B) विवृत
(C) पश्च (D) अग्र
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150

31. 'वैदिकभाषा' इसके निकट है –
(A) हिट्टाइट (B) इण्डो-यूरोपियन
(C) अवेस्ता (D) पर्सियन
स्रोत–भाषाविज्ञान - कर्णसिंह, पेज–89

16. (C) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (A) **20.** (C) **21.** (C) **22.** (D) **23.** (B) **24.** (A) **25.** (B) **26.** (A)
27. (C) **28.** (A) **29.** (B) **30.** (C) **31.** (C)

32. बृहत्कथा आधारित ग्रन्थ है –

(A) नैषधीयचरितम् (B) वेणीसंहारम्

(C) रघुवंशम् (D) दशकुमारचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–435

33. दस अङ्कों का रूपक है –

(A) मुद्राराक्षसम् (B) मृच्छकटिकम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) उत्तररामचरितम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी पेज–307

34. किसमें आरभटी वृत्ति होती है –

(A) रौद्ररस में (B) शृङ्गाररस में

(C) वीररस में (D) अद्भुतरस में

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/122) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–199

35. 'महाकाव्य' नहीं है –

(A) किरातार्जुनीयम् (B) मेघदूतम्

(C) नैषधीयचरितम् (D) रघुवंशम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी पेज–525

36. 'उत्तररामचरित' नाटक की विशेषता है –

(A) गर्भाङ्क की योजना

(B) छाया सीता का प्रयोग

(C) विदूषकविहीन रचना

(D) सभी

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–58, 59, 62

37. वाक्य के लिए आवश्यक है –

(A) आकांक्षा (B) योग्यता

(C) सन्निधि (D) तीनों

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/1) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–25

38. मुख्यार्थ का बोध कराने वाली वृत्ति है :

(A) अभिधा (B) व्यञ्जना

(C) लक्षणा (D) शाब्दी व्यञ्जना

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–26-27

39. लक्षणा में प्रयोजन की प्रतीति कराने वाली वृत्ति है–

(A) अभिधावृत्ति (B) व्यञ्जनावृत्ति

(C) लक्षणावृत्ति (D) तात्पर्यावृत्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश (2/14) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–70

40. 'वीभत्सरस' का स्थायीभाव है –

(A) रति (B) हास

(C) शोक (D) जुगुप्सा

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/239) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

41. 'मुद्राराक्षस' है –

(A) प्रकरण (B) भाण

(C) समवकार (D) नाटक

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–358

42. 'नाना' के योग में कौन-सी विभक्ति होती है –

(A) प्रथमाविभक्ति (B) तृतीयाविभक्ति

(C) षष्ठीविभक्ति (D) सप्तमीविभक्ति

स्रोत–अष्टाध्यायी (2-3-32) - ईश्वरचन्द्र, पेज–205

43. 'उपपत्ति' है –

(A) आरम्भ

(B) आपत्ति

(C) क्रमसन्तति

(D) षड्विधलिङ्गों में अन्यतम

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–152

44. 'वेदान्तसार' को जानने के लिए -----लिङ्गों की आवश्यकता है –

(A) तीन (B) चार

(C) पाँच (D) षड्विध

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–152

45. सुमेलित कीजिए –

(अ) वाक्यपदीयम् 1. हर्ष

(ब) मुद्राराक्षसम् 2. भर्तृहरि

(स) अभिज्ञानशाकुन्तलम् 3. विशाखदत्त

(द) रत्नावली 4. कालिदास

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	1	4	2
(C)	1	2	3	4
(D)	2	1	3	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज – अ = 564, ब = 501, स = 482, द = 514

32. (D) **33.** (B) **34.** (A) **35.** (B) **36.** (D) **37.** (D) **38.** (A) **39.** (B) **40.** (D) **41.** (D) **42.** (B) **43.** (D) **44.** (D) **45.** (A)

46. 'अनुनासिक' वर्णों की संख्या है –

(A) पाँच (B) आठ
(C) दस (D) बारह

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

47. 'किरातार्जुनीयम्' के प्रत्येकसर्ग का अन्तिम पद है–

(A) लक्ष्मी (B) विभु
(C) शिव (D) श्री

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–186

48. आचार्य विश्वनाथ ने काव्य में 'वक्रोक्ति' को किस रूप में माना है –

(A) रीतिरूप में (B) गुणरूप में
(C) अलंकाररूप में (D) आत्मारूप में

स्रोत–साहित्यदर्पण - भवानीशंकर शर्मा, पेज–137-138

49. 'वीथी' क्या है –

(A) वृत्ति
(B) सन्धि
(C) अभिनय
(D) रूपक

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

50. तर्कभाषानुसार अनुमान के भेद हैं –

(A) एक
(B) दो
(C) पाँच
(D) नौ

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–91

46. (A) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (B)

13	जून 2002	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'अन्तरिक्षस्थानीय' देवता है –
(A) विष्णु (B) इन्द्र
(C) अग्नि (D) सवितृ
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

2. 'कविक्रतुः' उपाधि किस देवता की है –
(A) अग्नि की (B) इन्द्र की
(C) अश्विनौ की (D) वरुण की
स्रोत–वैदिक माइथोलाजी - रामकुमार राय, पेज–184

3. 'नवम-मण्डल' के देवता हैं –
(A) अग्नि (B) सोम
(C) उषा (D) कण्व
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

4. 'मैत्रायणी-शाखा' किस वेद से सम्बन्धित है –
(A) शुक्लयजुर्वेद से (B) कृष्णयजुर्वेद से
(C) सामवेद से (D) ऋग्वेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

5. 'शतपथ-ब्राह्मण' सम्बन्धित है –
(A) यजुर्वेद से (B) ऋग्वेद से
(C) सामवेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

6. 'केनोपनिषद्' सम्बन्धित है –
(A) सामवेद से (B) ऋग्वेद से
(C) यजुर्वेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

7. 'यमयमी-संवाद-सूक्त' किस वेद में है –
(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

8. बालगङ्गाधर तिलक के अनुसार 'ऋग्वेद' का समय है–
(A) 1200 B.C. (B) 4000 B.C
(C) 6000 B.C. (D) 4500 B.C
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

9. 'निरुक्त' अङ्ग है –
(A) व्याकरण का (B) वेद का
(C) उपनिषद् का (D) भाषा का
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

10. सांख्य के अनुसार प्रमाण हैं –
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 6
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 04)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

11. 'सत्कार्यवाद' के हेतु हैं –
(A) दो (B) चार
(C) पाँच (D) छः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

12. 'षोडशगणों' की उत्पत्ति किससे हुई है –
(A) पञ्चमहाभूतों से (B) महत् से
(C) प्रकृति से (D) अहङ्कार से
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

13. 'अद्वैतवादियों' के अनुसार प्रमाण हैं –
(A) 3 (B) 4
(C) 6 (D) 5
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–136

14. 'पञ्चकोश' हैं –
(A) पृथ्वी, जल, तेल, वायु, आकाश
(B) वाक्, पाणि, पाद, पायु, उपस्थ
(C) विज्ञानमय, मनोमय, प्राणमय, अन्नमय, आनन्दमय
(D) श्रोत्र, त्वक्, चक्षु, जिह्वा, प्राण
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–46

1. (B) **2.** (A) **3.** (B) **4.** (B) **5.** (A) **6.** (A) **7.** (A) **8.** (C) **9.** (B) **10.** (B) **11.** (C) **12.** (D) **13.** (C) **14.** (C)

15. 'साधनचतुष्टय' की संख्या है –
(A) 2 (B) 4
(C) 3 (D) 5
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

16. 'अज्ञान' है –
(A) नित्य तथा अनित्य (B) व्यष्टि तथा समष्टि
(C) परा और अपरा (D) वस्तु और अवस्तु
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–42

17. पट का 'समवायिकारण' है –
(A) तन्तु (B) तन्तुसंयोग
(C) पटसंयोग (D) तन्तुपटसंयोग
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–71

18. 'सन्निकर्ष' कितने प्रकार का होता है –
(A) 2 (B) 4
(C) 5 (D) 6
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–76

19. तर्कभाषानुसार 'अनुमान' होता है –
(A) 2 (B) 4
(C) 3 (D) 5
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–91

20. तर्कसंग्रह के अनुसार कर्म का लक्षण है –
(A) वेदोऽखिलो कर्म (B) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(C) चलनात्मकं कर्म (D) अकथितं च
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–118

21. 'कारक' होते हैं –
(A) 2 (B) 4
(C) 6 (D) 7
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकारण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–10

22. 'उपधा-संज्ञा' होती है –
(A) अन्तिम अल् से पूर्व वर्णों की
(B) अन्तिम अल् वर्णों की
(C) अच् से पूर्व वर्णों की
(D) अन्तिम हल् वर्णों की
स्रोत–अष्टाध्यायी, (1-6-64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48

23. 'वृद्धि-संज्ञा' का सूत्र है –
(A) आद्गुणः (B) वृद्धिरेचि
(C) वृद्धिरादैच् (D) अचोऽन्त्यादि टि
स्रोत–अष्टाध्यायी, (1-1-1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–05

24. 'निष्ठा' संज्ञा विधायक सूत्र है –
(A) क्तक्तवतू निष्ठा (B) सुप्तिङन्तं पदम्
(C) अपृक्त एकाल्प्रत्ययः (D) इको गुणवृद्धी
स्रोत–अष्टाध्यायी, (1-1-25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

25. 'न' और 'वा' की संज्ञा होती है –
(A) निष्ठासंज्ञा (B) सर्वनामसंज्ञा
(C) निषेधसंज्ञा (D) विभाषासंज्ञा
स्रोत–अष्टाध्यायी, (1-1-43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

26. षष्ठी विभक्ति सम्बन्धित है –
(A) सम्बन्धमात्र की विवक्षा (B) अपादान
(C) अधिकरण (D) करण
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–72

27. 'द्विकर्मक' धातुओं में होती है –
(A) तृतीया विभक्ति (B) द्वितीया विभक्ति
(C) पञ्चमी विभक्ति (D) सप्तमी विभक्ति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19-20

28. 'कर्मसंज्ञा' का सूत्र नहीं है –
(A) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (B) कर्मणि द्वितीया
(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) अकथितं च
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–17

29. ''अधिशीङ्स्थासां कर्म'' का उदाहरण है –
(A) कटे आस्ते (B) हरिः वैकुण्ठम् अधिशेते
(C) जटाभिः तापसः (D) अधिवसति वैकुण्ठं हरिः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–29

30. 'अविग्रह' (जिसका विग्रह न हो) युक्त समास है –
(A) नित्यसमास (B) तत्पुरुषसमास
(C) बहुव्रीहिसमास (D) द्वन्द्वसमास
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–19

15. (B) **16.** (B) **17.** (A) **18.** (D) **19.** (A) **20.** (C) **21.** (C) **22.** (A) **23.** (C) **24.** (A) **25.** (D)
26. (A) **27.** (B) **28.** (B) **29.** (B) **30.** (A)

31. 'स्पर्शवर्णो' का समूह है –
(A) क् च् ट् त् प् (B) व् प् ङ् श् म्
(C) श् च् स् ड् (D) त् थ् द् ध् स्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज–20

32. 'संस्कृतभाषा' किस भाषा-परिवार में आती है –
(A) द्राविड़ में (B) चीनीपरिवार में
(C) भारोपीय में (D) अमेरिकी में
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–378

33. बृहत्त्रयी के अन्तर्गत नहीं है –
(A) किरातार्जुनीयम् (B) शिशुपालवधम्
(C) रघुवंशम् (D) नैषधीयचरितम्
स्रोत–शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) - तारिणीश झा, भू. पेज–12

34. 'रत्नावली' के रचयिता हैं –
(A) भट्टनारायण (B) शूद्रक
(C) हर्षवर्धन (D) कालिदास
संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–365

35. 'पदलालित्य' के लिए प्रसिद्ध हैं –
(A) कालिदास (B) दण्डी
(C) भारवि (D) माघ
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–477

36. 'रुमण्यवान्' पात्र का वर्णन है –
(A) स्वप्नवासवदत्तम् में (B) वेणीसंहारम् में
(C) मृच्छकटिकम् में (D) उत्तररामचरितम् में
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा, रेग्मी भू. पेज–5

37. एक पात्र प्रयोजित रचना है –
(A) भाण (B) प्रकरण
(C) प्रहसन (D) व्यायोग
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/228) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

38. आख्यायिका है –
(A) हर्षचरितम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) कादम्बरी (D) मृच्छकटिकम्
संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज-491

39. सुमेलित कीजिए –
(अ) मृच्छकटिकम् 1. भवभूति
(ब) उत्तररामचरितम् 2. भट्टनारायण
(स) वेणीसंहारम् 3. कालिदास
(द) अभिज्ञानशाकुन्तलम् 4. शूद्रक

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	1	2	3
(B)	3	2	1	4
(C)	1	2	3	4
(D)	3	1	4	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज – अ = 307, ब = 395, स = 381, द = 326

40. 'अद्भुतरस' का स्थायीभाव है –
(A) विस्मय (B) शोक
(C) शम (D) उत्साह
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/242) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

41. सुमेलित कीजिए –
(अ) पाणिनि 1. महाभाष्य
(ब) पतञ्जलि 2. अष्टाध्यायी
(स) सायणाचार्य 3. न्यायकोश
(द) भीमाचार्य 4. ऋग्वेदभाष्यभूमिका

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	1	4	3
(B)	4	1	3	2
(C)	3	1	2	4
(D)	2	3	1	4

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–अ = 02, ब = संस्कृत सा. का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–3, स = 561

42. 'छन्दसूत्र' के रचयिता हैं –
(A) पिङ्गल (B) लगध
(C) वामन (D) भामह
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199

43. मम्मट के अनुसार काव्य के प्रमुख भेद होते हैं –
(A) 3 (B) 4
(C) 2 (D) 5
स्रोत–काव्यप्रकाश (प्रथम उल्लास) सूत्र – 2, 3, 4

31. (A) **32.** (C) **33.** (C) **34.** (C) **35.** (B) **36.** (A) **37.** (A) **38.** (A) **39.** (A) **40.** (A) **41.** (A) **42.** (A) **43.** (A)

44. धीरललित नायक है –
(A) भीम (B) दुर्योधन
(C) उदयन (D) राम
स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा रेग्मी, भू. पेज–14

45. रूपक नहीं है –
(A) भाण (B) डिम
(C) सट्टक (D) अङ्क
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

46. 'मुखसन्धि' के कितने अङ्ग हैं –
(A) 13 (B) 12
(C) 64 (D) 5
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/81-82) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–185

47. 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य में प्रमुख रस है –
(A) वीररस (B) शृङ्गाररस
(C) करुणरस (D) शान्तरस
स्रोत–शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) - तारिणीश झा, भू. पेज–57

48. 'रघुवंशमहाकाव्य' का पात्र नहीं है –
(A) राम
(B) दिलीप
(C) भीम
(D) लक्ष्मण
संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–152

49. 'सङ्केतग्रह' के साधन हैं –
(A) 4 (B) 6
(C) 8 (D) 10
स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–149

50. 'मृच्छकटिक' नाटक में विदूषक का नाम है –
(A) आत्रेय
(B) माधव्य (माढव्य)
(C) मैत्रेय
(D) वसन्तक
स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–01

44. (C) **45.** (C) **46.** (B) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (C)

14	दिसम्बर 2002	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. वेदाङ्ग में वेदपुरुष का 'मुख' कहा जाता है –
(A) कल्प (B) ज्योतिष
(C) व्याकरण (D) निरुक्त
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

2. 'छन्दसूत्र' के रचयिता हैं –
(A) पिङ्गल (B) यास्क
(C) पाणिनि (D) लगध
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199

3. 'कविक्रतुः' उपाधि वाला है –
(A) बृहस्पति (B) इन्द्र
(C) विष्णु (D) अग्नि
स्रोत–वैदिक माइथोलॉजी - रामकुमार राय, पेज–184

4. 'गोपथ-ब्राह्मण' से सम्बद्ध वेद है –
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अथर्ववेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

5. 'छान्दोग्योपनिषद्' सम्बन्धित है –
(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) यजुर्वेद से (D) अथर्ववेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

6. 'ऋताधिपति' उपाधि है –
(A) अग्नि की (B) अश्विनौ की
(C) सविता की (D) इन्द्र की

7. 'यम-नचिकेता-संवाद' किस उपनिषद् में है –
(A) कठोपनिषद् (B) छान्दोग्योपनिषद्
(C) तैत्तिरीयोपनिषद् (D) बृहदारण्यकोपनिषद्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175

8. 'वंशीयमण्डल' में विभक्त है –
(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

9. ऋग्वैदिक 'स्त्री देवता' है –
(A) उषा (B) सविता
(C) अश्विनौ (D) अग्नि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–306

10. देवताओं में पुरोहित हैं –
(A) अग्नि (B) इन्द्र
(C) वरुण (D) सूर्य
स्रोत–वैदिक माइथोलॉजी - रामकुमार राय, पेज–183

11. चारों वेदों के भाष्यकार हैं –
(A) सायणाचार्य (B) भास्कराचार्य
(C) लगधाचार्य (D) पतञ्जलि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23, 24

12. अज्ञान है –
(A) कर्मरूप (B) भावरूप
(C) पदार्थरूप (D) विवर्त्तरूप
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

13. अनिष्ट साधना कर्म है –
(A) नित्यकर्म (B) नैमित्तिककर्म
(C) उपासनाकर्म (D) निषिद्धकर्म
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

14. सांख्य के अनुसार पुरुष का स्वरूप है –
(A) न प्रकृतिः (B) न विकृतिः
(C) न प्रकृतिः न विकृतिः (D) प्रकृतिः विकृतिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 3) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

1. (C) **2.** (A) **3.** (D) **4.** (D) **5.** (B) **6.** (C) **7.** (A) **8.** (A) **9.** (A) **10.** (A) **11.** (A)
12. (B) **13.** (D) **14.** (C)

15. 'ऋग्वेदभाष्य' के लेखक हैं –

(A) वेङ्कटमाधव (B) शङ्कराचार्य
(C) महीधर (D) भवस्वामी

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23

16. 'उपष्टम्भक'-------लक्षण है –

(A) रजोगुण का (B) तमोगुण का
(C) सत्वगुण का (D) माधुर्यगुण का

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 13)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–145

17. 'तुष्टि' के प्रकार हैं –

(A) 9 (B) 8
(C) 28 (D) 10

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 47)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–271

18. 'पञ्चगवम्' में समास है –

(A) कर्मधारयसमास (B) अव्ययीभावसमास
(C) द्विगुसमास (D) द्वन्द्वसमास

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–110

19. 'रूपवद्भार्यः' में समास है –

(A) बहुव्रीहिसमास (B) कर्मधारयसमास
(C) अव्ययीभावसमास (D) द्वन्द्वसमास

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या खण्ड-4), पेज–199

20. 'विपर्यय' के प्रकार हैं –

(A) 5 (B) 20
(C) 15 (D) 8

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 47)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–271

21. 'शिशुपालवधम्' में सर्गों की संख्या है –

(A) 20 (B) 22
(C) 18 (D) 19

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–262

22. 'वेणीसंहारम्' में रस है –

(A) वीररस (B) करुणरस
(C) हास्यरस (D) शृङ्गाररस

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–386

23. 'माघ' के गुण हैं –

(A) पदलालित्य, ओज, प्रसाद
(B) ओज, माधुर्य, उपमा
(C) उपमा, अर्थगौरव, पदलालित्य
(D) अर्थगौरव, उपमा, प्रसाद

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–202

24. 'राज्यश्री' पात्र है –

(A) हर्षचरितम् का (B) दशकुमारचरितम् का
(C) कादम्बरी का (D) शिशुपालवधम् का

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–492

25. सवर्ण हैं –

(A) इ, श (B) अ, आ
(C) ह, विसर्ग (D) अनुनासिक

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–16

26. 'दिगम्बर' जैन आगमों की भाषा है –

(A) शौरसेनीभाषा (B) द्रविड़भाषा
(C) मराठीभाषा (D) संस्कृतभाषा

स्रोत–भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–118

27. वर्नर-नियम में 'क्' का परिवर्तित रूप है –

(A) ग् (B) घ्
(C) क् (D) ख्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

28. प्रायः पूर्वपद की प्रधानता वाला समास है –

(A) अव्ययीभावसमास (B) द्वन्द्वसमास
(C) द्विगुसमास (D) तत्पुरुषसमास

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

29. कारण का लक्षण है –

(A) पूर्वभावो नियतोऽनन्यथासिद्धश्च
(B) प्रतिपक्षयुतम्
(C) अनिष्टप्रसङ्गानुकूलम्
(D) यथार्थानुभवः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–18

15. (A) **16.** (A) **17.** (A) **18.** (C) **19.** (A) **20.** (A) **21.** (A) **22.** (A) **23.** (C) **24.** (A) **25.** (B) **26.** (A) **27.** (A) **28.** (A) **29.** (A)

30. कारक की श्रेणी में नहीं आता है –
(A) कर्ता (B) करण
(C) सम्बन्ध (D) अधिकरण
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–10

31. 'अलोऽन्त्यात्पूर्वः' से संज्ञा होगी –
(A) उपधासंज्ञा (B) नदीसंज्ञा
(C) प्रगृह्यसंज्ञा (D) अपृक्तसंज्ञा
स्रोत–अष्टाध्यायी, (1-1-64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48

32. 'न वा' की संज्ञा है –
(A) विभाषा संज्ञा (B) निष्ठा संज्ञा
(C) वृद्धि संज्ञा (D) संहिता संज्ञा
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

33. 'संहिता' का लक्षण है –
(A) परः सन्निकर्षः (B) सुप्तिङन्तं
(C) सुडनपुंसकस्य (D) यू स्त्र्याख्यौ
स्रोत–अष्टाध्यायी, (1-4-108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

34. 'प्रगृह्य-संज्ञा' का सूत्र है –
(A) सुडनपुंसकस्य (B) ईदूदेद्द्विवचनं
(C) क्तक्तवतू (D) अलोऽन्त्यात्पूर्व
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13

35. सुमेलित कीजिए –
(अ) आकाश 1. कर्म
(ब) गमन 2. गुण
(स) अयुतसिद्ध 3. द्रव्य
(द) पृथकत्व 4. समवाय

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	1	4	2
(B)	2	3	1	4
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	1	2

स्रोत–तर्कसंग्रह-अनिता सेनगुप्ता, पेज–अ = 28, ब = 29, स = 120, द = 29

36. 'उन्माद' है –
(A) विभाव (B) अनुभाव
(C) सात्त्विकभाव (D) व्यभिचारीभाव
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/141) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–95

37. हास्यप्रधान इतिवृत्त वाला रूपक है –
(A) प्रकरण (B) प्रहसन
(C) अङ्क (D) भाण
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/264-265) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–220

38. जगन्नाथ का काव्यलक्षण है –
(A) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(B) काव्यस्यात्मा ध्वनिः
(C) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
(D) ननु शब्दार्थौ काव्यम्
स्रोत–रसगंगाधर (प्रथम आनन) - मदनमोहन झा, पेज–10

39. 'तत्त्वमसि' की लक्षणा है –
(A) जहल्लक्षणा (B) अजहल्लक्षणा
(C) जहदजहल्लक्षणा (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–127

40. 'शाण्डिल्य-विद्यादीनि' कर्म है –
(A) प्रायश्चित्तकर्म (B) उपासनाकर्म
(C) नित्यकर्म (D) निषिद्धकर्म
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

41. 'न्याय' के मतानुसार समवाय है –
(A) पदार्थ (B) द्रव्य
(C) गुण (D) कर्म
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–26

42. 'वायु' का लक्षण है –
(A) स्पर्शसहित (B) रूपसहित
(C) रूपरहित स्पर्शसहित (D) रूपसहित स्पर्शरहित
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–41

43. विशेषणविशेष्यभाव-------का प्रकार है –
(A) प्रत्यक्ष (B) उपमान
(C) अर्थापत्ति (D) शब्द
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–76

44. 'चूलिका' है –
(A) सन्धिभेद (B) अर्थोपक्षेपक भेद
(C) कथावस्तु भेद (D) रूपक भेद
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/54) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–180

30. (C) **31.** (A) **32.** (A) **33.** (A) **34.** (B) **35.** (A) **36.** (D) **37.** (B) **38.** (C) **39.** (C) **40.** (B)
41. (A) **42.** (C) **43.** (A) **44.** (B)

45. **'महाभारत' पर आधारित ग्रन्थ है –**

(A) रघुवंशम् (B) दशकुमारचरितम्
(C) किरातार्जुनीयम् (D) बुद्धचरितम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–243

46. **'वीररस' का स्थायीभाव है –**

(A) रौद्र (B) उत्साह
(C) जुगुप्सा (D) शोक

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/232) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–117

47. **छायाङ्क किसमें है –**

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) उत्तररामचरितम् में
(C) मुद्राराक्षसम् में (D) वेणीसंहारम् में

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–58

48. **'नाट्यशास्त्र' में अलङ्कारों की संख्या है –**

(A) 4 (B) 20
(C) 36 (D) 25

स्रोत–नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू. पेज–17

49. **'शुद्धोधन' नामक पात्र है –**

(A) दशकुमारचरितम् में (B) बुद्धचरितम् में
(C) हर्षचरितम् में (D) उत्तररामचरितम् में

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–169

50. **सुमेलित कीजिए –**

(अ) अश्वघोष 1. रत्नावली
(ब) विशाखदत्त 2. सौन्दरनन्द
(स) हर्ष 3. मुद्राराक्षस
(द) कुमारदास 4. जानकीहरण

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	1	4
(C)	2	3	4	1
(D)	4	2	3	1

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज – अ = 170, ब = 354, स = 365, द = 244

45. (C) **46.** (B) **47.** (B) **48.** (A) **49.** (B) **50.** (B)

15	जून 2003	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Vedic Concordene (वैदिक वाक्यकोश) के लेखक हैं–
(A) मैक्समूलर (B) डॉ. ब्लूमफील्ड
(C) वेबर (D) विण्टरनित्स
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–37

2. 'नासदीय सूक्त' है –
(A) ऋग्वेद में (B) यजुर्वेद में
(C) सामवेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53

3. 'पृथ्वीसूक्त' है –
(A) सामवेद में (B) ऋग्वेद में
(C) अथर्ववेद में (D) कृष्णयजुर्वेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109

4. 'गायत्री' छन्द में अक्षरसंख्या है –
(A) 24 (B) 32
(C) 36 (D) 40
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

5. 'जलोदर' व्याधि का कारण है –
(A) इन्द्र (B) वरुण
(C) सोम (D) वायु
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

6. 'ज्ञान' के देवता हैं –
(A) बृहस्पति (B) इन्द्र
(C) वरुण (D) सूर्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–308

7. 'सङ्गीत' का प्राचीनतम ग्रन्थ है –
(A) सामवेद (B) आयुर्वेद
(C) ऋग्वेद (D) यजुर्वेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–87

8. 'आयुर्वेद' किसका उपवेद है –
(A) ऋग्वेद में (B) अथर्ववेद में
(C) सामवेद में (D) यजुर्वेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

9. 'निरुक्त' के लेखक हैं –
(A) यास्काचार्य (B) सायणाचार्य
(C) कपिलाचार्य (D) गार्ग्याचार्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

10. 'शारीरिक दुःख' होता है –
(A) आत्मिक (B) आध्यात्मिक
(C) आधिदैविक (D) आधिभौतिक
स्रोत–सांख्यकारिका-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–10

11. 'अभिमान' का गुण है –
(A) अहङ्कार (B) मोह
(C) मद (D) मान
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 24) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–206

12. 'वेदान्तसार' के लेखक हैं –
(A) सदानन्द (B) ईश्वरकृष्ण
(C) पाणिनि (D) केशवमिश्र
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–XXII

13. 'सांख्य' में अपवर्ग की प्राप्ति होती है –
(A) कर्म से (B) ज्ञान से
(C) मोक्ष से (D) गुण से
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 44)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–263

14. 'सुबन्त' और 'तिङन्त' की संज्ञा है –
(A) पद (B) निष्ठा
(C) नदी (D) सर्वनाम
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114

1. (B) **2.** (A) **3.** (C) **4.** (A) **5.** (B) **6.** (A) **7.** (A) **8.** (A) **9.** (A) **10.** (B) **11.** (A)
12. (A) **13.** (B) **14.** (A)

15. 'निष्ठा' संज्ञा होती है –

(A) क्तक्तवतू की (B) नदी की
(C) सुबन्त की (D) सखि की

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

16. 'परः सन्निकर्षः' की संज्ञा है –

(A) संहिता (B) निष्ठा
(C) घि (D) नदी

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

17. तर्कसंग्रह के अनुसार 'कर्म' का लक्षण है –

(A) यजनात् यज्ञः कर्म (B) चलनात्मकं कर्म
(C) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (D) कर्तृकरणयोस्तृतीया

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–118

18. 'येनाङ्गविकारः' में विभक्ति होती है :

(A) प्रथमा (B) द्वितीया
(C) तृतीया (D) पञ्चमी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

19. अन्यपद के अर्थ की प्रधानता होती है –

(A) द्वन्द्व में (B) तत्पुरुष में
(C) बहुव्रीहि में (D) द्विगु में

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

20. 'रूपस्य योग्यम्' का समस्तपद है –

(A) अनुरूपम् (B) यथारूपम्
(C) रूपयोग्यम् (D) योग्यरूपम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–33

21. 'यथाशक्ति' में समास है –

(A) अव्ययीभाव (B) द्वन्द्व
(C) द्विगु (D) तत्पुरुष

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–4), पेज–33

22. 'य' का सम्प्रसारण है –

(A) ऋ (B) इ
(C) अय् (D) उ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–264

23. ग्रिमनियम में 'भ' का परिवर्तित रूप है –

(A) भ (B) ब
(C) द (D) ख

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

24. ध्वनि नियम नहीं है –

(A) ग्रिमनियम (B) ग्रासमाननियम
(C) वर्नरनियम (D) धातुनियम

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-241

25. 'अग्निवर्ण' पात्र था –

(A) मेघदूतम् का (B) रघुवंशम् का
(C) वेणीसंहारम् का (D) मुद्राराक्षसम् का

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–152

26. 'शुश्रूषस्व गुरून्' श्लोक है –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में (B) रघुवंशम् में
(C) उत्तररामचरितम् में (D) मुद्राराक्षसम् में

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/18)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–229

27. 'सोमपा' उपाधि वाला है –

(A) इन्द्र (B) विष्णु
(C) वरुण (D) अग्नि

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–298

28. 'अग्नि' की स्तुति की गई है –

(A) 200 बार (B) 250 बार
(C) 400 बार (D) 100 बार

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, भू. पेज–13

29. 'छान्दोग्यारण्यक' किस वेद से सम्बद्ध है –

(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) अथर्ववेद से (D) यजुर्वेद से

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–161

30. 'अथर्ववेदीय' उपनिषद् है –

(A) मुण्डकोपनिषद् (B) ईशावास्योपनिषद्
(C) बृहदारण्यकोपनिषद् (D) केनोपनिषद्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

15. (A) **16.** (A) **17.** (B) **18.** (C) **19.** (C) **20.** (A) **21.** (A) **22.** (B) **23.** (B) **24.** (D) **25.** (B)
26. (A) **27.** (A) **28.** (A) **29.** (B) **30.** (A)

31. किस 'वेदाङ्ग' को वेदपुरुष के नेत्र के रूप में स्वीकारा गया है –

(A) छन्द (B) कल्प
(C) शिक्षा (D) ज्योतिष

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

32. 'न्यायशास्त्र' में पदार्थ माने गए हैं –

(A) 16 (B) 8
(C) 10 (D) 7

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–04

33. संसार में भाषाएँ प्रचलित हैं –

(A) लगभग 3,100 (B) लगभग 3,000
(C) लगभग 2500 (D) लगभग 4,000

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–355

34. 'लृतुलसानां' सूत्र है –

(A) कण्ठ का (B) दन्त का
(C) तालु का (D) मूर्धा का

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

35. 'बुद्धचरितम्' के लेखक हैं –

(A) भारवि (B) अश्वघोष
(C) माघ (D) भवभूति

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–228

36. सुमेलित कीजिए –

(अ)	रत्नावली	1.	10 अङ्क
(ब)	वेणीसंहारम्	2.	4 अङ्क
(स)	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	3.	6 अङ्क
(द)	मृच्छकटिकम्	4.	7 अङ्क

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	4	2	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	1	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज – अ = 515, ब = 518, स = 483, द = 493

37. 'मानकभाषा' किस परिवार की है –

(A) हेमेटिक परिवार (B) सूडान परिवार
(C) बाण्टू परिवार (D) वुशमैन भाषापरिवार

38. 'साधकतमं करणम्' सूत्र किस विभक्ति का है –

(A) प्रथमा (B) तृतीया
(C) पञ्चमी (D) सप्तमी

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–125

39. 'अहङ्कार' से उत्पन्न है –

(A) पञ्चमहाभूत (B) महत् (बुद्धि)
(C) प्रकृति (D) षोडश-गण

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

40. 'वक्रोक्तिसम्प्रदाय' के प्रतिष्ठापक हैं –

(A) वामन (B) मम्मट
(C) भामह (D) कुन्तक

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–595

41. 'मेघदूतम्' में छन्द प्रयुक्त हुआ है –

(A) अनुष्टुप् (B) उपजाति
(C) मालिनी (D) मन्दाक्रान्ता

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ) - तारिणीश झा, भू. पेज–21

42. 'शाण्डिल्यविद्यादीनि' कर्म है –

(A) प्रायश्चित्त (B) उपासना
(C) नित्य (D) निषिद्ध

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

43. 'नाटिका' को कहा गया है –

(A) रूपक (B) उपरूपक
(C) खण्डकाव्य (D) चम्पू

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

44. 'पञ्चीकरण सिद्धान्त' किसका है –

(A) सांख्य का (B) वेदान्त का
(C) योग का (D) वैशेषिक का

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–78

45. 'शकार' किस रचना में है –

(A) किरातार्जुनीयम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) मुद्राराक्षसम् (D) रत्नावली

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–01

31. (D)	**32.** (A)	**33.** (B)	**34.** (B)	**35.** (B)	**36.** (A)	**37.** (B)	**38.** (B)	**39.** (D)	**40.** (D)	**41.** (D)
42. (B)	**43.** (B)	**44.** (B)	**45.** (B)							

46. इनमें 'खण्डकाव्य' है –
(A) कुमारसम्भवम् (B) बुद्धचरितम्
(C) रघुवंशम् (D) मेघदूतम्
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वभाग) - तारिणीश झा, भू. पेज–15

47. 'मनोरथः' में सन्धि है –
(A) गुण (B) पूर्वरूप
(C) प्रकृतिभाव (D) विसर्ग
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–122

48. 'राक्षस' पात्र किस रूपक में है –
(A) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (B) रत्नावली
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) मुद्राराक्षसम्
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–358

49. किसमें 'नारद' का वर्णन है –
(A) बुद्धचरितम्
(B) रघुवंशम्
(C) शिशुपालवधम्
(D) हर्षचरितम्
स्रोत–शिशुपालवधम् (1/3) - तारिणीश झा, पेज-8

50. 'हनुमते नमः' में विभक्ति है –
(A) चतुर्थी
(B) द्वितीया
(C) पञ्चमी
(D) षष्ठी
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–55

46. (D) **47.** (D) **48.** (D) **49.** (C) **50.** (A)

16	दिसम्बर 2003	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'द्युस्थानीय' देवता –
(A) विष्णु (B) सोम
(C) बृहस्पति (D) इन्द्र
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–35

2. 'अन्तरिक्ष' के देवता हैं –
(A) इन्द्र (B) अग्नि
(C) बृहस्पति (D) सोम
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

3. आर्षेय परम्परा के अनुसार वेद हैं –
(A) अपौरुषेय (B) मानवकृत
(C) ऋषिकृत (D) देवकृत
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–11-12

4. 'ऑरिआन्' (Orion) किसकी रचना है –
(A) याकोबी (B) बालगङ्गाधरतिलक
(C) वेबर (D) मैक्समूलर
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–30

5. ऋग्वेद का क्रम है –
(A) वर्ग (B) काण्ड
(C) मण्डल (D) अध्याय
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

6. 'कठ शाखा' सम्बन्धित है –
(A) ऋग्वेद से (B) सामवेद से
(C) अथर्ववेद से (D) यजुर्वेद से
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

7. यमयमी संवादसूक्त है –
(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

8. 'शिक्षा' का विषय है –
(A) वर्णोच्चारण (B) यज्ञवेदी निर्माण
(C) कालनिर्णय (D) वैदिकयज्ञ
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

9. 'छन्दसूत्र' के रचनाकार हैं –
(A) पिङ्गल (B) वरदराज
(C) कात्यायन (D) पतञ्जलि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199

10. 'अष्टाध्यायी' के रचनाकार हैं –
(A) पाणिनि (B) व्यास
(C) पतञ्जलि (D) व्याडि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–195

11. 'महत्' का उत्पत्तिस्थान है –
(A) अहङ्कार (B) प्रधान (प्रकृति)
(C) इन्द्रियाँ (D) तन्मात्रा
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

12. 'वेदान्त' के अनुसार पदार्थ हैं –
(A) 4 (B) 6
(C) 2 (D) 5
स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज-363

13. 'अधिकारी' है –
(A) अनुबन्ध (B) सूत्र
(C) जीव (D) शक्ति
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

14. 'विवर्त्त' है –
(A) अतत्त्वतोऽन्यथा (B) सतत्त्वतोऽन्यथा
(C) आवरण (D) विक्षेप
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–115

1. (A) **2.** (A) **3.** (A) **4.** (B) **5.** (C) **6.** (D) **7.** (A) **8.** (A) **9.** (A) **10.** (A) **11.** (B) **12.** (C) **13.** (A) **14.** (A)

15. 'अज्ञान' है –
(A) अनिर्वचनीय (B) नित्यानित्य
(C) परिणाम (D) विशेष
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

16. 'न्यायमतानुसार' पदार्थ हैं –
(A) 25 (B) 16
(C) 9 (D) 7
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–04

17. 'तर्कसंग्रह' के रचनाकार हैं –
(A) केशवमिश्र (B) अन्नंभट्ट
(C) ईश्वरकृष्ण (D) पतञ्जलि
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, भू. पेज–05

18. 'गुणसंज्ञा' का सूत्र है –
(A) अदेङ्गुणः (B) आद्गुणः
(C) अचोऽन्त्यादि टि (D) शि सर्वनामस्थानम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–06

19. 'वृद्धिसंज्ञा' का सूत्र है –
(A) वृद्धिरादैच् (B) वृद्धिरेचि
(C) अदसो मात् (D) तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–05

20. 'संहिता' है –
(A) परः सन्निकर्षः (B) सुडनपुंसकस्य
(C) मन्त्र ब्राह्मण (D) अचोऽन्त्यादि
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

21. 'प्रातिपदिक' है –
(A) अर्थवदधातुरप्रत्ययः (B) सुडनपुंसकस्य
(C) क्तक्तवतू (D) सुप्तिङन्तम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-2-45) ईश्वरचन्द्र, पेज–69

22. अर्थयुक्त है –
(A) प्रातिपदिक (B) विभाषा
(C) अपृक्त (D) उपधा
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-2-45) - ईश्वरचन्द्र, पेज-69

23. 'गां दोग्धि पयः' से सम्बन्धित सूत्र है –
(A) अकथितं च (B) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(C) अपादाने पञ्चमी (D) कर्मप्रवचनीयाः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–20

24. 'जटाभिः तापसः' किस सूत्र से सम्बन्धित है –
(A) हेतौ (B) कर्तृकरणयोस्तृतीया
(C) इत्थम्भूतलक्षणे (D) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

25. 'भाषा' की परिभाषा में अन्तर्भूत नहीं है –
(A) व्यक्त वाणी
(B) यादृच्छिक ध्वनिप्रतीकों की व्यवस्था
(C) विभाषा
(D) सांकेतिक
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–30

26. 'बुद्धचरितम्' के रचयिता हैं –
(A) अश्वघोष (B) भारवि
(C) भवभूति (D) कालिदास
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–229

27. 'अर्थसङ्कोच' का उदाहरण है –
(A) कुशल (B) असुर
(C) वारिज (D) गवेषणा
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–338

28. 'किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्' से सम्बन्धित है -
(A) उत्तररामचरितम्
(B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) वेणीसंहारम्
(D) रत्नावली
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

29. 'हंसविलाप' का वर्णन है –
(A) रघुवंशम् में (B) बुद्धचरितम् में
(C) नैषधीयचरितम् में (D) हरविजयम् में
स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/135) - बद्रीनाथ मालवीय, पेज–231

15. (A)	**16.** (B)	**17.** (B)	**18.** (A)	**19.** (A)	**20.** (A)	**21.** (A)	**22.** (A)	**23.** (A)	**24.** (C)	**25.** (C)
26. (A)	**27.** (C)	**28.** (B)	**29.** (C)							

30. दश अङ्कों की रचना है –
(A) भाण (B) प्रकरण
(C) डिम (D) व्यायोग
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/8) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–171

31. 'शूद्रक' का वर्णन है –
(A) कादम्बरी में (B) हर्षचरितम् में
(C) नैषधीयचरितम् में (D) दशकुमारचरितम् में
स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, पेज–32

32. 'रूपक' होते हैं –
(A) 7 (B) 5
(C) 10 (D) 8
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

33. 'बाण' की आत्मकथा है –
(A) दशकुमारचरितम् में (B) हर्षचरितम् में
(C) कादम्बरी में (D) उत्तररामचरितम् में
स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, भू., पेज–17

34. 'साहित्यदर्पण' किसकी रचना है –
(A) विश्वनाथ (B) मम्मट
(C) भामह (D) वामन
स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराज राजेन्द्र, भू. पेज–39

35. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' वर्णित है –
(A) काव्यप्रकाश में (B) साहित्यदर्पण में
(C) ध्वन्यालोक में (D) काव्यालङ्कार में
स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

36. 'कर्मणि कुशलः' उदाहरण है –
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–30

37. 'शान्तरस' का स्थायीभाव होता है –
(A) निर्वेद (B) रति
(C) जुगुप्सा (D) उत्साह
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र - 47) - विश्वेश्वर, पेज–138

38. भरत के अनुसार 'नाट्य' में रस होते हैं –
(A) 9 (B) 8
(C) 6 (D) 5
स्रोत–नाट्यशास्त्र (6/16) - बाबूलाल शुक्ल, पेज–218

39. जिस समानाधिकरण तत्पुरुष में प्रथमपद संख्यावाची होता है, वह कहलाता है –
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) अव्ययीभाव
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज-109

40. 'आकृतिमूलक वर्गीकरण' को किस नाम से जाना जाता हैं –
(A) ध्वनि वर्गीकरण (B) रूपात्मक
(C) अभिधार्थक (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज–63

41. 'भाषा' की उत्पत्ति का मूल कारण है –
(A) अर्थ (B) शब्द
(C) पद (D) ध्वनि
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

42. 'दशकुमारचरितम्' के लेखक हैं –
(A) भवभूति (B) कालिदास
(C) दण्डी (D) माघ
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–381

43. भास की रचना है –
(A) विक्रमोर्वशीयम् (B) वेणीसंहारम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) स्वप्नवासवदत्तम्
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–466

44. कथा साहित्यकार नहीं है –
(A) विष्णुशर्मा (B) नारायणपण्डित
(C) सोमदेव (D) कालिदास
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–12

45. 'ऋचाओं' द्वारा आह्वान किया जाता है –
(A) राक्षसों का (B) देवों का
(C) मनुष्यों का (D) जंगली जीवों का
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–55

30. (B) **31.** (A) **32.** (C) **33.** (B) **34.** (A) **35.** (B) **36.** (B) **37.** (A) **38.** (B) **39.** (C) **40.** (B)
41. (D) **42.** (C) **43.** (D) **44.** (D) **45.** (B)

46. 'उपनिषदों' का प्रथम भाषान्तर फारसी भाषा में कब हुआ –
(A) 15वीं सदी में
(B) 16वीं सदी में
(C) 17वीं सदी में
(D) 18वीं सदी में

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–169

47. 'पूर्णमदः पूर्णमिदम्' पाया जाता है –
(A) बृहदारण्यकोपनिषद् में
(B) छान्दोग्योपनिषद् में
(C) प्रश्नोपनिषद् में
(D) तैत्तिरीयोपनिषद् में

स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–27

48. 'यम-यमी संवाद' ऋग्वेद के किस मण्डल का है –
(A) 10वें (B) 8वें
(C) 9वें (D) 7वें

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

49. 'श्रौतसूत्रों' का वर्ण्यविषय है –
(A) आश्रमकर्त्तव्य (B) यज्ञवेदीनिर्माण
(C) वैदिकयज्ञ (D) संस्कार

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

50. कर्म का भेद है –
(A) पर (B) पृथ्वी
(C) शब्द (D) प्रसारण

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–29

46. (C) **47.** (A) **48.** (A) **49.** (C) **50.** (D).

17	जून 2004	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'ऋग्वेद' के कितने सूक्तों में बृहस्पति देवता की स्वतन्त्र रूप से उपासना की गई है ?
(A) 11 सूक्तों में (B) 15 सूक्तों में
(C) 13 सूक्तों में (D) 10 सूक्तों में
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–308

2. सोम का निवासस्थान है –
(A) द्युलोक (B) पाताललोक
(C) पृथ्वीलोक (D) अन्तरिक्षलोक
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

3. 'सामवेदीय आरण्यकों' की संख्या है –
(A) पाँच (B) चार
(C) दो (D) तीन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–161

4. जिसके द्वारा 'ब्रह्म' की समीपता निश्चय रूप से प्राप्त हो, उसे कहते हैं –
(A) वेद (B) ब्राह्मण
(C) उपनिषद् (D) आरण्यक
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–167

5. सांख्यानुसार पदार्थों की संख्या है –
(A) 25 (B) 26
(C) 7 (D) 6
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 03)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

6. ''अभितः-परितः-समया-निकषा-हा-प्रतियोगेऽपि'' सूत्र किस विभक्ति का है –
(A) प्रथमा (B) चतुर्थी
(C) षष्ठी (D) द्वितीया
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–31

7. ''नृणां नृषु वा ब्राह्मणः श्रेष्ठः'' में सूत्र प्रयुक्त हुआ है –
(A) यस्य च भावेन भावलक्षणम्
(B) यतश्च निर्धारणम्
(C) सहयुक्तेऽप्रधाने
(D) षष्ठी चानादरे
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–98

8. 'नखभिन्नः' का लौकिकविग्रह है –
(A) नखात् भिन्नः (B) नखेभ्यः भिन्नः
(C) नखं भिन्नः (D) नखैः भिन्नः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–70

9. 'अपुत्रः' में समास है –
(A) अव्ययीभाव (B) द्वन्द्वसमास
(C) बहुव्रीहि (D) कर्मधारय
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–196

10. रघुवंशी राजाओं में सर्वप्रथम नाम आता है –
(A) रघु (B) अज
(C) अग्निवर्ण (D) वैवस्वत (मनु)
संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–152

11. मेघदूतम् कितने भागों में विभक्त है –
(A) चार (B) तीन
(C) दो (D) पाँच
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वभाग) - तारिणीश झा, भू. पेज–15

12. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' सूक्ति सम्बन्धित है –
(A) उत्तररामचरितम् से (B) किरातार्जुनीयम् से
(C) शिशुपालवधम् से (D) कादम्बरी से
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–42

13. 'गीतगोविन्दम्' के लेखक हैं –
(A) कालिदास (B) जयदेव
(C) जयप्रकाश (D) जगन्नाथ
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–548

1. (A) **2.** (C) **3.** (C) **4.** (C) **5.** (A) **6.** (D) **7.** (B) **8.** (D) **9.** (C) **10.** (D) **11.** (C) **12.** (B) **13.** (B)

14. बाणभट्ट के पितामह हैं –
(A) पाशुपत (B) चित्रभानु
(C) अर्थपति (D) कुबेर
स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, भू. पेज–18

15. 'करुणरस' प्रधान नाटक है –
(A) वेणीसंहारम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–82

16. 'उपरूपकों' की संख्या है –
(A) 10 (B) 8
(C) 18 (D) 20
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/6) शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

17. 'प्रहसन' की कथावस्तु होती है –
(A) इतिहासप्रसिद्ध (B) कविकल्पित
(C) मिश्रित (D) लौकिक
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/264) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–220

18. नाट्यसन्धियों के अङ्ग हैं –
(A) 5 (B) 12
(C) 13 (D) 64
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/75) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–184

19. 'कल्हण' की रचना है –
(A) श्रीकण्ठचरितम् (B) राजतरङ्गिणी
(C) सोमपालविजयम् (D) तत्त्वचिन्तामणि
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–597

20. 'अग्नि' का किस ऋतु से सम्बन्ध है –
(A) बसन्त से (B) हेमन्त से
(C) ग्रीष्म से (D) वर्षा से
स्रोत–वैदिकसाहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–259
संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–37

21. वरुण को किस वर्ण का देवता माना गया है –
(A) ब्राह्मणवर्ण का (B) क्षत्रियवर्ण का
(C) वैश्यवर्ण का (D) शूद्रवर्ण का
स्रोत–वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–481

22. 'समानी व आकूती समाना हृदयानि च' किस वेद का अन्तिम मन्त्र है –
(A) शुक्लयजुर्वेद का (B) सामवेद का
(C) कृष्णयजुर्वेद का (D) ऋग्वेद का
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–55

23. 'मैत्रायणी-आरण्यक' में प्रपाठक हैं –
(A) 5 (B) 7
(C) 10 (D) 8
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–165

24. मैत्रायणी उपनिषद् कितने अध्यायों में विभक्त है –
(A) 5 (B) 10
(C) 8 (D) 7
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–188

25. 'यमी' प्रतीक है –
(A) दिन की (B) रात्रि की
(C) सूर्य की (D) उषा की
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–60

26. 'वेङ्कटमाधव' किस वेद के भाष्यकार हैं –
(A) ऋग्वेद के (B) सामवेद के
(C) यजुर्वेद के (D) अथर्ववेद के
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23

27. इनमें 'वेदाङ्ग' हैं –
(A) ऋग्वेद (B) कल्प
(C) सामवेद (D) कृष्णयजुर्वेद
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

28. 'सर्दी-गर्मी' को सहन करना कहा जाता है –
(A) तितिक्षा (B) समाधि
(C) उपासना (D) श्रद्धा
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

29. वेदान्तानुसार 'सूक्ष्मशरीर' की रचना में कितने अवयव हैं-
(A) 20 (B) 25
(C) 24 (D) 17
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

14. (C)	**15.** (C)	**16.** (C)	**17.** (B)	**18.** (D)	**19.** (B)	**20.** (A)	**21.** (B)	**22.** (D)	**23.** (B)	**24.** (D)
25. (B)	**26.** (A)	**27.** (B)	**28.** (A)	**29.** (D)						

30. व्याकरण से सम्बन्धित सन्धि नहीं है –
(A) स्वरसन्धि (B) यण्सन्धि
(C) मुखसन्धि (D) हल्सन्धि
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/75) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–184

31. संस्कृत में लिङ्ग होते हैं –
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 1
स्रोत–लिङ्गानुशासन - नरेश झा, पेज–97

32. 'ब्रील महोदय' के अनुसार अर्थविकास की दिशाएँ होती हैं –
(A) 3 (B) 5
(C) 6 (D) 4
स्रोत–भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–263

33. ''अलं महीपाल! तव श्रमेण'' यह कथन किसने किसके लिए कहा है :
(A) सिंह ने दिलीप से (B) दिलीप ने मन्त्री से
(C) दिलीप ने सिंह से (D) दिलीप ने गुरु से
स्रोत–रघुवंशम् (2/34) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–57

34. 'नाट्यशास्त्र' के प्रणेता हैं –
(A) भरतमुनि (B) जड़भरत
(C) मम्मट (D) विश्वनाथ
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–577

35. 'ध्वन्यालोक' के लेखक हैं –
(A) वामन (B) कुन्तक
(C) मम्मट (D) आनन्दवर्धन
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–580

36. 'उज्ज्वलनीलमणि' के लेखक हैं –
(A) रूपगोस्वामी (B) भट्टिस्वामी
(C) वामन (D) मम्मट
स्रोत–संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–266

37. 'जतौ तु .... उदीरितं जरौ' यह लक्षण है –
(A) इन्द्रवज्रा का (B) उपेन्द्रवज्रा का
(C) वंशस्थ का (D) मालिनी का
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–468

38. छन्दोमयी रचना को कहते हैं –
(A) पद्य (B) गद्य
(C) चम्पू (D) मिश्रित
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/314) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–224

39. 'मन' किस प्रकार की इन्द्रिय है –
(A) कर्मेन्द्रिय (B) ज्ञानेन्द्रिय
(C) उभयात्मक (D) इनमें से कोई नहीं
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 27) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–212

40. 'महाकाव्य' विभक्त होता है –
(A) काण्डों में (B) अङ्कों में
(C) उच्छ्वासों में (D) सर्गों में
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/315) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–225

41. यह भाण है –
(A) रत्नावली (B) मुद्राराक्षस
(C) चन्द्रकली (D) धूर्तसमागम
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/227) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

42. शृङ्गाररस का स्थायीभाव है –
(A) शोक (B) हास
(C) रति (D) उत्साह
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/186) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–106

43. 'पण्डित जी > पण्डीजी' इसमें ध्वनिपरिवर्तन का कारण है –
(A) प्रयत्नलाघव (B) बलाघात
(C) सन्धि (D) अनुनासिकता
स्रोत–भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज-61

44. 'शतकत्रय' में सम्मिलित नहीं है –
(A) नीतिशतकम् (B) अमरुशतकम्
(C) वैराग्यशतकम् (D) शृङ्गारशतकम्
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–541

45. 'प्रकरण' का नायक होना चाहिए –
(A) धीरप्रशान्त (B) धीरललित
(C) धीरोदात्त (D) धीरोद्धत
स्रोत–साहित्य दर्पण (6/225) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–214

46. 'मुनि' शब्द की संज्ञा है –
(A) घि (B) नदी
(C) उपधा (D) टि
स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111

30. (C)	**31.** (B)	**32.** (A)	**33.** (A)	**34.** (A)	**35.** (D)	**36.** (A)	**37.** (C)	**38.** (A)	**39.** (C)	**40.** (D)
41. (D)	**42.** (C)	**43.** (A)	**44.** (B)	**45.** (A)	**46.** (A)					

47. 'आप्तवाक्य' है –

(A) रूप (B) शब्द

(C) अनुमान (D) उपमान

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज-107

48. 'कारक' नहीं है –

(A) कर्म (B) अधिकरण

(C) सम्बन्ध (D) सम्प्रदान

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–10

49. इनमें शुद्ध रूप है –

(A) ग्रामात् परितः (B) ग्रामस्य परितः

(C) ग्रामं परितः (D) ग्रामाय परितः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–31

50. 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' सूक्ति सम्बद्ध है –

(A) वेणीसंहारम् से (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से

(C) मृच्छकटिकम् से (D) रत्नावली से

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–240

47. (B) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (B)

18	दिसम्बर 2004	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो **(2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'देवेषु भूयिष्ठैः सूक्तैः' कः स्तुतः –
(A) अग्निः (B) रुद्रः
(C) इन्द्रः (D) वरुणः
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–40

2. 'शतपथब्राह्मणम्' कस्य वेदस्य अस्ति –
(A) ऋग्वेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) शुक्लयजुर्वेदस्य (D) कृष्णयजुर्वेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–129

3. 'धर्मसूत्रम्' आयाति –
(A) शिक्षायाम् (B) छन्दसि
(C) कल्पे (D) निरुक्ते
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–193

4. वेदपाठस्य कति विकृतयः भवन्ति –
(A) तिस्रः (B) चतस्रः
(C) अष्ट (D) नव
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–8

5. वेदस्य नेत्रं किम् अस्ति –
(A) व्याकरणम् (B) छन्दः
(C) ज्योतिषम् (D) निरुक्तम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

6. 'यम-यमी-संवादः' कुत्र वर्तते –
(A) ऋग्वेदे (B) यजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

7. 'पृथिवीसूक्तम्' कस्य वेदस्य अस्ति –
(A) ऋग्वेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) अथर्ववेदस्य (D) यजुर्वेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109

8. 'मैत्रेयी' शिक्षाम् अवाप –
(A) याज्ञवल्क्यात् (B) पैलात्
(C) जैमिनेः (D) कौत्सात्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184

9. निरुक्ते किम् अस्ति –
(A) वेदमन्त्राणां संग्रहः
(B) वैदिकशब्दानां निर्वचनम्
(C) वेदमन्त्राणां स्वरविवेचनम्
(D) वैदिकयज्ञानां प्रक्रिया
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206

10. 'ताण्ड्यब्राह्मणम्' कस्य वेदस्य अस्ति –
(A) ऋग्वेदस्य (B) शुक्लयजुर्वेदस्य
(C) कृष्णयजुर्वेदस्य (D) सामवेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

11. 'नचिकेतसः' पिता कः अस्ति –
(A) वाजश्रवाः (B) श्वेतकेतुः
(C) याज्ञवल्क्यः (D) जाबालिः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–175

12. बालगङ्गाधरतिलकानुसारम् ऋग्वेदस्य कालः ख्रीस्तपूर्वः–
(A) 3000 (B) 3500
(C) 6000 (D) 1200
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

13. सांख्यमते प्रकृतिविकृतयः कति भवन्ति –
(A) सप्त (B) पञ्च
(C) तिस्रः (D) नव
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09) - सन्तनारायणश्रीवास्तव, पेज–39

14. 'सांख्यमते' विकृतयः कति सन्ति –
(A) सप्त (B) नव
(C) षोडश (D) अष्टादश
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09) - सन्तनारायणश्रीवास्तव, पेज–39

1. (C) **2.** (C) **3.** (C) **4.** (C) **5.** (C) **6.** (A) **7.** (C) **8.** (A) **9.** (B) **10.** (D) **11.** (A) **12.** (C) **13.** (A) **14.** (C)

15. 'सांख्यमते' एकादशेन्द्रियाणि कुतः जायन्ते –

(A) अहङ्कारात् (B) महतः

(C) प्रकृतेः (D) पञ्चतन्मात्रेभ्यः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

16. 'वेदान्तो नाम' किम् अस्ति –

(A) रामायणप्रमाणम् (B) धर्मशास्त्रप्रमाणम्

(C) उपनिषत्प्रमाणम् (D) अर्थशास्त्रप्रमाणम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–07

17. 'सांख्यमते' अन्तःकरणं कतिविधं भवति –

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्

(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 33)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–234

18. अद्वैतवेदान्ते जीवब्रह्मणोः स्वरूपम् अस्ति –

(A) जीव एव ब्रह्म (B) जीव एव ईश्वरः

(C) जीव एव अज्ञानम् (D) जीव एव पुरुषः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–54

19. 'अनुबन्धः' कतिविधः भवति –

(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः

(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

20. 'अध्यारोपस्य' लक्षणं किम् अस्ति –

(A) वस्तुनि अवस्त्वारोपः (B) अवस्तुनि वस्त्वारोपः

(C) जीवे ब्रह्मण आरोपः (D) न किमपि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

21. अद्वैते सुषुप्तेः देवता कः अस्ति –

(A) वैश्वानरः (B) ईश्वरः

(C) हिरण्यगर्भः (D) अग्निः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–51

22. 'न्यायदर्शनानुसारं' प्रमाणानि कति भवन्ति –

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–50

23. 'न्यायमते' वाक्यम् –

(A) पदवर्णशब्दाः

(B) अभिधालक्षणाव्यञ्जनाः

(C) आङ्क्षाक्षायोग्यतासन्निधिमतां पदानां समूहः

(D) पदपदार्थयोजना

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–122

24. परार्थानुमाने कति अवयवाः सन्ति –

(A) त्रयः (B) पञ्च

(C) सप्त (D) नव

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–92

25. 'परः सन्निकर्षः' कः अस्ति –

(A) संहिता (B) वृद्धिः

(C) नदी (D) घि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

26. 'अदेङ् -- - --' इति सूत्रेण किं भवति –

(A) गुणः (B) प्रातिपदिकम्

(C) अपृक्तः (D) पदम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–06

27. 'न वेति--------' रिक्तस्थानं पूरयतु –

(A) उपधा (B) विभाषा

(C) निष्ठा (D) संहिता

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-4-43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

28. 'तुल्यास्यप्रयत्नं-----' किम् –

(A) घि (B) सवर्णम्

(C) निष्ठा (D) प्रगृह्यम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11

29. कर्मादीनामपि सम्बन्धमात्रविवक्षायां विभक्तिः भवति –

(A) प्रथमा (B) पञ्चमी

(C) चतुर्थी (D) षष्ठी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)–राममुनि पाण्डेय, पेज–72

15. (A) **16.** (C) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (B) **20.** (A) **21.** (B) **22.** (B) **23.** (C) **24.** (B) **25.** (A) **26.** (A) **27.** (B) **28.** (B) **29.** (D)

30. प्रायेण पूर्वपदार्थप्रधानः किं भवति –

(A) द्वन्द्वः (B) अव्ययीभावः
(C) तत्पुरुषः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

31. 'उपपदविभक्तेः------बलीयसी' भवति –

(A) अनुपपदविभक्तिः (B) कारकविभक्तिः
(C) प्रथमाविभक्तिः (D) न काऽपि विभक्तिः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–55

32. 'भाषा' कस्य विनिमयस्य साधनम् अस्ति –

(A) विचारस्य (B) आचारस्य
(C) वित्तस्य (D) वस्तु

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–30

33. भाषाणां वर्गीकरणस्य आधारः स्वीकृतः –

(A) कालः (B) धर्मः
(C) प्रकृतिः (D) आकृतिः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357

34. 'कादयो मावसानाः' किम् अस्ति –

(A) स्वराः (B) अर्धस्वराः
(C) स्पर्शाः (D) ऊष्माणः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

35. भारतीय आर्यभाषासु प्राचीनतमा भाषा का अस्ति –

(A) पालिभाषा (B) प्राकृतभाषा
(C) वैदिकसंस्कृतभाषा (D) लौकिकसंस्कृतभाषा

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–416

36. भारोपीयपरिवारस्य भाषा नास्ति –

(A) संस्कृतभाषा (B) आङ्ग्लभाषा
(C) तमिलभाषा (D) प्राकृतभाषा

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–396

37. ''वागर्थाविवसम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये'' इत्युक्तिः कस्मिन् ग्रन्थे अस्ति –

(A) बुद्धचरिते (B) रघुवंशे
(C) नैषधीयचरिते (D) शिशुपालवधे

स्रोत–रघुवंशम् (1/1) - कृष्णमणि त्रिपाठी पेज–02

38. केवलं मन्दाक्रान्ताछन्दसि निबद्धम् अस्ति –

(A) किरातार्जुनीयम् (B) मेघदूतम्
(C) बुद्धचरितम् (D) नैषधीयचरितम्

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वभाग)–तारिणीश झा, भू. पेज–21

39. कालानुसारी क्रमः अस्ति –

(A) कालिदासः, भासः, बाणभट्टः, भवभूतिः
(B) भासः, कालिदासः, बाणभट्टः, भवभूतिः
(C) भवभूतिः, कालिदासः, भासः, बाणभट्टः,
(D) बाणभट्टः, भासः, कालिदासः, भवभूतिः,

स्रोत–संस्कृतगङ्गा साहित्यम्–सर्वज्ञभूषण, पेज–291-292

40. शुकनासोपदेशः कुत्र वर्तते –

(A) दशकुमारचरिते (B) कादम्बर्याम्
(C) हर्षचरिते (D) अभिज्ञानशाकुन्तले

स्रोत–शुकनासोपदेश - राजेश्वरप्रसाद मिश्र, भू. पेज–37

41. करुणरसप्रधानं नाटकम् –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) स्वप्नवासवदत्तम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) मृच्छकटिकम्

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–528

42. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) वेणीसंहारम् (i) भवभूतिः
(ब) स्वप्नवासवदत्तम् (ii) कालिदासः
(स) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (iii) भट्टनारायणः
(द) उत्तररामचरितम् (iv) भासः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, अ = 381, ब = 275, स = 326, द = 395

43. ''तत्राऽपि च चतुर्थोऽङ्कस्तत्र श्लोकचतुष्टयम्'' इत्युक्तिः कस्य कृते अस्ति –

(A) मृच्छकटिकम् (B) वेणीसंहारम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) उत्तररामचरितम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–341

30. (B) **31.** (B) **32.** (A) **33.** (D) **34.** (C) **35.** (C) **36.** (C) **37.** (B) **38.** (B) **39.** (B) **40.** (B) **41.** (C) **42.** (D) **43.** (C)

44. साहित्यदर्पणस्य प्रणेता कः अस्ति –

(A) पण्डितराजजगन्नाथः
(B) कविराजविश्वनाथः
(C) दीपशिखा-कालिदासः
(D) श्रीकण्ठपदलाञ्छनो भवभूतिः

स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भू. पेज–38

45. अग्रिमा शब्दशक्तिः का अस्ति –

(A) तात्पर्याख्या (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) अभिधा

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–26

46. शब्दस्यार्थादिकस्य वृत्तिः का अस्ति –

(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्याख्या

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/13) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–39-40

47. सर्गबन्धो किं भवति –

(A) नाटकम् (B) गद्यकाव्यम्
(C) महाकाव्यम् (D) चम्पूकाव्यम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/315) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–225

48. रूपकभेदाः कति भवन्ति –

(A) अष्टौ
(B) नव
(C) दश
(D) एकादश

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

49. विश्वनाथोक्तं काव्यलक्षणम् अस्ति –

(A) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि
(B) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
(C) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(D) शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

50. 'वीररसस्य' स्थायीभावः अस्ति –

(A) क्रोधः (B) उत्साहः
(C) भयम् (D) विस्मयम्

स्रोत–-साहित्यदर्पण (3/232) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–117

44. (B) **45.** (D) **46.** (C) **47.** (C) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (B)

19	जून 2005	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'सत्यमेव जयते नानृतम्' इति वचनं कस्याम् उपनिषदि लभ्यते ?
(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) मुण्डकोपनिषदि (D) ऐतरेयोपनिषदि
स्रोत–मुण्डकोपनिषद् - (3-1-6)

2. ''विश्वामित्र-नदी-संवाद'' ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले उपलभ्यते ?
(A) प्रथममण्डले (B) तृतीयमण्डले
(C) दशममण्डले (D) अष्टममण्डले
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

3. 'शतपथब्राह्मणम्' केन वेदेन सम्बद्धम् ?
(A) सामवेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. त्रीणि पदानि कस्य देवस्य प्रसिद्धानि ?
(A) अग्नेः (B) इन्द्रस्य
(C) सवितुः (D) विष्णोः
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–169

5. 'यत्र विश्वं भवत्येकनीडम्' इति मन्त्रः कस्मिन् वेदे दृक्पथमुपयाति ?
(A) कृष्णयजुर्वेदे (B) ऋग्वेदे
(C) अथर्ववेदे (D) शुक्लयजुर्वेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–75

6. 'पैप्पलादशाखा' केन वेदेन सम्पृक्ता –
(A) ऋग्वेदेन (B) सामवेदेन
(C) अथर्ववेदेन (D) यजुर्वेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

7. तैत्तिरीयारण्यकं कं वेदमवलम्बते –
(A) यजुर्वेदम् (B) ऋग्वेदम्
(C) सामवेदम् (D) अथर्ववेदम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

8. को नाम वेदः 'दशतयी' इति शब्देन व्यपदिश्यते –
(A) सामवेदः (B) यजुर्वेदः
(C) अथर्ववेदः (D) ऋग्वेदः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–35

9. ऋग्वेदस्य नवमे मण्डले को देवः स्तुतिं लभते ?
(A) इन्द्रः (B) विष्णुः
(C) रुद्रः (D) सोमः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

10. वेदाङ्गानि कति –
(A) पञ्च (B) दश
(C) षट् (D) द्वादश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

11. त्रिष्टुप्-छन्दसि कति अक्षराणि विराजन्ते –
(A) द्वाविंशतिः (B) चतुर्विंशतिः
(C) चतुश्चत्वारिंशत् (D) चत्वारिंशत्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

12. श्रौतसूत्रं किं वेदाङ्गविषयीकरोति –
(A) कल्पम् (B) निरुक्तम्
(C) ज्योतिषम् (D) व्याकरणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

13. सांख्यस्य मतमिदम् –
(A) आरम्भवादः (B) विवर्तवादः
(C) असत्कार्यवादः (D) सत्कार्यवादः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

1. (C) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (D) **5.** (D) **6.** (C) **7.** (A) **8.** (D) **9.** (D) **10.** (C) **11.** (C) **12.** (A) **13.** (D)

14. त्रिगुणातीतोऽयम् –

(A) महत् (B) अहङ्कारः
(C) पुरुषः (D) प्रकृतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 17)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–171

15. विषादोऽस्य स्वरूपम् अस्ति –

(A) सत्त्वगुणस्य (B) तमोगुणस्य
(C) रजोगुणस्य (D) पुरुषस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 12)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–135

16. तमोगुणांशाद्यहङ्कारात् उत्पद्यते –

(A) ज्ञानेन्द्रियपञ्चकम् (B) कर्मेन्द्रियपञ्चकम्
(C) तन्मात्रपञ्चकम् (D) मनः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 25)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–208

17. अनुबन्धोऽयम् –

(A) पञ्चीकरणम् (B) अज्ञानम्
(C) विषयः (D) लक्षणम्

स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

18. नैमित्तिकं कर्मेदम् –

(A) ज्योतिष्टोमयज्ञम् (B) ब्रह्महत्या
(C) जातेष्टिः (D) सन्ध्यावन्दनम्

स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

19. विज्ञानमयकोशोऽयम् –

(A) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणि + बुद्धिः
(B) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणि + मनः
(C) पञ्चज्ञानेन्द्रियाणि + प्राणादिपञ्चकम्
(D) पञ्चकर्मेन्द्रियाणि + बुद्धिः

स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–68

20. "जीवन्मुक्तः" इत्यस्य अर्थो विद्यते –

(A) जीवनात् मुक्तः
(B) जीवितः सन् मुक्तः
(C) प्रारब्धकर्मभ्यो मुक्तः
(D) शुभवासनानुवृत्तेर्मुक्तः

स्रोत–वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-205

21. न्यायवैशेषिकानुसारं गुणाः कति सन्ति –

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) चतुर्विंशतिः (D) सप्तदश

स्रोत–तर्कसंग्रह-अनिता सेनगुप्ता, पेज–29

22. घटः स्वगतरूपादेः –

(A) असमवायिकारणम् (B) समवायिकारणम्
(C) निमित्तकारणम् (D) न कारणम्

स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री, पेज–33

23. श्रोत्रेण शब्दसाक्षात्कारे सन्निकर्षः –

(A) संयोगः (B) विशेषणविशेष्यभावः
(C) समवायः (D) संयुक्तसमवायः

स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री, पेज–67

24. सादृश्यज्ञानं करणम् –

(A) अनुमितेः (B) उपमितेः
(C) शाब्दबोधस्य (D) चाक्षुषप्रत्यक्षस्य

स्रोत–तर्क-अनिता सेनगुप्ता, पेज–104

25. वृद्धिसंज्ञाविधायकं सूत्रम् अस्ति –

(A) वृद्धिरेचि (B) वृद्धिरादैच्
(C) मृजेर्वृद्धिः (D) इको गुणवृद्धी

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-1-1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–05

26. निषेधविकल्पयोः का संज्ञा भवति –

(A) निषेधविकल्पः (B) विकल्पनिषेधः
(C) विभाषा (D) विकल्पः

स्रोत–अष्टाध्यायी, (1-1-43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

27. 'एकाल् प्रत्ययस्य' का संज्ञा –

(A) नदी (B) समाहारः
(C) एकः वर्णः (D) अपृक्तम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1-2-41)-ईश्वरचन्द्र, पेज–68

28. अपादाने का विभक्तिः भवति –

(A) प्रथमा (B) पञ्चमी
(C) सप्तमी (D) तृतीया

स्रोत–अष्टाध्यायी (2-3-28) - ईश्वरचन्द्र, पेज-203

14. (C) **15.** (B) **16.** (C) **17.** (C) **18.** (C) **19.** (A) **20.** (B) **21.** (C) **22.** (B) **23.** (C) **24.** (B) **25.** (B) **26.** (C) **27.** (D) **28.** (B)

29. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) प्रगृह्यम् 1. यू स्त्र्याख्यौ
(ब) टि 2. अदेङ्
(स) गुणः 3. ईदूदेद्द्विवचनम्
(द) नदी 4. अचोऽन्त्यादि

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	2	1	3
(B)	2	4	3	1
(C)	1	2	3	4
(D)	3	4	2	1

स्रोत–अष्टाध्यायी-ईश्वरचन्द्र, पेज–अ=13, ब=47, स=06 द=109

30. 'अक्ष्णा काणः' - केन सूत्रेण तृतीया विभक्तिः –

(A) कर्तृकरणयोस्तृतीया (B) येनाङ्गविकारः
(C) दिवः कर्म च (D) जनिकर्तुः प्रकृतिः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

31. कर्तुः क्रियया ईप्सिततमं कारकम् –

(A) कर्ता-कारकम् (B) करण-कारकम्
(C) कर्म-कारकम् (D) अधिकरण-कारकम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–16

32. 'अधिहरि' इत्यत्र कः समासः अस्ति –

(A) केवलसमासः (B) उपपदसमासः
(C) तत्पुरुषः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–4), पेज–21

33. नित्यसमासो नाम –

(A) अस्वपदविग्रहः (B) विकल्पो न भवति
(C) स्वपदविग्रहः (D) विग्रहवान्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग–4), पेज–19

34. संयोगात्मकभाषा –

(A) उर्दू (B) संस्कृतम्
(C) चीनी (D) हिन्दी

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357

35. निर्दिष्टेषु स्पर्शः कः ?

(A) म् (B) ह्
(C) अ (D) ल्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

36. तालव्येषु अन्तर्भवति –

(A) अ (B) क्
(C) ष् (D) श्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–149

37. "याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा" इत्यस्ति -

(A) रघुवंशमहाकाव्ये (B) किरातार्जुनीये
(C) कादम्बर्याम् (D) मेघदूते

स्रोत–मेघदूतम् पूर्वमेघ (श्लोक - 6) - तारिणीश झा, पेज–13

38. बाणभट्टविरचितम् अस्ति –

(A) बुद्धचरितम् (B) हर्षचरितम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) दशकुमारचरितम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–395

39. प्रकरणमस्ति –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) रत्नावली (D) वेणीसंहारम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–495

40. 'मृच्छकटिकस्य' रचयिता कः अस्ति –

(A) भासः (B) कालिदासः
(C) शूद्रकः (D) भट्टनारायणः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–490

41. मुद्राराक्षसेऽङ्गीरसः वर्तते –

(A) शृङ्गाररसः (B) करुणरसः
(C) हास्यरसः (D) वीररसः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–508

42. 'ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति' इत्यस्ति –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) मृच्छकटिके
(C) उत्तररामचरिते (D) मुद्राराक्षसे

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/10) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22

29. (D) **30.** (B) **31.** (C) **32.** (D) **33.** (A) **34.** (B) **35.** (A) **36.** (D) **37.** (D) **38.** (B) **39.** (B) **40.** (C) **41.** (D) **42.** (C)

43. अधोलिखितेषु किं रूपकं नास्ति ?
(A) भाणः (B) समवकारः
(C) आख्यायिका (D) वीथी
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

44. 'काव्यादर्शकारः' कः अस्ति ?
(A) रुद्रटः (B) वामनः
(C) दण्डी (D) राजशेखरः
स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भू. पेज–18

45. ''अनलङ्कृती पुनः क्वापि'' इति केनोक्तम् –
(A) विश्वनाथेन (B) मम्मटेन
(C) भामहेन (D) दण्डिना
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र संख्या -1)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज–19

46. 'अद्भुतरसस्य' स्थायीभावः कः अस्ति –
(A) रतिः (B) शोकः
(C) विस्मयः (D) जुगुप्सा
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/242) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

47. सान्तरार्थनिष्ठो व्यापारो भवति –
(A) व्यञ्जनाव्यापारः (B) अभिधाव्यापारः
(C) लक्षणाव्यापारः (D) तात्पर्याभिधोव्यापारः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–52

48. नाटके न्यूनतः कति अङ्काः भवन्ति –
(A) पञ्च (B) षट्
(C) दश (D) सप्त
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/8) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–171

49. शृङ्गाररसः कतिविधः –
(A) द्विविधः (B) चतुर्विधः
(C) त्रिविधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/186) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–106

50. 'अलकापुर्याः' वर्णनं कुत्र प्राप्यते ?
(A) कादम्बर्याम् (B) रघुवंशे
(C) मेघदूते (D) अभिज्ञानशाकुन्तले
स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ) - तारिणीश झा, भू. पेज–28

43. (C) **44.** (C) **45.** (B) **46.** (C) **47.** (C) **48.** (A) **49.** (A) **50.** (C)

20	दिसम्बर 2005	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. को नाम देवः द्युस्थानीयः –
(A) इन्द्रः (B) अग्निः
(C) वायुः (D) सूर्यः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

2. 'जैमिनीय-ब्राह्मणम्' केन वेदेन सम्पृक्तम् –
(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

3. वेदकालनिरूपणे कः ज्योतिषमवलम्बते –
(A) विन्टरनित्सः (B) मैक्समूलरः
(C) वेबरः (D) बालगङ्गाधरतिलकः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

4. 'मैत्रेयी-याज्ञवल्क्य-संवादः' कस्यामुपनिषदि उपलभ्यते-
(A) कठोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) ईशोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184

5. कस्य देवस्य 'चाराः' प्रसिद्धाः –
(A) वरुणस्य (B) सोमस्य
(C) अग्नेः (D) इन्द्रस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य और संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, पेज–483

6. यास्कमते कति पदजातानि सन्ति –
(A) पञ्च (B) त्रीणि
(C) चत्वारि (D) सप्त
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–206

7. कः प्रणेता वेदाङ्गज्योतिषस्य -
(A) पाणिनिः (B) कात्यायनः
(C) भर्तृहरिः (D) लगधाचार्यः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208

8. 'हरिश्चन्द्रोपाख्यानं' कस्मिन् ब्राह्मणे उपलभ्यते –
(A) ऐतरेयब्राह्मणम् (B) गोपथब्राह्मणम्
(C) शतपथब्राह्मणम् (D) पञ्चविंशब्राह्मणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

9. 'भूमिसूक्तम्' कं वेदं विषयीकरोति –
(A) अथर्ववेदम् (B) ऋग्वेदम्
(C) सामवेदम् (D) यजुर्वेदम्
स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109

10. को नाम देवः 'वृत्रहा' इत्युच्यते –
(A) अग्निः (B) रुद्रः
(C) बृहस्पतिः (D) इन्द्रः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–58

11. सामवेदस्य प्रमुखः प्रतिपाद्यविषयोऽस्ति –
(A) स्तुतिः (B) ज्ञानम्
(C) गानम् (D) यागयज्ञादिकम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77

12. कति मण्डलानि ऋग्वेदे विलसन्ति –
(A) पञ्च (B) नव
(C) एकादश (D) दश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

13. कारणभावाच्च इत्यनेन पुष्यते –
(A) पुरुषबहुत्वम् (B) प्रकृतिसिद्धिः
(C) सृष्टिप्रक्रिया (D) सत्कार्यवादः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 9)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

14. कार्यं भवति –
(A) केवलं प्रकृतिस्वरूपम्
(B) केवलं विकृतिरूपम्
(C) प्रकृतिस्वरूपमपि विकृतिरूपमपि
(D) न प्रकृतिस्वरूपं न विकृतिस्वरूपम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 03)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

1. (D) **2.** (C) **3.** (D) **4.** (D) **5.** (A) **6.** (C) **7.** (D) **8.** (A) **9.** (A) **10.** (D) **11.** (C) **12.** (D) **13.** (D) **14.** (B)

15. अकर्तृत्त्वमस्य धर्मः –

(A) प्रधानस्य (B) अहङ्कारस्य
(C) पुरुषस्य (D) ज्ञानेन्द्रियाणाम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 19)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–186

16. प्रकृतिर्वस्तुतो बध्नाति –

(A) स्वात्मानम् (B) पुरुषम्
(C) अहङ्कारम् (D) आनन्दम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 63)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–321

17. विहितकर्मणां विधिना परित्यागः –

(A) तितिक्षा (B) उपरतिः
(C) दमः (D) श्रद्धा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

18. वेदान्तानुसारं लिङ्गशरीरस्य अवयवाः सन्ति –

(A) सप्तदश (B) षोडश
(C) पञ्चविंशतिः (D) अष्टादश

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

19. अखिलशरीरवर्ती वायुः विद्यते –

(A) प्राणः (B) अपानः
(C) व्यानः (D) उदानः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–69

20. शब्दस्पर्शौ अभिव्यञ्ज्येते –

(A) पञ्चीकृताकाशे (B) पञ्चीकृतवायौ
(C) पञ्चीकृततेजसि (D) पञ्चीकृतपृथिव्याम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–80

21. कारणं तदुच्यते यत् कार्यात् भवति –

(A) पूर्ववर्ति (B) परवर्ति
(C) नियतपूर्ववृत्ति (D) समकालवर्ति

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–69

22. 'यत्र धूमस्तत्राग्निः' इति साहचर्यनियमः –

(A) परामर्शः (B) पक्षधर्मता
(C) द्वितीयधूमज्ञानम् (D) व्याप्तिः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–85

23. संज्ञासंज्ञिसम्बन्धज्ञानस्य कारणम् –

(A) प्रत्यक्षप्रमाणम् (B) शब्दप्रमाणम्
(C) अनुमानप्रमाणम् (D) उपमानप्रमाणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–104

24. 'अग्निना सिञ्चति' इति उदाहरणम् अस्ति –

(A) योग्यताविषयम् (B) आकांक्षाविषयम्
(C) सन्निधिविषयम् (D) उपमानविषयम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–109

25. गुणसंज्ञाविधायकं सूत्रम् –

(A) मिदेर्गुणः (B) आद्गुणः
(C) अदेङ्गुणः (D) गुणो यङ्लुकोः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–06

26. क्तक्तवतूप्रत्यययोः का संज्ञा –

(A) घि (B) स्त्री
(C) निष्ठा (D) नदी

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

27. स्वादिपञ्चप्रत्ययानां का संज्ञा –

(A) प्रत्याहारः (B) अनुनासिकः
(C) सर्वनामस्थानम् (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

28. 'सम्प्रदाने' का विभक्तिः –

(A) चतुर्थी (B) द्वितीया
(C) षष्ठी (D) प्रथमा

स्रोत–अष्टाध्यायी (2-3-13) - ईश्वरन्द्र, पेज–197

29. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) वृद्धिः 1. न वेति
(ब) उपधा 2. एकाल् प्रत्ययः
(स) अपृक्तम् 3. आदैच्
(द) विभाषा 4. अलोऽन्त्यात्पूर्वः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

स्रोत–अष्टाध्यायी अ=1.1.1, ब = 1.1, 64, स = 1.2, 41, द = 1.1.43

15. (C) **16.** (A) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (C) **22.** (D) **23.** (D) **24.** (A) **25.** (C) **26.** (C) **27.** (C) **28.** (A) **29.** (A)

30. 'पुष्पेभ्यः स्पृहयति' - अत्र केन सूत्रेण विभक्तिः –

(A) अपादाने पञ्चमी (B) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

(C) कर्तृकर्मणोः कृति (D) स्पृहेरीप्सितः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–49

31. क्रियया यमभिप्रैति सोऽपि –

(A) कर्म (B) सम्प्रदानम्

(C) अपादानम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–47

32. ''पञ्चानां गङ्गानां समाहारः=पञ्चगङ्गम्'' इत्यत्र कः समासः-

(A) तत्पुरुषः (B) द्विगुः

(C) कर्मधारयः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–43

33. 'उपराजम्' - अत्र समासान्तः कः –

(A) टच् (B) अच्

(C) अ (D) अम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–52

34. वियोगात्मकभाषा अस्ति –

(A) संस्कृतम् (B) प्राकृतम्

(C) हिन्दी (D) लैटिन

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–365

35. 'च' वर्णः कुत्र अन्तर्भवति –

(A) अनुनासिकः (B) स्पर्शः

(C) स्वरः (D) संघर्षः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–148

36. मूर्धन्येषु अन्तर्भवति –

(A) ष् (B) य्

(C) व् (D) ल्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

37. 'शैशवेऽभ्यस्तविद्यानाम्' इत्यस्ति –

(A) किरातार्जुनीये (B) बुद्धचरिते

(C) मेघदूते (D) रघुवंशमहाकाव्ये

स्रोत–रघुवंशम् (1/8) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-4

38. अश्वघोषविरचितम् अस्ति –

(A) रघुवंशमहाकाव्यम् (B) दशकुमारचरितम्

(C) बुद्धचरितम् (D) हर्षचरितम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–168

39. नाटिकाऽस्ति –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (B) मृच्छकटिकम्

(C) रत्नावली (D) वेणीसंहारम्

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्रामशास्त्री, पेज–221

40. वेणीसंहारस्य रचयिता कः –

(A) भासः (B) कालिदासः

(C) शूद्रकः (D) भट्टनारायणः

स्रोत–वेणीसंहारनाटकम् - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू. पेज–03

41. उत्तररामचरिते अङ्गीरसः –

(A) शृङ्गाररसः (B) करुणरसः

(C) हास्यरसः (D) वीररसः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–82

42. ''पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलम्'' इत्यस्ति –

(A) स्वप्नवासवदत्ते (B) उत्तररामचरिते

(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मृच्छकटिके

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/9) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–213

43. चत्वारः सन्धयो कुत्र भवन्ति –

(A) नाटके (B) प्रकरणे

(C) नाटिकायाम् (D) भाणे

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, भू. पेज–18

44. काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिकारः कः अस्ति –

(A) भामह (B) वामन

(C) दण्डी (D) रुद्रट

स्रोत–साहित्यदर्पण – अभिराज राजेन्द्रमिश्र, भू. पेज–20

45. 'शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली' इति केनोक्तम् –

(A) भामहेन (B) वामनेन

(C) दण्डिना (D) विश्वनाथेन

स्रोत–काव्यप्रकाश - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–19

30. (D)	**31.** (B)	**32.** (D)	**33.** (A)	**34.** (C)	**35.** (B)	**36.** (A)	**37.** (D)	**38.** (C)	**39.** (C)	**40.** (D)
41. (B)	**42.** (C)	**43.** (C)	**44.** (B)	**45.** (C)						

46. वीररसस्य स्थायीभावः कः अस्ति –

(A) क्रोधः (B) शोकः

(C) उत्साहः (D) भयः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/332) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–117-118

47. वाच्यार्थप्रतिपादिका शक्तिर्भवति –

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/3) – शालिग्रामशास्त्री, पेज–26

48. प्रकरणे कति अङ्काः भवन्ति –

(A) पञ्च (B) षट्

(C) दश (D) सप्त

स्रोत–साहित्यदर्पण-शालिग्राम शास्त्री, पेज–214

49. महाकाव्ये न्यूनतः कति सर्गाः भवन्ति –

(A) पञ्चदश

(B) विंशतिः

(C) अष्ट

(D) सप्त

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/320) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–225

50. 'अच्छोदवर्णनं' कुत्र प्राप्यते –

(A) हर्षचरिते

(B) कादम्बर्याम्

(C) मेघदूते

(D) रघुवंशे

स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, भू. पेज–34

46. (C) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (B)

21	जून 2006	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'नासत्यौ' इति कस्य विशेषणम् अस्ति –
(A) अग्नेः (B) अश्विनोः
(C) वरुणस्य (D) इन्द्रस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–302

2. देवता इन्द्रोऽस्ति –
(A) पृथिवीस्थानीया (B) अन्तरिक्षस्थानीया
(C) द्युस्थानीया (D) पातालस्थानीया
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

3. ''आनन्द ब्रह्मणो विद्वान् न बिभेति कुतश्चन'' वर्तते –
(A) बृहदारण्यके (B) तैत्तिरीये
(C) केनोपनिषदि (D) छान्दोग्ये
स्रोत–तैत्तिरीय उपनिषद् (2.9.1) चुन्नीलाल शुक्ल, पेज–78

4. वेदाङ्गेषु 'व्याकरणम्' उपमीयते –
(A) हस्तेन (B) मुखेन
(C) पादेन (D) चक्षुषा
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

5. 'श्वेताश्वतरोपनिषत्' केन संपृक्ता –
(A) ऋग्वेदेन (B) सामवेदेन
(C) अथर्ववेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

6. चतुर्णामेव वेदानां भाष्यकारोऽस्ति –
(A) स्कन्दस्वामी (B) सायणाचार्यः
(C) उव्वटः (D) वेङ्कटमाधवः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23-24

7. 'जगतीछन्दसि' एकस्मिन् पादे अक्षराणि सन्ति –
(A) पञ्च (B) दश
(C) षट् (D) द्वादश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

8. 'नैगमकाण्डं' कुत्र वर्तते –
(A) कल्पे (B) निरुक्ते
(C) ज्योतिषे (D) व्याकरणे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

9. ऋग्वेदे अधिकतमानां सूक्तानां देवता अस्ति –
(A) अग्निः (B) वरुणः
(C) सोमः (D) इन्द्रः
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–40

10. ''न वै स्त्रैणानि सख्यानि सन्ति'' इति वर्तते –
(A) सरमापणिसंवादे (B) यमयमीसंवादे
(C) पुरूरवा-उर्वशीसंवादे (D) विश्वामित्रनदीसंवादे
ऋग्वेद (10/95/15) पुरुरवा-उर्वशी संवाद-वेदान्ततीर्थ, पेज–431

11. 'शाकल्यशाखा' कस्य वेदस्य अस्ति –
(A) ऋग्वेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) यजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

12. 'याज्ञवल्क्यमैत्रेयी-संवादः' कुत्र विद्यते –
(A) छान्दोग्ये (B) बृहदारण्यके
(C) तैत्तिरीये (D) कठोपनिषदि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184

13. सत्कार्यवादे उत्पत्तेः पूर्वं कार्यं कीदृशम् –
(A) व्यक्तरूपेण सत् (B) अव्यक्तरूपेण सत्
(C) उभयरूपेण असत् (D) सदसत्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100
भारतीयदर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–257

14. सांख्यमते वायोः प्रादुर्भावः कस्मात् –
(A) शब्दतन्मात्रात् (B) स्पर्शतन्मात्रात्
(C) गन्धतन्मात्रात् (D) रसतन्मात्रात्
स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–248

1. (B) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (B) **5.** (D) **6.** (B) **7.** (D) **8.** (B) **9.** (D) **10.** (C) **11.** (A) **12.** (B) **13.** (B) **14.** (B)

15. महत् इत्यस्य का वृत्तिः –

(A) अभिमानः (B) सङ्कल्पः
(C) अध्यवसायः (D) आलोचनम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 23)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–198

16. तुष्टिः कतिविधा –

(A) सप्तविधा (B) अष्टविधा
(C) नवविधा (D) दशविधा

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 47)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–271

17. अद्वैतवेदान्तस्य विषयः कः अस्ति –

(A) जीवब्रह्मैक्यम् (B) ईश्वरः
(C) अज्ञानम् (D) शुद्धं चैतन्यम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–30

18. वेदान्तानुसारेण भूतानां केभ्यो अंशेभ्यः कर्मेन्द्रियाणि उत्पद्यन्ते

(A) सात्त्विकेभ्यः (B) राजसेभ्यः
(C) तामसेभ्यः (D) सर्वेभ्यः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–69

19. पञ्चीकृते वायौ जलस्य कियान् भागः –

(A) 50% (B) 25%
(C) 30% (D) $12^1/_2$ %

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–79

20. जीवन्मुक्तौ सत्यां कस्य कर्मणः फलम् उपभोक्तव्यमेव –

(A) सञ्चितस्य (B) क्रियमाणस्य
(C) प्रारब्धस्य (D) सर्वेषाम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–192

21. न्यायमते कति प्रमाणानि –

(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–50

22. समवेत-समवाय-सन्निकर्षेण कस्य प्रत्यक्षं भवति –

(A) गन्धस्य (B) शब्दस्य
(C) स्पर्शस्य (D) शब्दत्वस्य

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–67

23. असिद्धो हेत्वाभासः कतिविधः –

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–111

24. अतिदेशवाक्यार्थस्मरणं कुत्र व्यापारः –

(A) प्रत्यक्षे (B) अनुमितौ
(C) उपमितौ (D) शाब्दबोधे

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–119

25. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) संहिता 1. अचोऽन्त्यादि
(ब) गुणः 2. अलोऽन्त्यात् पूर्व
(स) उपधा 3. परः सन्निकर्षः
(द) टि 4. अदेङ्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	2	1
(B)	1	2	4	3
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत–अष्टाध्यायी-ईश्वरचन्द्र, अ = 1.4-108, पेज–147, ब-1.1.2, पेज–06, स = 1.1.64, पेज–48, द = 1.1.63, पेज–47

26. क्तक्तवतूप्रत्यययोः का संज्ञा –

(A) नदी (B) सवर्णम्
(C) निष्ठा (D) घि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

27. अर्थवदधातुरप्रत्ययः –

(A) प्रगृह्यम् (B) सुप्
(C) तद्धितः (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–69

28. सर्वनामस्थानसंज्ञकप्रत्ययः –

(A) अण् (B) जस्
(C) अच् (D) सुप्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

15. (C) **16.** (C) **17.** (A) **18.** (B) **19.** (D) **20.** (C) **21.** (B) **22.** (D) **23.** (B) **24.** (C) **25.** (A) **26.** (C) **27.** (D) **28.** (B)

29. अधोनिर्दिष्टेषु ऊष्मवर्णः –

(A) ह् (B) य्
(C) क् (D) अ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

30. ऋटुरषाणां किं स्थानम् –

(A) तालु (B) दन्तः
(C) जिह्वा (D) मूर्धा

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

31. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	लोपः	1.	अयोगात्मक
(ब)	चीनी	2.	संघर्षी
(स)	हकारः	3.	Geneological classification
(द)	पारिवारिकवर्गीकरणम्	4.	ध्वनिपरिवर्तनहेतुः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	1	2	3
(B)	1	4	3	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	1	2

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी,
पेज – अ-235, ब-357, स-176 द-371

32. 'समासे प्रथमानिर्दिष्टम् उपसर्जनं' कुत्र प्रयोक्तव्यम् –

(A) पूर्वम् (B) अन्ते
(C) मध्ये (D) यथेच्छम्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–20

33. 'उपशरदम्' - अत्र कः समासः –

(A) बहुव्रीहिः (B) द्विगुः
(C) अव्ययीभावः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–49

34. 'प्रातिपदिकार्थे' का विभक्तिः –

(A) सप्तमी (B) प्रथमा
(C) द्वितीया (D) तृतीया

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–13

35. 'हरये रोचते'- अत्र सम्प्रदानसंज्ञा केन सूत्रेण भवति –

(A) स्पृहेरीप्सितः (B) चतुर्थी सम्प्रदाने
(C) कर्मणा यमभिप्रैति (D) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–47

36. स्वतन्त्रः –

(A) कर्ता (B) सम्प्रदानम्
(C) कर्म (D) अधिकरणम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–40

37. 'महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः' इदं वाक्यमस्ति –

(A) रघुवंशे (B) नैषधीयचरिते
(C) शिशुपालवधे (D) रामायणे

स्रोत–शिशुपालवध (2/13) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज-63

38. ''प्रतिबध्नाति हि श्रेयः पूज्यपूजाव्यतिक्रमः'' इदं वाक्यमस्ति –

(A) रघुवंशे (B) महाभारते
(C) शिशुपालवधे (D) किरातार्जुनीये

स्रोत–रघुवंशम् (1/79) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–35

39. 'वज्रायुधस्य' वर्णनमस्ति –

(A) कादम्बर्याम् (B) वासवदत्तायाम्
(C) हर्षचरिते (D) दशकुमारचरिते

40. ''सतां हि प्रियवदता कुलविद्या'' इदं वाक्यमस्ति –

(A) हर्षचरिते (B) कादम्बर्याम्
(C) दशकुमारचरिते (D) बुद्धचरिते

स्रोत–हर्षचरितम् (प्रथम उच्छ्वास) - मोहनदेव पन्त, पेज-45

41. ''वेश्याः श्मशानसुमना इव वर्जनीयाः'' इदं वाक्यमस्ति -

(A) उत्तररामचरिते (B) मुद्राराक्षसे
(C) स्वप्नवासवदत्ते (D) मृच्छकटिके

स्रोत–मृच्छकटिकम् (4/14) - श्रीनिवास शास्त्री–122

42. 'मृच्छकटिकम्' अस्ति –

(A) नाटकम् (B) प्रकरणम्
(C) नाटिका (D) व्यायोगः

स्रोत–मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, भू. पेज–14

29. (A) **30.** (D) **31.** (A) **32.** (A) **33.** (C) **34.** (B) **35.** (D) **36.** (A) **37.** (C) **38.** (A) **39.** (C)
40. (A) **41.** (D) **42.** (B)

43. साहित्यदर्पणानुसारं 'लक्षणायाः' प्रभेदाः भवन्ति –

(A) 16 (B) 27
(C) 36 (D) 80

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–39

44. विश्वनाथमते काव्यत्वसिद्धिः भवति –

(A) शब्दार्थाभ्याम् (B) गुणालङ्काराभ्याम्
(C) रीतिवृत्तिभ्याम् (D) रसात्

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

45. 'उत्साहः' स्थायीभावोऽस्ति –

(A) रौद्ररसस्य (B) शान्तरसस्य
(C) अद्भुतरसस्य (D) वीररसस्य

स्रोत–साहित्यदर्पण - (3/232) शालिग्रामशास्त्री, पेज–117

46. नाटके कति सन्धयो भवन्ति –

(A) 10 (B) 8
(C) 5 (D) 3

स्रोत–साहित्यदर्पण - (6/75) शालिग्रामशास्त्री, पेज–184

47. नाटके अङ्गीरसो भवति –

(A) शान्तः (B) करुणः
(C) हास्यः (D) वीरः

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/10) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–171

48. कस्य रसस्य चत्वारः प्रभेदाः सन्ति –

(A) शृङ्गारस्य (B) हास्यस्य
(C) करुणस्य (D) वीरस्य

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/234) - शालिग्राम शास्त्री पेज–118

49. 'गङ्गायां घोषः' इति इदं वाक्यं कस्य उदाहरणं भवति -

(A) अभिधायाः (B) रूढिपूर्वकलक्षणायाः
(C) रूपकालङ्कारस्य (D) प्रयोजनवतीलक्षणायाः

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–29

50. साहित्यदर्पणकारमते काव्यगुणाः सन्ति -

(A) 10 (B) 8
(C) 5 (D) 3

स्रोत–साहित्यदर्पण (8/1) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–264

43. (D) **44.** (D) **45.** (D) **46.** (C) **47.** (D) **48.** (D) **49.** (D) **50.** (D)

22	दिसम्बर 2006	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'शौनकशाखा' केन वेदेन सम्पृक्ता –
(A) सामवेदेन (B) ऋग्वेदेन
(C) अथर्ववेदेन (D) यजुर्वेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

2. 'गोपथ-ब्राह्मणं' कं वेदम् अवलम्बते –
(A) यजुर्वेदम् (B) ऋग्वेदम्
(C) सामवेदम् (D) अथर्ववेदम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

3. 'त्रिष्टुप्छन्दसि' कति अक्षराणि सन्ति –
(A) द्वात्रिंशत् (B) एकादश
(C) चतुश्चत्वारिंशत् (D) षट्त्रिंशत्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

4. वरुणदेवःअस्ति –
(A) द्युस्थानीयः (B) पृथिवीस्थानीयः
(C) अन्तरिक्षस्थानीयः (D) पातालस्थानीयः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

5. वेदाङ्गेषु शिक्षा उपमीयते –
(A) हस्तेन (B) पादेन
(C) चक्षुषा (D) घ्राणेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

6. ''मा नो नि कः पुरुषत्रा नमस्ते'' वर्तते –
(A) सरमापणिसंवादे (B) यमयमीसंवादे
(C) पुरूरवा-उर्वशीसंवादे (D) विश्वामित्रनदीसंवादे
स्रोत–ऋग्वेद (3/33/08) - वेदान्ततीर्थ, पेज–83

7. 'जलाषः' इति कस्य देवस्य विशेषणम् –
(A) वरुणस्य (B) अश्विनोः
(C) रुद्रस्य (D) सोमस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–304

8. ऋग्वेदस्य नवमण्डलस्य देवतानाम अस्ति –
(A) अग्निः शुचिः (B) अग्निः पावकः
(C) अग्नीषोमौ (D) पवमानसोमः
स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

9. उव्वटोऽस्ति भाष्यकारः -
(A) ऋग्वेदस्य (B) शुक्लयजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–24

10. 'शुनःशेप आख्यानं' कुत्र वर्तते –
(A) शतपथब्राह्मणे (B) ऐतरेयब्राह्मणे
(C) जैमिनीयब्राह्मणे (D) ताण्ड्यब्राह्मणे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

11. ऋग्वेदस्य प्रथममण्डलस्य ऋषिः अस्ति –
(A) वसिष्ठः (B) विश्वामित्रः
(C) मधुच्छन्दाः (D) वामदेवः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

12. भैषज्यमन्त्राः कुत्र लभ्यते –
(A) अथर्ववेदे (B) सामवेदे
(C) यजुर्वेदे (D) ऋग्वेदे
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98

13. पुरुषस्य स्वरूपं किम् –
(A) अपरिणामि (B) परिणामि
(C) त्रिगुणात्मकम् (D) सक्रियम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 11)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–129

14. पञ्चतन्मात्राणि कुतः प्रादुर्भवन्ति –
(A) प्रधानात् (B) महतः
(C) अहङ्कारात् (D) मनसः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

1. (C) **2.** (D) **3.** (C) **4.** (A) **5.** (D) **6.** (D) **7.** (C) **8.** (D) **9.** (B) **10.** (B) **11.** (C) **12.** (A) **13.** (A) **14.** (C)

15. कैवल्यं कस्माद् भवति –

(A) विवेकख्यातेः (B) सत्ख्यातेः
(C) अनिर्वचनीयख्यातेः (D) अख्यातेः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 44)-सन्तनारायण श्रीवास्तव पेज–263

16. सदसद्भ्याम् अनिर्वचनीयं किम् –

(A) ब्रह्म (B) जीवः
(C) ईश्वरः (D) अज्ञानम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

17. भूतानां केभ्यो अंशेभ्यः ज्ञानेन्द्रियाणि उत्पद्यन्ते –

(A) राजसेभ्यः (B) तामसेभ्यः
(C) सात्विकेभ्यः (D) सर्वेभ्यः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–66

18. वेदान्तसारमते लिङ्गशरीरघटकानि कति –

(A) पञ्चदश (B) षोडश
(C) सप्तदश (D) अष्टादश

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

19. अज्ञाने कति गुणाः –

(A) द्वौ (B) त्रयः
(C) चत्वारः (D) पञ्च

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

20. न्यायशास्त्रे 'साहचर्यनियमशब्देन' किम् उच्यते –

(A) व्याप्तिः (B) उपाधिः
(C) सन्निकर्षः (D) अपवर्गः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–79

21. इन्द्रियार्थसन्निकर्षः कतिविधः –

(A) पञ्चविधः (B) षड्विधः
(C) सप्तविधः (D) अष्टविधः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–61

22. अनुमितिः कस्माद् अनन्तरं जायते –

(A) परामर्शात् (B) व्याप्तिज्ञानात्
(C) पदज्ञानात् (D) सादृश्यज्ञानात्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–78

23. कारणं कतिविधम् –

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–71

24. सादृश्यज्ञानकरणकं ज्ञानं किम् –

(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमितिः
(C) शब्दबोधः (D) उपमितिः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–104

25. अधस्तनयुगमानां समीचीनां तालिकां चिनुत -

(अ) गुणः 1. यू स्र्याख्यौ
(ब) नदी 2. अदेङ्
(स) टि 3. अलोऽन्त्यात् पूर्व
(द) उपधा 4. अचोऽन्त्यादि

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	2	1	4	3
(D)	2	1	3	4

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.1.2 पेज–06, ब = 1.4.3 पेज–109, स = 1.1.63 पेज–47, द = 1.1.64 पेज–48

26. तुल्यास्यप्रयत्नं किं भवति –

(A) उपधा (B) सवर्णम्
(C) अपृक्तम् (D) वृद्धिः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11

27. एकाल्प्रत्ययः –

(A) अपृक्तम् (B) विभाषा
(C) गतिः (D) निष्ठा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

28. ईदूदेद्द्विवचनं –

(A) प्रातिपदिकम् (B) नदी
(C) सवर्णम् (D) प्रगृह्यम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.111) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13

15. (A) **16.** (D) **17.** (C) **18.** (C) **19.** (B) **20.** (A) **21.** (B) **22.** (A) **23.** (C) **24.** (D) **25.** (C) **26.** (B) **27.** (A) **28.** (D)

29. अधोनिर्दिष्टेषु स्पर्शः –

(A) म् (B) य्
(C) इ (D) व्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

30. इचुयशानां किं स्थानम् –

(A) दन्तः (B) मूर्धा
(C) मुखम् (D) तालु

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

31. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) स्पर्शः 1. शल्
(ब) स्वरः 2. कवर्णः
(स) जिह्वामूलीयम् 3. अच्
(द) ऊष्मवर्णः 4. जिह्वामूलम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	3	4	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज–अ, ब, द–20, स =17

32. समासशास्त्रे उपसर्जनं नाम –

(A) द्वितीयानिर्दिष्टम् (B) सप्तमीनिर्दिष्टम्
(C) प्रथमानिर्दिष्टम् (D) तृतीयानिर्दिष्टम्

स्रोत–लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–20

33. 'सप्तर्षयः' अत्र समासविधायकं सूत्रं किम् –

(A) विशेषणं विशेष्येण बहुलम् (B) दिक्संख्ये संज्ञायाम्
(C) चार्थे द्वन्द्वः (D) दिङ्नामान्यन्तराले

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–99

34. ''तथायुक्तं चानीप्सितम्'' इति सूत्रस्योदाहरणम् –

(A) ओदनं पचति (B) गां दोग्धि पयः
(C) अग्नेर्माणवकं वारयति (D) ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19

35. सम्प्रदाने का विभक्तिः वर्तते –

(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी
(C) प्रथमा (D) द्वितीया

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–46

36. साधकतमं –

(A) कर्म (B) कर्ता
(C) अधिकरणम् (D) करणम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–40

37. 'न तितिक्षासममस्ति साधनम्' इदं वाक्यमस्ति –

(A) शिशुपालवधे (B) किरातार्जुनीये
(C) बुद्धचरिते (D) मेघदूते

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/43)-आचार्य श्रीनिवास शर्मा, पेज-48

38. ''मृगयाऽघ्राय न भूभृतां हनताम्'' इति वाक्यमस्ति –

(A) नैषधीयचरिते (B) बुद्धचरिते
(C) किरातार्जुनीये (D) रघुवंशे

स्रोत–नैषधीयचरितम्–(2/10)

39. ''गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति'' इदं वाक्यमस्ति–

(A) दशकुमारचरिते (B) हर्षचरिते
(C) मुद्राराक्षसे (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–कादम्बरी शुकनासोपदेश - राजेश्वरप्रसाद मिश्र, पेज–62

40. 'हर्षचरितस्य' कर्ता कः अस्ति –

(A) अश्वघोषः (B) श्रीहर्षः
(C) बाणः (D) दण्डी

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–395

41. ''श्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत्'' इदं वाक्यमस्ति -

(A) स्वप्नवासवदत्ते
(B) मुद्राराक्षसे
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले
(D) मृच्छकटिके

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3/11)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–155

29. (A) **30.** (D) **31.** (A) **32.** (C) **33.** (B) **34.** (D) **35.** (A) **36.** (D) **37.** (B) **38.** (A) **39.** (D) **40.** (C) **41.** (C)

42. रत्नावली किम् अस्ति –

(A) नाटकम् (B) प्रकरणम्
(C) नाटिका (D) भाणम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–515

43. गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य प्रभेदाः कति सन्ति –

(A) 8 (B) 15
(C) 24 (D) 36

स्रोत–साहित्यदर्पण (4/14) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–149

44. विश्वनाथ मते काव्यम् –

(A) शब्दः (B) शब्दार्थौ
(C) वाक्यम् (D) पदावलिः

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–19

45. साहित्यदर्पणानुसारं शान्तरसस्य स्थायीभावोऽस्ति –

(A) शमः (B) रतिः
(C) विवेकः (D) माया

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/245) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–121

46. गणिका नायिका भवति –

(A) नाटके (B) प्रकरणे
(C) भाणे (D) समवकारे

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/226) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

47. नाटके नायको भवति –

(A) धीरप्रशान्तः (B) धृष्टः
(C) शठः (D) धीरोदात्तः

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/9) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–171

48. आत्मस्थः परस्थश्चेति द्विविधो रसः -

(A) हास्यः
(B) बीभत्सः
(C) अद्भुतः
(D) भयानकः

स्रोत–दशरूपक (4/75) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–361

49. 'अभिधापुच्छमिति' व्यवह्रियते-

(A) अभिधा
(B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना
(D) तात्पर्या

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–251

50. युग्मकं काव्यं भवति -

(A) गद्यम् (B) चम्पूः
(C) पद्यम् (D) नाटकम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/336) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–227

प्रियसंस्कृतमित्राणि!

आप तभी पढ़ें, जब मन प्रसन्न हो
दुःखी मन से की गयी पढ़ाई
एक प्रकार से चट्टान पर की
जाने वाली जुताई के समान लगभग व्यर्थ है।

–संस्कृतगङ्गा

42. (C) **43.** (A) **44.** (C) **45.** (A) **46.** (B) **47.** (D) **48.** (A) **49.** (B) **50.** (B)

23	जून 2007	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'नासत्यौ' इति कस्य विशेषणं भवति –
(A) अग्नेः (B) अश्विनोः
(C) वरुणस्य (D) सोमस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–302

2. ''यो अश्मनोरन्तरग्निं जजान'' - अनेन मन्त्रभागेन कः परामृश्यते –
(A) विष्णुः (B) सविता
(C) बृहस्पतिः (D) इन्द्रः
स्रोत–ऋग्वेद (2-12-3) ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्तशास्त्री, पेज–180

3. कठोपनिषदि नचिकेतसा किं प्रार्थितम् –
(A) हिरण्यादिकम् (B) वरत्रयम्
(C) स्त्रीरत्नम् (D) पुत्रपरिजनादिकम्
स्रोत–उपनिषद् अंक (कठोपनिषद् 1-1-09)-गीताप्रेस, पेज–196

4. ऋग्वेदस्य प्राचीनतमो भाष्यकारो अस्ति –
(A) सायणाचार्यः (B) वेङ्कटमाधवः
(C) स्कन्दस्वामी (D) रावणः
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22-23

5. 'जानश्रुतेरुपाख्यानं' कुत्र वर्तते –
(A) केनोपनिषदि (B) छान्दोग्योपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–उपनिषद् अंक–गीताप्रेस, पेज–437

6. ऋग्वेदस्य नामान्तरम् –
(A) दशाध्यायी (B) दशतयी
(C) दशमण्डली (D) गानवेदः
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–35

7. 'यमयमीसंवादे' यमी आसीत् यमस्य –
(A) कन्या (B) माता
(C) भगिनी (D) जाया
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–58

8. गानस्य प्राधान्यमस्ति –
(A) सामवेदे (B) यजुर्वेदे
(C) अथर्ववेदे (D) ऋग्वेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेवद्विवेदी, पेज–77

9. 'गोपथ-ब्राह्मणस्य' सम्बन्धोऽस्ति –
(A) सामवेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) यजुर्वेदेन (D) ऋग्वेदेन
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेवद्विवेदी, पेज–10

10. वेदाङ्गेषु व्याकरणं किं भवति –
(A) घ्राणम् (B) हस्तः
(C) श्रोत्रम् (D) मुखम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेवद्विवेदी, पेज–190

11. 'आख्यातस्य' लक्षणं कुत्र वर्तते –
(A) शिक्षायाम् (B) ज्योतिषे
(C) छन्दसि (D) निरुक्ते
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेवद्विवेदी, पेज–204

12. 'बालखिल्यसूक्तानि' कुत्र विद्यन्ते –
(A) ऋग्वेदे (B) सामवेदे
(C) अथर्ववेदे (D) यजुर्वेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेवद्विवेदी पेज–47

13. 'सतः सत् जायते' इति कस्य मतम् अस्ति –
(A) बौद्धस्य (B) नैयायिकस्य
(C) सांख्यस्य (D) वेदान्तिनः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

14. 'कर्तृत्वं' कुत्र विद्यते –
(A) पुरुषे (B) मनसि
(C) प्रकृतौ (D) अहङ्कारे
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 20)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–191

15. 'बुद्धिसर्गः' (प्रत्ययसर्गः) कतिविधो भवति –
(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 46)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–269

1. (B) **2.** (D) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (B) **6.** (B) **7.** (C) **8.** (A) **9.** (B) **10.** (D) **11.** (D) **12.** (A) **13.** (C) **14.** (C) **15.** (D)

16. 'कैवल्यं' किमस्ति –
(A) नित्यसुखाभिव्यक्तिः
(B) आत्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः
(C) ऐकान्तिकदुःखनिवृत्तिः
(D) ऐकान्तिकात्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 68)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–336

17. अज्ञानस्य कतिविधा शक्तिर्भवति –
(A) एकविधा (B) द्विविधा
(C) चतुर्विधा (D) अनेकविधा
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

18. जीवस्य कतिविधाः अवस्थाः भवन्ति –
(A) त्रिविधाः (B) चतुर्विधाः
(C) पञ्चविधाः (D) षड्विधाः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–46

19. 'विवर्तो' नाम किं विद्यते –
(A) कारणस्य समसत्ताकपरिणामः
(B) कारणस्य कार्यावस्था
(C) कारणात् विषमसत्ताकोत्पत्तिः
(D) कारणगुणात्मिका कार्योत्पत्तिः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–117

20. पदार्थस्य किं लक्षणम् ?
(A) सत्तावत्त्वम् (B) भावत्वम्
(C) अभिधेयत्वम् (D) प्रमेयत्वम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–27

21. सामान्यः पदार्थः नास्तीति कस्य मतम् ?
(A) वेदान्तिनः (B) नैयायिकस्य
(C) मीमांसकस्य (D) वैयाकरणस्य

22. विभुत्वं किमस्ति –
(A) अपरिच्छिन्नपरिमाणवत्वम् (B) परिमाणरहितत्वम्
(C) सर्वमूर्तद्रव्यसंयोगित्वम् (D) प्रत्यक्षायोग्यद्रव्यत्वम्
स्रोत–तर्कसंग्रह-कृष्णबल्लभाचार्य, पेज–37

23. प्रामाण्यमनुव्यवसायेन गृह्यते इति कस्य मतम् –
(A) नैयायिकस्य (B) वेदान्तिनः
(C) प्रभाकरमीमांसकस्य (D) मुरारिमिश्रस्य
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–168

24. अव्याप्यवृत्तित्वं किमस्ति –
(A) सावच्छिन्नवृत्तिकत्वम् (B) निरवच्छिन्नवृत्तिकत्वम्
(C) एकमात्रवृत्तित्वम् (D) अनेकवृत्तित्वम्

25. नदीसंज्ञाविधायकं सूत्रम् –
(A) यू स्त्र्याख्यौ (B) अलोऽन्त्यात्पूर्वः
(C) इदूदेद्द्विवचनम् (D) क्तक्तवतू
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109

26. 'एकाल्प्रत्ययस्य' का संज्ञा भवति –
(A) घि (B) सर्वनामस्थानम्
(C) गतिः (D) अपृक्तः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

27. समीचीनां तालिकां चिनुत –
(अ) संहिता 1. अदेङ्
(ब) गुणः 2. अचोऽन्त्यादि
(स) पदम् 3. परः सनिकर्षः
(द) टि 4. सुप्तिङन्तम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	4	3
(B)	4	2	3	1
(C)	2	3	1	4
(D)	3	1	4	2

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.4.108 पेज–147, ब = 1.1.2 पेज–06, स = 1.4.14 पेज–114, द = 1.1.63 पेज–47

28. कर्मणा यमभिप्रैति सः –
(A) करणम् (B) कर्म
(C) सम्प्रदानम् (D) अपादानम्
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–46

29. 'अक्ष्णा काणः' - अत्र केन सूत्रेण विभक्तिः –
(A) सहयुक्तेऽप्रधाने (B) हेतौ
(C) स्पृहेरीप्सितः (D) येनाङ्गविकारः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

16. (D) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (A) **20.** (C) **21.** (D) **22.** (C) **23.** (A) **24.** (B) **25.** (A) **26.** (D) **27.** (D) **28.** (C) **29.** (D)

30. वैषयिकाधिकरणस्य उदाहरणं किम् –
(A) तिलेषु तैलम् (B) मोक्षे इच्छास्ति
(C) गङ्गायां घोषः (D) वने व्याघ्रः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93

31. ''यतश्च निर्धारणम्'' - अनेन सूत्रेण विधीयते –
(A) द्वितीया तृतीया वा (B) तृतीया चतुर्थी वा
(C) प्रथमा द्वितीया वा (D) षष्ठी सप्तमी वा
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–98

32. 'अधिहरि' - अस्मिन् पदे कः समासः –
(A) तत्पुरुषः (B) द्वन्द्वः
(C) कर्मधारयः (D) अव्ययीभावः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–21

33. समाहारद्वन्द्वः सदैव प्रयुज्यते –
(A) पुँल्लिङ्गे (B) स्त्रीलिङ्गे
(C) नपुंसकलिङ्गे (D) उभयलिङ्गे
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–232

34. 'पितरौ' - इत्यस्य पदस्य विग्रहः –
(A) पिता च कन्या च (B) माता च पिता च
(C) भ्राता च पिता च (D) स्वसा च पिता च
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–239

35. कॉलिजनियमस्य उपयोगो भवति अस्मिन् –
(A) ददौ (B) दधौ
(C) चकार (D) करोति
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–247

36. बाह्यप्रयत्नस्तु –
(A) पञ्चधा (B) दशधा
(C) एकादशधा (D) त्रयोदशधा
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–19

37. 'अमी अश्वाः' इत्यत्र प्रगृह्यसंज्ञा-विधायकं सूत्रम् –
(A) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्
(B) अदसो मात्
(C) निपात एकाजनाङ्
(D) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–74

38. 'श्रेयसि केन तृप्यते', इत्यस्ति –
(A) बुद्धचरिते (B) शिशुपालवधे
(C) किरातार्जुनीये (D) नैषधमहाकाव्ये
स्रोत–शिशुपालवधम् (1/29) - तारिणीश झा, पेज–63

39. प्रकरणे अङ्कसंख्या भवति –
(A) सप्त (B) पञ्च
(C) चत्वारः (D) दश
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–214

40. 'स्वप्नवासवदत्तस्य' रचयिता कः अस्ति –
(A) कालिदासः (B) शूद्रकः
(C) भासः (D) श्रीहर्षदेवः
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–466

41. 'अभिज्ञानशाकुन्तले' अङ्गीरसः कः अस्ति –
(A) शृङ्गाररसः (B) वीररसः
(C) शान्तरसः (D) करुणरसः
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–60

42. 'मुद्राराक्षसस्य' रचयिता कः अस्ति –
(A) शूद्रकः (B) विशाखदत्तः
(C) भट्टनारायणः (D) कालिदासः
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–501

43. वीथ्यां प्रयुक्ता वृत्तिः –
(A) भारती (B) सात्त्वती
(C) कैशिकी (D) आरभटी
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/254) शालिग्राम शास्त्री, पेज–217

44. 'रघुवंशमहाकाव्ये' कति सर्गाः सन्ति –
(A) एकोनविंशतिः (B) अष्टादश
(C) द्वाविंशतिः (D) विंशतिः
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–212

45. मुख्यार्थबाधे सति भवति –
(A) अभिधाव्यापारः (B) लक्षणाव्यापारः
(C) व्यञ्जनाव्यापारः (D) तात्पर्यायवृत्तिः
स्रोत–साहित्यदर्पण (2/5) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–28

30. (B) **31.** (D) **32.** (D) **33.** (C) **34.** (B) **35.** (C) **36.** (C) **37.** (B) **38.** (B) **39.** (D) **40.** (C) **41.** (A) **42.** (B) **43.** (C) **44.** (A) **45.** (B)

46. ''आराधनाय लोकस्य मुञ्चतो नास्ति मे व्यथा'' इत्यस्ति –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) उत्तररामचरिते
(C) मृच्छकटिके (D) महावीरचरिते

स्रोत–उत्तररामचरितम् (1/12) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–25

47. किरातार्जुनीयमहाकाव्ये 'किरातः' कः अस्ति –

(A) अर्जुनः (B) शिवः
(C) कृष्णः (D) धर्मराजः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–243

48. 'करुणरसस्य' स्थायीभावः अस्ति –

(A) शमः (B) रतिः
(C) उत्साहः (D) शोकः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/223) शालिग्राम शास्त्री, पेज–116

49. व्यायोगे नायकः –

(A) धीरोदात्तः
(B) धीरप्रशान्तः
(C) धीरललितः
(D) धीरोद्धतः

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/233) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

50. हर्षचरितम् अस्ति –

(A) कथा
(B) आख्यायिका
(C) कथानिका
(D) नाटिका

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–395

46. (B) **47.** (B) **48.** (D) **49.** (D) **50.** (B)

24	दिसम्बर 2007	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यास्कमते अग्निर्भवति –
(A) अन्तरिक्षस्थानीयः (B) पृथिवीस्थानीयः
(C) द्युस्थानीयः (D) गृहस्थानीयः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

2. विष्णोस्त्रीणि पदानि केन पूर्णानि भवन्ति –
(A) उदकेन (B) अमृतेन
(C) मधुना (D) घृतेन
स्रोत–ऋक्सूक्त संग्रह - हरिदत्तशास्त्री पेज–168

3. 'द्युस्थानीयः' देवता अस्ति –
(A) वरुणः (B) इन्द्रः
(C) सोमः (D) अग्निः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

4. 'भैषज्यसूक्तानि' कुत्र वर्तन्ते –
(A) सामवेदे (B) ऋग्वेदे
(C) यजुर्वेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98

5. 'वंशीयमण्डलानि' कुत्र उपलभ्यन्ते –
(A) यजुर्वेदे (B) ऋग्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

6. वैदिककालनिर्णये ज्योतिषस्य उपयोगः केन कृतः –
(A) वेबरेण
(B) मोक्षमूलरेण (मैक्समूलरेण)
(C) न केनापि
(D) बालगङ्गाधरतिलकेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

7. हेमवत्याः उपाख्यानमुपलभ्यते –
(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) ईशोपनिषदि (D) बृहदारण्यके
स्रोत–केनोपनिषद् - खण्ड-4

8. 'रथरूपकं' कुत्र विद्यते –
(A) छान्दोग्ये (B) बृहदारण्यके
(C) श्वेताश्वतरे (D) कठे
स्रोत–कठोपनिषद् - 1.3.3

9. ऋग्वेदस्य पदपाठस्य कर्ता कः आसीत् –
(A) सायणाचार्यः (B) स्कन्दस्वामी
(C) यास्कः (D) शाकल्यः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22

10. ''न वै स्त्रैणानि सख्यानि सन्ति'' - इयम् उक्तिर्भवति –
(A) विश्वामित्रस्य (B) सरमायाः
(C) उर्वश्याः (D) यम्याः
स्रोत–ऋग्वेद (10/95/15) - पुरूरवा उर्वशी संवाद

11. वेदाङ्गेषु निरुक्तं किं रूपं भवति –
(A) चक्षुः (B) श्रोत्रम्
(C) घ्राणम् (D) मुखम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

12. देवतानां स्थानानि कुत्र वर्णितानि सन्ति –
(A) व्याकरणे (B) शिक्षायाम्
(C) कल्पे (D) निरुक्ते
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

13. 'अहङ्कारः' कतिविधो भवति –
(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः
स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–208

14. 'समन्वयात्' किं सिद्ध्यति –
(A) प्रकृतिः (B) पुरुषः
(C) गुणाः (D) कैवल्यम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 15)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–160

1. (B) **2.** (C) **3.** (A) **4.** (D) **5.** (B) **6.** (D) **7.** (A) **8.** (D) **9.** (D) **10.** (C) **11.** (B) **12.** (D) **13.** (C) **14.** (A)

15. 'वैराग्यात्' किं भवति –

(A) प्रकृतिलयः (B) बुद्धिलयः
(C) अहङ्कारलयः (D) भूतलयः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 45)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–267

16. 'ज्ञानं' कस्य धर्मः –

(A) पुरुषस्य (B) प्रकृतेः
(C) अहङ्कारस्य (D) बुद्धेः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 23)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–198

17. केवलं शब्दादिगुणत्रयं कुत्र अभिव्यज्यते –

(A) पञ्चीकृतवायौ (B) पञ्चीकृताप्सु
(C) पञ्चीकृततेजसि (D) पञ्चीकृतपृथिव्याम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–80

18. वेदान्तसारे 'लिङ्गशरीरस्य' कति अवयवाः सन्ति –

(A) पञ्चदश (B) षोडश
(C) सप्तदश (D) अष्टादश

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

19. अद्वैतवेदान्तमते मुक्तिः –

(A) ब्रह्मज्ञानप्राप्तिः (B) ब्रह्मसादृश्यप्राप्तिः
(C) ब्रह्मसायुज्यम् (D) ब्रह्मनिष्ठः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–185

20. विशेषगुणः कस्मिन् द्रव्ये नास्ति –

(A) आकाशे (B) वायौ
(C) मनसि (D) आत्मनि

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–30

21. लौकिकसन्निकर्षः कतिविधः –

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) षड्विधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–61

22. प्रमाणं द्विविधमिति कस्य मतम् –

(A) वैशेषिकस्य (B) नैयायिकस्य
(C) मीमांसकस्य (D) सांख्यस्य

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–136

23. पारिमाण्डल्यं नाम किम् –

(A) परमाणुः (B) अणुपरिमाणम्
(C) ब्रह्माण्डम् (D) त्रसरेणुः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–225

24. पीलुपाकवादिनः के सन्ति –

(A) नैयायिकाः (B) बौद्धाः
(C) वैशेषिकाः (D) जैनाः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–53

25. अर्थवदधातुरप्रत्ययः –

(A) संहिता (B) प्रातिपदिकम्
(C) गतिः (D) वृद्धिः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.45) - ईश्वरचन्द्र, पेज–69

26. तुल्यास्यप्रयत्नं ------किमुच्यते –

(A) निष्ठा (B) पदम्
(C) सवर्णम् (D) सन्धिः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.9) - ईश्वरचन्द्र, पेज–11

27. पदस्य किं लक्षणम् –

(A) सन्धियुक्तम्
(B) योग्यताकांक्षासत्तियुक्तम्
(C) समासयुक्तम्
(D) सुप्तिङन्तम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114

28. 'निष्ठा' पदेन उच्येते –

(A) ल्युट्ण्वुलौ (B) क्तक्तवतू
(C) ण्वुल्-तृचौ (D) अल् - घञौ

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) – ईश्वरचन्द्र, पेज–19

29. 'मुनि' इति पदस्य का संज्ञा –

(A) टि (B) घि
(C) गति (D) नदी

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.7) – ईश्वरचन्द्र, पेज–111

15. (A) **16.** (D) **17.** (C) **18.** (C) **19.** (D) **20.** (B) **21.** (C) **22.** (A) **23.** (B) **24.** (C) **25.** (B)
26. (C) **27.** (D) **28.** (B) **29.** (B)

30. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) नदी 1. गतिश्च
(ब) उपधा 2. ईदूदेद्द्विवचनम्
(स) गतिः 3. यू स्त्र्याख्यौ
(द) प्रगृह्यम् 4. अलोऽन्त्यात्पूर्वः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	2	1	4
(B)	3	4	1	2
(C)	4	2	3	1
(D)	1	4	2	3

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.4.3, पेज–109, ब = 1.1.64 पेज–48, स = 1.4.59 पेज–133, द = 1.1.11 पेज–13

31. 'कर्तुरीप्सिततमं' कारकं किम् उच्यते –

(A) करणम् (B) सम्प्रदानम्
(C) कर्म (D) अपादानम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–16

32. ''क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः'' - तत्र का विभक्तिः भवति –

(A) चतुर्थी (B) तृतीया
(C) द्वितीया (D) पञ्चमी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–50

33. 'विशेषसंज्ञाविनिर्मुक्तः' - कः समासः –

(A) बहुव्रीहिः (B) द्विगुः
(C) केवलः (D) कर्मधारयः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

34. 'अनुरूपम्' - इत्यस्य पदस्य विग्रहः किं वर्तते –

(A) रूपस्य प्रति (B) रूपस्य योग्यम्
(C) रूपस्य सादृश्यम् (D) रूपस्य पश्चात्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–33

35. ऋटुरषाणाम् उच्चारणस्थानं किम् –

(A) तालु (B) कण्ठः
(C) ओष्ठः (D) मूर्धा

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

36. दन्त्येषु अन्तर्भवति –

(A) क् (B) प्
(C) ल् (D) म्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

37. ''कादयो मावसानाः'' वर्णाः –

(A) स्पर्शाः (B) अन्तःस्थाः
(C) अनुनासिकाः (D) अस्पर्शाः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

38. 'रत्नावल्याः' रचयिता कः अस्ति –

(A) श्रीहर्षः (B) हर्षवर्धनः
(C) भासः (D) बाणः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–365

39. ''सञ्चारिणी दीपशिखेव रात्रौ'' इति रघुवंशमहाकाव्ये कस्मिन् सन्दर्भे वर्णितम् अस्ति –

(A) दिलीपस्य गोसेवा (B) रामवनगमनम्
(C) सीताविसर्जनम् (D) इन्दुमती–स्वयंवरः

स्रोत–रघुवंशम् (6/67) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–196

40. अभिज्ञानशाकुन्तले विदूषकः अस्ति –

(A) माधव्यः (माढव्यः) (B) वसन्तकः
(C) मैत्रेयः (D) शार्ङ्गरवः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–90

41. ''सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्'' इति वाक्यस्य कर्ता कः अस्ति –

(A) कालिदासः (B) भारविः
(C) माघः (D) श्रीहर्षः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (2/30) - आचार्य श्रीनिवास शर्मा, पेज-41

30. (B) **31.** (C) **32.** (A) **33.** (C) **34.** (B) **35.** (D) **36.** (C) **37.** (A) **38.** (B) **39.** (D) **40.** (A) **41.** (B)

42. रूपकाणां भेदाः –

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) पञ्च (D) दश

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

43. 'प्रहसनस्य' उदाहरणम् अस्ति –

(A) प्रियदर्शिका

(B) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्

(C) मत्तविलासः

(D) मृच्छकटिकम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–548

44. 'बीभत्सरसस्य' स्थायिभावः किम् अस्ति –

(A) शोकः (B) हासः

(C) भयः (D) जुगुप्सा

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/239) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

45. 'करुणरसस्य' वर्णः अस्ति –

(A) श्वेतः (B) श्यामः

(C) नीलः (D) कपोतः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/222) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–116

46. ''वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'' - इति केन उक्तम् –

(A) कुन्तकेन (B) विश्वनाथेन

(C) दण्डिना (D) भरतेन

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

47. विश्वनाथमतानुसारेण काव्ये रसो भवति –

(A) आत्मा (B) अवयवसंस्थानम्

(C) आभूषणम् (D) शरीरम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

48. साक्षात्सङ्केतितार्थस्य बोधिका अस्ति –

(A) अभिधा (B) लक्षणा

(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्यम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (2.14) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–26

49. ''एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्'' इति केनोक्तम् -

(A) कालिदासेन (B) भवभूतिना

(C) भासेन (D) वाल्मीकिना

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) कपिलदेव द्विवेदी, पेज–260

50. 'मृच्छकटिके' कति अङ्काः सन्ति -

(A) पञ्चदश (B) सप्त

(C) दश (D) पञ्च

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–307

42. (D) **43.** (C) **44.** (D) **45.** (D) **46.** (B) **47.** (A) **48.** (A) **49.** (B) **50.** (C)

25	जून 2008	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'ऐतरेयब्राह्मणं' केन वेदेन सम्पृक्तम् –
(A) सामवेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

2. सामसंज्ञा भवति –
(A) ऋचाम् (B) गानानाम्
(C) ब्राह्मणानाम् (D) उपनिषदाम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–77

3. यास्कमतेन कति भावविकाराः –
(A) पञ्च (B) षट्
(C) सप्त (D) अष्ट
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

4. 'यमयमीसंवादः' ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले वर्तते –
(A) दशममण्डले (B) पञ्चममण्डले
(C) नवममण्डले (D) अष्टममण्डले
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

5. 'ऋग्वेदे' कति अष्टकानि सन्ति –
(A) दश (B) सप्त
(C) नव (D) अष्टौ
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

6. 'कौथुमशाखा' अस्ति –
(A) सामवेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) अथर्ववेदस्य (D) ऋग्वेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

7. अनुष्टुप् छन्दसि प्रतिपादं कति अक्षराणि भवन्ति –
(A) पञ्च (B) अष्ट
(C) दश (D) द्वादश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

8. 'नित्याः खलु वेदा' इति केषाम् अभिमतम् –
(A) मोक्षमूलरस्य
(B) जैकोबीमहोदयस्य
(C) वेबरस्य
(D) प्राचीनभारतीयपरम्परायाः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17-18

9. ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले 'सोमस्य' स्तुतिः दृक्पथमुपयाति ?
(A) द्वितीयमण्डले (B) पञ्चममण्डले
(C) दशममण्डले (D) नवममण्डले
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

10. ''हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्'' - कस्मिन् ब्राह्मणे समुपलभ्यते?
(A) ऐतरेयब्राह्मणे (B) शतपथब्राह्मणे
(C) गोपथब्राह्मणे (D) तैत्तिरीयब्राह्मणे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

11. ''स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्'' इतिवचनं कस्यामुपनिषदि विराजते ?
(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) मुण्डकोपनिषदि
स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (तैत्तिरीयोपनिषद्)-गीताप्रेस, पेज–362

12. को नाम 'आरण्यकस्य' मुख्यविषयः ?
(A) ज्ञानम् (B) उपासनादिकम्
(C) गानम् (D) स्तुतिः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–158

13. सांख्यैः स्वीकृतानि तत्त्वानि –
(A) 20 (B) 25
(C) 15 (D) 11
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 3) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

14. सांख्यैः गुणाः.............इति वर्णिता –
(A) सुख-दुःख-मोहात्मकाः (B) इष्टानिष्टोभयात्मकाः
(C) प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः (D) सुख-दुःखरागात्मकाः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 12)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–135

1. (C) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (A) **5.** (D) **6.** (A) **7.** (B) **8.** (D) **9.** (D) **10.** (A) **11.** (C) **12.** (A) **13.** (B) **14.** (C)

15. सांख्यस्वीकृतानि प्रमाणानि –

(A) 4 (B) 5
(C) 3 (D) 2

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 4)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

16. पुरुष-प्रकृत्योः............संसर्गः वर्णितः –

(A) जडाजडवत् (B) मूक-बधिर-वत्
(C) अन्धमालावत् (D) पङ्ग्वन्धवत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 21)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–193

17. बुद्धिः..........सहिता विज्ञानमयकोशः भवति –

(A) कर्मेन्द्रियैः (B) ज्ञानेन्द्रियैः
(C) अन्तःकरणैः (D) सूक्ष्मशरीरैः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–68

18. 'अध्यासः' किं रूपम् –

(A) कार्यरूपः (B) स्मृतिरूपः
(C) कारणरूपः (D) नित्यरूपः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–36

19. द्रव्यप्रत्यक्षे सर्वदा सन्निकर्षः –

(A) समवायः (B) तादात्म्यम्
(C) संयोगः (D) संयुक्त-समवायः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–77

20. न्याये कति पदार्थाः स्वीकृताः ?

(A) 7 (B) 4
(C) 9 (D) 16

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–4

21. तद्वति तत्प्रकारकं ज्ञानं भवति –

(A) अयथार्थः (B) यथार्थः
(C) स्मृतिः (D) विपर्ययः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–65

22. कार्यनियतपूर्ववृत्तित्वम् –

(A) कारणत्वम् (B) कार्यत्वम्
(C) करणत्वम् (D) अकारणत्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–69

23. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	संयुक्त-समवेतसमवायः	1.	मनस्
(ब)	विशेषणता	2.	गुणः
(स)	समवायः	3.	तमस्
(द)	संयोगः	4.	घटरूपत्वम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	4	3	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	3	2	1	4

स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री पेज– अ=66, ब=68, स=67, द=63

24. सम्यग्ज्ञानवान् शरीरं...............इव धारयति –

(A) मूढवत् (B) चक्रभ्रमिवत्
(C) जडवत् (D) पिशाचवत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 67)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–334

25. यू स्त्र्याख्यौ...............भवति –

(A) घि (B) नदी
(C) समासः (D) उपधा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109

26. सर्वनामस्थानसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम् ?

(A) स्वादिष्वसर्वनामस्थाने
(B) सुडनपुंसकस्य
(C) सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ
(D) सर्वादीनि सर्वनामानि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

27. अन्त्यादलः पूर्वो वर्णः...............

(A) उपधा (B) विभाषा
(C) उपसर्गः (D) टि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48

15. (C) **16.** (D) **17.** (B) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (D) **21.** (B) **22.** (A) **23.** (A) **24.** (B) **25.** (B) **26.** (B) **27.** (A)

28. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	निष्ठा	1.	अपृक्तम्
(ब)	आत् ऐच्	2.	क्तक्तवतू
(स)	ईकारान्तद्विवचनम्	3.	वृद्धिः
(द)	एकाल्प्रत्ययः	4.	प्रगृह्यम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	1	2
(B)	1	4	3	2
(C)	2	3	4	1
(D)	4	1	2	3

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.1.25 पेज–19, ब =1.1.1 पेज–05, स = 1.1.11 पेज–13, द = 1.2.41 पेज–68

29. स्वतन्त्रः................

(A) कर्ता (B) करणम्

(C) उत्तमः (D) कारकम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–40

30. 'जपमनु प्रावर्षत्'................अत्र द्वितीया केन सूत्रेण ?

(A) अनुर्लक्षणे

(B) कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया

(C) कर्मणि द्वितीया

(D) लक्षणेत्थम्भूताख्यान .... प्रतिपर्य नवः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनिपाण्डेय, पेज–32

31. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	ग्रामादायाति	1.	आख्यातोपयोगे
(ब)	पुष्पेभ्यः स्पृहयति	2.	ध्रुवमपायेऽपादानम्
(स)	पुत्रेण सहागतः	3.	स्पृहेरीप्सितः
(स)	उपाध्यायादधीते	4.	सहयुक्तेऽप्रधाने

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	2	3	4	1
(C)	2	3	1	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज– अ = 59, ब = 49, स = 42, द = 62

32. 'अधिहरि' इत्यत्र कः समासः ?

(A) अव्ययीभावः (B) द्वन्द्वः

(C) कर्मधारयः (D) तत्पुरुषः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–21

33. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	कर्मधारयः	1.	पीताम्बरः
(ब)	अव्ययीभावः	2.	त्रिभुवनम्
(स)	द्विगुः	3.	निर्मक्षिकम्
(द)	बहुव्रीहिः	4.	कृष्णसर्पः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	2	4
(B)	3	1	4	2
(C)	2	3	4	1
(D)	4	3	2	1

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) अ=115, ब = 28, स = 111, द = 191

34. अधोनिर्दिष्टेषु वियोगात्मकभाषा का –

(A) संस्कृतम् (B) ग्रीक

(C) लैटिन (D) हिन्दी

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–358

35. अधोनिर्दिष्टेषु कण्ठ्यवर्णः.............

(A) ग् (B) ट्

(C) ज् (D) इ

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–148

36. एतेषु संवृतस्वरः कः –

(A) ए (B) ऊ

(C) आ (D) न

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–149

37. ''आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्'' इति वाक्यं वर्तते –

(A) भासस्य (B) भवभूतेः

(C) भारवेः (D) कालिदासस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/2) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

28.(C) **29.**(A) **30.**(B) **31.**(B) **32.** (A) **33.** (D) **34.** (D) **35.** (A) **36.** (B) **37.** (D)

38. प्रबोधचन्द्रोदयः –

(A) चम्पूकाव्यम् (B) गद्यकाव्यम्
(C) पद्यकाव्यम् (D) रूपकम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा'ऋषि', पेज–543

39. 'छायाङ्कः' कस्मिन् नाटके निबद्धम् –

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) उत्तररामचरिते
(C) मुद्राराक्षसे (D) प्रतिमानाटके

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–529

40. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) ऋतुसंहारम्	1. चारित्रिककाव्यम्
(ब) भजगोविन्दम्	2. महाकाव्यम्
(स) राजतरङ्गिणी	3. खण्डकाव्यम्
(द) नैषधीयचरितम्	4. स्तोत्रकाव्यम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	1	3	2
(B)	1	3	2	4
(C)	3	4	1	2
(D)	1	2	4	3

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–330, 315, 285

**41. स्तनयुगमश्रुस्नातं समीपतरवर्तिहृदयशोकाग्नेः।
चरति विमुक्ताहारं व्रतमिव भवतो रिपुस्त्रीणाम् ॥
इति श्लोकः निबद्धः वर्तते –**

(A) रघुवंशे (B) हर्षचरिते
(C) दशकुमारचरिते (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–कादम्बरी कथामुख-तारिणीश झा, पेज–100

42. 'प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशां गिरः' इति वचनं वर्तते –

(A) वनेचरस्य (B) युधिष्ठिरस्य
(C) नारदस्य (D) द्रौपद्याः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् - (1/25) - रामसेवक दुबे, पेज-103

43. 'शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्ति कालत्रितयेऽपि योग्यताम्' इदं वाक्यमस्ति –

(A) माघकाव्ये (B) किरातार्जुनीये
(C) नैषधे (D) कुमारसंभवे

स्रोत–शिशुपालवधम् (1/26) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज-19

44. 'मालतीमाधवम्' – नाटकस्य इतिवृत्तं वर्तते –

(A) प्रसिद्धम् (B) उत्पाद्यम्
(C) कविकल्पितम् (D) चरित्रकम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, पेज–543

45. 'उपसंहृतिः' नाम -

(A) अवस्थाविशेषः
(B) अर्थोपक्षेपकविशेषः
(C) रूपकविशेषः
(D) सन्धिविशेषः

स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–27

46. 'चूलिका' तावत् -

(A) अर्थोपक्षेपकः (B) सन्धिः
(C) अवस्था (D) रूपकम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/54) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–180

47. अद्भुतरसस्य स्थायीभावः भवति -

(A) हासः (B) उत्साहः
(C) विस्मयः (D) जुगुप्सा

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/242) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

48. 'स्मितम्' -

(A) शृङ्गाररसभेदः (B) हास्यरसभेदः
(C) वीररसभेदः (D) शान्तरसभेदः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/217) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–115

49. सङ्केतः कुत्र गृह्यते -

(A) जातौ
(B) व्यक्तौ
(C) जातिविशिष्टव्यक्तौ
(D) जातिव्यक्त्याकृतिषु

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–27

50. कस्य काव्यलक्षणं खण्डितं विश्वनाथेन –

(A) मम्मटस्य (B) भामहस्य
(C) राजशेखरस्य (D) दण्डिनः

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–12-13

38. (D) **39.** (B) **40.** (C) **41.** (D) **42.** (A) **43.** (A) **44.** (C) **45.** (D) **46.** (A) **47.** (C) **48.** (B) **49.** (C) **50.** (A)

26	दिसम्बर 2008	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'गोपथ-ब्राह्मणं' केन वेदेन सह सम्बद्धं वर्तते –
(A) यजुर्वेदेन (B) सामवेदेन
(C) अथर्ववेदेन (D) ऋग्वेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

2. 'गृहपतिः' इति विशेषणं कस्य देवस्य प्रसिद्धम् –
(A) इन्द्रस्य (B) सवितुः
(C) अश्विनोः (D) अग्नेः
स्रोत–वैदिक माइथोलॉजी - रामकुमार राय, पेज–181

3. ''नाहं वेद भ्रातृत्वं नो स्वसृत्वम्'' इति मन्त्रपादः कुत्र विराजते ?
(A) यमयमीसंवादे (B) सरमापणिसंवादे
(C) विश्वामित्रनदीसंवादे (D) पुरूरवा-उर्वशीसंवादे
स्रोत–ऋग्वेद (सरमा-पणि संवाद) –10-108-10

4. वेदाङ्गेषु ज्योतिषमुपमीयते –
(A) हस्तेन (B) मुखेन
(C) पादेन (D) चक्षुषा
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

5. ''अन्धं तमः प्रविशन्ति'' इति वचनं कस्यामुपनिषदि वर्तते ?
(A) कठोपनिषदि (B) ईशोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) मुण्डकोपनिषदि
स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र–9)

6. नैरुक्तमते कति देवताः ?
(A) तिस्रः (B) पञ्च
(C) चतस्रः (D) षट्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

7. चरणव्यूहानुसारम् अथर्ववेदस्य कति शाखाः –
(A) षट् (B) सप्त
(C) नव (D) दश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98

8. कस्य स्थानस्य देव इन्द्रः –
(A) द्युस्थानस्य (B) अन्तरिक्षस्थानस्य
(C) पृथिवीस्थानस्य (D) जनस्थानस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

9. ''देवानां चक्षुः सुभगा वहन्ती'' इति मन्त्रांशः कस्य सूक्तस्य-
(A) इन्द्रसूक्तस्य (B) उषस्सूक्तस्य
(C) अश्विनोः सूक्तस्य (D) अग्निसूक्तस्य
स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजय शंकर पाण्डेय, पेज–82

10. सामवेदसम्बद्धानि कति ब्राह्मणानि सन्ति –
(A) दश (B) अष्टौ
(C) पञ्च (D) एकादश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

11. यज्ञकालनिर्णयार्थं कस्य वेदाङ्गस्योपयोगः भवति –
(A) कल्पस्य (B) ज्योतिषस्य
(C) शिक्षायाः (D) निरुक्तस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208

12. अथर्ववेदे कति काण्डानि सन्ति –
(A) विंशतिः (B) दश
(C) षट् (D) अष्टादश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–102

13. अध्यासं पण्डिताः....................इति मन्यन्ते –
(A) माया (B) प्रकृतिः
(C) अविद्या (D) ज्ञानम्
स्रोत–भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–240

14. वेदान्ते 'अथ' शब्दस्य अर्थो भवति –
(A) मङ्गलः (B) अधिकारः
(C) आनन्तर्यः (D) निरर्थकः
स्रोत–ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य - सत्यानन्द सरस्वती, पेज–21

15. सदानन्दस्य गुरोः नाम किम् –
(A) आत्मानन्दः (B) विद्यानन्दः
(C) रामानन्दः (D) अद्वयानन्दः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–6

1. (C) **2.** (D) **3.** (B) **4.** (D) **5.** (B) **6.** (A) **7.** (C) **8.** (B) **9.** (B) **10.** (B) **11.** (B) **12.** (A) **13.** (A) **14.** (C) **15.** (D)

16. शब्दसाक्षात्कारे ....सन्निकर्षः –

(A) संयोगः (B) समवायः
(C) विशेष्यविशेषणभावः (D) समवेतसमवायः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–79

17. न्यायवैशेषिकमतानुसारं कति गुणाः स्वीकृताः –

(A) 12 (B) 20
(C) 25 (D) 24

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–29

18. प्रागभावप्रतियोगि भवति –

(A) कारणम् (B) कार्यम्
(C) करणम् (D) अभावः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–70

19. अनादि सान्तः भवति –

(A) प्रागभावः (B) अन्योन्याभावः
(C) प्रध्वंसाभावः (D) अत्यन्ताभावः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–122

20. तन्तवः पटस्य............भवति –

(A) निमित्त-कारणम् (B) असमवायि-कारणम्
(C) समवायि-कारणम् (D) सहकारि-कारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–71

21. सांख्यानुसारं प्रकृतिः...................इव –

(A) माता (B) गृहिणी
(C) सुता (D) नर्तकी

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 59)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–312

22. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	आत्मा	1.	गुणः
(ब)	शब्दः	2.	अभावः
(स)	तमस्	3.	द्रव्यम्
(द)	परत्वम्	4.	जातिः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	2	1	4
(B)	1	3	2	4
(C)	3	1	2	4
(D)	1	2	3	4

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता-अ = 28, ब = 29, द = 58

23. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	विश्वनाथः	1.	अर्थसंग्रहः
(ब)	अन्नंभट्टः	2.	सांख्यकारिका
(स)	ईश्वरकृष्णः	3.	तर्कसंग्रहः
(द)	लौगाक्षिभास्करः	4.	कारिकावली

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	1	2
(D)	3	4	2	1

स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–222, 253, 313

24. सदानन्दमतेन ब्रह्म...................अस्ति –

(A) ज्ञानम् (B) विज्ञानम्
(C) अवस्तु (D) वस्तु

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

25. वर्णानामतिशयितः सन्निधिः.............संज्ञः स्यात् –

(A) प्रातिपदिकम् (B) नदी
(C) संहिता (D) उपसर्जनम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

26. सखिभिन्नस्य इवर्णान्तस्य.......का संज्ञा –

(A) नदी (B) निष्ठा
(C) गुणः (D) घि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.7) ईश्वरचन्द्र, पेज–111

27. निषेधविकल्पयोः..............संज्ञा -

(A) उपधा (B) विभाषा
(C) परिभाषा (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.43) ईश्वरचन्द्र, पेज–25

28. ईदूदेद्द्विवचनं................

(A) प्रकृतिभावः (B) निष्ठा
(C) प्रगृह्यम् (D) विभाषा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.11) ईश्वरचन्द्र, पेज–13

16. (B) **17.** (D) **18.** (B) **19.** (A) **20.** (C) **21.** (D) **22.** (C) **23.** (A) **24.** (D) **25.** (C) **26.** (D) **27.** (B) **28.** (C)

29. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत -

(अ) क्तक्तवतू — 1. सवर्णम्
(ब) तुल्यास्यप्रयत्नं — 2. गुणः
(स) अत् एङ् — 3. टि
(द) अचोऽन्त्यादि — 4. निष्ठा

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	1	2
(B)	4	1	2	3
(C)	1	4	3	2
(D)	3	2	4	1

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र - अ = 1.1.25 पेज–19, ब = 1.1.9 पेज–11, स = 1.1.2 पेज–06, द = 1.1.63 पेज–47

30. अपादानादिविशेषैः अविवक्षितं कारकं..........

(A) अपादानम् (B) कर्म
(C) करणम् (D) किमपि न

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19

31. क्रियासिद्धौ प्रकृष्टोपकारकं.............

(A) करणम् (B) अपादानम्
(C) तादर्थ्यम् (D) उपकारकम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–40

32. 'जटाभिः तापसः' - अत्र तृतीया केन सूत्रेण ?

(A) कर्तृकरणयोस्तृतीया (B) इत्थम्भूतलक्षणे
(C) येनाङ्गविकारः (D) हेतौ

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

33. 'सर्पिषः ज्ञानम्' - अत्र षष्ठी केन सूत्रेण ?

(A) ज्ञोऽविदर्थस्य करणे (B) षष्ठी शेषे
(C) अधीगर्थदयेशां कर्मणि (D) कर्तृकर्मणोः कृति

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–76

34. अधोनिर्दिष्टेषु तालव्यवर्णः.......कः अस्ति –

(A) ज (B) ख
(C) ड (D) म

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

35. अधोनिर्दिष्टेषु संयोगात्मकभाषा..............

(A) अंग्रेजी (B) संस्कृतम्
(C) हिन्दी (D) बांग्ला

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–365

36. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) सहरि — 1. नञ् तत्पुरुषः
(ब) कण्ठेकालः — 2. द्वन्द्वः
(स) पाणिपादम् — 3. अव्ययीभावः
(द) अनश्वः — 4. बहुव्रीहिः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	4	3
(B)	3	2	1	4
(C)	2	4	3	1
(D)	3	4	2	1

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4)
पेज–अ=35, ब=188, स=240, द=196

37. ''सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तः करणप्रवृत्तयः'' इति कस्य वाक्यम् अस्ति –

(A) भर्तृहरेः (B) भासस्य
(C) कालिदासस्य (D) भवभूतेः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/22) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54

38. 'मधुराविजयम्' नाम काव्यम् अन्तर्भवति –

(A) लघुकाव्येषु (B) चारित्रिककाव्येषु
(C) गद्यकाव्येषु (D) स्तोत्रकाव्येषु

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास-राधाबल्लभत्रिपाठी, पेज–433

39. वरतन्तुशिष्यस्य कौत्सस्य वृत्तान्तमस्मिन् काव्ये निबद्धं वर्तते –

(A) कुमारसम्भवे (B) रघुवंशे
(C) माघे (D) किरातार्जुनीये

स्रोत–रघुवंशम् (5/1)-कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–138 एवं भू. पेज–13

29. (B) **30.** (B) **31.** (A) **32.** (B) **33.** (A) **34.** (A) **35.** (B) **36.** (D) **37.** (C) **38.** (B) **39.** (B)

40. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	मुरारिः	1.	मुद्राराक्षसम्
(ब)	शूद्रकः	2.	प्रतिमानाटकम्
(स)	भासः	3.	मृच्छकटिकम्
(द)	विशाखदत्तः	4.	अनर्घराघवम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	2	1	4	3
(D)	1	2	3	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–अ=429, ब = 299, स = 275, द = 354

41. 'अनिर्वर्णनीयं परकलत्रम्' इति वाक्यम् अस्ति –

(A) भरतस्य (B) दुष्यन्तस्य
(C) युधिष्ठिरस्य (D) रघोः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (अंक-5)–कपिलदेव द्विवेदी, पेज–267

42. 'मुद्राराक्षसनाटकस्य' कथावस्तु भवति –

(A) प्रसिद्धम् (B) उत्पाद्यम्
(C) कविकल्पितम् (D) चारित्रकम्

स्रोत–मुद्राराक्षसम् - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू. पेज–06

43. 'प्राप्त्याशा' भवति –

(A) सन्धिविशेषः (B) अवस्थाविशेषः
(C) रूपकविशेषः (D) अनुभावविशेषः

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/71) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–183

44. अश्वघोषस्य कृतिरियम् –

(A) हर्षचरितम् (B) नलचरितम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) बुद्धचरितम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–169

45. 'करुणरसस्य' स्थायीभावः कः –

(A) शोकः (B) हर्षः
(C) हासः (D) उत्साहः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/226) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–117

46. पताकाप्रकरीभेदात् द्विधा भवति –

(A) प्राकरणिकम् (B) प्रासङ्गिकम्
(C) प्रधानम् (D) चारित्रकम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/67) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–182

47. हास्यरसप्रभेदाः सन्ति -

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/217) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–115

48. अर्थोपक्षेपकाः उपयुज्यन्ते -

(A) रूपकेषु (B) काव्येषु
(C) प्रकरणग्रन्थेषु (D) धर्मशास्त्रेषु

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/54-55) – शालिग्रामशास्त्री, पेज–180

49. 'गौर्वाहीकः' इत्युदाहरणम् अस्ति -

(A) जहल्लक्षणायाः
(B) अजहल्लक्षणायाः
(C) सारोपालक्षणायाः
(D) साध्यवसानालक्षणायाः

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्रामशास्त्री, पेज–36

50. तात्पर्यार्थमङ्गीकुर्वन्ति -

(A) अन्विताभिधानवादिनः
(B) अभिहितान्वयवादिनः
(C) नैरुक्तिकाः
(D) शब्दब्रह्मवादिनः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–36

40. (B) **41.** (B) **42.** (A) **43.** (B) **44.** (D) **45.** (A) **46.** (B) **47.** (D) **48.** (A) **49.** (C) **50.** (B)

27	जून 2009	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुवैकल्पिकप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य **अङ्कद्वयं (2)** वर्तते। सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. 'आवाहनं देवानां वहनञ्च हविषाम्' इत्यस्ति –
(A) अग्निकर्म (B) विष्णुकर्म
(C) रुद्रकर्म (D) इन्द्रकर्म
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, भू. पेज–14

2. 'रसानुप्रदानं वृत्रवधः' इत्यस्ति –
(A) बृहस्पतिकर्म (B) रुद्रकर्म
(C) सवितृकर्म (D) इन्द्रकर्म
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–298

3. काण्वसंहिता वर्तते –
(A) कृष्णयजुर्वेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) शुक्लयजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. संख्यया स्वराङ्कनं कस्मिन् वेदे भवति –
(A) यजुर्वेदे (B) सामवेदे
(C) अथर्ववेदे (D) ऋग्वेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–87

5. ''स्वाध्यायान्मा प्रमदः'' वर्तते –
(A) ईशोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) ऐतरेयोपनिषदि
स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (तैत्तिरीयोपनिषद्) गीताप्रेस, पेज–362

6. 'पुरूरवा-उर्वशी-संवादो' कुत्र वर्तते –
(A) ऋग्वेदस्य दशममण्डले
(B) अथर्ववेदस्य नवमकाण्डे
(C) शतपथब्राह्मणस्य प्रथमकाण्डे
(D) यजुर्वेदस्य पञ्चदशाध्याये
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

7. 'सरमापणिसूक्ते' छन्दो वर्तते –
(A) त्रिष्टुप् (B) जगती
(C) बृहती (D) गायत्री
स्रोत–ऋग्वेद (10.108) - वेदान्ततीर्थ, पेज–463

8. बालगङ्गाधरतिलकानुसारं ऋग्वेदस्य कालः ख्रीस्तपूर्वं वर्तते –
(A) 6000 ई०पू० (B) 8000 ई०पू०
(C) 2500 ई०पू० (D) 3500 ई०पू०
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

9. 'माध्यन्दिनीयसंहितायाम्' उदात्तस्वरस्य अङ्कनं भवति –
(A) अधः (B) उपरिष्टात्
(C) तिर्यक् (D) किमपि न
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-एक) पेज–269

10. मन्त्रब्राह्मणयोः सम्मिश्रणं कुत्र वर्तते –
(A) ऋग्वेदे (B) कृष्णयजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68-69

11. शुक्ल-यजुर्वेदमाध्यन्दिनसंहितायां मन्त्रसंख्या वर्तते–
(A) 1975 (B) 2000
(C) 1852 (D) 1900
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–65

12. 'शिक्षाग्रन्थेषु' प्रतिपाद्यते –
(A) वेदार्थनिर्णयधर्मः (B) कालज्ञानम्
(C) उच्चारणधर्मः (D) शब्दसाधुत्वम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

13. सत्कार्यवादे उत्पत्तेः पूर्वं कार्यं भवति –
(A) सदसत् (B) अव्यक्तरूपेण सत्
(C) उभयरूपेण सत् (D) व्यक्तरूपेण सत्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100
भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–257

1. (A) **2.** (D) **3.** (C) **4.** (B) **5.** (C) **6.** (A) **7.** (A) **8.** (A) **9.** (D) **10.** (B) **11.** (A) **12.** (C) **13.** (B)

14. सांख्यदर्शने पृथिव्याः प्रादुर्भावः अस्ति –

(A) रसतन्मात्रात् (B) गन्धतन्मात्रात्
(C) शब्दतन्मात्रात् (D) स्पर्शतन्मात्रात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 23)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–197

15. त्रिविधं प्रमाणं विद्यते –

(A) न्यायदर्शने (B) वेदान्तदर्शने
(C) मीमांसादर्शने (D) सांख्यदर्शने

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 4) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

16. त्रिकालमाभ्यन्तरकरणम् –

(A) सदानन्दमते (B) केशवमिश्रमते
(C) ईश्वरकृष्णमते (D) जैमिनिमते

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 33)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–234

17. अद्वैतवेदान्ते जीवब्रह्मणोः स्वरूपम् –

(A) जीवब्रह्मैक्यम् (B) जीव एव पुरुषः
(C) जीव एव अज्ञानम् (D) जीव एव ईश्वरः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–30

18. अध्यारोपलक्षणमस्ति –

(A) जीवे ब्रह्मणारोपः (B) अवस्तुनि वस्त्वारोपः
(C) वस्तुनि अवस्त्वारोपः (D) न किमपि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

19. अनुबन्धः अस्ति –

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

20. सदसद्भ्याम् अनिर्वचनीयम् अस्ति –

(A) ज्ञानम् (B) ज्ञानाज्ञानम्
(C) अज्ञानम् (D) न किमपि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

21. न्यायदर्शने प्रमाणानि सन्ति –

(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–50

22. 'गगनारविन्दं सुरभि' अत्र कः हेत्वाभासः –

(A) आश्रयासिद्धः (B) स्वरूपासिद्धः
(C) व्याप्यत्वासिद्धः (D) विरुद्धः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–111

23. न्यायानुसारं कति प्रमेयाः सन्ति –

(A) दश (B) एकादश
(C) द्वादश (D) त्रयोदश

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–175

24. वेमादिकं पटस्य अस्ति –

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम्
(C) निमित्तकारणम् (D) किमपि न

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–43

25. 'एकाल् प्रत्ययः' भवति –

(A) कृत् (B) सन्
(C) अपृक्तम् (D) तिङ्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

26. 'क्तक्तवतू' किमुच्यते –

(A) गतिः (B) निष्ठा
(C) गुणः (D) सवर्णम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

27. विभाषायाः किं लक्षणम् अस्ति –

(A) सुप्तिङन्तम् (B) सामर्थ्यम्
(C) परः सन्निकर्षः (D) नवेति

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

28. 'नदीसंज्ञया' उल्लिख्येते –

(A) ण्वुल्तृचौ (B) क्तक्तवतू
(C) उञः (D) यू स्त्र्याख्यौ

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.3) ईश्वरचन्द्र, पेज–109

29. 'अदेङ्' इत्यस्य का संज्ञा –

(A) भ (B) टि
(C) गुणः (D) घु

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.2) ईश्वरचन्द्र, पेज–06

14. (B)	**15.** (D)	**16.** (C)	**17.** (A)	**18.** (C)	**19.** (C)	**20.** (C)	**21.** (B)	**22.** (A)	**23.** (C)	**24.** (C)
25. (C)	**26.** (B)	**27.** (D)	**28.** (D)	**29.** (C)						

30. समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) प्रातिपदिकम् (i) आदैच्
(ब) वृद्धिः (ii) सुप्तिङन्तम्
(स) पदम् (iii) अचोऽन्त्यादि
(द) टि (iv) अर्थवदधातुरप्रत्ययः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.2.45 पेज–69, ब = 1.1.1 पेज–5, स = 1.4.14 पेज–114, द = 1.1.63 पेज–47

31. 'साधकतमं' कारकं किमुच्यते –

(A) कर्म (B) अधिकरणम्
(C) करणम् (D) अपादानम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–40

32. 'अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति' अत्र का विभक्तिः –

(A) द्वितीया (B) पञ्चमी
(C) सप्तमी (D) तृतीया

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–61

33. 'संख्यापूर्वः' कः समासः भवति –

(A) केवलः (B) तत्पुरुषः
(C) द्विगुः (D) बहुव्रीहिः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–109

34. 'उपकृष्णम्' इत्यस्य पदस्य विग्रहः वर्तते –

(A) कृष्णस्य सादृश्यम् (B) कृष्णस्य पश्चात्
(C) कृष्णस्य समीपम् (D) कृष्णं प्रति

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–26

35. 'अकुहविसर्जनीयानाम्' उच्चारणस्थानं किम् अस्ति-

(A) मूर्धा (B) ओष्ठौ
(C) कण्ठः (D) तालु

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

36. मूर्धन्यो भवति –

(A) प (B) ड
(C) ल (D) न

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

37. यरलवाः वर्णाः भवन्ति –

(A) स्पृष्टाः (B) अन्तःस्थाः
(C) ऊष्मवर्णाः (D) अनुनासिकाः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–19

38. 'हितोपदेशस्य' रचयिता कः अस्ति –

(A) नारायणपण्डितः (B) विष्णुशर्मा
(C) दण्डी (D) बाणः

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–582

39. नाटकस्य उदाहरणं भवति –

(A) मृच्छकटिकम् (B) मालतीमाधवम्
(C) वेणीसंहारम् (D) त्रिपुरविजयः

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मकइतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–382

40. 'प्रतिमानाटकस्य' रचयिता वर्तते –

(A) कालिदासः (B) भवभूतिः
(C) भट्टनारायणः (D) भासः

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–275

41. ''अज्ञातहृदयेष्वेवं वैरीभवति सौहृदम्'' इति वाक्यस्य कर्ता वर्तते –

(A) भारविः (B) कालिदासः
(C) माघः (D) श्रीहर्षः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/24) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–291

42. ''रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'' इति केन उक्तम् -

(A) कुन्तकेन (B) जगन्नाथेन
(C) आनन्दवर्धनेन (D) मम्मटेन

स्रोत–रसगङ्गाधर (1.1) - मदनमोहन झा, पेज–10

43. आनन्दवर्धनाचार्यमतानुसारं 'काव्यस्यात्मा' भवति –

(A) ध्वनिः (B) रसः
(C) रीतिः (D) अलङ्कारः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–2

30. (C) **31.** (C) **32.** (B) **33.** (C) **34.** (C) **35.** (C) **36.** (B) **37.** (B) **38.** (A) **39.** (C) **40.** (D) **41.** (B) **42.** (B) **43.** (A)

44. 'करुणरसस्य' स्थायिभावः वर्तते –

(A) भयम् (B) क्रोधः
(C) जुगुप्सा (D) शोकः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/223) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–116

45. 'मदेन भाति कलभः प्रतापेन महीपतिः' इति वाक्यं कस्यालङ्कारस्य उदाहरणम् अस्ति –

(A) उपमालङ्कारस्य (B) दीपकालङ्कारस्य
(C) अर्थान्तरन्यासालङ्कारस्य (D) दृष्टान्तालङ्कारस्य

46. 'सौन्दर्यमलङ्कारः' इति केन प्रतिपादितम् –

(A) रुय्यकेन (B) रुद्रटेन
(C) भामहेन (D) वामनेन

स्रोत–छन्दोलंकारसौरभम् - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज–54

47. विश्वनाथः अस्ति –

(A) रसवादी (B) अलङ्कारवादी
(C) ध्वनिवादी (D) वक्रोक्तिवादी

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

48. भरतेनोक्ताः कति अलङ्काराः सन्ति –

(A) चत्वारः
(B) विंशतिः
(C) पञ्च
(D) सप्त

स्रोत—नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू. पेज–17

49. 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र वर्तते –

(A) उपादानलक्षणा
(B) गौणी लक्षणा
(C) प्रयोजनवती लक्षणा
(D) सारोपा लक्षणा

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–53

50. 'व्यक्तिविवेकस्य' रचयिता का वर्तते –

(A) अभिनवगुप्तः (B) भट्टनायकः
(C) भट्टतौतः (D) महिमभट्टः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–582

44. (D) **45.** (D) **46.** (D) **47.** (A) **48.** (A) **49.** (C) **50.** (D)

28	दिसम्बर 2009	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : अस्मिन् प्रश्नपत्रे पञ्चाशत् (50) बहुवैकल्पिकप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य अङ्कद्वयं (2) वर्तते। सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. कः द्युस्थानीयो देवः अस्ति –
(A) वायुः (B) सूर्यः
(C) इन्द्रः (D) रुद्रः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

2. दशतयी शब्देन कः उच्यते –
(A) ऋग्वेदः (B) यजुर्वेदः
(C) सामवेदः (D) अथर्ववेदः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–35

3. निरुक्तानुसारं मुख्यतः कति देवताः –
(A) चतस्रः (B) पञ्च
(C) तिस्रः (D) सप्त
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

4. 'मैत्रायणीसंहिता' कुत्र वर्तते –
(A) ऋग्वेदे (B) यजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

5. कति लक्षणात्मकः ब्राह्मणग्रन्थो भवति –
(A) दश (B) द्वादश
(C) पञ्च (D) एकादश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

6. 'विश्वामित्रनदीसंवादः' कुत्र वर्तते –
(A) ऋग्वेदस्य दशममण्डले
(B) ऋग्वेदस्य तृतीयमण्डले
(C) यजुर्वेदस्य पञ्चमाध्याये
(D) अथर्ववेदस्य द्वितीयकाण्डे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

7. ''आत्मनस्तु कामाय सर्वं प्रियं भवति'' इति उक्तम् -
(A) कठोपनिषदि (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) मुण्डकोपनिषदि (D) छान्दोग्योपनिषदि
स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–546

8. उपनिषदा प्रतिपाद्यते –
(A) कर्मकाण्डम् (B) ज्ञानकाण्डम्
(C) यन्त्रज्ञानम् (D) वास्तुज्ञानम्
स्रोत–तैत्तिरीयोपनिषद् - चुन्नीलाल शुक्ल प्रस्तावना, पेज–1

9. वेदस्य अपौरुषेयत्त्वं कः स्वीकरोति –
(A) वेबरः (B) मैक्समूलरः
(C) विल्सनः (D) जैमिनिः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–12

10. मैक्समूलरमतानुसारम् ऋग्वेदस्य कालो वर्तते –
(A) 1200 ई. पू. (B) 3000 ई. पू.
(C) 5000 ई. पू. (D) 4000 ई. पू.
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

11. ऋग्वेदसंहितायाम् अष्टकसंख्या अस्ति –
(A) दश (B) द्वादश
(C) अष्टौ (D) चतुष्षष्टिः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

12. वेदाङ्गेषु छन्दः उपमीयते –
(A) पादाभ्याम् (B) चक्षुषा
(C) मुखेन (D) श्रोत्रेण
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

13. 'उपादानग्रहणात्' इत्येतेन कः पुष्यते –
(A) सत्कार्यवादः (B) पुरुषसिद्धिः
(C) प्रकृतिसिद्धिः (D) सृष्टिप्रक्रिया
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-100

1. (B) **2.** (A) **3.** (C) **4.** (B) **5.** (A) **6.** (B) **7.** (B) **8.** (B) **9.** (D) **10.** (A) **11.** (C) **12.** (A) **13.** (A)

14. जन्ममरणकरणानाम् इत्येतेन सिद्धम् –

(A) प्रकृतिस्वरूपम् (B) गुणस्वरूपम्
(C) दुःखस्वरूपम् (D) पुरुषबहुत्त्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 18)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–180

15. कर्तृत्वं कस्य धर्मः अस्ति –

(A) पुरुषस्य (B) अहङ्कारस्य
(C) मूलप्रकृतेः (D) ज्ञानेन्द्रियाणाम्

स्रोत–सांख्यकारिका-20 - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–191

16. चैतन्यम् अस्ति –

(A) प्रकृतेः (B) पुरुषस्य
(C) गुणत्रयस्य (D) महाभूतस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 20)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–191

17. जीवन्मुक्तिः कस्मिन् दर्शने अस्ति –

(A) जैनदर्शने (B) बौद्धदर्शने
(C) चार्वाकदर्शने (D) वेदान्तदर्शने

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–185

18. व्यानः वायुर्वर्तते –

(A) हृदि (B) नाभिमण्डले
(C) कण्ठदेशे (D) सर्वशरीरगः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–69

19. 'वेदान्तसारस्य' कर्त्ता कः अस्ति –

(A) ईश्वरकृष्णः (B) सदानन्दः
(C) सुरेश्वराचार्यः (D) शङ्कराचार्यः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–xix

20. अनुबन्धः अस्ति –

(A) पञ्च (B) त्रयः
(C) चत्वारः (D) द्वौ

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

21. प्रत्यक्षं ज्ञानमस्ति –

(A) योगार्थसन्निकर्षजम् (B) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजम्
(C) पदार्थसन्निकर्षजम् (D) तत्त्वार्थसन्निकर्षजम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–16

22. 'तन्तुपटयोः' कः सम्बन्धः –

(A) समवायिसम्बन्धः (B) असमवायिसम्बन्धः
(C) निमित्तसम्बन्धः (D) न कोऽपि सम्बन्धः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–71

23. हेत्वाभासः कतिविधः ?

(A) चतुर्विधः (B) पञ्चविधः
(C) द्विविधः (D) त्रिविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–95

24. न्यायमते कति प्रमाणानि सन्ति ?

(A) षट् (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) त्रीणि

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–50

25. क्तक्तवतूप्रत्यययोः का संज्ञा अस्ति –

(A) टि (B) घि
(C) नदी (D) निष्ठा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

26. ईदूदेद्द्विवचनं किं भवति –

(A) प्रातिपदिकम् (B) सुप्
(C) प्रगृह्यम् (D) तद्धितः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13

27. 'इचुयशानां' किं स्थानम् –

(A) दन्तः (B) मूर्धा
(C) तालु (D) ओष्ठौ

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

28. पदम् अस्ति –

(A) योग्यताकांक्षासत्तियुक्तम् (B) सुप्तिङन्तम्
(C) समासयुक्तम् (D) सन्धियुक्तम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114

29. ''सह साकं सार्धम्'' इतियोगे किं कारकं भवति –

(A) कर्त्ता (B) कर्म
(C) करणम् (D) सम्प्रदानम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–43

14. (D)	**15.** (C)	**16.** (B)	**17.** (D)	**18.** (D)	**19.** (B)	**20.** (C)	**21.** (B)	**22.** (A)	**23.** (B)	**24.** (B)
25. (D)	**26.** (C)	**27.** (C)	**28.** (B)	**29.** (C)						

30. 'एकाल् प्रत्ययः' किम् –
(A) घि (B) नदी
(C) उपधा (D) अपृक्तम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

31. कादयो मावसानाः सन्तिः –
(A) स्पर्शाः (B) अर्धस्वराः
(C) तालव्याः (D) मूर्धन्याः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

32. 'भारतीय-आर्यभाषायाः' कति अवस्थाः सन्ति –
(A) चतस्त्रः (B) पञ्च
(C) तिस्रः (D) षट्
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–425

33. 'परः सन्निकर्षः' अस्ति –
(A) वृद्धिः (B) प्रातिपदिकम्
(C) सर्वनामस्थानम् (D) संहिता
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

34. ''पञ्चानां गङ्गानां समाहारः'' इत्यत्र समासः अस्ति –
(A) द्विगुः (B) तत्पुरुषः
(C) अव्ययीभावः (D) बहुव्रीहिः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–43

35. मूर्धन्येषु अन्तर्भवति –
(A) य् (B) ल्
(C) ष् (D) ह्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

36. समीचीनां तालिकां चिनुत –
(अ) अपृक्तम् (i) अदेङ्
(ब) वृद्धिः (ii) इग्यणः
(स) गुणः (iii) एकाल् प्रत्ययः
(द) सम्प्रसारणम् (iv) आदैच्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.2.41 पेज–68, ब = 1.1.1 पेज–05, स = 1.1.2 पेज–06, द = 1.1.44 पेज–26

37. ''पुष्पेभ्यः स्पृहयति'' अत्र केन सूत्रेण विभक्तिः –
(A) कर्तृकर्मणोः कृति
(B) अपादाने पञ्चमी
(C) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः
(D) स्पृहेरीप्सितः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–49

38. 'हर्षचरितस्य' रचयिता अस्ति –
(A) बाणभट्टः (B) श्रीहर्षः
(C) दण्डी (D) हर्षदेवः
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–395

39. ''वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः'' - इत्यस्ति –
(A) शिशुपालवधे (B) बुद्धचरिते
(C) किरातार्जुनीये (D) नैषधीयचरिते
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/8) –अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–50

40. 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' - इति वाक्यस्य कर्ता वर्तते –
(A) कालिदासः (B) माघः
(C) श्रीहर्षः (D) भारविः
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/22)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–240

41. 'पदलालित्याय' सुप्रसिद्धः कविरस्ति –
(A) भारविः (B) कालिदासः
(C) दण्डी (D) भवभूतिः
संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–477

42. प्रतीयमानार्थस्य प्रतिपादिका शक्तिर्भवति –
(A) व्यञ्जना (B) लक्षणा
(C) अभिधा (D) तात्पर्या
स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) – आचार्य विश्वेश्वर, पेज–13

43. 'शान्तरसस्य' स्थायीभावः वर्तते –
(A) शोकः (B) शमः (निर्वेदः)
(C) उत्साहः (D) भयम्
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/245) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–121

30. (D) **31.** (A) **32.** (C) **33.** (D) **34.** (C) **35.** (C) **36.** (A) **37.** (D) **38.** (A) **39.** (C) **40.** (A) **41.** (C) **42.** (A) **43.** (B)

44. 'सौन्दरनन्दमहाकाव्यस्य' रचयिता वर्तते –

(A) शङ्कराचार्यः (B) कालिदासः
(C) अश्वघोषः (D) हर्षदेवः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–228

45. 'डिम' इति रूपके अङ्काः भवन्ति –

(A) 5 (B) 6
(C) 10 (D) 4

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/242) शालिग्राम शास्त्री, पेज–216

46. 'प्रकरणस्य' उदाहरणं भवति –

(A) मुद्राराक्षसम् (B) मृच्छकटिकम्
(C) मालविकाग्निमित्रम् (D) वेणीसंहारम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मकइतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–307

47. कादम्बरी अस्ति –

(A) आख्यायिका (B) कथा
(C) परिकथा (D) कथानिका

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–395

48. ''श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्'' इत्यस्ति –

(A) रामायणे
(B) महाभारते
(C) रघुवंशे
(D) वेणीसंहारे

स्रोत–रघुवंशम् (2/2) कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–43

49. वाल्मीकिरामायणे प्रधानरसः अस्ति –

(A) शान्तः (B) करुणः
(C) वीरः (D) रौद्रः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–112

50. 'हनुमानब्धिमतरत् दुष्करं किं महात्मनाम्' - इति वाक्यं कस्यालङ्कारस्य उदाहरणम् –

(A) उपमालङ्कारस्य
(B) दृष्टान्तालङ्कारस्य
(C) दीपकालङ्कारस्य
(D) अर्थान्तरन्यासालङ्कारस्य

स्रोत–चन्द्रालोक (5.68), कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–133

44. (C) **45.** (D) **46.** (B) **47.** (B) **48.** (C) **49.** (B) **50.** (D)

29	जून 2010	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : अस्मिन् प्रश्नपत्रे पञ्चाशत् (50) बहुवैकल्पिकप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य अङ्कद्वयं (2) वर्तते। सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. 'दशतयी' इति शब्देन कः विधीयते –
(A) यजुर्वेदः (B) सामवेदः
(C) ऋग्वेदः (D) अथर्ववेदः
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–35

2. का 'अन्तरिक्षदेवता' अस्ति –
(A) विष्णुः (B) इन्द्रः
(C) वरुणः (D) अग्निः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

3. 'ईशोपनिषद्' केन सह सम्बद्धा वर्तते –
(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. 'पुरूरवा-उर्वशी-संवादः' कस्मिन् मण्डले वर्तते –
(A) सप्तममण्डले (B) दशममण्डले
(C) नवममण्डले (D) तृतीयमण्डले
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

5. 'वेदस्यापौरुषेयत्वं' कः न स्वीकरोति –
(A) विन्टरनिट्ज़ः (B) सायणः
(C) माधवः (D) दयानन्दः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–17, 18, 23

6. कस्मात् कृष्णयजुर्वेदः कथ्यते –
(A) वैशम्पायनप्रणीतत्वात्
(B) मन्त्रब्राह्मणयोः साङ्कर्यात्
(C) दक्षिणदेशप्रसिद्धत्वात्
(D) पाठभेदात्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–68

7. कति विकृतयः सन्ति –
(A) पञ्च (B) सप्त
(C) अष्ट (D) दश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

8. ऋग्वेदस्य ब्राह्मणम् अस्ति –
(A) ऐतरेयब्राह्मणम् (B) तैत्तिरीयब्राह्मणम्
(C) आर्षेय-ब्राह्मणम् (D) गोपथब्राह्मणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

9. कः कल्पसूत्रविषयः अस्ति –
(A) यागप्रयोगक्रमप्रतिपादनम् (B) शब्दार्थनिरूपणम्
(C) वेदार्थनिरूपणम् (D) पाठभेदनिरूपणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–213

10. 'अहेडमानः' इति कुत्र वर्तते –
(A) वरुणसूक्ते (B) रुद्रसूक्ते
(C) विष्णुसूक्ते (D) बृहस्पतिसूक्ते
स्रोत–ऋग्वेद - 1.24.11

11. 'लोकमान्यतिलकमते' वेदस्य कालः –
(A) त्रिसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम्
(B) सार्धत्रिसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम्
(C) पञ्चसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम्
(D) दशसहस्रवर्षेभ्यः पूर्वम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

12. कः कोशः 'कारणशरीरम्' अस्ति –
(A) मनोमयकोशः (B) आनन्दमयकोशः
(C) विज्ञानमयकोशः (D) प्राणमयकोशः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–43

13. न्यायमते कति 'प्रमाणानि' सन्ति –
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–50

14. 'शब्दो न प्रमाणम्' इति कस्य मतम् –
(A) सांख्यस्य (B) योगस्य
(C) न्यायस्य (D) बौद्धस्य
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–136

1. (C) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (B) **5.** (A) **6.** (B) **7.** (C) **8.** (A) **9.** (A) **10.** (A) **11.** (C) **12.** (B) **13.** (B) **14.** (D)

15. अनिर्वचनीयशब्दार्थः कः अस्ति –

(A) सद्भिन्नत्वम् (B) असद्भिन्नत्वम्

(C) सदसद्भिन्नत्वम् (D) अन्यद् यत् किञ्चित्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

16. वेदान्तमते 'लिङ्गशरीरघटकाः' कति सन्ति –

(A) पञ्चदश (B) षोडश

(C) सप्तदश (D) अष्टादश

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

17. ज्ञानेन्द्रियाणां कस्माद् भूतांशाद् उत्पत्तिः भवति –

(A) राजसात् (B) सात्त्विकात्

(C) तामसात् (D) सम्मिलितात्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

18. सत्कार्यवादसाधकाः कति हेतवः ?

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

19. 'शब्दः' कस्य विशेषगुणः अस्ति –

(A) वायोः (B) आकाशस्य

(C) आत्मनः (D) कालस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–43

20. संस्कारः कस्मिन् पदार्थे अन्तर्भवति –

(A) द्रव्ये (B) गुणे

(C) कर्मणि (D) अभावे

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–29

21. सत्त्वरजस्तमसां साम्यावस्था किं कथ्यते –

(A) मूलप्रकृतिः (B) बुद्धिः

(C) अहङ्कारः (D) कैवल्यम्

स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

22. अकुहविसर्जनीयानाम् उच्चारणस्थानं किम् ?

(A) मूर्धा (B) दन्ताः

(C) कण्ठः (D) तालु

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

23. 'वृद्धिसंज्ञाविधायकं' सूत्रं किम् अस्ति –

(A) वृद्धिरादैच् (B) वृद्धिरेचि

(C) अदेङ् गुणः (D) एचोऽयवायावः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–05

24. 'दम्पती' - अस्मिन् पदे समास-विग्रहः भवति :

(A) पिता च भ्राता च (B) पिता च पतिश्च

(C) पिता च पुत्रश्च (D) जाया च पतिश्च

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–235

25. स्पर्शवर्णाः के ?

(A) ऊष्मवर्णाः (B) स्वराः

(C) कादयो मावसानाः (D) अन्तःस्थाः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

26. 'संहितासंज्ञाविधायकं' सूत्रं किम् अस्ति –

(A) उच्चैः........... (B) नीचैः.........

(C) समाहारः....... (D) परः सन्निकर्षः......

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

27. 'क्तक्तवतू ....' इति सूत्रेण का संज्ञा विधीयते –

(A) गतिः (B) निष्ठा

(C) उपधा (D) सवर्णम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

28. 'भी' धातुप्रयोगे भयहेतौ का विभक्तिः भवति –

(A) तृतीया (B) षष्ठी

(C) पञ्चमी (D) सप्तमी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–60

29. 'पुष्पेभ्यः स्पृहयति' इत्यत्र चतुर्थी-विधायकं सूत्रं किम् अस्ति –

(A) अकथितं च (B) दिवः कर्म च

(C) स्पृहेरीप्सितः (D) आख्यातोपयोगे

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–49

15. (C) **16.** (C) **17.** (B) **18.** (C) **19.** (B) **20.** (B) **21.** (A) **22.** (C) **23.** (A) **24.** (D) **25.** (C) **26.** (D) **27.** (B) **28.** (C) **29.** (C)

30. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) सवर्णम् (i) सुप्तिङन्तम्

(ब) उदात्तः (ii) यू स्र्याख्यौ

(स) पदम् (iii) तुल्यास्यप्रयत्नम्

(द) नदी (iv) उच्चैः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.1.9 पेज–11, ब = 1.2.29 पेज–66, स = 1.4.14 पेज–114, द = 1.4.3 पेज–109

31. कः अर्धस्वर इति निर्दिश्यताम् –

(A) अ (B) ई

(C) ह् (D) य्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–147

32. कः सन्ध्यक्षरः –

(A) अ (B) औ

(C) ऌ (D) ई

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–43

33. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' इत्यस्ति –

(A) शिशुपालवधे (B) नैषधीयचरिते

(C) रघुवंशे (D) किरातार्जुनीये

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–42

34. उत्तररामचरिते अङ्गीरसः कः –

(A) वीरः (B) शृङ्गारः

(C) करुणः (D) हास्यः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–82

35. कः पदस्य मुख्यार्थः –

(A) लक्ष्यार्थः (B) व्यङ्ग्यार्थः

(C) वाच्यार्थः (D) तात्पर्यार्थः

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/3-4) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–26

36. नाटके इतिवृत्तं किं भवति –

(A) कल्पितम् (B) प्रसिद्धम्

(C) अप्रसिद्धम् (D) मिश्रम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/7) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

37. कस्य रूपकेषु प्रस्तावना 'स्थापना' इत्युच्यते –

(A) शूद्रकस्य (B) श्रीहर्षस्य

(C) भासस्य (D) भट्टनारायणस्य

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा रेग्मी, भू.पेज–12

38. कस्मिन् सन्ति त्रयो गुणाः –

(A) मेघदूते (B) रघुवंशे

(C) नैषधीये (D) शिशुपालवधे

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–212

39. ''भगवद्गीता'' महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि दृश्यते–

(A) सभापर्वणि (B) शल्यपर्वणि

(C) भीष्मपर्वणि (D) द्रौणपर्वणि

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–158

40. स्थायिभावाः कति सन्ति –

(A) अष्ट (B) पञ्च

(C) दश (D) सप्त

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–99

41. 'रत्नावली' कस्मिन् काव्यप्रभेदे अन्तर्भवति –

(A) नाटिकायाम् (B) सट्टके

(C) प्रकरणिकायाम् (D) भाणे

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, भू. पेज–17

42. अभिधापुच्छभूता का –

(A) व्यञ्जना (B) लक्षणा

(C) तात्पर्या (D) भावना

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–251

43. भाणे नायकः कः भवति –

(A) चेटः (B) विदूषकः

(C) विटः (D) शकारः

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/227-228) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

30. (D) **31.** (D) **32.** (B) **33.** (D) **34.** (C) **35.** (C) **36.** (B) **37.** (C) **38.** (D) **39.** (C) **40.** (A) **41.** (A) **42.** (B) **43.** (C)

44. 'शान्तरसस्य' स्थायीभावः कः अस्ति –

(A) शोकः (B) निर्वेदः
(C) भयम् (D) उत्साहः

स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-47) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–138

45. 'रसप्रस्थानस्य' प्रवर्त्तकः कः –

(A) भामहः (B) भरतः
(C) विश्वनाथः (D) वामनः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–591

46. सन्देशकाव्यप्रस्थानं केन समारब्धम् –

(A) अश्वघोषेण (B) कालिदासेन
(C) कुन्तकेन (D) वामनेन

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–334

47. नाटके अर्थप्रकृतयः कति भवन्ति –

(A) तिस्रः (B) पञ्च
(C) सप्त (D) दश

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/64-65) शालिग्राम शास्त्री, पेज–182

48. स्वप्नवासवदत्ते कति अङ्काः सन्ति –

(A) पञ्च (B) षट्
(C) सप्त (D) अष्ट

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा 'रेग्मी', भू. पेज–04

49. का कृतिः भासविरचिता नास्ति ?

(A) प्रतिमानाटकम् (B) ऊरुभङ्गम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) वासवदत्ता

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–482

50. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) नागानन्दम् (i) विष्णुशर्मा
(ब) गीतगोविन्दम् (ii) बाणभट्टः
(स) पञ्चतन्त्रम् (iii) जयदेवः
(द) हर्षचरितम् (iv) हर्षवर्धनः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(3)	(iv)
(D)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– अ = 365, ब = 548, स = 575, द = 491

44. (B) **45.** (B) **46.** (B) **47.** (B) **48.** (B) **49.** (D) **50.** (B)

30	दिसम्बर 2010	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : अस्मिन् प्रश्नपत्रे पञ्चाशत् (50) बहुवैकल्पिकप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य अङ्कद्वयं (2) वर्तते। सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. का द्युस्थानदेवता अस्ति –

(A) सविता (B) चन्द्रमा
(C) वायुः (D) बृहस्पति

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

2. 'सामवेदस्य' कति ब्राह्मणानि सन्ति –

(A) अष्टौ (B) दश
(C) चत्वारि (D) नव

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

3. 'मैत्रायणीसंहिता' कस्य वेदस्य अस्ति –

(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. छान्दोग्योपनिषद् कस्य वेदस्य अस्ति –

(A) सामवेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) अथर्ववेदस्य (D) यजुर्वेदस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

5. 'विश्वामित्र-नदीसंवादः' कस्मिन् मण्डले वर्तते –

(A) दशममण्डले (B) अष्टममण्डले
(C) तृतीयमण्डले (D) षष्ठमण्डले

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

6. 'जगतीछन्दसि' प्रत्येकस्मिन् पादे कत्यक्षराणि भवन्ति–

(A) दश (B) षोडश
(C) अष्ट (D) द्वादश

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

7. कति भावविकाराः भवन्ति –

(A) पञ्च (B) सप्त
(C) नव (D) षट्

स्रोत–निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

8. 'वाष्कलसंहिता' कुत्र वर्तते –

(A) शुक्लयजुर्वेदे
(B) सामवेदे
(C) ऋग्वेदे
(D) कृष्णयजुर्वेदे

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज 46

9. संहिताध्ययनानन्तरं कः पाठः विधीयते –

(A) क्रमपाठः (B) पदपाठः
(C) जटापाठः (D) घनपाठः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

10. वेदस्य नासिकात्वेनोपमीयते –

(A) निरुक्तम् (B) छन्दः
(C) शिक्षा (D) कल्पः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

11. 'याज्ञवल्क्यमैत्रेयीसंवादः' कुत्र प्राप्यते –

(A) बृहदारण्यकोपनिषदि (B) छान्दोग्योपनिषदि
(C) जाबालोपनिषदि (D) ऐतरेयोपनिषदि

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184

12. अथर्ववेदे कति काण्डानि सन्ति –

(A) पञ्चविंशतिः (B) विंशतिः
(C) एकोनविंशतिः (D) अष्टादश

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–102

13. निष्प्रकारकं ज्ञानं किम् –

(A) स्मृतिः (B) अनुमितिः
(C) प्रत्यभिज्ञा (D) निर्विकल्पकः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–75

14. उपमानं प्रमाणं किम् –

(A) इन्द्रियम् (B) व्याप्तिज्ञानम्
(C) सादृश्यज्ञानम् (D) शक्तिज्ञानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–104

1. (A) **2.** (A) **3.** (B) **4.** (A) **5.** (C) **6.** (D) **7.** (D) **8.** (C) **9.** (B) **10.** (C) **11.** (A) **12.** (B) **13.** (D) **14.** (C)

15. न्यायमते शब्दशक्तिः कुत्र –

(A) जातौ
(B) व्यक्तौ
(C) आकृतौ
(D) जात्याकृतिविशिष्टव्यक्तौ

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–49

16. वेदान्तमते कतिविधं शरीरम् –

(A) त्रिविधम् (B) द्विविधम्
(C) एकविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–42

17. पञ्चप्राणादिवायूनां कुतः उत्पत्तिः वेदान्तमते –

(A) तामसाद् भूतांशात् (B) व्यस्ताद् राजसादंशात्
(C) समस्ताद् राजसादंशात् (D) सात्विकादंशात्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–72

18. सांख्यमते माध्यस्थ्यं कस्य स्वरूपम् –

(A) पुरुषस्य (B) प्रधानस्य
(C) बुद्धेः (D) अहङ्कारस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 19)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–186

19. सांख्यमते कार्यकारणसिद्धान्तः कः अस्ति –

(A) आरम्भवादः (B) परिणामवादः
(C) संघातवादः (D) विवर्तवादः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

20. कैवल्यं सांख्यमते कतिविधम् अस्ति –

(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्
(C) एकविधम् (D) बहुविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 68)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–337

21. साध्याभावव्याप्तो हेत्वाभासः कः –

(A) बाधितविषयः (B) सत्प्रतिपक्षः
(C) साधारणः (D) विरुद्धः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–98

22. अज्ञानं किं रूपम् अस्ति –

(A) भावरूपम् (B) अभावरूपम्
(C) भावाऽभावरूपम् (D) अनुभवरूपम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

23. 'उपधा'- संज्ञा केन सूत्रेण भवति –

(A) परः सन्निकर्षः (B) हलोऽनन्तराः
(C) कृत्तद्धितसमासाश्च (D) अलोऽन्त्यात्पूर्व

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48

24. 'हलोऽनन्तराः ....' इति सूत्रेण का संज्ञा भवति –

(A) संहितासंज्ञा (B) उपसर्गः
(C) लघुसंज्ञा (D) संयोगः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–10

25. 'कर्मधारयसमास-विधायकं' सूत्रं किम् अस्ति –

(A) सह सुपा (B) अनेकमन्यपदार्थे
(C) विशेषणं विशेष्येण बहुलम् (D) अर्धं नपुंसकम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (2.1.56) - ईश्वरचन्द्र, पेज–171

26. 'वीरपुरुषको ग्रामः' इत्यत्र कः समासः –

(A) अव्ययीभावः (B) बहुव्रीहिः
(C) तत्पुरुषः (D) द्वन्द्वः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–192

27. 'श्रीः' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे प्रथमा –

(A) प्रातिपदिकार्थमात्रे (B) परिमाणमात्रे
(C) लिङ्गमात्रे (D) वचनमात्रे

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–14

28. 'अनुक्ते कर्मणि' का विभक्तिः भवति –

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) प्रथमा (D) चतुर्थी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–17

29. 'आख्यातोपयोगे' इत्यनेन किं विधीयते ?

(A) अपादानसंज्ञा (B) सम्प्रदानसंज्ञा
(C) अधिकरणसंज्ञा (D) कर्मसंज्ञा

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–62

30. 'स्वाहा'-शब्दयोगे का विभक्तिः भवति –

(A) पञ्चमी (B) चतुर्थी
(C) सप्तमी (D) तृतीया

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–55

15. (D)	**16.** (A)	**17.** (C)	**18.** (A)	**19.** (B)	**20.** (A)	**21.** (D)	**22.** (A)	**23.** (D)	**24.** (D)	**25.** (C)
26. (B)	**27.** (A)	**28.** (A)	**29.** (A)	**30.** (B)						

31. 'कर्तृकर्मणोः कृति' इति सूत्रेण किं विधीयते –
(A) चतुर्थी (B) पञ्चमी
(C) सप्तमी (D) षष्ठी
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–82

32. आधारः कतिविधः –
(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः
(C) पञ्चविधः (D) षड्विधः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93

33. ''रीतिरात्मा काव्यस्य'' इति कस्य मतम् –
(A) रुद्रटस्य (B) भामहस्य
(C) वामनस्य (D) उद्भटस्य
स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–592

34. ''प्रज्ञा नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा मता'' इति केनोक्तम् ?
(A) भट्टतौतेन (B) अभिनवगुप्तेन
(C) भट्टनायकेन (D) महिमभट्टेन
स्रोत–रसगंगाधर - मदनमोहन झा, पेज–29

35. आनन्दवर्धनः कस्य सभापण्डितः आसीत् –
(A) अशोकस्य (B) शाहजहानस्य
(C) अवन्तिवर्मणः (D) औसफ्-अलेः
स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, भू. पेज–34

36. कविकुलगुरुः कः –
(A) माघः (B) कालिदासः
(C) अश्वघोषः (D) भारविः
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–167

37. 'लोचनं' कस्य ग्रन्थस्य व्याख्यानम् अस्ति –
(A) नाट्यशास्त्रस्य (B) काव्यादर्शस्य
(C) ध्वन्यालोकस्य (D) काव्यालङ्कारस्य
स्रोत–ध्वन्यालोक - विश्वेश्वर, पेज–02

38. नाटके कति सन्धयः भवन्ति –
(A) द्वौ (B) त्रयः
(C) नव (D) पञ्च
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/74-75) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–184

39. माधुर्यगुणस्य कस्मिन् रसे प्रकर्षः वर्तते –
(A) शृङ्गारे (B) करुणे
(C) हास्ये (D) वीरे
स्रोत–साहित्यदर्पण (8/2) - शालिग्रामशास्त्री, पेज–264-265

40. 'वीभत्सरसस्य' स्थायीभावः कः –
(A) भयम् (B) जुगुप्सा
(C) उत्साहः (D) विस्मयः
स्रोत–साहित्यदर्पण (3/242) शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

41. ''स वाक्य एकस्मिन् यत्रानेकार्थता भवेत्'' इत्यत्र 'स' इत्यस्य कोऽर्थः –
(A) निदर्शना (B) समासोक्तिः
(C) श्लेषः (D) रूपकम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-146) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–473

42. ''अव्यापन्नः कुशलमबले पृच्छति त्वां वियुक्तः'' अत्र छन्दः किम् –
(A) विद्युन्माला (B) मन्दाक्रान्ता
(C) अनुष्टुप् (D) शिखरिणी
स्रोत–मेघदूतम् (उत्तरमेघ-41) - दयाशंकर शास्त्री, पेज-140

43. लोके यानि कारणानि तानि काव्ये नाटके च केन नाम्ना व्यपदिश्यन्ते –
(A) भावाः (B) अनुभावाः
(C) सञ्चारिणः (D) विभावाः
स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–64

44. नाटके न्यूनतमाः अङ्काः कति ?
(A) पञ्च (B) सप्त
(C) अष्ट (D) नव
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/8) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–171

45. 'सा च काव्यघटनानुकूलशब्दार्थोपस्थितिः' इत्यत्र 'सा' का –
(A) निपुणता (B) अभ्यासः
(C) भावना (D) प्रतिभा
स्रोत–रसगंगाधर (प्रथम आनन) - मदनमोहन झा, पेज–27

31. (D) **32.** (A) **33.** (C) **34.** (B) **35.** (C) **36.** (B) **37.** (C) **38.** (D) **39.** (A) **40.** (B) **41.** (C) **42.** (B) **43.** (D) **44.** (A) **45.** (D)

46. काव्ये रसस्य येऽङ्गिनमर्थमवलम्बन्ते ते के –

(A) संघटनाः (B) गुणाः
(C) अलङ्काराः (D) भावाः

स्रोत–साहित्यदर्पण (8/1) शालिग्राम शास्त्री, पेज–264

47. ऊरुभङ्गे नायकः कः –

(A) दुर्योधनः (B) भीमः
(C) धृतराष्ट्रः (D) श्रीकृष्णः

स्रोत–संस्कृत कवि दर्शन - भोला शंकर व्यास, पेज–193

48. ''शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्'' इति कुत्र वर्तते –

(A) रघुवंशे (B) शाकुन्तले
(C) मेघदूते (D) कुमारसम्भवे

स्रोत–कुमारसम्भवम् (5/33) प्रद्युम्न पाण्डेय, पेज–131

49. 'करुणरसस्य' स्थायीभावः कः –

(A) क्रोधः
(B) भयम्
(C) शोकः
(D) शमः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/223) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–116

50. 'काव्यप्रकाशे' कति उल्लासाः सन्ति –

(A) सप्त
(B) दश
(C) एकादश
(D) पञ्च

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, भू. पेज–63

46. (B)	**47.** (B)	**48.** (D)	**49.** (C)	**50.** (B)

31	जून 2011	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं।प्रत्येक प्रश्न के दो **(2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'विष्णुसूक्तस्य' ऋषिः अस्ति –

(A) दीर्घतमा (B) हिरण्यस्तूपः
(C) गृत्समदः (D) हिरण्यगर्भः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–57

2. ''त्रेधा निदधे पदम्'' इति केन सह सम्बध्यते ?

(A) इन्द्रसूक्तेन (B) रुद्रसूक्तेन
(C) विष्णुसूक्तेन (D) उषस्सूक्तेन

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–168

3. ''चरैवेति चरैवेति'' इति वाक्यांशो कस्मिन् ग्रन्थेऽस्ति–

(A) शतपथब्राह्मणे (B) गोपथब्राह्मणे
(C) तैत्तिरीयब्राह्मणे (D) ऐतरेयब्राह्मणे

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–121

4. अधोऽङ्कितानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) ब्रह्मचारीसूक्तम् 1. घ्राणम्
(ब) मैत्रायणी आरण्यकम् 2. अथर्ववेदः
(स) अथेदं भस्मान्तं शरीरम् 3. कृष्णयजुर्वेदः
(द) शिक्षा 4. ईशावास्योपनिषद्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	4	1	3
(B)	3	2	1	4
(C)	3	2	4	1
(D)	2	3	4	1

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, अ-पेज–101, ब-पेज–165, स-ईशोपनिषद् मन्त्र-17, द-पेज–190

5. अधोऽङ्कितानां युग्मानां तालिकां विचिनुत –

(अ) मातृदेवो भव 1. बृहदारण्यकोपनिषद्
(ब) असतो मा सद् गमय 2. तैत्तिरीयोपनिषद्
(स) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया 3. छान्दोग्योपनिषद्
(द) तत्त्वमसि 4. मुण्डकोपनिषद्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	2	3	1
(D)	1	3	2	4

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद्–गीताप्रेस (अ) 364, (स) 265, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–(ब)-185, (द)-182

6. महर्षिः दयानन्दः कस्य भाष्यकारोऽस्ति

(A) अथर्ववेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) यजुर्वेदस्य (D) शतपथब्राह्मणस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–28

7. वेदस्य मुखं किमस्ति ?

(A) निरुक्तम् (B) शिक्षा
(C) व्याकरणम् (D) साहित्यम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

8. किं सत्यमस्ति ?

(A) 'श्रीमद्भगवद्गीता' अस्ति ऋग्वेदस्य आदिमसूक्तस्य व्याख्या
(B) प्रातिशाख्यस्य लेखकोऽस्ति पाणिनिः
(C) यजुर्वेदे सन्ति विंशतिः अध्यायाः
(D) वेदभाष्यकारोऽस्ति आचार्यः सायणः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17

1. (A) **2.** (C) **3.** (D) **4.** (D) **5.** (A) **6.** (C) **7.** (C) **8.** (D)

9. ''माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः'' इति वचनमस्ति –
(A) ऋग्वेदे (B) सामवेदे
(C) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् (D) अथर्ववेदे
स्रोत–अथर्ववेद - (12.1.12) - वेदान्ततीर्थ, पेज-91

10. किं सत्यम् अस्ति –
(A) शुनःशेपाख्यानमस्ति कौषीतकिब्राह्मणे
(B) नचिकेतसः कथा अस्ति - ऋग्वेदे
(C) कर्मकाण्डं चर्चितम् -आरण्यकेषु
(D) ऋग्वेदस्य प्रथमशब्दोऽस्ति - 'अग्निम्'
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - (1.1.1) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-55

11. ''ऊहः खल्वपि'' इति प्रयोजनम् अस्ति –
(A) कल्पवेदाङ्गस्य (B) ज्योतिर्वेदाङ्गस्य
(C) निरुक्तवेदाङ्गस्य (D) व्याकरणवेदाङ्गस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

12. वेदकालस्य निर्धारणे भारतीयज्योतिषपरम्परा केन परिपालिता –
(A) बालगङ्गाधरतिलकमहोदयेन (B) महर्षिदयानन्देन
(C) एम् विन्टरनिट्जमहोदयेन (D) महर्षिरमणेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

13. किं सत्यमस्ति ?
(A) महर्षिदयानन्दः - अथर्ववेदभाष्यकारः
(B) महर्षिरमणः - ताण्ड्यमहाब्राह्मणकारः
(C) यास्कः - प्रातिशाख्यकारः
(D) पिङ्गलः - छन्दशास्त्रकारः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199

14. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –
(अ) प्रभाकरः 1. अन्यथाख्यातिः
(ब) शङ्करः 2. अख्यातिः
(स) कुमारिलः 3. अनिर्वचनीयख्यातिः
(द) गौतमः 4. विपरीतख्यातिः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	2	1
(D)	4	2	3	1

स्रोत–भारतीयदर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज-202, 208, 204

15. कारणैकार्थपत्यासत्या को जनकः ?
(A) घटं प्रति कपालः (B) घटं प्रति दण्डः
(C) घटरूपं प्रति कपालरूपम् (D) घटं प्रति कपालम्
स्रोत–तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री, पेज–42

16. सांख्ये सर्गः कतिविधो भवति ?
(A) द्विविधः (B) चतुर्विधः
(C) षड्विधः (D) अष्टविधः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 52)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–295

17. ज्ञाततापदार्थः केन स्वीकृतः ?
(A) नैयायिकेन (B) वैशेषिकेण
(C) भट्टमीमांसकेन (D) प्रभाकरमीमांसकेन
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री पेज–160

18. असमवायिकारणनाशात् कस्य नाशो भवति ?
(A) द्रव्यस्य (B) गुणस्य
(C) कर्मणः (D) न कस्यापि
स्रोत–तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-36

19. त्रिवृत्करणं केषां भूतानां प्रतिपादितम् :
(A) पृथ्वीजलतेजसाम् (B) आकाशवायुतेजसाम्
(C) जलतेजवायूनाम् (D) पृथ्वीजलवायूनाम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–49

20. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत :
(अ) आरम्भवाद : 1. सांख्यानाम्
(ब) परिणामवादः 2. नैयायिकानाम्
(स) विवर्तवादः 3. अद्वैतवेदान्तिनाम्
(द) विज्ञानवादः 4. बौद्धानाम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	2	1	4
(B)	2	1	3	4
(C)	2	4	3	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–134, 258, 371

21. ज्ञानस्य प्रत्यक्षत्वं को न स्वीकरोति ?
(A) नैयायिकः (B) प्रभाकरमीमांसकः
(C) भट्टमीमांसकः (D) मुरारीमिश्रः
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–170

9. (D) **10.** (D) **11.** (D) **12.** (A) **13.** (D) **14.** (B) **15.** (C) **16.** (A) **17.** (C) **18.** (A) **19.** (A) **20.** (B) **21.** (A)

22. न्यायमते 'पदार्थत्वं' किमस्ति ?
(A) जातिः (B) अखण्डोपाधिः
(C) सखण्डोपाधिः (D) पदार्थान्तरम्
स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–04

23. ''उपरतिः'' इत्यस्य कोऽर्थ :?
(A) इन्द्रियाणां निग्रहः
(B) मनसो निग्रहः
(C) निगृहीतस्य मनसः श्रवणादौ स्थिरता
(D) निगृहीतानाम् इन्द्रियाणां विषयाकर्षणाभावः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

24. कः जीवन्मुक्तिं न स्वीकरोति ?
(A) नैयायिकः (B) मीमांसकः
(C) सांख्यः (D) अद्वैतवेदान्ती
स्रोत–भारतीय दर्शन की रूपरेखा - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, पेज–292

25. अधोनिर्दिष्टेषु किम् असत्यम् अस्ति ?
(A) जीवन्मुक्तिरेव विदेहमुक्तिः
(B) इच्छाशक्तिमान् करणरूपः मनोमयकोशः
(C) सांख्यमते दशेन्द्रियाणि भवन्ति
(D) वस्तुनि अवस्तुन आरोपः अध्यारोपः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 25)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–208

26. कस्य प्रातिपदिकसंज्ञा भवितुम् अर्हति –
(A) कृष्ण + अम् + श्रित +सु (B) भू +अ + ति
(C) हरि + ङि (D) यज्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–62

27. 'अग्निचित् ' इत्यत्र उपधासंज्ञा अस्ति –
(A) 'इत्' समुदायस्य (B) 'चित्' समुदायस्य
(C) 'त' वर्णस्य (D) 'इ' वर्णस्य
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.64) - ईश्वरचन्द्र, पेज–48

28. 'पशुना रुद्रं यजते' - इत्यत्र 'पशुना' पदे या तृतीया, सा वस्तुतः कस्मिन् कारकेऽस्ति –
(A) करणकारके (B) सम्प्रदानकारके
(C) कर्मकारके (D) कर्तृकारके
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–47

29. 'पुष्पाणि स्पृहयन्ति' - इत्यत्र 'पुष्पाणि' इत्यस्य कर्मसंज्ञा भवति –
(A) अनीप्सितत्वात् (B) ईप्सिततमत्वात्
(C) स्पृहधातोः प्रयोगात् (D) प्रकर्षाभावात्
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–49

30. अव्ययीभावसमासे अव्यय संज्ञायाः फलं किम् ?
(A) अव्ययसंज्ञा (B) प्रातिपदिकसंज्ञा
(C) सुब्लुक् (D) सुप्रत्ययानां प्राप्तिः
स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-2)-गोविन्दाचार्य, पेज–382

31. 'सुमद्रम्' - अत्र 'सु' अव्ययः कस्मिन्नर्थे वर्तते ?
(A) 'सुन्दरम्' इत्यस्मिन् अर्थे
(B) 'सुष्ठु' इत्यस्मिन् अर्थे
(C) 'समृद्धि' इत्यस्मिन् अर्थे
(D) 'समीपम्' इत्यस्मिन् अर्थे
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–28

32. 'स नपुंसकम् ' इत्यनेन सूत्रेण नपुंसकत्वं भवति –
(A) अव्ययीभावसमासे (B) बहुव्रीहिसमासे
(C) कर्मधारयसमासे (D) समाहारद्विगुसमासे
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–110

33. विशेष-संज्ञा-विनिर्मुक्तः समासः कः –
(A) अव्ययीभावसमासः (B) केवलसमासः
(C) तत्पुरुषसमासः (D) अनित्यसमासः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

34. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –
(अ) उपधा 1. सम्प्रदानम्
(ब) रुच्यर्थानां धातूनां प्रयोगे 2. अलोऽन्त्यात् पूर्वः
(स) अक्ष्णा काणः 3. कर्मकारकम्
(द) अधिशीङ्योगे 4. येनाङ्गविकारः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	4	2
(B)	3	1	2	4
(C)	2	4	1	3
(D)	2	1	4	3

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 1.1.64 पेज–48, ब = 1.4.33 पेज–123, स = 2.3.20 पेज–201, द = 1.4.46 पेज–126

22.(A) **23.**(D) **24.**(B) **25.**(C) **26.** (A) **27.**(D) **28.**(C) **29.**(B) **30.**(C) **31.**(C) **32.**(D) **33.**(B) **34.**(D)

35. कादयो मावसानाः वर्णाः भवन्ति –

(A) अन्तस्थाः (B) स्पर्शाः
(C) ऊष्माण: (D) जिह्वामूलीया:

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

36. एते वर्णाः तालुस्थानीयाः सन्ति –

(A) इ उ ऋ ऌ (B) अ क ह विसर्ग
(C) इ च य श (D) ऋ ट र ष

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–17

37. अयोगात्मकभाषासु न भवन्ति –

(A) उपसर्गाः (B) क्रियाः
(C) कारकाणि (D) लिङ्गानि

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–359

38. रघुवंशस्य कस्मिन् सर्गे दिलीपस्य गोसेवा वर्णिता ?

(A) प्रथमे (B) द्वितीये
(C) तृतीये (D) चतुर्थे

स्रोत–रघुवंशम् (सर्ग-2) - कृष्णमणि त्रिपाठी, भू. पेज-5-7

39. रघुः किन्नामकं यज्ञं चकार ?

(A) राजसूयम् (B) विश्वजित्
(C) अश्वमेधः (D) पुत्रेष्टिः

स्रोत–रघुवंशम् (4/86) - हरगोविन्द मिश्र, पेज–106

40. खण्डकाव्यम् अस्ति –

(A) दशकुमारचरितम् (B) नलचम्पूः
(C) मेघदूतम् (D) किरातार्जुनीयम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–525

41. किरातार्जुनीयस्य प्रतिसर्गस्य अन्तिमं पदं भवति –

(A) लक्ष्मीः (B) विभुः
(C) शिवः (D) श्रीः

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–186

42. ''क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः'' इयम् उक्तिः अस्ति –

(A) किरातार्जुनीये (B) शिशुपालवधे
(C) नैषधीयचरिते (D) कुमारसम्भवे

स्रोत–शिशुपालवधम् (4/17) - हरगोविन्द शास्त्री, पेज-181

43. सत्यं किमस्ति ?

(A) हर्षचरितं कथा अस्ति
(B) हर्षचरितम् आख्यायिका अस्ति
(C) हर्षचरितं चम्पूः अस्ति
(D) हर्षचरितं महाकाव्यम् अस्ति

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–463

44. अभिज्ञानशाकुन्तले विदूषकः कः ?

(A) वसन्तकः (B) माधव्यः (माढव्यः)
(C) मैत्रेयः (D) माणवकः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–90

45. स्वप्ननाटके 'भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाऽप्यदग्धा' कस्य वचनम् इदम् ?

(A) ब्रह्मचारिणः (B) यौगन्धरायणस्य
(C) विदूषकस्य (D) उदयनस्य

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् (1/13) - शेषराजशर्मा रेग्मी, पेज–41

46. शोको हि .... रसस्थायिभावः ।

(A) शृङ्गारः (B) वीरः
(C) करुणः (D) भयानकः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/226) शालिग्राम शास्त्री, पेज–117

47. 'अचिरेण च तस्याः स्वयं पतितैः फलैरपूर्यत भिक्षाभाजनम् '- कस्याः सम्बन्धे उक्तिः ?

(A) कादम्बर्याः सम्बन्धे (B) महाश्वेतायाः सम्बन्धे
(C) पत्रलेखायाः सम्बन्धे (D) मदलेखायाः सम्बन्धे

स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त) - प्रद्युम्न पाण्डेय, पेज–26

35.(B) **36.**(C) **37.**(A) **38.**(B) **39.**(B) **40.**(C) **41.**(A) **42.**(B) **43.**(B) **44.**(B) **45.**(A) **46.**(C) **47.**(B)

48. व्यभिचार्यञ्जितः को भवति –

(A) भावध्वनिः (B) रसः

(C) अलङ्कारः (D) रसाभासः

स्रोत–साहित्यदर्पण (परिच्छेद-3) - शालिग्राम शास्त्री पेज–47

49. अधो विन्यस्तानां कालानुसारिक्रमं चिनुत –

(A) कालिदासः । भासः । बाणभट्टः । भवभूतिः

(B) भासः । कालिदासः । बाणभट्टः । भवभूतिः

(C) भवभूतिः । कालिदासः । भासः। बाणभट्टः

(D) बाणभट्टः । भासः। भवभूतिः। कालिदासः

स्रोत–संस्कृतगङ्गा संस्कृतसाहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज–291

50. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –

(अ) नाटकम् 1. निन्दनीयः पुरुषः

(ब) प्रकरणम् 2. विटः

(स) भाणम् 3. धीरप्रशान्तः

(द) प्रहसनम् 4. धीरोदात्तः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री

पेज – अ = 171, ब = 214, स = 215, द = 220

48. (B) **49.** (B) **50.** (A)

32	दिसम्बर 2011	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

1. 'मघवन्' कस्या देवताया उपाधिर्वर्तते?

(A) इन्द्रस्य (B) सवितुः
(C) उषसः (D) रुद्रस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–42

2. यास्काचार्येण कतिविधा देवताः स्वीकृताः?

(A) चतस्रः (B) तिस्रः
(C) द्वे (D) त्रयस्त्रिंशत्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

3. याज्ञवल्क्यः कया उपनिषदा सह सम्बद्धः?

(A) ईशावास्योपनिषदा (B) छान्दोग्योपनिषदा
(C) बृहदारण्यकोपनिषदा (D) श्वेताश्वतरोपनिषदा

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184

4. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत

(अ) पुरूरवा-उर्वशीसंवादः 1. अथर्ववेदः
(ब) शिवसङ्कल्पसूक्तम् 2. ऋग्वेदः
(स) त्रिषष्टिश्चतुष्षष्टिर्वा वर्णाः 3. शुक्लयजुर्वेदः
(द) भूमिसूक्तम् 4. पाणिनीयशिक्षा

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	3	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी,
अ-पेज–57, ब-पेज–67, 75, द-पेज–109, स-पाणिनीय शिक्षा श्लोक-3

5. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत

(अ) यास्कः 1. ऋग्वेदः
(ब) यम-यमी 2. सामवेदः
(स) तैत्तिरीयब्राह्मणम् 3. निरुक्तम्
(द) तवलकार-आरण्यकम् 4. कृष्णयजुर्वेदः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	2	1
(B)	1	3	4	2
(C)	3	1	4	2
(D)	3	2	1	4

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी,
पेज–अ-204, ब-57, स-09, द-161

6. यज्ञे यजुर्वेदसम्बद्धोऽस्ति–

(A) होता (B) अध्वर्युः
(C) उद्गाता (D) ब्रह्मा

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–45

7. त्रिष्टुप्-छन्दसि अक्षराणि भवन्ति।

(A) 37 (B) 40
(C) 32 (D) 44

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

8. ज्योतिर्विज्ञानमाश्रित्य कः वेदानां कालनिर्धारणमकरोत्

(A) मैक्समूलरः (B) लोकमान्यतिलकः
(C) मैक्डॉनलः (D) सायणाचार्यः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

9. किं सत्यमस्ति?

(A) कालिदासो वेदभाष्यमकरोत्।
(B) दाराशिकोहः उपनिषदाम् अनुवादं कृतवान्।
(C) मम्मटो व्याकरणग्रन्थान् विरचितवान्।
(D) निरुक्तस्य प्रणेताऽस्ति पिङ्गलः।

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–169

10. ''रक्षार्थं वेदानामध्येयं व्याकरणम्'' इति कथनमस्ति–

(A) यास्काचार्यस्य (B) पाणिनेः
(C) पतञ्जलेः (D) दयानन्दस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–194

11. कल्पसाहित्ये न परिगण्यते

(A) पारस्करगृह्यसूत्रम् (B) कात्यायनश्रौतसूत्रम्
(C) बौधायनशुल्बसूत्रम् (D) कात्यायनप्रणीतं वार्तिकम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

12. किं सत्यमस्ति

(A) महर्षिदयानन्दः - अथर्ववेदभाष्यकारः
(B) महर्षिरमणः - ताण्ड्यमहाब्राह्मणकारः
(C) यास्कः - ऋग्वेदप्रातिशाख्यकारः
(D) पिङ्गलः - छन्दशास्त्रकारः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199

1. (A) **2.** (B) **3.** (C) **4.** (B) **5.** (C) **6.** (B) **7.** (D) **8.** (B) **9.** (B) **10.** (C) **11.** (D) **12.** (D)

13. महर्षिपतञ्जल्यनुसारेण ऋग्वेदस्य शाखाः सन्ति

(A) 22 (B) 21
(C) 11 (D) 25

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

14. सांख्यमते सूक्ष्मशरीरे कति अवयवाः सन्ति?

(A) पञ्चदश (B) षोडश
(C) सप्तदश (D) अष्टादश

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

15. अधोनिर्दिष्टेषु अवैदिकं शास्त्रं किमस्ति?

(A) न्यायशास्त्रम् (B) योगशास्त्रम्
(C) वैशेषिकम् (D) जैनदर्शनम्

स्रोत–भारतीय दर्शन की रूपरेखा - हरेन्द्र प्रताप सिन्हा, पेज–6

16. 'तत्त्वमसि' इत्यत्र कीदृशी लक्षणा?

(A) जहल्लक्षणा (B) अजहल्लक्षणा
(C) जहदजहल्लक्षणा (D) लक्षितलक्षणा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–127

17. परमाणुविशेषयोः कः सम्बन्धः?

(A) संयोगः (B) स्वरूपसम्बन्धः
(C) समवायः (D) तादात्म्यम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–76

18. अधोनिर्दिष्टेषु अलौकिकसन्निकर्षः केन न स्वीकृतः?

(A) विश्वनाथ महाचार्येण (B) अन्नम्भट्टेन
(C) केशवमिश्रेण (D) जगदीशेन

स्रोत–तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–87

19. केवलान्वयित्वं किमस्ति?

(A) स्वभाववद्वृत्तित्वम् (B) उभयवृत्तित्वम्
(C) अत्यन्ताभावाप्रतियोगित्वम् (D) अवृत्तित्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–195

20. अधोनिर्दिष्टेषु किं सत्यमस्ति?

(A) न्यायमते अप्रामाण्यं स्वतोग्राह्यम्
(B) न्यायमते शब्दो विशेषगुणः
(C) वैशेषिकमते प्रमाणं त्रिविधम्
(D) न्यायमते मनसो विभुत्वमस्ति

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–77

21. सांख्यमते अहङ्कारः कतिविधः

(A) एकविधः (B) द्विविधः
(C) त्रिविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–208

22. न्यायमते पदार्थयोः सम्बन्धनियामकः कः?

(A) योग्यता (B) आसत्तिः
(C) आकांक्षा (D) लक्षणा

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–122

23. मङ्गलाचरणं कतिविधं भवति?

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–98

24. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत।

(अ) माठरवृत्तिः 1. वैशेषिकसूत्रम्
(ब) भारद्वाजवृत्तिः 2. न्यायसूत्रम्
(स) विश्वनाथवृत्तिः 3. सांख्यसूत्रम्
(द) भोजवृत्तिः 4. योगसूत्रम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	1	2	4
(C)	2	1	3	4
(D)	4	3	1	2

स्रोत– अ=सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–xviii, द=सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–xvii, स=भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–222

25. अधोनिर्दिष्टेषु किं सत्यमस्ति?

(A) वस्तुनः तत्समसत्ताकः अन्यथाभावः विवर्तः
(B) कारणाभिन्नं कार्यं विवर्तः
(C) अतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा विवर्तः
(D) उपादानसमसत्ताकं कार्यविवर्तः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–115

26. गुणसंज्ञाविधायकं सूत्रमिदं वर्तते

(A) इको गुणवृद्धी (B) अदेङ्गुणः।
(C) आद्गुणः। (D) स्थानेऽन्तरतमः।

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–06

27. अपृक्तसंज्ञा वर्तते–

(A) एकाल्प्रत्ययस्य (B) धातोः
(C) प्रातिपदिकस्य (D) यस्य कस्यापि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

13. (B) **14.** (D) **15.** (D) **16.** (C) **17.** (C) **18.** (A) **19.** (C) **20.** (D) **21.** (C) **22.** (A) **23.** (C) **24.** (B) **25.** (C) **26.** (B) **27.** (A)

28. 'नदी' संज्ञकः शब्दः नास्ति

(A) नदी (B) वधू

(C) सरित् (D) बहुश्रेयसी

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109

29. ईदूदेदन्तस्य द्विवचनस्य शब्दस्य का संज्ञा भवति–

(A) प्रगृह्यसंज्ञा (B) प्रकृतिभावः

(C) प्लुतसंज्ञा (D) टिसंज्ञा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.11) ईश्वरचन्द्र, पेज–13

30. 'गां दोग्धि पयः'-इत्यत्र 'गाम्' पदे कर्मसंज्ञा केन सूत्रेण भवति?

(A) कर्मणि द्वितीया (B) अकथितं च

(C) तथायुक्तं चानीप्सितम् (D) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), राममुनि पाण्डेय, पेज–19

31. 'कटे आस्ते'-इत्यत्र कीदृश आधारो वर्तते?

(A) औपश्लेषिकः (B) वैषयिकः

(C) अभिव्यापकः (D) व्यापकः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–93

32. द्वितीया-चतुर्थ्यौ भवतः–

(A) अधि-शी-धातोः प्रयोगे (B) 'विना' शब्दस्य योगे

(C) नमः योगे (D) गत्यर्थकर्मणि

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–57

33. 'नीलोत्पलम्' इत्यत्र नपुंसकत्वं केन सूत्रेण भवति?

(A) स नपुंसकम्

(B) परवल्लिङ्गं द्वन्द्वतत्पुरुषयोः

(C) अव्ययीभावश्च

(D) ह्रस्वो नपुंसके प्रातिपदिकस्य

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–113

34. 'भूतपूर्वः' इत्यत्र भूतशब्दस्य पूर्वप्रयोगः कस्मात् भवति?

(A) आचार्याणाम् आचारात्

(B) 'उपसर्जनं पूर्वम्' इति सूत्रात्।

(C) 'भूतपूर्वे चरट्' इति केवलसमासत्वात्।

(D) लोकतः।

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–09

35. अधस्तनानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) पूर्वपदार्थप्रधानः — 1. हरौ इति

(ब) अस्वपदविग्रहः — 2. अव्ययीभावः

(स) नदीभिश्च — 3. पञ्चगङ्गम्

(द) अलौकिकविग्रहः — 4. प्राप्त सु + उदक सु

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	3	1	4
(C)	2	1	3	4
(D)	3	1	4	2

स्रोत–लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4),
पेज – अ = 02, ब = 18, स = 42, द = 190

36. केन्टुम-वर्गस्य भाषा अस्ति–

(A) लैटिनभाषा (B) संस्कृतभाषा

(C) फारसीभाषा (D) अवेस्ता

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

37. संस्कृतभाषायाः घ्, ध्, भ् वर्णाः जर्मनिक्भाषायां भवन्ति–

(A) ग् द् ब् (B) क् द् ब्

(C) ग् द् फ् (D) ट् द् ब्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

38. ''सञ्चारिणी दीपशिखेव रात्रौ.......'' इयमुक्तिः रघुवंशस्य कस्मिन् कथाप्रसङ्गे वर्णिता अस्ति।

(A) सीतापरित्यागे (B) इन्दुमतीस्वयंवरे

(C) 'विश्वजित्'-यज्ञे (D) राज्याभिषेके

स्रोत–रघुवंशम् (6/67) कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–196

39. मेघदूते यक्षाणां वसतिः कुत्र वर्तते?

(A) मानसरोवरे (B) हिमालये

(C) मालवभूमौ (D) अलकायाम्

स्रोत–पूर्वमेघ (श्लोक-7) - दयाशंकर शास्त्री, पेज–63

40. ''रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय''- इयमुक्तिः केन सम्बद्धा?

(A) कुबेरेण (B) मेघेन

(C) यक्षेण (D) यक्षिण्या

स्रोत–पूर्वमेघ (श्लोक-20) - तारिणीश झा, पेज–43

28.(C) **29.**(A) **30.**(B) **31.**(A) **32.**(D) **33.**(B) **34.**(C) **35.**(C) **36.**(A) **37.**(A) **38.**(B)
39.(D) **40.**(B)

41. किरातार्जुनीये 'किरात' इति कस्य बोधकः?

(A) वनेचरस्य (B) किरीटधारिणः
(C) शङ्करस्य (D) कार्तिकेयस्य

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मकइतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–184

42. रैवतकपर्वतस्य वर्णनं कस्मिन् काव्ये वर्तते?

(A) उत्तररामचरिते (B) कुमारसम्भवे
(C) शिशुपालवधे (D) कादम्बर्याम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–201

43. सत्यं किमस्ति–

(A) दशकुमारचरिते पञ्चोच्छ्वासाः सन्ति
(B) दशकुमारचरिते सप्तोच्छ्वासाः सन्ति
(C) दशकुमारचरिते अष्टोच्छ्वासाः सन्ति
(D) दशकुमारचरिते द्वादशोच्छ्वासाः सन्ति

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–467

44. ''आर्जवं हि कुटिलेषु न नीतिः''-इयमुक्तिः कस्य ग्रन्थस्य?

(A) नैषधीयचरितस्य (B) शिशुपालवधस्य
(C) किरातार्जुनीयस्य (D) कुमारसम्भवस्य

स्रोत–नैषधीयचरितम् (5/103)

45. 'तस्य अशेषत्रिभुवनसुन्दरं अतिशयितनलकूबरं रूपमासीत्'-कस्य?

(A) पुण्डरीकस्य (B) कपिञ्जलस्य
(C) श्वेतकेतोः (D) चन्द्रापीडस्य

स्रोत–कादम्बरी - कृष्णमोहन शास्त्री, पेज– 433

46. कस्य रूपकेषु आमुखं 'स्थापना' इत्युच्यते?

(A) शूद्रकस्य (B) श्रीहर्षस्य
(C) विशाखदत्तस्य (D) भासस्य

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा रेग्मी, भू. पेज–12

47. अभिधापुच्छभूता का भवति?

(A) लक्षणा (B) व्यञ्जना
(C) तात्पर्या (D) अर्थापत्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–251

48. श्रीशङ्कुकमते कीदृशः स्थायी रसो भवति?

(A) भावितः (B) अनुमितिः
(C) उत्पन्नः (D) अभिव्यक्तः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–103

49. कालक्रमानुसृतां तालिकां चिनुत।

(A) भामहः। दण्डी। वामनः। विश्वनाथः।
(B) वामनः। भामहः। विश्वनाथः। दण्डी।
(C) भामहः। विश्वनाथः। दण्डी। वामनः।
(D) भामहः। वामनः। दण्डी। विश्वनाथः।

स्रोत–संस्कृतगङ्गा साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज–292-293

50. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत।

(अ) अभिज्ञानशाकुन्तलम् 1. भाणः
(ब) त्रिपुरदाहः 2. प्रहसनम्
(स) कन्दर्पकेलिः 3. डिमः
(द) लीलामधुकरम् 4. नाटकम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	2	1
(D)	1	2	4	3

स्रोत–(अ) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–334, (ब) साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–216, (स) साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–220, (द) साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

41. (C) **42.** (C) **43.** (C) **44.** (A) **45.** (A) **46.** (D) **47.** (A) **48.** (B) **49.** (A) **50.** (C)

33	जून 2012	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ऋग्वेदस्य प्रथममण्डलस्य प्रथमसूक्ते कः स्तूयते ?
(A) अग्निः (B) यमः
(C) विष्णुः (D) वरुणः
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1.1.1) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-55

2. 'पवमानः' कः उच्यते ?
(A) इन्द्रः (B) बृहस्पतिः
(C) विष्णुः (D) सोमः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–300

3. 'शांखायनशाखा' कस्य वेदस्य अस्ति –
(A) कृष्णयजुर्वेदस्य (B) शुक्लयजुर्वेदस्य
(C) ऋग्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. छन्दः कालादिनामभिः वेदकालं प्रथमतः कः प्रतिपादयति ?
(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः
(C) बालगङ्गाधरतिलकः (D) विन्टरनित्सः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–42

5. 'नैघण्टुकं काण्डं' वर्तते –
(A) निघण्टुग्रन्थे (B) शुल्बसूत्रे
(C) छन्दःसूत्रे (D) व्याकरणे
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–205

6. वेदाङ्गेषु छन्दः उपमीयते –
(A) पादत्वेन (B) हस्तत्वेन
(C) घ्राणत्वेन (D) नेत्रत्वेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

7. अर्थप्रधानं वर्तते –
(A) निरुक्तम् (B) छन्दः
(C) शिक्षा (D) कल्पः
स्रोत–निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–10

8. विश्वामित्रनदीसंवादः कस्मिन् मण्डले वर्तते ?
(A) प्रथममण्डले (B) तृतीयमण्डले
(C) दशममण्डले (D) पञ्चममण्डले
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–57

9. 'मैत्रायणीसंहिता' केन वेदेन सह सम्बद्धा वर्तते –
(A) सामवेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) शुक्लयजुर्वेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

10. 'आरण्यकं' केन आश्रमेण सम्बद्धम् ?
(A) गृहस्थाश्रमेण (B) वानप्रस्थाश्रमेण
(C) ब्रह्मचर्याश्रमेण (D) संन्यासाश्रमेण
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–142

11. अधोऽङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत –
(अ) पूर्णमदः पूर्णमिदम् 1. निरुक्तम्
(ब) मा गृधः कस्यस्विद्धनम् 2. अथर्ववेदीया
(स) समाम्नायः समाम्नातः 3. ईशावास्योपनिषद्
(द) पैप्पलादसंहिता 4. बृहदारण्यकोपनिषद्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	1	2
(B)	3	2	1	4
(C)	2	3	4	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत– अ=बृहदारण्यकोपनिषद् शाङ्करभाष्य गीताप्रेस, पेज–1161, ब=ईशावास्योपनिषद् - मन्त्र-1, स=निरुक्तम् छज्जूराम शास्त्री, पेज–1, द=वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

12. ''मध्या कर्तोर्विततं सञ्जभार'' इति पठ्यते –
(A) अग्निसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) सूर्यसूक्ते (D) उषस्सूक्ते
स्रोत–ऋग्वेद (1.115.4) - वेद कथांक - गीताप्रेस, पेज–448

1. (A) **2.** (D) **3.** (C) **4.** (A) **5.** (A) **6.** (A) **7.** (A) **8.** (B) **9.** (D) **10.** (B) **11.** (A) **12.** (C)

13. कतिलक्षणयुक्तो ग्रन्थवाचको ब्राह्मणशब्दः ?

(A) नव (B) दश

(C) द्वादश (D) पञ्चदश

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

14. अर्थापत्तेः कस्मिन् प्रमाणेऽन्तर्भावः भवितुमर्हति ?

(A) प्रत्यक्षे (B) अनुमाने

(C) शब्दे (D) उपमितौ

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–141

15. सादृश्यज्ञानकरणं ज्ञानं किमस्ति ?

(A) प्रत्यक्षम् (B) अनुमितिः

(C) शब्दबोधः (D) उपमितिः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–104

16. विवर्तो .... विद्यते ?

(A) कारणस्य कार्यावस्था

(B) कारणस्य समसत्ताकपरिणामः

(C) कारणगुणात्मकता कार्योत्पत्तिः

(D) अतत्त्वतोऽन्यथा प्रथा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–115

17. 'सतः सत् जायते' इति कस्य मतम् ?

(A) सांख्यस्य (B) बौद्धस्य

(C) वेदान्तिनः (D) नैयायिकस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100
भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, पेज–257

18. कतिविधः बुद्धिसर्गः ?

(A) त्रिविधः (B) चतुर्विधः

(C) पञ्चविधः (D) सप्तविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 46)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–269

19. सांख्यैः स्वीकृतानि तत्त्वानि कति सन्ति ?

(A) त्रयोदश (B) पञ्चदश

(C) विंशतिः (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 3)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

20. तदभाववतितत्प्रकारकं ज्ञानं कीदृशम् ?

(A) प्रमा (B) अप्रमा

(C) स्मृतिः (D) विपर्ययः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–65

21. कार्यनियतपूर्ववृत्तित्वं भवति ....?

(A) कारणत्वम् (B) करणत्वम्

(C) कार्यत्वम् (D) अकारणत्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–69

22. वेदान्तो नाम .... वर्तते ?

(A) उपनिषद्प्रमाणम् (B) अनुमानगम्यम्

(C) आप्तोपदेशः (D) उपासनादिकम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–07

23. अज्ञानस्य शक्तिः .... उच्यते ?

(A) आवरणावस्था

(B) विशेषरूपता

(C) आवरणविक्षेपनामकं शक्तिद्वयम्

(D) शून्यरूपा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

24. विशेषः .... द्रव्यवृत्तिः?

(A) अनित्यः (B) नित्यः

(C) कारणात्मकः (D) स्मृतिरूपः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–32

25. बुद्धेः का प्रकृतिः अस्ति ?

(A) अहङ्कारः (B) पुरुषः

(C) मूलप्रकृतिः (D) तन्मात्राणि

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

26. वृद्धिसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम् अस्ति ?

(A) वृद्धिरेचि (B) वृद्धिरादैच्

(C) इको यणचि (D) आद्गुणः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–05

13. (B) **14.** (B) **15.** (D) **16.** (D) **17.** (A) **18.** (B) **19.** (D) **20.** (B) **21.** (A) **22.** (A) **23.** (C) **24.** (B) **25.** (C) **26.** (B)

27. 'घि-संज्ञा' केन सूत्रेण भवति ?

(A) यू स्त्र्याख्यौ नदी (B) अचोऽन्त्यादि टि
(C) परः संन्निकर्षः संहिता (D) शेषो घ्यसखि

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111

28. हेत्वर्थे का विभक्तिः ?

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–44

29. 'पाणिपादम्' - अस्मिन् पदे समासविग्रहः भवति-

(A) पाणी च पादौ च (B) पाणिः च पादं च
(C) पाणिना च पादेन च (D) पाणि च पादौ च

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–241

30. 'ध्रुवमपाये' ....इत्यत्र किं कारकम् ?

(A) करणम् (B) अपादानम्
(C) सम्प्रदानम् (D) कर्म

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–59

31. 'कुक्कुटमयूर्यौ'-इत्यस्य पदस्य लौकिकविग्रहः भवति-

(A) कुक्कुटश्च मयूरी च (B) कुक्कुटञ्च मयूरञ्च
(C) कुक्कुटस्य च मयूर्याश्च (D) कुक्कुटौ च मयूर्यौ च

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–169

32. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत-

(अ) अभिनिविशश्च — 1. तुल्यास्यप्रयत्नम्
(ब) अपृक्तम् — 2. बहुव्रीहिः
(स) चित्रगुः — 3. कर्मसंज्ञा
(द) सवर्णम् — 4. एकाल्प्रत्ययः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	1	3	4
(B)	1	2	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	1	2

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ=पेज–126, ब=पेज–68, लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, स=पेज–955, द=पेज–16

33. वर्णानामतिशयितः सन्निधिः किं संज्ञकः स्यात् ?

(A) उदात्तः (B) अनुदात्तः
(C) स्वरितः (D) संहिता

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–22

34. 'चोराद् बिभेति' इत्यत्र अपादानं केन सूत्रेण विधीयते ?

(A) पराजेरसोढः (B) भीत्रार्थानां भयहेतुः
(C) वारणार्थानामीप्सितः (D) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–60

35. 'चर्मणि द्वीपिनं हन्ति' -इत्युदाहरणं कस्य भवति ?

(A) निमित्तात् कर्मयोगे (B) साध्वसाधुप्रयोगे च
(C) षष्ठी चानादरे (D) यतश्च निर्धारणम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–94

36. भाषापरिवर्तनस्य कति बाह्यकारणानि ?

(A) चत्वारि (B) षट्
(C) अष्टौ (D) दश

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–96-102

37. भारोपीयभाषापरिवारे शतमवर्गस्य कति प्रमुखभेदाः?

(A) चत्वारः (B) सप्त
(C) नव (D) एकादश

स्रोत–भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

38. नायिकारहितं नाटकम् अस्ति –

(A) उत्तररामचरितम् (B) रत्नावली
(C) मुद्राराक्षसम् (D) वेणीसंहारम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–360

39. ''व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवम्'' इति कस्मिन् काव्ये उक्तम् ?

(A) शिशुपालवधे (B) किरातार्जुनीये
(C) भट्टिकाव्ये (D) कुमारसम्भवे

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/30) - अभिराजराजेन्द्र मिश्र, पेज–98

27.(D) **28.**(B) **29.**(A) **30.**(B) **31.**(A) **32.**(C) **33.**(D) **34.**(B) **35.**(A) **36.**(C) **37.**(A) **38.**(C) **39.**(B)

40. विश्रुतस्य वृत्तान्तं कुत्रवर्णितम् –

(A) कादम्बर्याम् (B) दशकुमारचरिते
(C) हर्षचरिते (D) चम्पूरामायणे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–475

41. ''सुभाषितं हारि विशत्यधोगलान्न दुर्जनस्या-कंरिपोरिवामृतम्'' इति केन कविनोक्तम् ?

(A) वेदव्यासेन (B) कालिदासेन
(C) बाणभट्टेन (D) भासेन

स्रोत–कादम्बरी (कथामुख श्लोक-7) - तारिणीश झा, पेज–09

42. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) मृच्छकटिकम् 1. अश्वघोषः
(ब) वेणीसंहारम् 2. शूद्रकः
(स) बालचरितम् 3. भट्टनारायणः
(द) बुद्धचरितम् 4. भासः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	2	4	1
(C)	2	3	4	1
(D)	2	4	1	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज अ=309, ब = 381, स = 275, द = 167

43. 'तत्र श्लोकचतुष्टयम्' इति कं दृश्यकाव्यम् उद्दिश्य उक्तम् ?

(A) विक्रमोर्वशीयम् (B) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(C) स्वप्नवासवदत्तम् (D) मृच्छकटिकम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–341

44. रघुवंशे कति सर्गेषु श्रीरामकथा वर्णिता कालिदासेन–

(A) अष्टसु (B) चतुर्दशसु
(C) षट्सु (D) अष्टादशसु

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–151

45. दशकुमारचरिते अयं प्रतिनायकः भवति –

(A) राजहंसः (B) मानसारः
(C) राजवाहनः (D) पुष्पोद्भवः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–474

46. रसनिष्पत्तिविषये साधारणीकरणं प्रथमं केन प्रतिपादितम् ?

(A) शङ्कुकेन (B) भट्टलोल्लटेन
(C) भट्टनायकेन (D) भरतेन

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–107

47. नाटके इतिवृत्तं कीदृशं भवेत् –

(A) प्रसिद्धम् (B) कल्पितम्
(C) असिद्धम् (D) मिश्रम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/7) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

48. कस्य रूपकेषु प्रस्तावना 'स्थापना' इत्युच्यते ?

(A) कालिदासस्य (B) भवभूतेः
(C) श्रीहर्षस्य (D) भासस्य

स्रोत–स्वप्नवासवदत्तम् - शेषराज शर्मा रेग्मी, भू. पेज–12

49. आनन्दवर्धनमते मधुरतमः रसः कः ?

(A) करुणरसः (B) विप्रलम्भशृङ्गाररसः
(C) सम्भोगशृङ्गाररसः (D) हास्यरसः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/5) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–29

50. करुणरसस्य वर्णः कः ?

(A) श्यामः (B) रक्तः
(C) कपोतः (D) कृष्णः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/222) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–116

40. (B)	41. (C)	42. (C)	43. (B)	44. (C)	45. (B)	46. (C)	47. (A)	48. (D)	49. (A)	50. (C)

34	जून 2012	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. 'राजन्तमध्वराणाम् .... इति' पठ्यते –
(A) पृथिवीसूक्ते (B) अग्निसूक्ते
(C) विष्णुसूक्ते (D) वाक्सूक्ते
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1-1-8) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-59, 60

2. कति लक्षणयुक्तो ग्रन्थवाचको ब्राह्मणशब्दः ?
(A) द्वादश (B) पञ्चदश
(C) दश (D) अष्ट
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

3. पौर्णमासेष्टौ कति प्रयाजाः भवन्ति ?
(A) सप्त (B) दश
(C) अष्ट (D) पञ्च
स्रोत–श्रौतयज्ञपरिचय - वेणीरामशर्मा गौड़, पेज–13

4. पञ्चमहायज्ञाः किमर्थम् अनुष्ठीयन्ते ?
(A) ज्वरशान्तये (B) वास्तुदोषनिवृत्तये
(C) पञ्चसूनदोषनाशाय (D) धनलाभाय
स्रोत–यज्ञमीमांसा - वेणीराम शर्मा गौड़, पेज–30

5. शुनःशेपाख्याने प्राधान्येन स्तुतः देवः कः ?
(A) कुबेरः (B) इन्द्रः
(C) विष्णुः (D) वरुणः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

6. मन्त्रेषु अनुदात्तस्वराङ्कनं क्रियते –
(A) मध्ये (B) उपरिष्टात्
(C) अधः (D) वामतः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति -कपिलदेव द्विवेदी, पेज–326

7. यज्ञविधिमधिकृत्य मन्त्रव्याख्यानं क्रियते –
(A) अरविन्देन (B) विन्टरनित्सेन
(C) दयानन्देन (D) सायणेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17

8. एषु अर्वाचीनो वेदभाष्यकारो न वर्तते –
(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः
(C) अरविन्दः (D) सायणः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22-23

9. ईशावास्योपनिषद् केन वेदेन सम्बद्धा ?
(A) ऋग्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) शुक्लयजुर्वेदेन (D) सामवेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

10. 'कविर्मनीषी परिभूः स्वयम्भूः' कुत्रेयमुक्तिः ?
(A) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् (B) ईशावास्योपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) श्रीमद्भागवते
स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-8)

11. एतेषु सारथिः कः उच्यते ?
(A) आत्मा (B) शरीरम्
(C) मनः (D) बुद्धिः
स्रोत–कठोपनिषद् (1.3.3)

12. अश्वस्य मेध्यस्य लोमानि कानि उच्यन्ते ?
(A) ऋतवः (B) दिशः
(C) नक्षत्राणि (D) ओषधयश्च वनस्पतयश्च
स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (शांकरभाष्य) गीताप्रेस, पेज–38

13. 'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' इति कुत्रोपदिष्टम् ?
(A) ईशावास्योपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) कठोपनिषदि
स्रोत–केनोपनिषद् (2/4) - ईशादि नौ उपनिषद्, पेज-57

14. 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत' इति कुत्रोपदिश्यते ?
(A) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् (B) श्रीमद्भागवते
(C) कठोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–कठोपनिषद् (1/3/14) - ईशादि नौ उपनिषद, पेज-132

1. (B) **2.** (C) **3.** (D) **4.** (C) **5.** (D) **6.** (C) **7.** (D) **8.** (D) **9.** (C) **10.** (B) **11.** (D) **12.** (D) **13.** (B) **14.** (C)

15. 'युवा स्यात् साधु युवा' इति कुत्रोपदिश्यते ?
(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) केनोपनिषदि
स्रोत–तैत्तिरीयोपनिषद् (2.8.1) चुन्नीलाल शुक्ल, पेज–70

16. सन्ध्यक्षराणि कति सन्ति ?
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) अष्टौ (D) द्वादश
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–43

17. ह्रस्वस्वरभक्तेः उच्चारणकालो भवति –
(A) त्रिमात्राकालः (B) द्विमात्राकालः
(C) अर्धोनमात्राकालः (चौथाई मात्रा) (D) अर्धमात्राकालः
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–69

18. राष्ट्राभिवर्द्धनसूक्तं कस्यां शाखायां विद्यते ?
(A) शाकलशाखायाम् (B) काण्वशाखायाम्
(C) जैमिनीयशाखायाम् (D) शौनकशाखायाम्
स्रोत–अथर्ववेद शौनकशाखा (1.29)

19. अग्निष्टोमयागो वर्तते –
(A) पाकयज्ञः (B) हविर्यज्ञः
(C) सोमयज्ञः (D) स्मार्तयज्ञः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–315

20. गायत्रीच्छन्दसि कियन्तो वर्णाः भवन्ति ?
(A) 20 (B) 24
(C) 28 (D) 32
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

21. निरुक्तानुसारं पञ्चमो भावविकारः कः ?
(A) जायते (B) अपक्षीयते
(C) वर्धते (D) विनश्यति
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

22. 'समुद्द्रवन्त्यस्मादापः' इत्यनेन को निर्दिश्यते ?
(A) मेघः (B) ह्रदः
(C) समुद्रः (D) नदी
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–179

23. 'चित्' इति निपातो वर्तते –
(A) निषेधार्थे (B) उपमार्थे
(C) शब्दार्थे (D) प्रयोगार्थे
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–45

24. माङ्गलिक आचार्यो महतो शास्त्रौधस्य मङ्गलार्थमादितः किं प्रयुङ्क्ते ?
(A) काव्यम् (B) नित्यशब्दम्
(C) अनित्यशब्दम् (D) सिद्धशब्दम्
स्रोत–व्याकरणमहाभाष्य (पश्पशाह्निक)-मधुसूदन मिश्र, पेज–38

25. 'इजादेश्च गुरुमतोऽनृच्छः' इति सूत्रेण किं विधीयते ?
(A) आम् (B) इट्
(C) वृद्धिः (D) गुणः
स्रोत–अष्टाध्यायी (3.1.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज–267

26. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –
(अ) प्राचां ष्फ 1. क्रियातिपत्तौ
(ब) लिङ्निमित्ते लृङ् 2. तृतीयान्यतरस्याम्
(स) प्रेष्यब्रुवोर्हविषो 3. तद्धितः
(द) तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्याम् 4. देवतासम्प्रदाने

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	3	1	4
(B)	3	2	4	1
(C)	3	1	4	2
(D)	4	2	3	1

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 4.1.17 पेज–426, ब = 3.3.139 पेज–384, स = 2.3.61 पेज–214, द = 2.3.72 पेज–219

27. ''आख्यातोपयोगे'' इति सूत्रस्य उदाहरणं किम् ?
(A) मातुर्निलीयते कृष्णः (B) नटस्य गाथां शृणोति
(C) उपाध्यायादधीते (D) हिमवतो गङ्गा प्रभवति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–62

28. 'केशकः' इत्यत्र 'कन्' प्रत्ययः केन सूत्रेण विधीयते ?
(A) विमुक्तादिभ्योऽण् (B) स्वाङ्गेभ्यः प्रसिते
(C) कुल्माषादञ् (D) पूर्वादिनिः
स्रोत–अष्टाध्यायी (5.2.66) - ईश्वरचन्द्र, पेज–592

15. (A) **16.** (B) **17.** (C) **18.** (D) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (B) **22.** (C) **23.** (B) **24.** (D) **25.** (A) **26.** (C) **27.** (C) **28.** (B)

29. पाणिनीयशिक्षानुसारं लिखितपाठकः कः भवति ?

(A) उत्तमः (B) उत्तमोत्तमः
(C) अधमः (D) श्रेष्ठः

स्रोत–पाणिनीयशिक्षा (श्लोक–32)-रमाशङ्कर मिश्र, पेज–16

30. पारिवारिकवर्गीकरणस्य कति प्रमुखभेदाः ?

(A) चतुर्दश (B) षोडश
(C) अष्टादश (D) विंशतिः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–371

31. भारोपीयपरिवारे 'भारत-ईरानीवर्गः' कस्मिन् वर्गे ?

(A) केन्टुमवर्गः (B) शतमवर्गः
(C) चीनीपरिवारः (D) आमीनीपरिवारः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

32. रुद्रदाम्नः 'गिरनारशिलालेखे' सुदर्शनतडागस्य कः पुनर्निर्माता ?

(A) पुष्पगुप्तः (B) तुषारस्फः
(C) चक्रपालितः (D) सुविशाखः

प्राचीनभारत के प्रमुख अभिलेख (खण्ड-1)-परमेश्वरीलालगुप्ता, पेज–203

33. 'शोणो धावति' इत्यत्र का लक्षणा ?

(A) भागलक्षणा (B) जहल्लक्षणा
(C) अजहल्लक्षणा (D) जहदजहल्लक्षणा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–136

34. 'वेदान्तानुसारं' कतिविधः समाधिः ?

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–157

35. 'वेदान्त' - शब्दस्य पर्यायः कः ?

(A) न्यायदर्शनम् (B) पूर्वमीमांसा
(C) उत्तरमीमांसा (D) सांख्यदर्शनम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–VIII

36. सांख्यदर्शने कति प्रमाणानि स्वीकृतानि ?

(A) एकः (B) द्वौ
(C) त्रीणि (D) चत्वारि

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 4)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

37. सांख्यदर्शने सूक्ष्मशरीरं कति तत्त्वात्मकम् ?

(A) एकादश (B) द्वादश
(C) अष्टादश (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 40)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–251

38. पुरुषस्य निवर्तकं वाक्यम् उच्यते –

(A) विधिः (B) मन्त्रः
(C) निषेधः (D) अर्थवादः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–169

39. अर्थसंग्रहस्य कः प्रणेता ?

(A) लौगाक्षिभास्करः (B) कुमारिलभट्टः
(C) शम्भुभट्टः (D) आपदेवः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, भू. पेज–12

40. विनियोगविधेः सहकारिभूतानि प्रमाणानि कति ?

(A) पञ्च (B) षट्
(C) दश (D) एकादश

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–58

41. ''सुलभाः पुरुषाः राजन् सततं प्रियवादिनः। अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः॥'' - श्लोकममुं रावणासुरम्प्रति कः उक्तवान् ?

(A) कुम्भकर्णः (B) सुग्रीवः
(C) रावणः (D) मारीचः

स्रोत–वाल्मीकिरामायण अरण्यकाण्ड - (37/2)

42. लोके अतिप्रसिद्धा 'श्रीमद्भगवद्गीता' महाभारतस्य कस्मिन पर्वणि उपनिबद्धा ?

(A) अरण्यपर्वणि (B) भीष्मपर्वणि
(C) शान्तिपर्वणि (D) विराटपर्वणि

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–150

43. रावणासुरात् सीतायाः विमुक्तिः कया स्वप्नेन दृष्टा –

(A) मन्दोदर्या (B) तारया
(C) त्रिजट्या (D) कैकेय्या

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (सुन्दरकाण्ड सर्ग-27)

29. (C) **30.** (C) **31.** (B) **32.** (D) **33.** (C) **34.** (A) **35.** (C) **36.** (C) **37.** (C) **38.** (C) **39.** (A) **40.** (B) **41.** (D) **42.** (B) **43.** (C)

44. कीचकस्य वधं महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि उपवर्णितम्?
(A) उद्योगपर्वणि (B) विराटपर्वणि
(C) शल्यपर्वणि (D) द्रोणपर्वणि
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास-राधावल्लभत्रिपाठी, पेज–80

45. कस्मिन् पुराणे काव्यशास्त्रसम्बन्धिविषयाः सर्वे उट्टङ्किताः वर्तन्ते ?
(A) ब्रह्मपुराणे (B) ब्रह्माण्डपुराणे
(C) नारदपुराणे (D) अग्निपुराणे
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–184

46. मौर्यवंशराजानां चरितं कस्मिन् पुराणे वर्णितम् ?
(A) वायुपुराणे (B) वराहपुराणे
(C) वामनपुराणे (D) विष्णुपुराणे
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–181

47. ऋष्यशृङ्गमुनेः वृत्तान्तं रामायणस्य कस्मिन् काण्डे वर्णितम्?
(A) अयोध्याकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे
(C) सुन्दरकाण्डे (D) बालकाण्डे
स्रोत–वाल्मीकिरामायण (बालकाण्ड सर्ग-15)

48. अर्थशास्त्रस्य द्वितीयाधिकरणं वर्तते –
(A) विनयाधिकारिकम् (B) धर्मस्थीयम्
(C) अध्यक्षप्रचारः (D) कण्टकशोधनम्
स्रोत–कौटिलीय - अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–2

49. अमात्योत्पत्तिः कुत्र उपदिष्टा ?
(A) कण्टकशोधने (B) धर्मस्थीये
(C) षाड्गुण्ये (D) विनयाधिकारिके
स्रोत–कौटिलीय - अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–2

50. कृतयुगस्य कालावधिः उक्तः –
(A) 1000 वर्षात्मकः (B) 2000 वर्षात्मकः
(C) 3000 वर्षात्मकः (D) 4000 वर्षात्मकः
स्रोत–मनुस्मृति (1/69) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–35

51. निष्क्रमणसंस्कारः कर्तव्यः –
(A) प्रथमे मासि (B) द्वितीये मासि
(C) तृतीये मासि (D) चतुर्थे मासि
स्रोत–मनुस्मृति (2/34) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–73

52. मृगया गण्यते –
(A) कामजगणे (B) क्रोधजगणे
(C) लोभजगणे (D) मोहजगणे
स्रोत–मनुस्मृति (7/47) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–167

53. विवादेषु उपदर्शितो व्यवहारो वर्तते –
(A) एकपाद् (B) द्विपाद्
(C) त्रिपाद् (D) चतुष्पाद्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/8) – गंगासागर राय, पेज–171

54. स्मृत्योर्विरोधे कः बलवान् ?
(A) व्यवहारः (B) न्यायः
(C) राजा (D) न्यायाधीशः
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/21) – गंगासागर राय, पेज–179

55. 'प्रतिबध्नाति हि श्रेयः पूज्यपूजाव्यतिक्रमः' ...कस्य इयम् उक्तिः –
(A) कामधेनोः (B) नन्दिन्याः
(C) दिलीपस्य (D) वसिष्ठस्य
स्रोत–रघुवंशम् (1/79) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–35

56. 'नमुचिद्विषा' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थः ?
(A) नारदेन (B) इन्द्रेण
(C) रावणेन (D) माघेन
स्रोत–शिशुपालवधम् (1/51) - तारिणीश झा, पेज–107

57. 'सर्वथा न कञ्चन स्पृशन्ति शरीरधर्माणमुपतापाः' .....कस्माद् ग्रन्थादेतत् वाक्यमुद्धृतम् –
(A) दशकुमारचरितम् (B) हर्षचरितम्
(C) नैषधीयचरितम् (D) कादम्बरी
स्रोत–कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त) - राजेदव मिश्र, पेज-31

58. श्रीकृष्णस्य सम्मुखं गौरवर्णः नारदः कस्याभिरामताम् अचोरयत् ?
(A) सूर्यस्य (B) कृष्णस्य
(C) चन्द्रमसः (D) बलदेवस्य
स्रोत–शिशुपालवधम् (1/16) - तारिणीश झा, पेज–37

59. 'इति हेतुस्तदुद्भवे' इति कस्य मतम् ?
(A) जगन्नाथस्य (B) हेमचन्द्रस्य
(C) वाग्भट्टस्य (D) मम्मटस्य
स्रोत–काव्यप्रकाश (1/3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–16

44. (B) **45.** (D) **46.** (D) **47.** (D) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (D) **51.** (D) **52.** (A) **53.** (D) **54.** (B)
55. (D) **56.** (B) **57.** (D) **58.** (C) **59.** (D)

60. उपमानोपमेययोः बिम्बप्रतिबिम्बत्वं चेत् कः तत्रालङ्कारः?

(A) निदर्शनालङ्कारः (B) दीपकालङ्कारः

(C) व्यतिरेकालङ्कारः (D) दृष्टान्तालङ्कारः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–486

61. ध्वनिप्रभेदेषु उत्कृष्टः कः ?

(A) अलङ्कारध्वनिः (B) भावध्वनिः

(C) रसध्वनिः (D) वस्तुध्वनिः

स्रोत–काव्यप्रकाश (4/26) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–94

62. ''हतोऽपि लभते स्वर्गं जित्वा तु लभते यशः'' इति कुत्र वर्तते ?

(A) ऊरुभङ्गे (B) दूतकाव्ये

(C) कर्णभारे (D) मध्यमव्यायोगे

स्रोत–कर्णभारम् (श्लोक-12) - रामजी मिश्र, पेज–13

63. ''यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया'' कस्य वचनमिदम् ?

(A) दुष्यन्तस्य (B) कण्वस्य

(C) शारद्वतस्य (D) गौतम्याः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4/6) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–208

64. ''वितरति गुरुः प्राज्ञे विद्यां यथैव तथा जडे'' इत्युक्तिः कस्मिन् नाटके आयाति ?

(A) महावीरचरिते (B) मालतीमाधवे

(C) मालविकाग्निमित्रे (D) उत्तररामचरिते

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/4) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–105

65. मुखसन्धेः अङ्गानि कति ?

(A) द्वादश (B) त्रयोदश

(C) चतुर्दश (D) एकादश

स्रोत–दशरूपक (1/24) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–27

66. 'मुद्राराक्षसनाटके' मुद्रा केन सम्बद्धा भवति ?

(A) मलयकेतुना (B) चाणक्येन

(C) चन्द्रगुप्तेन (D) राक्षसेन

स्रोत–मुद्राराक्षस - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू. पेज–5

67. नाट्यशास्त्रस्य 'अभिनवभारती' इति व्याख्यायाः कर्त्ता कः ?

(A) आनन्दवर्धनः (B) भरतः

(C) अभिनवगुप्तः (D) धनञ्जयः

स्रोत–नाट्यशास्त्र – ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू. पेज–25

68. सात्त्विकभावानां संख्या भवति –

(A) त्रयस्त्रिंशत् (B) नव

(C) अष्टौ (D) अष्टादश

स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–251

69. पण्डितराजजगन्नाथानुसारं सामान्यवस्तुध्वनिः गुणीभूतव्यंग्यप्रकाराश्च कस्मिन् काव्यप्रभेदेऽन्तर्भवन्ति ?

(A) उत्तमोत्तमकाव्ये

(B) उत्तमकाव्ये

(C) मध्यमकाव्ये

(D) अधमकाव्ये

स्रोत–रसगंगाधर (प्रथम आनन) - मदन मोहन झा, पेज–66

70. तर्कसंग्रहे कति द्रव्याणि ?

(A) चत्वारि (B) सप्त

(C) नव (D) षट्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता पेज–28

71. तर्कसंग्रहे अभावस्य कति भेदाः ?

(A) द्वौ (B) चत्वारः

(C) षट् (D) अष्टौ

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता पेज–34

72. न्यायस्य अनुमानप्रमाणे कति अवयवाः सन्ति ?

(A) त्रयः (B) पञ्च

(C) सप्त (D) नव

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री पेज–92

73. तर्कसंग्रहे गुणाः सन्ति –

(A) द्वादश (B) पञ्चदश

(C) अष्टादश (D) चतुर्विंशतिः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–29

74. कतिविधः रसः तर्कसंग्रहानुसारम् ?

(A) द्विविधः (B) चतुर्विधः

(C) षट्विधः (D) अष्टविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–50

75. कति सन्ति हेत्वाभासाः ?

(A) त्रयः (B) पञ्च

(C) नव (D) द्वादश

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–95

60. (D) **61.**(C) **62.** (C) **63.** (B) **64.** (D) **65.** (A) **66.**(D) **67.** (C) **68.** (C) **69.**(B) **70.** (C) **71.** (B) **72.** (B) **73.** (D) **74.** (C) **75.** (B)

35	दिसम्बर 2012	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. 'नासत्यौ' इति कस्य नाम ?
(A) द्यावापृथिव्योः (B) इन्द्रावरुणयोः
(C) अश्विनोः (D) इन्द्राग्न्योः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–302

2. 'चन्द्ररथा' का वर्तते ?
(A) नदी (B) उर्वशी
(C) उषा (D) यमी
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (3.61.2) - हरिदत्तशास्त्री, पेज-235

3. ऋग्वेदे कति मण्डलानि सन्ति ?
(A) नव (B) विंशतिः
(C) दश (D) द्वादश
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

4. कपर्दी देवः कः ?
(A) अग्निः (B) वरुणः
(C) रुद्रः (D) बृहस्पतिः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–303

5. 'जैमिनीयशाखा' कस्य वेदस्य ?
(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

6. नक्षत्रसम्पातगणनया केन वेदकालो निर्धार्यते ?
(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः
(C) बालगङ्गाधरतिलकः (D) जैकोबी
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

7. 'निघण्टु' ग्रन्थे कति काण्डसंख्या वर्तते –
(A) चतुर्दश (B) द्वादश
(C) पञ्च (D) त्रीणि
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–02

8. ''आ घा ता गच्छा'' इति पठ्यते –
(A) इन्द्रसूक्ते (B) वरुणसूक्ते
(C) विश्वामित्रनदी-संवादे (D) यमयमीसंवादे
स्रोत–ऋग्वेद-यमयमी संवाद (10/10) मन्त्र-10

9. ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' इति कुत्र विद्यते ?
(A) ऋग्वेदे (B) बृहदारण्यके
(C) अथर्ववेदे (D) सामविधाने
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–185

10. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(अ)	सरमा-पणिसंवादः	1.	बृहदारण्यकोपनिषद्
(ब)	स्वाध्यायान्मा प्रमदः	2.	ऋग्वेदस्य दशममण्डले
(स)	कल्पः	3.	तैत्तिरीयोपनिषद्
(द)	आत्मनस्तु कामाय सर्वं प्रियं भवति	4.	हस्तः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	2	4
(B)	4	2	3	1
(C)	2	3	4	1
(D)	3	2	1	4

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी
पेज– अ = 58, ब=तैत्तिरीयोपनिषद् (1.11.1),
स = 190, बृहदारण्यकोपनिषद् शाङ्करभाष्य गीताप्रेस (4.5.6) पेज–1130,

11. श्रुतौ यज्ञस्वरूपेण स्तूयते –
(A) गङ्गा (B) गोदावरी
(C) विष्णुः (D) वरुणः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–310

12. अथर्ववेदस्य ब्राह्मणं विद्यते –
(A) शतपथब्राह्मणम् (B) गोपथब्राह्मणम्
(C) ताड्यब्राह्मणम् (D) ऐतरेयब्राह्मणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

1. (C) **2.** (C) **3.** (C) **4.** (C) **5.** (C) **6.** (C) **7.** (D) **8.** (D) **9.** (B) **10.** (C) **11.** (C) **12.** (B)

13. कृष्णयजुर्वेदेन सम्बद्धास्ति –

(A) छान्दोग्योपनिषद् (B) कठोपनिषद्

(C) ऐतरेयोपनिषद् (D) ईशावास्योपनिषद्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

14. तर्कभाषानुसारं कारणं त्रिविधम् –

(A) समवायि - असमवायि - निमित्तभेदात्

(B) समवायि - संयुक्तसमवायि - निमित्तभेदात्

(C) संयोग - संयुक्ततादात्म्य - निमित्तभेदात्

(D) सहकारि - तादात्म्य - समवायिभेदात्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–24

15. .... वाक्यं भवति –

(A) ध्वनिसमूहः (B) साकांक्षपदसमूहः

(C) शब्दसमूहः (D) वर्णसमूहः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–122

16. कीदृशः तर्कभाषासम्मतः अपवर्गः ?

(A) दुःखस्यात्यन्तिकी निवृत्तिः

(B) दुःखस्यैकान्तिकी निवृत्तिः

(C) ब्रह्मसायुज्यम्

(D) स्वर्गात्मकः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज–260

17. उपमितिज्ञानं कथं जायते ?

(A) व्याप्तिज्ञानात् (B) इन्द्रियसन्निकर्षात्

(C) सादृश्यात् (D) पदज्ञानात्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–104

18. तर्कसंग्रहानुसारं किमस्ति नवमं द्रव्यम् ?

(A) जीवः (B) जगत्

(C) दिक् (D) मनः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–28

19. तर्कभाषायां कति प्रमाणानि ?

(A) द्वौ (B) त्रीणि

(C) चत्वारि (D) सप्त

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–50

20. सांख्यकारिकायां कीदृशाः गुणाः?

(A) इष्टानिष्टोभयात्मकाः

(B) प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः

(C) सुखदुःखरागात्मकाः

(D) विषादात्मकाः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 12)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–135

21. सांख्यकारिकायां कीदृशं कैवल्यम् ?

(A) आत्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः

(B) ऐकान्तिकदुःखनिवृत्तिः

(C) सुखाभिव्यक्तिः

(D) ऐकान्तिकात्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 68)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–336

22. सांख्यकारिकायां ज्ञानं कस्य धर्मः ?

(A) अहङ्कारस्य (B) प्रकृतेः

(C) पुरुषस्य (D) बुद्धेः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 23)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–198

23. 'वेदान्तसारे' अज्ञानस्य कतिविधा शक्तिः ?

(A) द्विविधा (B) त्रिविधा

(C) चतुर्धा (D) पञ्चधा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

24. 'वेदान्तसारे' अनिर्वचनीयं किम् ?

(A) ईश्वरः (B) जीवः

(C) जगत् (D) ब्रह्म

स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–250

25. वेदान्तसारे लिङ्गशरीरस्य कति अवयवाः ?

(A) त्रयोदश (B) पञ्चदश

(C) सप्तदश (D) एकोनविंशतिः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

26. कर्मणा यमभिप्रैति .... इत्यत्र किं कारकम् ?

(A) कर्म (B) करणम्

(C) सम्प्रदानम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–46

13. (B) **14.** (A) **15.** (B) **16.** (A) **17.** (C) **18.** (D) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (D) **22.** (D) **23.** (A) **24.** (D) **25.** (C) **26.** (C)

27. 'निर्मक्षिकम्' अस्य पदस्य अलौकिकविग्रहः भवति -
(A) निर् + मक्षिका + अम् (B) मक्षिका + जस् + निर्
(C) मक्षिक + सुँ + निर् (D) मक्षिका + आम् + निर्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–28

28. पाणिनिमते 'मुनि' शब्दस्य का संज्ञा भवति ?
(A) नदी (B) घि
(C) टि (D) अपृक्त
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111-112

29. समासशास्त्रे प्रथमानिर्दिष्टं किं भवति ?
(A) उपसर्गः (B) अव्ययम्
(C) उपसर्जनम् (D) प्रातिपदिकम्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–20

30. 'गुणसंज्ञा' विधायकं सूत्रं किम् ?
(A) वृद्धिरेचि (B) अकः सवर्णे दीर्घः
(C) आद्गुणः (D) अदेङ्गुणः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.2) - ईश्वरचन्द्र, पेज–06

31. 'ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति' - इत्यत्र द्वितीयाविधायकं सूत्रं किम् ?
(A) अकथितञ्च (B) स्पृहेरीप्सितः
(C) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (D) तथायुक्तं चानीप्सितम्
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19

32. 'द्वियमुनम्' इत्यत्र कः समासः ?
(A) द्विगुः (B) द्वन्द्वः
(C) अव्ययीभावः (D) तत्पुरुषः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–42

33. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –
(अ) हलोऽनन्तराः 1. केवलसमासः
(ब) विशेषसंज्ञाविनिर्मुक्तः 2. संयोगः
(स) प्रायेणान्यपदार्थप्रधानः 3. इत्थम्भूतलक्षणे
(द) जटाभिस्तापसः 4. बहुव्रीहिः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	1	2

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य अ पेज–23, ब पेज–887, स=पेज–887, द=कारक प्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–43

34. 'भूतबलिः' इत्यत्र समासः केन सूत्रेण विधीयते ?
(A) कर्तृकरणे कृता बहुलम्
(B) चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः
(C) पञ्चमी भयेन
(D) सप्तमी शौण्डैः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–73-75

35. क्रियायां स्वातन्त्र्येण विवक्षितोऽर्थः कः स्यात् ?
(A) कर्म (B) करणम्
(C) कर्ता (D) अधिकरणम्
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनिपाण्डेय, पेज–40

36. भाषाविज्ञाने बलाघातस्य भेदाः सन्ति –
(A) चत्वारः (B) सप्त
(C) दश (D) द्वादश
स्रोत–भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–326

37. अर्थावबोधस्य कति प्रमुखसाधनानि ?
(A) सप्त (B) आठ
(C) एकादश (D) त्रयोदश
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–326

38. मम्मटानुसारम् अतादृशिगुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये किं काव्यम् ?
(A) उत्तमोत्तमम् (B) उत्तमम्
(C) मध्यमम् (D) अधमम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–31

39. साहित्यदर्पणानुसारं प्रयोजनवती साध्यवसानालक्षण-लक्षणायाः उदाहरणं किं भवति ?
(A) गङ्गायां घोषः (B) कुन्ताः प्रविशन्ति
(C) श्वेतो धावति (D) गौर्वाहीकः
स्रोत–साहित्यदर्पण - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–164

40. व्यायोगे नायकः कीदृशः?
(A) धीरोदात्तः (B) धीरप्रशान्तः
(C) धीरोद्धतः (D) धीरललितः
स्रोत–साहित्यदर्पण (6/232-233) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–215

27.(D) **28.**(B) **29.**(C) **30.**(D) **31.**(D) **32.**(C) **33.**(C) **34.**(B) **35.**(C) **36.**(A) **37.**(B) **38.**(C) **39.**(A) **40.**(C)

41. मृच्छकटिकं कस्य रूपकस्य उदाहरणं भवति ?

(A) नाटकस्य (B) प्रकरणस्य
(C) डिमस्य (D) वीथ्याः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–307

42. रौद्ररसस्य स्थायिभावः कः ?

(A) उत्साहः (B) भयम्
(C) जुगुप्सा (D) क्रोधः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/227) – शालिग्राम शास्त्री, पेज–117

43. भट्टनायकस्य भुक्तिवादः कस्य मतस्यानुकूलम् ?

(A) मीमांसामतस्य (B) सांख्यमतस्य
(C) न्यायमतस्य (D) वेदान्तमतस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–107

44. मल्लिनाथेन कस्य काव्यस्य अष्टमसर्गपर्यन्तमेव व्याख्यानं रचितम् –

(A) रघुवंशस्य (B) किरातार्जुनीयस्य
(C) कुमारसम्भवस्य (D) नैषधीयचरितस्य

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–150

45. लक्ष्मीचाञ्चल्यं कस्मिन् उपवर्णितमस्ति –

(A) शाकुन्तले (B) कादम्बर्याम्
(C) हर्षचरिते (D) रघुवंशे

स्रोत–कादम्बरी (शुकनासोपदेश) - तारिणीश झा, पेज–30

46. वीररसप्रधानं नाटकमिदम् –

(A) स्वप्नवासवदत्तम् (B) वेणीसंहारम्
(C) मालतीमाधवम् (D) नागानन्दम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–388

47. एनं ''कवीनामिह चक्रवर्ती'' इति वदन्ति विपश्चितः –

(A) कालिदासः (B) श्रीहर्षः
(C) वाल्मीकिः (D) बाणः

स्रोत–संस्कृत गङ्गा साहित्यम् - सर्वज्ञभूषण, पेज–12

48. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –

(अ) द्वाविंशतिसर्गात्मकम् 1. शिशुपालवधम्
(ब) विंशतिसर्गात्मकम् 2. रघुवंशमहाकाव्यम्
(स) एकोनविंशतिसर्गात्मकम् 3. किरातार्जुनीयम्
(द) अष्टादशसर्गात्मकम् 4. नैषधमहाकाव्यम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	1	4	2
(B)	2	3	1	4
(C)	1	4	3	2
(D)	4	1	2	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज अ = 224, ब = 201-202, स = 152, द = 185

49. भवभूतिमहाकवेरिमां ''निरर्गलतरङ्गिणी'' इति वदन्ति–

(A) स्रग्धरा (B) मन्दाक्रान्ता
(C) शिखरिणी (D) वसन्ततिलका

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-523

50. ''सरस्वतीश्रुतमहतां महीयताम्'' इति केनोक्तम् ।

(A) वाल्मीकिना (B) भवभूतिना
(C) कालिदासेन (D) श्रीहर्षेण

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7/35) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–453

41.(B) **42.**(D) **43.**(B) **44.** (C) **45.**(B) **46.**(B) **47.**(D) **48.**(D) **49.**(C) **50.**(C)

36	दिसम्बर 2012	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. 'हिरण्यगर्भ' इति पदेनाभिधीयते –
(A) रुद्रः (B) वरुणः
(C) इन्द्रः (D) प्रजापतिः
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–405

2. विधिभागरूपेण स्वीक्रियते –
(A) ब्राह्मणग्रन्थः (B) उपनिषद्ग्रन्थः
(C) धर्मशास्त्रम् (D) आरण्यकम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

3. 'दर्शयागः' कदानुष्ठीयते ?
(A) चतुर्दश्याम् (B) प्रतिपदि
(C) अष्टम्याम् (D) पूर्णिमायाम्
स्रोत–श्रौतयज्ञ परिचय - वेणीराम शर्मा गौड़, पेज–09

4. कस्याहुतिः मनसा दीयते ?
(A) विष्णोः (B) इन्द्रस्य
(C) प्रजापतेः (D) रुद्रस्य
स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–116-117

5. संहितापाठानन्तरं क्रियते –
(A) सन्धिपाठः (B) समासपाठः
(C) पदपाठः (D) यमपाठः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

6. 'देवासः' इति प्रयोगः –
(A) तान्त्रिकः (B) वार्तिकः
(C) छान्दसः (D) ऐतिहासिकः
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–22

7. एषु प्राचीनवेदभाष्यकारो न वर्तते –
(A) सायणः (B) स्कन्दस्वामी
(C) अरविन्दः (D) गुणविष्णुः
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–22-23-25
संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-2) पेज–551

8. 'यास्केन' कतिविधः व्याख्याविधिः स्वीकृतः ?
(A) त्रिविधः (B) पञ्चविधः
(C) चतुर्विधः (D) अष्टविधः
स्रोत–(i) निरुक्त - उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज–02
(ii) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17

9. 'पर्जन्यः पिता' इति कस्मिन् सूक्ते प्रतिपाद्यते ?
(A) पृथिवीसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) हिरण्यगर्भसूक्ते (D) पुरुषसूक्ते
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, भू.पेज–21

10. कठोपनिषद् केन वेदेन सम्बद्धा ?
(A) ऋग्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) शुक्लयजुर्वेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

11. 'तदन्तरस्य सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यतः' कुत्र इयम् उक्तिः?
(A) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् (B) श्रीमद्भागवते
(C) ईशावास्योपनिषदि (D) कठोपनिषदि
स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्रसंख्या-5) - दीपक कुमार, पेज-42

12. कस्मिन् वरे यमस्त्रिणाचिकेतसमग्निम् अदात् ?
(A) प्रथमवरे (B) द्वितीयवरे
(C) तृतीयवरे (D) चतुर्थवरे
स्रोत–कठोपनिषद् (1.1.13) – बैजनाथ पाण्डेय पेज–21

13. अश्वस्य मेध्यस्य पर्वाणि कानि उच्यन्ते ?
(A) ऋतवः (B) अहोरात्राणि
(C) नक्षत्राणि (D) मासाश्चार्धमासाश्च
स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (शांकरभाष्य) - गीताप्रेस, पेज–38

14. 'असद् वा इदमग्र आसीत्' - अयं विचारः कुत्र निर्दिष्टः ?
(A) ईशावास्योपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–तैत्तिरीयोपनिषद् - ब्रह्मानन्द वल्ली (1/1)
ईशादि नौ उपनिषदि गीताप्रेस, पेज–390

1. (D) **2.** (A) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (C) **6.** (C) **7.** (C) **8.** (A) **9.** (A) **10.** (B) **11.** (C) **12.** (B) **13.** (D) **14.** (B)

15. 'इन्द्रियेभ्यः परा ह्यर्था अर्थेभ्यश्च परं मनः' इति कुत्रस्था उक्तिरियम् –

(A) कठोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) तैत्तिरीयोपनिषदि

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1.3.10)-गीताप्रेस, पेज-128

16. 'उमा-हैमवती-आख्यानं' कस्यामुपनिषदि निर्दिष्टा ?

(A) कठोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) ईशावास्योपनिषदि

स्रोत–केनोपनिषद् (खण्ड-4)

17. शिक्षाङ्गस्य विषयाः कियन्तः उपदिष्टाः –

(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–191

18. समानाक्षराणि कियन्ति ?

(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) षट् (D) अष्टौ

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–42

19. सोष्मसञ्ज्ञो वर्णः कः ?

(A) क (B) ख
(C) ग (D) ङ

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–55

20. शिवसङ्कल्पसूक्तं कस्यां शाखायामुपदिष्टम् –

(A) शाकलशाखायाम्
(B) माध्यन्दिनीयशाखायाम्
(C) शौनकशाखायाम्
(D) राणायनीयशाखायाम्

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–98

21. 'अग्निहोत्रम्' अनुष्ठीयते –

(A) प्रतिमासम् (B) प्रतिवर्षम्
(C) प्रतिदिनम् (D) प्रतिपक्षम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–314

22. निरुक्तानुसारं तृतीयो भावविकारः कः ?

(A) अस्ति (B) वर्धते
(C) विनश्यति (D) विपरिणमते

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

23. 'अक्नोपनः' कः भवति ?

(A) आदित्यः (B) अश्वः
(C) अग्निः (D) आचार्यः

स्रोत–निरुक्तम् - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–236

24. 'चित्' इति निपातो वर्तते –

(A) कुत्सार्थे (B) निषेधार्थे
(C) अभावार्थे (D) विकल्पार्थे

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–45

25. वृत्तिसमवायार्थः अनुबन्धकरणार्थः इष्टबुध्यर्थश्च केषां उपदेशः भवति ?

(A) प्रत्ययानाम् (B) धातूनाम्
(C) सन्धीनाम् (D) वर्णानाम्

स्रोत–महाभाष्य पश्पशाह्निक-जयशंकरलाल त्रिपाठी, पेज–135

26. अनुदात्तेत उपदेशे यो ङित् तदन्ताच्च धातोः लस्य स्थाने किं स्यात् ?

(A) परस्मैपदम् (B) आत्मनेपदम्
(C) प्रातिपदिकम् (D) आर्धधातुकम्

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5)-गोविन्दाचार्य, पेज–359

27. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) दूरान्तिकार्थैः 1. डारौरसः
(ब) वयसि 2. षष्ठ्यन्यतरस्याम्
(स) लुटः प्रथमस्य 3. लिटि
(द) कृञ्चानुप्रयुज्यते 4. प्रथमे

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	4	1	3
(C)	2	3	4	1
(D)	4	3	2	1

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, पेज– अ=2.3.35 पेज–205, ब=4.1.20 पेज–427, स=2.4.85 पेज–248, द=3.1.40 पेज–268

15. (A) **16.** (C) **17.** (D) **18.** (D) **19.** (B) **20.** (B) **21.** (C) **22.** (D) **23.** (C) **24.** (A) **25.** (D) **26.** (B) **27.** (B)

28. ''कृत्यल्युटो बहुलम्'' इति सूत्रस्योदाहरणं किम् ?

(A) प्रयाणीयम् (B) स्नानीयं चूर्णम्
(C) प्रभव्यम् (D) प्रयाम्यम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (3.3.113) - ईश्वरचन्द्र, पेज–377

29. ''प्राङ्मुखी'' इत्यत्र 'ङीप्' केन सूत्रेण विधीयते ?

(A) नखमुखात्संज्ञायाम्
(B) जातेरस्त्रीविषयादयोपधात्
(C) क्रीतात्करणपूर्वात्
(D) दिक्पूर्वपदान्ङीप्

स्रोत–अष्टाध्यायी (4.1.60) - ईश्वरचन्द्र, पेज–441

30. शब्दस्याभिव्यक्तेः ऊर्ध्वं वृत्तिभेदे तु वैकृताः ध्वनयः समुपोहन्ते, तैः कः न भिद्यते ?

(A) जीवात्मा (B) स्फोटात्मा
(C) परमात्मा (D) काव्यात्मा

स्रोत–वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड कारिका-76)

31. प्रयागे 'समुद्रगुप्तस्य' स्तम्भ - अभिलेखरचयिता कः ?

(A) तिलकभट्टः (B) हरिषेणः
(C) ध्रुवभूतिः (D) रविकीर्तिः

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-2) परमेश्वरीलाल गुप्त, पेज–09

32. 'अध्यारोपः' .... उच्यते ?

(A) वस्तुनि अवस्त्वारोपः (B) स्मृतिरूपः
(C) लोकानुभवः (D) अवस्तुनि वस्त्वारोपः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

33. स्थूलशरीराणि कतिविधानि वेदान्तमते ?

(A) द्विविधानि (B) चतुर्विधानि
(C) पञ्चविधानि (D) विविधानि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–82

34. 'व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात्' इत्यत्र 'ज्ञ' शब्देन कः बोद्धव्यः ?

(A) प्रकृतिः (B) सूक्ष्मशरीरम्
(C) अहङ्कारः (D) पुरुषः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 2)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–21

35. सांख्यमते 'एकादशेन्द्रियाणि' कस्मात् समुद्भूतानि ?

(A) अहङ्कारात् (B) आकाशात्
(C) पुरुषात् (D) पञ्चमहाभूतात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 24)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–206

36. पूर्वमीमांसामते धर्मः कः ?

(A) सदाचारः (B) यागादिः
(C) अपवर्गः (D) अभ्युदयप्राप्तिः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–10

37. अर्थसंग्रहमते 'वेदभागः' कतिविधः ?

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–38

38. कीदृशो भवति प्रयोगविधिः ?

(A) अङ्गप्रधाननिबन्धबोधकः
(B) कर्मस्वरूपमात्रबोधकः
(C) प्रयोगप्राशुभावबोधकः
(D) कर्मजन्मफलस्वाम्यबोधकः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–109

39. परिसंख्याविधेरुदाहरणं किम् ?

(A) यजेत स्वर्गकामः (B) दध्ना जुहोति
(C) व्रीहीन् अवहन्ति (D) पञ्च पञ्चनखा भक्ष्याः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–147

40. श्रीरामचन्द्रः कं व्याकरणशास्त्रज्ञं प्रशंसति –

(A) सुग्रीवम् (B) भरतम्
(C) लक्ष्मणम् (D) हनूमन्तम्

स्रोत–वाल्मीकिरामायणम् (4.3.25-35)

41. एनं 'शतसाहस्त्रीसंहिता' इति ब्रुवन्ति विपश्चितः –

(A) श्रीमद्रामायणम् (B) महाभारतम्
(C) विष्णुपुराणम् (D) श्रीमद्भागवतम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–123

28.(B) **29.**(D) **30.**(B) **31.**(B) **32.**(A) **33.** (B) **34.** (D) **35.** (A) **36.**(B) **37.** (D) **38.**(C) **39.** (D) **40.** (D) **41.** (B)

42. **''अहल्याशापविमोचनम्'' कस्मिन् काण्डे वर्णितम् –**

(A) अयोध्याकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे

(C) बालकाण्डे (D) सुन्दरकाण्डे

स्रोत–वाल्मीकिरामायण - बालकाण्ड सर्ग-51

43. **'अक्षुद्रान् दानशीलांश्च सत्यशीलाननास्तिकान् ।**
कार्ष्णं वेदमिमं विद्वान् श्रावयित्वार्थमश्नुते ।'
इत्यस्मिन् श्लोके प्रस्तुतीकृतः 'कार्ष्णवेदः' कः ?

(A) भगवद्गीता (B) जानकीहरणम्

(C) श्रीमद्रामायणम् (D) महाभारतम्

स्रोत–महाभारत (खण्ड-1) आदिपर्व (62.18) गीताप्रेस, पेज-207

44. **भगवतः श्रीकृष्णस्य बृहच्चरित्रं कस्मिन् पुराणे वर्णितम् ?**

(A) विष्णुपुराणे (B) भागवतपुराणे

(C) वामनपुराणे (D) देवीभागवते

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–183

45. **पुराणमिदम् अष्टादशमहापुराणेष्वन्यतमं न भवति -**

(A) भागवतमहापुराणम् (B) विष्णुपुराणम्

(C) नृसिंहपुराणम् (D) ब्रह्माण्डपुराणम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–96

46. **महाभारतस्य अष्टादशसु पर्वसु इदं द्वादशतमं भवति –**

(A) अनुशासनपर्व (B) सौप्तिकपर्व

(C) शान्तिपर्व (D) स्त्रीपर्व

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–118

47. **अर्थशास्त्रस्य तृतीयाधिकरणं वर्तते –**

(A) विनयाधिकारिकम् (B) अध्यक्षप्रचारः

(C) योगवृत्तम् (D) धर्मस्थीयम्

स्रोत–कौटिल्य अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, पेज–03

48. **'दुर्गविनिवेशः' कुत्र उपदिष्टः ?**

(A) विनयाधिकारिके (B) धर्मस्थीये

(C) अध्यक्षप्रचारे (D) कण्टकशोधने

स्रोत–कौटिल्य अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–02

49. **यजुर्वेदः सम्प्राप्तः –**

(A) अग्नेः (B) वायोः

(C) इन्द्रात् (D) वरुणात्

स्रोत–मनुस्मृति (1/23) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–19

50. **'उपनयनसंस्कारे' राज्ञः दण्डो भवति –**

(A) केशान्तिकः (B) ललाटसम्मितः

(C) नासिकान्तिकः (D) कर्णान्तिकः

स्रोत–मनुस्मृति (2/46) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–78

51. **अर्थदूषणं वर्तते –**

(A) कामजगणे (B) क्रोधजगणे

(C) लोभजगणे (D) मोहजगणे

स्रोत–मनुस्मृति (7/48) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–167

52. **मिथ्याभियोगी कतिगुणं धनं दद्यात् ?**

(A) द्विगुणम् (B) त्रिगुणम्

(C) चतुर्गुणम् (D) पञ्चगुणम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/11) - गंगासागर राय, पेज–173

53. **रसस्य वृद्धिः उक्ता –**

(A) द्विगुणा (B) चतुर्गुणा

(C) षड्गुणा (D) अष्टगुणा

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/39) - गंगासागर राय, पेज–196

54. **'मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः' - इत्यत्र कः अलङ्कारः ?**

(A) निदर्शना (B) उपमा

(C) उत्प्रेक्षा (D) दृष्टान्तः

स्रोत–रघुवंशम् (1.4) - श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-04

55. **नारदमुनेः स्वागतार्थं को जवेन पीठादुदतिष्ठत् ?**

(A) बलदेवः (B) शिशुपालः

(C) हिरण्यकशिपुः (D) अच्युतः (कृष्णः)

स्रोत–शिशुपालवधम् (1/12) तारिणीश झा, पेज–29

56. **'त्यजन्त्यसूञ्शर्म च मानिनो वरं त्यजन्ति न त्वेकमयाचितव्रतम्'.....इयमुक्तिः कस्माद् ग्रन्थात् उद्धृता?**

(A) शिशुपालवधात् (B) किरातार्जुनीयात्

(C) नैषधीयचरितात् (D) रघुवंशात्

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/50) – बद्रीनाथ मालवीय, पेज–100

42. (C) **43.** (D) **44.** (B) **45.** (C) **46.** (C) **47.** (D) **48.** (C) **49.** (B) **50.** (B) **51.** (B) **52.** (A) **53.** (D) **54.** (B) **55.** (D) **56.** (C)

57. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –

(अ) पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम् — 1. रघुवंशः
(ब) अथवा श्रेयसि केन तृप्यते — 2. कादम्बरी
(स) सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः — 3. शिशुपालवधम्
(द) न हि क्षुद्रनिर्घातपाताभिहता चलति वसुधा — 4. किरातार्जुनीयम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	1	2	4
(B)	4	3	1	2
(C)	2	4	3	1
(D)	1	2	4	3

स्रोत– अ-किरातार्जुनीयम् (1/41), ब-शिशुपालवधम् (1/29), स-रघुवंशम् (1/18), द-कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-प्रद्युम्नपाण्डेय, पेज–29

58. वाच्यवाचकचारुत्वहेतूनां विविधात्मनां रसादिपरता यत्र सः विषयः कस्य ?

(A) रीतेः (B) रसवदलङ्कारस्य
(C) गुणीभूतव्यंग्यस्य (D) ध्वनेः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–37

59. मम्मटानुसारम् अप्रस्तुतप्रशंसालङ्कारः कतिविधः ?

(A) द्विविधः (B) पञ्चविधः
(C) चतुर्विधः (D) दशविधः

स्रोत–काव्यप्रकाश (10/99) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–476

60. शान्तरसस्य स्थायिभावः कः ?

(A) उत्साहः (B) शमः
(C) हासः (D) शोकः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/245) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–121

61. ''चतुर्दशत्वं कृतवान् कुतः स्वयं, न वेद्मि विद्यासु चतुर्दशस्वयम्'' - कः सः ?

(A) दुष्यन्तः (B) अर्जुनः
(C) नलः (D) कृष्णः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/4) तारिणीश झा, पेज–12

62. ''मां च शशाप कालविफलान्यस्त्राणि ते सन्त्विति'' अत्र कः शशाप?

(A) कर्णः (B) जमदग्निः
(C) शल्यः (D) शक्रः

स्रोत–कर्णभारम् (श्लोकसंख्या-10)-रामजी मिश्र, पेज-11

63. उत्तररामचरितनाटकस्य कः अङ्कः 'छाया' इति अभिधीयते ?

(A) प्रथमाङ्कः (B) द्वितीयाङ्कः
(C) तृतीयाङ्कः (D) चतुर्थाङ्कः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–529

64. 'उन्मत्तराघवं' कस्य रूपकस्य उदाहरणं भवति ?

(A) अङ्कस्य (B) वीथेः
(C) डिमस्य (D) समवकारस्य

65. ब्रह्मा कस्माद् वेदात् अभिनयं स्वीकृतवान् –

(A) यजुर्वेदात् (B) ऋग्वेदात्
(C) सामवेदात् (D) अथर्ववेदात्

स्रोत–नाट्यशास्त्र (1/17) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–92

66. ''वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि'' इत्यत्र किं छन्दः ?

(A) अनुष्टुप् (B) वसन्ततिलका
(C) शिखरिणी (D) पुष्पिताग्रा

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/7) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-117

67. कः प्रेक्षागृहाणां प्रमाणं लक्षणञ्च निर्दिशति ?

(A) आदित्यः (B) रुद्रः
(C) विश्वकर्मा (D) यमः

स्रोत–नाट्यशास्त्र (2/7) - बाबूलाल शुक्ल, पेज–34

68. 'रत्नावली' कस्य उपरूपकप्रभेदस्य उदाहरणं भवति ?

(A) त्रोटकस्य (B) नाटिकायाः
(C) भाणस्य (D) सट्टकस्य

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, भू. पेज–17

69. 'कुन्तकानुसारं' कविव्यापारवक्रत्वप्रकाराः कति ?

(A) अष्टौ (B) सप्त
(C) षट् (D) पञ्च

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् - दशरथ द्विवेदी, पेज–78

57. (B) **58.** (D) **59.** (B) **60.** (B) **61.** (C) **62.** (B) **63.** (C) **64.** (A) **65.** (A) **66.** (A) **67.** (C) **68.** (B) **69.** (C)

70. 'यथार्थानुभवः' कतिविधः ?

(A) चतुर्विधः (B) पञ्चविधः
(C) सप्तविधः (D) नवविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–66

71. 'द्रव्यप्रत्यक्षे' सर्वदा सन्निकर्षः भवति ?

(A) समवायः (B) तादात्म्यम्
(C) संयोगः (D) संयुक्तसमवायः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–77

72. 'सन्निकर्षः' कतिविधः ?

(A) द्विविधः (B) चतुर्विधः
(C) षड्विधः (D) अष्टविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–76

73. 'अनुमापकस्य हेतवः' कति सन्ति ?

(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) अष्टौ (D) एकादश

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–89

74. तर्कसंग्रहे 'कर्माणि' कति सन्ति ?

(A) पञ्च (B) सप्त
(C) नव (D) द्वादश

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–29

75. 'तर्कसंग्रहे' साहचर्यनियमशब्देन किमुच्यते ?

(A) उपाधिः (B) सन्निकर्षः
(C) अपवर्गः (D) व्याप्तिः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–85

70. (A) **71.** (C) **72.** (C) **73.** (B) **74.** (A) **75.** (D)

37	जून 2013	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. ''उप त्वाग्ने दिवे दिवे दोषावस्तर्धिया वयम्'' अस्य मन्त्रस्य ऋषिर्वर्तते –

(A) अग्निः (B) कण्वः
(C) दीर्घतमा (D) मधुच्छन्दाः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–59

2. 'दस्योर्हन्ता' को देवः ?

(A) इन्द्रः (B) विष्णुः
(C) वरुणः (D) कोऽपि न

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–186

3. 'काण्वशाखा' कस्य वेदस्य ?

(A) सामवेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) अथर्ववेदस्य (D) ऋग्वेदस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. ''तस्य वयं प्रसवे याम उर्वीः'' मन्त्रांशोऽयं कस्य सूक्तस्य वर्तते ?

(A) रुद्रसूक्तस्य
(B) विश्वामित्रनदीसूक्तस्य
(C) सरमापणिसूक्तस्य
(D) यमयमीसूक्तस्य

स्रोत–ऋग्वेद (3.33.06)–विश्वामित्र नदीसंवाद सूक्त

5. ''श्रिये गावो न धेनवोऽनवन्त'' मन्त्रांशोऽयं कुत्र वर्तते -

(A) विश्वामित्रनदीसूक्ते (B) यमयमीसूक्ते
(C) पुरूरवा-उर्वशीसूक्ते (D) सरमापणिसूक्ते

स्रोत–ऋग्वेद (10.95.06)-पुरूरवा-उर्वशी संवाद सूक्त

6. ''वेदा अपौरुषेयाः सन्ति'' -इति कस्य मतमस्ति –

(A) मैक्समूलरस्य (B) महर्षिदयानन्दस्य
(C) विन्टरनित्सस्य (D) सर्वेषामेव

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–18

7. आर्षेयब्राह्मणं केन वेदेन सम्बद्धोऽस्ति –

(A) सामवेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) यजुर्वेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

8. 'कठोपनिषद्' केन वेदेन सम्बद्धा ?

(A) ऋग्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) शुक्लयजुर्वेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

9. शिक्षावेदाङ्गस्य को विषयः ?

(A) यज्ञः (B) उपासना
(C) मोक्षः (D) उच्चारणम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

10. ''व्याकरणस्य कात्स्न्र्यम्'' किमस्ति –

(A) छन्दशास्त्रम् (B) निरुक्तम्
(C) ज्योतिषम् (D) कल्पशास्त्रम्

स्रोत–निरुक्त (1/5) - छज्जूराम शास्त्री, पेज–41

11. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(a) पुरुषविद्याऽनित्यत्वात् कर्मसम्पत्तिर्मन्त्रो वेदे — 1. ईशोपनिषद्
(b) ओऽम् क्रतो स्मर — 2. ऋग्वेदः
(c) कौषीतकिब्राह्मणम् — 3. अथर्ववेदः
(d) शौनकसंहिता — 4. निरुक्तम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	1	4	3	2
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	4	3

स्रोत–अ-निरुक्त छज्जूराम शास्त्री, पेज–07, ब-इशोपनिषद् मन्त्र-17, स,द-वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09-10

1. (D)	**2.** (A)	**3.** (B)	**4.** (B)	**5.** (C)	**6.** (B)	**7.** (A)	**8.** (C)	**9.** (D)	**10.** (B)	**11.** (A)

12. कल्पग्रन्थेषु किं न गण्यते –
(A) आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् (B) कात्यायनश्रौतसूत्रम्
(C) बौधायनधर्मसूत्रम् (D) उणादिसूत्रम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

13. वेदकालविषये भारतीयपरम्परागतविचारं कः परिपोषयति–
(A) मैक्समूलरः (B) वेबरः
(C) विण्टरनित्सः (D) सायणः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23

14. सांख्याभिमतं प्रमाणत्रयं वर्तते –
(A) प्रत्यक्षम्, अनुमानम्, उपमानम् ।
(B) प्रत्यक्षम्, उपमानम्, अर्थापत्तिः ।
(C) प्रत्यक्षम्, शब्दः, अनुपलब्धिः ।
(D) दृष्टम् (प्रत्यक्षम्), अनुमानम्, आप्तवचनम्।
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 4)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

15. सांख्ये सत्कार्यवादस्वरूपम् एवम् अस्ति –
(A) सतो विज्ञानादसज्जायते इति
(B) सतो विवर्तभूतं कार्यजातं मिथ्यात्मकं जायते इति ।
(C) पूर्वमसत् कार्यं सदेव कारणात् सदात्मकं जायते इति ।
(D) पूर्वं सदेव कार्यं कारणात्मना पश्चाज्जायते इति ।
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 09)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–100

16. सांख्यमते सत्त्वगुणस्य स्वभावो विद्यते –
(A) सुखात्मकः (B) मोहात्मकः
(C) दुःखात्मकः (D) अभावात्मकः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 12)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–135

17. सांख्ये पंग्वन्धन्याये पङ्गुवद् वर्तते –
(A) प्रधानम् (B) पुरुषः
(C) गुणत्रयम् (D) प्रलयः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 21)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–193

18. सांख्यानुसारं नर्तकी वर्तते –
(A) प्रकृतिः (B) माया
(C) सर्गः (D) मनः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 59)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–312

19. 'षष्टितन्त्रं' किम् ?
(A) न्यायग्रन्थः (B) वैशेषिकग्रन्थः
(C) सांख्यग्रन्थः (D) वेदान्तग्रन्थः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 72)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–342

20. 'दमः' उच्यते –
(A) अन्तरिन्द्रियनिग्रहः
(B) विहितानां कर्मणां विधिना परित्यागः
(C) बाह्येन्द्रियनिग्रहः
(D) वेदान्तवाक्येषु विश्वासः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

21. 'वेदान्तसारे' लिङ्गशरीराणि वर्णितानि –
(A) षोडशावयवानि (B) पञ्चदशावयवानि
(C) एकादशावयवानि (D) सप्तदशावयवानि
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

22. विज्ञानमयकोशे भवति –
(A) ज्ञानशक्तिमान् कर्तृरूपः
(B) इच्छाशक्तिमान् कर्तृरूपः
(C) क्रियाशक्तिमान् कार्यरूपः
(D) क्रियात्मकत्वेन कार्यरूपः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–73

23. वेदान्तमते निर्विकल्पकविषये कति विघ्नाः सम्भवन्ति –
(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) द्वौ (D) पञ्च
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–179

24. 'वह्निरनुष्णः' इति स्थले कः हेत्वाभासो वर्तते
(A) सव्यभिचारः (B) सोपाधिकः
(C) बाधितः (D) आश्रयासिद्धः
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–103

25. परार्थानुमाने कति अवयवाः भवन्ति –
(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) षट् (D) द्वौ
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–89

26. कस्य प्रातिपदिकसंज्ञा नास्ति –
(A) भवति (B) पठितुम्
(C) पाणिपादम् (D) दाशरथिः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.17) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114

27. सर्वनामस्थानसंज्ञा कस्य भवति ?
(A) 'सुप्'- प्रत्ययस्य (B) 'शि'- प्रत्ययस्य
(C) सर्वनाम -शब्दस्य (D) सर्व-शब्दस्य
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

12. (D) **13.** (D) **14.** (D) **15.** (D) **16.** (A) **17.**(B) **18.** (A) **19.** (C) **20.** (C) **21.**(D) **22.** (A)
23. (B) **24.**(C) **25.**(B) **26.**(A) **27.**(B)

28. कारकप्रयोगदृष्ट्या वाक्यमिदं शुद्धं वर्तते –
(A) नृपात् गां याचते
(B) देवदत्ताय अभिक्रुध्यति
(C) देवदत्तम् अभिक्रुध्यति
(D) पुष्पं स्पृहयति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–50

29. अनीप्सितस्य का संज्ञा ?
(A) करणसंज्ञा (B) सम्प्रदानसंज्ञा
(C) कर्मसंज्ञा (D) अपादानसंज्ञा
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–19

30. 'अकथितं च' - इत्यस्य सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति –
(A) माणवकं धर्मं ब्रूते
(B) धर्मं जानाति वेदेन
(C) वनं गच्छति रथेन
(D) माणवकाय दीक्षां ददाति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–20

31. अयम् उपपदविभक्तेः प्रयोगः वर्तते –
(A) ग्रामाद् आयाति (B) हरिः सेव्यते
(C) लक्ष्म्या सहितः (D) रामात् पृथक्
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–69

32. 'अधिगोपम्' इत्यत्र कः समासः ?
(A) उपपदतत्पुरुषः (B) कर्मधारयः
(C) तत्पुरुषः (D) अव्ययीभावः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–24

33. लघुसिद्धान्तकौमुदीकारमते समासः कतिधा वर्तते ?
(A) पञ्चधा (B) सप्तधा
(C) सप्तधा (D) चतुर्धा
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

34. 'अक्षशौण्डः' - अस्य अलौकिकविग्रहः भवति –
(A) अक्ष सु + शौण्ड सु
(B) अक्ष सुप् + शौण्ड सु
(C) अक्षेषु शौण्डः
(D) अक्ष ङि + शौण्ड ङि
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–91

35. 'अल्पाच्तरम्' - इत्यस्य सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति –
(A) शिवकेशवौ (B) ईशकृष्णौ
(C) मातापितरौ (D) हरिहरौ
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–237

36. भाषाविज्ञानदृशा अर्धस्वरो भवति –
(A) उ (B) अं
(C) व् (D) ए
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–147

37. निम्नाङ्कितेषु ध्वनिनियमस्य प्रवर्तको न वर्तते –
(A) ग्रिम (Grimm)
(B) ग्रासमान (Grassman)
(C) वेबर (Weber)
(D) वर्नर (Verner)
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

38. शकुन्तलायाः 'अङ्गुलीयकं' कुत्र प्रभ्रष्टम् ?
(A) गङ्गातीर्थसलिले (B) मालिनीनदीतीरे
(C) शचीतीर्थसलिले (D) कण्वाश्रमे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–40

39. 'प्रकरणस्य उदाहरणम् अस्ति –
(A) मुद्राराक्षसम् (B) वेणीसंहारम्
(C) मृच्छकटिकम् (D) प्रतिमानाटकम्
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–307

40. ''हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'' - कस्य इयम् उक्तिः ?
(A) युधिष्ठिरस्य (B) द्रौपद्याः
(C) वनेचरस्य (D) अर्जुनस्य
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/4) अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–42

41. कस्मिन् काव्ये वीररसः अङ्गीरसः भवति –
(A) नैषधीयचरिते (B) शिशुपालवधे
(C) मेघदूते (D) रघुवंशे
स्रोत–शिशुपालवधम् - तारिणीश झा, भू. पेज–57

42. ''करुणस्य मूर्तिरथवा शरीरिणी'' - इदं वर्णनं कस्मिन् काव्येऽस्ति ?
(A) उत्तररामचरिते (B) अभिज्ञानशाकुन्तले
(C) मुद्राराक्षसे (D) रत्नावल्याम्
स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/4) – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–164

28.(C) **29.**(C) **30.**(A) **31.**(D) **32.**(D) **33.**(A) **34.**(B) **35.**(A) **36.**(C) **37.**(C) **38.**(C) **39.**(C) **40.**(C) **41.**(B) **42.**(A)

43. 'नैषधीयचरिते' कति सर्गाः सन्ति ?

(A) अष्टादश (B) एकोनविंशतिः
(C) विंशतिः (D) द्वाविंशतिः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–287

44. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) किरातार्जुनीयम् 1. भासः
(ब) दशकुमारचरितम् 2. दण्डी
(स) स्वप्नवासवदत्तम् 3. भारविः
(द) बुद्धचरितम् 4. अश्वघोषः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	2	1	3	4
(C)	3	2	1	4
(D)	1	4	3	2

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– अ = 182, ब = 466, स = 275, द = 168

45. पुण्यवर्मा कस्य देशस्य नृपः आसीत् ?

(A) वत्सदेशस्य (B) उज्जयिन्याः
(C) वाराणस्याः (D) विदर्भदेशस्य

स्रोत–दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छ्वास)-विश्वनाथ झा, पेज–239

46. ''चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि'' कस्य इयम् उक्तिः?

(A) मम्मटस्य (B) विश्वनाथस्य
(C) वामनस्य (D) दण्डिनः

स्रोत–साहित्यदर्पण (1/2) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–7

47. संस्कृतनाटकेषु 'विदूषकस्य' को वर्गः ?

(A) ब्राह्मणवर्गः (B) क्षत्रियवर्गः
(C) वैश्यवर्गः (D) शूद्रवर्गः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–91

48. 'लोकवृत्तानुकरणं नाट्यमेतन्मया कृतम्' श्लोकपादोऽयं कस्मिन् शास्त्रग्रन्थे वर्तते ?

(A) धर्मशास्त्रे (B) अर्थशास्त्रे
(C) नाट्यशास्त्रे (D) शिल्पशास्त्रे

स्रोत–नाट्यशास्त्र (1/112) - बाबूलाल शुक्ल, पेज–28

49. ''मुख्यार्थबाधे तद्युक्तो ....ययान्योऽर्थः प्रतीयते'' सा शक्तिः का ?

(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/5) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–28

50. रसनिष्पत्तिविषये अनुमितिवादं कः प्रस्तौति ?

(A) भट्टलोल्लटः (B) अभिनवगुप्तः
(C) भट्टनायकः (D) श्रीशङ्कुकः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–102

43.(D) **44.**(C) **45.** (D) **46.**(B) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (B) **50.** (D)

38	जून 2013	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सृष्ट्युत्पत्तिविषयकं विवेचनं कुत्र वर्तते –

(A) पुरुषसूक्ते (B) अग्निसूक्ते
(C) इन्द्रसूक्ते (D) पृथिवीसूक्ते

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53

2. ''ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः''......... अस्य मन्त्रस्य ऋषिः कः अस्ति –

(A) मधुच्छन्दाः (B) अजीगर्तः
(C) कण्वः (D) नारायणः

स्रोत–ऋग्वेद (10.90.16) ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्तशास्त्री, पेज–404

3. 'वाक्-सूक्तस्य' (ऋग्वेदे 10.125) का देवता ?

(A) वाक् (परमात्मा, वागाम्भृणी) (B) आत्मा
(C) वेनौ भार्गवः (D) अम्भृण

स्रोत–ऋग्वेद (10.125.1) ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्तशास्त्री, पेज–416

4. ''यज्ञस्य देवम्'' इत्यत्र 'देवम्' पदस्य स्वरोऽस्ति –

(A) देवम् (B) देवम्
(C) देवम् (D) देवम्

स्रोत–ऋग्वेद (1.1.1), ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–55

5. ''अहमस्मि सहमान उत्तरो नाम भूम्याम्'' मन्त्रांशोऽयं कुत्र वर्तते –

(A) पृथिवीसूक्ते (B) वाक्सूक्ते
(C) पुरुषसूक्ते (D) हिरण्यगर्भसूक्ते

स्रोत–पृथ्वीसूक्त (मन्त्र-54) अथर्ववेद-12.01.54

6. 'शुनःशेप-आख्याने' कस्य उल्लेखो नास्ति –

(A) वरुणस्य (B) वसिष्ठस्य
(C) बादरायणस्य (D) अजीगर्तस्य

स्रोत–शुनःशेपाख्यान - गद्यालोक प्रकाश, पेज–35, 39

7. आध्यात्मिकव्याख्यापद्धतौ वेदे प्रयुक्तस्य 'अग्नि' शब्दस्य कः अर्थः –

(A) श्रौताग्निः (B) विद्युत्
(C) परमात्मा (D) स्मार्ताग्निः

संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-दो)-बलदेव उपाध्याय, पेज–224

8. अधोऽङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(अ) अग्निः सूर्य आपो विश्वे देवाश्च सं ददुः	1. शतपथब्राह्मणम्
(ब) सो अङ्ग वेद यदि वा न वेद	2. अथर्ववेदः
(स) सा यन्मम त्वं कृतानुकाराऽनु वर्त्मासि	3. ऐतरेयब्राह्मणम्
(द) भीम एव सौयवसिः शासेन विशिशासिषुः	4. ऋग्वेदे

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	4	3	1
(B)	2	4	1	3
(C)	3	1	4	2
(D)	3	1	2	4

स्रोत–ऋग्वेद 10.129.7

9. 'तदन्तरस्य सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यतः' इत्यस्य कुत्रोपदेशः ?

(A) ईशोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) श्रीमद्भागवते (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-5) -आद्याप्रसाद मिश्र, पेज-51

10. 'यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम्' कुत्र इयम् उक्तिः ?

(A) ईशोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) भगवद्गीतायाम्

स्रोत–केनोपनिषद् (1/5) ईशादि नौ उपनिषद् गीताप्रेस, पेज–51

1. (A) **2.** (D) **3.** (A) **4.** (D) **5.** (A) **6.** (C) **7.** (C) **8.** (B) **9.** (A) **10.** (B)

11. 'अन्नाद् भूतानि जायन्ते जातान्यन्नेन वर्धन्ते' - इयम् उक्तिः कुत्र अस्ति ?

(A) कठोपनिषदि (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) तैत्तिरीयोपनिषदि

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–374

12. 'अङ्गुष्ठमात्रः पुरुषोऽन्तरात्मा' - इयम् उक्तिः कुत्रास्ति ?

(A) ईशोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) केनोपनिषदि

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज–168

13. 'न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु कामाय जाया प्रिया भवति' - कस्य इयम् उक्तिः ?

(A) कात्यायनस्य (B) मैत्रेय्याः
(C) याज्ञवल्क्यस्य (D) गार्ग्यस्य

स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् शांकरभाष्य (4.5.6)-गीताप्रेस, पेज–1130

14. 'वाचं धेनुमुपासीत्' - इति कुत्र उपदिश्यते ?

(A) श्रीमद्भागवते (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) ईशोपनिषदि

स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (5.8.1) शांकरभाष्य-गीताप्रेस, पेज–1203

15. अधस्तनानां समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(a) सामवेदः 1. कठोपनिषद्
(b) कृष्णयजुर्वेदः 2. बृहदारण्यकोपनिषद्
(c) शुक्लयजुर्वेदः 3. तैत्तिरीयोपनिषद्
(d) एष आदेशः, एष उपदेशः, एषा वेदोपनिषद् 4. केनोपनिषद्

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	4	2	1	3
(C)	1	2	3	4
(D)	3	2	1	4

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

16. 'बृहती-छन्दसि' कियन्तो वर्णाः भवन्ति ?

(A) 44 (B) 40
(C) 36 (D) 38

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

17. चातुर्मास्ययागे वर्तते –

(A) अग्निहोत्रम् (B) आग्रयणम्
(C) सौत्रामणी (D) साकमेधीयम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–314

18. 'नारदीयशिक्षा' सम्बद्धा वर्तते –

(A) सामवेदेन (B) ऋग्वेदेन
(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) शुक्लयजुर्वेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193

19. समानाक्षराणि कति –

(A) 9 (B) 12
(C) 8 (D) 10

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–42

20. अन्तरिक्षस्थाना देवता अस्ति –

(A) अश्विनौ (B) सोमः
(C) सूर्यः (D) वायुः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

21. यास्कीयनिरुक्तानुसारं कस्य पदत्वेन स्वीकारः नास्ति–

(A) नाम्नः (B) उपसर्गस्य
(C) आख्यातस्य (D) प्रत्ययस्य

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–18

22. 'आचिनोत्यर्थान्' इति आचार्यपदनिर्वचने कः धातुः ?

(A) चिञ् (B) आ + चिन्
(C) चिन् (D) आ + चि

23. कस्य किं मतम् ?

(अ) अनर्थकाः हि मन्त्राः 1. नैरुक्तसमयः
(ब) सर्वाणि नामानि आख्यातजानि 2. वार्ष्यायणिः
(स) षड्भावविकाराः 3. कौत्सः
(द) सर्वाणि नामानि आख्यातजानि न 4. गार्ग्यः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	1	2	4
(B)	1	2	4	3
(C)	3	2	1	4
(D)	4	1	2	3

स्रोत–निरुक्तम् - छज्जूराम शास्त्री, पेज–8, 33, 42

11. (D) **12.** (C) **13.** (C) **14.** (B) **15.** (A) **16.** (C) **17.** (D) **18.** (A) **19.** (C) **20.** (D) **21.** (D) **22.** (D) **23.** (A)

24. ''लोपागमवर्णविकारज्ञो हि सम्यग् वेदान् – परिपालयिष्यतीत्यत्र'' - लोपागमस्य उदाहरणम् अस्ति

(A) देवा अदुह्र । (B) उद्ग्राभम् ।
(C) देवा अदुहत । (D) देवै दुह्यते ।

स्रोत–महाभाष्य पश्पशाह्निक-जयशंकरलाल त्रिपाठी, पेज–22

25.महाभाष्यानुसारं सिद्धान्ततः 'व्याकरण' शब्दस्य कोऽर्थः?

(A) सूत्रम् (B) शब्दः
(C) लक्ष्यम् (D) लक्ष्य-लक्षणे

स्रोत–महाभाष्य पश्पशाह्निक-जयशंकरलाल त्रिपाठी, पेज–126

26. 'भू + शप् > अ + अन्ति' इति स्थिते द्वयोः अकारयोः केन सूत्रेण किं भवति ?

(A) अतो गुणे - इत्यनेन पूर्वरूपत्वम्
(B) अतो गुणे - इत्यनेन पररूपत्वम् ।
(C) अतो गुणे - इत्यनेन गुणादेशत्वम् ।
(D) आद् गुणः - इत्यनेन गुणादेशत्वम् ।

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–381

27. धातोः विधीयमानः तव्यत्प्रत्ययः कस्मिन् अर्थे भवति ?

(A) कर्तरि अर्थे (B) भावे अर्थे
(C) भावे कर्मणि च अर्थे (D) कर्मणि अर्थे

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–774

28. 'द्वेस्तीयः' (-पा.सू. 5.2.54) इत्यनेन कः प्रत्ययः विधीयते कश्च तस्य अर्थः ?

(A) तीय-प्रत्ययः, पूरणे अर्थे ।
(B) तीय-प्रत्ययः, संख्यायाम् अर्थे ।
(C) स्तीय-प्रत्ययः, पूरणे अर्थे ।
(D) द्वेस्तीय-प्रत्ययः, मत्वर्थे ।

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-2)-गोपालदत्त पाण्डेय, पेज–961

29. 'गोपस्य स्त्री गोपी' - इत्यत्र स्त्रियां केन सूत्रेण कः प्रत्ययो भवति ?

(A) ऋन्नेभ्यो ङीप् - इति ङीप् ।
(B) पुंयोगादाख्यायाम् - इति ङीष् ।
(C) उगितश्च - इति ङीप् ।
(D) पत्युर्नो यज्ञसंयोगे - इति ङीप् ।

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग एक)-गोपालदत्तपाण्डेय, पेज–653

30. 'वर्गस्य प्रथमवर्णस्य परिवर्तनं केवलम् असंयुक्तध्वनिषु एव भवति न तु संयुक्तध्वनिषु' - इति अपवादनियमः केन प्रदत्तः ?

(A) ग्रिममहोदयेन
(B) ग्रासमानमहोदयेन
(C) वर्नरमहोदयेन
(D) आचार्येण भोलाशङ्करेण

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–242

31. उत्तपते । वितपते । - इत्यनयोः क्रियापदयोः कोऽर्थः ?

(A) विलापयतीत्यर्थः (B) संतापयतीत्यर्थः
(C) 'दीप्यते' - इत्यर्थः (D) उष्णं करोतीत्यर्थः

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5)-गोविन्दाचार्य, पेज–382

32. समुद्रगुप्तस्य 'प्रयागप्रशस्तेः' कः रचयिता ?

(A) वासुलः (B) वत्सभट्टिः
(C) हरिषेणः (D) वीरसेनः

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-2)-परमेश्वरीलाल गुप्त, पेज–09

33. ब्रह्मसूत्राणां भगवत्पादशङ्कराचार्यस्य व्याख्यायाः केन नाम्ना व्यवहारः ?

(A) श्रीभाष्यम् (B) जयः
(C) शारीरकमीमांसाभाष्यम् (D) द्वादशलक्षणी

स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पेज-12

34. 'तत्त्वमसि' इति वाक्यसमन्वये वेदान्ताभिमतलक्षणा वर्तते -

(A) जहल्लक्षणा (B) जहदजहल्लक्षणा
(C) अजहल्लक्षणा (D) उपादानलक्षणा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–127

35. 'षड्विधलिङ्गैः' समुपेतं किम् ?

(A) श्रवणम् (B) मननम्
(C) निदिध्यासनम् (D) अभ्यासः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–152

36. सांख्ये अन्तःकरणं कतिविधं भवति ?

(A) त्रिविधम् (B) चतुर्विधम्
(C) षड्विधम् (D) दशविधम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 33)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–234

24.(A) **25.**(D) **26.**(B) **27.**(C) **28.**(A) **29.**(B) **30.**(A) **31.**(C) **32.**(C) **33.**(C) **34.**(B) **35.**(A) **36.**(A)

37. सांख्याभिमतख्यातिः का ?

(A) अनिर्वचनीयख्यातिः (B) अन्यथाख्यातिः
(C) विवेकख्यातिः (D) असत्ख्यातिः

स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–263

38. सांख्यानुसारं पुरुषबहुत्वप्रस्थापने कारणं भवति

(A) जननमरणकरणानां प्रतिनियमात्
(B) शरीराकारभेदात्
(C) इन्द्रियसंख्याभेदात्
(D) प्रतिपुरुषं ज्ञानभेदात्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 18)-सन्तनारायणश्रीवास्तव, पेज–180

39. अङ्गानां क्रमबोधको विधिर्वर्तते –

(A) विनियोगविधिः (B) नियमविधिः
(C) परिसंख्याविधिः (D) प्रयोगविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–54

40. अधोनिर्दिष्टेषु कुत्र गुणवादो दृश्यते –

(A) अग्निर्हिमस्य भेषजम् (B) आदित्यो यूपः
(C) इन्द्रो वृत्राय वज्रमुदयच्छत् (D) बर्हिषि रजतं न देयम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–198

41. रामायणमाश्रित्य यस्य कथास्ति –

(A) कुन्दमाला (B) रत्नावली
(C) मालविकाग्निमित्रम् (D) पञ्चरात्रम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–116

42. यं ग्रन्थमधिकृत्य शङ्कराचार्येण भाष्यं न रचितम् –

(A) ब्रह्मसूत्रम् (B) श्रीमद्भागवतम्
(C) ईशावास्योपनिषद् (D) श्रीमद्भगवद्गीता

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–XII

43. 'जटायुरावणयुद्धं' रामायणस्य कस्मिन् काण्डे ?

(A) अरण्यकाण्डे (B) सुन्दरकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) बालकाण्डे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–125

44. रामायणे हनुमतः अङ्गुलीयकप्रदानवृत्तान्तः कस्मिन् काण्डे वर्तते ?

(A) सुन्दरकाण्डे (B) युद्धकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) उत्तरकाण्डे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–126

45. पुराणपञ्चलक्षणे नास्ति –

(A) वंशः (B) सर्गः
(C) उत्सर्गः (D) प्रतिसर्गः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–94

46. कस्मिन् पुराणे विविधशास्त्रसम्बन्धिनो विषयाः वर्तन्ते ?

(A) मत्स्यपुराणे (B) शिवपुराणे
(C) विष्णुधर्मोत्तर-पुराणे (D) अग्निपुराणे

स्रोत–पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय, पेज–151

47. बालिवधस्य वर्णनमस्ति रामायणस्य –

(A) सुन्दरकाण्डे (B) किष्किन्धाकाण्डे
(C) अरण्यकाण्डे (D) बालकाण्डे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–126

48. अमात्यानां शौचाशौचज्ञानार्थं कौटिल्येन उपधासु या न निर्दिष्टा सा –

(A) कामोपधा (B) अर्थोपधा
(C) मोक्षोपधा (D) धर्मोपधा

स्रोत–कौटिल्य - अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–25

49. 'मन्त्रिपरिषदं द्वादशामात्यान्कुर्वीत' इति कस्य मान्यता ?

(A) बार्हस्पत्यानाम् (B) कौटिल्यस्य
(C) औशनसाम् (D) मानवानाम्

स्रोत–कौटिलीय - अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–47

50. 'देवानां दिनं' भवति –

(A) कृष्णपक्षः (B) शुक्लपक्षः
(C) उत्तरायणम् (D) दक्षिणायनम्

स्रोत–मनुस्मृति (1/67) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–35

51. 'अङ्गुलिमूले' किं तीर्थं भवति ?

(A) ब्राह्म-तीर्थम् (B) कायम् (प्रजापतितीर्थम्)
(C) दैव-तीर्थम् (D) पितृ-तीर्थम्

स्रोत–मनुस्मृति (2/59) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–83

52. मनुना राजा स्वराष्ट्रे कीदृशोऽभिप्रेतः ?

(A) भृशदण्डः (B) अजिह्मः
(C) क्षमान्वितः (D) न्यायवृत्तः

स्रोत–मनुस्मृति (7/32) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–160

37. (C) **38.** (A) **39.** (A) **40.** (B) **41.** (A) **42.** (B) **43.** (A) **44.** (A) **45.** (C) **46.** (D) **47.** (B) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (C) **51.** (B) **52.** (D)

53. श्रुतार्थस्योत्तरं कुत्र लेख्यम् ?
(A) नृपसन्निधौ (B) पूर्वविदकसन्निधौ
(C) सभासदसन्निधौ (D) ब्राह्मणसन्निधौ
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/7) - गंगासागर राय, पेज–167

54. अभियोगस्यापह्नवे कियद् धनं राज्ञे दद्यात् ?
(A) द्विगुणम् (B) त्रिगुणम्
(C) चतुर्गुणम् (D) अभियोगसमम्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/11) - गंगासागर राय, पेज–173

55. ''तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्त्रपदा-दिवोरगः'' - इत्यत्र नताननः कः ?
(A) सुयोधनः (B) धर्मराजः
(C) वनेचरः (D) भीमसेनः
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/24) - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–72

56. रुग्णः प्रभाकरवर्धनः उपचारहेतोः कुत्र गतः?
(A) उद्याने (B) वने
(C) धवलगृहे (D) स्नानगृहे
स्रोत–हर्षचरितम् - पञ्चम उच्छ्वास - शिवनाथ पाण्डेय, पेज–45

57. रत्नावलीनाटिकायाः 'प्रथमाङ्कस्य' नाम किम् ?
(A) सङ्केतः (B) मदन-महोत्सवः
(C) कदलीगृहः (D) ऐन्द्रजालिकः
स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, पेज–70

58. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत
(अ) प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः 1. किरातार्जुनीयम्
(ब) अनङ्गोऽयमनङ्गत्वमद्य निन्दिष्यति ध्रुवम् 2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(स) अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता 3. शिशुपालवधम्
(द) किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् 4. रत्नावली

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	3	4	1
(B)	4	2	1	3
(C)	3	4	1	2
(D)	1	3	2	4

स्रोत–अ=शिशुपालवधम् (1/2), ब=रत्नावली (1/22), स=किरातार्जुनीयम् (1/23), द=अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/20)

59. 'अल्पमात्रं समुद्दिष्टं बहुधा यद्विसर्पति' - इति कस्य लक्षणम् ?
(A) मुखस्य (B) निर्वहणस्य
(C) बीजस्य (D) पताकायाः
स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–20

60. ''आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यङ्गनानां सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि ।'' कोऽत्रालङ्कारः ?
(A) उपमा (B) दृष्टान्तः
(C) निदर्शना (D) अर्थान्तरन्यासः
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ श्लोक-9)

61. फलार्थिभिः प्रारब्धस्य कार्यावस्थाः कति सन्ति ?
(A) षट् (B) पञ्च
(C) सप्त (D) दश
स्रोत–दशरूपक (1/19) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–23

62. ''न हि खलु सर्वः सर्वं जानाति'' - इति कुत्र वर्तते ?
(A) वेणीसंहारे (B) रत्नावल्याम्
(C) मध्यमव्यायोगे (D) मुद्राराक्षसे
स्रोत–मुद्राराक्षस (प्रथम अंक) - परमेश्वर दीन पाण्डेय, पेज–29

63. वासवदत्तया कुसुमायुधस्य पूजा कुत्र सम्पादिता ?
(A) बकुल-पादप-तले (B) रक्ताशोक-पादप-तले
(C) सहकार-वृक्ष-तले (D) दाडिम-वृक्ष-तले
स्रोत–रत्नावली (प्रथम अंक) - तारिणीश झा, पेज-52

64. वचो भारवेः –
(A) कदलीफल-सम्मितम् (B) द्राक्षाफल-सम्मितम्
(C) दाडिमफल-सम्मितम् (D) नारिकेलफल-सम्मितम्
स्रोत–किरातार्जुनीयम् - राजेन्द्र मिश्र, भू. पेज–27

65. 'कारणान्यथ कार्याणि सहकारीणि यानि च' कस्य विषये आयाति ?
(A) रसस्वरूप-विषये (B) वस्तुस्वरूप-विषये
(C) ध्वनि-विषये (D) अलङ्कारविषये
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-43) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–95

66. 'अश्वघोषः' कस्य धर्मस्य प्रचारार्थं काव्यानि अलिखत् ?
(A) जैनधर्मस्य (B) बौद्धधर्मस्य
(C) सिखधर्मस्य (D) ख्रिष्टधर्मस्य
स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–168

53. (B) **54.** (D) **55.** (A) **56.** (C) **57.** (B) **58.** (C) **59.** (C) **60.** (D) **61.** (B) **62.** (D) **63.** (B) **64.** (D) **65.** (A) **66.** (B)

67. विश्वनाथानुसारं 'शाब्दीव्यञ्जना' कतिविधा ?

(A) चतुर्धा (B) द्विधा

(C) त्रिधा (D) पञ्चधा

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/13) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–40

68. ''वत्से ! सुशिष्यपरिदत्ता विद्येवाशोचनीया संवृत्ता'' - कस्येयमुक्तिः ?

(A) दुष्यन्तस्य (B) गौतम्याः

(C) कण्वस्य (D) शकुन्तलायाः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-197

69. 'रसो मुख्यतया अनुकार्ये रामादावेव भवति' इति कस्य मतम् ?

(A) भट्टलोल्लटस्य (B) शङ्कुकस्य

(C) भट्टनायकस्य (D) अभिनवगुप्तस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-101

70. ''प्रमाकरणं प्रमाणम्'' - इति कस्य लक्षणम् ?

(A) प्रमायाः (B) प्रत्यक्षस्य

(C) प्रमाणस्य (D) लक्षणस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, भू. पेज–15

71. ''गौरश्वः पुरुषो हस्तीति'' कस्माद् हेतोर्न वाक्यम्?

(A) पदत्वात् (B) सन्निधेरभावात्

(C) परस्पराकांक्षाविरहात् (D) योग्यताविरहात्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–108

72. ''पर्वतो वह्निमान् प्रमेयत्वात्'' इत्यत्र दोषे वर्तते –

(A) साध्याभाववद्वृत्तिः

(B) दृष्टान्तरहितत्वम्

(C) साध्याभावव्याप्तिः

(D) आश्रयासिद्धित्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–96

73. तर्कसंग्रहानुसारं परिमाणं कतिविधम् ?

(A) द्विविधम् (B) पञ्चविधम्

(C) चतुर्विधम् (D) षड्विधम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–55

74. पटं प्रति तुरीवेमादिकं कीदृशं कारणं भवति ?

(A) समवायिकारणम्

(B) असमवायिकारण्

(C) स्वरूपकारणम्

(D) निमित्तकारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–72

75. ''पृथिवी इतरेभ्यो भिद्यते गन्धवत्त्वात्'' - अत्र साध्यः कः ?

(A) पृथिवी (B) गन्धवत्त्वम्

(C) इतरभेदः (D) गन्धत्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–197

67. (B) **68.** (C) **69.** (A) **70.** (C) **71.** (C) **72.** (A) **73.** (C) **74.** (D) **75.** (C)

39	सितम्बर 2013	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'रत्नधातममिति' कस्य विशेषणम् ?
(A) बृहस्पतेः (B) अग्नेः
(C) रुद्रस्य (D) वायोः
स्रोत–ऋग्वेद (1.1.1), ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–55

2. अपां नेता कः ?
(A) सोमः (B) रुद्रः
(C) वरुणः (D) इन्द्रः
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (2.12.7) - हरिदत्त शास्त्री, पेज–184

3. 'पैप्पलाद-संहिता' केन वेदेन सम्बद्धा ?
(A) यजुर्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) सामवेदेन (D) ऋग्वेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

4. ग्रन्थवाचक-ब्राह्मण-लक्षणं कतिधा प्रतिपाद्यते ?
(A) नवधा (B) दशधा
(C) पञ्चदशधा (D) षोडशधा
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

5. वेदारम्भो विधीयते –
(A) संहितातः (B) पदपाठतः
(C) जटापाठतः (D) घनपाठतः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

6. 'नारदीय-शिक्षा' केन वेदेन सम्बद्धा ?
(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–193

7. एषु प्राचीनव्याख्याकारो वर्तते –
(A) जैकोबी (B) मैक्समूलर
(C) ए. वेबर (D) सायणः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–23

8. वेदभगवतः मुखत्वेनोपमीयते –
(A) शिक्षा (B) कल्पः
(C) निरुक्तम् (D) व्याकरणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

9. अङ्गुलीषु स्वरसञ्चालनं क्रियते –
(A) ऋग्वेदे (B) यजुर्वेदे
(C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे
स्रोत–संस्कृत वाङ्मयका बृहद् इतिहास (भाग-2), पेज–40

10. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(अ)	कालगणनायोपयुज्यते	1.	सामवेदीयम्
(ब)	ईशावास्यमिदं सर्वम्	2.	ऋग्वेदः
(स)	षड्विंशब्राह्मणम्	3.	ज्योतिषम्
(द)	दशतयी	4.	यत्किञ्च जगत्यां जगत्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	4	3	1
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–अ = 208, स = 10, ब-ईशावास्योपनिषद् मन्त्र-1, द=संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–35

11. कति भावविकाराः –
(A) सप्त (B) षट्
(C) अष्ट (D) दश
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

12. राणायनीयशाखा कस्य वेदस्य ?
(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

1. (B) **2.** (D) **3.** (B) **4.** (B) **5.** (A) **6.** (C) **7.** (D) **8.** (D) **9.** (C) **10.** (C) **11.** (B) **12.** (C)

13. 'आ कृष्णेन रजसा' इति कस्मिन् सूक्ते पठ्यते ?
(A) नवग्रहसूक्ते (B) सवितृसूक्ते
(C) उषस्सूक्ते (D) रात्रिसूक्ते
स्रोत–ऋक्सूक्त संग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–105

14. तर्कसंग्रहस्य कर्ता –
(A) केशवमिश्रः (B) जगदीशः
(C) अन्नंभट्टः (D) कौण्डभट्टः
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, भू. पेज–1

15. तर्कसंग्रहानुसारं करणम् –
(A) कार्यनियतपूर्ववृत्तिः (B) साधारणं कारणम्
(C) निमित्तकारणम् (D) असाधारणं कारणम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–68

16. तर्कसंग्रहानुसारं द्रव्याणि –
(A) नवैव (B) दशैव
(C) एकादश (D) द्वादश
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–28

17. तर्कसंग्रहानुसारम् आत्मा –
(A) अणुः (B) विभुः
(C) दीर्घः (D) मध्यमपरिमाणः
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–47

18. तस्मादिन्द्रियम् ....।
(A) प्रत्यक्षप्रमाणम् (B) अनुमितिकरणम्
(C) उपमानम् (D) शब्दप्रमाणम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–74

19. तर्कसंग्रहानुसारम् अभावः कतिविधः –
(A) एक एव (B) द्विविधः
(C) चतुर्विधः (D) त्रिविधः
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–34

20. सांख्यमते पुरुषो वर्तते –
(A) अचेतनः (B) चेतनः
(C) प्रकृतिः (D) विकृतिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 11)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–129

21. सांख्यमते लघु प्रकाशकञ्च वर्तते –
(A) तमः (B) सत्त्वम्
(C) रजः (D) रूपम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 13)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–145

22. सांख्यानामनुमानं कतिविधम् ?
(A) चतुर्विधम (B) त्रिविधम्
(C) पञ्चविधम् (D) षड्विधम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 5)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–52

23. 'विवर्तवादः' कस्य सिद्धान्तः ?
(A) नैयायिकानाम् (B) अद्वैतवेदान्तिनाम्
(C) मीमांसकानाम् (D) सांख्यानाम्
स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–96

24. 'अध्यासो' वर्तते –
(A) कार्यरूपः (B) स्मृतिरूपः
(C) कारणरूपः (D) नित्यरूपः
स्रोत–भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, पेज–242

25. रिक्तस्थानं पूरयत - 'वेदान्तसारमनुसृत्य सूक्ष्मशरीराणि .... अवयवानि' ।
(A) पञ्चदश (B) षोडश
(C) सप्तदश (D) चतुर्दश
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

26. 'वर्णानामतिशयितः सन्निधिः' उच्यते –
(A) संयोगः (B) संहिता
(C) सवर्णम् (D) अनुनासिकः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

27. 'वृद्धिसंज्ञाविधायकं' सूत्रं किम् ?
(A) वृद्धिरेचि (B) वृद्धिरादैच्
(C) आद्गुणः (D) एङि पररूपम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.1) - ईश्वरचन्द्र, पेज–05

28. 'क्तक्तवतू' इत्यनयोः का संज्ञा भवति ?
(A) नदी (B) घि
(C) उपधा (D) निष्ठा
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

13. (B) **14.** (C) **15.** (D) **16.** (A) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (B) **22.** (B) **23.** (B)
24. (B) **25.** (C) **26.** (B) **27.** (B) **28.** (D)

29. कर्तुः क्रियया आप्तुमिष्टतमस्य कारकस्य का संज्ञा भवति ?

(A) कर्ता (B) कर्म
(C) करणम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–कारक प्रकरण (1.4.49) - राममुनिपाण्डेय, पेज–16

30. 'प्रायेण पूर्वपदार्थप्रधानः' कः समासः ?

(A) द्विगुः (B) द्वन्द्वः
(C) बहुव्रीहिः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

31. 'एकाल् प्रत्ययः' कः भवति ?

(A) संयोगः (B) अपृक्तः
(C) उपधा (D) वृद्धिः

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) – ईश्वरचन्द्र, पेज–68

32. 'अपादानादिविशेषैरविवक्षितस्य कारकस्य' का संज्ञा ?

(A) कर्ता (B) कर्म
(C) करणम् (D) अधिकरणम्

स्रोत–कारक प्रकरण (1.4.51) - राममुनि पाण्डेय, पेज–19

33. 'पञ्चगङ्गम्' इत्यत्र समासविधायकं सूत्रं किम् ?

(A) संख्यापूर्वो द्विगुः (B) नदीभिश्च
(C) चार्थे द्वन्द्वः (D) अनेकमन्यपदार्थे

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–42

34. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) सवर्णम् 1. उपसर्जनं पूर्वम्
(ब) नदी 2. हेतौ
(स) अधिहरि 3. तुल्यास्यप्रयत्नम्
(द) दण्डेन घटः 4. यू स्त्र्याख्यौ

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	1	2
(D)	4	1	3	2

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र अ = 1.1.9 पेज–11, ब = 1.4.3 पेज–109, स-लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–21, द-सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज–44

35. 'हिमवतो गङ्गा प्रभवति' - इत्यत्र किं सूत्रं प्रवर्तते ?

(A) पराजेरसोढः (B) धारेरुत्तमर्णः
(C) जनिकर्तुः प्रकृतिः (D) भुवः प्रभवः

स्रोत–सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनिपाण्डेय, पेज–63

36. अपवर्गे कयोस्तृतीया भवति ?

(A) कर्तृकर्मणोः (B) हेतुकरणयोः
(C) कालाध्वनोः (D) संज्ञासर्वनाम्नोः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–42

37. ध्वनिनियमेषु क्रमेण प्रथमः को गण्यते ?

(A) वर्नरनियमः (B) ग्रिमनियमः
(C) कालित्सनियमः (D) ग्रासमाननियमः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

38. उत्तररामचरितस्य प्रथमाङ्कः उच्यते –

(A) कुमारप्रत्यभिज्ञानम् (B) पञ्चवटीप्रवेशः
(C) चित्रदर्शनम् (D) छाया

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–58

39. कालिदासेन रचिता कृतिः न वर्तते –

(A) स्वप्नवासवदत्तम्
(B) रघुवंशमहाकाव्यम्
(C) मेघदूतम्
(D) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–137

40. मदनमहोत्सवस्य वर्णनं कस्मिन् ग्रन्थे प्रथमाङ्के उपलभ्यते ?

(A) उत्तररामचरिते (B) रत्नावल्याम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मृच्छकटिके

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, पेज–70

41. गुरूपदेशस्य महत्त्वमस्मिन्नुपवर्णितं विस्तरेण –

(A) हर्षचरिते (B) दशकुमारचरिते
(C) नैषधीयचरिते (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–कादम्बरी (शुकनासोपदेश) – तारिणीश झा, पेज–09

29.(B) **30.**(D) **31.**(B) **32.**(B) **33.**(B) **34.**(C) **35.**(D) **36.**(C) **37.**(B) **38.**(C) **39.**(A) **40.**(B) **41.**(D)

42. नैषधीयचरिते कति सर्गाः ?

(A) एकोनविंशतिः (19) (B) विंशतिः (20)
(C) द्वाविंशतिः (22) (D) एकविंशतिः (21)

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–224

43. रघुवंशमहाकाव्ये सर्वप्रथमं कस्य राज्ञः वर्णनं कृतम् ?

(A) रामस्य (B) रघोः
(C) अजस्य (D) दिलीपस्य

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–151, 152

44. मेघदूतकाव्यानुसारं यक्षस्य पत्नी कुत्र वसति स्म ?

(A) रामगिर्याश्रमेषु (B) वाराणस्याम्
(C) अलकापुर्याम् (D) प्रयागे

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ 07) - तारिणीश झा, पेज–16

45. दण्डिना रचितं काव्यमस्ति –

(A) नैषधीयचरितम् (B) बुद्धचरितम्
(C) उत्तररामचरितम् (D) दशकुमारचरितम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–466

46. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) श्रीहर्षः 1. उत्तररामचरितम्
(ब) बाणभट्टः 2. बुद्धचरितम्
(स) भवभूतिः 3. नैषधीयचरितम्
(द) अश्वघोषः 4. हर्षचरितम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	4	1	2	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– अ = 224, ब = 491, स - 395, द =167

47. सम्राट्हर्षवर्धनस्य पितुः नाम किमासीत् –

(A) प्रभाकरवर्द्धनः
(B) राज्यवर्द्धनः
(C) अवन्तिवर्मा
(D) ग्रहवर्मा

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय, पेज–19

48. विश्वनाथेन कस्य काव्यलक्षणस्य खण्डनं प्रधानत्वेन कृतम् ?

(A) वामनस्य
(B) आनन्दवर्धनस्य
(C) मम्मटस्य
(D) कुन्तकस्य

स्रोत–साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–12-13

49. 'वाग्वैदग्ध्यप्रधानेऽपि रस एवात्र जीवितम्' इत्युक्तिः दर्पणकारेण कुतः उद्धृता ?

(A) काव्यप्रकाशात्
(B) रामायणात्
(C) अग्निपुराणात्
(D) नाट्यशास्त्रात्

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-18

50. विश्वनाथमतानुसारं लक्षणायाः कति भेदाः सन्ति ?

(A) विंशतिः
(B) चतुर्विंशतिः
(C) अशीतिः
(D) सप्ततिः

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/11) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–39

॥ पठामि संस्कृतं नित्यं वदामि संस्कृतं सदा ॥
॥ ध्यायामि संस्कृतं सम्यक् वन्दे संस्कृतमातरम्॥

42. (C) **43.**(D) **44.**(C) **45.** (D) **46.**(B) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (C)

40	सितम्बर 2013	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ऋग्वेदस्य द्वितीयमण्डलान्तर्गतस्य इन्द्रसूक्तस्य ऋषिः कः अस्ति ?
(A) गृत्समदः (B) हिरण्यगर्भः
(C) विश्वामित्रः (D) अत्रिः
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–177

2. विधेयाः के ?
(A) मन्त्राः (B) ब्राह्मणाः
(C) अर्थवादाः (D) प्रश्लिष्टाः
स्रोत–वैदिकसाहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–12

3. दर्शेष्टौ कति ऋत्विजो भवन्ति ?
(A) **चत्वारः** (B) **षोडश**
(C) **अष्टौ** (D) **दश**
स्रोत–श्रौतयज्ञपरिचय - वेणीरामशर्मा गौड़, पेज–10

4. पञ्चमहायज्ञाः केषां कृते विहिताः ?
(A) संन्यासिनां कृते (B) गृहस्थानां कृते
(C) ब्रह्मचारिणां कृते (D) बालानां कृते
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–317

5. माध्यन्दिनसंहितायाम् अनुदात्तस्वरचिह्नं कुत्र दीयते ?
(A) उपरिष्टात् (B) तिर्यक्
(C) अधः (D) सर्वतः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–326

6. सायणस्य व्याख्यापद्धतिरस्ति –
(A) वैज्ञानिकी (B) याज्ञिकी
(C) तान्त्रिकी (D) ऐतिहासिकी
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17

7. आह्वनीयस्य स्वरूपम् –
(A) वृत्तम् (B) चतुरस्रम्
(C) वर्तुलम् (D) षट्कोणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–311

8. नासदीयसूक्ते कतिमन्त्राः सन्ति ?
(A) सप्त (B) दश
(C) सप्तदश (D) विंशतिः
स्रोत–वेदकथांक - गीताप्रेस, पेज–461-62

9. तैत्तिरीयोपनिषद् केन वेदेन सम्बद्धा ?
(A) शुक्लयजुर्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

10. कठोपनिषदनुसारं प्राणेन सम्भवति –
(A) अदितिः (B) आत्मा
(C) बुद्धिः (D) मनः
स्रोत–कठोपनिषद् (2.1.7)

11. ईशावास्यदिशा कथं मृत्युं तरति –
(A) ज्ञानेन (B) विनाशेन
(C) सम्भूत्या (D) विद्यया
स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-14)

12. 'आत्मना विन्दते वीर्यम्' - अयं विचारः कुत्रोपदिश्यते ?
(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) बृहदारण्यके
स्रोत–केनोपनिषद् (2/4)

13. 'मानी पुनः पुनर्वशमापद्यते मे' - कुत्र इयम् उक्तिः?
(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) बृहदारण्यके
(C) कठोपनिषदि (D) केनोपनिषदि
स्रोत–कठोपनिषद् (1.2.6)

1. (A) **2.** (A) **3.** (A) **4.** (B) **5.** (C) **6.** (B) **7.** (B) **8.** (A) **9.** (B) **10.** (A) **11.** (B) **12.** (A) **13.** (C)

14. ''अमृतञ्च स्थितञ्च यच्च सच्च त्यच्च'' - कुत्रेयमुक्तिः ?
(A) केनोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) छान्दोग्योपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् शांकरभाष्य (2.3.1), गीताप्रेस, पेज–511

15. आनन्दमयस्य शिरः किमुच्यते ?
(A) आनन्दः (B) मोदः
(C) प्रियम् (D) प्रमोदः
स्रोत–तैत्तिरीयोपनिषद् - चुन्नीलाल शुक्ल, पेज–58

16. ''मृत्यवे त्वा ददामि'' इति केनोक्तम् ?
(A) यमेन (B) नचिकेतसा
(C) उद्दालकेन (D) कुमारेण
स्रोत–कठोपनिषद् (1.1.4) - बैजनाथ पाण्डेय, पेज-8

17. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारं सोष्मवर्णः कः ?
(A) च (B) छ
(C) ज (D) ट
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–55

18. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारम् अघोषवर्णः कः ?
(A) श (B) ड
(C) ढ (D) ण
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–54

19. ऋक्प्रातिशाख्यम् अनुसृत्य बह्वृचानां यमसंख्या वर्तते –
(A) 5 (B) 10
(C) 20 (D) 25
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–75, 411

20. कौशिकगृह्यसूत्रं केन सम्बद्धम् ?
(A) ऋग्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–233

21. 'उष्णिक्' - छन्दसि कियन्तो वर्णाः भवन्ति –
(A) 20 (B) 24
(C) 28 (D) 32
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

22. निरुक्तानुसारं चतुर्थो भावविकारः कः अस्ति ?
(A) अस्ति (B) वर्धते
(C) अपक्षीयते (D) विनश्यति
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

23. 'उच्छतीति' निरुक्त्या उच्यते –
(A) वाक् (B) उदकम्
(C) उषाः (D) आदित्यः
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–210

24. 'वा' इति निपातो कस्मिन् अर्थे वर्तते –
(A) निषेधार्थे (B) विचारणार्थे
(C) उपमार्थे (D) प्रयोगार्थे
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–50

25. महाभाष्यरीत्या 'चत्वारि शृङ्ग' इत्यत्र किं चत्वारि पदेन गृह्यते ?
(A) चत्वारो वेदाः
(B) चत्वारो विद्याभ्यासकालाः
(C) चत्वारः ऋत्विजः
(D) नामाख्यातोपसर्गनिपाताश्च
स्रोत–व्याकरणमहाभाष्य पश्पशाह्निक-मधुसूदन मिश्र, पेज–18

26. काकुदमित्यत्र काकुशब्देनाभिप्रेतं किम् ?
(A) लक्ष्यार्थः (B) व्यङ्ग्यम्
(C) जिह्वा (D) ध्वनिः
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–135-136

27. 'भोजनकाले उपतिष्ठते' इत्यत्र आत्मनेपदविधायकं सूत्रं किम् अस्ति ?
(A) अकर्मकाच्च (B) उपान्मन्त्रकरणे
(C) समवप्रविभ्यः स्थः (D) उदोऽनूर्ध्वकरणे
स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5)-गोविन्दाचार्य, पेज–382

28. 'सीमा' इत्यत्र 'ङीप्' निषेधकं सूत्रं किम् अस्ति ?
(A) मनः (B) अनो बहुव्रीहेः
(C) टाबृचि (D) न यासयोः
स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-एक)-गोपालदत्तपाण्डेय, पेज–587

14. (D) **15.** (C) **16.** (C) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (C) **20.** (D) **21.** (C) **22.** (B) **23.** (C) **24.** (B)
25. (D) **26.** (C) **27.** (A) **28.** (A)

29. अव्ययीभाव-समासे 'साग्नि' इत्युदाहरणे अग्निः उच्यते –

(A) देवः (B) दाहकः
(C) पाचकः (D) ग्रन्थः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–41

30. 'सुपात्' इत्यत्र कः समासः ?

(A) तत्पुरुषः (B) बहुव्रीहिः
(C) द्वन्द्वः (D) अव्ययीभावः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–214

31. ऐहोलशिलालेखः कस्य वर्तते ?

(A) द्वितीय चन्द्रगुप्तस्य (B) द्वितीय धरसेनस्य
(C) द्वितीय जीवितगुप्तस्य (D) द्वितीय पुलकेशिनः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज–242

32. अद्वैतमते 'ब्रह्मणो' वर्तते –

(A) व्यावहारिकत्वम् (B) प्रतिभासिकत्वम्
(C) पारमार्थिकत्वम् (D) मिथ्यात्वम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–IX

33. 'ब्रह्मसूत्रस्यापरं' नाम किम् अस्ति ?

(A) शारीरकसूत्रम् (B) मीमांसासूत्रम्
(C) धर्मसूत्रम् (D) सांख्यसूत्रम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–08

34. सांख्यमते गुरु वरणकञ्च किम् उच्यते –

(A) सत्त्वम् (B) तमः
(C) रजः (D) रूपम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 13)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–145

35. सांख्यमते अकर्तृत्वं कस्य स्वरूपम् अस्ति ?

(A) प्रधानस्य (B) बुद्धेः
(C) अहङ्कारस्य (D) पुरुषस्य

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 13)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–186

36. अर्थसंग्रहानुसारं भावना कतिधा –

(A) द्विविधा (B) त्रिविधा
(C) चतुर्विधा (D) पञ्चविधा

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–19

37. गुणविधेः उदाहरणं किम् अस्ति ?

(A) अग्निहोत्रं जुहोति (B) समिधो यजति
(C) दध्ना जुहोति (D) सोमेन यजेत

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–42

38. प्रयोग-प्राशु-भावबोधकः भवति

(A) उत्पत्तिविधिः (B) विशिष्टविधिः
(C) गुणविधिः (D) प्रयोगविधिः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–109

39. 'तत्प्रख्यन्यायः' कुत्र उपयुज्यते ?

(A) निषेधनिर्णये (B) नियमविधिनिर्णये
(C) नामधेयनिर्णये (D) अर्थवादनिर्णये

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–155

40. 'प्रतिपत्पाठशीलस्य विद्येव तनुतां गता' इयम् उक्तिः कुत्र उपलभ्यते ?

(A) श्रीमद्भागवते (B) विष्णुपुराणे
(C) रामायणे (D) भगवद्गीतायाम्

स्रोत–वाल्मीकीयरामायणम् (5.59.31)

41. महाभारतस्य तृतीयं पर्व किमुच्यते ?

(A) उद्योगपर्व (B) भीष्मपर्व
(C) द्रोणपर्व (D) वनपर्व

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–117

42. व्यासस्य पितामहः कः आसीत् ?

(A) शक्तिः (B) पराशरः
(C) द्वैपायनः (D) विश्वामित्रः

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - राकेशकुमार जैन, पेज–71

43. श्रीमद्भागवतपुराणं निबद्धम् अस्ति ?

(A) पर्वसु (B) काण्डेषु
(C) स्कन्धेषु (D) खण्डेषु

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–97

44. महापुराणेषु न गण्यते –

(A) पद्मपुराणम् (B) ब्रह्मपुराणम्
(C) साम्बपुराणम् (D) स्कन्दपुराणम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–96

29. (D) **30.** (B) **31.** (D) **32.** (C) **33.** (A) **34.** (B) **35.** (D) **36.** (A) **37.** (C) **38.** (D) **39.** (C) **40.** (C) **41.** (D) **42.** (A) **43.** (C) **44.** (C)

45. ललिता-सहस्त्र-नामस्तोत्रं कुत्र वर्तते ?

(A) श्रीमद्भागवते (B) रामायणे

(C) ब्रह्माण्डपुराणे (D) अग्निपुराणे

स्रोत–पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय, पेज–161

46. खिलभागत्वेन अभिधीयते –

(A) नारदपुराणम् (B) ब्रह्मपुराणम्

(C) कूर्मपुराणम् (D) हरिवंशपुराणम्

स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-3), पेज–514

47. अर्थशास्त्रस्य प्रथमाधिकरणं वर्तते –

(A) विनयाधिकारिकम् (B) योगवृत्तम्

(C) धर्मस्थीयम् (D) षाड्गुण्यम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, भू. पेज–75

48. समयाचारिकं कुत्र उपदिष्टम् अर्थशास्त्रे –

(A) धर्मस्थीये (B) कण्टकशोधने

(C) अध्यक्षप्रचारे (D) योगवृत्ते

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–428

49. ऋग्वेदः कस्मात् सम्प्राप्तः –

(A) अग्नेः (B) वायोः

(C) आदित्यात् (D) सोमात्

स्रोत–मनुस्मृति (1/33) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–19

50. केशान्तसंस्कारस्य काल उक्तः क्षत्रियार्थम् –

(A) द्वादशे वर्षे (B) षोडशे वर्षे

(C) द्वाविंशे वर्षे (D) चतुर्विंशे वर्षे

स्रोत–मनुस्मृति (2/65) - गिरिधरगोपाल शर्मा, पेज–85

51. याज्ञवल्क्यदिशा मानुषं प्रमाणं कतिविधम् ?

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्

(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/22) - गंगासागर राय, पेज–180

52. विद्वान् निधिं लब्ध्वा ततः कियन्तं गृह्णीयात् ?

(A) सर्वम् (B) दशांशम्

(C) षष्ठांशम् (D) अर्धम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/34) - गंगासागर राय, पेज–192

53. दिवास्वप्नः गण्यते –

(A) लोभजगणे (B) मोहजगणे

(C) क्रोधजगणे (D) कामजगणे

स्रोत–मनुस्मृति (7/47) - गिरिधरगोपाल शर्मा, पेज–167

54. ''तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्त्र–पदादिवोरगः'' - इत्यत्र कः अलङ्कारः ?

(A) दीपकः (B) दृष्टान्तः

(C) रूपकः (D) श्लेषः

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/24) - राजेन्द्र मिश्र, पेज–85

55. 'हैयङ्गवीनम्' इति शब्दस्य को अर्थः –

(A) क्षीरम् (B) घृतम्

(C) जलम् (D) अग्निः

स्रोत–रघुवंशम् (1/45) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–21

56. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	प्रावृषेण्यं पयोवाहं विद्युदैरावताविव	1.	दशकुमारचरितम्
(ब)	वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः	2.	उत्तररामचरितम्
(स)	तस्य वसुमती नाम सुमती लीलावती कुलशेखरमणी रमणी बभूव	3.	रघुवंशम्
(द)	जनकानां रघूणां च सम्बन्धः कस्य न प्रियः?	4.	किरातार्जुनीयम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	4	1	2
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	2	3	1	4

स्रोत–अ = रघुवंशम् (1/36), ब = किरातार्जुनीयम् (1/8), द = उत्तररामचरितम् (1/51)

45. (C) **46.** (D) **47.** (A) **48.** (D) **49.** (A) **50.** (C) **51.** (C) **52.** (A) **53.** (D) **54.** (D) **55.** (B) **56.** (A)

57. **''काव्यज्ञशिक्षयाभ्यासम् इति हेतुस्तदुद्भवे'' इयमुक्तिः कस्माद् ग्रन्थादुद्धृता अस्ति ?**

(A) साहित्यदर्पणात् (B) काव्यप्रकाशात्
(C) ध्वन्यालोकात् (D) नाट्यशास्त्रात्

स्रोत–काव्यप्रकाश (1/3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–16

58. **'अपारे काव्यसंसारे कविरेकः प्रजापतिः' इति कुत्र भण्यते–**

(A) ध्वन्यालोके (B) काव्यप्रकाशे
(C) नाट्यशास्त्रे (D) दशकुमारचरिते

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–312

59. **'अद्भुत-रसस्य' स्थायिभावः कः अस्ति ?**

(A) रतिः (B) शोकः
(C) हासः (D) विस्मयः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/242) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

60. **सोपहास - निगूढार्था नालिकैव –**

(A) नाटिका (B) प्रहेलिका
(C) प्रकरणिका (D) भाणिका

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/261) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–219

61. **'मुखं विकसित-स्मितं वशितवक्रिमप्रेक्षितं' कस्य उदाहरणम् इदम् ?**

(A) अगूढ-व्यङ्ग्यस्य (B) गूढ-व्यङ्ग्यस्य
(C) व्यञ्जनायाः (D) अभिधायाः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–68

62. **नाट्यशास्त्रानुसारं नाट्यमण्डपस्य रक्षणे कः नियुक्तः अस्ति ?**

(A) चन्द्रः (B) सूर्यः
(C) अग्निः (D) वरुणः

स्रोत–नाट्यशास्त्र (1/84) – बाबूलाल शुक्ल, पेज–22

63. **नाट्यशास्त्रे प्रेक्षागृहस्य वर्णनं कस्मिन्नध्यायेऽस्ति ?**

(A) तृतीयेऽध्याये (B) पञ्चमेऽध्याये
(C) द्वितीयेऽध्याये (D) चतुर्थेऽध्याये

स्रोत–नाट्यशास्त्र (2/7) - बाबूलाल शुक्ल, पेज–34

64. **शृङ्गाररसप्रधानं नाटकम् इदम् अस्ति –**

(A) उत्तररामचरितम् (B) वेणीसंहारम्
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (D) प्रतिमानाटकम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–339

65. **अच्छोदसरः केन खानितम् ?**

(A) चित्ररथेन (B) चन्द्रापीडेन
(C) चित्रसेनेन (D) दक्षप्रजापतिना

स्रोत–कादम्बरी- कृष्णमोहन शास्त्री, पेज–412

66. **'यथा नराणां नृपतिः शिष्याणां च यथा गुरुः एवं हि सर्वभावानां' महानिह पूरयत ।**

(A) विभावः (B) सात्त्विकभावः
(C) अनुभावः (D) स्थायिभावः

स्रोत–नाट्यशास्त्र (भाग-एक) (7/8)-बाबूलाल शुक्ल, पेज–379

67. **काव्यस्वरूपमिदम् –**

(A) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि ।
(B) इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः ।
(C) अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तु मध्यमम् ।
(D) तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित् ।

स्रोत–काव्यप्रकाश - (सूत्र-1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–19

68. **ध्वन्यालोके प्रतीयमानस्य तृतीयः प्रभेदः कः ?**

(A) अलङ्कारादिः (B) गुणादिः
(C) रसादिः (D) वृत्त्यादिः

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–13

69. **अलक्षितद्विजं धीरमुत्तमानां .... भवेत् ।**

(A) हसितम् (B) विहसितम्
(C) उपहसितम् (D) स्मितम्

स्रोत–नाट्यशास्त्र (6/54) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–205

70. **तर्कसंग्रहानुसारं मनः..........।**

(A) विभु (B) परमाणु
(C) दीर्घम् (D) मध्यमपरिमाणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–49

71. **'उष्णस्पर्शवत्त्वं' .... लक्षणम् ।**

(A) पृथिव्याः (B) अपाम्
(C) तेजसः (D) आत्मनः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–38

57. (B)	**58.** (A)	**59.** (D)	**60.** (B)	**61.** (B)	**62.** (A)	**63.** (C)	**64.** (C)	**65.** (A)	**66.** (D)
67. (A)	**68.** (C)	**69.** (D)	**70.** (B)	**71.** (C)					

72. तर्कसंग्रहानुसारं गन्धः कतिविधः अस्ति –

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–51

73. युग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत –

(अ)	संयुक्तसमवायः	1.	रूपत्वग्राहकः
(ब)	समवायः	2.	रूपग्राहकः
(स)	समवेतसमवायः	3.	शब्दग्राहकः
(द)	संयुक्त-समवेत-समवायः	4.	शब्दत्वग्राहकः

कूट :

	(अ)	(ब)	(ब)	(स)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	3	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता
पेज– अ = 78, ब = 79, स = 80, द = 79

74. तर्कसंग्रहानुसारं लिङ्गं कतिविधम् –

(A) द्विविधम्
(B) त्रिविधम्
(C) चतुर्विधम्
(D) पञ्चविधम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–91

75. 'वह्निव्याप्यधूमवानयं पर्वतः' इति ज्ञानम् अस्ति –

(A) व्याप्तिः
(B) अनुमितिः
(C) परामर्शः
(D) पक्षधर्मता

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–87

72. (A) **73.** (B) **74.** (B) **75.** (C)

41	दिसम्बर 2013	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ''स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव'' अस्य मन्त्रस्य ऋषिः वर्तते –

(A) वसिष्ठः (B) मधुच्छन्दाः
(C) कण्वः (D) अङ्गिराः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्तशास्त्री, पेज–60

2. 'वज्रहस्तः' इति विशेषणं कस्य देवस्य अस्ति –

(A) उषसः (B) विष्णोः
(C) अग्नेः (D) इन्द्रस्य

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–189

3. 'माध्यन्दिनशाखा' कस्य वेदस्य अस्ति ?

(A) यजुर्वेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) अथर्ववेदस्य (D) कस्यापि न

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. ''आ वो वृणे सुमतिं यज्ञियानाम्'' मन्त्रांशः अयं कस्य - सूक्तस्य वर्तते –

(A) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्तस्य
(B) यमयमी-सूक्तस्य
(C) सरमा-पणि-सूक्तस्य
(D) विश्वामित्र-नदी-सूक्तस्य

स्रोत–ऋग्वेद (3.33.11) – विश्वामित्र नदी संवाद सूक्त मन्त्र-11

5. ''कदा सूनुः पितरं जात इच्छात्'' अयं मन्त्रांशः कुत्र वर्तते -

(A) विश्वामित्र-नदी-सूक्ते
(B) यम-यमी-सूक्ते
(C) पुरूरवा-उर्वशी-सूक्ते
(D) सरमा-पणि-सूक्ते

स्रोत–ऋग्वेद (10.95.12), पुरूरवा-उर्वशीसंवाद सूक्त मन्त्र-12

6. नक्षत्रसम्पातादिना वेदकालं कः प्रतिपादयति –

(A) बालगङ्गाधरतिलकः (B) महर्षिदयानन्दः
(C) सायणः (D) मैक्समूलरः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

7. 'गोपथब्राह्मणं' केन वेदेन सम्बद्धम् अस्ति –

(A) ऋग्वेदेन (B) सामवेदेन
(C) अथर्ववेदेन (D) यजुर्वेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

8. 'ईशोपनिषद्' केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति –

(A) ऋग्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) शुक्लयजुर्वेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

9. 'माण्डूकी-शिक्षा' कस्य वेदस्य अस्ति –

(A) अथर्ववेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) यजुर्वेदस्य (D) ऋग्वेदस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास-गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–254

10. वेदाङ्गेषु 'श्रोत्रत्वेन' कः उपमीयते –

(A) ज्योतिषम् (B) छन्दशास्त्रम्
(C) निरुक्तम् (D) शिक्षा

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–190

11. अधोङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(अ) प्रश्नोपनिषद् 1. निरुक्तम्
(ब) पञ्चविंशब्राह्मणम् 2. अथर्ववेदः
(स) अथेदं भस्मान्तं शरीरम् 3. सामवेदः
(द) व्याप्तिमत्त्वात् शब्दस्य 4. ईशोपनिषद्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	1	2	3
(B)	1	3	4	2
(C)	2	3	4	1
(D)	3	4	1	2

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी अ, ब = पेज–10, स = ईशावास्योपनिषद् मन्त्र-17, द =निरुक्त - विश्वेश्वर - पेज–31

1. (B) **2.** (D) **3.** (A) **4.** (D) **5.** (C) **6.** (A) **7.** (C) **8.** (D) **9.** (A) **10.** (C) **11.** (C)

12. कल्पग्रन्थेषु कः गण्यते –

(A) कात्यायनश्रौतसूत्रम् (B) उणादिसूत्रम्

(C) जैमिनीयसूत्रम् (D) सांख्यसूत्रम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

13. 'विकृतिपाठाः' कियन्तः सन्ति –

(A) 9 (B) 10

(C) 6 (D) 8

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

14. अनिर्वचनीयवादिनः के –

(A) वैशेषिकाः (B) पूर्वमीमांसकाः

(C) बौद्धाः (D) अद्वैतवेदान्तिनः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–38

15. सांख्ये केवलविकृतिरूपात्मकानि तत्त्वानि कति –

(A) षोडश (B) नव

(C) पञ्च (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 3)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

16. अव्यक्तं कीदृशं तत्त्वं निरूपितम् –

(A) चेतनम् (B) उदासीनम्

(C) जडम् (D) अभावरूपम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 11)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–129

17. प्रत्ययसर्गः कतिविधः –

(A) पञ्चाशद्विधः (B) नवविधः

(C) शतविधः (D) सप्तविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 46)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–269

18. 'शाण्डिल्यविद्याविषयः' कुत्र निर्दिष्टः अस्ति –

(A) माण्डूक्योपनिषदि

(B) छान्दोग्योपनिषदि

(C) बृहदारण्यके

(D) कठोपनिषदि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–17

19. काम्यकर्माणि कीदृशानि –

(A) अकरणे पापसाधनानि

(B) निमित्तवशात् कृतानि

(C) पापविनाशसाधनानि

(D) फलोद्देश्येन विधीयमानानि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

20. वेदान्तसारानुसारम् 'अज्ञानं' किं रूपं भवति –

(A) भावरूपम् (B) अभावरूपम्

(C) शून्यरूपम् (D) निष्क्रियरूपम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

21. 'निर्वातदीपवदचलं' भवति -

(A) सविकल्पकसमाधिः (B) सगुणब्रह्मस्वरूपम्

(C) समष्टिजीवस्वरूपम् (D) निर्विकल्पकसमाधिः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–179

22. गन्धं प्रति पृथिवी भवति –

(A) समवायिकारणम्

(B) असमवायिकारणम्

(C) निमित्तकारणम्

(D) उपादानकारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–35

23. सपक्षस्योदाहरणं विद्यते –

(A) महाह्रदः (B) पर्वतः

(C) महानसः (D) आकाशः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–94

24. प्रागभावस्य लक्षणं भवति –

(A) सादिरनन्तः

(B) त्रैकालिकसंसर्गाभावः

(C) अनादिः सान्तः

(D) तादात्म्यसम्बन्धावच्छिन्नप्रतियोगिताकाभावः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–122

12. (A) **13.** (D) **14.** (D) **15.** (A) **16.** (C) **17.** (A) **18.** (B) **19.** (D) **20.** (A) **21.** (D) **22.** (A) **23.** (C) **24.** (C)

25. अधोनिर्दिष्टानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –

(अ) आप्तवाक्यम् 1. आप्तः
(ब) अर्थाबाधः 2. सन्निधिः
(स) पदानाम् अविलम्बेनोच्चारणम् 3. शब्दः
(द) यथार्थवक्ता 4. योग्यता

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–107, 108

26. 'ग्रामणी + सु > स्' इत्यत्र अपृक्तसंज्ञा कस्य भवति –
(A) 'सु' इत्यस्य (B) 'स्' इत्यस्य
(C) 'ग्रामणी' इत्यस्य (D) 'ग्रामणी + सु' इत्यस्य
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

27. कस्य शब्दस्य 'नदीसंज्ञा' नास्ति –
(A) नदी (B) साध्वी
(C) स्त्री (D) ग्रामणीः
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.3) - ईश्वरचन्द्र, पेज–109

28. कारकप्रयोगदृष्ट्या वाक्यमिदं शुद्धम् अस्ति –
(A) भक्तः रोचते भक्तिः (B) देवदत्तं श्लाघते
(C) वैकुण्ठम् अध्यास्ते हरिः (D) वैकुण्ठे अध्यास्ते हरिः
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–29

29. 'पुष्पाणि स्पृहयति' - अत्र 'पुष्पाणि' इति पदम् अस्ति –
(A) ईप्सिततमम् (B) ईप्सितम्
(C) अनीप्सितम् (D) अनीप्सिततमम्
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–49

30. ''परिक्रयणे सम्प्रदानमन्यतरस्याम्'' - इति सूत्रेण 'अन्यतरस्यां' का संज्ञा भवति –
(A) अपादानसंज्ञा (B) करणसंज्ञा
(C) कर्मसंज्ञा (D) अधिकरणसंज्ञा
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–52

31. 'उपपदविभक्तेः कारकविभक्तिः बलीयसी' - इत्यस्य उदाहरणम् अस्ति –
(A) रामं नमामि
(B) नमस्करोति देवान्
(C) गुरुणा सह शिष्यः गच्छति
(D) यागाय याति
स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–55

32. 'सुमद्रम्' इत्यत्र 'सु' अव्ययस्य अर्थः अस्ति –
(A) समीपम् (B) शोभनम्
(C) समृद्धिः (D) युगपत्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–28

33. तत्पुरुषे समासे कस्य पदार्थस्य प्रधानता भवति –
(A) पूर्वपदार्थस्य (B) उत्तरपदार्थस्य
(C) अन्यपदार्थस्य (D) उभयपदार्थस्य
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–02

34. 'राजदन्ताः' अस्य लौकिकं विग्रहवाक्यं भवति –
(A) राज्ञां दन्ताः (B) दन्तानां राजानः
(C) दन्तानां राजानम् (D) दन्त आम् राजन् जस्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–234

35. 'कर्मधारयसंज्ञा' कस्य भवति –
(A) अव्ययीभावस्य
(B) समानाधिकरणस्य तत्पुरुषस्य
(C) असमानाधिकरणस्य तत्पुरुषस्य
(D) समानाधिकरणस्य बहुव्रीहेः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–108

36. भाषाविज्ञानदृशा अर्धस्वरो भवति -
(A) अ (B) य्
(C) इ (D) अः
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–149

37. आर्यभाषापरिवारस्य भाषा न मन्यते –
(A) प्राकृतम् (B) पालि
(C) संस्कृतम् (D) तमिल
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–431

25.(C) **26.**(B) **27.**(D) **28.**(C) **29.**(A) **30.**(B) **31.**(B) **32.**(C) **33.**(B) **34.**(B) **35.**(B) **36.**(B) **37.**(D)

38. अधस्तनेषु एकाङ्किरूपकम् अस्ति –

(A) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (B) चारुदत्तम्
(C) कर्णभारम् (D) अविमारकम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–276

39. 'श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्' इति सूक्तिः कुत्र अस्ति –

(A) रामायणे (B) महाभारते
(C) रघुवंशे (D) वेणीसंहारे

स्रोत–रघुवंशम् (2/2) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–43

40. 'शाल्मलीवृक्षवर्णनं' कस्मिन् काव्ये दृश्यते ?

(A) नलचम्पौ (B) कादम्बर्याम्
(C) हर्षचरिते (D) वासवदत्तायाम्

स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, पेज–195

41. संस्कृतवाङ्मये करुणरसस्य वर्णने कः विशिष्यते –

(A) कालिदासः (B) बाणभट्टः
(C) अश्वघोषः (D) भवभूतिः

स्रोत–उत्तररामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–97-98

42. बृहत्त्रय्याम् अस्य ग्रन्थस्य गणना न भवति –

(A) किरातार्जुनीयस्य (B) शिशुपालवधस्य
(C) कुमारसम्भवस्य (D) नैषधीयचरितस्य

स्रोत–शिशुपालवधम् - तारिणीश झा, भू. पेज–12

43. 'अकारणाविष्कृतवैरदारुणादसज्जनात् कस्य भयं न जायते' - इति केन कविनोक्तम् –

(A) कालिदासेन (B) भारविणा
(C) श्रीहर्षेण (D) बाणभट्टेन

स्रोत–कादम्बरी कथामुख (श्लोक-5) – तारिणीश झा, पेज–7

44. ''अधारि पद्मेषु तदङ्घ्रिणा घृणा क्व तच्छयच्छायलवोऽपि पल्लवे।'' अस्मिन् पद्यांशे कस्य सौन्दर्यं वर्णितम् –

(A) दमयन्त्याः (B) नलस्य
(C) रामस्य (D) सीतायाः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/20) – बद्रीनाथ मालवीय, पेज–47-48

45. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	हर्षः	1.	मुद्राराक्षसम्
(ब)	भवभूतिः	2.	स्वप्नवासवदत्तम्
(स)	विशाखदत्तः	3.	उत्तररामचरितम्
(द)	भासः	4.	रत्नावली

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	2	4	1
(B)	4	3	1	2
(C)	2	1	3	4
(D)	1	4	2	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– अ=365, ब = 395, स = 354, द = 275

46. मम्मटस्य व्यङ्ग्यमूला-व्यञ्जनायाः उदाहरणं वर्तते –

(A) निःशेषच्युतचन्दनम्
(B) पश्य निश्चलनिष्पन्दा
(C) ग्रामतरुणं तरुण्या
(D) मातः गृहोपकरणं नास्ति

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–41

47. 'रसः' इति कः पदार्थः –

(A) आस्वाद्यमानः (B) श्रवणपेयः
(C) भोज्यमानः (D) दृश्यमानः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–49

48. नाट्यशास्त्रानुसारं कति स्थायिभावाः सन्ति –

(A) नव (B) अष्टौ
(C) दश (D) सप्त

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–99

49. संग्रहकारिका-निरुक्तानां वर्णनं नाट्यशास्त्रस्य कस्मिन् अध्याये वर्तते ?

(A) द्वितीये (B) तृतीये
(C) चतुर्थे (D) षष्ठे

स्रोत–नाट्यशास्त्र (6.3) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-149

50. 'प्रकृतं प्रतिषिध्यान्यस्थापनं' चेत् तदा कोऽलङ्कारः –

(A) उपमा (B) भ्रान्तिमान्
(C) श्लेषः (D) अपह्नुतिः

स्रोत–साहित्यदर्पण (10/39) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–313

38. (C) **39.**(C) **40.** (B) **41.** (D) **42.** (C) **43.** (D) **44.** (B) **45.** (B) **46.** (B) **47.** (A) **48.** (B) **49.** (D) **50.** (D)

42	दिसम्बर 2013	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सृष्ट्युत्पत्तिविषयकं विवेचनं वर्तते –

(A) अग्निसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) नासदीयसूक्ते (D) पृथिवीसूक्ते

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–53

2. ''सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः ....'' अस्य मन्त्रस्य ऋषिः अस्ति –

(A) नारायणः (B) कण्वः
(C) मेधातिथिः (D) अङ्गिराः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–403

3. हिरण्यगर्भसूक्तस्य किं छन्दः ?

(A) आर्षी निचृद् (B) आसुरी गायत्री
(C) त्रिष्टुप् (D) पंक्तिः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–405।

4. अग्निमीळे इत्यत्र ''अग्निम्'' पदस्य स्वरो भवति –

(A) अग्निम् (B) अग्निम्
(C) अग्निम् (D) अग्निम्

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–55

5. ''संविदाना दिवा कवे श्रियां मा धेहि भूत्याम्'' मन्त्रांशोऽयं वर्तते –

(A) वाक्सूक्ते (B) हिरण्यगर्भसूक्ते
(C) पृथिवीसूक्ते (D) पुरुषसूक्ते

स्रोत–अथर्ववेद (12.1.63)

6. दर्शपूर्णमासयज्ञे 'दर्श' - शब्दस्य अर्थोऽस्ति –

(A) पयस्या (B) दर्विः
(C) शूर्पम् (D) अमावस्या

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–314

7. वेदमन्त्राणां त्रिविधा प्राचीनतमा व्याख्या भवति –

(A) याज्ञिक - वैज्ञानिक - आधिदैविकरूपेण
(B) आध्यात्मिक - आधिभौतिक - आधिदैविकरूपेण
(C) याज्ञिक - ऐतिहासिक - आधिदैविकरूपेण
(D) आध्यात्मिक - याज्ञिक - भाषावैज्ञानिकरूपेण

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–17

8. अधोऽङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(अ)	ये के च भ्रातरः स्थ नास्मै ज्येष्ठाय कल्पध्वमिति	1.	शतपथ-ब्राह्मणम्
(ब)	श्रेयसो वै पापीयान् कृतानुकरः वर्त्मा भवति	2.	ऋग्वेदः
(स)	यो वा दिवं सत्यधर्मा जजान	3.	अथर्ववेदः
(द)	ये संग्रामाः समितयस्तेषु चारु वदेम	4.	ऐतरेय–ब्राह्मणम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	2	1	3
(B)	3	4	2	1
(C)	3	2	1	4
(D)	4	1	2	3

9. 'योऽसावसौ पुरुषः सोऽहमस्मि' - इत्यस्य कुत्रोपदेशः ?

(A) ईशोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) श्रीमद्भागवते

स्रोत–ईशोपनिषद् (मन्त्र-16)

10. 'अतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माल्लोकादमृता भवन्ति' - कुत्र इयम् उक्तिः?

(A) ईशोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) भगवद्गीतायाम् (D) कठोपनिषदि

स्रोत–केनोपनिषद् (प्रथम खण्ड श्लोक-2)

1. (C)	**2.** (A)	**3.** (C)	**4.** (B)	**5.** (C)	**6.** (D)	**7.** (B)	**8.** (D)	**9.** (A)	**10.** (B)

11. 'यतो वाचो निवर्तन्ते अप्राप्य मनसा सह' - कुत्र इयम् उक्तिः ?

(A) कठोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

स्रोत–तैत्तिरीयोपनिषद् (2.4.1)

12. 'अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणः' - इयम् उक्तिः कुत्रास्ति ?

(A) बृहदारण्यकोपनिषदि (B) ईशोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) कठोपनिषदि

स्रोत–कठोपनिषद् (1.2.18)

13. 'येनाहं नामृता स्याम किमहं तेन कुर्याम्' - कया इदम् उच्यते ?

(A) मैत्रेय्या (B) कात्यायन्या
(C) गायत्र्या (D) उमया

स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (2.4.3)-शांकरभाष्य-गीताप्रेस, पेज–544

14. 'आत्मैवेदमग्र आसीत् पुरुषविधः' - इति कुत्र उक्तम् ?

(A) कठोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) केनोपनिषदि

स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (शांकरभाष्य) गीताप्रेस, पेज–162

15. अधस्तनानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(अ)	काण्वसंहिता	1.	बृहदारण्यकोपनिषद्
(ब)	शतपथब्राह्मणम्	2.	मैत्रेयी
(स)	वाजश्रवाः	3.	ईशोपनिषद्
(द)	याज्ञवल्क्यः	4.	नचिकेता

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	4	2	3
(B)	3	4	2	1
(C)	3	1	4	2
(D)	2	1	3	4

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज – अ = ईशावास्योपनिषद् - आद्याप्रसाद मिश्र, भू. पेज–18, ब = 130, स = 175, द = 183

16. 'उष्णिक्' छन्दसि कियन्तो वर्णाः भवन्ति ?

(A) 27 (B) 28
(C) 32 (D) 29

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

17. 'चातुर्मास्ययागे' वर्तते –

(A) शुनासीरीयम् (B) अग्निहोत्रम्
(C) आग्रयणम् (D) सौत्रामणी

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–314

18. 'याज्ञवल्क्यशिक्षा' केन सम्बद्धा वर्तते –

(A) ऋग्वेदेन (B) सामवेदेन
(C) अथर्ववेदेन (D) शुक्लयजुर्वेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–131

19. ऋग्वेदीयप्रातिशाख्यानुसारेण रक्तसंज्ञः कः ?

(A) स्पर्शः (B) अनुनासिकः
(C) संयोगः (D) विसर्गः

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज–69

20. 'अन्तरिक्षस्थाना' देवता अस्ति –

(A) अश्विनौ (B) अग्निः
(C) इन्द्रः (D) सूर्यः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

21. समुचितं सम्बन्धं प्रस्थापयत –

(अ)	सत्त्वप्रधानानि	1.	निघण्टवः
(ब)	निगमा इमे भवन्ति	2.	तद्यथा-पाचकः पंक्तिः
(स)	संविज्ञातानि तानि	3.	नामानि
(द)	तद्यत्र उभे	4.	भावप्रधाने भवतः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	4	3
(B)	2	1	3	4
(C)	3	1	2	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत–निरुक्त - छज्जूराम शास्त्री, पेज–3, 2, 4

22. 'आचार्यश्चिद् इदं ब्रूयात्' - इत्यत्र चित् निपातस्य अर्थः कः ?

(A) पादपूरणः (B) उपमा
(C) पूजा (D) धनम्

स्रोत–निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–44

11. (C)	**12.** (D)	**13.** (A)	**14.** (C)	**15.** (C)	**16.** (B)	**17.** (A)	**18.** (D)	**19.** (B)	**20.** (C)	**21.** (C)
22. (C)										

23. 'हस्तः' इत्यत्र कः धातुः स्वीकृतः यास्केन ?

(A) हन् (B) हा

(C) हस् (D) अस्

स्रोत–निरुक्तम् (1/3) छज्जूराम शास्त्री/देवशर्मा शास्त्री, पेज–22-23

24. स्थूला चासौ पृषती च स्थूलपृषती - इति विग्रहे कीदृशी स्वरव्यवस्था प्रवर्तते ?

(A) पूर्वपदप्रकृतिस्वरत्वम्

(B) उत्तरपदप्रकृतिस्वरत्वम्

(C) समासान्तानुदात्तत्वम्

(D) समासान्तोदात्तत्वम्

स्रोत–व्याकरणमहाभाष्य पश्पशाह्निक - मधुसूदन मिश्र, पेज–10

25. 'अथ गौरित्यत्र' कः शब्दः ?

(A) सास्ना-लाङ्गूल-ककुद-खुर-विषाण्यर्थरूपं स शब्दः

(B) इङ्गितं चेष्टितं निमिषितं स शब्दः

(C) भिन्नेष्वभिन्नं छिन्नेष्वछिन्नं सामान्यभूतं स शब्दः

(D) येनोच्चारितेन सास्ना-लाङ्गूल-ककुद-खुर-विषाणिनां सम्प्रत्ययो भवति स शब्दः

स्रोत–व्याकरणमहाभाष्य पश्पशाह्निक - मधुसूदन मिश्र, पेज–7

26. 'भू + लिट् > ल् > तिप् > णल् > अ = भू + अ' - इति स्थिते किं कार्यं भवति ?

(A) इको यणचि - इति यणादेशः

(B) लिटि धातोरनभ्यासस्य - इति द्वित्वम्

(C) भुवो वुग्लुङ्लिटोः - इति वुगागमः

(D) सार्वधातुकार्धधातुकयोः - इति गुणः

स्रोत–अष्टाध्यायी (6.4.88) – ईश्वरचन्द्र, पेज–805

27. 'स्नात्यनेन स्नानीयं चूर्णम् ।' - इत्यत्र 'स्ना' धातोः विधीयमानः अनीयर्-प्रत्ययः कस्मिन् अर्थे वर्तते ?

(A) कर्तरि (B) कर्मणि

(C) भावे (D) करणे

स्रोत–अष्टाध्यायी (3.3.113) - ईश्वरचन्द्र, पेज–377

28. 'चतुरश्छयतावाद्यक्षरलोपश्च' इत्यस्य किमुदाहरणम् ?

(A) चतुर्थः (B) चतुरः

(C) तुरीयः (D) तृतीयः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-5), पेज–283

29. पच् + शप् > अ + शतृ > अत् = पचत् - इत्यत्र स्त्रियां केन सूत्रेण कः प्रत्ययः भवति ?

(A) उगितश्च - इति ङीप्

(B) उगितश्च - इति ङीष्

(C) अजाद्यतष्टाप् - इति टाप्

(D) ऋन्नेभ्यो ङीप् - इति ङीप्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1155

30. पाणिनीयशिक्षानुसारं वर्णानाम् उच्चारणस्थानानि कति सन्ति ?

(A) एकादश (B) दश

(C) अष्टौ (D) द्वादश

स्रोत–पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-13)-शिवराजआचार्यकौण्डिन्यायन, पेज–88

31. 'शतम्' वर्गस्य कति शाखाः सन्ति ?

(A) तिस्रः (B) चतस्रः

(C) पञ्च (D) सप्त

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

32. 'सुदर्शनतडाकस्य' कः निर्माता ?

(A) चक्रपालितः (B) सुविशाखः

(C) तुषास्कः (D) पुष्यगुप्तः

स्रोत–भारतीय पुरालिपि अभिलेख एवं मुद्राएं-शोभा सत्यदेव, पेज-104

33. सांख्यानुसारं 'कैवल्यं' भवति –

(A) ज्ञानैकस्वरूपत्वम्

(B) उपकारापकारशक्त्याहित्यम्

(C) इच्छाद्वेषप्रयत्नादिशून्यत्वम्

(D) आत्यन्तिकदुःखशून्यत्वम्

स्रोत–सांख्यकारिका (कारिका-68)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–336

34. आधिभौतिकदुःखं सांख्यमतेन उदाह्रियते –

(A) ज्वरातिसारादुत्पन्नं दुःखम्

(B) स्वजनवियोगाप्रियजनसंयोगजन्यं दुःखम्

(C) सर्पादिसमुद्भवं दुःखम्

(D) भूतप्रेतादिवशाज्जायमानं दुःखम्

स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–11

23.(A) **24.**(D) **25.**(D) **26.**(C) **27.**(D) **28.**(C) **29.**(A) **30.**(C) **31.**(B) **32.**(D) **33.**(D) **34.**(C)

35. भौतिकः सर्गः कतिविधो भवति ?

(A) चतुर्दशविधः (B) पञ्चविधः
(C) अष्टविधः (D) एकविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 53)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–299

36. 'स्थूलप्रपञ्चोत्पत्तिः' केभ्यः सम्भवति ?

(A) अपञ्चीकृतपञ्चभूतेभ्यः (B) ईश्वरादिभ्यः
(C) मानवशरीरेभ्यः (D) पञ्चीकृतपञ्चभूतेभ्यः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–78

37. वेदान्तसारे प्रयोजनं निरूपितम् –

(A) दुःखनिवृत्तिः
(B) अभ्युदयलाभः
(C) अज्ञाननिवृत्तिः स्वस्वरूपानन्दावाप्तिश्च
(D) पाण्डित्यसम्पादनम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–30

38. 'शाब्दीभावना' निरूपिता भवति –

(A) आख्यातत्वांशेन (B) लिङ्गत्वांशेन
(C) ज्ञापकांशेन (D) सामान्यांशेन

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–21

39. अर्थसंग्रहमनुसृत्य यागो नाम -

(A) देवतोद्देशेन द्रव्यत्यागः
(B) देवतोद्देशेन द्रव्यस्य प्रक्षेपः
(C) स्वस्वत्वनिवृत्तिपूर्वकं परस्वत्वापादनम्
(D) मन्त्रपठनम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–53

40. परिसंख्याविधेः दोषाः के ?

(A) श्रुतहानिः, अश्रुतप्रकल्पनम्, प्राप्तबाधः
(B) श्रुतहानिः, प्राप्तबाधः, वाक्यभेदः
(C) अप्रामाण्यस्वीकारः, प्रामाण्यपरित्यागः
(D) वचनबलाद् विकल्पः, एकार्थत्वाद् विकल्पः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–151

41. कस्य कथा रामायणाश्रिता नास्ति –

(A) महावीरचरितस्य (B) अभिषेकनाटकस्य
(C) मृच्छकटिकस्य (D) उत्तररामचरितस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–116

42. 'स्वधर्मे निधनं श्रेयः' - इत्युक्तिः गीतायाः कतमेऽध्याये वर्तते ?

(A) द्वितीये (B) तृतीये
(C) पञ्चमे (D) चतुर्थे

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (3/35)

43. रामायणे 'शबरीवृत्तान्तः' कस्मिन् काण्डे अस्ति ?

(A) अयोध्याकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे
(C) किष्किन्धाकाण्डे (D) सुन्दरकाण्डे

स्रोत–वाल्मीकिरामायण (मूलमात्रम्) - गीताप्रेस, पेज–305

44. महाभारते 'नलोपाख्यानं' कस्मिन् पर्वणि अस्ति ?

(A) आदिपर्वणि (B) वनपर्वणि
(C) कर्णपर्वणि (D) अनुशासनपर्वणि

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–149

45. तीर्थानां सविस्तरं वर्णनम् उपलभ्यते –

(A) मत्स्यपुराणे (B) वायुपुराणे
(C) स्कन्दपुराणे (D) शिवपुराणे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–99

46. 'रासपञ्चाध्यायी' कुत्र वर्तते –

(A) विष्णुपुराणे (B) ब्रह्मपुराणे
(C) श्रीमद्भागवतपुराणे (D) ब्रह्मवैवर्तपुराणे

स्रोत–पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय, पेज–149

47. महाभारते 'शिशुपालवधवृत्तान्तः' कस्मिन् पर्वणि वर्तते ?

(A) सभापर्वणि (B) भीष्मपर्वणि
(C) वनपर्वणि (D) विराटपर्वणि

स्रोत–शिशुपालवधम् - तारिणीश झा, भू. पेज–15

48. कौटिल्येन यो गूढपुरुषेषु न निर्दिष्टः –

(A) कार्मिकः (B) कापटिकः
(C) तापसः (D) रसदः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–29

49. शुल्कमादाय यो विवाहः क्रियते सः कः –

(A) प्राजापत्यः (B) आसुरः
(C) दैवः (D) ब्राह्मः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–261

35. (A) **36.**(D) **37.**(C) **38.** (B) **39.**(A) **40.** (A) **41.** (C) **42.** (B) **43.** (B) **44.**(B) **45.** (C) **46.** (C) **47.**(A) **48.** (A) **49.**(B)

50. मनुस्मृत्यनुसारं पितॄणां रात्रिर्भवति –
(A) कृष्णपक्षः (B) शुक्लपक्षः
(C) शरदृतुः (D) संवत्सरः
स्रोत–मनुस्मृति (1/66) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–35

51. मनुना चूडाकर्मणः कालः उक्तः –
(A) पञ्चमे वर्षे (B) चतुर्थे वर्षे
(C) द्वितीये वर्षे (D) प्रथमे वर्षे
स्रोत–मनुस्मृति (2/35) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–74

52. मनुना क्रोधजानि व्यसनानि कियन्ति अभिहितानि ?
(A) पञ्च (B) षट्
(C) सप्त (D) अष्टौ
स्रोत–मनुस्मृति (7/45) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–166

53. स्मृत्यपेतकारिणः सभ्याः कतिगुणेनः दमेन दण्डयाः ?
(A) पञ्चगुणेन (B) चतुर्गुणेन
(C) त्रिगुणेन (D) द्विगुणेन
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/4) - गंगासागर राय, पेज–163

54. मिथ्याभियोगी कतिगुणं धनं राज्ञे दद्यात् ?
(A) द्विगुणम् (B) त्रिगुणम्
(C) चतुर्गुणम् (D) पञ्चगुणम्
स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/11) - गंगासागर राय, पेज–173

55. ''प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार'' कुत्र इयम् उक्तिः?
(A) मेघदूते (B) कुमारसम्भवे
(C) ऋतुसंहारे (D) रघुवंशे
स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ श्लोक-4) - तारिणीश झा, पेज–9

56. 'कथाप्रसङ्गेषु मिथः सखीमुखात्तृणेऽपि तन्व्या नलनामानि श्रुते' अत्र 'नल' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थः ?
(A) नलः (B) कामः
(C) तृणम् (D) स्तुतिपाठकः
स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/35) - बद्रीनाथ मालवीय, पेज–72

57. 'सतीव योषित्प्रकृतिः सुनिश्चला पुमांसमभ्येति भवान्तरेष्वपि' .... इति पद्यांशानुसारं भवान्तरेषु पुमांसं किम् अभ्येति ?
(A) जातिः (B) सती
(C) योषित् (D) स्वभावः
स्रोत–शिशुपालवधम् (1/72) – तारिणीश झा, पेज–149

58. एकदा प्रत्युषसि हर्षः स्वप्ने अग्निना दह्यमानं कम् अपश्यत् ?
(A) गजम् (B) अश्वम्
(C) केसरिणम् (D) सर्पम्
स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चम उच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय, पेज–6

59. 'शोकस्थायितया भिन्नो विप्रलम्भादयं रसः' कः सः रसः ?
(A) शृङ्गारः (B) वीरः
(C) हास्यः (D) करुणः
स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–129

60. रङ्गमञ्चस्य देवपूजनं केन तुल्यं भवति ?
(A) यज्ञेन तुल्यम् (B) तपसा तुल्यम्
(C) दानेन तुल्यम् (D) धर्मेण तुल्यम्
स्रोत–नाट्यशास्त्र (1/124) - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–116

61. 'माधुर्यौजःप्रसादाख्यास्त्रयस्ते न पुनर्दश' - के ते ?
(A) काव्यदोषाः (B) काव्यभेदाः
(C) काव्यगुणाः (D) काव्यलक्षणम्
स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-88) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–388

62. 'आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि' - अभिज्ञान-शाकुन्तले कस्य वचनमिदम् ?
(A) वैखानसस्य (B) दुष्यन्तस्य
(C) कण्वस्य (D) अनसूयायाः
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/11) – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–26

63. 'गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा, निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्' अत्र राजनीतौ कोऽयमंशः परामर्शितः?
(A) दण्डनीतिः (B) युद्धनीतिः
(C) समाजनीतिः (D) धार्मिकनीतिः
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/13) - राजेन्द्र मिश्र, पेज–62

64. 'इक्ष्वाकूणां दुरापेऽर्थे त्वदधीना हि सिद्धयः' - इति कः कं प्रति आह ?
(A) वसिष्ठः दिलीपं प्रति (B) दिलीपः वसिष्ठं प्रति
(C) वसिष्ठः सुदक्षिणां प्रति (D) सुदक्षिणा दिलीपं प्रति
स्रोत–रघुवंशम् (1/72) – कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–33

50. (B) **51.** (D) **52.** (D) **53.** (D) **54.** (A) **55.** (A) **56.** (C) **57.** (D) **58.** (C) **59.** (D) **60.** (A) **61.** (C) **62.** (A) **63.** (A) **64.** (B)

65. यस्यां लक्षणायां मुख्यार्थस्यापि ग्रहणं भवति सा लक्षणा भवति ?

(A) उपादान-लक्षणा

(B) लक्षण-लक्षणा

(C) जहत्स्वार्था

(D) रूढिमूला लक्षण-लक्षणा

स्रोत–काव्यप्रकाश (2/10) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–53

66. समवकारे पात्राणि के भवन्ति ?

(A) मानवाः (B) दैत्याः

(C) देवाः (D) अप्सरसः

स्रोत–दशरूपक (3/62-63) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–237

67. 'वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि...' पद्यांशोऽयं कस्मिन् नाटके आयाति ?

(A) मालतीमाधवे (B) महावीरचरिते

(C) उत्तररामचरिते (D) अभिज्ञानशाकुन्तले

स्रोत–उत्तररामचरितम् (2/7) – कपिलदेव द्विवेदी, पेज–117

68. ''वृत्तवर्तिष्यमाणानां कथांशानां निदर्शकः संक्षिप्तार्थस्तु..... आदावङ्कस्य दर्शितः॥'' ..... कः ?

(A) प्रवेशकः (B) विष्कम्भकः

(C) सूत्रधारः (D) अङ्कावतारः

स्रोत–दशरूपक (1/59) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–99

**69. ''गुरुजनपरतन्त्रतया दूरतरं देशमुद्यतो गन्तुम् ।
अलिकुलकोकिलललिते नैष्यति सखि सुरभिसमयेऽसौ॥'' अत्र को नामालङ्कारः ?**

(A) उपमा (B) रूपकः

(C) श्लेषवक्रोक्तिः (D) काकुवक्रोक्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–403

70. इन्द्रियार्थसन्निकर्षः कतिविधः ?

(A) पञ्चविधः (B) षड्विधः

(C) नवविधः (D) त्रिविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–76

71. गुणगुणिनोः कः सम्बन्धः ?

(A) समवायः (B) आधाराधेयः

(C) व्याप्यत्वसम्बन्धः (D) स्वस्वामिसम्बन्धः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री पेज–29

72. 'रजते इदं रजतम्' इति ज्ञानं वर्तते –

(A) तर्कः (B) भ्रमः

(C) सन्देहः (D) प्रमा

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–65

73. तन्तूनां पटं प्रति किं कारणं भवति ?

(A) समवायिकारणम्

(B) निमित्तकारणम्

(C) असमवायिकारणम्

(D) मिथ्याकारणम्

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–24

74. अनुमानं नाम -

(A) व्याप्तिः (B) पक्षः

(C) हेतुः (D) लिङ्गपरामर्शः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–78

75. लक्षितस्यैतत् लक्षणमुपपद्यते न वेति विचार उच्यते -

(A) परीक्षा (B) लक्षणम्

(C) उद्देश्यम् (D) विमर्शः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–7

65. (A) **66.** (C) **67.** (C) **68.** (B) **69.** (D) **70.** (B) **71.** (A) **72.** (D) **73.** (A) **74.** (D) **75.** (A)

43	जून 2014	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अन्तरिक्षस्थानीया देवता का ?
(A) सूर्यः (B) अग्निः
(C) समुद्रः (D) इन्द्रः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

2. कस्य वेदस्य आरण्यकं नोपलभ्यते ?
(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–161

3. काण्वसंहितासम्बद्धब्राह्मणम् अस्ति –
(A) कठब्राह्मणम् (B) कपिष्ठलब्राह्मणम्
(C) शतपथब्राह्मणम् (D) ताण्ड्यब्राह्मणम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–131

4. 'तैत्तिरीयशाखा' केन वेदेन सम्बद्धा ?
(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

5. 'जगतीछन्दसि' प्रतिपादं कति अक्षराणि भवन्ति ?
(A) दश (B) द्वादश
(C) षोडश (D) अष्ट
स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

6. भावप्रधानं भवति –
(A) व्याख्यानम् (B) आख्यातम्
(C) कारकम् (D) क्रियापदम्
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–18

7. निरुक्ते एकस्य पदस्य बह्वर्थमादाय किं काण्डं प्रवर्तते ?
(A) नैघण्टुकम् (B) दैवतम्
(C) नैगमम् (D) उत्तरषट्कम्
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–2 तथा 367

8. 'हस्तेन त्रैस्वर्यं' प्रदर्श्यते –
(A) पैप्पलादसंहितायाम् (B) अथर्ववेदे
(C) कृष्णयजुर्वेदे (D) माध्यन्दिनसंहितायाम्
स्रोत–संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, भाग-1, पेज–270

9. ''किं भ्रातासद्यनाथमिति'' कस्मिन् सूक्ते पठ्यते ?
(A) नासदीयसूक्ते
(B) विश्वामित्रनदीसंवादसूक्ते
(C) यम-यमीसंवादसूक्ते
(D) पृथिवीसूक्ते
स्रोत–ऋग्वेद (10.10.11) - यम यमीसंवाद, पेज–226

10. अधोङ्कितानां समीचीनम् उत्तरं चिनुत –
(अ) नचिकेतोपाख्यानम् 1. पुत्रोऽहं पृथिव्याः
(ब) सत्यं वद धर्मं चर 2. कठोपनिषद्
(स) माता भूमिः 3. तैत्तिरीयोपनिषद्
(द) शुल्बसूत्रम् 4. कल्पान्तर्गतम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	3	4	2
(B)	4	2	3	1
(C)	3	1	4	2
(D)	2	3	1	4

स्रोत–(अ) कठोपनिषद् (1.1), (ब) तैत्तिरीय उपनिषद् (1.11), वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी (स) = 109, (द) = 214

11. 'निघण्टुशब्देन' उच्यते –
(A) वैदिकशब्दकोशः (B) निरुक्तम्
(C) निधानम् (D) कारकम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

12. 'आपस्तम्बश्रौतसूत्रं' केन वेदेन सह सम्बद्धम् ?
(A) शुक्लयजुर्वेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

1. (D) **2.** (D) **3.** (C) **4.** (B) **5.** (B) **6.** (B) **7.** (C) **8.** (D) **9.** (C) **10.** (D) **11.** (A) **12.** (B)

13. ''नि षसाद धृतव्रत'' इति कस्मिन् सूक्ते पठ्यते ?
(A) वाक्सूक्ते (B) वरुणसूक्ते
(C) सूर्यसूक्ते (D) नदीसूक्ते
स्रोत–ऋक्सूक्त संग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–74

14. 'तर्कसङ्ग्रहानुसारं' कति पदार्थाः सन्ति –
(A) षोडश (B) सप्त
(C) षट् (D) दश
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनितासेन गुप्ता, पेज–27

15. 'तर्कसङ्ग्रहानुसारं' विशेषाः सन्ति –
(A) नित्यद्रव्यवृत्तयः (B) अनित्यद्रव्यवृत्तयः
(C) द्रव्यवृत्तयः (D) गुणवृत्तयः
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–32

16. 'तर्कसङ्ग्रहानुसारं' कति गुणाः सन्ति –
(A) सप्तदश (B) अष्टचत्वारिंशत्
(C) चतुर्विंशतिः (D) दश
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–29

17. 'उत्क्षेपणं' कस्य प्रकारः –
(A) गमनस्य (B) भ्रमणस्य
(C) कर्मणः (D) करणस्य
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–29

18. गन्धवत्त्वं कस्य लक्षणम् –
(A) पृथिव्याः (B) दिशः
(C) जलस्य (D) वायोः
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–35

19. उपमितिकरणं किम् ?
(A) इन्द्रियम् (B) पदज्ञानम्
(C) व्याप्तिज्ञानम् (D) सादृश्यज्ञानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–104

20. सांख्यमते मूलप्रकृतिर्वर्तते –
(A) विकृतिः (B) अविकृतिः
(C) प्रकृतिविकृतिः (D) न प्रकृतिः न विकृतिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 3) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–38

21. सांख्यमते प्रमाणमिष्टम् –
(A) चतुर्विधम् (B) पञ्चविधम्
(C) त्रिविधम् (D) षड्विधम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का. 4) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–47

22. 'सांख्यकारिकायाः' कर्ता वर्तते –
(A) सदानन्दः (B) ईश्वरकृष्णः
(C) कपिलमुनिः (D) गौतमः
स्रोत–सांख्यकारिका - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–2

23. 'वेदान्तसारग्रन्थस्य' कर्ता वर्तते –
(A) ईश्वरकृष्णः (B) सदानन्दः
(C) सुरेश्वरः (D) शङ्कराचार्यः
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–xix

24. 'अनुबन्धाः' कति सन्ति –
(A) द्वौ (B) चत्वारः
(C) त्रयः (D) पञ्च
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–09

25. 'जीवन्मुक्तिः' कस्मिन् 'दर्शने' स्वीक्रियते ?
(A) जैनदर्शने (B) बौद्धदर्शने
(C) चार्वाकदर्शने (D) वेदान्तदर्शने
स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–185

26. 'व्याकरणशास्त्रानुसारं पद-संज्ञकं' भवति –
(A) योग्यताकांक्षासत्तियुक्तम् (B) सुप्तिङन्तम्
(C) तुल्यास्यप्रयत्नम् (D) सर्वनामस्थानम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114

27. 'अधिहरि' इत्यस्य अलौकिक-विग्रहः भवति
(A) अधि + हरि + सु (B) हरि + अधि + ङि
(C) हरि + ङि + अधि (D) हरौ + इति + ङि
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–21

28. 'विष्णू इमौ' अत्र का संज्ञा प्रवर्तते ?
(A) घि (B) संयोगः
(C) नदी (D) प्रगृह्यम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.11) - ईश्वरचन्द्र, पेज–13-14

13. (B)	**14.** (B)	**15.** (A)	**16.** (C)	**17.** (C)	**18.** (A)	**19.** (D)	**20.** (B)	**21.** (C)	**22.** (B)	**23.** (B)
24. (B)	**25.** (D)	**26.** (B)	**27.** (C)	**28.** (D)						

29. 'वषड्' योगे का विभक्तिर्भवति ?

(A) द्वितीया (B) तृतीया
(C) चतुर्थी (D) पञ्चमी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–55

30. 'कृत्तद्धितसमासाश्च' - इत्यनेन का संज्ञा विधीयते ?

(A) नदी-संज्ञा (B) प्रातिपदिक-संज्ञा
(C) गति-संज्ञा (D) सर्वनाम-संज्ञा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.46) - ईश्वरचन्द्र, पेज–70

31. 'नदीमन्ववसिता सेना' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे कर्मप्रवचनीयसंज्ञा भवति ?

(A) प्रथमार्थे (B) पञ्चम्यर्थे
(C) तृतीयार्थे (D) सप्तम्यर्थे

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–33

32. 'हरिहरौ' इत्यत्र द्वन्द्वे घिसंज्ञकस्य पूर्वप्रयोगे किं सूत्रम् ?

(A) द्वन्द्वे घि (B) अजाद्यदन्तम्
(C) अल्पाच्तरम् (D) निष्ठा

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–235

33. व्यधिकरणबहुव्रीहिसमासस्य उदाहरणं किम् ?

(A) प्राप्तोदको ग्रामः (B) पीताम्बरो हरिः
(C) कण्ठेकालः (D) वीरपुरुषको ग्रामः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–205

34. 'चर्मणि द्वीपिनं हन्ति' .... अत्र चर्मशब्दे आदौ कतमा विभक्तिः प्राप्ता भवति ?

(A) हेतौ तृतीया (B) अपादाने पञ्चमी
(C) कर्मणि द्वितीया (D) सम्प्रदाने चतुर्थी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–94

35. अव्ययीभावसमासे 'सह' स्थाने 'स' इति आदेशः केन सूत्रेण विधीयते ?

(A) अव्ययीभावश्च (B) अनश्च
(C) अव्ययीभावे चाकाले (D) नस्तद्धिते

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–36

36. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत –

(अ) अलोऽन्त्यात्पूर्वः 1. अध्ययनात् पराजयते
(ब) माणवकं पन्थानं पृच्छति 2. नीलोत्पलम्
(स) पराजेरसोढः 3. अकथितं च
(द) विशेषणं विशेष्येण बहुलम् 4. उपधा

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	3	2	4	1
(B)	2	1	3	4
(C)	4	3	1	2
(D)	1	4	2	3

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज– अ=175, ब = 874, द = 930, स = कारक प्रकरण - राममुनि पाण्डेय, पेज–60

37. ध्वनिनियमेषु द्वितीयः को गण्यते ?

(A) ग्रासमाननियमः (B) वर्नरनियमः
(C) ग्रिमनियमः (D) कालित्जनियमः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

38. 'ज्ञातसारोऽपि खल्वेकः सन्दिग्धे कार्यवस्तुनि' इत्युक्तिः कुत्रास्ति ?

(A) नैषधीयचरिते (B) रघुवंशे
(C) माघकाव्ये (D) भट्टिकाव्ये

स्रोत–शिशुपालवधम् (2/12) – हरगोविन्द शास्त्री, पेज-63

39. 'वैशम्पायन-वृत्तान्तः' कुत्रोपवर्णितः ?

(A) दशकुमारचरिते (B) मृच्छकटिके
(C) कादम्बर्याम् (D) हर्षचरिते

स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, पेज–98

40. ''एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद् भिन्नः'' - इयमुक्तिः कुत्रोपलभ्यते ?

(A) अभिज्ञानशाकुन्तले (B) वेणीसंहारे
(C) मुद्राराक्षसे (D) उत्तररामचरिते

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/47) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–260

41. मेघदूते यक्षः कुत्र वसतिं चक्रे ?

(A) रामगिरौ (B) हिमालये
(C) अलकायाम् (D) मानसरोवरे

स्रोत–मेघदूतम् (पूर्वमेघ श्लोक-1) - तारिणीश झा, पेज–1

29.(C) **30.**(B) **31.**(C) **32.**(A) **33.**(C) **34.**(A) **35.**(C) **36.** (C) **37.** (A) **38.**(C) **39.**(C) **40.** (D) **41.**(A)

42. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत–

(अ)	मुद्राराक्षसम्	1.	भासः
(ब)	वेणीसंहारम्	2.	विशाखदत्तः
(स)	रत्नावली	3.	श्रीहर्षः
(द)	स्वप्नवासवदत्तम्	4.	भट्टनारायणः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	2	1	3
(B)	2	4	3	1
(C)	1	2	3	4
(D)	3	1	2	4

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– अ = 354, ब = 381, स = 365, द = 275

43. किरातार्जुनीये 'किरातः' कः ?

(A) युधिष्ठिरः (B) वनेचरः
(C) अर्जुनः (D) शिवः

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–184

44. ''गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः'' – कस्य उक्तिरियम् ?

(A) कण्वस्य (B) गौतम्याः
(C) दुष्यन्तस्य (D) शाङ्र्गरवस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/34) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–89

45. त्रयमेतत् बृहत्त्रय्यां गण्यते –

(A) किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्
(B) किरातार्जुनीयम्, रघुवंशम्, नैषधीयचरितम्
(C) नैषधीयचरितम्, कुमारसम्भवम्, किरातार्जुनीयम्
(D) शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, रघुवंशम्

स्रोत–शिशुपावधम् - तारिणीश झा, भू. पेज–12

46. 'मग्नस्य दुःखे जगतो हिताय' इति कस्य वर्णनम् ?

(A) पाटलिपुत्रस्य
(B) शुद्धोदनपुत्रस्य
(C) उद्यानस्य
(D) देवदत्तस्य

स्रोत–बुद्धचरितम् (1/20) - रामचन्द्रदास शास्त्री, पेज–4

47. 'बाणः कवीनामिह चक्रवर्ती' इत्युक्तम् –

(A) कालिदासेन
(B) माघेन
(C) सोड्ढलेन
(D) श्रीहर्षेण

स्रोत–संस्कृतगंगा साहित्यम् - सर्वभूषण, पेज–12

48. किरातार्जुनीये प्रतिसर्गस्यान्तिमं पदमस्ति –

(A) श्रीः (B) लक्ष्मीः
(C) शिवः (D) कश्चित्

स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/46) राजेन्द्र मिश्र, पेज–132

49. रिक्तस्थानं पूरयत –

अविरुद्धा विरुद्धा वा यं तिरोधातुमक्षमाः ।
आस्वादाङ्कुरकन्दोऽसौ भावः .... इति सम्मतः ॥

(A) सात्त्विकः (B) सञ्चारी
(C) स्थायी (D) अनुभावः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/174) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–105

50. 'स्वीया' नायिकायाः कति भेदाः ?

(A) एकादश (B) त्रयोदश
(C) चतुर्दश (D) अष्टादश

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/65) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–77

॥ कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम् ॥

41. (A) **42.** (B) **43.** (D) **44.** (C) **45.** (A) **46.** (B) **47.** (C) **48.** (B) **49.** (C) **50.** (B)

44	जून 2014	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ऋग्वेदीयपुरुषसूक्ते कति मन्त्राः सन्ति ?
(A) सप्तदश (B) षोडश
(C) द्वाविंशतिः (D) अष्टादश
स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–392-404

2. सामवेदस्यारण्यकम् अस्ति –
(A) तवल्कारः (B) जैमिनीयम्
(C) नारदीयम् (D) गोपथम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–166

3. कत्यङ्गुलखातावेदिः भवति ?
(A) षडङ्गुला (B) सप्ताङ्गुला
(C) द्वादशाङ्गुला (D) त्र्यङ्गुला
स्रोत–शतपथब्राह्मण (भाग-एक)-सत्यप्रकाश सरस्वती, पेज–40

4. ऋग्वेदे स्वरितस्वरः प्रदर्श्यते –
(A) अधः (B) उपरिष्यित्
(C) तिर्यक् (D) परितः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–326

5. 'देवासः' इति प्रयोगः –
(A) लौकिकः (B) कार्मिकः
(C) वैदिकः (D) यादृच्छिकः
स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–22

6. दर्शपूर्णमासयागस्य का दक्षिणा ?
(A) पूर्णपात्रम् (B) गौः
(C) अन्वाहार्यम् (D) सुवर्णम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–314

7. कालसूक्तं युज्यते –
(A) मूलवेदे (B) यजुर्वेदे
(C) अथर्ववेदे (D) कुत्रापि न हि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–109

8. शुक्लयजुर्वेदीये शिवसङ्कल्पसूक्ते कति मन्त्राः सन्ति ?
(A) षट् (B) सप्त
(C) अष्ट (D) दश
स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–51-55

9. केनोपनिषद् केन वेदेन सम्बद्धा ?
(A) कृष्णयजुर्वेदेन (B) सामवेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

10. कठोपनिषदनुसारं महतः परं किमस्ति ?
(A) मनः (B) अव्यक्तम्
(C) पुरुषः (D) आत्मा
स्रोत–कठोपनिषद् (1.3.11)

11. ईशावास्यदिशा कथम् अमृतम् अश्नुते –
(A) एकत्वेन (B) सम्भवात्
(C) सम्भूत्या (D) सत्येन
स्रोत–ईशावास्योपनिषद् (मन्त्र-14)

12. ''तपो दमः कर्मेति प्रतिष्ठा'' अयं विचारः कुत्र उपदिश्यते–
(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) बृहदारण्यके
स्रोत–केनोपनिषद् चतुर्थखण्ड-8वीं कारिका

13. 'योगो हि प्रभवाप्ययौ' - कुत्र इयम् उक्तिः ?
(A) बृहदारण्यके (B) केनोपनिषदि
(C) भगवद्गीतायाम् (D) कठोपनिषदि
स्रोत–कठोपनिषद् (2-3-11)

14. 'उत्तब्धं वागेव गीथोत्त्वगीथा चेति उद्गीथः' कुत्र इयम् उक्तिः ?
(A) केनोपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–बृहदारण्यकोपनिषद् (1.3.23) - गीताप्रेस, पेज–145

1. (B) **2.** (A) **3.** (D) **4.** (B) **5.** (C) **6.** (C) **7.** (C) **8.** (A) **9.** (B) **10.** (B) **11.** (C) **12.** (A) **13.** (D) **14.** (D)

15. विज्ञानमयस्य शिरः किमुच्यते ?
(A) श्रद्धा (B) सत्यम्
(C) ऋतम् (D) महः
स्रोत–तैत्तिरीय उपनिषद् - वल्ली-2 अनुवाक-4

16. 'सस्यमिव मर्त्यः पच्यते सस्यमिवाजायते पुनः' - इति केन उक्तम् –
(A) नचिकेतसा (B) वाजश्रवसा
(C) यमेन (D) अग्निना
स्रोत–कठोपनिषद् (1.1.6)

17. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारं सोष्मवर्णः कः ?
(A) थ (B) द
(C) प (D) ब
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–55

18. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारम् अघोषवर्णः कः ?
(A) त (B) द
(C) ध (D) ब
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–54

19. आमन्त्रितज ओकारो भवति –
(A) रक्तः (B) प्रगृह्यः
(C) रिफितः (D) यमः
स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–96

20. आश्वलायनगृह्यसूत्रं केन सम्बद्धम् ?
(A) अथर्ववेदेन (B) सामवेदेन
(C) यजुर्वेदेन (D) ऋग्वेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–227

21. 'त्रिष्टुप्छन्दसि' कियन्तो वर्णाः भवन्ति ?
(A) 28 (B) 36
(C) 44 (D) 48
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–203

22. निरुक्तानुसारं द्वितीयो भावविकारः कः ?
(A) अस्ति (B) विपरिणमते
(C) अपक्षीयते (D) विनश्यति
स्रोत–निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

23. 'अग्रणीर्भवतीति' निरुक्त्या कः उच्यते ?
(A) वीरः (B) आदित्यः
(C) अश्वः (D) अग्निः
स्रोत–निरुक्तम् (7/4) छज्जूराम शास्त्री/देव शर्मा शास्त्री, पेज–354

24. 'वा' इति निपातो वर्तते –
(A) उपमार्थे (B) शब्दार्थे
(C) निषेधार्थे (D) समुच्चयार्थे
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–50

25. महाभाष्ये 'कूपखानकवत्' इत्युदाहरणं कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तम् ?
(A) शब्दस्य ज्ञाने धर्मः (B) गौरित्यत्र कः शब्दः
(C) किमर्थं वर्णानामुपदेशः (D) सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे
स्रोत–व्याकरणमहाभाष्य-पश्पशाह्निक मधुसूदन मिश्र, पेज–59

26. 'तुन्नवत्' इति किमुच्यते ?
(A) सक्तुः (B) परिपवनम्
(C) टङ्कारध्वनिः (D) तन्तुशाटिका
स्रोत–निरुक्तम् 4/2 छज्जूराम शास्त्री/देवशर्मा शास्त्री, पेज–171

27. 'भिक्षुः प्रभुमुपतिष्ठते' इत्यत्र आत्मनेपदविधायकं किम् ?
(A) अकर्मकाच्च
(B) वा लिप्सायामिति वक्तव्यम्
(C) उपान्मन्त्रकरणे
(D) समप्रविभ्यः स्थः
स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5)-गोविन्दाचार्य, पेज–380

28. 'वीरपत्नी' इति कस्य सूत्रस्य उदाहरणं वर्तते –
(A) पत्युर्नो यज्ञसंयोगे (B) नित्यं सपत्न्यादिषु
(C) अन्तर्वत्पतिवतोर्नुक् (D) विभाषा सपूर्वस्य
स्रोत–अष्टाध्यायी (4.1.35) - ईश्वरचन्द्र, पेज–431

29. तत्पुरुषसमासे 'देवब्राह्मण' इत्युदाहरणे ब्राह्मणः इति पदेन कः अभिप्रेतः –
(A) देवरूपः (B) देवप्रियः
(C) देवपूजकः (D) देवाधीनः
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–120

30. 'अलं कुमार्यै' इत्यस्य समस्तं रूपं किम् ?
(A) अलङ्कुमारी (B) कुमार्यै अलम्
(C) अलङ्कुमारिः (D) अलङ्कुमारिन्
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज–174

15. (A)	**16.** (A)	**17.** (A)	**18.** (A)	**19.** (B)	**20.** (D)	**21.**(C)	**22.**(A)	**23.**(D)	**24.**(D)	**25.**(A)
26.(B)	**27.** (B)	**28.**(B)	**29.**(C)	**30.** (C)						

31. 'द्विभाषाशिलालेखः' केन सम्बद्धः ?
(A) कान्धार (B) मास्कि
(C) गुर्जर (D) रुम्मनदेई

32. 'अद्वैतमते' जगतः अस्ति –
(A) नित्यत्वम्
(B) मिथ्यात्वम्
(C) पारमार्थिकत्वम्
(D) ब्रह्मपरिणामात्मकत्वम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, भू. पेज–IX

33. 'विवर्तस्य' उदाहरणमस्ति –
(A) गगनकुसुमम् (B) वन्ध्यासुतः
(C) शुक्तिकारजतम् (D) खपुष्पम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–117

34. 'सांख्यैः' स्वीकृतानि तत्त्वानि सन्ति –
(A) षोडश (B) सप्तदश
(C) पञ्चविंशतिः (D) दश

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 3)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

35. पुरुषप्रकृत्योः संसर्गो वर्णितः –
(A) जडाजडवत् (B) पङ्ग्वन्धवत्
(C) मूकबधिरवत् (D) अन्धमालावत्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 21)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–193

36. अर्थसंग्रहे विशिष्टविधेः उदाहरणमस्ति –
(A) दध्ना जुहोति
(B) अग्निहोत्रं जुहुयात्स्वर्गकामः
(C) सोमेन यजेत
(D) राजा राजसूयेन स्वराज्यकामो यजेत

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–42

37. विनियोगविधेः सहकारिप्रमाणानि सन्ति –
(A) त्रीणि (B) सप्त
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–58

38. अर्थसंग्रहानुसारम् आख्यातेन किमुच्यते ?
(A) कर्ता (B) भावना
(C) कर्म (D) करणम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–29

39. अर्थवादस्य लक्षणं किम् ?
(A) स्तुति-निन्दान्यतरपरं वाक्यम्
(B) समभिव्यवहारो वाक्यम्
(C) अपौरुषेयं वाक्यम्
(D) अङ्ग-प्रधान-सम्बन्धबोधकं वाक्यम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–194

40. 'चतुर्विंशतिसाहस्रीसंहिता' का उच्यते ?
(A) रामायणम् (B) महाभारतम्
(C) विष्णुपुराणम् (D) श्रीमद्भागवतम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–123

41. 'विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्' कुत्र वर्तते ?
(A) श्रीमद्भागवते (B) रामायणे
(C) ब्रह्माण्डपुराणे (D) महाभारते

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–152

42. महाभारतस्य द्वितीयं पर्व किम् ?
(A) वनपर्व (B) सभापर्व
(C) भीष्मपर्व (D) विराटपर्व

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–149

43. 'ब्रह्मवैवर्तपुराणं' निबद्धं वर्तते –
(A) खण्डेषु (B) पर्वसु
(C) काण्डेषु (D) स्कन्धेषु

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–184

44. महापुराणेषु न गण्यते –
(A) कालिकापुराणम् (B) स्कन्दपुराणम्
(C) विष्णुपुराणम् (D) अग्निपुराणम्

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–96

45. श्रीमद्भागवते श्रीकृष्णस्य ज्येष्ठपुत्रस्य किं नाम ?
(A) साम्बः (B) प्रद्युम्नः
(C) सङ्कर्षणः (D) अनिरुद्धः

स्रोत–श्रीमद्भागवतपुराण (10.90.35) - गीताप्रेस, पेज-706

46. 'रासपञ्चाध्यायी' कुत्र वर्तते ?
(A) महाभारते (B) रामायणे
(C) अग्निपुराणे (D) श्रीमद्भागवते

स्रोत–पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय, पेज–149

31.(A) **32.** (B) **33.** (C) **34.** (C) **35.** (B) **36.** (C) **37.** (D) **38.** (B) **39.** (A) **40.**(A) **41.**(D) **42.**(B) **43.**(A) **44.**(A) **45.**(B) **46.** (D)

47. अर्थशास्त्रस्य चतुर्थाधिकरणं वर्तते –

(A) कण्टकशोधनम् (B) षाड्गुण्यम्
(C) धर्मस्थीयम् (D) विनयाधिकारिकम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, भू. पेज–77

48. सन्धिकर्म कुत्रोपदिष्टम् ?

(A) धर्मस्थीये (B) अध्यक्षप्रचारे
(C) योगवृत्ते (D) षाड्गुण्ये

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, भू. पेज–79

49. 'सामवेदः' सम्प्राप्तः –

(A) रवेः (B) अग्नेः
(C) वायोः (D) वरुणात्

स्रोत–मनुस्मृति (1/23) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–19

50. मनुना अन्नप्राशनस्य काल उक्तः –

(A) द्वितीये मासे (B) चतुर्थे मासे
(C) षष्ठे मासे (D) अष्टमे मासे

स्रोत–मनुस्मृति (2/34) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–73

51. याज्ञवल्क्यदिशा वस्त्रस्य वृद्धिरुक्ता –

(A) द्विगुणा (B) त्रिगुणा
(C) चतुर्गुणा (D) पञ्चगुणा

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/39) - गंगासागर राय, पेज–196

52. राजा निधिं लब्ध्वा ततः कियन्तं गृह्णीयात् ?

(A) अर्धम् (B) षष्ठांशम्
(C) दशांशम् (D) सर्वम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/34) - गंगासागर राय, पेज–192

53. 'ईर्ष्या' गण्यते –

(A) कामजगणे (B) लोभजगणे
(C) मोहजगणे (D) क्रोधजगणे

स्रोत–मनुस्मृति (7/48) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–167

54. 'रथाङ्गपाणेः पटलेन रोचिषामृषित्विषः संवलिता विरेजिरे' - इत्यत्र 'रथाङ्गपाणिः' कः ?

(A) नारदः (B) रावणः
(C) कृष्णः (D) शिशुपालः

स्रोत–शिशुपालवधम् (1/21) तारिणीश झा, पेज–47

55. 'फलेन मूलेन च वारिभूरुहां, मुनेरिवेत्थं मम यस्य वृत्तयः।' - कं प्रति कस्य इयम् उक्तिः?

(A) हंसं प्रति नलस्य (B) नलं प्रति हंसस्य
(C) दमयन्तीं प्रति नलस्य (D) नलं प्रति दमयन्त्याः

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/133)-बद्रीनाथमालवीय, पेज–227

**56. लीलावधूतपद्मा कथयन्ती पक्षपातमधिकं नः ।
मानसमुपैति केयं चित्रगता राजहंसीव ॥
- इयम् उक्तिः कामुद्दिश्य कथिता ?**

(A) शकुन्तलाम् (B) द्रौपदीम्
(C) महाश्वेताम् (D) सागरिकाम्

स्रोत–रत्नावली (2/9) तारिणीश झा, पेज–109

57. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ)	विचित्ररूपा खलु चित्तवृत्तयः	1.	उत्तररामचरितम्
(ब)	पतत्यधो धाम विसारि सर्वतः	2.	हर्षचरितम्
(स)	तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः	3.	किरातार्जुनीयम्
(द)	लोके हि लोहेभ्यः कठिनतरा खलु स्नेहमया बन्धनपाशाः	4.	शिशुपालवधम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	2	3	1
(B)	1	3	4	2
(C)	2	1	3	4
(D)	3	4	1	2

स्रोत– (अ) किरात 1/37, (ब) शिशुपाल-1/2 (स) उत्तरराम. 1/13

58. अवान्तरार्थविच्छेदे किमच्छेदकारणम् ?

(A) बीजम् (B) बिन्दुः
(C) पताका (D) प्रकरी

स्रोत–दशरूपक (1/17) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–21

59. 'अभवन्वस्तुसम्बन्ध उपमापरिकल्पकः' - कस्यालङ्कारस्य लक्षणमिदम् ?

(A) उपमा (B) अपह्नुतिः
(C) निदर्शना (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत–काव्यप्रकाश (10/97) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–474

60. 'वृत्तवर्तिष्यमाणानां कथांशानां निदर्शकः संक्षेपार्थः मध्यपात्रप्रयोजितः' - कः ?

(A) अङ्कास्यम् (B) अङ्कावतारः
(C) प्रवेशकः (D) विष्कम्भकः

स्रोत–दशरूपक (1/59) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–99

47.(A) **48.**(D) **49.** (A) **50.**(C) **51.** (C) **52.** (A) **53.** (D) **54.** (C) **55.** (B) **56.** (D) **57.**(D) **58.** (B) **59.** (C) **60.**(D)

61. हर्षचरिते 'रसायनः' कः ?
(A) व्याधिः (B) औषधिः
(C) वैद्यकुमारकः (D) राजसूनुः
स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चम उच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय, पेज–31

62. रावणभयात् हेमाद्रिगुहागृहान्तरं कः दिवसानि निनाय ?
(A) कृष्णः (B) कौशिकः
(C) नारदः (D) वसुदेवः
स्रोत–शिशुपालवधम् (1/53) तारिणीश झा, पेज–111

63. विबुधसद्मनि अप्सरसां कति कुलानि कादम्बर्याम् उक्तानि ?
(A) द्वादश (B) त्रयोदश
(C) चतुर्दश (D) पञ्चदश
स्रोत–कादम्बरी - राजदेव मिश्र, पेज–32

64. 'सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।' - इत्यत्र कोऽलङ्कारः ?
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) सन्देहः (D) अर्थान्तरन्यासः
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/22) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–54

65. 'अन्यदेवसहृदयलोचनामृतं तत्त्वान्तरे तद्वदेव सोऽर्थः' - ध्वन्यालोककारमते 'सोऽर्थ' इत्यस्य कः आशयः ?
(A) अभिधेयार्थः (B) प्रतीयमानार्थः
(C) लक्ष्यार्थः (D) सर्वार्थः
स्रोत–ध्वन्यालोक (1/4) वृत्तिभाग - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–13

66. अङ्गिनः रसस्य अचलस्थितयो धर्माः के ?
(A) गुणाः (B) रीतयः
(C) अलङ्काराः (D) रसः
स्रोत–काव्यप्रकाश (8/66) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–380

67. मण्डपसन्निवेशेषु नाट्यशास्त्रे न गण्यते ?
(A) चतुरस्रः (B) त्र्यस्रः
(C) वर्तुलः (D) विकृष्टः
स्रोत–नाट्यशास्त्र (2/8) - बाबूलाल शुक्ल, पेज–34

68. 'कथं न मन्युर्ज्वलयत्युदीरितः शमीतरुं शुष्कमिवाग्निरुच्छिखः।' इत्युक्त्या कः प्रेरितः ?
(A) अर्जुनः (B) युधिष्ठिरः
(C) वनेचरः (D) सुयोधनः
स्रोत–किरातार्जुनीयम् (1/32) - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज–103

69. 'यत्किञ्चिल्लोके शुचि मेध्यमुज्ज्वलं दर्शनीयं' नाट्यशास्त्रे तत् केन उपमीयते ?
(A) हास्येन (B) शृङ्गारेण
(C) शान्तेन (D) वीरेण
स्रोत–नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज–198

70. तर्कसंग्रहानुसारं शीतस्पर्शवत्वं कस्य लक्षणम् ?
(A) पृथिव्याः (B) जलस्य
(C) वायोः (D) परदुःखस्य
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–37

71. तर्कसंग्रहानुसारं तैजसविषयः कतिविधः ?
(A) त्रिविधः (B) द्विविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–39

72. तर्कसङ्ग्रहानुसारं पृथिव्यां रूपम् –
(A) चतुर्विधम् (B) त्रिविधम्
(C) पञ्चविधम् (D) सप्तविधम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–49

73. 'शुक्तौ इदं रजतम्' इति ज्ञानम् अस्ति –
(A) प्रमा (B) उपमितिः
(C) यथार्थानुभवः (D) अप्रमा
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–65

74. पञ्चावयवप्रयोग एव–
(A) स्वार्थानुमानम् (B) निगमनम्
(C) उदाहरणम् (D) परार्थानुमानम्
स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–89

75. अधोलिखितयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत –
(अ) अर्थाबाधो 1. अप्रमाणम्
(ब) गौरश्वः पुरुष इति 2. योग्यता
(स) प्रहरे प्रहरे उच्चरितपदानि 3. योग्यताभाववत्
(द) अग्निना सिञ्चति 4. सन्निधिं अभाववन्ति

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	3	2	4
(C)	3	2	4	1
(D)	2	3	4	1

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–108

61. (C) **62.** (B) **63.** (C) **64.** (D) **65.** (B) **66.** (A) **67.** (C) **68.** (B) **69.** (B) **70.** (B) **71.** (C) **72.** (D) **73.** (D) **74.** (D) **75.** (A)

45	दिसम्बर 2014	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतँ समाः' इति सूक्तिः केन वेदेन सम्बद्धा ?

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–76

2. 'नासत्यौ' इति कयोः नाम ?

(A) द्यावापृथिव्योः (B) इन्द्रवरुणयोः
(C) अग्निसोमयोः (D) अश्विनोः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–302

3. काण्वशाखा कस्य वेदस्य ?

(A) सामवेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) अथर्ववेदस्य (D) ऋग्वेदस्य

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

4. समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(अ)	प्रश्नोपनिषद्	1.	शुक्लयजुर्वेदः
(ब)	शिक्षावल्ली	2.	अथर्ववेदस्य पैप्पलादशाखा
(स)	ईशावास्योपनिषद्	3.	कृष्णयजुर्वेदः
(द)	श्वेताश्वतरोपनिषद्	4.	तैत्तिरीयोपनिषद्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	4	3
(B)	2	4	1	3
(C)	2	4	3	1
(D)	1	4	2	3

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9, 10

5. सामवेदेन सम्बद्धा अस्ति ?

(A) छान्दोग्योपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) ईशावास्योपनिषद् (D) ऐतरेयोपनिषद्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

6. 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' इति कुत्र विद्यते ?

(A) ऋग्वेदे (B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) अथर्ववेदे (D) ऐतरेयोपनिषदि

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–185

7. वरुणस्य विशेषणम् अस्ति –

(A) उरूचक्षा (B) वज्रहस्तः
(C) गोपाः (D) बलदाः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1.25.5) - हरिदत्त शास्त्री, पेज–71

8. 'ज्योतिषम्' इति वैदिककालनिर्धारणस्य आधारः केन प्रतिपादितः ?

(A) मोक्षमूलरेण (B) कीथमहोदयेन
(C) बालगङ्गाधरतिलकेन (D) विण्टरनित्समहोदयेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–40

9. याज्ञवल्कीयशिक्षा केन वेदेन सम्बद्धा ?

(A) ऋग्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) यजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–131

10. भाव-काल-कारक-संख्याश्च इति चत्वारः अर्थाः भवन्ति –

(A) नाम्नः (B) निपातस्य
(C) उपसर्गस्य (D) आख्यातस्य

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–18

11. वैदिकशब्दानां सविस्तरं विवेचनं कुत्र उपलभ्यते ?

(A) व्याकरणे (B) कल्पे
(C) निरुक्ते (D) शिक्षायाम्

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–3

12. अर्थावबोधे निरपेक्षतया पदजातं यत्रोक्तं तत् –

(A) निरुक्तम् (B) व्याकरणम्
(C) छन्दस् (D) ज्योतिषम्

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–184

1. (B) **2.** (D) **3.** (B) **4.** (B) **5.** (A) **6.** (B) **7.** (A) **8.** (C) **9.** (C) **10.** (D) **11.** (C) **12.** (A)

13. वैदिकमन्त्रोच्चारणप्रयोजनार्थं कस्य वेदाङ्गस्य अध्ययनम् अनिवार्यम् ?

(A) छन्दसः (B) कल्पस्य
(C) ज्योतिषस्य (D) निरुक्तस्य

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–187

14. 'छन्दःसूत्रम्' इत्यस्य रचयिता कः ?

(A) दुर्गाचार्यः (B) यास्काचार्यः
(C) पिङ्गलाचार्यः (D) माधवाचार्यः

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–188

15. प्रत्ययसर्गः कतिविधः ?

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 46)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–269

16. सांख्यानुसारं सृष्टिकारणं किम् ?

(A) पुरुषः (B) प्रकृतिः
(C) ब्रह्म (D) प्रकृति-पुरुषसंयोगः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 21)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–193

17. सांख्ये कति तत्त्वानि स्वीकृतानि ?

(A) त्रयोदश (B) पञ्चदश
(C) चतुर्विंशतिः (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 3)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–39

18. उपमितिः नाम –

(A) संज्ञा-संज्ञि-सम्बन्धज्ञानम् (B) संज्ञा-ज्ञानम्
(C) संज्ञिज्ञानम् (D) सादृश्यज्ञानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–104

19. शाब्दज्ञानं नाम –

(A) अक्षरज्ञानम् (B) शब्दज्ञानम्
(C) शक्तिज्ञानम् (D) वाक्यार्थज्ञानम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–111

20. इन्द्रियार्थसन्निकर्षः कतिविधः ?

(A) पञ्चविधः (B) चतुर्विधः
(C) षड्विधः (D) त्रिविधः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–76

21. नित्यद्रव्यवृत्तिः विशेषास्तु............एव।

(A) अनन्ताः (B) पञ्च
(C) षट् (D) चत्वारः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–32

22. वेदान्तसारानुसारम् अधिकारी भवति –

(A) ब्रह्मचारी
(B) गृहस्थः
(C) साधनचतुष्टयसम्पन्नः प्रमाता
(D) अज्ञः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–11

23. वेदान्तसारानुसारं कर्माणि –

(A) त्रिविधानि (B) पञ्चविधानि
(C) षड्विधानि (D) चतुर्विधानि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

24. वेदान्तसारानुसारं शरीराणि कतिविधानि –

(A) चतुर्विधानि (B) पञ्चविधानि
(C) त्रिविधानि (D) षड्विधानि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–46

25. वेदान्तसारे लिङ्गशरीराणि वर्णितानि –

(A) षोडशावयवानि (B) सप्तदशावयवानि
(C) एकादशावयवानि (D) द्वादशावयवानि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

26. विभाषा-संज्ञाविधायकं सूत्रं किम् ?

(A) विभाषा चेः (B) विभाषा ङिश्योः
(C) विभाषा दिक्समासे बहुव्रीहौ (D) न वेति विभाषा

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.43) - ईश्वरचन्द्र पेज–25

27. 'अपृक्त एकाल् प्रत्ययः' इति सूत्रे अल् इत्यनेन किं गृह्यते ?

(A) वर्णाः (B) धातवः
(C) स्वराः (D) प्रातिपदिकम्

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.2.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज–68

28. भावलक्षणविषये का विभक्तिः ?

(A) सप्तमी (B) षष्ठी
(C) पञ्चमी (D) चतुर्थी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–95

13. (A) **14.** (C) **15.** (C) **16.** (D) **17.** (D) **18.** (A) **19.** (D) **20.** (C) **21.** (A) **22.** (C) **23.** (C) **24.** (C) **25.** (B) **26.** (D) **27.** (A) **28.** (A)

29. कारकप्रकरणे ण्यन्ताण्यन्तविचारः अधस्तनेषु कस्मिन् सूत्रे कृतः ?

(A) गतिबुद्धिप्रत्यवसानार्थशब्दकर्माकर्मकाणामणि कर्त्ता स णौ
(B) अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः
(C) णेरनिटि
(D) णो नः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–24

30. पञ्चमीं विना सार्वविभक्तिकः 'अम्' भावः कस्मिन् समासे विधीयते ?

(A) तत्पुरुषे (B) बहुव्रीहौ
(C) द्वन्द्वे (D) अव्ययीभावे

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–24

31. 'द्व्यङ्गुलम्' इत्यत्र को लौकिकविग्रहः ?

(A) द्वयोः अङ्गुल्योः समाहारः (B) द्वे अङ्गुली प्रमाणमस्य
(C) द्वे अङ्गुली यस्य (D) द्वि च अङ्गुलिश्च

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–154

32. अधस्तनयुग्मानां तालिकां सुमेलयतु –

(अ)	रात्राह्नाहाः पुंसि	1.	उच्चैः नीचैः, कृष्णः श्रीः, ज्ञानम्
(ब)	अक्ष्णोऽदर्शनात्	2.	अह्ना क्रोशेन वा अनुवाकोऽधीतः
(स)	नियतोपस्थितिकः प्रातिपदिकार्थः	3.	अहोरात्रः
(द)	अपवर्गे तृतीया	4.	गवाक्षः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	2	1	4	3
(D)	1	4	3	2

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र पेज– अ= 2.4.29 पेज–228, ब=5.4.76 पेज–644, स=2.3.46 पेज–209, द=2.3.6 पेज–196

33. सामान्यतया 'घि' इति संज्ञा कस्य भवति ?

(A) पुँल्लिङ्ग-शब्दस्य (B) स्त्रीलिङ्ग-शब्दस्य
(C) नपुंसकलिङ्ग-शब्दस्य (D) अलिङ्ग-शब्दस्य

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.7) - ईश्वरचन्द्र, पेज–111

34. निर्धारणविषये कीदृशी विभक्तिव्यवस्था ?

(A) तृतीया-पञ्चम्यौ (B) चतुर्थी-पञ्चम्यौ
(C) पञ्चमी-षष्ठ्यौ (D) षष्ठी-सप्तम्यौ

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–98

35. 'चोराद् भयं चोरभयम्' इत्यत्र पञ्चमीविभक्तिः केन सूत्रेण ?

(A) पराजेरसोढः (B) भीत्रार्थानां भयहेतुः
(C) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः (D) हेतौ

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–60

36. अघोषध्वनिः अस्ति –

(A) ज् (B) ध्
(C) त् (D) अ

स्रोत–ऋग्वेदप्रतिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–54

37. समीचीनम् उत्तरं चिनुत –

(अ)	यणः	1.	स्पर्शाः
(ब)	शलः	2.	प्रातिपदिकम्
(स)	कादयो मावसानाः	3.	अन्तःस्थाः
(द)	अर्थवदधातुरप्रत्ययः	4.	ऊष्माणः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	1	2
(B)	3	4	1	2
(C)	2	3	1	4
(D)	1	3	4	2

स्रोत–लघुसिद्धान्त कौमुदी-गोविन्दाचार्य पेज-अ, ब, स–20, द–129

38. ''निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथां तथाद्रियन्ते न बुधाः सुधामपि।'' इति कस्य कथा अत्र उल्लिखिता ?

(A) दुष्यन्तस्य (B) नलस्य
(C) रघोः (D) रामचन्द्रस्य

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1.1) - बद्रीनाथ मालवीय, पेज–1

39. वेणीसंहारे दुर्योधनस्य कञ्चुकी कः ?

(A) विनयन्धरः (B) जयन्धरः
(C) रुधिरप्रियः (D) सुन्दरकः

स्रोत–वेणीसंहार - परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू. पेज–15

29.(A) **30.**(D) **31.**(B) **32.**(B) **33.**(A) **34.**(D) **35.**(B) **36.**(C) **37.**(B) **38.**(B) **39.**(A)

40. **'मनोरथा नाम तटप्रपाताः' इयम् उक्तिः उपलभ्यते –**

(A) रत्नावल्याम् (B) वेणीसंहारे
(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मृच्छकटिके

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–344

41. **'लक्ष्मीचाञ्चल्यम्' अस्मिन्नुपवर्णितमस्ति –**

(A) नैषधीयचरिते (B) रघुवंशे
(C) दशकुमारचरिते (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–कादम्बरी शुकनासोपदेश - तारिणीश झा, पेज–24

42. **अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां विचिनुत–**

(अ) रत्नावली 1. अश्वघोषः
(ब) वेणीसंहारम् 2. हर्षः
(स) बालचरितम् 3. भट्टनारायणः
(द) बुद्धचरितम् 4. भासः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	2	4	1
(C)	2	3	4	1
(D)	2	4	1	3

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– अ = 365, ब = 381, स = 275, द = 169

43. **दशकुमारचरिते अयं प्रतिनायको भवति ?**

(A) राजहंसः (B) मानसारः
(C) राजवाहनः (D) पुष्पोद्भवः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–473

44. **रत्नावल्यां द्वितीयाङ्कस्य नाम –**

(A) मदनमहोत्सवः (B) कदलीगृहम्
(C) सङ्केतः (D) इन्द्रजालिकम्

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, पेज–142

45. **कस्य काव्यं नारिकेलफलसम्मितम् –**

(A) भारवेः (B) कालिदासस्य
(C) माघस्य (D) बाणस्य

स्रोत–किरातार्जुनीयम् - राजेन्द्र मिश्र, भू. पेज–27

46. **''सतीव योषित् प्रकृतिः सुनिश्चला**
पुमांसमभ्येति भवान्तरेष्वपि।।''
कुत्र अस्ति अयं पद्यांशः ?

(A) नैषधीयचरिते (B) रघुवंशे
(C) शिशुपालवधे (D) मेघदूते

स्रोत–शिशुपावधम् (1/72) - तारिणीश झा, पेज–149

47. **'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' इत्यत्र रसमध्ये ग्रहणं कृतम् –**

(A) केवलं रसस्य
(B) केवलं भावस्य
(C) केवलं रसाभासस्य
(D) रस-भाव-तदाभासादीनाम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (प्रथमपरिच्छेद)-शालिग्राम शास्त्री, पेज–19-20

48. **साहित्यदर्पणे साकल्येन लक्षणायाः कति भेदाः ?**

(A) षोडश (B) चतुर्विंशतिः
(C) अशीतिः (D) द्वादश

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/11) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–39

49. **'उत्साहः' कस्य रसस्य स्थायिभावः ?**

(A) रौद्रस्य (B) करुणस्य
(C) वीरस्य (D) बीभत्सस्य

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/232) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–117

50. **विश्वनाथमते काव्यशरीरे रसस्य का स्थितिर्वर्तते ?**

(A) अलङ्कारवत्
(B) आत्मवत्
(C) गुणवत्
(D) रीतिवत्

स्रोत–साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–19

क्षणत्यागे कुतो विद्या कणत्यागे कुतो धनम्
एक एक क्षण का त्याग करने वाले को विद्या नहीं।
एक एक कण का त्याग करने वाले को धन नहीं।

40. (C) **41.** (D) **42.** (C) **43.** (B) **44.** (B) **45.** (A) **46.** (C) **47.** (D) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (B)

46	दिसम्बर 2014	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अङ्क हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ऋक्सामच्छन्दोयजूंषि कस्मात् समुत्पन्नानि ?

(A) पुरुषविशेषात् (B) यज्ञ-विशेषात्
(C) वाचः (D) पृथिव्याः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–109

2. ऋग्वैदिकसूक्तविशेषे 'दोषावस्तर्' इति पदस्य कोऽर्थः ?

(A) प्रतिदिनम् (B) रात्रिन्दिवा
(C) अन्धकारः (D) अन्धकारनाशकः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1.1.7) - हरिदत्तशास्त्री, पेज–59

3. पापाचारिणो दस्योर्नाशकः वैदिकदेवः ?

(A) इन्द्रः (B) अग्निः
(C) पूषन् (D) वरुणः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–73

4. ऋग्वैदिकहिरण्यगर्भसूक्तस्य का देवता ?

(A) अग्निः (B) इन्द्रः
(C) प्रजापतिः (D) वरुणः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–116

5. छान्दोग्यब्राह्मणं केन सम्बद्धम् ?

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–118

6. 'सृष्टि-स्थिति-प्रलय' विषयकं विवेचनम् उपलभ्यते –

(A) नासदीयसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) पृथिवीसूक्ते (D) कालसूक्ते

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–430

7. 'कठोपनिषद्' केन वेदेन सम्बद्धा ?

(A) ऋग्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) शुक्लयजुर्वेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

8. कृष्णयजुर्वेदस्य आरण्यकम् अस्ति –

(A) छान्दोग्यारण्यकम् (B) ऐतरेयारण्यकम्
(C) शांखायनारण्यकम् (D) तैत्तिरीयारण्यकम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

9. कः वेदानां भाष्यकारः न अस्ति ?

(A) माधवाचार्यः (B) सायणाचार्यः
(C) मल्लिनाथः (D) यास्काचार्यः

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–22-23

10. ऋक्प्रातिशाख्यानुसारेण स्वराणां ....सन्ति।

(A) त्रिविधभेदाः (B) चतुर्विधभेदाः
(C) पञ्चविधभेदाः (D) नवविधभेदाः

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–213

11. 'आत्मना विन्दते वीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम्' इति उक्ति अस्ति –

(A) ईशावास्योपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) कठोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

स्रोत–केनोपनिषद् (खण्ड-2 मन्त्र संख्या-4)

12. 'नैरुक्त्यं यत्र मन्त्रस्य विनियोगः प्रयोजनम्। प्रतिष्ठानं विधिश्चैव-----तदिहोच्यते॥' इति पूरयत

(A) आरण्यकम् (B) पुराणम्
(C) ब्राह्मणम् (D) सूक्तम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–113

13. आरण्यकानि सम्बद्धानि सन्ति–

(A) ब्रह्मचर्याश्रमेण (B) गृहस्थाश्रमेण
(C) वानप्रस्थाश्रमेण (D) संन्यासाश्रमेण

स्रोत–वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज–142

1. (B) **2.** (B, D) **3.** (A) **4.** (C) **5.** (C) **6.** (A) **7.** (D) **8.** (D) **9.** (C) **10.** (A) **11.** (B) **12.** (C) **13.** (C)

14. ''उच्चैरुदात्तः, नीचैरनुदात्तः, समाहारः स्वरितः'' इति सूत्राणां सूत्रकारः कः ?
(A) पतञ्जलिः (B) पाणिनिः
(C) सायणः (D) यास्कः
स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, पेज–66-67

15. कः पाठः अष्टविधः ?
(A) क्रमपाठः (B) पदपाठः
(C) विकृतिपाठः (D) संहितापाठः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

16. पाणिनीयशिक्षानुसारं वेदस्य श्रोत्रम् अस्ति –
(A) छन्दः (B) निरुक्तम्
(C) शिक्षा (D) व्याकरणम्
स्रोत–पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-42)

17. 'कल्पसूत्रम्' इति पारिभाषिकी संज्ञा अस्ति –
(A) श्रौतसूत्राणाम् (B) गृह्यसूत्राणाम्
(C) धर्मसूत्राणाम् (D) श्रौत-गृह्य-धर्मसूत्राणाम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

18. 'छन्दः' इति वेदाङ्गस्य प्रतिनिधिग्रन्थः 'छन्दःसूत्रम्' केन रचितः ?
(A) पाणिनिना (B) पतञ्जलिना
(C) व्याडिमुनिना (D) पिङ्गलेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199

19. 'निघण्टु' इति वैदिककोशस्य भाष्यरूपेण अस्ति –
(A) छन्दःसूत्रम् (B) महाभाष्यम्
(C) निरुक्तम् (D) शिक्षासूत्राणि
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–204

20. समीचीनम् उत्तरं चिनुत –
(अ) रक्तसंज्ञः 1. व्यञ्जनसन्निपातः
(ब) ईदूदेद्द्विवचनम् 2. समानाक्षराण्यादितः
(स) संयोगः 3. अनुनासिकः
(द) अष्टौ 4. प्रगृह्यम्

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	2	3	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	3	4
(D)	3	2	4	1

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज अ = 69, स = 70, द = 42, अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, ब = 1.1.11 पेज–13

21. 'गौतमधर्मसूत्रम्' केन सम्बद्धम् ?
(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–236

22. 'उनत्तीति' निरुक्त्या अभिधीयते –
(A) उदक् (B) उषा
(C) आदित्यः (D) अग्निः
स्रोत–निरुक्तम् - विश्वेश्वर, पेज–224

23. कति भावविकाराः ?
(A) पञ्च (B) षड्
(C) सप्त (D) नव
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–26

24. वर्णलोपस्य उदाहरणम् अस्ति –
(A) आस्थत् (B) ज्योतिः
(C) गतम् (D) द्वारः
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–135

25. ''अथ गौरित्यत्र कः शब्दः'' इत्यनेन किं प्रतिपाद्यते ?
(A) ध्वनिः (B) स्फोटः
(C) मात्रा (D) स्वरः
स्रोत–महाभाष्य पश्पशाह्निक - मधुसूदन मिश्र, पेज–04

26. 'आनि लोट्' इत्यनेन किं विधीयते ?
(A) णत्वम् (B) षत्वम्
(C) कुत्वम् (D) मत्वम्
स्रोत–अष्टाध्यायी (8.4.16) - ईश्वरचन्द्र, पेज–1085

27. अधोऽङ्कितानां युग्मानां शुद्धां तालिकां चिनुत–
(अ) टिड्ढाणञ्द्वयसज्दघ्नञ्मात्रच्त-यप्ठक्ठञ्कञ्क्वरपः 1. ईद्यति
(ब) लोमादिपामादिपिच्छादिभ्यः शनेलचः 2. ऐधिषत
(स) आत्मनेपदेष्वनतः 3. यादृशी
(द) ग्लेयम् 4. पिच्छलः

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	4	2	1	3
(B)	1	3	1	3
(C)	4	3	2	1
(D)	3	4	2	1

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, पेज– अ = (4.1.15) पेज–425, ब=(5.2.100) पेज–597, स=(7.1.5) पेज–835, द=(6.4.65) पेज–798

14. (B) **15.** (C) **16.** (B) **17.** (D) **18.** (D) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (C) **22.** (A) **23.** (B) **24.** (C) **25.** (A) **26.** (A) **27.** (D)

28. 'धर्ममुच्चरते' इत्यत्र क्रियापदे आत्मनेपदविधायकं सूत्रं किम् ?

(A) उदश्चरः सकर्मकात् (B) अकर्मकाच्च

(C) पूर्ववत्सनः (D) समस्तृतीयायुक्तात्

स्रोत–व्याकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5) - गोविन्दाचार्य, पेज–413

29. 'अनुकरोति' इत्यत्र परस्मैपदविधायकं सूत्रं किम् ?

(A) अभिप्रत्यतिभ्यः क्षिपः (B) अनुपराभ्यां कृञः

(C) परेर्मृषः (D) व्याङ्परिभ्यो रमः

स्रोत–व्याकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5) - गोविन्दाचार्य, पेज–439

30. वाक्यपदीयकारेण स्फोटग्रहणाय कीदृशो ध्वनिर्निर्दिष्टः ?

(A) नित्यः (B) अनित्यः

(C) प्राकृतः (D) वैकृतः

स्रोत–वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड) कारिका–76

31. रङ्गवर्णे कति मात्राः निर्दिष्टाः ?

(A) एका मात्रा (B) द्वे मात्रे

(C) तिस्रो मात्राः (D) बह्व्यो मात्राः

स्रोत–पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-28)

32. 'ग्रासमान-नियमः' केन सम्बद्धः अस्ति ?

(A) अर्थतत्त्वेन (B) ध्वनितत्त्वेन

(C) वाक्यतत्त्वेन (D) साहित्येन

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

33. का भारोपीया भाषा अस्ति ?

(A) ग्रीक (B) कन्नड

(C) तेलुगू (D) मलयालम

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–390

34. समुद्रगुप्तस्य भारतदिग्विजयः कस्मिन् शिलालेखे अस्ति ?

(A) मन्दसोरशिलालेखे

(B) एलाहाबादशिलालेखे

(C) गिरनारशिलालेखे

(D) एहोलशिलालेखे

स्रोत–भारतीय पुरालिपि अभिलेख एवं मुद्राएँ-शोभासत्यदेव, पेज–109,110

35. पृथिव्यां कतिविधं रूपमस्ति ?

(A) द्विविधम् (B) सप्तविधम्

(C) षड्विधम् (D) पञ्चविधम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–49

36. गुणविधेः उदाहरणमस्ति –

(A) सोमेन यजेत

(B) दध्ना जुहोति

(C) राजा राजसूयेन

(D) दर्शपूर्णमासाभ्यां स्वर्गकामो यजेत

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–42

37. प्रयोगविधेः सहकारिकारणानि भवन्ति –

(A) पञ्च (B) षट्

(C) सप्त (D) नव

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–112

38. वेदान्तशास्त्रे प्रमेयं किं भवति ?

(A) ईश्वरः (B) जीवः

(C) विराट् (D) तुरीयचैतन्यम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–53

39. तत्त्वसाक्षात्कारोपायेष्वन्यतमः ?

(A) उपक्रमः (B) उपसंहारः

(C) अभ्यासः (D) निदिध्यासनम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–151

40. प्रकृतिः कतिभिः रूपैरात्मानं बध्नाति ?

(A) सप्तभिः (B) अष्टभिः

(C) पञ्चभिः (D) चतुर्भिः

स्रोत–सांख्यकारिका (का.63)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–321

41. ''सुलभाः पुरुषा राजन् सततं प्रियवादिनः।
अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः॥''
श्लोकमुं रावणासुरम्प्रति कः उक्तवान् ?

(A) कुम्भकर्णः (B) सुग्रीवः

(C) बालिः (D) मारीचः

स्रोत–वाल्मीकिरामायण - अरण्यकाण्ड, सर्ग-37 श्लोक-2

28.(A) **29.**(B) **30.**(C) **31.**(B) **32.**(B) **33.**(A) **34.**(B) **35.**(B) **36.**(B) **37.**(B) **38.**(D) **39.**(D) **40.**(A) **41.**(D)

42. रामायणे कस्मिन् काण्डे अहल्याशाप-विमोचन-वृत्तान्तोऽस्ति –

(A) अयोध्याकाण्डे (B) अरण्यकाण्डे
(C) बालकाण्डे (D) सुन्दरकाण्डे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–125

43. भगवद्गीतायाः तृतीयाध्यायस्य नाम किम् –

(A) ज्ञानयोगः (B) कर्मयोगः
(C) साङ्ख्ययोगः (D) भक्तियोगः

स्रोत–श्रीमद्भगवद्गीता (कोड-20) - गीताप्रेस, पेज-63

44. कस्मिन् पुराणे विविधशास्त्रसम्बन्धिनो विषयाः वर्तन्ते ?

(A) मत्स्यपुराणे (B) शिवपुराणे
(C) विष्णुधर्मोत्तरपुराणे (D) अग्निपुराणे

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–184

45. 'शतसाहस्री' इति कस्याभिधानमस्ति ?

(A) शब्दकल्पद्रुमस्य (B) रामायणस्य
(C) महाभारतस्य (D) वराहपुराणस्य

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–145

46. पुराणमिदमष्टादश-महापुराणेषु न गण्यते –

(A) नृसिंहसपुराणम् (B) विष्णुपुराणम्
(C) ब्रह्मपुराणम् (D) कूर्मपुराणम्

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–177

47. 'जय' इति कस्य नामान्तरम् ?

(A) रामायणस्य (B) महाभारतस्य
(C) रघुवंशस्य (D) किरातार्जुनीयस्य

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–147

48. ''ऋचः सामानि छन्दांसि पुराणं यजुषा सह'' इति कुतः उद्धृतः ?

(A) ऋग्वेदात् (B) अथर्ववेदात्
(C) रामायणात् (D) महाभारतात्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–98

49. धर्मशास्त्रीय-व्यवहारस्य को विषयः ?

(A) स्मृत्याचारनिन्दा
(B) स्मृत्याचारविरुद्ध-परपीडा
(C) स्मृत्याचारप्रयुक्ता रुग्णता
(D) स्मृत्याचारप्रयुक्ता निर्धनता

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/5) - गंगासागर राय, पेज–168

50. मनुस्मृत्यनुसारं सर्वव्यसनमूलं किम् ?

(A) कामः (B) क्रोधः
(C) लोभः (D) मोहः

स्रोत–मनुस्मृति (7/49) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–168

51. मनुमते साक्षाद्धर्मस्य लक्षणं कतिविधम् ?

(A) एकविधम् (B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम् (D) चतुर्विधम्

स्रोत–मनुस्मृति (2/12) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–65

52. अमात्यपरीक्षोपायेषु नास्ति –

(A) धर्मोपधा (B) अर्थोपधा
(C) कामोपधा (D) मोक्षोपधा

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, पेज–25-26

53. अधोलिखितेषु को गूढपुरुषो न भवति ?

(A) मन्त्री (B) सत्री
(C) तीक्ष्णः (D) रसदः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, पेज–29

54. अमात्यपरीक्षायाः कतिविध उपायः ?

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः
(C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, पेज–28

55. 'स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वममानुषीषु सन्दृश्यते' इति उक्ति कुत्र?

(A) उत्तररामचरिते (B) मालतीमाधवे
(C) मुद्राराक्षसे (D) अभिज्ञानशाकुन्तले

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/22) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–287

42.(C)	**43.**(B)	**44.** (D)	**45.**(C)	**46.** (A)	**47.** (B)	**48.** (B)	**49.** (B)	**50.** (C)	**51.**(D)	**52.** (D)
53. (A)	**54.**(C)	**55.** (D)								

56. रत्नावल्यां प्रधानरसः कः ?

(A) वीररसः (B) रौद्ररसः
(C) शान्तरसः (D) शृङ्गाररसः

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, भू. पेज–32

57. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(अ) चलापाङ्गां दृष्टिं स्पृशसि बहुशो वेपथुमतीम् 1. किरातार्जुनीयम्
(ब) गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया 2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(स) क्षणमिह मम कण्ठे बाहुपाशं विधेहि 3. शिशुपालवधम्
(द) पुरातनं त्वां पुरुषं पुराविदः 4. रत्नावली

कूट :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	2	1	4
(D)	4	3	2	1

स्रोत– अ=अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/24), ब =किरातार्जुनीयम् (1/12), स = रत्नावली (3/17), द = शिशुपालवधम् (1/33)

58. 'वियति विसारिणी शष्पपंक्तिमिव आरचयन्तः' इत्यत्र कः अलङ्कारः ?

(A) उपमा (B) अर्थान्तरन्यासः
(C) उत्प्रेक्षा (D) विरोधाभासः

स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, पेज–200

59. 'कादम्बरी' इति शब्दस्य कोऽर्थः ?

(A) भीरुस्त्री (B) अप्सरा
(C) मदिरा (D) परिचारिका

स्रोत–कादम्बरी कथामुख - तारिणीश झा, भू. पेज–41

60. शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य।
अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र॥
अत्र कोऽलङ्कारः ?

(A) उपमा (B) अर्थान्तरन्यासः
(C) रूपकम् (D) विभावना

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/16) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–38

61. कति अर्थप्रकृतयः ?

(A) षट् (B) पञ्च
(C) सप्त (D) दश

स्रोत–दशरूपक (1/18) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–22

62. दृष्टनष्टस्य बीजस्य अन्वेषणं भवति –

(A) प्रतिमुखसन्धिः (B) मुखसन्धिः
(C) निर्वहणसन्धिः (D) गर्भसन्धिः

स्रोत–दशरूपक (1/36) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–55

63. 'इति हेतुस्तदुद्भवे' काव्यनिर्माणविषये कस्य मतमेतत् ?

(A) जगन्नाथस्य (B) हेमचन्द्रस्य
(C) मम्मटस्य (D) वाग्भटस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश (1/3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–16

64. क्रियायाः प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्तिः..........।

(A) विशेषोक्तिः (B) समासोक्तिः
(C) विभावना (D) निदर्शना

स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-161) - विश्वेश्वर, पेज–498

65. 'ध्वन्यालोकः' इत्यस्मिन् ग्रन्थे कति उद्योताः सन्ति ?

(A) चत्वारः (B) पञ्च
(C) षट् (D) सप्त

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, भू. पेज–36

66. नाट्यशास्त्रस्य 'अभिनवभारती' व्याख्यायाः कर्ता कः ?

(A) आनन्दवर्धनः (B) अभिनवगुप्तः
(C) धनञ्जयः (D) भरतः

स्रोत–नाट्यशास्त्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, भू. पेज–10

67. कालक्रमानुसारेण कस्तावत् अर्वाचीनः ?

(A) भरतः (B) जगन्नाथः
(C) विश्वनाथः (D) भामहः

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–589

68. काव्यप्रकाशस्य मङ्गलश्लोके कस्याः प्रशंसा कृता ?

(A) सरस्वत्याः (B) पार्वत्याः
(C) कविभारत्याः (D) दुर्गायाः

स्रोत–काव्यप्रकाश (1/1) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–5

56.(D) **57.**(B) **58.**(C) **59.**(C) **60.**(B) **61.**(B) **62.**(D) **63.**(C) **64.**(C) **65.**(A) **66.**(B) **67.**(B) **68.**(C)

69. 'यत्रार्थः शब्दो वा तमर्थमुपसर्जनीकृतस्वार्थौ व्यङ्क्तः काव्यविशेषो' भवति –

(A) गुणीभूतव्यङ्ग्यम् (B) ध्वनिः
(C) अलङ्कारध्वनिः (D) चित्रकाव्यम्

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/13) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–37

70. तर्कसङ्ग्रहानुसारं कति द्रव्याणि ?

(A) पञ्च (B) सप्त
(C) नव (D) एकादश

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–28

71. वाक्यार्थज्ञाने हेतुः अस्ति –

(A) निगमनम् (B) प्रतिज्ञा
(C) हेतुः (D) सन्निधिः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–108

72. 'द्रव्यगुणकर्मसामान्यविशेषसमवायाभावाः' इति –

(A) गुणाः (B) अपवादाः
(C) पदार्थाः (D) स्पर्शाः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–27

73. तर्कसङ्ग्रहानुसारं प्रमाणानि सन्ति –

(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, भू. पेज–16

74. 'प्रमा' इत्युच्यमाने अधोलिखितेषु कस्य निरसनं भवति ?

(A) प्रमितिः (B) अनुमितिः
(C) स्मृतिः (D) उपमितिः

स्रोत–तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–13

75. प्रमायाः करणं किम् ?

(A) प्रमाता (B) प्रमेयः
(C) प्रमाणम् (D) इन्द्रियार्थसन्निकर्षः

स्रोत–तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, पेज–12

69. (B) **70.** (C) **71.** (D) **72.** (C) **73.** (B) **74.** (C) **75.** (C)

47	जून 2015	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

सूचना – अस्मिन् प्रश्नपत्रे पञ्चाशत् परिमिताः **(50)** बहु-वैकल्पिकाः प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य अङ्कद्वयं वर्तते।

1. श्वेताश्वतरोपनिषद् केन वेदेन सम्बद्धा?

(A) अथर्ववेदेन (B) ऋग्वेदेन

(C) यजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–09

2. 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत' इति कुत्र उपदिष्टम्?

(A) ईशावास्योपनिषदि (B) कठोपनिषदि

(C) आपस्तम्बधर्मसूत्रे (D) माण्डूक्योपनिषदि

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–176

3. 'मण्डलक्रमः' केन वेदेन सम्बद्धः?

(A) अथर्ववेदेन (B) ऋग्वेदेन

(C) यजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–47

4. अथर्ववेदीयं ब्राह्मणं किम्?

(A) शतपथब्राह्मणम् (B) गोपथब्राह्मणम्

(C) तैत्तिरीयब्राह्मणम् (D) ऐतरेयब्राह्मणम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

5. ''स्वसारं त्वा कृणवै मा पुनर्गा,
अप ते गवां सुभगे भजाम।''
इति मन्त्रांशः कुतः उद्धृतः?

(A) पुरुरवा-उर्वशी-संवादात्

(B) यम-यमी-संवादात्

(C) सरमा-पणि-संवादात्

(D) विश्वामित्र-नदी-संवादात्

स्रोत–ऋग्वेद (10.108-09) - सरमापणि संवादसूक्त मन्त्र-09

6. अन्तरिक्षस्थानीया देवता का?

(A) रुद्रः (B) सोमः

(C) अग्निः (D) बृहस्पतिः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–296

7. 'प्रधानञ्च षट्स्वङ्गेषु' किम्?

(A) कल्पः (B) छन्दः

(C) शिक्षा (D) व्याकरणम्

स्रोत–महाभाष्य पस्पशाह्निक - मधुसूदन मिश्र, पेज–10

8. 'सर्वलघुः' इति को गणः?

(A) जगणः (B) मगणः

(C) नगणः (D) सगणः

स्रोत–वृत्तरत्नाकर - धरानन्द शास्त्री, पेज–20

9. 'व्' वर्णः अस्ति–

(A) ओष्ठ्यः (B) ऊष्मः

(C) अन्तःस्थः (D) दन्त्यः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–20

10. 'शुल्बसूत्राणि' केन वेदाङ्गेन सम्बद्धानि?

(A) व्याकरणेन (B) कल्पेन

(C) छन्दसा (D) निरुक्तेन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–214

11. 'सत्त्वप्रधानम्' इति मन्यते–

(A) उपसर्गः (B) नाम

(C) आख्यातम् (D) निपातः

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–18

12. 'पदपाठ' इत्यस्य परमं प्रयोजनम् अस्ति–

(A) पदनिर्माणम् (B) शब्दनिर्माणम्

(C) वेदपाठरक्षणम् (D) मन्त्रगानम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–08

13. प्रायश्चित्तकर्माणि भवन्ति–

(A) हननादीनि (B) सन्ध्यावन्दनादीनि

(C) ज्योतिष्टोमादीनि (D) चान्द्रायणादीनि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

1. (C) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (B) **5.** (C) **6.** (A) **7.** (D) **8.** (C) **9.** (C) **10.** (B) **11.** (B) **12.** (C) **13.** (D)

14. अधोलिखितेषु अनिर्वचनीयं भवति–

(A) जीवस्वरूपम् (B) अज्ञानम्

(C) जगत्स्वरूपम् (D) ईश्वरस्वरूपम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–37

15. वेदान्तसारे अज्ञानस्य शक्तिः–

(A) द्विविधा (B) त्रिविधा

(C) चतुर्विधा (D) पञ्चविधा

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–56

16. वेदान्तसारे लिङ्गशरीराणि–

(A) षोडशावयवानि (B) पञ्चदशावयवानि

(C) सप्तदशावयवानि (D) एकादशावयवानि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–65

17. साङ्ख्यमतानुसारं सत्त्वगुणः–

(A) सुखात्मकः (B) दुःखात्मकः

(C) अभावात्मकः (D) मोहात्मकः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 12)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–135

18. साङ्ख्यमते पङ्गुवद् वर्तते–

(A) प्रधानम् (B) पुरुषः

(C) गुणत्रयम् (D) अन्तःकरणम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 21)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–193

19. त्रैगुण्यविपर्ययात् किं सिद्धम्?

(A) प्रधानम् (B) पुरुषैकत्वम्

(C) पुरुषबहुत्वम् (D) अज्ञानम्

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 18)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–180

20. साङ्ख्यकारिकायां सर्गस्य कारणम्–

(A) पुरुषः (B) ईश्वरः

(C) प्रधानम् (D) पुरुष-प्रकृति-संयोगः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 21)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–193

21. न्यायवैशेषिकमतानुसारं पदार्थाः–

(A) षट् (B) षोडश

(C) नव (D) सप्त

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–27

22. तर्कसङ्ग्रहानुसारं पृथिव्यां रूपम्–

(A) षड्विधम् (B) सप्तविधम्

(C) अष्टविधम् (D) नवविधम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–49

23. तर्कसङ्ग्रहानुसारं 'न्यूनदेशवृत्ति' इति लक्षणम्–

(A) अभावस्य (B) परसामान्यस्य

(C) अपरसामान्यस्य (D) विशेषस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–31

24. तर्कसङ्ग्रहानुसारं अनुमानं नाम–

(A) लिङ्गज्ञानम् (B) व्याप्तिः

(C) उदाहरणम् (D) लिङ्गपरामर्शः

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–84

25. सर्वनामस्थानसंज्ञकं सूत्रं किम्?

(A) सर्वादीनि सर्वनामानि (B) सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ

(C) सुडनपुंसकस्य (D) स्वादिष्वसर्वनामस्थाने

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.42) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

26. 'सुप्तिङन्तं पदम्' इति सूत्रम् अतिरिच्य पदसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्?

(A) पदस्य (B) पदात्

(C) पदान्तस्य (D) स्वादिष्वसर्वनामस्थाने

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.4.14) - ईश्वरचन्द्र, पेज–114

27. वीप्सार्थे द्योत्ये का विभक्तिर्गम्यते?

(A) तृतीया (B) पञ्चमी

(C) द्वितीया (D) सप्तमी

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–34

28. उपपदसञ्ज्ञाविधायकं सूत्रं किम्?

(A) कर्मण्यण् (B) उपपदमतिङ्

(C) तत्रोपपदं सप्तमीस्थम् (D) कुगतिप्रादयः

स्रोत–अष्टाध्यायी (3.1.92) - ईश्वरचन्द्र, पेज–289

29. 'शोभनो राजा' इत्यस्य समस्तपदं किम्?

(A) सुराजः (B) सुराजा

(C) सुराजी (D) सुराज्ञी

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज–133

14. (B) **15.** (A) **16.** (C) **17.** (A) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (D) **21.** (D) **22.** (B) **23.** (C) **24.** (D)
25. (C) **26.** (D) **27.** (C) **28.** (C) **29.** (B)

30. अधस्तनयुग्मेभ्यः समीचीना तालिका चेतव्या–

(अ) कृञः प्रतियत्ने	(i) योजनं योजने वा
(ब) अभाषितपुंस्काच्च	(ii) गङ्गका, गङ्गिका
(स) कालात् सप्तमी च वक्तव्या	(iii) कुम्भकारः
(द) तत्रोपपदं सप्तमीस्थम्	(iv) एधो दकस्योपस्करणम्

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, पेज– अ 2.3.53 पेज–211, ब = 7.3.48 पेज–935, स = कारक प्रकरण आद्याप्रसाद पेज–69, द = 3.1.92 पेज–289

31. गुणवाचकास्त्रीलिङ्गे का विभक्तिव्यवस्था?

(A) तृतीया-पञ्चम्यौ (B) द्वितीया-तृतीया-पञ्चम्यः
(C) षष्ठी-सप्तम्यौ (D) द्वितीया-चतुर्थ्यौ

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–69

32. अधस्तनेषु निष्ठा-संज्ञा कस्य भवति?

(A) तव्यत्-इत्यस्य (B) तव्य-इत्यस्य
(C) क्तवतु-इत्यस्य (D) अनीयर्-इत्यस्य

स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.25) - ईश्वरचन्द्र, पेज–19

33. संज्ञार्थप्रयुक्ते 'मामकी' इति पदे ''ङीप्'' इत्यस्य–

(A) नित्यविधिः (B) निषेधः
(C) वैकल्पिक-प्रवृत्तिः (D) अशुद्ध-प्रयोगः

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमी व्याख्या भाग-6, पेज–92

34. किं तत्त्वं वियोगात्मक-भाषा-प्रकृति-लक्षणम्?

(A) सङ्ख्या (B) अर्थः
(C) सन्धिः (D) प्रकृति-प्रत्यय-पार्थक्यम्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–358

35. का भाषा 'केन्टुम'-वर्गेण असम्बद्धा–

(A) ग्रीकभाषा (B) इताली
(C) लैटिनभाषा (D) संस्कृतभाषा

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

36. तुलनात्मक-भाषाशास्त्रस्य अध्ययनस्य आरम्भकाले कयोः भाषयोः मध्ये ध्वनिसाम्यं प्रत्यक्षीकृतम्?

(A) संस्कृत-हिन्दी-मध्ये
(B) संस्कृत-लैटिन-मध्ये
(C) संस्कृत-फ़ारसी-मध्ये
(D) संस्कृत-फ्रांसीसी-मध्ये

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–377-378

37. ''निर्गतासु न वा कस्य कालिदासस्य सूक्तिषु।
प्रीतिर्मधुरसान्द्रासु मञ्जरीष्विव जायते॥''
कस्मिन् ग्रन्थे उपलभ्यतेऽयं श्लोकः?

(A) हर्षचरिते
(B) अभिज्ञानशाकुन्तले
(C) रघुवंशे
(D) कादम्बर्याम्

स्रोत–हर्षचरितम् (1/16) - मोहनदेव पन्त, पेज-9

38. ''अकारणाविष्कृतवैरदारुणादसज्जनात् कस्य भयं न जायते।''
इत्यादि-श्लोकः कस्मिन् ग्रन्थेऽस्ति?

(A) रत्नावल्याम् (B) शिशुपालवधे
(C) कुमारसम्भवे (D) कादम्बर्याम्

स्रोत–कादम्बरी-कथामुख (श्लोक-5) - तारिणीश झा, पेज–7

39. 'मृच्छकटिकम्' इति कस्य रूपकस्य उदाहरणं भवति?

(A) समवकारस्य (B) नाटकस्य
(C) प्रकरणस्य (D) भाणस्य

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–307

40. दशकुमारचरितस्य कस्मिन् चरिते सुरतमञ्जर्याः उपाख्यानमस्ति?

(A) अपहारवर्मचरिते (B) उपहारवर्मचरिते
(C) राजवाहनचरिते (D) पुष्पोद्भवचरिते

स्रोत–दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वास) - विश्वनाथ झा, पेज-10

41. कृतककोपवृत्तान्तः कस्मिन् दृश्यकाव्ये वर्तते?

(A) मुद्राराक्षसे (B) मृच्छकटिके
(C) उत्तररामचरिते (D) वेणीसंहारे

स्रोत–मुद्राराक्षस (अंक-3) - पुष्पा गुप्ता, पेज–192

30. (A) **31.** (A) **32.** (C) **33.** (C) **34.** (D) **35.** (D) **36.** (B) **37.** (A) **38.** (D) **39.** (C) **40.** (C) **41.** (A)

42. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत–

(अ) उत्तररामचरितम्	**(i) भासः**
(ब) बुद्धचरितम्	**(ii) भवभूतिः**
(स) वेणीसंहारम्	**(iii) भट्टनारायणः**
(द) स्वप्नवासवदत्तम्	**(iv) अश्वघोषः**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– अ = 395, ब = 167, स = 381, द = 275

43. दुष्यन्तपुत्रस्य प्रथमं नाम किम् आसीत्?

(A) भरतः (B) दौष्यन्तिः

(C) सर्वदमनः (D) गौतमः

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, भू. पेज–99

44. शिशुपालवधमहाकाव्यस्य प्रथमसर्गस्य नाम किम्?

(A) कृष्णनारदसम्भाषणम् (B) नारदावतरणम्

(C) नारदगुणकीर्तनम् (D) कृष्णगुणकीर्तनम्

स्रोत–शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) - तारिणीश झा, पेज–158

45. किं नाम अभिधापुच्छभूता भवति?

(A) व्यञ्जना (B) लक्षणा

(C) तात्पर्यम् (D) अर्थापत्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–251

46. विश्वनाथमते सङ्केतः गृह्यते................

(A) जातौ गुणे द्रव्ये क्रियायाञ्च

(B) केवलं जातिगुणयोः

(C) केवलं द्रव्ये

(D) केवलं क्रियायाम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (2/4) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–27

47. विश्वनाथमते हास्यं कतिविधं भवति?

(A) चतुर्विधम् (B) त्रिविधम्

(C) द्विविधम् (D) षड्विधम्

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/217) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–115

48. शृङ्गाररसो भवति–

(A) प्रमथदैवतः (B) विष्णुदैवतः

(C) गन्धर्वदैवतः (D) नारायणदैवतः

स्रोत–साहित्यदर्पण (3/186) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–106

49. काव्यलक्षणखण्डनविचारे कस्य मतं 'स्ववचनविरोधाद् अपास्तम्' इति विश्वनाथेन कथितम्?

(A) आनन्दवर्धनस्य (B) वामनस्य

(C) मम्मटस्य (D) व्यक्तिविवेककारस्य

स्रोत–ध्वन्यालोक (1/2) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–11

50. ''श्यामास्वङ्गं चकितहरिणीप्रेक्षणे दृष्टिपातं..........।'' इति पद्यांशः कस्मिन् ग्रन्थे उपलभ्यते?

(A) रघुवंशे (B) नैषधीयचरिते

(C) मेघदूते (D) बुद्धचरिते

स्रोत–उत्तरमेघ (श्लोक-46) - तारिणीश झा, पेज–82

42. (A) **43.** (C) **44.** (A) **45.** (B) **46.** (A) **47.** (D) **48.** (B) **49.** (A) **50.** (C)

48	जून 2015	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

निर्देश – इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के **दो (2)** अङ्क हैं। **सभी** प्रश्न अनिवार्य है।

**1. 'यस्यामापः परिचराः समानी-
रहोरात्रे अप्रमादं क्षरन्ति।'
मन्त्रांशोऽयं केन सूक्तेन सम्बद्धः?**

(A) अग्निसूक्तेन (B) नासदीयसूक्तेन
(C) पृथिवीसूक्तेन (D) हिरण्यगर्भसूक्तेन

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–140

2. पुरुषसूक्तेन सम्बद्धा उक्तिः अस्ति–

(A) 'राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिविम्'
(B) 'यः पर्वतान् प्रकुपिताँ अरम्णात्'
(C) 'सः भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्'
(D) 'न मृत्युरासीदमृतं न तर्हि'

स्रोत–ऋग्वेद (10.90.01) ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्तशास्त्री, पेज–392

3. कः अग्निसूक्तस्य ऋषिः?

(A) मधुच्छन्दाः (B) प्रजापतिः
(C) हिरण्यगर्भः (D) विश्वामित्रः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज–31

4. ब्राह्मणग्रन्थानां प्रतिपाद्यविषयस्य कति प्रकाराः?

(A) द्वादश (B) षोडश
(C) चत्वारः (D) दश

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

5. ''आरण्यकञ्च वेदेभ्यः औषधिभ्योऽमृतं यथा'' इति उक्तम्–

(A) सायणेन (B) कृष्णद्वैपायनेन
(C) यास्केन (D) मनुना

स्रोत–वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–157

6. 'त्रयः स्वराः' इत्यन्तर्गते न गण्यते–

(A) उदात्तः (B) आगमः
(C) स्वरितः (D) अनुदात्तः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–326

7. प्रायः वेदेषु एव लभ्यते–

(A) लट्लकारः (B) लृट्लकारः
(C) लिट्लकारः (D) लेट्लकारः

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज–32

8. अस्ति बाह्यप्रयत्नः–

(A) नादः (B) ईषत्स्पृष्टम्
(C) स्पृष्टम् (D) विवृतम्

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–679

9. ''तदिदं विद्यास्थानं व्याकरणस्य कार्त्स्न्यम्'' इत्यनेन लक्षितम्–

(A) कल्पः (B) छन्दस्
(C) निरुक्तम् (D) ज्योतिष्

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर पेज–96

10. द्वात्रिंशत् अक्षराणि भवन्ति–

(A) बृहतीच्छन्दसि (B) पङ्क्तिच्छन्दसि
(C) जगतीच्छन्दसि (D) अनुष्टुप्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–49

11. पादपूरणार्थकः निपातः अस्ति–

(A) इत् (B) च
(C) ननु (D) इव

स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–75

12. 'व्यञ्जनसन्निपातः' इति कथ्यते–

(A) प्रगृह्यः (B) अघोषः
(C) संयोगः (D) यमः

स्रोत–ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–70

1. (C) **2.** (C) **3.** (A) **4.** (D) **5.** (B) **6.** (B) **7.** (D) **8.** (A) **9.** (C) **10.** (D) **11.** (A) **12.** (C)

13. यक्षरूपधारिणः परब्रह्मणः आख्यायिका उपलभ्यते–

(A) ईशावास्योपनिषदि (B) केनोपनिषदि

(C) कठोपनिषदि (D) तैत्तिरीयोपनिषदि

स्रोत–केनोपनिषद् (तृतीय खण्ड) - शिवप्रसाद द्विवेदी, पेज–23

14. ''मन एव त्वच्छ्रेयो मनसो वै त्वं...........'' इति उक्तम्–

(A) मनसा (B) वाचा

(C) नचिकेतसा (D) प्रजापतिना

स्रोत–शतपथब्राह्मण (1.4.5.11) वाङ्मनस् आख्यान

15. 'यद् दूरङ्गता भवति' इति निरुक्त्या किम् उपलक्ष्यते?

(A) गौः (B) समुद्रः

(C) नदी (D) मेघः

स्रोत–निरुक्तम् (2/2) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–153

16. 'अथ शीक्षां व्याख्यास्यामः' इत्युक्तिः कुतः उद्धृता–

(A) कठोपनिषदः (B) तैत्तिरीयोपनिषदः

(C) पाणिनीयशिक्षातः (D) याज्ञवल्क्यशिक्षातः

स्रोत–तैत्तिरीयोपनिषद् - चुन्नीलाल शुक्ल, पेज–07

17. अधोलिखितेषु नित्यकर्म भवति–

(A) ज्योतिष्टोमादि (B) सन्ध्यावन्दनादि

(C) चान्द्रायणादि (D) जातेष्ट्यादि

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–14

18. अजहल्लक्षणाया उदाहरणं भवति–

(A) शोणो धावति (B) तत्त्वमसि

(C) गङ्गायां घोषः (D) सोऽयं देवदत्तः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–136

19. अधोलिखितेषु साक्षात्कारोपयोगि भवति–

(A) उपक्रमः (B) अपूर्वता

(C) निदिध्यासनम् (D) फलम्

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–157-158

20. अधस्तनेषु साधनचतुष्टये अन्तर्भवति–

(A) शमदमादिषट्कसम्पत्तिः (B) चन्दनम्

(C) उपक्रमः (D) उपसंहारः

स्रोत–वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–20

21. वेदः कः?

(A) अपौरुषेयं वाक्यम्

(B) अङ्ग-प्रधान-सम्बन्ध-बोधकं वाक्यम्

(C) कर्मबोधकं वाक्यम्

(D) समभिव्याहारः वाक्यम्

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–38

22. प्रयोगविधेः सहकारिप्रमाणानि–

(A) पञ्च (B) षट्

(C) सप्त (D) चत्वारि

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–112

23. 'तत्र चान्यत्र च प्राप्तौ' इति कस्य लक्षणं भवति?

(A) अपूर्वविधेः (B) नियमविधेः

(C) अधिकारविधेः (D) परिसङ्ख्यायाः

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–144

24. 'विरोधे गुणवादः स्यात्' इति लक्षणम्–

(A) नामधेयस्य (B) गुणविधेः

(C) अर्थवादस्य (D) मन्त्रस्य

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–198

25. समीचीनतालिकां चिनुत–

(अ) घटः पटः न (i) प्रागभावः

(ब) इह घटो भविष्यति (ii) अन्योन्याभावः

(स) भूतले घटः न (iii) प्रध्वंसाभावः

(द) घटो ध्वस्तः (iv) अत्यन्ताभावः

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–122-124

26. अभावस्य प्रत्यक्षं भवति–

(A) संयोगसम्बन्धेन

(B) समवायसम्बन्धेन

(C) संयुक्त-समवाय-सन्निकर्षेण

(D) विशेषण-विशेष्य-भावसन्निकर्षेण

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–80

13. (B) **14.** (D) **15.** (A) **16.** (B) **17.** (B) **18.** (A) **19.** (C) **20.** (A) **21.** (A) **22.** (B) **23.** (D) **24.** (C) **25.** (D) **26.** (D)

27. 'आप्तवाक्यं शब्दः' इति लक्षणम्–

(A) पदस्य (B) वाक्यस्य

(C) शब्दप्रमाणस्य (D) महावाक्यस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–107

28. 'एकस्मिन् धर्मिणि नानाधर्मावगाहि ज्ञानम्' इति लक्षणं भवति–

(A) अज्ञानस्य (B) समूहालम्बनज्ञानस्य

(C) संशयस्य (D) शाब्दज्ञानस्य

स्रोत–तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज–112

29. 'प्रतिविषयाध्यवसायः' इत्यस्य सम्बन्धः केन?

(A) अनुमानेन (B) आप्तवचनेन

(C) प्रत्यक्षेण (D) उपमानेन

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 5) - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–52

30. 'प्रदीपवच्चार्थतो वृत्तिः' कस्य?

(A) प्रकृतेः (B) गुणत्रयस्य

(C) जलस्य (D) तेजसः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 13)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–145

31. 'ततोऽहङ्कारः' इति अहङ्कारस्य उत्पत्तिः कुतः भवति?

(A) प्रकृतेः (B) महतः

(C) षोडशगणात् (D) पञ्चभूतेभ्यः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–196

32. साङ्ख्यदर्शनानुसारं अध्यवसायात्मकं तत्त्वं किम्?

(A) बुद्धिः (B) चक्षुः

(C) त्वक् (D) कर्णः

स्रोत–सांख्यकारिका (का. 23)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज–198

33. 'स वाग्वज्रो यजमानं हिनस्ति' इत्यनेन महाभाष्ये किमभिप्रेतम्?

(A) शब्दशुद्धिः (B) चित्तशुद्धिः

(C) कायशुद्धिः (D) व्यवहारशुद्धिः

स्रोत–महाभाष्य पशपशाह्निक - मधुसूदन मिश्र, पेज–12

34. 'यागात् स्वर्गो भवति' इत्यत्र भू-धातोः कः अर्थः?

(A) सत्ता (B) यागः

(C) स्वर्गः (D) उत्पत्तिः

35. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीना तालिका चेतव्या–

(अ) झयः **(i) भृत्यः**

(ब) मनोरौवा **(ii) शताद् बद्धः**

(स) भृञोऽसंज्ञायाम् **(iii) विद्युत्वान्**

(द) अकर्तर्यृणे पञ्चमी **(iv) मनुः**

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र, अ = 5.4.11 पेज–652, ब = 4.1.38 पेज–432, स = 3.1.112 पेज–295, द = 2.3.24 पेज–202

36. 'सर्पिषो जानीते' इत्यत्र क्रियापदे आत्मनेपदविधायकं सूत्रं किम्?

(A) तङाऽऽनावाऽऽत्मनेपदम्

(B) कर्तरि कर्मव्यतिहारे

(C) अनुदात्तङित आत्मनेपदम्

(D) अकर्मकाच्च

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5)-गोविन्दाचार्य, पेज–406

37. 'उपरमति' इत्यत्र परस्मैपदविधायकं सूत्रं किम्?

(A) व्याङ्परिभ्यो रमः (B) अभिप्रत्यतिभ्यः क्षिपः

(C) अनुपराभ्यां कृञः (D) उपाच्च

स्रोत–व्याकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5) - गोविन्दाचार्य, पेज–444

38. ध्वनिस्फोटयोर्मध्ये कः सम्बन्धः?

(A) कार्यकारणभावः (B) शक्तिशक्तिमद्भावः

(C) गुणगुणिभावः (D) क्रियाक्रियावद्भावः

स्रोत–वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड कारिका-25

27. (C) **28.** (C) **29.** (C) **30.** (B) **31.** (B) **32.** (A) **33.** (A) **34.** (D) **35.** (B) **36.** (D) **37.** (D) **38.** (A)

39. स्वीकृतं भर्तृहरिमते वाचः–

(A) चातुर्विध्यम् (B) त्रैविध्यम्
(C) द्वैविध्यम् (D) ऐकविध्यम्

स्रोत–वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड कारिका-20)

40. तृतीये सवने कीदृशः स्वरः प्रयोज्यः?

(A) गम्भीरः (B) मध्यमः
(C) तारः (D) कम्पः

स्रोत–पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-8)

41. 'वज्रं पतति मस्तके' इति पद्यांशः कुत्रोक्तः?

(A) महाभाष्ये (B) अष्टाध्याय्याम्
(C) वाक्यपदीये (D) पाणिनीयशिक्षायाम्

स्रोत–पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-53)

42. प्रसिद्धध्वनिनियमेषु अर्वाचीनतमः कः?

(A) वर्नरनियमः (B) ग्रासमाननियमः
(C) ग्रिमनियमः (D) विण्टरनिट्ज़नियमः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–241

43. जिह्वाभागविशेषोच्चारणदृष्ट्या मध्यस्वरोऽस्ति–

(A) अकारः (B) इकारः
(C) उकारः (D) एकारः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–150

44. आकृतिमूलकवर्गीकरणेन असम्बद्धम्–

(A) प्रकृतिः (B) प्रत्ययः
(C) उपसर्गः (D) व्यापारः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–364-365

45. पारिवारिकवर्गीकरणेन असम्बद्धम्–

(A) फलसाम्यम् (B) ध्वनिसाम्यम्
(C) पदसाम्यम् (D) अर्थसाम्यम्

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–373

46. संस्कृतभाषायाः 'शतम्' इति पदं गॉथिकभाषायाम् 'हुन्द' भवति; इति कस्य मतम्?

(A) ग्रिममहोदयस्य (B) वर्नरमहोदयस्य
(C) ग्रासमानमहोदयस्य (D) थॉम्पसनमहोदयस्य

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–247

47. अर्थपरिवर्तनकारणेष्वन्यतमम्–

(A) सादृश्यम् (B) आगमः
(C) लोपः (D) स्वरभक्तिः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–342

48. ''हृतेऽपि भारे महतस्त्रपाभरादुवाह दुःखेन भृशानतं शिरः।'' कस्य वर्णना इयम्?

(A) कुबेरस्य (B) यमवाहनमहिषस्य
(C) इन्द्रस्य (D) वरुणस्य

स्रोत–शिशुपालवधम् (1/57) - तारिणीश झा, पेज–119

49. ''मदेकपुत्रा जननी जरातुरा............'' कस्येयमुक्तिः?

(A) दमयन्त्याः (B) हंसस्य
(C) भीमस्य (D) नलस्य

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/135) - बद्रीनाथ मालवीय, पेज–230

50. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(अ) चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः। (i) मृच्छकटिकम्
(ब) आसीत् स दोलाचलचित्तवृत्तिः। (ii) कर्णभारम्
(स) हृदये गृह्यते नारी यदीदं नास्ति गम्यताम्। (iii) रघुवंशम्
(द) हुतं च दत्तं च तथैव तिष्ठति। (iv) मुद्राराक्षसम्

	(अ)	(ब)	(स)	(स)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

स्रोत– अ=मुद्राराक्षस (1/3), ब=रघुवंशम् (14/34), स=मृच्छकटिकम् (1/50), द=कर्णभारम् (1/22)

51. ''न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्यति विधिः।'' केन छन्दसा विनिर्मितोऽयं श्लोकः?

(A) मन्दाक्रान्ता (B) हरिणी
(C) शिखरिणी (D) स्रग्धरा

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

52. ''वैदेहिबन्धोर्हृदयं विदद्रे'' इत्यत्र कस्तावत् वैदेहिबन्धुः–

(A) रामः (B) लक्ष्मणः
(C) रावणः (D) भरतः

स्रोत–रघुवंशम् (14/33) - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज–472

39. (B) **40.** (C) **41.** (D) **42.** (A) **43.** (A) **44.** (D) **45.** (A) **46.** (B) **47.** (A) **48.** (B) **49.** (B) **50.** (D) **51.** (C) **52.** (A)

53. रत्नावल्यां उदयनस्य कञ्चुकी कः?

(A) बाभ्रव्यः (B) यौगन्धरायणः

(C) वसन्तकः (D) विक्रमबाहुः

स्रोत–रत्नावली - तारिणीश झा, भू. पेज–43

54. कुरङ्गकेन हर्षचरिते किं कर्म कृतम्?

(A) चिकित्साकर्म (B) पूजाकर्म

(C) वार्ताप्रदानम् (D) भाग्यगणनम्

स्रोत–हर्षचरितम् (पञ्चम उच्छ्वास) - शिवनाथ पाण्डेय, पेज–16

55. ''सुवर्णपुष्पां पृथिवीं चिन्वन्ति पुरुषास्त्रयः।'' इत्यादि–श्लोकः कस्य उदाहरणरूपेण ध्वन्यालोके उल्लिखितः?

(A) आक्षेपालङ्कारस्य

(B) विशेषोक्त्यलङ्कारस्य

(C) अविवक्षितवाच्यस्य

(D) विवक्षितान्यपरवाच्यस्य

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–56

56. ''नृत्तं..........।'' शून्यं स्थानं पूरयत।

(A) भावाश्रयम् (B) केवलं लयाश्रयम्

(C) केवलं तालाश्रयम् (D)ताललयाश्रयम्

स्रोत–दशरूपक (1/9) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–11

57. प्राप्त्याशा भवति–

(A) फललाभाय औत्सुक्यमात्रम्।

(B) उपायापायशङ्काभ्यां प्राप्तिसम्भवः

(A) अप्राप्तौ अतित्वरान्वितः व्यापारः

(D) अपायाभावतः प्राप्तिः

स्रोत–दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–24

58. ''निः शेषच्युतचन्दनं......''इत्यादि-श्लोके 'अत्र तदन्तिकमेव रन्तुं गतासि' इति व्यङ्ग्यं मम्मटेन कथं निर्धारितम्?

(A) प्राधान्येन 'अधम' पदेन।

(B) प्राधान्येन 'मिथ्यावादिनी' पदेन।

(C) 'निःशेष' शब्देन।

(D) 'निर्मृष्टरागोऽधरः' इति पदेन।

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–30

59. ''किञ्चित् पृष्टमपृष्टं वा कथितं यत् प्रकल्प्यते। तादृगन्यव्यपोहाय.............तु सा स्मृता।।'' रिक्तस्थानं पूरयत।

(A) उपमा (B) व्याजस्तुतिः

(C) अपह्नुतिः (D) परिसंख्या

स्रोत–काव्यप्रकाश - (सूत्र-184) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–526

60. दशरूपकमते नाटकस्य अङ्कसंख्या भवति–

(A) 5-7 (B) 5-8

(C) 5-10 (D) 7-10

स्रोत–दशरूपक (3/38) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज–226

61. रिक्तं स्थानं पूरयत–

''नाट्याख्यं.................वेदं सेतिहासं करोम्यहम्।''

(A) उत्तमम् (B) अपूर्वम्

(C) द्वितीयम् (D) पञ्चमम्

स्रोत–नाट्यशास्त्र (1/15) - बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, पेज–5

62. ''सामान्यस्य द्विरेकस्य यत्र वाक्यद्वये स्थितिः।'' काव्यप्रकाशकारमते कोऽयम् अलङ्कारः?

(A) निदर्शना (B) प्रतिवस्तूपमा

(C) दृष्टान्तः (D) विशेषोक्तिः

स्रोत–काव्यप्रकाश (10/101) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–484

63. 'स तप्तकार्त्तस्वरभास्वराम्बरः..............'' इति शिशुपालवधस्य श्लोकांशे 'कार्त्तस्वर'–पदस्य कोऽर्थः?

(A) रजतम् (B) ताम्रम्

(C) सुवर्णम् (D) स्फटिकम्

स्रोत–शिशुपावधम् (1/20) - तारिणीश झा, पेज–45

64. कस्य काव्यं 'विद्वदौषधं' कथ्यते?

(A) माघस्य (B) श्रीहर्षस्य

(C) कालिदासस्य (D) अश्वघोषस्य

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–234

53. (A) **54.** (C) **55.** (C) **56.** (D) **57.** (B) **58.** (A) **59.** (D) **60.** (C) **61.** (D) **62.** (B) **63.** (C) **64.** (B)

65. ''सर्गश्च प्रतिसर्गश्च वंशो मन्वन्तराणि च।''

इत्याद्युक्तिः केन सम्बद्धा?

(A) वेदलक्षणेन (B) ज्योतिषलक्षणेन

(C) महाकाव्यलक्षणेन (D) पुराणलक्षणेन

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज–94

66. एषु कस्य देशस्य नाम हरिषेणस्य एलाहाबाद-शिलालेखे नास्ति?

(A) समतटः (B) डवाकः

(C) कामरूपः (D) चीनः

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-2)-परमेश्वरीलाल गुप्ता, पेज-09

67. अर्थशास्त्रकारमते विद्या कतिविधा?

(A) द्विविधा (B) त्रिविधा

(C) चतुर्विधा (D) पञ्चविधा

स्रोत–कौटिलीय-अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, पेज–8

68. अर्थशास्त्रतः रिक्तं स्थानं पूरयत–

''कृषिपशुपाल्ये वणिज्या च...............।''

(A) वार्त्ता (B) आन्वीक्षिकी

(C) त्रयी (D) दण्डनीतिः

स्रोत–कौटिलीय-अर्थशास्त्र (1/3) वाचस्पति गैरोला, पेज–12

69. यस्य कथा रामायणाश्रिता नास्ति–

(A) रघुवंशस्य (B) भट्टिकाव्यस्य

(C) जानकीहरणस्य (D) किरातार्जुनीयस्य

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–243

70. 'जय' इति कस्य महाकाव्यस्य नामान्तरम्?

(A) रामायणस्य (B) महाभारतस्य

(C) रघुवंशस्य (D) शिशुपालवधस्य

स्रोत–संस्कृतसाहित्य का इतिहास-उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज–147

71. मनुसंहितायां कस्य दुर्गस्य समाश्रयणं बहुधा प्रशंसितम्?

(A) धन्वदुर्गस्य (B) अब्दुर्गस्य

(C) महीदुर्गस्य (D) गिरिदुर्गस्य

स्रोत–मनुस्मृति (7/71) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–177

72. मनुसंहितायां कति क्रोधजानि व्यसनानि?

(A) अष्टौ (B) नव

(C) दश (D) सप्त

स्रोत–मनुस्मृति (7/45) – गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–166

73. ''श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयो धर्मशास्त्रं तु वै स्मृतिः।''– इति मनुसंहितायां कस्मिन्नध्याये उपलभ्यते?

(A) प्रथमाध्याये (B) द्वितीयाध्याये

(C) तृतीयाध्याये (D) सप्तमाध्याये

स्रोत–मनुस्मृति (2/10) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज–63

74. अभियोगे साक्ष्ये च दोषत्वेन न गण्यते–

(A) धनविकृतिः (B) कर्मविकृतिः

(C) मनोविकृतिः (D) वाग्विकृतिः

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/15) - गंगासागर राय, पेज–175

75. साक्षिगुणान्यतमो नास्ति–

(A) तपस्विता (B) सत्यवादिता

(C) कूटसाक्षिता (D) धनान्विता

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/68-69) - गंगासागर राय, पेज–215

65. (D)	66. (D)	67. (C)	68. (A)	69. (D)	70. (B)	71. (D)	72. (A)	73. (B)	74. (A)	75. (C)

49	दिसम्बर 2015	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. 'रोदसी' - पदस्य कोऽर्थः ?

(A) अन्तरिक्षम् (B) अहोरात्रे

(C) द्यावापृथिवी (D) रुद्रः

स्रोत–वैदिकसूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 2.12.1)–विजयशंकर पाण्डेय, पेज–65

2. अधस्ताद्दत्तेषु कः वंशमण्डलेन सम्बद्धः नास्ति ?

(A) अत्रिः (B) गौतमः

(C) वामदेवः (D) विश्वामित्रः

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-47,49

3. पातञ्जलमहाभाष्यानुसारम् अथर्ववेदस्य शाखाः सन्ति –

(A) 5 (B) 100

(C) 21 (D) 9

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-98

4. 'योऽसावादित्ये पुरुषः सोऽसावहम्'– इति वाक्यं कुत्र वर्तते ?

(A) ऋग्वेदे (B) अथर्ववेदे

(C) यजुर्वेदे (D) सामवेदे

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-76

5. सायणाचार्यः सर्वप्रथमं कं वेदं व्याख्यातवान् ?

(A) यजुर्वेदम् (B) ऋग्वेदम्

(C) सामवेदम् (D) अथर्ववेदम्

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास- पारसनाथ द्विवेदी, पेज- 13

6. द्युस्थानदेवता विद्यते –

(A) इन्द्रः (B) सूर्यः

(C) विष्णुः (D) वायुः

स्रोत– वैदिक माइथोलॉजी- रामकुमार राय, पेज- 70

7. 'त्रिष्टुप्'–छन्दसि कियन्तो वर्णाः भवन्ति ?

(A) 28 (B) 36

(C) 44 (D) 48

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-203

8. आश्वलायनगृह्यसूत्रं केन वेदेन सम्बद्धं विद्यते ?

(A) अथर्ववेदेन (B) यजुर्वेदेन

(C) ऋग्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-227

9. वाधूलश्रौतसूत्रं कस्य वेदस्य वर्तते ?

(A) सामवेदस्य (B) कृष्णयजुर्वेदस्य

(C) ऋग्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-215

10. श्रोत्रस्थानीयं वेदाङ्गं निरूपितमस्ति–

(A) निरुक्तम् (B) शिक्षा

(C) कल्पः (D) छन्दः

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

11. कठोपनिषदि नचिकेतसः पिता कं यागमनुष्ठितवान् ?

(A) अश्वमेधयागम् (B) सर्वमेधयागम्

(C) सर्वजिद्यागम् (D) पितृमेधयागम्

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-175

1. (C)	**2.** (B)	**3.** (D)	**4.** (C)	**5.** (A)	**6.** (C)	**7.** (C)	**8.** (C)	**9.** (B)	**10.** (A)	**11.** (B)

12. माध्यन्दिनीयसंहितायां 'शतरुद्रीय-होममन्त्राः' कस्मिन् अध्याये समुक्ताः ?

(A) अष्टादशे (B) सप्तदशे

(C) पञ्चदशे (D) षोडशे

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-74

13. 'शतपथब्राह्मणस्य' आङ्ग्लानुवादः कृतो वर्तते –

(A) जी. थीबोमहोदयेन (B) जे. एग्लिंगमहोदयेन

(C) एम. विलियम्समहोदयेन (D) डब्लू. कैलेण्डमहोदयेन

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-34

14. विलुप्ता 'मौद' शाखा कस्य वेदस्य वर्तते ?

(A) सामवेदस्य (B) ऋग्वेदस्य

(C) अथर्ववेदस्य (D) शुक्लयजुर्वेदस्य

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-98

15. निर्वचनसिद्धान्त-प्रतिपादकं वेदाङ्गं विद्यते –

(A) कल्पशास्त्रम् (B) छन्दःशास्त्रम्

(C) शिक्षा (D) निरुक्तम्

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-203

16. सांख्यदर्शनानुसारं पुरुषस्वरूपेण सम्बद्धा उक्तिः अस्ति –

(A) रूपैः सप्तभिरेव तु बध्नात्यात्मानमात्मना

(B) पुरुषस्य दर्शनार्थं, कैवल्यार्थं तथा प्रधानस्य

(C) तद्विपरीतस्तथा च पुमान्

(D) संसरति बद्ध्यते मुच्यते च

स्रोत– सांख्यकारिका- (का0-11)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-129

17. अहङ्कारस्य उत्पत्तिः कुतः भवति ?

(A) महतः (B) प्रकृतेः

(C) पञ्चभूतेभ्यः (D) इन्द्रियेभ्यः

स्रोत– सांख्यकारिका-(का.-22)-सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-196

18. सांख्यदर्शनानुसारं प्रमाणानां संख्या अस्ति –

(A) द्वौ (B) त्रयः

(C) चत्वारः (D) षड्

स्रोत– सांख्यकारिका - (का.-4) सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-47

19. सांख्यमते 'सत्त्वरजस्तमसां साम्यावस्था' भवति –

(A) पुरुषस्य (B) सृष्टेः

(C) प्रकृतेः (D) बुद्धेः

स्रोत– सांख्यकारिका- (तत्त्वकौमुदी) आद्याप्रसादमिश्र, पेज-172

20. अनुबन्धचतुष्टये न गण्यते –

(A) सम्बन्धः (B) विषयः

(C) चैतन्यम् (D) प्रयोजनम्

स्रोत– वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-09

21. वेदान्तसारानुसारम् 'अग्नेः' किम् उत्पद्यते ?

(A) आपः (B) पृथिवी

(C) वायुः (D) आकाशः

स्रोत– वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-62

22. 'गुरूपदिष्टवेदान्तवाक्येषु विश्वासः' किं कथ्यते ?

(A) मुमुक्षुत्वम् (B) उपरतिः

(C) श्रद्धा (D) शमः

स्रोत– वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-20

23. 'अज्ञानादिसकलजडसमूहः' इति उच्यते –

(A) वस्तु (B) अवस्तु

(C) अध्यारोपः (D) समष्टिः

स्रोत– वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-37

24. न्यायदर्शनानुसारं किं प्रमाणरूपेण न स्वीक्रियते ?

(A) अनुमानम् (B) अर्थापत्तिः

(C) उपमानम् (D) शब्दः

स्रोत– तर्कभाषा - श्रीनिवासशास्त्री, पेज-50

12. (D) **13.** (B) **14.** (C) **15.** (D) **16.** (C) **17.** (A) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (C) **21.** (A) **22.** (C) **23.** (B) **24.** (B)

25. 'सुखाद्युपलब्धिसाधनमिन्द्रियं' किम् ?

(A) रसना (B) घ्राणम्

(C) मनः (D) चक्षुः

स्रोत– तर्कसंग्रह - आद्याप्रसादमिश्र, पेज-28

26. 'शक' इत्यत्र टिसंज्ञा कस्यांशस्य भवति ?

(A) 'क' इत्यस्य

(B) 'श' इत्यस्य

(C) ककारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

(D) शकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

स्रोत–अष्टाध्यायी (अचोऽन्त्यादि टि 1.1.63)-ईश्वरचन्द्र, पेज–47

27. 'सखन्' इत्यत्र उपधासंज्ञा कस्य भवति ?

(A) खकारोत्तरवर्तिनः 'अन्' इत्यस्य

(B) सकारस्य

(C) खकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

(D) सकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज-177

28. 'दिक्पूर्वपदादसंज्ञायां ञः' इत्यनेन किं विधीयते ?

(A) टच् - प्रत्ययः (B) ञ- प्रत्ययः

(C) पुंवद्भावः (D) एकवद्भावः

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज-927

29. 'रूपवती भार्या यस्य' इत्यस्य समस्तपदं भवति –

(A) रूपवतीभार्यः (B) रूपवतीभार्यम्

(C) रूपवद्भार्यः (D) रूपवद्भार्या

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज-957

30. 'महांश्च असौ राजा' इत्यस्य समस्तपदं भवति –

(A) महाराजः (B) महाराजम्

(C) महाराजा (D) महद्राजः

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज-945

31. 'गवाम् अक्षि इव' इत्यत्र समस्तपदमस्ति –

(A) गवाक्षी (B) गवाक्षा

(C) गवाक्षम् (D) गवाक्षः

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4), पेज-249

32. उपकर्मप्रवचनीययोगे सप्तमी कस्मिन्नर्थे द्योत्येऽस्ति?

(A) हीने (B) अधिके

(C) वीप्सायाम् (D) स्वस्वामिभावे

अष्टाध्यायी (2-3-09) ईश्वरचन्द्र,पेज-196, कारकप्रकरण-राममुनि पाण्डेय-102

33. 'अधि'-कर्मप्रवचनीययोगे सप्तमी कस्मिन् अर्थे द्योत्ये अस्ति-

(A) हीने (B) अधिके

(C) वीप्सायाम् (D) स्वस्वामिभावे

स्रोत– कारक-प्रकरण (1.4.97)- राममुनि पाण्डेय-102

34. अधस्तनयुग्मेभ्यः समीचीना तालिका चेतव्या –

(क) कर्तृकर्मणोः कृतिः (i) युक्तयोगः

(ख) निष्ठा (ii) शतस्य शतं वा प्रतिदीव्यति

(ग) विभाषोपसर्गे (iii) वीरपुरुषको ग्रामः

(घ) अनेकमन्यपदार्थे (iv) जगतः कर्ता कृष्णः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

स्रोत–अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र

(क) 2.3.65 (ख) 2.2.36, (ग) 2.3.59 (घ) 2.2.24

25. (C) **26.** (C) **27.** (C) **28.** (B) **29.** (C) **30.** (A) **31.** (D) **32.** (B) **33.** (D) **34.** (A)

35. भाषाविज्ञानदृष्ट्या अर्धस्वरः कः ?

(A) य (B) श

(C) च (D) ढ

स्रोत– भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज-152

36. भाषाविज्ञानदृष्ट्या संघर्षी ध्वनिः कः ?

(A) ल (B) र

(C) श (D) ट

स्रोत– भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, पेज-151

37. धा - धातोः 'दधाति' इति रूपं केन भाषावैज्ञानिक-नियमेन प्रतिपाद्यते ?

(A) ग्रासमैन-नियमेन (B) ग्रिम-नियमेन

(C) वर्नर-नियमेन (D) तालव्य-नियमेन

स्रोत– भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज -246

38. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(क) हर्षः (i) मुद्राराक्षसम्

(ख) भवभूतिः (ii) कर्णभारम्

(ग) विशाखदत्तः (iii) उत्तररामचरितम्

(घ) भासः (iv) रत्नावली

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–(क) 365, (ख) 395, (ग) 354, (घ) 275

39. ''अहिणवमहुलोलुवो तुमं तह परिचुम्बि अ'' इत्यादिसङ्गीतं भवति–

(A) हंसपदिकायाः (B) शकुन्तलायाः

(C) अनसूयायाः (D) प्रियंवदायाः

स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-242

40. ''सतीमपि ज्ञातिकुलैकसंश्रयां जनोऽन्यथा भर्तृमतीं विशङ्कते'' - कस्येयमुक्तिः ?

(A) दुष्यन्तस्य (B) शारद्वतस्य

(C) शार्ङ्गरवस्य (D) कण्वस्य

स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/17)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज -273

41. विप्रलम्भशृङ्गारः अङ्गीरसः भवति अस्मिन् काव्ये –

(A) रघुवंशे (B) मेघदूते

(C) शिशुपालवधे (D) नैषधीयचरिते

स्रोत– मेघदूतम् (पूर्वभाग) - तारिणीश झा, भू0 पेज -21

42. ''कुमुदवनमपश्रि श्रीमदम्भोजखण्डम्'' इत्यादि-पद्यं केन सम्बद्धम्?

(A) माघेन (B) कालिदासेन

(C) श्रीहर्षेण (D) भासेन

स्रोत– शिशुपालवधम् -जनार्दन गंगाधर रटाटे, पेज-3

43. ''व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः'' - इत्याद्युक्तिः किरातार्जुनीये भवति –

(A) अर्जुनस्य (B) युधिष्ठिरस्य

(C) द्रौपद्याः (D) वनेचरस्य

स्रोत– किरातार्जुनीयम् (1/30) - रामसेवक दुबे, पेज-114

44. 'श्रीकण्ठपदलाञ्छनः पदवाक्यप्रमाणज्ञः' इति केन सम्बद्धम् ?

(A) भासेन (B) भवभूतिना

(C) श्रीहर्षेण (D) अश्वघोषेण

संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेवद्विवेदी, पेज- 395

45. 'अमृतेनेव संसिक्ताः चन्दनेनेव चर्चिताः' - इत्युक्ति कं लक्षयति ?

(A) भासम् (B) बाणभट्टम्

(C) शूद्रकम् (D) कालिदासम्

स्रोत– कालिदास ग्रन्थावली - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, पेज-8

35. (A) **36.** (C) **37.** (A) **38.** (B) **39.** (A) **40.** (C) **41.** (B) **42.** (A) **43.** (C) **44.** (B) **45.** (D)

46. लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।

ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति॥

- उत्तररामचरिते कस्येयमुक्तिः ?

(A) अष्टावक्रस्य (B) लक्ष्मणस्य

(C) शम्बूकस्य (D) रामस्य

स्रोत– उत्तररामचरितम्- (1/10)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-23

47. "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" - इत्यत्र रसमध्ये कस्य ग्रहणं कृतम् –

(A) केवलं रसस्य

(B) केवलं भावस्य

(C) केवलं रसाभासस्य

(D) रस-भाव - तदाभासादीनाम्

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानीशंकर शर्मा, पेज-157,158

48. साहित्यदर्पणे साकल्येन लक्षणायाः कति भेदाः स्वीकृताः ?

(A) षोडश (B) चतुर्विंशतिः

(C) अशीतिः (D) अष्टचत्वारिंशत्

स्रोत– साहित्यदर्पण - भवानीशंकर शर्मा, पेज-भू0 - 59

49. "श्रवणाद्दर्शनाद्वापि मिथः संरूढरागयोः

दशाविशेषो योऽप्राप्तौ ------स उच्यते॥

रिक्तस्थानं साहित्यदर्पणतः पूरयत।

(A) पूर्वरागः (B) मानः

(C) प्रवासः (D) करुणविप्रलम्भः

साहित्यदर्पण (3/188) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-106

50. साहित्यदर्पणानुसारं फलावाप्तौ अतित्वरान्वितः व्यापारः भवति –

(A) आरम्भः (B) नियताप्तिः

(C) प्राप्त्याशा (D) प्रयत्नः

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/72) - शालिग्राम शास्त्री, पेज-183

46. (D) **47.** (D) **48.** (C) **49.** (A) **50.** (D)

50	दिसम्बर 2015	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अङ्क** हैं। **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं–

1. दानस्तुतिसूक्तानि संहितायां सन्ति -

(A) काण्वसंहितायाम् (B) तैत्तिरीयसंहितायाम्
(C) ऋग्वेदसंहितायाम् (D) माध्यन्दिनसंहितायाम्

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-55

2. ऋग्वेदीयषष्ठमण्डलस्य ऋषिः वर्तते -

(A) भरद्वाजः (B) वामदेवः
(C) वसिष्ठः (D) विश्वामित्रः

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-47

3. 'बृहदारण्यकम्' कस्य वेदस्य वर्तते ?

(A) सामवेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) ऋग्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-163

4. 'आग्नीध्र' - नामा ऋत्विक् कस्य गणस्य वर्तते ?

(A) ब्रह्मगणस्य (B) अध्वर्युगणस्य
(C) होतृगणस्य (D) उद्गातृगणस्य

स्रोत–श्रौतयज्ञपरिचय–वेणीरामशर्मा गौड पेज-28

5. 'सुमन्तु' - ऋषये व्यासः कं वेदं प्रोक्तवान् ?

(A) यजुर्वेदम् (B) ऋग्वेदम्
(C) अथर्ववेदम् (D) सामवेदम्

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज-4

6. दर्शपौर्णमासेष्टियागे प्रयाजानां संख्या विद्यते -

(A) एकादश (B) पञ्च
(C) त्रयः (D) नव

स्रोत– श्रौतयज्ञपरिचय - वेणीरामशर्मा गौड, पेज-13

7. याज्ञवल्क्यशिक्षानुसारं कति विवृत्तयः ?

(A) चतस्रः (B) तिस्रः
(C) पञ्च (D) षट्

स्रोत– याज्ञवल्क्यशिक्षा - (वर्णप्रकरण श्लोक-10)

8. ऋक्संहितायाः समुपलब्धेषु भाष्येषु प्रथमो भाष्यकारः वर्तते -

(A) आनन्दतीर्थः (B) सायणः
(C) स्कन्दस्वामी (D) वेङ्कटमाधवः

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-22

9. वैदिकस्वरप्रक्रियायाः वृत्तिकारः कः ?

(A) भट्टोजिदीक्षितः (B) पाणिनिः
(C) पतञ्जलिः (D) कात्यायनः

स्रोत– संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-15), पेज-221

10. 'ब्राह्मणसर्वस्व' - नामकं वेदभाष्यं केन विरचितम् ?

(A) हरिस्वामिना (B) हलायुधेन
(C) गुणविष्णुना (D) उवटेन

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-24

11. 'वाक्सूक्तम्' ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले विद्यते ?

(A) दशमे (B) पञ्चमे
(C) अष्टमे (D) सप्तमे

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-54

12. ऋग्वेदसंहिताया आंग्लपद्यानुवादकः वैदेशिकः विद्वान् वर्तते -

(A) एच. विल्सनः (B) ए.ए. मैक्डानलः
(C) आर.टी.एच. ग्रीफिथः (D) विलियम–कैलेण्डः

स्रोत– वैदिक साहित्य का इतिहास - पारसनाथ द्विवेदी, पेज-20

13. सामविकाराः परिगणिताः सन्ति -

(A) सप्त (B) चत्वारः
(C) त्रयः (D) षट्

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-88

14. 'पदक्रमसदन' - नामकं भाष्यं कस्य प्रातिशाख्यस्य विद्यते ?

(A) वाजसनेयप्रातिशाख्यस्य (B) ऋक्प्रातिशाख्यस्य
(C) अथर्वप्रातिशाख्यस्य (D) तैत्तिरीयप्रातिशाख्यस्य

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198

1. (C) **2.** (A) **3.** (B) **4.** (A) **5.** (C) **6.** (B) **7.** (A) **8.** (C) **9.** (A) **10.** (B) **11.** (A) **12.** (C) **13.** (D) **14.** (D)

15. पाणिनीयशिक्षायां कति श्लोकाः सन्ति ?

(A) चतुःषष्ठिः (B) त्रिषष्ठिः

(C) षष्ठिः (D) सप्ततिः

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-192

16. 'मघवा' देवः कः ?

(A) इन्द्रः (B) विष्णुः

(C) वरुणः (D) हिरण्यगर्भः

स्रोत– ऋक्सूक्तसंग्रह–हरिदत्त शास्त्री, भूमिका पेज-12

17. 'यः पृथिवीं व्यथमानामदृंहद्यः पर्वतान्प्रकुपिताँ अरम्णात्' अस्य मन्त्रस्य द्रष्टा ऋषिः कः ?

(A) विश्वामित्रः (B) मधुच्छन्दा

(C) गृत्समदः (D) इन्द्रः

स्रोत– ऋक्सूक्तसंग्रह (2.12.2) हरिदत्त शास्त्री, पेज-178

18. ऋग्वेदस्य शाकलसंहितायां कति सन्ध्यक्षराणि स्वीकृतानि ?

(A) एकम् (B) द्वे

(C) चत्वारि (D) त्रीणि

स्रोत– ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज-43

19. 'इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोरलौकिकमुपायं यो ग्रन्थो वेदयति स वेदः' - इति लक्षणं कस्य ?

(A) महीधरस्य (B) लौगाक्षिभास्करस्य

(C) सायणस्य (D) पारस्करस्य

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-01

20. 'वाधूलशुल्बसूत्रम्' केन वेदेन सम्बद्धमस्ति ?

(A) अथर्ववेदेन (B) सामवेदेन

(C) ऋग्वेदेन (D) यजुर्वेदेन

स्रोत– वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-9

21. 'विलोहितः' इति कस्याः देवतायाः विशेषणम् अस्ति ?

(A) विष्णोः (B) वायोः

(C) रुद्रस्य (D) इन्द्रस्य

स्रोत– वैदिकसूक्तसंग्रह - गीताप्रेस, पेज-19

22. 'छन्दःसूत्रम्' इति वेदाङ्गग्रन्थस्य प्रणेता विद्यते -

(A) हलायुधः (B) पिङ्गलः

(C) लगधः (D) भरतः

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-199

23. यास्कीयनिरुक्तग्रन्थे काण्डानि विद्यन्ते -

(A) पञ्च (B) त्रीणि

(C) सप्त (D) नव

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-204

24. 'भद्रैषां लक्ष्मीर्निहिताधिवाचि' इति पंक्तिः कस्मिन् प्रसङ्गे महाभाष्ये उद्धृता ?

(A) शब्दपरिभाषाप्रसङ्गे

(B) व्याकरणाध्ययनप्रयोजनप्रसङ्गे

(C) शब्दार्थसम्बन्धप्रसङ्गे

(D) व्याकरणलक्षणप्रसङ्गे

स्रोत– महाभाष्य (पश्पशाह्निक)-जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज-56

25. 'लोटो लङ्वत्' इति सूत्रेण अधोलिखितविकल्पमात्रेषु किमभिप्रेतम् ?

(A) अडागमः (B) आडागमः

(C) ह्यादेशः (D) सलोपः

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी (3.4.85)- गोविन्दाचार्य, पेज-401

26. 'इजादेश्च गुरुमतोऽनृच्छः' इति सूत्रेण किं विधीयते ?

(A) आम्प्रत्ययः (B) लुक्

(C) क्राद्यनुप्रयोगः (D) सलोपः

स्रोत– अष्टाध्यायी (3.1.36) - ईश्वरचन्द्र, पेज-267

27. अधोऽङ्कितयुग्मभ्यः समीचीना तालिका चेतव्या –

(क) कृत्यानां कर्तरि वा (2.3.71) (i) दण्डिकः

(ख) उगितश्च (4.1.6) (ii) मम मया वा सेव्यो हरिः

(ग) ई च खनः (3.1.111) (iii) भवती

(घ) अत इनि-ठनौ (5.2.115) (iv) खेयम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

स्रोत– अष्टाध्यायी - ईश्वरचन्द्र पेज-219, 423, 295, 600

28. 'दन्तुरः' इत्यत्र कः प्रत्ययः ?

(A) र (B) अच्

(C) इरच् (D) उरच्

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या, खण्ड-5) पेज-311

15. (C) **16.** (A) **17.** (C) **18.** (C) **19.** (C) **20.** (D) **21.** (C) **22.** (B) **23.** (B) **24.** (B) **25.** (D) **26.** (A) **27.** (A) **28.** (D)

29. 'सुमुखा शाला' इत्यत्र स्वाङ्गलक्षणङीष् कथं न ?

(A) अप्राणिस्थत्वात् (B) अमूर्तत्वात्

(C) विकारजत्वात् (D) द्रवत्वात्

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-6), पेज-63

30. 'शत्रुमधिकुरुते' इत्यत्र क्रियापदे आत्मनेपदविधायकं सूत्रं किम् ?

(A) वेः शब्दकर्मणः (B) अकर्मकाच्च

(C) अधेः प्रहसने (D) उपपराभ्याम्

स्रोत– अष्टाध्यायी (1.3.33) - ईश्वरचन्द्र, पेज-91

31. 'अध्यापयति वेदम्' इत्यत्र क्रियापदे परस्मैपदविधायकं सूत्रं किम् ?

(A)विभाषाऽकर्मकात्

(B)निगरणचलनार्थेभ्यश्च

(C)परेर्मृषः

(D)बुधयुधनशजनेङ् प्रुद्रुस्रुभ्यो णेः

स्रोत– वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-5)-गोविन्दाचार्य,पेज-445,

32. 'एको निमित्तं शब्दानामपरोऽर्थे प्रयुज्यते' इति पंक्तिः कुत्र उपलभ्यते ?

(A) महाभाष्ये (B) वाक्यपदीये

(C) पाणिनिशिक्षायाम् (D) अष्टाध्याय्याम्

वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) कारिका-43-सूर्यनारायणशुक्ल, पेज–60

33. 'शास्त्रानुपूर्वं तद्विद्यात् यथोक्तं लोकवेदयोः' इति पंक्तिः कस्मिन् ग्रन्थे उपलभ्यते ?

(A) पाणिनिशिक्षायाम् (B) अष्टाध्याय्याम्

(C) वाक्यपदीये (D) महाभाष्ये

स्रोत– पाणिनीयशिक्षा (प्रथम श्लोक)–रमाशङ्करमिश्र, पेज–03

34. संस्कृतभाषाध्वनिसन्दर्भेऽधोलिखितेषु 'अर्धस्वरः' कः ?

(A) क (B) ष

(C) म (D) व

स्रोत– भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-149

35. अर्थविस्तारोदाहरणेष्वन्यतमो नास्ति -

(A) तैलम् (B) मुग्धः

(C) गौः (D) सभ्यः

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-337

36. अर्थसङ्कोचोदाहरणेष्वन्यतमो नास्ति -

(A) जलदः (B) सभ्यः

(C) मनुष्यः (D) पङ्कजम्

स्रोत– भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-340

37. ध्वनिवैज्ञानिकैः करणत्वेन किं स्वीक्रियते ?

(A) मृदुतालु (B) वर्त्सः

(C) ऊर्ध्वैष्ठिः (D) नासिकाविवरः

38. ''सा च त्रिविधा-विधात्री, अभिधात्री विनियोक्त्री च'' इत्यत्र 'सा' का ?

(A) वैदिकी समाख्या (B) श्रुतिः

(C) लौकिकी समाख्या (D) शब्दशक्तिः

स्रोत– अर्थसंग्रह - वाचस्पति उपाध्याय, पेज-57

39. अर्थसंग्रहानुसारं 'शाब्दीभावना' इत्यनेन कः अभिप्रायः ?

(A) अपौरुषेयवाक्यम्

(B) समभिव्यवहारः

(C) पुरुषप्रवृत्त्यनुकूलो भावयितुर्व्यापारविशेषः

(D) प्रयोजनेच्छाजनितक्रियाविषयव्यापारः

स्रोत– अर्थसंग्रह - वाचस्पति उपाध्याय, पेज-19

40. अर्थसंग्रहानुसारं विधिश्चतुर्विधः - उत्पत्तिविधिः, विनियोगविधिः अधिकारविधिः-------- च।

(A) नियमविधिः B) प्रयोगविधिः

(C) यज्ञविधिः (D) परिसङ्ख्याविधिः

स्रोत– अर्थसंग्रह - वाचस्पति उपाध्याय, पेज-48

41. योगदर्शनानुसारं कः 'योगाङ्गैः' सह सम्बद्धः न अस्ति ?

(A) विकल्पः (B) नियमः

(C) प्रत्याहारः (D) प्राणायामः

स्रोत– योगसूत्र (साधनपाद सूत्र - 29)

42. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' इत्यत्र 'अथ' शब्दः कस्मिन् अर्थे अस्ति ?

(A) हेत्वर्थे (B) अधिकारार्थे

(C) अन्वयार्थे (D) आनन्तर्यार्थे

स्रोत– ब्रह्मसूत्र (शाङ्करभाष्य) स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पेज-19

43. 'व्याप्यस्य पक्षधर्मत्वधीः' इति किम् ?

(A) परामर्शः (B) अनुमितिः

(C) पक्षता (D) प्रतिज्ञा

स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमान खण्ड)-महानन्द झा, पेज–21

29. (A) **30.** (C) **31.** (D) **32.** (B) **33.** (A) **34.** (D) **35.** (C) **36.** (B) **37.** (A) **38.** (B) **39.** (C) **40.** (B) **41.** (A) **42.** (D) **43.** (A)

44. जैनदर्शनानुसारं 'सम्यग्दर्शन-ज्ञान-चरित्राणि------'।
(A) जीवः (B) मोक्षमार्गः
(C) मनःपर्यायः (D) मोक्षः
स्रोत– भारतीयदर्शन–जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज- 233

45. 'सर्वं शून्यम्' इति केन बौद्धसम्प्रदायेन स्वीकृतम् ?
(A) माध्यमिकेन (B) सौत्रान्तिकेन
(C) योगाचारेण (D) वैभाषिकेन
स्रोत– भारतीयदर्शन–जगदीशचन्द्र मिश्र, पेज- 305

46. तर्कसंग्रहानुसारं 'संस्कारमात्रजनकं ज्ञानम्' अस्ति -
(A) अनुभवः (B) यथार्थः
(C) स्मृतिः (D) प्रमाणम्
स्रोत– तर्कसंग्रह–आद्याप्रसाद मिश्र, पेज- 38

47. तर्कसंग्रहानुसारं शब्दसाक्षात्कारे कः सन्निकर्षः ?
(A) समवायः (B) संयोगः
(C) समवेतसमवायः (D) विशेषण-विशेष्यभावः
स्रोत– तर्कसंग्रह-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज- 48

48. ''श्रीहीरः सुषुवे जितेन्द्रियचयं मामल्लदेवी च यम्'' - इति वार्ता केन सम्बद्धा ?
(A) माघेन (B) भारविणा
(C) श्रीहर्षेण (D) भासेन
स्रोत– नैषधीयचरितम्, (1/145)-सुरेन्द्रदेव शास्त्री, पेज-287

49. ''नन्दोन्मूलनदृष्टवीर्यमहिमा बुद्धिस्तु मा गान्मम'' - मुद्राराक्षसे कस्येयमुक्तिः ?
(A) चन्द्रगुप्तस्य (B) चाणक्यस्य
(C) राक्षसस्य (D) चन्दनदासस्य
स्रोत– मुद्राराक्षसम् (1/26) परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-73

50. समीचीनां तालिकां चिनुत -

(क) अभिज्ञानशाकुन्तलम्	(i) उत्तररामचरितम्
(ख) तीर्थोदकञ्च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः	(ii) श्रीहर्षो निपुणः कविः
(ग) रत्नावली	(iii) हर्षचरितम्
(घ) परिवर्तमानः एकः कालः शैलानिवानन्तः	(iv) श्रद्धा वित्तं विधिश्चेति त्रितयं तत् समागतम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

स्रोत– (क) अभि0 7/29, (ख) उत्तररामचरितम् 1/13
(ग) रत्नावली - श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-7
(घ) हर्षचरितम् 5/2

51. अभिज्ञानशाकुन्तले षष्ठाङ्कगतः धीवरवृत्तान्तः कस्य उदाहरणं भवति ?
(A) प्रवेशकस्य (B) विष्कम्भकस्य
(C) अङ्कावतारस्य (D) प्रस्तावनायाः
स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-317

52. ''तीव्राघातप्रतिहततरुः स्कन्धलग्नैकदन्तः'' - केन छन्दसा विनिर्मितोऽयं श्लोकपादः ?
(A) हरिणी (B) शिखरिणी
(C) मन्दाक्रान्ता (D) मालिनी
स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1/33)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-85

53. ''शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्तिकालत्रितयेऽपि योग्यताम्'' - शिशुपालवधे कस्य प्रशंसेयम् ?
(A) नारदस्य (B) श्रीकृष्णस्य
(C) वसुदेवस्य (D) बलरामस्य
स्रोत– शिशुपालवधम् - (1/26) - आद्या प्रसाद मिश्र, पेज-46

54. ''ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः। गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव ॥'' कस्य गुणाः श्लोकेऽस्मिन् उल्लिखिताः ?
(A) रघोः (B) रामस्य
(C) अजस्य (D) दिलीपस्य
स्रोत– रघुवंशम् - (1/22)

55. ''पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः'' - उत्तररामचरिते उक्तिरियं भवति -
(A) सीतायाः (B) मुरलायाः
(C) तमसायाः (D) वासन्त्याः
स्रोत– उत्तररामचरितम् - (3/1)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-156

56. रत्नावल्याः मङ्गलाचरणस्य प्रथमे श्लोके कस्य स्तुतिः प्राप्यते ?
(A) विष्णोः (B) ब्रह्मणः
(C) शिवस्य (D) गणेशस्य
स्रोत– रत्नावली-नाटिका (1/1)-तारिणीश झा, पेज-1

57. पुण्यवर्मा कस्य देशस्य राजा आसीत् दशकुमारचरिते ?
(A) विदर्भस्य (B) वाराणस्याः
(C) गौडस्य (D) मगधस्य
स्रोत– दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास)-विश्वनाथ झा, पेज-238

44. (B) **45.** (A) **46.** (C) **47.** (A) **48.** (C) **49.** (B) **50.** (A) **51.** (A) **52.** (C) **53.** (A) **54.** (D) **55.** (B) **56.** (C) **57.** (A)

58. मम्मटमते कति काव्यगुणाः ?

(A) दश (B) पञ्च

(C) त्रयः (D) अष्टौ

स्रोत– काव्यप्रकाश (8/68)-आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 388

59. ध्वन्यालोकतः रिक्तं स्थानं पूरयत - ''यत्नतः------ तौ शब्दार्थौ महाकवेः।''

(A) अवगन्तव्यौ (B) प्रत्यभिज्ञेयौ

(C) परिहर्त्तव्यौ (D) संस्मरणीयौ

स्रोत– ध्वन्यालोक (1/8) – आचार्य विश्वेश्वर, पेज-33

60. दशरूपकानुसारं फलस्याप्राप्तावुपाययोजनादिरूप-चेष्टाविशेषः भवति -

(A) आरम्भः (B) प्रयत्नः

(C) प्राप्त्याशा (D) नियताप्तिः

स्रोत– दशरूपक - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज- 23

61. शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात् ।
------ इति हेतुस्तदुद्भवे ॥
काव्यप्रकाशतः रिक्तस्थानं पूरयत।

(A) काव्यज्ञशिक्षयाभ्यासः (B) लोकतत्त्वानुशीलनम्

(C) रसभावयोश्चिन्तनम् (D) भावाभासस्य चिन्तनम्

स्रोत– काव्यप्रकाश (1/3) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 16

62. काव्यप्रकाशे उपमानोपमेययोः विपर्यासे कोऽलङ्कारः ?

(A) अनन्वयः (B) विभावना

(C) विशेषोक्तिः (D) उपमेयोपमा

स्रोत– काव्यप्रकाश (सूत्र -135)-पारसनाथ द्विवेदी, पेज- 552

63. कालक्रमानुसारेण तालिकां चिनुत -

(a) अप्पयदीक्षितः (b) भरतः

(c) आनन्दवर्धनः (d) दण्डी

(A) (a) (b) (c) (d)

(B) (b) (c) (a) (d)

(C) (c) (a) (b) (d)

(D) (b) (d) (c) (a)

स्रोत– संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृत-साहित्यम् पेज-278-291

64. ''दोषा गुणा-गुणा दोषा यत्र स्युर्मृदवं हि तत्'' - दशरूपके कस्मिन् प्रसङ्गे इयमुक्तिः ?

(A) वीथ्यङ्गप्रसङ्गे (B) नृत्यलक्षणप्रसङ्गे

(C) सन्धिभेदप्रसङ्गे (D) प्रहसनलक्षणप्रसङ्गे

स्रोत– दशरूपक - श्रीनिवास शास्त्री, पेज- 226

65. ''न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला।'' - इत्यादि-श्लोकः भवति -

(A) काव्यप्रशंसा (B) गुणप्रशंसा

(C) नाट्यप्रशंसा (D) अलङ्कारप्रशंसा

स्रोत– नाट्यशास्त्रम्-(1/116)-ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज-113

66. ''तमसा बहुरूपेण वेष्टिताः कर्महेतुना।
अन्तः संज्ञा भवन्त्येते सुखदुःखसमन्विताः॥''
इति मनुवचनं केन सम्बद्धम् ?

(A) अण्डजेन प्राणिना (B) उद्भिदा

(C) स्वेदजेन प्राणिना (D) जरायुजेन प्राणिना

स्रोत– मनुस्मृति - (1/49)-गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-29

67. मनुसंहितातः रिक्तं स्थानं पूरयत -
''नृपतौ कोषराष्ट्रे च --------सन्धिविपर्ययौ।''

(A) अमात्ये (B) दूते

(C) सेनापतौ (D) मन्त्रिणि

स्रोत– मनुस्मृति - (7/65)–गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-175

68. कस्मिन् पुराणे 'काशी-खण्डः' समुपलभ्यते ?

(A) लिङ्गपुराणे (B) शिवपुराणे

(C) ब्रह्माण्डपुराणे (D) स्कन्दपुराणे

संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि,पेज- 186

69. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं रिक्तस्थानं पूरयत -
''स्मृत्योर्विरोधे न्यायस्तु बलवान् व्यवहारतः।
अर्थशास्त्रात्तु बलवद् --------इति स्थितिः॥''

(A) धर्मशास्त्रम् (B) राजादेशः

(C) नृपस्येच्छा (D) नीतिशास्त्रम्

स्रोत– याज्ञवल्क्यस्मृति (2/21)-उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-183

58. (C) **59.** (B) **60.** (B) **61.** (A) **62.** (D) **63.** (D) **64.** (A) **65.** (C) **66.** (B) **67.** (B) **68.** (D) **69.** (A)

70. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारेण सबन्धके ऋणे मासि-मासि वृद्धिः भवति -

(A) पञ्चाशद्भागः (B) अशीतिभागः

(C) त्रिंशद्भागः (D) विंशोभागः

स्रोत– याज्ञवल्क्यस्मृति (2/37) -उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-199

71. श्रीमद्भगवद्गीतायाः विश्वरूपदर्शनयोगः अस्ति -

(A) दशमेऽध्याये (B) एकादशेऽध्याये

(C) प्रथमाध्याये (D) त्रयोदशाध्याये

स्रोत– श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-11) गीताप्रेस

72. 'शतसाहस्रीसंहिता' इति कस्य अपरं नाम ?

(A) रामायणस्य (B) भविष्यपुराणस्य

(C) स्कन्दपुराणस्य (D) महाभारतस्य

स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 123

73. रामायणस्य श्लोकसंख्या भवति -

(A) 31000-40000 (B) 22000-25000

(C) 11000-15000 (D) 5000-10000

स्रोत– संस्कृत साहित्य का इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 103

74. हरिषेणविरचिते इलाहाबादशिलालेखे 'कविराज' इत्युपाधिः भवति -

(A) चन्द्रगुप्तस्य (B) अशोकस्य

(C) समुद्रगुप्तस्य (D) स्कन्दगुप्तस्य

प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-2)-परमेश्वरीलाल गुप्त, पेज-9

75. अर्थशास्त्रे आन्वीक्षिकीत्रयीवार्तानां योगक्षेमसाधनो भवति -

(A) साम (B) दानम्

(C) भेदः (D) दण्डः

स्रोत– कौटिलीय अर्थशास्त्रम् -वाचस्पति गैरोला, पेज- 12

70. (B) **71.** (B) **72.** (D) **73.** (B) **74.** (C) **75.** (D)

51	जुलाई 2016	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

1. **वाजसनेयिमाध्यन्दिनसंहिता सम्बन्धिता अस्ति–**
   (A) कृष्णयजुर्वेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन
   (C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

स्रोत -वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-09

2. **वेदा अपौरुषेयाः सन्तीति मतमस्ति–**
   (A) महर्षिदयानन्दस्य (B) ए. वेबरस्य
   (C) मैक्समूलरस्य (D) विन्टरनिट्जस्य

स्रोत -वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-18

3. **वैतानश्रौतसूत्रं केन वेदेन सह सम्बद्धमस्ति?**
   (A) सामवेदेन (B) ऋग्वेदेन
   (C) अथर्ववेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन

स्रोत -वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-10

4. **'स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव।
   सचस्वा नः स्वस्तये ॥' अस्य मन्त्रस्य का देवता अस्ति?**
   (A) रुद्रः (B) अग्निः
   (C) सोमः (D) सविता

स्रोत -ऋक्सूक्तसंग्रह (1.1.) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-55

5. **मुण्डकोपनिषत् केन वेदेन सह सम्बद्धा अस्ति?**
   (A) यजुर्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
   (C) ऋग्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत -वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-10

6. **'षड्विंशब्राह्मणम्' इति ग्रन्थः केन वेदेन सह सम्बद्धोऽस्ति?**
   (A) यजुर्वेदेन (B) ऋग्वेदेन
   (C) अथर्ववेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत -वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-10

7. **'तलवकार-आरण्यकम्' केन वेदेन सह सम्बद्धमस्ति?**
   (A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
   (C) अथर्ववेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत -वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-166

8. **'विश्वामित्र-नदी' सूक्तस्य कः ऋषिरस्ति?**
   (A) वसिष्ठः (B) विश्वामित्रः
   (C) मधुच्छन्दाः (D) दीर्घतमाः

स्रोत -ऋक्सूक्तसंग्रह (3.33)-हरिदत्तशास्त्री, पेज-207

9. **'पुरूरवा-उर्वशी' सूक्ते कति मन्त्राः सन्ति?**
   (A) 17 (B) 18
   (C) 19 (D) 20

स्रोत -ऋग्वेद (10.95) - वेदान्त तीर्थ, पेज-431

10. **अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –**
    (क) यम-यमी-संवादसूक्तम् (i) यजुर्वेदः
    (ख) कठोपनिषद् (ii) सामवेदः
    (ग) लाट्यायनश्रौतसूत्रम् (iii) ऋग्वेदः
    (घ) माण्डूक्योपनिषद् (iv) अथर्ववेदः

कूटः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-क-57, ख ग घ-9-10

11. **अधस्तनेषु को ग्रन्थः कल्पवेदाङ्गान्तर्गतोऽस्ति?**
    (A) पारस्करगृह्यसूत्रम्
    (B) काशकृत्स्नव्याकरणम्
    (C) ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्
    (D) पाणिनीयशिक्षा

स्रोत - वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-228

12. **अधोऽङ्कितेषु वेदाङ्गमस्ति–**
    (A) ईशोपनिषद् (B) ऐतरेयारण्यकम्
    (C) मानवशुल्बसूत्रम् (D) शतपथब्राह्मणम्

स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-241

1. (B) **2.** (A) **3.** (C) **4.** (B) **5.** (B) **6.** (D) **7.** (D) **8.** (B) **9.** (B) **10.** (D) **11.** (A) **12.** (C)

13. 'अधिवसति वैकुण्ठं हरिः' इत्यत्र कर्मसञ्ज्ञाविधायकं सूत्रं किमस्ति?

(A) उपान्वध्याङ्वसः

(B) अधि-शीङ्-स्थाऽऽसां कर्म

(C) अधिरीश्वरे

(D) अधिपरी अनर्थकौ

स्रोत -सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज-30

14. 'इत्थम्भूतलक्षणे' इति सूत्रस्योदाहरणं किम्भवति?

(A) जटाभिस्तापसः

(B) जपमनु प्रावर्षत्

(C) मासं कल्याणी

(D) लक्षणेत्थम्भूताख्यानभागवीप्सासु प्रतिपर्यनवः

स्रोत -सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज-43

15. 'अधिगोपम्' इत्यत्राव्ययीभावसमासः कस्मिन्नर्थे भवति?

(A) समीपार्थे (B) अत्ययार्थे

(C) विभक्त्यर्थे (D) साकल्यार्थे

स्रोत -लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज-894

16. व्यधिकरणबहुव्रीहिसमासे किं ज्ञापकम् ?

(A) 'अनेकमन्यपदार्थे, इत्यत्र 'अनेक' ग्रहणम्

(B) 'हलदन्तात् सप्तम्याः सञ्ज्ञायाम्' इत्यत्र 'सञ्ज्ञायाम्' इत्यस्य ग्रहणम्

(C) 'सप्तमीविशेषणे बहुव्रीहौ' इत्यत्र 'सप्तमी' त्यस्य ग्रहणम्

(D) 'शेषो बहुव्रीहिः' इत्यत्र 'शेष' ग्रहणम्

स्रोत -सिद्धान्तकौमुदी (भाग-2) - गोविन्दाचार्य, पेज-786

17. वर्णानामतिशयितः सन्निधिः को भवति?

(A) 'घि'सञ्ज्ञः (B) उपधासञ्ज्ञः

(C) निष्ठासञ्ज्ञः (D) संहितासञ्ज्ञः

स्रोत -अष्टाध्यायी (1.4.108) - ईश्वरचन्द्र, पेज–147

18. अधोलिखितेषु कस्य सर्वनामस्थानसञ्ज्ञा भवति?

(A) 'टा' इत्यस्य (B) 'ङे' इत्यस्य

(C) 'शि' इत्यस्य (D) 'ङि' इत्यस्य

स्रोत -अष्टाध्यायी (1.1.41) - ईश्वरचन्द्र, पेज-24

19. 'निमित्तात् कर्मयोगे' इत्यत्र 'योग' शब्दस्य भट्टोजिदीक्षितमते कोऽर्थः ?

(A) चित्तवृत्तिनिरोधः

(B) संयोगसम्बन्धः केवलम्

(C) संयोग-समवायसम्बन्धौ

(D) स्वरूपसम्बन्धः

स्रोत -सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज-95

20. 'अधि रामे भूः इत्यत्र 'अधि' शब्दस्य कर्मप्रवचनीयसञ्ज्ञाविधायकं सूत्रं किमस्ति?

(A) अधिरीश्वरे (B) उपोऽधिके च

(C) अधि-परी अनर्थकौ (D) हीने

स्रोत-सिद्धान्तकौमुदी (1.4.97)-राममुनि पाण्डेय, पेज-102-103

21. को ध्वनिः अघोषमहाप्राणः अस्ति?

(A) घ् (B) छ्

(C) ज् (D) ढ्

स्रोत भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-171

22. ग्रिमनियमानुसारं संस्कृतस्य 'क्,त्,प्' इति ध्वनयः जर्मनभाषायां केषु ध्वनिषु परिवर्तिताः?

(A) च्,छ्,ज् (B) ख्,थ्,फ्

(C) ग्,द्,ब् (D) ऊष्मसु

स्रोत -भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-242

23. संस्कृतभाषा कीदृशी अस्ति?

(A) श्लिष्टयोगात्मिका (B) प्रश्लिष्टयोगात्मिका

(C) अयोगात्मिका (D) अश्लिष्टयोगात्मिका

स्रोत-भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-384-385

24. ग्रीकभाषा कस्य भाषापरिवारस्य भाषा अस्ति–

(A) सैमेटिकपरिवारस्य (B) बान्टूपरिवारस्य

(C) भारोपीयपरिवारस्य (D) काकेशीपरिवारस्य

स्रोत -भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-384

25. संस्कृतस्य 'शतम्' इत्यस्य कृते 'केन्तुम्' इत्ययं शब्दः कस्यां भाषायां विद्यते?

(A) लैटिनभाषायाम् (B) ग्रीकभाषायाम्

(C) जर्मनभाषायाम् (D) ईरानीभाषायाम्

स्रोत -भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-385

13. (A) **14.** (A) **15.** (C) **16.** (C) **17.** (D) **18.** (C) **19.** (C) **20.** (A) **21.** (B) **22.** (B) **23.** (A) **24.** (C) **25.** (A)

26. सिन्धीभाषायाः विकासः कस्याः प्राकृतभाषायाः अभवत्?

(A) शौरसेनी-प्राकृतात् (B) पैशाची-प्राकृतात्

(C) मागधी -प्राकृतात् (D) अर्धमागधी-प्राकृतात्

स्रोत -भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी, पेज–174-186

27. सत्कार्यवादस्य सिद्धिः कस्माद् हेतोः न भवति?

(A) असदकरणात्

(B) सर्वस्मात् सर्वसम्भवात्

(C) शक्तस्य शक्यकरणात्

(D) कारणभावात्

स्रोत -सांख्यकारिका (का.-9) - राकेशशास्त्री, पेज-29

28. प्रधानपुरुषयोः को धर्मः समानः?

(A) त्रिगुणत्वम् (B) अहेतुत्वम्

(C) सामान्यत्वम् (D) अचेतनत्वम्

स्रोत -सांख्यकारिका (का. 10-11)-राकेशशास्त्री, पेज-37,38

29. अव्यक्तं कस्माद् हेतोः कारणं भवति?

(A) नित्यत्वात् (B) परिमाणवत्त्वात्

(C) चैतन्यात् (D) निष्क्रियत्वात्

स्रोत सांख्यकारिका (का. 15-16)-राकेश शास्त्री, पेज- 51,52

30. प्रकृतिपुरुषयोः सम्बन्धः कीदृशो भवति?

(A) जलाग्निवत् (B) कार्यकारणवत्

(C) मातृपुत्रवत् (D) पङ्ग्वन्धवद्

स्रोत सांख्यकारिका (का.-21) - राकेश शास्त्री, पेज-68

31. अध्यारोपः किं भवति?

(A) मिथ्याज्ञानम् (B) अस्पष्टं ज्ञानम्

(C) यथार्थज्ञानम् (D) वस्तुनि अवस्त्वारोपः

स्रोत वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-37

32. आवरणम् कस्य शक्तिरस्ति?

(A) रजोगुणस्य (B) अज्ञानस्य

(C) जीवस्य (D) चैतन्यस्य

स्रोत - वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-57

33. वेदान्तसारानुसारं लिङ्गशरीरे कस्य गणना न भवति?

(A) बुद्धेः (B) मनसः

(C) प्राणस्य (D) आकाशस्य

स्रोत -वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-65-66

34. गौतमसूत्रोक्तषोडशपदार्थेषु कस्य पदार्थस्य निम्नाङ्कितेषु ग्रहणं नास्ति?

(A) 'संशय' पदार्थस्य (B) 'विशेष' पदार्थस्य

(C) 'अवयव' पदार्थस्य (D) 'निर्णय' पदार्थस्य

स्रोत -तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-03

35. 'मृत्पिण्डः घटस्य कीदृशं कारणमुच्यते?

(A) निमित्तकारणम् (B) समवायिकारणम्

(C) असमवायिकारणम् (D) समवाय्यसमवायिकारणम्

स्रोत - तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-33

36. यदा चक्षुरादिना घटगतरूपादिकं गृह्यते तदाऽनयोरिन्द्रियार्थसन्निकर्षः कः?

(A) संयोगः (B) समवायः

(C) संयुक्तसमवायः (D) समवेतसमवायः

स्रोत -तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-64

37. 'जीवच्छरीरं सात्मकं प्राणादिमत्त्वात्' कीदृशो हेतुः?

(A) केवलान्वयी (B) केवलव्यतिरेकी

(C) अन्वय-व्यतिरेकी (D) असद्धेतुः

स्रोत -तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-97

38. 'साध्याभावसाधकं हेत्वन्तरं यस्य विद्यते सः' हेत्वाभासोऽन्नम्भट्टेन केन नाम्ना प्रोक्तः?

(A) 'सत्प्रतिपक्ष' नाम्ना (B) 'असिद्ध' नाम्ना

(C) 'सव्यभिचार' नाम्ना (D) 'विरुद्ध' नाम्ना

स्रोत -तर्कसंग्रह – गोविन्दाचार्य, पेज-218

39. तर्कसंग्रहे तर्कलक्षणं किमुक्तम् ?

(A) मिथ्याज्ञानम्

(B) व्याप्यारोपेण व्यापकारोपः

(C) सन्निकृष्टसंयोगहेतुः

(D) एकस्मिन् धर्मिणि विरुद्ध-नानाधर्मवैशिष्ट्यावगाहि ज्ञानम्

स्रोत - तर्कसंग्रह-अनिता सेनगुप्ता पेज-113

26. (B) **27.** (B) **28.** (B) **29.** (B) **30.** (D) **31.** (D) **32.** (B) **33.** (D) **34.** (B) **35.** (B) **36.** (C) **37.** (B) **38.** (A) **39.** (B)

40. अभावप्रत्यक्षे अन्नम्भट्टानुसारं कः सन्निकर्षोऽङ्गीकृतः?

(A) विशेषण-विशेष्यभावः (B) समवायः

(C) संयुक्तसमवेत-समवायः (D) संयोगः

स्रोत -तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज- 166

41. गन्धवत्त्वं कस्य लक्षणम् ?

(A) अपः (B) पृथिव्याः

(C) वायोः (D) अग्नेः

स्रोत - तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज-38

42. कविराजराजिमुकुटालङ्कारहीरः मामल्लदेवी च कस्य पितरौ?

(A) भासस्य (B) श्रीहर्षस्य

(C) दण्डिनः (D) भारवेः

स्रोत-नैषधीयचरितम् (1/145)-सुरेन्द्रदेव शास्त्री, पेज-287

43. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(क) श्रीहर्षः	(i) हर्षचरितम्
(ख) दण्डी	(ii) मुद्राराक्षसम्
(ग) बाणभट्टः	(iii) नैषधीयचरितम्
(घ) विशाखदत्तः	(iv) दशकुमारचरितम्

कूटः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

स्रोत -संस्कृतगङ्गा साहित्यम्-सर्वज्ञभूषण, पेज-278-279

44. दशकुमारचरितस्य नायकः कः ?

(A) राजहंसः (B) उपहारवर्मा

(C) राजवाहनः (D) अपहारवर्मा

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' पेज-383

45. विश्वनाथमतानुसारं वीररसः कतिविधः?

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः

(C) पञ्चविधः (D) चतुर्विधः

स्रोत -साहित्यदर्पण – शालिग्राम शास्त्री, पेज-118

46. बृहत्त्रय्यां न गण्यते–

(A) नैषधीयचरितम् (B) रघुवंशम्

(C) किरातार्जुनीयम् (D) शिशुपालवधम्

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-208

47. गद्यकाव्यं नास्ति–

(A) कादम्बरी

(B) दशकुमारचरितम्

(C) बुद्धचरितम्

(D) हर्षचरितम्

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-228

48. केन कविना बौद्धधर्मस्य प्रचारार्थं काव्यानि लिखितानि?

(A) कालिदासेन (B) माघेन

(C) अश्वघोषेण (D) भवभूतिना

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-228

49. नैषधीयचरिते कति सर्गाः सन्ति?

(A) एकोनविंशतिः (B) द्वाविंशतिः

(C) अष्टाविंशतिः (D) चतुर्विंशतिः

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-287

50. किरातार्जुनीयमहाकाव्यस्य कथावस्तु कुतः गृहीतम्?

(A) महाभारतस्य आदिपर्वतः

(B) महाभारतस्य भीष्मपर्वतः

(C) महाभारतस्य वनपर्वतः

(D) रामायणमहाकाव्यात्

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-243

40. (A) **41.** (B) **42.** (B) **43.** (B) **44.** (C) **45.** (D) **46.** (B) **47.** (C) **48.** (C) **49.** (B) **50.** (C)

52	जुलाई 2016	UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

1. ऋग्वेदीय-नासदीयसूक्तस्य (10.129) ऋषिरस्ति–
(A) प्रजापतिः परमेष्ठी (B) सुकीर्तिः काक्षीवतः
(C) यज्ञः प्राजापत्यः (D) कुल्मलबर्हिषः
स्रोत -ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्त शास्त्री, पेज-430

2. अथर्ववेदस्य पृथिवीसूक्ते (12.1) कति मन्त्राः सन्ति?
(A) 23 (B) 33
(C) 53 (D) 63
स्रोत -अथर्ववेद (12.1) - वेदान्ततीर्थ, पेज-101

3. सृष्ट्युत्पत्तिविषयकं सूक्तमस्ति ऋग्वेदे–
(A) पुरुषसूक्तम् (10.90) (B) अग्निसूक्तम् (1.1)
(C) इन्द्रसूक्तम् (2.12) (D) वाक्सूक्तम् (10.125)
स्रोत -ऋक्सूक्तसंग्रह-हरिदत्त शास्त्री, पेज-392-404

4. 'शुनःशेपम्' इत्याख्यानं कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते?
(A) कौषीतकिब्राह्मणग्रन्थे (B) ऐतरेयब्राह्मणग्रन्थे
(C) सामविधानब्राह्मणग्रन्थे (D) ऐतरेयारण्यकग्रन्थे
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-125

5. महर्षिणा दयानन्देन कस्य वेदस्य भाष्यं कृतमस्ति?
(A) पैप्पलादसंहितायाः (B) शौनकसंहितायाः
(C) काण्वसंहितायाः (D) वाजसनेयिमाध्यन्दिनसंहितायाः
स्रोत -वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-18

6. 'शतायुषः पुत्रपौत्रान् वृणीष्व बहून् पशून् हस्ति-हिरण्यमश्वान्' इति कथनमस्ति–
(A) वाजश्रवसः (B) नचिकेतसः
(C) यमराजस्य (D) याज्ञवल्क्यस्य
ईशादि नौ उपनिषद् (कठोपनिषद् 1.1.23)-शाङ्करभाष्य-गीताप्रेस, पेज-220

7. अधोऽङ्कितेषु एकमसत्यमस्ति–
(A) 'विद्यां च अविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह' इति ईशोपनिषदि वर्तते।
(B) ईशोपनिषद् तैत्तिरीयशाखायाः वर्तते।
(C) याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी-संवादो बृहदारण्यकोपनिषदि वर्तते।
(D) नचिकेतसः वर्णनं कठोपनिषदि वर्तते।
स्रोत -(A) ईशादि नौ उपनिषद् (ईशोपनिषद्-11) गीताप्रेस, पेज-36
(C) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज-154
(D) वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज-156

8. (क) 'शिक्षावल्ली' कठोपनिषदि वर्तते।
(ख) शिक्षावल्यां गुरुसम्बन्धितो व्यवहारो निरूपितः।
अनयोः कथनयोर्विषये उचितं युग्मं चिनुत।
(A) (क) असत्यम् (ख) सत्यम्
(B) (क) सत्यम् (ख) असत्यम्
(C) उभे सत्ये स्तः।
(D) उभे असत्ये स्तः।
स्रोत - वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज-156

9. 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' इत्युद्धरणं कुत्र वर्तते?
(A) केनोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-176

10. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्धः? इति समीचीनां तालिकां चिनुत।
(क) मा गृधः कस्यस्विद्धनम् (i) केनोपनिषद्
(ख) उमाया उपदेशः (ii) बृहदारण्यकोपनिषद्
(ग) अथ शीक्षां व्याख्यास्यामः (iii) ईशोपनिषद्
(घ) आत्मा वाऽरे द्रष्टव्यो मन्तव्यः श्रोतव्यो निदिध्यासितव्यः। (iv) तैत्तिरीयोपनिषद्

कूटः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

स्रोत- (क) ईशादि नौ उपनिषद् (ईशोपनिषद् मन्त्र-1)-गीताप्रेस, पेज-28
(ख) केनोपनिषद्-खण्ड-4
(ग) ईशादि नौउपनिषद् (तैत्तिरीयोपनिषद्)-गीताप्रेस, पेज-333
(घ) वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-179
वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-A-174 B-175 C-179 D-171

1. (A) **2.** (D) **3.** (A) **4.** (B) **5.** (D) **6.** (C) **7.** (B) **8.** (A) **9.** (B) **10.** (D)

11. षड्वेदाङ्गेषु किं न गण्यते?

(A) निरुक्तम् (B) छन्दस्

(C) मीमांसा (D) कल्पः

स्रोत -वैदिक साहित्य का इतिहास-पारसनाथ द्विवेदी, पेज-172

12. यास्कमते पदानां प्रकाराः कति भवन्ति?

(A) चत्वारः (B) पञ्च

(C) द्वौ (D) षड्

स्रोत - हिन्दी निरुक्त-कपिलदेव शास्त्री, पेज-08

13. षड्भावविकारेषु कतमो नास्ति?

(A) जायते (B) नश्यति

(C) वर्धते (D) स्मरति

स्रोत -हिन्दी निरुक्त – कपिलदेव शास्त्री, पेज-23

14. याज्ञवल्क्यशिक्षा केन वेदेन सम्बद्धा अस्ति–

(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन

वैदिक साहित्य का इतिहास-गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-253

15. 'नैगमकाण्डम्' कस्मिन् ग्रन्थे वर्तते?

(A) आपस्तम्बगृह्यसूत्रे (B) निरुक्ते

(C) गौतमधर्मसूत्रे (D) बौधायनधर्मसूत्रे

स्रोत -हिन्दी निरुक्त- कपिलदेव शास्त्री, भू. पेज-11

16. 'सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे' इति भाष्यवार्त्तिके नित्यपर्यायवाची 'सिद्ध' शब्द एवोपात्तो, न त्वसन्दिग्धो 'नित्य' शब्दस्तत्र को हेतुः?

(A) अवधारणार्थे 'सिद्ध' शब्दप्रयोगात्

(B) पूर्वपदलोप-परकस्य 'सिद्ध' शब्दस्य प्रयोगात्

(C) व्याख्यानतो विशेषप्रतिपत्तेः 'सिद्ध'शब्दस्य नित्यार्थकत्वात्

(D) नित्यपर्यायिणः 'सिद्ध' शब्दस्य मङ्गलार्थत्वादपि

स्रोत-व्याकरणमहाभाष्य (पस्पशाह्निक)-जयशंकर लाल त्रिपाठी, पेज-82

17. 'वृत्तिसमवायार्थो वर्णानामुपदेशः' इत्यत्र 'समवाय' शब्दस्य कोऽर्थः?

(A) नित्यसम्बन्धः

(B) समूहः

(C) वर्णानामानुपूर्व्येण सन्निवेशः

(D) वृत्तिनियामकसम्बन्धः

स्रोत–व्याकरणमहाभाष्यम् (पस्पशाह्निक)-मधुसूदन मिश्र, पेज-69

18. अधोलिखितप्रयोगेषु 'इणः षीध्वं-लुङ् -लिटां धोऽङ्गात्' इति भ्वादिगणीयसूत्रस्योदाहरणं किमस्ति?

(A) एधध्वे (B) एधाञ्चकृढ्वे

(C) एधिष्यध्वे (D) एधध्वम्

स्रोत -लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज-486

19. एषु शुद्धो मत्वर्थीयप्रयोगः कः?

(A) विद्युद्वान् (B) विद्युद्मान्

(C) विद्युत्वान् (D) विद्युत्मान्

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-3)-गोविन्दाचार्य, पेज-856

20. 'वास्तव्यः' इत्यत्र 'वस्' धातोः 'तव्यत्' प्रत्ययो भवति कस्मिन्नर्थे?

(A) कर्तरि (B) कर्मणि

(C) भावे (D) स्वार्थे

स्रोत -वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (भाग-6)-गोविन्दाचार्य, पेज-8

21. निम्नलिखितेषु शब्देषु अर्थसंकोचस्य उदाहरणं किमस्ति?

(A) सिंहः (B) वृकः

(C) कुशलः (D) मृगः

स्रोत -भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-338

22. निम्नलिखितेषु को ध्वनिः महाप्राणो नास्ति?

(A) ध् (B) भ्

(C) ह् (D) ड्

स्रोत -भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-149

23. ऐश्वर्यम् कस्य लक्षणं भवति?

(A) रजोगुणस्य (B) सत्त्वगुणस्य

(C) तमोगुणस्य (D) पुरुषस्य

स्रोत -सांख्यकारिका (का.-23) - राकेश शास्त्री, पेज-76

24. वेदान्तसारानुसारं तितिक्षायाः किं लक्षणम् अस्ति?

(A) विहितानां कर्मणां विधिना परित्यागः

(B) मोक्षेच्छा

(C) शीतोष्णादिद्वन्द्वसहिष्णुता

(D) जन्ममरणबन्धनात् मुक्तिः

स्रोत- वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, पेज-20

11. (C) **12.** (A) **13.** (D) **14.** (B) **15.** (B) **16.** (D) **17.** (C) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (A) **21.** (D) **22.** (D) **23.** (B) **24.** (C)

25. 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इति जैमिनीयसूत्रे वेदाध्ययनस्य दृष्टार्थत्वं को ब्रूते?

(A) 'अथ' शब्दः (B) 'अतः' शब्दः

(C) 'धर्म' शब्दः (D) 'जिज्ञासा' शब्दः

स्रोत- अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-5

26. 'आदित्यो यूपः' इत्यत्र किंविधोऽर्थवादः?

(A) भूतार्थवादः (B) अनुवादः

(C) निषेधशेषः (D) गुणवादः

स्रोत -अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज-198

27. 'यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्' इति उक्तिः कस्य विषये?

(A) योगवासिष्ठस्य (B) श्रीमद्भागवतस्य

(C) महाभारतस्य (D) मृच्छकटिकस्य

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-145

28. श्रीमद्भगवद्गीता महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि वर्तते?

(A) कर्ण-पर्वणि (B) भीष्म-पर्वणि

(C) अनुशासन-पर्वणि (D) शान्ति-पर्वणि

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, पेज-158

29. वाल्मीकिरामायणानुसारं दशरथस्य पुत्रेष्टियज्ञे पुरोहित आसीत् –

(A) वसिष्ठः (B) ऋष्यशृङ्गः

(C) भारद्वाजः (D) विश्वामित्रः

वाल्मीकिरामायण प्रथम खण्ड (बालकाण्ड सर्ग-15) गीताप्रेस, पेज-62

30. वाल्मीकिरामायणानुसारं शम्बूकः केन हतः?

(A) दशरथेन (B) रामेण

(C) परशुरामेण (D) भरतेन

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, पेज-127

31. महापुराणेषु न गण्यते–

(A) एकाम्रपुराणम् (B) ब्रह्मपुराणम्

(C) लिङ्गपुराणम् (D) पद्मपुराणम्

संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, पेज-176

32. कौटिल्यानुसारं मानवाः कां विद्यां पृथक् न मन्यन्ते?

(A) आन्वीक्षिकीम् (B) त्रयीम्

(C) वार्ताम् (D) दण्डनीतिम्

स्रोत– कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज-08

33. कौटिल्यानुसारं त्रयीं के संवरणमात्रं मन्यन्ते?

(A) मानसाः (B) मानवाः

(C) बार्हस्पत्याः (D) औशनसाः

स्रोत- कौटिलीय अर्थशास्त्रम्-वाचस्पति गैरोला, पेज-08

34. मनुसंहितानुसारं एषु किं ब्राह्मणस्य कर्म न भवति?

(A) अध्यापनम् (B) प्रजारक्षणम्

(C) यजनम् (D) याजनम्

स्रोत मनुस्मृति (1.89) - शिवराजकौण्डिन्न्यायनः, पेज-106

35. मनुसंहितानुसारं सचिवानां संख्या भवेत् –

(A) 3-4 (B) 5-6

(C) 7-8 (D) 9-10

स्रोत -मनुस्मृति (7.54) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-170

36. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं रिक्ते स्थाने कः शब्दः उपयुक्तः- 'दर्शने प्रत्यये दाने .... विधीयते।'

(A) व्यवहारः (B) प्रातिभाव्यम्

(C) ऋणादानम् (D) वाक्पारुष्यम्

स्रोत-याज्ञवल्क्यस्मृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज-211

37. रघुवंशस्य चतुर्दशसर्गस्य नाम किम् ?

(A) सीतापवादः (B) सीतापरित्यागः

(C) श्रीराममनस्तापः (D) सीतावनवासः

स्रोत- रघुवंशमहाकाव्यम् - हरगोविन्द मिश्र, पेज-369

38. 'अतिदुर्धरो बान्धवस्नेहः सर्वप्रमाथी' हर्षचरिते इयमुक्तिर्भवति।

(A) प्रभाकरवर्धनस्य (B) हर्षवर्धनस्य

(C) भण्डिनः (D) यशोमत्याः

स्रोत -हर्षचरितम् (पञ्चम उच्छ्वास)-शिवनाथ पाण्डेय, पेज-60

25. (B) **26.** (D) **27.** (C) **28.** (B) **29.** (B) **30.** (B) **31.** (A) **32.** (A) **33.** (C) **34.** (B) **35.** (C) **36.** (B) **37.** (B) **38.** (A)

39. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां मेलनतालिकां चिनुत–

(क) अनङ् गोऽयमनङ्गत्वमद्य निन्दिष्यति ध्रुवम् — (i) उत्तररामचरितम्

(ख) उदेति पूर्वं कुसुमं ततः फलम् — (ii) कादम्बरी

(ग) प्रभवति शुचिर्बिम्बग्राहे मणिर्न मृदादयः — (iii) रत्नावली

(घ) न हि क्षुद्रनिर्घातपाताभिहता चलति वसुधा — (iv) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

स्रोत- (A) रत्नावली (1.22)–श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-38
(B) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (7.30)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-442
(C) उत्तररामचरितम् (2.4)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-105
(D) कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)-आचार्य राजदेव मिश्र पेज-31

40. 'अखण्डेषु कारणेषु फलावचः' - कस्य अलङ्कारस्य लक्षणम् ?

(A) विशेषोक्तेः (B) विभावनायाः
(C) समासोक्तेः (D) वक्रोक्तेः

स्रोत -काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-498

41. 'शिखरिणि क्व नु नाम कियच्चिरं, किमभिधानमसावकरोत्तपः।' इत्यादि-श्लोकः ध्वन्यालोके उदाहरणरूपेण उल्लिखितः।

(A) अविवक्षितवाच्य-प्रसङ्गे
(B) अप्रस्तुतप्रशंसालङ्कारप्रसङ्गे
(C) विवक्षितान्यपरवाच्य-प्रसङ्गे
(D) दीपकालङ्कारप्रसङ्गे

स्रोत – ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-56

42. कालक्रमानुसारं तालिकां चिनुत।

(i) अप्पयदीक्षितः (ii) भरतः
(iii) विश्वनाथकविराजः (iv) वामनः

(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

स्रोत-काव्यप्रकाश-आचार्य विश्वेश्वर, पेज भू.-18, 44, 87, 91

43. 'प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः, प्रारभ्य विघ्नविहताः विरमन्ति मध्याः।' - मुद्राराक्षसे कस्येयमुक्तिः?

(A) विराधगुप्तस्य (B) चाणक्यस्य
(C) राक्षसस्य (D) चन्द्रगुप्तस्य

स्रोत -मुद्राराक्षसम् - परमेश्वरदीन पाण्डेय, पेज-118

44. 'सिद्धेर्भ्रान्तिर्नास्ति सत्यं तथापि स्वेच्छाचारी भीत एवास्मि भर्तुः। इत्युक्तिः रत्नावल्यां केन सम्बद्धा?

(A) उदयनेन (B) वसन्तकेन
(C) बाभ्रव्येण (D) यौगन्धरायणेन

स्रोत -रत्नावली (1.7) - श्रीकृष्ण त्रिपाठी, पेज-12

45. दशरूपकानुसारं– 'बीजवन्तो मुखाद्यर्था विप्रकीर्णा यथायथम् । ऐकार्थ्यमुपनीयन्ते' इत्यादिलक्षणं भवति –

(A) मुखसन्धेः (B) गर्भसन्धेः
(C) निर्वहणसन्धेः (D) प्रतिमुखसन्धेः

स्रोत -दशरूपक (1.48) - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-81

46. 'प्रशंसात उन्मुखीकरणं दशरूपके कस्य लक्षणं भवति?

(A) भारत्याः (B) वीथ्याः
(C) प्ररोचनायाः (D) प्रहसनस्य

स्रोत -साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज-175

39. (B) **40.** (A) **41.** (C) **42.** (A) **43.** (A) **44.** (D) **45.** (C) **46.** (C)

47. तर्कसङ्ग्रहदीपिकानुसारं 'परमाणुष्वेव पाको, न द्व्यणुकादावपी' ति केषाम्मते?
(A) नैयायिकानाम् (B) वैशेषिकानाम्
(C) साङ्ख्यानाम् (D) वेदान्तिनाम्
स्रोत- तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज-92

48. तर्कसङ्ग्रहानुसारम् आत्ममात्रविशेष-गुणेषु कस्य परिगणनं नास्ति?
(A) बुद्धेः (B) इच्छायाः
(C) स्थिति-स्थापकसंस्कारस्य (D) धर्मस्य
स्रोत- तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज-267,303

49. तर्कभाषानुसारं प्रमायाः करणं किम्भवति?
(A) प्रमाता (B) प्रमेयम्
(C) तर्कः (D) इन्द्रियसंयोगादिः
स्रोत- तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज-68,69,70

50. 'व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः' किमुच्यते?
(A) पक्षता (B) सपक्षः
(C) परामर्शः (D) व्याप्तिः
न्याय सिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमानखण्ड)-महानन्द झा, पेज-10

51. 'मही मित्रस्य वरुणस्य माया चन्द्रेव भानुं विदधे पुरुत्रा' इति मन्त्रांशो वर्तते।
(A) उषस्सूक्ते (B) कालसूक्ते
(C) वरुणसूक्ते (D) पर्जन्यसूक्ते
स्रोत -ऋक्सूक्तसंग्रह (13.61.7) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-241

52. ऋग्वेदीय-पर्जन्यसूक्तस्य कः ऋषिरस्ति?
(A) विश्वामित्रः (B) गौतमः
(C) अत्रिः (D) कण्वः
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (5.83) हरिदत्तशास्त्री, पेज-283

53. यजुर्वेदीय-शिवसंकल्पमन्त्राणां का देवता?
(A) मनस् (B) शिवः
(C) संकल्पः (D) विष्णुः
स्रोत- वैदिकसूक्तसंग्रह - विजयशंकर पाण्डेय, पेज-51

54. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारं रक्त-संज्ञका के सन्ति?
(A) कण्ठ्यवर्णाः (B) अयोगवाहाः
(C) निरनुनासिकवर्णाः (D) अनुनासिकवर्णाः
स्रोत- ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज-69

55. 'तिस्र एव देवताः' इति कथनमस्ति–
(A) निरुक्ते दैवतकाण्डे (B) ऋक्प्रातिशाख्ये
(C) निरुक्ते द्वितीयेऽध्याये (D) अथर्ववेदे राष्ट्राभिवर्धनसूक्ते
स्रोत- हिन्दी निरुक्त - कपिलदेव शास्त्री, पेज- 280

56. जन्मादयो विकाराः ब्रह्मणः कां शक्तिमुपाश्रिताः भवन्ति?
(A) आवरणशक्तिम् (B) आध्यात्मिकीं शक्तिम्
(C) कालशक्तिम् (D) भिन्नात्मिकां शक्तिम्
वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम् 1.3)-शिवशंकर अवस्थी, पेज-58

57. अत्रातीतविपर्यासः केवलामनुपश्यति।
छन्दस्यश्छन्दसां योनिमात्मा छन्दोमयीं तनुम् ॥
अस्यां कारिकायाम् 'छन्दस्य' इत्यस्य शब्दस्य कोऽर्थः?
(A) वेदार्थग्रहणसमर्थः (B) स्वतन्त्रः
(C) वैदिकछन्दसां निर्माता (D) वैदिकछन्दसां प्रयोगे निष्णातः
वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम् 1.17)-शिवशंकर अवस्थी, पेज-126

58. स्फोटः भेदवान् कथं प्रतीयते?
(A) भिन्नद्रव्यानाम् अभिव्यक्तिसाधनात्
(B) भिन्नोच्चारणात्
(C) भिन्नार्थेषु प्रयोगात्
(D) नादस्य क्रमजन्मत्वात्
वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड) कारिका-47-शिवशंकर अवस्थी पेज-218

59. एषूदाहरणेषु वैषयिकाधारस्योदाहरणं किमस्ति?
(A) मोक्षे इच्छाऽस्ति (B) कटे आस्ते
(C) स्थाल्यां पचति (D) सर्वस्मिन्नात्मास्ति
स्रोत-सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज-93

60. पाणिनीयशिक्षानुसारम् उदात्तस्वरोच्चारणकाले हस्तः कुत्र निधेयः?
(A) हृदि (B) कर्णमूले
(C) सर्वास्ये (D) मूर्ध्नि
पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-48)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज-158

61. व्यासभाष्यानुसारेण का उक्तिः सत्या?
(A) चित्तं हि प्रख्याप्रवृत्तिस्थितिशीलत्वात् त्रिगुणम्।
(B) चित्तवृत्तीनां निरोधः असाध्यः।
(C) सर्ववृत्तिनिरोधे सम्प्रज्ञातः समाधिः।
(D) चित्तवृत्तिबोधे पुरुषस्य अनादिः सम्बन्धः न हेतुः।
स्रोत - पातञ्जलयोगदर्शनम् - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-09

47. (B) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (C) **51.** (A) **52.** (C) **53.** (A) **54.** (D) **55.** (A) **56.** (C) **57.** (A) **58.** (D) **59.** (A) **60.** (D) **61.** (A)

62. ब्रह्मसूत्रस्य रचयिता कोऽस्ति?
(A) शङ्कराचार्यः (B) बादरायणः
(C) कपिलः (D) सदानन्दः
स्रोत - वेदान्तसार - राकेश शास्त्री, पेज-भू.-04

63. शब्दप्रमाणस्य फलं किम्भवति?
(A) पदज्ञानम् (B) वाक्यार्थज्ञानम्
(C) शक्तिज्ञानम् (D) पदजन्यपदार्थस्मरणम्
स्रोत तर्कसंग्रह - अनिता सेनगुप्ता, पेज-111

64. न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यां साध्यशून्यो यत्र पक्षस्त्वसौ क उदाहृतः?
(A) विरुद्धः (B) बाधः
(C) अनैकान्तिकः (D) सत्प्रतिपक्षः
न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमान खण्ड)-महानन्द झा पेज-127

65. बौद्धदर्शने भावनाचतुष्टये किं नोपदिष्टम् ?
(A) सर्वं क्षणिकं क्षणिकम्
(B) स्वलक्षणम् स्वलक्षणम्
(C) सामान्यम् सामान्यम्
(D) शून्यं शून्यम्
स्रोत– सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज-31

66. 'शयिता सविधेऽप्यनीश्वरा सफलीकर्त्तुमहो मनोरथान्।'- पण्डितराजजगन्नाथेन कस्य काव्यस्य उदाहरणरूपे उद्धृतोऽयं श्लोकः?
(A) अधमस्य (B) उत्तमोत्तमस्य
(C) उत्तमस्य (D) मध्यमस्य
स्रोत - रसगङ्गाधर – मदनमोहन झा, पेज- 38

67. 'उपकारकत्वादलङ्कारः सप्तममङ्गम् इति यायावरीयः।' उक्तिरियं कुत्रास्ति?
(A) नाट्यशास्त्रे (B) काव्यप्रकाशे
(C) काव्यमीमांसायाम् (D) वक्रोक्तिजीविते
स्रोत – काव्यमीमांसा - कृष्णमणि त्रिपाठी, पेज-11

68. वक्रोक्तिजीवितानुसारं कविव्यापारवक्रत्वप्रकाराः कति सम्भवन्ति?
(A) त्रयः (B) चत्वारः
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत -वक्रोक्तिजीवितम् - राधेश्याम मिश्र भू. पेज-24

69. काव्यप्रकाशानुसारं शृङ्गारे द्रुतिकारणम् आह्लादकत्वं कस्य?
(A) माधुर्यस्य (B) ओजसः
(C) प्रसादस्य (D) समतायाः
स्रोत -काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज-388

70. पण्डितराजजगन्नाथमते काव्यस्य कति भेदाः स्वीकृताः?
(A) त्रयः (B) द्वौ
(C) चत्वारः (D) पञ्च
स्रोत -रसगङ्गाधर - मदन मोहन झा, पेज-37

71. ब्राह्मीलिपेः उद्वाचने प्रथमां सफलतां कः प्राप्तवान्?
(A) मैक्समूलरः (B) विलियम-जोन्सः
(C) जेम्स प्रिंसेपः (D) व्हिटने
स्रोत -प्राचीन भारत-सौरभ चौबे, पेज-207

72. अशोकस्य शिलालेखानां भाषा का अस्ति?
(A) प्राकृतम् (B) संस्कृतम्
(C) अपभ्रंशः (D) अवेस्ता
स्रोत - प्राचीन भारत - सौरभ चौबे, पेज-207

73. कुत्र अशोकस्य नाम प्रदत्तम् ?
(A) मास्कि-शिलालेखे
(B) प्रयाग-स्तम्भ-लेखे
(C) गिरनार-शिलालेखे
(D) गन्धार-द्विभाषी-शिलालेखे
स्रोत-प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-1)-परमेश्वरीलाल गुप्ता, पेज-09

74. गिरनारस्य तडागेन सम्बद्धो नासीत् ।
(A) चन्द्रगुप्तः मौर्यः (B) अशोकः मौर्यः
(C) कनिष्कः कुषाणः (D) रुद्रदामा शकः
स्रोत -प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-1), परमेश्वरीलाल गुप्त, पे 18,19

75. अत्र वर्तते कालिदासस्य नामोल्लेखः।
(A) तन्तुवाय-श्रेण्याः मन्दसौर-शिलालेखे
(B) प्रभावतीगुप्तायाः पूना-ताम्रपट्ट-लेखे
(C) पुलिकेशिद्वितीयस्य एहोले-शिलालेखे
(D) मिहिरभोजस्य ग्वालियार-शिलालेखे
स्रोत- अभिज्ञानशाकुन्तलम्-कपिलदेव द्विवेदी, पेज भू.-13

62. (B) **63.** (B) **64.** (B) **65.** (C) **66.** (B) **67.** (C) **68.** (D) **69.** (A) **70.** (C) **71.** (C) **72.** (A) **73.** (A) **74.** (C) **75.** (C)

53	जनवरी 2017	CBSE UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

सूचना : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अधस्तनेषु उचितसम्बन्धयुतं विकल्पं चिनुत –

(A) द्यावाचिदस्मै पृथिवी नमेते...... – अग्निदेवता

(B) यस्य ब्रह्मवर्धनं यस्य सोमः .... – सोमसूक्तम्

(C) राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिविम्..... – रुद्रदेवता

(D) ता वां वास्तून्युश्मसि गमध्यै यत्र गावो भूरिशृङ्गा अयासः – विष्णुसूक्तम्

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह (1.154.6)-हरिदत्तशास्त्री, पेज–170

2. अधस्तनयुग्मानां समुचितां तालिकां चिनुत–

(क) पुराणी देवि युवतिः पुरन्धिरनु व्रतं चरसि विश्ववारे .... (i) इन्द्रसूक्तम्

(ख) स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव....... (ii) विष्णुसूक्तम्

(ग) यः पृथिवीं व्यथमानामदृंहद्यः पर्वतान्प्रकुपिताँ अरम्णात्...... (iii) उषस्सूक्तम्

(घ) तदस्य प्रियमभिपाथो अश्यां नरो यत्र देवयवो मदन्ति....... (iv) अग्निसूक्तम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

स्रोत–ऋक्सूक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, पेज– क-233, ख-60, ग-178, घ-169

3. ''नाहं वेद भ्रातृत्वं नो स्वसृत्वमिन्द्रो विदुरङ्गिरसश्च घोराः'' इति मन्त्रांशो वर्तते–

(A) विश्वामित्र-नदीसूक्ते

(B) सरमा-पणिसूक्ते

(C) यम-यमीसूक्ते

(D) पुरुरवा-उर्वशीसूक्ते

स्रोत– ऋग्वेद (10-108-10) - वेदान्ततीर्थ, पेज–465

4. ''को दम्पती समनसा वि यूयोदध यदग्निः श्वशुरेषु दीदयत्'' इति मन्त्रांशो वर्तते–

(A) सरमा - पणिसूक्ते (B) विश्वामित्र - नदीसूक्ते

(C) पुरुरवा - उर्वशीसूक्ते (D) यम - यमीसूक्ते

स्रोत–ऋग्वेद (10-95-12) - वेदान्ततीर्थ, पेज–430

5. अधस्तनेषु सामवेदस्य ब्राह्मणमस्ति–

(A) शांखायनब्राह्मणम् (B) कौषीतकिब्राह्मणम्

(C) षड्विंशब्राह्मणम् (D) तैत्तिरीयब्राह्मणम्

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–10

6. ''अन्धन्तमः प्रविशन्ति येऽविद्यामुपासते/ततो भूय इव ते तमो ये उ विद्यायां रताः'' सन्दर्भोऽयं वर्तते–

(A) कठोपनिषदि (B) ईशोपनिषदि

(C) श्वेताश्वतरोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (ईशा0-9) - गीताप्रेस, पेज–34

7. ''सृष्ट्युत्पत्तिकाल एव वेदानामुत्पत्तिकालः'' इति कः स्वीकरोति?

(A) मेक्डानलः (B) मैक्षमूलरः

(C) एम0 विन्टरनिट्जः (D) महर्षिदयानन्दः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–39

8. अधस्तनयुग्मानां समुचितां तालिकां चिनुत–

(क) कात्यायनशुल्बसूत्रम् (i) व्याकरणम्

(ख) त्रिमुनि (ii) कृष्णयजुर्वेदः

(ग) ऋक्तन्त्रप्रातिशाख्यम् (iii) शुक्लयजुर्वेदः

(घ) आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् (iv) सामवेदः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– क-241, ख-196, ग-198, घ-230

9. वेदानां विकृतिपाठः कतिविधः?

(A) त्रिविधः (B) पञ्चविधः

(C) अष्टविधः (D) नवविधः

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–8

1. (D) **2.** (A) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (C) **6.** (B) **7.** (D) **8.** (B) **9.** (C)

10. द्विविधो विभाजनक्रमो वर्तते–
(A) अथर्ववेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) ईशोपनिषदः (D) कठोपनिषदः
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–46

11. शुक्लयजुर्वेदस्य कति शाखाः समुपलभ्यन्ते?
(A) 4 (B) 3
(C) 5 (D) 2
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–9

12. अधस्तनयुग्मानां समुचितां तालिकां चिनुत–
(क) पिङ्गलः (i) ज्योतिषम्
(ख) शुल्बसूत्राणि (ii) निरुक्तम्
(ग) लगधः (iii) छन्दःशास्त्रम्
(घ) तदिदं विद्यास्थानं व्याकरणस्य कार्त्स्न्यं स्वार्थसाधकञ्च (iv) कल्पः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–199, 214, 208, घ - निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–96

13. महत् किमस्ति?
(A) प्रकृतिः (B) विकृतिः
(C) प्रकृतिविकृती (D) न प्रकृतिः न विकृतिः
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-3) - राकेश शास्त्री, पेज–8

14. 'तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकम्' लक्षणमिदं कस्य विद्यते?
(A) शब्दप्रमाणस्य (B) अनुमानप्रमाणस्य
(C) प्रत्यक्षप्रमाणस्य (D) उपमानप्रमाणस्य
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-5) - राकेश शास्त्री, पेज–16

15. व्यक्तं कीदृग् न भवति?
(A) हेतुमत् (B) अव्यापि
(C) अनाश्रितम् (D) सावयवम्
स्रोत–सांख्यकारिका (का0-10) - राकेश शास्त्री, पेज–32-33

16. ''तदैक्यप्रमेयस्य तत्प्रतिपादकोपनिषत्प्रमाणस्य च बोध्यबोधकभावः'' वेदान्तसारानुसारं लक्षणमिदं कस्यास्ति?
(A) अधिकारिणः (B) विषयस्य
(C) सम्बन्धस्य (D) प्रयोजनस्य
स्रोत–वेदान्तसार - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–36

17. 'समष्टिव्यष्ट्यभिप्रायेणैकमनेकमिति' उक्तिरियं वेदान्तसारे कस्य सन्दर्भेऽस्ति?
(A) विद्यायाः (B) अज्ञानस्य
(C) अध्यारोपस्य (D) समाधेः
स्रोत–वेदान्तसार - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–42

18. अज्ञानोपहितं चैतन्यं कीदृशं कारणं भवति?
(A) निमित्तकारणम्
(B) उपादानकारणम्
(C) निमित्तकारणम् उपादानकारणं च
(D) कीदृशमपि कारणं न
स्रोत–वेदान्तसार - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–55

19. वेदान्तसारानुसारं सूक्ष्मशरीराणि कति अवयवानि भवन्ति?
(A) षोडशावयवानि (B) पञ्चदशावयवानि
(C) सप्तदशावयवानि (D) त्रयोदशावयवानि
स्रोत–वेदान्तसार - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज–60

20. तर्कसङ्ग्रहानुसारं रूपं कतिविधम्?
(A) पञ्चविधम् (B) सप्तविधम्
(C) षड्विधम् (D) नवविधम्
स्रोत– तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–80

21. 'गौरश्वः पुरुषो हस्ती' इत्यादिपदसमुदायः प्रमाणं कथं न भवति?
(A) योग्यताविरहात् (B) आकाङ्क्षाविरहात्
(C) सान्निध्याभावात् (D) पदसमूहाभावात्
स्रोत– तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–245

22. असाधारणधर्मः कस्य लक्षणम्?
(A) लक्षणस्य (B) उद्देशस्य
(C) परीक्षायाः (D) आत्मनः
स्रोत– तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–7

23. तर्कभाषायां 'प्रकरणसम' हेत्वाभासस्य काऽपरा सञ्ज्ञा?
(A) बाधितविषयः (B) सत्प्रतिपक्षः
(C) सव्यभिचारः (D) अनुपसंहारी
स्रोत– तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, पेज–117

24. तर्कभाषानुसारं समवायिकारणं किम्भवति?
(A) गुणः (B) द्रव्यम्
(C) कर्म (D) सामान्यम्
स्रोत– तर्कभाषा - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–44

10. (B) **11.** (D) **12.** (D) **13.** (C) **14.** (B) **15.** (C) **16.** (C) **17.** (B) **18.** (C) **19.** (C) **20.** (B) **21.** (B) **22.** (A) **23.** (B) **24.** (B)

25 'पठति' इति क्रियापदं कीदृश्याः भाषायाः उदाहरणमस्ति?
(A) अयोगात्मिकायाः (B) प्रश्लिष्टयोगात्मिकायाः
(C) श्लिष्टयोगात्मिकायाः (D) अश्लिष्टयोगात्मिकायाः
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–365

26. ग्रीकभाषा कस्य परिवारस्य भाषा अस्ति?
(A) भारोपीय-परिवारस्य (B) सेमेटिक-परिवारस्य
(C) सूडानी-परिवारस्य (D) काकेशी-परिवारस्य
स्रोत– भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–384

27. निम्नलिखितासु भाषासु का भाषा 'सतम्' वर्गस्य नास्ति?
(A) संस्कृतभाषा (B) ईरानीभाषा
(C) ग्रीकभाषा (D) फारसीभाषा
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–385

28. अंग्रेजी-भाषायाः सम्बन्धः कया भाषाशाखया अस्ति?
(A) कैल्टिकशाखया (B) जर्मनिकशाखया
(C) इटैलिकशाखया (D) ग्रीकशाखया
स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–392

29. संस्कृतभाषायां निम्नलिखितेषु स्वरेषु कस्य स्वरस्य दीर्घो नास्ति?
(A) ऋकारस्य (B) अकारस्य
(C) इकारस्य (D) लृकारस्य
स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्दशास्त्री, पेज–16

30. अन्त्यादलः पूर्ववर्णस्य का सञ्ज्ञा भवति?
(A) अपृक्तसञ्ज्ञा (B) उपधा-सञ्ज्ञा
(C) टि-सञ्ज्ञा (D) सर्वनामस्थानसञ्ज्ञा
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.65) - गोविन्दाचार्य, पेज–175

31. निषेध-विकल्पयोः सञ्ज्ञा का?
(A) अपृक्तसञ्ज्ञा (B) विभाषासञ्ज्ञा
(C) उपधासञ्ज्ञा (D) प्रगृह्यसञ्ज्ञा
स्रोत–अष्टाध्यायी (1.1.43) - ईश्वरचन्द्र, पेज–25

32. 'सुडनपुंसकस्य' इति सूत्रेण का सञ्ज्ञा क्रियते?
(A) सर्वनामस्थानसञ्ज्ञा (B) निष्ठासञ्ज्ञा
(C) प्रातिपदिकसञ्ज्ञा (D) पदसञ्ज्ञा
स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.1.43) - गोविन्दाचार्य, पेज–166

33. 'अनुविष्णु' इत्यत्र 'अव्ययं विभक्ति-समीप-समृद्धि इत्यादिसूत्रेण कस्मिन् अर्थेऽव्ययीभावसमासः?
(A) समीपार्थे (B) असम्प्रत्यर्थे
(C) पश्चादर्थे (D) आनुपूर्व्यार्थे
स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–900

34. 'व्यूढोरस्कः' इत्यत्र कीदृशः समासः?
(A) अव्ययीभावः (B) तत्पुरुषः
(C) द्वन्द्वः (D) बहुव्रीहिः
स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–966

35. 'सर्पिषोऽपि स्याद्' इत्यत्र 'अपि' शब्दस्य कर्मप्रवचनीयसञ्ज्ञा कस्मिन् अर्थे भवति?
(A) सम्भावनाद्योतकतायाम्
(B) अन्ववसर्गद्योतकतायाम्
(C) समुच्चयद्योतकतायाम्
(D) पदार्थद्योतकतायाम्
सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण -1.4.96)-राममुनि पाण्डेय, पेज–36

36. 'अधिकरणवाचिनश्च' इति सूत्रस्योदाहरणं किं भवति?
(A) राज्ञां मतः
(B) द्विरह्नो भोजनम्
(C) शब्दानामनुशासनमाचार्यस्य
(D) इदम् एषाम् आसितम्
सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण -2.3.68)-राममुनि पाण्डेय, पेज–85

37. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–
(क) भासः (i) मालतीमाधवम्
(ख) कालिदासः (ii) मृच्छकटिकम्
(ग) भवभूतिः (iii) मालविकाग्निमित्रम्
(घ) शूद्रकः (iv) पञ्चरात्रम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज– क-275, ख-137, ग-395, घ-301

38. शिशुपालवधमहाकाव्यस्य प्रथमसर्गस्य नाम भवति–
(A) श्रीकृष्णगुणकीर्तनम् (B) नारदगुणकीर्तनम्
(C) कृष्णनारदसम्भाषणम् (D) नारदावतरणम्
स्रोत– शिशुपालवधम् - हरगोविन्द शास्त्री, पेज–54

39. सानुमत्याः उपाख्यानम् अभिज्ञानशाकुन्तले कस्मिन् अङ्के अस्ति?
(A) सप्तमे (B) षष्ठे
(C) पञ्चमे (D) चतुर्थे
स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (अङ्क-6)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–375

25. (C) **26.** (A) **27.** (C) **28.** (B) **29.** (D) **30.** (B) **31.** (B) **32.** (A) **33.** (C) **34.** (D) **35.** (D)
36. (D) **37.** (A) **38.** (C) **39.** (B)

40. आसु कस्याः उल्लेखो मेघदूते नास्ति–

(A) रेवायाः (B) शिप्रायाः

(C) तुङ्गभद्रायाः (D) गन्धवत्याः

स्रोत– मेघदूतम् - शेषराज शर्मा रेग्मी, भू0 पेज–35

41. मृच्छकटिकम् इति कस्य रूपकस्य उदाहरणं भवति?

(A) नाटकस्य (B) प्रकरणस्य

(C) व्यायोगस्य (D) समवकारस्य

स्रोत–संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–307

42. कृतककोपवृत्तान्तः मुद्राराक्षसे कस्मिन्नङ्केऽस्ति?

(A) प्रथमे (B) द्वितीये

(C) तृतीये (D) चतुर्थे

स्रोत– मुद्राराक्षसम् - पुष्पा गुप्ता, पेज–192

43. कालानुसारेण तालिकां चिनुत–

(अ) भारविः (ब) भासः

(स) कालिदासः (द) साहित्यदर्पणकारः विश्वनाथः

(A) (अ) (ब) (स) (द)

(B) (ब) (अ) (स) (द)

(C) (स) (अ) (ब) (द)

(D) (ब) (स) (अ) (द)

स्रोत–संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–अ - 242, ब - 465, स - 201, द - 587

44. विश्वनाथमते हास्यं कतिविधं भवति?

(A) चतुर्विधम् (B) पञ्चविधम्

(C) षड्विधम् (D) द्विविधम्

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/217) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–115

45. काव्यलक्षणविचारे ''स्ववचनविरोधाद् अपास्तम्'' इति कथनेन कस्य मतं विश्वनाथेन निराकृतम्?

(A) आनन्दवर्धनस्य (B) वामनस्य

(C) मम्मटस्य (D) व्यक्तिविवेककारस्य

स्रोत– साहित्यदर्पण - शालिग्राम शास्त्री, पेज–18

46. साहित्यदर्पणमते नीलवर्णः महाकालदैवतः रसः कः भवति?

(A) रौद्रः (B) वीरः

(C) भयानकः (D) बीभत्सः

स्रोत– साहित्यदर्पण (3/239) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–120

47. जतुकर्णीपुत्रः भवति–

(A) भवभूतिः (B) कालिदासः

(C) माघः (D) श्रीहर्षः

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–395

48. शाकुन्तले दुष्यन्तपुत्रस्य प्रथमं नाम किम् आसीत्?

(A) भरतः (B) सर्वदमनः

(C) गौतमः (D) वातायनः

स्रोत– अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–448

49. साहित्यदर्पणानुसारेण एषु कस्य रूपकमध्ये गणनं न भवति–

(A) समवकारस्य (B) नाटिकायाः

(C) प्रकरणस्य (D) प्रहसनस्य

स्रोत– साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–170

50. एषु गतिसञ्ज्ञाविधायकं सूत्रं किमस्ति?

(A) ऊर्यादिच्विडाचश्च

(B) कुगतिप्रादयः

(C) तत्रोपपदं सप्तमीस्थम्

(D) एकविभक्ति चापूर्वनिपाते

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी (1.4.61) - गोविन्दाचार्य, पेज–935

40. (C) **41.** (B) **42.** (C) **43.** (D) **44.** (C) **45.** (A) **46.** (D) **47.** (A) **48.** (B) **49.** (B) **50.** (A)

54	जनवरी 2017	CBSE UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे पञ्चसप्ततिः (75) बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य अङ्कद्वयं वर्तते। सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. निरुक्तानुसारेण 'अति' इत्यस्य उपसर्गस्य कोऽर्थः?
(A) निषेधः (B) एकीभावः
(C) पूजा (D) अनादरः
स्रोत– निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–39

2. निरुक्तानुसारेण ''चित्'' इत्यस्य निपातस्य अर्थो नास्ति–
(A) प्रतिषेधः (B) उपमा
(C) पूजा (D) अवकुत्सितः
स्रोत–निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज– 44-45

3. निरुक्ते अधोलिखितेषु उपधाविकारस्य उदाहरणमस्ति–
(A) प्रत्तम् (B) स्तः
(C) गत्वा (D) राजा
स्रोत– निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–135

4. ब्राह्मणग्रन्थानां विषयो नास्ति–
(A) छन्दोविवेचनम् (B) पुराकल्पः
(C) विधिः (D) निर्वचनम्
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–115

5. शिक्षावेदाङ्गे गणना नास्ति–
(A) तैत्तिरीयप्रातिशाख्यस्य (B) ऋक्तन्त्रस्य
(C) पारस्करगृह्यसूत्रस्य (D) नारदशिक्षायाः
स्रोत– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–228

6. ऐतरेयब्राह्मणस्य शुनःशेपाख्याने शुनःशेपस्य पितुर्नाम अस्ति–
(A) वाजश्रवाः (B) अजीगर्तः
(C) कण्वः (D) सौयवसी
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–125

7. 'वाङ्मनस्' इत्याख्यानं वर्तते –
(A) कौषीतकिब्राह्मणे (B) ऐतरेयब्राह्मणे
(C) षड्विंशब्राह्मणे (D) शतपथब्राह्मणे
स्रोत–शतपथ ब्राह्मण (1.4.5)-स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, पेज–88

8. ''यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्'' कठोपनिषदि इदं कथनम् अस्ति–
(A) कण्वस्य (B) यमस्य
(C) नचिकेतसः (D) इन्द्रस्य
स्रोत– ईशादि नौ उपनिषद् (कठो० 1.2.15), गीताप्रेस, पेज–111

9. ''तस्यै तपो दमः कर्मेति प्रतिष्ठा वेदाः सर्वाङ्गानि सत्यमायतनम्'' इत्युद्धरणं वर्तते–
(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) केनोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
स्रोत–ईशादि नौ उपनिषद् (केनो० खण्ड-4/8) - गीताप्रेस, पेज–72

10. अधस्तनेषु स्वरितस्वरस्य भेदोऽस्ति –
(A) क्षैप्रः (B) सन्नतरः
(C) निघातः (D) सन्नतमः
वैदिक साहित्य का इतिहास - गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज–391

11. ऋग्वेदीयशाकलसंहितायां उदात्तस्वरः केन प्रकारेण प्रदर्श्यते?
(A) अ (B) अ॑
(C) अ[३] (D) अ [अचिह्नितम्]
स्रोत– ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्-वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज-214

12. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण रक्तसंज्ञका वर्णा भवन्ति–
(A) अनुनासिकवर्णाः (B) सोष्मवर्णाः
(C) अघोषवर्णाः (D) समानाक्षरवर्णाः
स्रोत– ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्रकुमार वर्मा, पेज–69

13. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण अधस्तनयुग्मानां समुचितां तालिकां चिनुत–
(अ) ऊ (i) अघोषः
(ब) क (ii) सन्ध्यक्षरम्
(स) घ (iii) समानाक्षरम्
(द) ए (iv) सोष्म

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

स्रोत–ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज– अ-42, ब-54, स-55, द-43

14. सर्वादौ वेदस्य अंग्रेजीभाषायाम् अनुवादः केन कृतः?
(A) ए वेबरेण (B) विल्सनेन
(C) ब्लूमफिल्डेन (D) ओल्डनबर्गेण
स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–32

1. (C) **2.** (A) **3.** (D) **4.** (A) **5.** (C) **6.** (B) **7.** (D) **8.** (B) **9.** (C) **10.** (A) **11.** (D) **12.** (A) **13.** (C) **14.** (B)

15. माध्यन्दिनसंहितायाः हिन्दीभाषायाम् अनुवादः सर्वादौ केन कृतः?
(A) अरविन्देन
(B) महर्षिदयानन्देन
(C) श्रीपाददामोदरसातवलेकरेण
(D) स्वामी-विवेकानन्देन

स्रोत–वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–18

16. अधोनिर्दिष्टेषु 'मनोः स्त्री' इति विग्रहे स्त्रीलिङ्गे अशुद्धः प्रयोगः कः?
(A) मनायी (B) मनावी
(C) मन्वी (D) मनुः

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी भाग-2, (4.1.38)-गोविन्दाचार्य, पेज–102

17. 'अध्यापयति वेदम्' इत्यत्र क्रियापदे परस्मैपदविधायको नियमः कः?
(A) अणावकर्मकाच्चित्तवत्कर्तृकात्
(B) विभाषाऽकर्मकात्
(C) निगरणचलनार्थेभ्यश्च
(D) बुध-युध-नश-जनेङ्-प्रु-द्रु-स्रुभ्यो णेः

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी भाग-5, (1.3.86) गोविन्दाचार्य, पेज–445

18. 'वच्' धातोरशब्दसञ्ज्ञायां ण्यत्प्रत्ययान्तं किं रूपम्?
(A) वाच्यम् (B) वाक्यम्
(C) वच्यम् (D) उच्यम्

स्रोत–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी भाग-6, (7.3.67)-गोविन्दाचार्य, पेज–60

19. 'एध' धातोः आशीर्लिङि उत्तमपुरुषैकवचने किं रूपम्?
(A) एधेय (B) एधिषीय
(C) एधिताहे (D) ऐधिषि

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी-गोविन्दाचार्य, पेज–495

20. क्रियामात्रविषयं व्यापारनियतञ्च किम्भवति?
(A) हेतुः (B) करणम्
(C) अधिकरणम् (D) सम्बन्धः

स्रोत–सिद्धान्तकौमुदी (कारक-प्रकरण)-राममुनि पाण्डेय, पेज–44

21. 'लोमन्' शब्दस्य मत्वर्थीयः शुद्धप्रयोगः कः?
(A) लोमनः (B) लोमिकः
(C) लोमिलः (D) लोमशः

स्रोत– लघुसिद्धान्तकौमुदी - गोविन्दाचार्य, पेज–1113

22. 'शास्त्रपूर्वके प्रयोगेऽभ्युदयः ....' – अत्र महाभाष्यानुसारं रिक्तस्थानं पूरयत।
(A) कूपखननन्यायेन (B) तत्तुल्यं वेदशब्देन
(C) स्नातानुलिप्तप्रकारेण (D) पांसूदकन्यायेन

स्रोत–व्याकरणमहाभाष्यम् - जयशङ्करलाल त्रिपाठी, पेज– 113

23. एषु पाठकगुणेषु कः गण्यते?
(A) अक्षरव्यक्तिः (B) गीती
(C) लिखितपाठकः (D) शीघ्री

पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-33)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–125

24. निम्नलिखितेषु अन्तःस्थेषु को ध्वनिः न गण्यते?
(A) ट् (B) र्
(C) ल् (D) य्

स्रोत–लघुसिद्धान्तकौमुदी - गीताप्रेस, पेज–17

25. निम्नलिखितेषु विषमीकरणस्य उदाहरणं किम् अस्ति?
(A) बभूव (B) ससार
(C) गमिष्यति (D) पपाठ

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–233

26. चीनी भाषा कीदृशी भवति?
(A) योगात्मिका (B) अयोगात्मिका
(C) प्रश्लिष्टयोगात्मिका (D) श्लिष्टयोगात्मिका

स्रोत–भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–357, 359

27. अर्थसङ्ग्रहे 'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' इति धर्मलक्षणे 'वेदप्रतिपाद्यः' इति पदं किमर्थं गृहीतम्?
(A) द्यूतक्रीडादावतिव्याप्तिवारणाय
(B) स्वर्गादिप्रयोजनेऽतिव्याप्तिवारणाय
(C) श्येनयागादावतिव्याप्तिवारणाय
(D) भोजनादावतिव्याप्तिवारणाय

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–10

28. शाब्दीभावनायाः साध्यं किम्भवति?
(A) लिङ्गादिज्ञानम् (B) अर्थवादज्ञाप्यप्राशस्त्यम्
(C) स्वर्गादिफलम् (D) आर्थीभावना

स्रोत–अर्थसंग्रह - सत्यप्रकाश शर्मा, पेज–28

29. तर्कसङ्ग्रहदीपिकादिशा एषु गोर्लक्षणेषु कस्मिन् अतिव्याप्तिदोषः सङ्घटते?
(A) शृङ्गित्वम् (B) एकशफत्वम्
(C) कपिलत्वम् (D) सास्नादिमत्त्वम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–12

30. 'तन्तुसंयोगः पटस्य' कीदृशं कारणम्?
(A) असमवायिकारणम् (B) समवायिकारणम्
(C) समवाय्यसमवायिकारणम् (D) निमित्तकारणम्

स्रोत–तर्कसंग्रह - गोविन्दाचार्य, पेज–145

15. (B) **16.** (C) **17.** (D) **18.** (A) **19.** (B) **20.** (B) **21.** (D) **22.** (B) **23.** (A) **24.** (A) **25.** (A) **26.** (B) **27.** (D) **28.** (D) **29.** (A) **30.** (A)

31. न्यायसिद्धान्तदृशा व्याप्तिः का?
(A) साध्यवदन्यस्मिन्नसम्बन्धः
(B) व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः
(C) सिषाधयिषाविरहसहकृतसिद्ध्यभावः
(D) साध्यवत्त्वेन पक्षस्य पचनम्
स्रोत–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - महानन्द झा, पेज–19

32. योगसूत्रभाष्ये निर्बीजः समाधिः क उक्तः?
(A) सम्प्रज्ञातसमाधिः (B) असम्प्रज्ञातसमाधिः
(C) सवितर्कसमाधिः (D) सविचारसमाधिः
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज–66

33. 'तस्मिन् परमगुरौ सर्वकर्मार्पणम्' इति व्यासभाष्येण किं लक्षितम्?
(A) सन्तोषः (B) तपः
(C) स्वाध्यायः (D) ईश्वरप्रणिधानम्
स्रोत–पातञ्जलयोगदर्शनम् - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज–273

34. वाक्यपदीयानुसारं 'स्फोटनादयोः' सम्बन्धः कीदृशो भवति?
(A) तरङ्गप्रतिबिम्बवत् (B) कार्यकारणवत्
(C) जन्यजनकवत् (D) धूमाग्निवत्
स्रोत–वाक्यपदीयम् (का0 49) - सूर्यनारायण शुक्ल, पेज–66

35. वाक्यपदीयानुसारं स्फोटः कीदृशो भवति?
(A) सक्रमः (B) भेदवान्
(C) अक्रमः (D) वर्णानुपूर्वी
स्रोत–वाक्यपदीयम् (का048) - सूर्यनारायण शुक्ल, पेज–66

36. 'आनन्दमयोऽभ्यासात्' इत्यस्मिन् सूत्रे 'मयट्' प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे वर्तते?
(A) विकारार्थे (B) जनकार्थे
(C) कारणार्थे (D) प्राचुर्यार्थे
स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्-स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पेज–105

37. 'शास्त्रयोनित्वात्' इत्यस्मिन् सूत्रे 'योनिः' इत्यस्य शब्दस्य कोऽर्थः?
(A) जन्म (B) कारणम्
(C) कार्यम् (D) व्याख्या
स्रोत–ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, पेज–43

38. हेमचन्द्रसूरिः कस्य दर्शनस्य आचार्योऽस्ति?
(A) बौद्धदर्शनस्य (B) जैनदर्शनस्य
(C) चार्वाकदर्शनस्य (D) सांख्यदर्शनस्य
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–103

39. सांख्यकारिकानुसारं किं तत्त्वं प्रधानपुरुषयोः अन्तरं विशिनष्टि?
(A) मनः (B) बुद्धिः
(C) अहङ्कारः (D) ज्ञः
स्रोत– सांख्यकारिका (का0-37) - राकेशशास्त्री, पेज–109

40. सांख्यकारिकानुसारं करणं कतिविधम्
(A) षोडश (B) चतुर्दश
(C) सप्तदश (D) त्रयोदश
स्रोत–सांख्यकारिका (का0 32) - राकेशशास्त्री, पेज–98-99

41. 'तज्ज्ञानं पञ्चविधं मतिश्रुतावधिमनः पर्यायकेवलभेदेन' उक्तिरियं केन दर्शनेन सम्बद्धा अस्ति?
(A) आर्हतदर्शनेन (B) बौद्धदर्शनेन
(C) रामानुजदर्शनेन (D) न्यायदर्शनेन
स्रोत–सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज–119

42. वेदान्तसारानुसारं निर्विकल्पकस्य समाधेः कति विघ्नाः भवन्ति?
(A) त्रयः (B) पञ्च
(C) चत्वारः (D) षट्
स्रोत–वेदान्तसार - बद्रीनाथ शुक्ल, पेज–260

43. रुद्रदाम्नः शिलालेखः कुत्र विद्यते?
(A) प्रयागे (B) जूनागढे
(C) तक्षशिलायाम् (D) पाटलिपुत्रे
प्राचीन भारत के प्रमुख शिलालेख (भाग-1) - परमेश्वरी लाल गुप्ता, पेज–198

44. इलाहाबादशिलालेखे अस्य नाम नास्ति–
(A) रुद्रदेवः (B) शशाङ्कः
(C) चन्द्रवर्मा (D) नागदत्तः
प्राचीन भारत के प्रमुख शिलालेख (भाग-02)-परमेश्वरी लाल गुप्ता, पेज–11

45. खरोष्ठ्यां लिप्यां कस्य अभिलेखाः उपलभ्यन्ते?
(A) अशोकस्य (B) समुद्रगुप्तस्य
(C) कनिष्कस्य (D) खारवेलस्य
प्राचीन भारत के प्रमुख शिलालेख (भाग-1)-परमेश्वरी लाल गुप्ता, पेज–05

31. (A) **32.** (B) **33.** (D) **34.** (A) **35.** (C) **36.** (D) **37.** (B) **38.** (B) **39.** (B) **40.** (D) **41.** (A) **42.** (C) **43.** (B) **44.** (B) **45.** (A)

46. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत–

(क) लोके हि लोहेभ्यः कठिनतराः खलु स्नेहमया बन्धनपाशाः — (i) रत्नावली
(ख) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः — (ii) हर्षचरितम्
(ग) श्रीहर्षो निपुणः कविः परिषदप्येषा गुणग्राहिणी — (iii) मुद्राराक्षसम्
(घ) गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिताः — (iv) किरातार्जुनीयम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

स्रोत– (क) हर्षचरितम् - शिवनाथ पाण्डेय, पेज–06
(ख) किरातार्जुनीयम् (1/8)-रामसेवक दुबे, पेज–61
(ग) रत्नावली - श्रीकृष्णत्रिपाठी, पेज–7
(घ) मुद्राराक्षस-1/16

47. एषु किं रामायणाश्रितं भवति–

(A) नैषधीयचरितम् (B) किरातार्जुनीयम्
(C) शिशुपालवधम् (D) रघुवंशम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–116

48. एषु किं पर्व महाभारते नास्ति–

(A) द्रोणपर्व (B) भीष्मपर्व
(C) युधिष्ठिरपर्व (D) शल्यपर्व

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–117

49. महाभारताश्रितं न भवति–

(A) वेणीसंहारम् (B) दूतवाक्यम्
(C) मध्यमव्यायोगः (D) अभिषेकनाटकम्

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–129

50. 'ज्ञानविज्ञानयोगः' श्रीमद्भगवद्गीतायाः कतमोऽध्यायः–

(A) द्वितीयोऽध्यायः (B) तृतीयोऽध्यायः
(C) पञ्चमोऽध्यायः (D) सप्तमोऽध्यायः

स्रोत–संस्कृतगङ्गा संस्कृतसाहित्यम् - सर्वज्ञभूषणः, पेज–311

51. एषु कस्य महापुराणेषु अन्तर्भावो नास्ति–

(A) मत्स्यपुराणस्य (B) ब्रह्मपुराणस्य
(C) अग्निपुराणस्य (D) साम्बपुराणस्य

संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी, पेज–96

52. 'फलेन मूलेन च वारिभूरुहां मुनेरिवेत्थं मम यस्य वृत्तयः' - नैषधीयचरिते इयमुक्तिर्भवति–

(A) नलस्य (B) दमयन्त्याः
(C) हंसपत्न्याः (D) हंसस्य

स्रोत–नैषधीयचरितम् (1/133) - सुरेन्द्रदेव शास्त्री, पेज–268

53. 'पौरेषु सोऽहं बहुलीभवन्तमपां तरङ्गेष्विव तैलबिन्दुम्। सोढुं न तत्पूर्वमवर्णमीशे आलानिकं स्थाणुमिव द्विपेन्द्रः॥' रघुवंशे कस्येयमुक्तिः?

(A) लक्ष्मणस्य (B) रामस्य
(C) भरतस्य (D) शत्रुघ्नस्य

स्रोत–रघुवंशम् (14/38) - श्रीहरगोविन्द मिश्र, पेज–355

54. ''गतं तिरश्चीनमनूरुसारथेः प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः।'' - शिशुपालवधे अस्मिन् पद्यांशे 'अनूरुसारथिः' भवति–

(A) अग्निः (B) सूर्यः
(C) चन्द्रः (D) विद्युत्

स्रोत–शिशुपालवधम् (1/2) - देवनारायण मिश्र, पेज–4

55. ''ईदृशानां विपाकोऽपि जायते परमाद्भुतः'' - उत्तररामचरिते इयमुक्तिर्भवति–

(A) सीतायाः (B) मुरलायाः
(C) तमसायाः (D) लक्ष्मणस्य

स्रोत–उत्तररामचरितम् (3/3) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–160

56. मुद्राराक्षसे कौमुदीमहोत्सवः केन निषिद्धः?

(A) राक्षसेन (B) चन्द्रगुप्तेन
(C) चाणक्येन (D) मलयकेतुना

स्रोत–मुद्राराक्षसम् - पुष्पा गुप्ता, पेज–129

57. ''स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वममानुषीषु संदृश्यते किमुत याः प्रतिबोधवत्यः॥'' अभिज्ञानशाकुन्तले इयमुक्तिः कस्य?

(A) शार्ङ्गरवस्य (B) शारद्वतस्य
(C) दुष्यन्तस्य (D) सोमरातस्य

स्रोत–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/22) - कपिलदेव द्विवेदी, पेज–287

58. हर्षचरिते पञ्चमे उच्छ्वासे - 'विश्वस्तानां यशसा स्थातुमिच्छामि लोके न वपुषा' - इत्युक्तिर्भवति–

(A) हर्षवर्धनस्य (B) प्रभाकरवर्धनस्य
(C) यशोमत्याः (D) कुरङ्गकस्य

स्रोत–हर्षचरितम् - शिवनाथ पाण्डेय, पेज–108

59. ''सूरिभिः कथितः' इति विद्वदुपज्ञेयमुक्तिः।'' - अत्र विषये के तावत् आनन्दवर्धनमते प्रथमे विद्वांसः?

(A) मीमांसकाः (B) तार्किकाः
(C) कवयः (D) वैयाकरणाः

स्रोत–ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–53

60. ''क्रियायाः प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्तिः..........।'' काव्यप्रकाशानुसारेण कस्यालङ्कारस्य लक्षणमिदम्–

(A) उपमालङ्कारस्य (B) निदर्शनालङ्कारस्य
(C) विभावनालङ्कारस्य (D) उत्प्रेक्षालङ्कारस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश (सूत्र-161) - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–498

46. (B) **47.** (D) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (D) **51.** (D) **52.** (D) **53.** (B) **54.** (B) **55.** (B) **56.** (C) **57.** (C) **58.** (C) **59.** (D) **60.** (C)

61. ''ग्रामतरुणं तरुण्या नववञ्जुलमञ्जरीसनाथकरम्। पश्यन्त्या भवति मुहुर्नितरां मलिना मुखच्छाया।।'' काव्यप्रकाशे प्रथमोल्लासे श्लोकोऽयं कस्य काव्य-भेदस्य उदाहरणरूपेण उल्लिखितः?

(A) ध्वनिकाव्यस्य (B) गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यस्य
(C) शब्दचित्रकाव्यस्य (D) वाच्यचित्रकाव्यस्य

स्रोत–काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, पेज–31

62. दशरूपकानुसारेण – (साहित्यदर्पणानुसारेण) 'अल्पमात्रं समुद्दिष्टं बहुधा यद्विसर्पति। फलावसानं यच्चैव ....।' तत् किम् अभिधीयते?

(A) बीजम् (B) बिन्दुः
(C) पताका (D) प्रकरी

स्रोत–साहित्यदर्पण (6/65) - शालिग्राम शास्त्री, पेज–182

63. दशरूपकमतानुसारं दृष्टनष्टस्य बीजस्य अन्वेषणं भवति–

(A) मुखसन्धिः (B) गर्भसन्धिः
(C) प्रतिमुखसन्धिः (D) निर्वहणसन्धिः

स्रोत–दशरूपक (1/36) - रमाशङ्कर त्रिपाठी, पेज–55

64. आसु कस्याः वक्रतामध्ये गणनं नास्ति?

(A) वर्णविन्यासवक्रतायाः (B) समासवक्रतायाः
(C) पदपूर्वार्द्धवक्रतायाः (D) प्रकरणवक्रतायाः

स्रोत–वक्रोक्तिजीवितम् - राधेश्याम मिश्र, भू0 पेज–24

65. राजशेखरेण काव्यमीमांसायां दोषाधिकरण-विषये कस्य ग्रन्थकारस्य नाम उल्लिखितम्?

(A) सुवर्णनाभस्य (B) शेषस्य
(C) धिषणस्य (D) भरतस्य

स्रोत–काव्यमीमांसा - गंगासागर राय, पेज–02

66. ''दुःखार्तानां श्रमार्तानां शोकार्तानां तपस्विनाम्। ...... लोके नाट्यमेतद्भविष्यति।।'' नाट्यशास्त्रतः रिक्तस्थानं पूरयत–

(A) मोक्षप्रदायकम् (B) ज्ञानप्रदायकम्
(C) आह्लादजननम् (D) विश्रामजननम्

स्रोत–नाट्यशास्त्र (1/114) - ब्रजमोहनचतुर्वेदी, पेज–113

67. ''मित्रात्रिपुत्रनेत्राय त्रयीशात्रवशत्रवे। गोत्रारिगोत्रजत्राय गोत्रात्रे ते नमो नमः।।'' रसगङ्गाधरे प्रथमे आनने श्लोकोऽयम् उदाहरणं भवति–

(A) उत्तमकाव्यस्य (B) अधमकाव्यस्य
(C) उत्तमोत्तमकाव्यस्य (D) मध्यमकाव्यस्य

स्रोत–रसगङ्गाधर - मदनमोहन झा, पेज–79

68. ''यत्र व्यङ्ग्यमप्रधानमेव सच्चमत्कारकारणम्'' जगन्नाथमते तत् भवति–

(A) मध्यमकाव्यम् (B) उत्तमोत्तमकाव्यम्
(C) उत्तमकाव्यम् (D) अधमकाव्यम्

स्रोत–रसगङ्गाधर - मदन मोहन झा, पेज–66

69. कौटिल्यार्थशास्त्रोल्लेखानुसारं एषु कः कोपात् विननाश इति उल्लिखितः?

(A) अजबिन्दुः (B) रावणः
(C) करालः (D) जनमेजयः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–16

70. कौटिलीयार्थशास्त्रे सर्वविद्यानां प्रदीपः, सर्वकर्मणाम् उपायः सर्वधर्माणां च आश्रयः का विद्या प्रोक्ता?

(A) आन्वीक्षिकी (B) त्रयी
(C) वार्ता (D) दण्डनीतिः

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–09

71. कौटिलीयार्थशास्त्रे एतत् वैश्यस्य स्वधर्मो न भवति–

(A) याजनम् (B) दानम्
(C) अध्ययनम् (D) यजनम्

स्रोत–कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज–10

72. याज्ञवल्क्यमते गृहीतवेतनः कर्म त्यजन्–

(A) चतुर्गुणमावहेत् (B) त्रिगुणमावहेत्
(C) पञ्चगुणमावहेत् (D) द्विगुणमावहेत्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/193) - उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–334

73. स्मृत्योर्विरोधे न्यायस्तु बलवान् व्यवहारतः। अर्थशास्त्रात्तु बलवद् .... इति स्थितिः।। –याज्ञवल्क्यसंहितातः रिक्तं स्थानं पूरयत।

(A) राजादेशः (B) धर्मशास्त्रम्
(C) नृपस्येच्छा (D) नीतिशास्त्रम्

स्रोत–याज्ञवल्क्यस्मृति (2/21) उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज–183

74. मनुसंहितानुसारं एषु कस्य क्रोधजव्यसने गणनं न भवति–

(A) दिवास्वप्नस्य (B) वाक्पारुष्यस्य
(C) साहसस्य (D) दण्डपारुष्यस्य

स्रोत–मनुस्मृति (7/48)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–461

75. मनुसंहितातः रिक्तं स्थानं पूरयत– वेदः स्मृतिः .... स्वस्य च प्रियमात्मनः। एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम्।।

(A) उपकारः (B) अपकारः
(C) सदाचारः (D) परम्परा

स्रोत–मनुस्मृति (2/12)-शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज–120

61. (B) **62.** (A) **63.** (B) **64.** (B) **65.** (C) **66.** (D) **67.** (B) **68.** (C) **69.** (D) **70.** (A) **71.** (A) **72.** (D) **73.** (B) **74.** (A) **75.** (C)

55	नवम्बर 2017	CBSE UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत
प्रश्नपत्रम् - II

सूचना :- इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

सूचना :- अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत्** परिमिताः **(50)** बहु-वैकल्पिकाः प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य **अङ्कद्वयं** वर्तते। **सर्वे** प्रश्नाः समाधेयाः।

1. **ऋग्वेदे प्रथमसूक्तस्य द्रष्टा कः?**
(A) कण्वः (B) विश्वामित्रः
(C) मधुच्छन्दाः (D) गृत्समदः

स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-47

2. **सायणाचार्येण कस्य वेदस्य व्याख्यानं सर्वान्ते कृतम्?**
(A) ऋग्वेदस्य (B) यजुर्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-24,25

3. **'स्वधा अवस्तात् प्रयतिः परस्तात्'-इति कुत्र वर्णितम्?**
(A) इन्द्रसूक्ते (B) पितृसूक्ते
(C) हिरण्यगर्भसूक्ते (D) नासदीयसूक्ते

स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (10.129.5)- हरिदत्त शास्त्री, पेज- 436

4. **ऋग्वेदे 'रुशद्वत्सा' इति कस्याः विशेषणम्?**
(A) सरस्वत्याः (B) उषसः
(C) नद्याः (D) रात्र्याः

स्रोत- निरुक्त- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-212-213

5. **सपत्नक्षयणो मणिः कस्मिन् सूक्ते उपदिश्यते?**
(A) पृथिवीसूक्ते (B) इन्द्रसूक्ते
(C) राष्ट्राभिवर्द्धनसूक्ते (D) सोमसूक्ते

स्रोत- अथर्ववेद राष्ट्राभिवर्द्धनसूक्त (1.29.6)

6. **'यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवम्'- इत्यत्र उव्वटमतेन 'दैवम्' पदस्य कोऽर्थः?**
(A) देवो विज्ञानात्मा सोऽनेन गृह्यत इति दैवम्
(B) देवो ज्ञानकर्ता सोऽनेन ज्ञानी इति दैवम्
(C) देवो यज्ञे एव दीप्यते तद् द्रव्यम् दैवम्
(D) देवो गृहे गृहे निर्मलीकरोति तज्जलं दैवम्

स्रोत- वैदिकसूक्तसंग्रह (यजु0-34.2)- विजयशंकर पाण्डेय, पेज-52

7. **निम्नाङ्कितेषु प्रकृतिपाठः कः?**
(A) मालापाठः (B) रेखापाठः
(C) पदपाठः (D) दण्डपाठः

स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज-198

8. **निचृद्गायत्रीच्छन्दसि कियन्तो वर्णा भवन्ति पिङ्गलदिशा?**
(A) 22 (B) 23
(C) 24 (D) 25

स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-203

9. **'रात्रीभिरस्मा अहभिर्दशस्य'- इति कुत्र वर्णितम्?**
(A) सूर्यसूक्ते (B) यमयमीसूक्ते
(C) रात्रिसूक्ते (D) कालसूक्ते

स्रोत- ऋग्वेद (10.10.9) यम-यमी सूक्त

10. **कठारण्यकं केन वेदेन सम्बद्धं वर्तते?**
(A) ऋग्वेदेन (B) शुक्लयजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-51

11. **'इदं विद्यास्थानं व्याकरणस्य कात्स्न्र्यं स्वार्थसाधकञ्च'- इत्युक्तिः कुत्र प्राप्यते?**
(A) पाणिनीयशिक्षायाम् (B) निरुक्ते
(C) ऋक्प्रातिशाख्ये (D) सिद्धान्तकौमुद्याम्

स्रोत- निरुक्त (1/5) - छज्जूराम शास्त्री, पेज- 41

1-C	2-D	3-D	4-B	5-C	6-A	7-C	8-B	9-B	10-D	11-B

12. 'ओरायन'- ग्रन्थस्य लेखकः कः?
(A) शङ्करपाण्डुरङ्गपण्डितः
(B) बालगङ्गाधरतिलकः
(C) शङ्करबालकृष्णदीक्षितः
(D) विन्टरनित्सः
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-30

13. 'दमूना' इति कस्य देवस्य विशेषणम्?
(A) इन्द्रस्य (B) अग्नेः
(C) वरुणस्य (D) रुद्रस्य
स्रोत-ऋक्सूक्तसंग्रह- हरिदत्त शास्त्री, भूमिका पेज-14

14. 'य एक इद्धव्यः चर्षणीनामिन्द्रम्' - मन्त्रेऽस्मिन् कस्यार्षम्?
(A) भरद्वाजस्य (B) वामदेवस्य
(C) अत्रेः (D) कण्वस्य
स्रोत- ऋग्वेद (6.22.1)- वेदान्त तीर्थ, पेज-457

15. धातुं प्रत्ययं प्रत्ययान्तं च वर्जयित्वार्थवच्छब्दस्वरूपं किम्भवति?
(A) पदसञ्ज्ञम् (B) प्रातिपदिकसञ्ज्ञम्
(C) संहितासञ्ज्ञम् (D) घिसञ्ज्ञम्
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गीताप्रेस, पेज-32

16. 'द्रोणो व्रीहिः' इत्यत्र 'द्रोण' शब्दोत्तरप्रथमा विभक्तिः कस्मिन्नर्थे भवति?
(A) प्रातिपदिकार्थमात्रे (B) लिङ्गमात्राधिक्ये
(C) परिमाणमात्राधिक्ये (D) वचनमात्रे
स्रोत- सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)- राममुनि पाण्डेय,पेज-24

17. 'गतिबुद्धिप्रत्यवसानार्थशब्दकर्माकर्मकाणामणि कर्ता स णौ' इति सूत्रस्य प्रत्यवसानार्थे किमुदाहरणम्?
(A) आशयच्चामृतं देवान् (B) वेदमध्यापयद्विधिम्
(C) आसयत् सलिले पृथ्वीम् (D) वेदार्थं स्वानवेदयत्
स्रोत- सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)- राममुनि पाण्डेय, पेज-36-37

18. 'नमस्कुर्मो नृसिंहाय' इत्यत्र अप्रयुज्यमानस्य तुमुनः कर्मणि चतुर्थीविधायकम् अनुशासनं किमस्ति?
(A) तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या
(B) तुमर्थाच्च भाववचनात्
(C) क्रियार्थोपपदस्य च कर्मणि स्थानिनः
(D) नमः-स्वस्ति-स्वाहा-स्वधाऽलं-वषड्योगाच्च
स्रोत- सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) राममुनि पाण्डेय, पेज-75

19. अष्टौ च दश चेति विग्रहे 'अष्टादश' इति प्रयोगे आकारान्तादेशः केन विधीयते?
(A) 'आन्महतः समानाधिकरणजातीययोः' इत्यनेन
(B) 'अष्टनः कपाले हविषि' इत्यनेन
(C) 'विभाषा चत्वारिंशत्प्रभृतौ सर्वेषाम्' इत्यनेन
(D) 'द्वयष्टनः सङ्ख्यायामबहुव्रीह्यशीत्योः' इत्यनेन
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-4) पेज- 166

20. 'परार्थाभिधानं वृत्तिः' इति वृत्तिलक्षणं कस्मिन् प्रयोगे न प्रवर्तते?
(A) विद्यते (B) कुम्भकारः
(C) औपगवः (D) पीताम्बरः
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग- 4) पेज- 10-11

21. 'हरि-शब्दस्य प्रकाशः' 'इतिहरि' इत्यत्र 'अव्ययं विभक्ति'---- इत्यादिना कस्मिन्नर्थेऽव्ययीभावः?
(A) विभक्त्यर्थे (B) शब्दप्रादुर्भावे
(C) यौगपद्ये (D) अर्थाभावे
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग- 4) पेज- 32

22. 'यतश्च निर्धारणम्' इति सूत्रेण जातिविशिष्टसमुदायादेकस्य निर्धारणे विहितायाः षष्ठ्याः किमुदाहरणम्?
(A) गवां कृष्णा बहुक्षीरा (B) गच्छतां धावन् शीघ्रः
(C) नृणां द्विजः श्रेष्ठः (D) छात्राणां मैत्रः पटुः
स्रोत- सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण) - राममुनि पाण्डेय, पेज-101

23. चीनीभाषा निम्नलिखितेषु कस्मिन् वर्गे वर्तते?
(A) श्लिष्टयोगात्मके (B) अश्लिष्टयोगात्मके
(C) प्रश्लिष्टयोगात्मके (D) अयोगात्मके
स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 357

24. ग्रीकभाषा कस्य परिवारस्य भाषा वर्तते?
(A) सामीपरिवारस्य (B) हामीपरिवारस्य
(C) भारोपीयपरिवारस्य (D) बान्तूपरिवारस्य
स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 378

25. निम्नलिखितासु का भाषा 'केन्तुम्' वर्गस्य नास्ति?
(A) ग्रीकभाषा (B) केल्टिकभाषा
(C) जर्मनभाषा (D) रूसीभाषा
स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 385

12-B	13-B	14-A	15-B	16-C	17-A	18-C	19-D	20-A	21-B
22-C	23-D	24-C	25-D						

26. 'अश्वः' इत्यस्य शब्दस्य 'अवेस्ता' भाषायां किं रूपं विद्यते?
(A) अश्वः (B) अश्वो
(C) अश्पः (D) अस्पो
स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 417

27. सञ्ज्ञासञ्ज्ञिसम्बन्धप्रतीतिः किमुच्यते न्यायनये?
(A) अनुमितिः (B) उपमितिः
(C) प्रत्यक्षम् (D) शब्दः
स्रोत- तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री, पेज- 120

28. तुरी-वेमादिकं न्यायनये पटस्य कीदृशं कारणं मन्यते?
(A) निमित्तकारणम्
(B) समवायिकारणम्
(C) समवाय्यसमवायिकारणम्
(D) असमवायिकारणम्
स्रोत- तर्कभाषा-श्रीनिवास शास्त्री, पेज- 43

29. तर्कसङ्ग्रहदिशा अन्वय-व्यतिरेकदृष्टान्तरहितो हेत्वाभासः कः?
(A) अनुपसंहारी (B) साधारणः
(C) असाधारणः (D) विरुद्धः
स्रोत- तर्कसंग्रह-आद्याप्रसाद मिश्र, पेज- 63

30. 'वह्निरनुष्णो द्रव्यत्वात्' इत्युदाहरणं कस्य हेत्वाभासस्य?
(A) आश्रयासिद्धहेत्वाभासस्य
(B) व्याप्यत्वासिद्धहेत्वाभासस्य
(C) स्वरूपासिद्धहेत्वाभासस्य
(D) बाधितहेत्वाभासस्य
स्रोत- तर्कसंग्रह-गोविन्दाचार्य, पेज- 229

31. वेदान्तसारानुसारं 'नित्यनैमित्तिकप्रायश्चित्तोपासनानां त्ववान्तरफलम्' किम्?
(A) स्वर्गलोकप्राप्तिः (B) पितृलोकसत्यलोकप्राप्तिः
(C) शरीरशुद्धिः (D) पापकर्मफलविनाशः
स्रोत- वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज- 18

32. वेदान्तसारस्य 'विद्वन्मनोरञ्जनी' इति नाम्न्याः टीकायाः रचयिता कोऽस्ति?
(A) सदानन्दः (B) नृसिंह सरस्वती
(C) रामतीर्थः (D) कृष्णतीर्थः
स्रोत- वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, भू.पेज- XVII

33. विज्ञानमयकोशः किं भवति?
(A) निर्गुणं ब्रह्म
(B) सगुणं ब्रह्म
(C) ज्ञानेन्द्रियसहिता बुद्धिः
(D) ज्ञानेन्द्रियसहितं मनः
स्रोत- वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज- 68

34. 'अखण्डवस्त्वनवलम्बनेन चित्तवृत्तेर्निद्रा' स्थितिरियं समाधेः कीदृशो विघ्नः?
(A) विक्षेपः (B) कषायः
(C) लयः (D) रसास्वादः
स्रोत- वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज- 179

35. सांख्यकारिकानुसारं सृष्टेरुत्पत्तिः कस्माद् भवति?
(A) असतः (B) सतः
(C) नासतः न सतः (D) पुरुषात्
स्रोत- सांख्यतत्त्वकौमुदी प्रभा (का0-9)- आद्याप्रसाद मिश्र, पेज- 153

36. पुरुषस्य सत्ता कस्मात् सिद्ध्यति?
(A) कारणभावात् (B) कार्यभावात्
(C) भोक्तृभावात् (D) उत्पत्तिभावात्
स्रोत- सांख्यकारिका (का. 17) - राकेश शास्त्री, पेज- 56

37. सांख्यदर्शनानुसारं करणं कतिविधं वर्तते?
(A) चतुर्दशविधम् (B) षोडशविधम्
(C) एकादशविधम् (D) त्रयोदशविधम्
स्रोत- सांख्यकारिका (का.32) राकेश शास्त्री, पेज- 98

38. 'स्वालक्षण्यं वृत्तिस्त्रयस्य सैषा भवत्यसामान्या' इत्यस्यां पङ्क्तौ 'त्रय' इत्यनेन पदेन किमभिधीयते?
(A) बुद्धिः अहङ्कारः मनश्च
(B) मनः ज्ञानेन्द्रियाणि कर्मेन्द्रियाणि च
(C) पञ्चतन्मात्राणि पञ्चमहाभूतानि पञ्चप्राणाश्च
(D) पुरुषः अव्यक्तम् व्यक्तम् च
स्रोत- सांख्यकारिका (का. 29) राकेश शास्त्री, पेज- 89

26-D	27-B	28-A	29-A	30-D	31-B	32-C	33-C	34-C	35-B
36-C	37-D	38-A							

39. समीचीनां तालिकां चिनुत-

(a) मेघदूतम् (i) भट्टनारायणः
(b) रत्नावली (ii) अश्वघोषः
(c) वेणीसंहारः (iii) कालिदासः
(d) बुद्धचरितम् (iv) हर्षः

(a) (b) (c) (d)
(A) (iv) (iii) (ii) (i)
(B) (iii) (i) (ii) (iv)
(C) (iii) (iv) (i) (ii)
(D) (iii) (iv) (ii) (i)

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज- 332

40. बुद्धचरिते सिद्धार्थस्य हृदि संवेगोत्पत्तौ प्रथमं कारणं किं वर्णितम्?

(A) रुग्णस्य दर्शनम् (B) वृद्धस्य दर्शनम्
(C) मृतस्य दर्शनम् (D) उद्यानस्य दर्शनम्

स्रोत- बुद्धचरितम् (3.26)

41. दशकुमारचरिते सुरतमञ्जर्याः उपाख्यानमस्ति-

(A) राजवाहनचरिते (B) अपहारवर्मचरिते
(C) पुष्पोद्भवचरिते (D) उपहारवर्मचरिते

स्रोत- दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वासः) विश्वनाथ झा, पेज- 10

42. शिशुपालवधस्य सर्गसंख्या भवति-

(A) ऊनविंशतिः (B) विंशतिः
(C) एकविंशतिः (D) द्वाविंशतिः

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', पेज- 262

43. एषु किं खण्डकाव्यं भवति?

(A) मेघदूतम् (B) शिशुपालवधम्
(C) कादम्बरी (D) किरातार्जुनीयम्

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकरशर्मा 'ऋषि',पेज- 332

44. अभिज्ञानशाकुन्तले धीवरवृत्तान्तः कस्य उदाहरणम्?

(A) प्रवेशकस्य (B) विष्कम्भकस्य
(C) अङ्कावतारस्य (D) अङ्कमुखस्य

स्रोत- अभिज्ञानशाकुन्तलम्- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 317

45. मृच्छकटिके चारुदत्तस्य पुत्रः अस्ति-

(A) चन्दनकः (B) रोहितः
(C) रोहसेनः (D) आर्यकः

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 494

46. ''नारिकेलफलसम्मितं वचः'' इति कस्य कवेः विषये प्रोक्तम्?

(A) माघस्य (B) भारवेः
(C) कालिदासस्य (D) श्रीहर्षस्य

स्रोत-संस्कृत साहित्य का प्रामाणिक इतिहास- रमाशंकर त्रिपाठी, पेज- 150

47. साहित्यदर्पणानुसारेण एतेषु कस्य रूपकमध्ये गणना नास्ति?

(A) प्रकरणस्य (B) त्रोटकस्य
(C) व्यायोगस्य (D) भाणस्य

स्रोत- साहित्यदर्पण (6/3) - शालिग्राम शास्त्री, पेज- 170

48. साहित्यदर्पणे ''कुन्देन्दुसुन्दरच्छायः'' इति कस्य रसस्य वर्णः वर्णितः?

(A) वीरस्य (B) हास्यस्य
(C) शृङ्गारस्य (D) शान्तस्य

स्रोत- साहित्यदर्पण (3.246) शालिग्राम शास्त्री, पेज- 121

49. साहित्यदर्पणे साकल्येन कतिप्रकारा लक्षणा प्रोक्ता?

(A) अशीतिः (B) षोडश
(C) द्वात्रिंशत् (D) अष्ट

स्रोत- साहित्यदर्पण- सत्यव्रत सिंह, पेज- 74

50. साहित्यदर्पणानुसारेण रिक्तं स्थानं पूरयत-
''.......स्याद् योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः।''

(A) लक्षणा (B) अभिधा
(C) व्यञ्जना (D) वाक्यम्

स्रोत- साहित्यदर्पण, भवानीशङ्करशर्मा, पेज- 171

39-C	40-B	41-A	42-B	43-A	44-A	45-C	46-B	47-B	48-D
49-A	50-D								

56	नवम्बर 2017	CBSE UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् III

1. 'मया सो अन्नमत्ति यो विपश्यति' इति कस्य ऋग्वेदीयसूक्तस्य अंशः?
(A) अग्निसूक्तस्य (B) वाक्सूक्तस्य
(C) इन्द्रसूक्तस्य (D) नासदीयसूक्तस्य
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह- हरिदत्त शास्त्री, पेज-419

2. 'हिरण्यगर्भसूक्तम्' ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले आयाति?
(A) प्रथमे (B) अष्टमे
(C) नवमे (D) दशमे
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह- हरिदत्त शास्त्री, पेज-405

3. ऋग्वेदस्य भाष्यकारः कः?
(A) महीधरः (B) स्कन्दस्वामी
(C) हलायुधः (D) भट्टभास्करः
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-22

4. 'व्रात्यकाण्डम्' कस्मिन् वेदे प्राप्यते?
(A) अथर्ववेदे (B) सामवेदे
(C) ऋग्वेदे (D) यजुर्वेदे
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-104

5. शुनःशेपस्य आख्यानं कुत्र प्राप्यते ?
(A) ऐतरेयब्राह्मणे (B) तैत्तिरीयब्राह्मणे
(C) शतपथब्राह्मणे (D) ताण्ड्यब्राह्मणे
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-120,121

6. वेदस्य नासिकास्थानीयमङ्गं किमस्ति ?
(A) शिक्षा (B) ज्योतिषम्
(C) निरुक्तम् (D) व्याकरणम्
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-190

7. 'यज्ञस्य देवमृत्विजम्' इत्यत्र देवम् इति पदं कीदृशमस्ति?
(A) आद्युदात्तम् (B) मध्योदात्तम्
(C) अन्तोदात्तम् (D) सर्वानुदात्तम्
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (अग्निसूक्त 1.1.1) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-55

8. स्वरितपरे अनुदात्ताः किमुच्यन्ते ?
(A) उदात्ताः (B) स्वरिताः
(C) प्रचयाः (D) अनुदात्ताः
स्रोत- ऋग्वेदप्रातिशाख्य (स्वरपटल -19) - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज-230

9. 'भवाति' इति कस्मिन् लकारे रूपमस्ति ?
(A) लेट् (B) लोट्
(C) लङ् (D) लुङ्
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-321

10. सामवेदस्य ब्राह्मणमस्ति ?
(A) गोपथब्राह्मणम् (B) शांखायनब्राह्मणम्
(C) संहितोपनिषद्ब्राह्मणम् (D) शतपथब्राह्मणम्
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-10

11. बृहदारण्यकम् केन वेदेन सम्बद्धमस्ति ?
(A) ऋग्वेदेन (B) यजुर्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) अथर्ववेदेन
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-09

12. 'अरा इव रथनाभौ संहता यत्र नाड्यः' इत्युक्तिः कुत्र विद्यते ?
(A) मुण्डकोपनिषदि (B) कठोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) छन्दोग्योपनिषदि
स्रोत- ईशादि नौ उपनिषद्- गीताप्रेस, पेज-260

13. अतिमुक्तिः कुत्र वर्णिता ?
(A) ईशावास्योपनिषदि (B) ऐतरेयोपनिषदि
(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) प्रश्नोपनिषदि
स्रोत- बृहदारण्यकोपनिषद् (गीताप्रेस) पेज-627

14. 'आत्मा वा इदमेक एवाग्र आसीत्' - इत्युक्तिः कुत्र प्राप्यते ?
(A) ईशावास्योपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) ऐतरेयोपनिषदि (D) मुण्डकोपनिषदि
स्रोत- ईशादि नौ उपनिषद् - ऐतरेयोपनिषद् (1.1.1), पेज-300

15. 'अन्नं बहु कुर्वीत'-अयमुपदेशः कुत्र प्राप्यते ?
(A) ईशावास्योपनिषदि (B) तैत्तिरीयोपनिषदि
(C) छान्दोग्योपनिषदि (D) प्रश्नोपनिषदि
स्रोत- तैत्तिरीयोपनिषद् (भृगुवल्ली, नवम अनुवाक),पेज- 419

16. 'मृगो न भीमः कुचरो गिरिष्ठाः'- इत्यत्र 'न' कीदृशः?
(A) उपमार्थीयः (B) प्रतिषेधार्थीयः
(C) विचिकित्सार्थीयः (D) समुच्चयार्थः
स्रोत- निरुक्त- छज्जूराम शास्त्री, पेज- 59

1-B	2-D	3-B	4-A	5-A	6-A	7-C	8-C	9-A	10-C
11-B	12-A	13-C	14-C	15-B	16-A				

17. 'पुरुषः'- इति पदस्य निर्वचने किं नास्ति ?
(A) पुरिषादः (B) परुषः
(C) पुरिशयः (D) पूरयतेः
स्रोत- निरुक्तम् - छज्जूराम शास्त्री, पेज- 70

18. 'धर्मसूत्रम्'- केन वेदाङ्गेन सह सम्बद्धमस्ति ?
(A) शिक्षावेदाङ्गेन (B) कल्पवेदाङ्गेन
(C) व्याकरणवेदाङ्गेन (D) निरुक्तवेदाङ्गेन
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-214

19. निरुक्तदिशा पदजातानि कति सन्ति ?
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्
स्रोत- निरुक्त- आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 18

20. अथर्ववेदस्य किं गृह्यसूत्रम् अस्ति ?
(A) खादिरगृह्यसूत्रम् (B) कात्यायनगृह्यसूत्रम्
(C) कौशिकगृह्यसूत्रम् (D) वैखानसगृह्यसूत्रम्
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज -10

21. ऋग्वेदप्रातिशाख्यस्य प्रवक्ता कः अस्ति ?
(A) शौनकः (B) उवटः
(C) कात्यायनः (D) अनन्तभट्टः
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 197

22. 'स्वरान्तरे व्यञ्जनानि' कस्याङ्गं भवन्ति ऋक्प्रातिशाख्यमते?
(A) पूर्वस्य (B) उत्तरस्य
(C) अपूर्वस्य (D) मध्यस्य
स्रोत- ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज- 62

23. ऋक्प्रातिशाख्यदिशा व्यञ्जनानामाद्याः किं भवन्ति ?
(A) अन्तःस्थाः (B) ऊष्माणः
(C) सन्ध्यक्षराणि (D) स्पर्शाः
स्रोत- ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्- वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज- 51

24. ऋक्प्रातिशाख्यमतेन वक्ष्यमाणेषु सोष्मवर्णः कः ?
(A) ह (B) श
(C) ष (D) झ
स्रोत- ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्- वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज- 55

25. 'आर्ष्टिषेणः' इत्यत्र कियान् स्वरभक्तिकालः ?
(A) एकमात्राकालः (B) अर्धमात्राकालः
(C) पादमात्राकालः (D) द्विमात्राकालः
स्रोत- ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्- वीरेन्द्र कुमार वर्मा, पेज- 69

26. पाणिनीयशिक्षानुसारं स्वरितस्वरोच्चारणकाले हस्तप्रदर्शनविधिः कुत्र विधातव्यः ?
(A) कर्णमूले (B) हृदि
(C) मूर्ध्नि (D) सर्वास्ये कोऽर्थः
स्रोत- पाणिनीयशिक्षा, श्लोक - 48

27. कथं ज्ञायते महाभाष्यदृष्ट्या 'सिद्धः शब्दोऽर्थः सम्बन्धश्चे' ति?
(A) अर्थक्रियार्थिभ्यः (B) लोकतः
(C) शास्त्रतः (D) कोशतः
स्रोत- महाभाष्य- जयशंकर प्रसाद त्रिपाठी, पेज- 91

28. 'पदे न वर्णा विद्यन्ते वर्णेष्ववयवा न च ।
वाक्यात् पदानामत्यन्तं प्रविवेको न कश्चन ॥' अनया कारिकया भर्तृहरिः किं बोधितवान्?
(A) वर्णानां सत्यत्वम् (B) पदानां सत्यत्वम्
(C) वाक्यस्य सत्यत्वम् (D) सर्वेषां सत्यत्वम्
स्रोत- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड का.-73) सूर्यनारायण शुक्ल, पेज- 81

29. 'एध्' धातोः लुङि उत्तमपुरुषैकवचने कः प्रयोगः?
(A) ऐधिषि (B) एधिषीय
(C) ऐधिष्ये (D) ऐधे
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज- 495

30. 'भवती' त्यर्थे 'यत्' प्रत्ययान्तः कः प्रयोगः?
(A) भव्यम् (B) भव्यः
(C) भाव्यम् (D) भाव्यः
स्रोत- अष्टाध्यायी (3.4.68) - ईश्वरचन्द्र, पेज- 406

31. एषु 'मतुप्' प्रत्ययान्तोऽशुद्धः प्रयोगोऽन्वेष्टव्यः ?
(A) यववान् (B) ज्ञानवान्
(C) विद्यावान् (D) लक्ष्मीवान्
स्रोत- अष्टाध्यायी- ईश्वरचन्द्र (भाग-2), पेज- 1022

32. स्त्रियां 'सीमन्' शब्दस्य प्रथमायां कः प्रयोगो भवति?
(A) सीमन् (B) सीम्नी
(C) सीमा (D) सीमना
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या भाग-6), पेज- 90,91

33. 'वृद्धो जनो दुःखशतानि भुङ्क्ते' इत्यत्रात्मनेपद-विधायकं सूत्रं किम्?
(A) भावकर्मणोः (B) अकर्मकाच्च
(C) कर्तृस्थे चाशरीरे कर्मणि (D) भुजोऽनवने
स्रोत- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (1.3.66) - गोविन्दाचार्य, पेज- 424

17-B	18-B	19-B	20-C	21-A	22-B	23-D	24-D	25-C	26-A	27-B
28-C	29-A	30-B	31-A	32-C	33-D					

34. 'अख्यातोपयोगे' इत्यत्र प्रयुक्तस्योपयोगशब्दस्य कोऽर्थः?
(A) वक्ता
(B) नियमपूर्वकविद्यास्वीकारः
(C) नियतकालं भृत्या स्वीकरणम्
(D) अन्यकर्तृकोऽभिलाषः
स्रोत- कारकप्रकरण (1.4.29) - राममुनि पाण्डेय, पेज- 83

35. 'अरबी' भाषा कस्य भाषापरिवारस्य भाषा अस्ति?
(A) सामीपरिवारस्य (B) हामीपरिवारस्य
(C) काकेशीपरिवारस्य (D) हित्तीपरिवारस्य
स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 402

36. कलिङ्गराजखारवेलस्य उल्लेखः कस्मिन्नभिलेखे वर्तते?
(A) एहोल-शिलालेखे (B) हाथीगुम्फालेखे
(C) गिरनारलेखे (D) जूनागढलेखे
स्रोत- प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख (भाग-1)- परमेश्वरीलाल गुप्त, पेज- 102

37. निम्नलिखितेषु कस्यैकोऽभिलेखो यूनानीलिप्यां वर्तते?
(A) समुद्रगुप्तस्य (B) पुलकेशिनः
(C) अशोकस्य (D) रुद्रदाम्नः
स्रोत- प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख- परमेश्वरीलाल गुप्त, पेज- 5

38. अधोलिखितानां 'केन सह कस्य सम्बन्ध' इति समीचीनां तालिकां चिनुत ।

(क)	नैयायिकाः	1	प्रामाण्यं स्वतोऽप्रामाण्यं परतः
(ख)	पूर्वमीमांसकाः	2	प्रामाण्याप्रामाण्ये परतः
(ग)	जैनाः	3	अप्रामाण्यं स्वतः प्रामाण्यं परतः
(घ)	बौद्धाः	4	प्रामाण्याप्रामाण्ये स्वतः

	क	ख	ग	घ
(A)	2	1	4	3
(B)	3	2	1	4
(C)	4	3	2	1
(D)	1	2	3	4

स्रोत- तर्कभाषा- आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 130

39. तर्कसंग्रहदीपिकायामीश्वरस्य लक्षणं किमुक्तम्?
(A) ज्ञानाधिकरणत्वम् (B) नित्यज्ञानाधिकरणत्वम्
(C) प्रत्यक्षग्राह्यत्वम् (D) सुखादिमत्त्वम्
स्रोत- तर्कसंग्रह- गोविन्दाचार्य, पेज- 73

40. न्यायसिद्धान्तमुक्तावलीरीत्याऽनुमितौ व्याप्तिज्ञानं किम्भवति?
(A) व्यापारः (B) परामर्शः
(C) पक्षः (D) करणम्
स्रोत- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली- महानन्द झा, पेज- 10

41. 'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' इति धर्मलक्षणे लौगाक्षिभास्करेण 'अर्थ' पदोपादानं किमर्थम्?
(A) स्वर्गादिप्रयोजनेऽतिव्याप्तिवारणाय
(B) भोजनादावतिव्याप्तिवारणाय
(C) श्येनयागादावतिव्याप्तिवारणाय
(D) हस्तप्रक्षालनादावतिव्याप्तिवारणाय
स्रोत- अर्थसंग्रह- राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज- 15,17

42. बौद्धानां कति प्रस्थानानि प्रसिद्धानि सन्ति ?
(A) चत्वारि (B) त्रीणि
(C) पञ्च (D) षड्
स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 88

43. बौद्धदर्शनानुसारं चित्तस्कन्धः कतिविधः?
(A) चतुर्विधः (B) पञ्चविधः
(C) षड्विधः (D) सप्तविधः
स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 75

44. 'ईक्षतेर्नाशब्दम्' इत्यस्मिन् सूत्रे निम्नलिखितेषु शाङ्करभाष्यानुसारं किं मतं निरस्यते ?
(A) ब्रह्म जगतः कारणमस्ति
(B) प्रधानं जगतः कारणमस्ति
(C) ब्रह्म सर्वज्ञमस्ति सर्वकारणात्
(D) ईक्षणशक्तिर्ब्रह्मणि नास्ति
स्रोत- ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (1/5) - सत्यानन्द सरस्वती, पेज- 83

45. 'तद् ब्रह्म सर्वज्ञं सर्वशक्तिजगदुत्पत्तिस्थितिलयकारणम्' इत्यवबोधः शाङ्करभाष्यानुसारं कस्माद् भवति ?
(A) प्रत्यक्षदर्शनात् (B) वेदान्तशास्त्रात्
(C) जगद्वैचित्र्यात् (D) कारणकार्यभावात्
स्रोत- ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (1/4), सत्यानन्द सरस्वती, पेज- 49

46. 'दृग्दर्शनशक्त्योरेकात्मता' इति लक्षणं योगसूत्रे कस्य विद्यते?
(A) अविद्यायाः (B) अभिनिवेशस्य
(C) अस्मितायाः (D) रागस्य
स्रोत- पातञ्जलयोगसूत्र (2/6) - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज- 174

47. वेदान्तसारानुसारं अनुबन्धे किं न गण्यते ?
(A) अधिकारी (B) विषयः
(C) साधनानि (D) सम्बन्धः
स्रोत- वेदान्तसार- राकेश शास्त्री, पेज- 116

48. वेदान्तदर्शनानुसारं व्यष्ट्युपहितं चैतन्यं किमुच्यते?
(A) ईश्वरः (B) प्राज्ञः
(C) आत्मा (D) ब्रह्म
स्रोत- वेदान्तसार- राकेश शास्त्री, पेज- 159,160

34-B	35-A	36-B	37-C	38-A	39-B	40-B	41-C	42-A	43-B	44-B
45-B	46-C	47-C	48-B							

49. 'पुद्गलः' इति शब्दः कस्य दर्शनस्य वर्तते?

(A) बौद्धदर्शनस्य (B) जैनदर्शनस्य

(C) सांख्यदर्शनस्य (D) वेदान्तदर्शनस्य

स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 153

50. जिनदत्तसूरिमते जिनः को भवितुमर्हति ?

(A) वेदवेदाङ्गविद् (B) अष्टादशदोषेभ्यो मुक्तः

(C) तत्त्वज्ञानी (D) जैनदर्शने दीक्षितः

स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 153

51. एषु किं रामायणाश्रितं न भवति ?

(A) पञ्चरात्रम् (B) उत्तररामचरितम्

(C) महानाटकम् (D) रघुवंशम्

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 466

52. एषु किं पर्व महाभारते नास्ति ?

(A) सभापर्व (B) भीमपर्व

(C) वनपर्व (D) शल्यपर्व

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 149,151

53. एषु किं महापुराणम् अस्ति ?

(A) कूर्मपुराण (B) साम्बपुराण

(C) एकाम्रपुराण (D) आदित्यपुराण

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज- 176,177

54. काव्यमीमांसायां प्रथमेऽध्याये रीतिनिर्णयविषये अस्य नाम अस्ति?

(A) सुवर्णनाभः (B) चित्राङ्गदः

(C) प्रचेतायनः (D) भरतः

स्रोत- काव्यमीमांसा (प्रथमोऽध्यायः)- गंगासागर राय, पेज- 48

55. 'त्वयि दृष्ट एव तस्या निर्वाति मनो मनोभवज्वलितम्। आलोके हि हिमांशोर्विकसति कुसुमं कुमुद्वत्याः॥ अत्र मनसः प्रतिबिम्बनं केन सह वर्तते' ?

(A) हिमांशुना सह (B) कुसुमेन सह

(C) कुमुद्वत्या सह (D) मनोभवेन सह

स्रोत- काव्यप्रकाश (दशम उल्लास)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 486,487

56. राघवविरहज्वालासन्तापितसह्यशैलशिखरेषु । शिशिरे सुखं शयानाः कपयः कुप्यन्ति पवनतनयाय ॥ रसगंगाधरे प्रथमे आनने श्लोकोऽयमुदाहरणं भवति?

(A) उत्तमोत्तमकाव्यस्य (B) उत्तमकाव्यस्य

(C) मध्यमकाव्यस्य (D) अधमकाव्यस्य

स्रोत- रसगंगाधर (प्रथम आनन)- मदनमोहन झा, पेज- 69

57. 'सुवर्णपुष्पां पृथिवीं चिन्वन्ति पुरुषास्त्रयः' इत्यादिश्लोकः ध्वन्यालोके प्रथमे उद्द्योते कस्य उदाहरणं भवति ?

(A) अविवक्षितवाच्यस्य (B) विवक्षितान्यपरवाच्यस्य

(C) आक्षेपालङ्कारस्य (D) विशेषोक्त्यलङ्कारस्य

स्रोत- ध्वन्यालोक- आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 56

58. दशरूपकमते मुखसन्धेः अङ्गानि भवन्ति ?

(A) एकादश (B) द्वादश

(C) त्रयोदश (D) चतुर्दश

स्रोत- दशरूपक (1/25) - रमाशंकर त्रिपाठी, पेज- 27

59. धनञ्जयमते भूयसे फललाभाय औत्सुक्यमात्रं भवति?

(A) आरम्भः (B) यत्नः

(C) प्राप्त्याशा (D) फलागमः

स्रोत- दशरूपक- रमाशंकर त्रिपाठी, पेज- 23

60. कालक्रमानुसारं तालिकां चिनुत ?

(a) जगन्नाथः (b) भरतः

(c) विश्वनाथ-कविराजः (d) मम्मटः

(A) b d c a (B) b d a c

(C) b a c d (D) a b c d

स्रोत- भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास- राजवंश सहाय हीरा, पेज- 05,166,202,229

61. धर्मादिसाधनोपायः सुकुमारक्रमोदितः । काव्यबन्धोऽभिजातानां हृदयाह्लादकारकः ॥ अत्र कुन्तकेन किं प्रतिपादितम् ?

(A) काव्यलक्षणम् (B) काव्यहेतुः क

(C) काव्यप्रयोजनम् (D) काव्यवैविध्यम्

स्रोत- वक्रोक्तिजीवितम् (1/3)- राधेश्याम मिश्र, पेज- 10

49-B	50-B	51-A	52-B	53-A	54-A	55-B	56-B	57-A	58-B	59-A
60-A	61-C									

62. अधस्तनयुग्मानां समीचीनमेलनतालिकां चिनुत-कखगघ

(क) चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः — 1 मृच्छकटिकम्
(ख) आसीत् स दोलाचलचित्तवृत्तिः — 2 कर्णभारम्
(ग) हृदये गृह्यते नारी यदीदं नास्ति गम्यताम् — 3 रघुवंशम्
(घ) हुतं च दत्तं च तथैव तिष्ठति — 4 मुद्राराक्षसम्

	क	ख	ग	घ
(A)	4	1	2	3
(B)	4	2	1	3
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	1	2

स्रोत- मुद्राराक्षस (1.3), मृच्छकटिकम् (1.50) कर्णभारम् (1.22), रघुवंश (14.34)

63. 'हृतेऽपि भारे महतस्त्रपाभरादुवाह दुःखेन भृशानतं शिरः' -शिशुपालवधे महाकाव्ये इयं वर्णना केन सम्बद्धा ?
(A) यमवाहनमहिषेण (B) वरुणेन
(C) कुबेरेण (D) इन्द्रेण
स्रोत- शिशुपालवधम् (1/57) - जनार्दन गंगाधर रटाटे, पेज-128,

64. अभिज्ञानशाकुन्तले दुष्यन्तस्य पुरोहितः भवति ?
(A) वातायनः (B) सोमरातः
(C) गालवः (D) मारीचः
स्रोत- अभिज्ञानशाकुन्तलम् - राकेश शास्त्री, भू0 पेज- 85

65. मुद्राराक्षसे चन्द्रगुप्तस्य अन्तःपुरचरः कञ्चुकी भवति?
(A) सिद्धार्थकः (B) चन्दनदासः
(C) वैहीनरिः (D) भागुरायणः
स्रोत- मुद्राराक्षस- परमेश्वरदीन पाण्डेय, भू0 पेज- 12

66. दशकुमारचरिते अष्टमे उच्छ्वासे विदर्भदेशस्य भोजवंशभूषणस्य कस्य राज्ञः वर्णनमस्ति ?
(A) पुण्यवर्मणः (B) मानसारस्य
(C) राजहंसस्य (D) प्रहारवर्मणः
स्रोत- दशकुमारचरितम् - विश्वनाथ झा, पेज- 238

67. 'तदन्वये शुद्धिमति प्रसूतः शुद्धिमत्तरः' रघुवंशेऽयं पद्यांशः केन सम्बद्धः ?
(A) श्रीरामेण (B) रघुणा
(C) अजेन (D) दिलीपेन
स्रोत- रघुवंशम् (1/12) - हरगोविन्द मिश्र, पेज- 06

68. 'मदेकपुत्रा जननी जरातुरा' नैषधचरिते इयमुक्तिर्भवति?
(A) दमयन्त्याः (B) हंसस्य
(C) भीमस्य (D) नलस्य
स्रोत- नैषधीयचरितम् (1.135)

69. 'हर्षचरितम्' कतिषु उच्छ्वासेषु रचितमस्ति ?
(A) त्रिषु (B) पञ्चसु
(C) सप्तसु (D) अष्टसु
स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-396

70. उत्तररामचरिते 'मैत्रावरुणिः' पदं कस्य कृते प्रयुक्तम्?
(A) विश्वामित्रस्य कृते (B) वसिष्ठस्य कृते
(C) अष्टावक्रस्य कृते (D) ऋष्यशृङ्गस्य कृते
स्रोत- उत्तररामचरितम् (1/12) - शिवबालक द्विवेदी, पेज-156

71. 'अलब्धलाभार्था लब्धपरिरक्षणी' इत्यादि-विशेषणानि कौटिलीयार्थशास्त्रे कां लक्षयन्ति ?
(A) भेदनीतिम् (B) दण्डनीतिम्
(C) वार्ताम् (D) आन्वीक्षिकीम्
स्रोत- कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज- 12

72. 'संख्यातार्थेषु कर्मसु नियुक्ता ये यथादिष्टमर्थं सविशेषं वा कुर्युः तानमात्यान् कुर्वीत'- कौटिलीयार्थशास्त्रे उल्लिखितमेतत् मतं भवति ?
(A) भारद्वाजस्य (B) विशालाक्षस्य
(C) बाहुदन्तीपुत्रस्य (D) पिशुनस्य
स्रोत- कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - वाचस्पति गैरोला, पेज- 21

73. याज्ञवल्क्यमते पैतामहे द्रव्ये अनेकपितृकपुत्राणां भागविभागः कथं भवति ?
(A) पितृतः (B) कामतः
(C) समभावतः (D) ज्येष्ठकनिष्ठभावतः
स्रोत- याज्ञवल्क्यस्मृति (2/120)- उमेशचन्द्र पाण्डेय, पेज- 276

74. मनुमते वैश्यस्य मेखला कीदृशी कार्या ?
(A) मुञ्जमयी (B) मूर्वामयी
(C) शणतान्तवी (D) कुशमयी
स्रोत- मनुस्मृति (2/42) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज- 77

75. मनुमते एतेषां कस्य मात्रा नृपस्य निर्माणे न गृहीता ?
(A) इन्द्रस्य (B) चन्द्रस्य
(C) अश्विनोः (D) अनिलस्य
स्रोत- मनुस्मृति (7/4) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज- 149

62-D	63-A	64-B	65-C	66-A	67-D	68-B	69-D	70-B	71-B	72-D
73-A	74-C	75-C								

57	जुलाई 2018	NTA UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

1. शांखायन-शाखायाः सम्बन्धः वर्तते-
(A) अथर्ववेदेन (B) ऋग्वेदेन
(C) सामवेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-09

2. 'द्राह्यायण श्रौतसूत्रम्' कस्य वेदस्य विद्यते?
(A) अथर्ववेदस्य (B) कृष्णयजुर्वेदस्य
(C) ऋग्वेदस्य (D) सामवेदस्य
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-10

3. 'एतद्वचो जरितर्मापिमृष्ठा आयत्तेघोषानुत्तरा युगानि'-इति मन्त्रांशो वर्तते-
(A) पुरूरवा-उर्वशीसूक्ते (B) सरमा-पणिसूक्ते
(C) विश्वामित्र-नदीसूक्ते (D) यम-यमीसूक्ते
स्रोत- ऋग्वेद (3.33.8)- सत्यवीर शास्त्री, पेज-413

4. अधस्तनेषु उचितसम्बन्धयुतं विकल्पं चिनुत-
(A) 'यो रध्रस्य चोदिता यः कृशस्य'-इन्द्रदेवता
(B) 'राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिविम्'-विष्णुसूक्तम्
(C) 'विश्वं प्रतीची सप्रथः उदस्थात्'-सावित्रीसूक्त
(D) 'अहं सुवे पितरमस्य मूर्धन्'- रुद्रदेवता
स्रोत- ऋग्वेद (2.12.6)- सत्यवीर शास्त्री, पेज-323

5. 'यो वाघते ददाति सूनरं वसु'- अत्र 'वाघते' पदस्य कोऽर्थः-
(A) यज्ञकर्त्रे (B) राज्ञे
(C) बाधकाय (D) सूर्याय
स्रोत- ऋग्वेद (1.40.4)- रामगोविन्द त्रिवेदी

6. नामाख्याताभ्यां वियुक्ता अपि उपसर्गाः वाचकाः भवन्तीति कः मन्यते-
(A) वार्ष्यायणिः (B) शाकटायनः
(C) गार्ग्यः (D) कौत्सः
स्रोत- निरुक्त-छज्जूराम शास्त्री, पेज-11

7. वेदेष्वेव प्रयुज्यते प्रत्ययः-
(A) अध्यै (B) तुमुन्
(C) क्त्वा (D) क्त
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह- हरिदत्त शास्त्री, भू. पेज-32

8. 'यस्मान्न ऋते विजयन्ते'-इत्यत्र 'यस्मात्' पदेन कः गृह्यते -
(A) विष्णुः (B) रुद्रः
(C) इन्द्रः (D) वरुणः
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (2.12.9) हरिदत्त शास्त्री, पेज-186

9. ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले 'विश्वामित्रनदीसंवादसूक्तम्' विद्यते-
(A) द्वितीये (B) दशमे
(C) तृतीये (D) अष्टमे
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-57

10. परिशिष्टभागमतिरिच्य निरुक्ते कति अध्यायाः सन्ति-
(A) सप्त (B) द्वादश
(C) पञ्च (D) चतुर्दश
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-204

11. 'प्रचोदयात्' इति कस्मिन् लकारे रूपमस्ति-
(A) लिङ् (B) लोट्
(C) लृट् (D) लेट्
स्रोत-ऋग्वेद (3.62.10) - राम गोविन्द त्रिवेदी, पेज-346

12. 'स जातो अत्यरिच्यत'- इत्यत्र 'सः' पदेन कः गृह्यते-
(A) इन्द्रः (B) पुरुषः
(C) प्रजापतिः (D) विष्णुः
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (ऋग्वेद 10.90.5) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-396

13. "Vedic Grammar" इत्याख्यस्य ग्रन्थस्य प्रणेता वैदेशिको विद्वान् कः-
(A) एच.टी. कोलब्रुक् (B) एफ. मैक्समूलरः
(C) ए. मैक्डानलः (D) एच. विल्सनः
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-36

14. सामवेदीयाः षड्ज-मध्यम-पञ्चमस्वराः कतमे त्रैस्वर्यस्वरे अन्तर्भवन्ति-
(A) अनुदात्ते (B) स्वरिते
(C) प्रचये (D) उदात्ते
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-93

1-B	2-D	3-C	4-A	5-A	6-C	7-A	8-C	9-C	10-B
11-D	12-B	13-C	14-B						

15. 'बृहती'-छन्दसि अक्षराणां संख्या विद्यते-
(A) 48 (B) 28
(C) 36 (D) 32
स्रोत-वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-203

16. दर्शपौर्णमासेष्टियागे अनुयाजानां संख्या विद्यते-
(A) पञ्च (B) त्रयः
(C) एकादश (D) अष्ट
स्रोत- श्रौतयज्ञ परिचय- वेणीराम शर्मा गौड़, पेज-8-14

17. 'वृक्षस्य नु ते पुरुहूत वयाः'- इत्यत्र 'नु' विद्यते-
(A) उपमार्थीयः (B) हेत्वपदेशार्थीयः
(C) अनुप्रश्नार्थीयः (D) अवकुत्सार्थीयः
स्रोत- निरुक्तम्- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-47

18. 'नियतवाचो युक्तयो नियतानुपूर्व्या भवन्ति'- इति कथनं वर्तते-
(A) शाकटायनस्य (B) औदुम्बरायणस्य
(C) गार्ग्यस्य (D) कौत्सस्य
स्रोत-निरुक्तम्- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-98

19. ऋक्संहितायाः समुपलब्धभाष्येषु प्रथमो भाष्यकारः विद्यते-
(A) सायणः (B) आनन्दतीर्थः
(C) स्कन्दस्वामी (D) वेङ्कटमाधवः
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-22

20. ऋक्प्रातिशाख्यस्य पटलसंख्या कियती-
(A) 16 (B) 14
(C) 12 (D) 18
स्रोत- वैदिक वाङ्मय का बृहद् इतिहास (खण्ड-2), पेज-13

21. अथर्ववेदेन सम्बद्धा शिक्षा का वर्तते-
(A) लोमशी शिक्षा (B) माण्डूकी शिक्षा
(C) गौतमी शिक्षा (D) केशवी शिक्षा
स्रोत- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, (द्वितीय खण्ड), भू. पे-55

22. 'शिवसंकल्पसूक्तम्' माध्यन्दिनसंहितायां कस्मिन् अध्याये समुपलभ्यते-
(A) षोडशे (B) चतुस्त्रिंशे
(C) एकत्रिंशे (D) चत्वारिंशे
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-75

23. भर्तृहरिदिशा को ब्रह्मामृतमश्नुते?
(A) शब्दप्रवृत्तितत्त्वज्ञः
(B) पञ्चविंशतितत्त्वज्ञः
(C) प्रमाणादिषोडशपदार्थनिष्णातः
(D) याज्ञिकः
स्रोत-वाक्यपदीयम् (1.133)- जयदत्त उप्रेती, पेज- 89

24. परेषामसमाख्येयं मणिरूप्यादिविज्ञानं भर्तृहरिदिशा कस्माज्जायते?
(A) शाब्दात् (B) अनुमानाद्
(C) अभ्यासाद् (D) उपमानात्
स्रोत- वाक्यपदीयम्- (का॰35) डॉ0 जयदत्त उप्रेती, पेज-25

25. 'एध्' धातोः लुङ्लकारे प्रथमपुरुषबहुवचने कः प्रयोगः?
(A) ऐधन्त (B) ऐधिष्ट
(C) ऐधिषत (D) ऐधत
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज-495

26. 'लोटो लङ्वत्' इति सूत्रप्रवृत्तिः कस्मिन् प्रयोगे जाता?
(A) अभवः (B) भवाम
(C) भवेताम् (D) अभविष्यत्
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- (3.4.85) गोविन्दाचार्य, पेज-401

27. 'महद् यशो यस्य सः' इति विग्रहे बहुव्रीहिसमासे कः प्रयोगः?
(A) महायशः (B) महायशसः
(C) महायशाः (D) महायशष्कः
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज-967

28. 'कुगतिप्रादयः' इति समासविधायकसूत्रस्य किमुदाहरणं नास्ति?
(A) पटपटाकृत्य (B) कुम्भकारः
(C) सुपुरुषः (D) हस्तेकृत्य
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज-935

29. 'प्रगृह्यम्' इत्यत्र कः कृत्यप्रत्ययः?
(A) ण्यत् (B) यत्
(C) क्यप् (D) तव्यत्
स्रोत- अष्टाध्यायी (3.1.119), ईश्वरचन्द्र, पेज-297

30. 'विद्वांसः सन्ति अस्मिन्' इति विग्रहे को मत्वर्थीयः प्रयोगः?
(A) विद्वद्वान् (B) विदुष्मान्
(C) विद्वत्वान् (D) विद्वत्मान्
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज-1112

15-C	16-B	17-A	18-D	19-C	20-D	21-B	22-B	23-A	24-C
25-C	26-B	27-C	28-B	29-C	30-B				

31. या स्वयमेवाध्यापिका सा किमुच्यते?

(A) उपाध्यायानी (B) उपाध्याया

(C) आचार्यानी (D) आचार्याणी

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या,खण्ड-6), पेज-55

32. 'वृत्तिसर्गतायनेषु क्रमः' इत्यात्मनेपदविधायकसूत्रस्य सर्गार्थक-'क्रम्' धातोरुदाहरणं चिनुत।

(A) अध्ययनाय क्रमते (B) ऋचि क्रमते बुद्धिः

(C) क्रमन्तेऽस्मिन् शास्त्राणि (D) आक्रमते सूर्यः

स्रोत- अष्टाध्यायी (1.3.38)- ईश्वरचन्द्र, पेज-92

33. 'बोधयति पदम्' इत्यत्र परस्मैपदविधायकं किमस्ति पाणिनिसूत्रम्?

(A) विभाषाऽकर्मकात्

(B) निगरणचलनार्थेभ्यश्च

(C) बुध-युध-नश-जनेङ्-प्रु-द्रु-स्रुभ्यो णेः

(D) अणावकर्मकाच्चित्तवत्कर्तृकात्

स्रोत- अष्टाध्यायी (1.3.86) ईश्वरचन्द्र, पेज-104

34. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्धः? इति समीचीनां तालिकां चिनुत।

(क)	अपवर्गे तृतीया	(i)	ओदनं भुञ्जानो विषं भुङ्क्ते।
(ख)	तथायुक्तं चाऽनीप्सितम्	(ii)	प्रद्युम्नः कृष्णात् प्रति।
(ग)	धारेरुत्तमर्णः	(iii)	क्रोशेन अनुवाकोऽधीतः।
(घ)	प्रतिनिधि-प्रतिदाने च यस्मात्	(iv)	भक्ताय धारयति मोक्षं हरिः।

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

स्रोत-कारकप्रकरण-राममुनि पाण्डेय, पेज-60,30,68,90

35. ''पराजेरसोढः'' इत्यनेन सूत्रेण कतमं कारकं भवति?

(A) अधिकरणम् (B) सम्प्रदानम्

(C) अपादानम् (D) करणम्

स्रोत- कारकप्रकरण-राममुनि पाण्डेय, पेज-82

36. ''प्रातिपदिकम्'' इति संज्ञा केन सूत्रेण विधीयते?

(A) प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा।

(B) प्रातिपदिकान्तनुम्विभक्तिषु च।

(C) ङ्याप्प्रातिपदिकात्।

(D) अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्।

स्रोत-लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्द प्रसाद शर्मा, पेज-129

37. निम्नाङ्कितेषु 'प्रगृह्यम्' इति संज्ञाविधायकं सूत्रं किमस्ति?

(A) ओत् (B) तरप्तमपौ घः

(C) तृतीयासमासे (D) आद्यन्तवदेकस्मिन्

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज-77

38. 'ब्राह्मणेनावश्यं शब्दा ज्ञेयाः' कथनमिदं पतञ्जलिना कस्य व्याकरणप्रयोजनस्य विषये कृतम्?

(A) रक्षाविषये (B) ऊहविषये

(C) आगमविषये (D) लघुविषये

स्रोत- व्याकरणमहाभाष्यम् (पस्पशाह्निक)- मधुसूदन मिश्र, पेज-10

39. पतञ्जलिमतानुसारं शब्दः कः?

(A) अर्थरूपम्

(B) यद् इङ्गितं चेष्टितम्

(C) यद् भिन्नेष्वभिन्नं, छिन्नेष्वच्छिन्नम्

(D) प्रतीतपदार्थको लोके ध्वनिः

स्रोत- महाभाष्य (पस्पशाह्निक) जयशंकर लाल त्रिपाठी, पेज-19

40. पाणिनीयशिक्षानुसारं स्वराणां संख्या का?

(A) विंशतिः (B) एकविंशतिः

(C) पञ्चविंशतिः (D) अष्टादश

स्रोत- पाणिनीयशिक्षा- (श्लोक-4)- शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, पेज-07

41. 'समीकरणम्' कस्य दिशा वर्तते?

(A) ध्वनिपरिवर्तनस्य (B) रूपपरिवर्तनस्य

(C) अर्थपरिवर्तनस्य (D) वाक्यपरिवर्तनस्य

स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-233

42. हिब्रू-भाषा कस्य भाषापरिवारस्य भाषाऽस्ति?

(A) चीनीपरिवारस्य (B) भारोपीयपरिवारस्य

(C) सूडानीपरिवारस्य (D) सामी-हामीपरिवारस्य

स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-402

31-B 32-A 33-C 34-A 35-C 36-D 37-A 38-D 39-D 40-B 41-A 42-D

43. संस्कृतभाषायाः यूरोपीयभाषाभिः सम्बन्धः सर्वप्रथमं केनोद्घाटितः?

(A) मैक्समूलरमहोदयेन (B) विन्टरनित्ज़ महोदयेन
(C) सर विलियमजोन्स-महोदयेन (D) वेबरमहोदयेन

स्रोत-भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-4

44. बान्तूपरिवारः कस्य खण्डस्य भाषापरिवारोऽस्ति?

(A) यूरेशियाखण्डस्य (B) अफ्रीकाखण्डस्य
(C) प्रशान्तमहासागरीयखण्डस्य (D) अमेरिकाखण्डस्य

स्रोत-भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-372

45. अर्थसङ्ग्रहे प्रत्ययस्य लिङंशेन कीदृशी भावना प्रोक्ता?

(A) शाब्दी (B) आर्थी
(C) शाब्दी आर्थी च (D) स्वर्गभावना

स्रोत- अर्थसंग्रह- राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-30

46. अर्थसङ्ग्रहानुसारं 'शब्दसामर्थ्यम्' इत्यनेन कतमं प्रमाणं लक्षितम्?

(A) श्रुतिः (B) प्रकरणम्
(C) लिङ्गम् (D) वाक्यम्

स्रोत- अर्थसंग्रह- राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-121

47. तर्कसङ्ग्रहदीपिकानुसारं स्पर्शानुमेयः कः पदार्थः?

(A) आकाशम् (B) मनः
(C) आत्मा (D) वायुः

स्रोत- तर्कसंग्रह- गोविन्दाचार्य, पेज-89

48. तर्कसङ्ग्रहानुसारम् आत्मनो विशेषगुणः कः?

(A) वेगसंस्कारः (B) स्थितिस्थापकः संस्कारः
(C) प्रयत्नः (D) शब्दः

स्रोत- तर्कसंग्रह-गोविन्दाचार्य, पेज-266

49. तर्कभाषानुसारम् आत्मा कीदृशः?

(A) सर्वस्मिन् एकोऽणुश्च
(B) विभुरनित्यश्च
(C) देहेन्द्रियाद्यनतिरिक्तः
(D) प्रतिशरीरं भिन्नो विभुर्नित्यश्च

स्रोत- तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज-175

50. साध्यशून्यो यत्र पक्षः सः कीदृशो हेत्वाभासः?

(A) बाधः (B) आश्रयासिद्धः
(C) असाधारणोऽनैकान्तिकः (D) विरुद्धः

स्रोत-न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (का॰78) (अनुमानोपमानखण्ड) गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर), पेज-71

51. तर्कभाषारीत्या समवायस्य प्रत्यक्षग्राह्यत्वे इन्द्रियार्थसन्निकर्षः कः?

(A) संयोगः
(B) संयुक्तसमवायः
(C) विशेषण-विशेष्यभावः
(D) संयुक्तसमवेतसमवायः

स्रोत- तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज-64

52. वेदान्तसारानुसारं 'सगुणब्रह्मविषयमानसव्यापाररूपाणि' कर्माणि निम्नलिखितेषु कानि भवन्ति?

(A) काम्यकर्माणि (B) नित्यकर्माणि
(C) उपासनाकर्माणि (D) साध्यकर्माणि

स्रोत-वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज-14

53. 'जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयम्' इत्ययम् अनुबन्धः कतमः?

(A) अधिकारी (B) विषयः
(C) सम्बन्धः (D) प्रयोजनम्

स्रोत- वेदान्तसार- सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज-30

54. समष्ट्यज्ञानोपहितं चैतन्यं किं भवति?

(A) जीवः (B) ईश्वरः
(C) ब्रह्म (D) प्राज्ञः

स्रोत- वेदान्तसार- सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज-42

55. 'अतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा' किमुच्यते?

(A) विकारः (B) विवर्तः
(C) शब्दः (D) अनुपहितचैतन्यम्

स्रोत- वेदान्तसार-सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज-115

56. 'ब्रह्मसूत्रम्' इत्यस्य ग्रन्थस्य रचयिता कोऽस्ति?

(A) बादरायणः (B) पाराशरः
(C) शङ्कराचार्यः (D) जैमिनिः

स्रोत- वेदान्तसार- राकेश शास्त्री, भू॰पेज-04

57. 'शारीरकम्' इति नाम्ना किं भाष्यं प्रसिद्धमस्ति?

(A) सांख्यकारिकाभाष्यम् (B) मीमांसाभाष्यम्
(C) ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (D) उपनिषद्भाष्यम्

स्रोत- वेदान्तसार- राकेश शास्त्री, भू॰ पेज-04

58. 'दृष्टवदानुश्रविकः' इत्यस्मिन् सांख्यकारिकाप्रयोगे 'आनुश्रविकः' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थः?

(A) श्रुतिः (B) स्मृतिः
(C) वेदाङ्गम् (D) पुराणम्

स्रोत-सांख्यकारिका (का॰2) राकेश शास्त्री, पेज-05

43-C	44-B	45-A	46-C	47-D	48-C	49-D	50-A	51-B	52-C
53-B	54-B	55-B	56-A	57-C	58-A				

59. अव्यक्तं कीदृशं भवति?

(A) सक्रियम् (B) निष्क्रियम्

(C) आश्रितम् (D) सावयवम्

स्रोत-सांख्यकारिका (का.10)- राकेश शास्त्री, पेज-37

60. व्यक्तस्य च प्रधानस्य च कः समानधर्मः?

(A) त्रिगुणत्वम् (B) सक्रियत्वम्

(C) हेतुमत्त्वम् (D) लिङ्गत्वम्

स्रोत- सांख्यकारिका (का.11)- राकेश शास्त्री, पेज-37

61. सांख्यदर्शनानुसारं ''त्रैगुण्यविपर्ययात्'' किं सिध्यति?

(A) अव्यक्तस्य नित्यत्वम्

(B) पुरुषबहुत्वम्

(C) व्यक्तस्य त्रिगुणात्मकत्वम्

(D) अव्यक्तस्य कारणत्वम्

स्रोत- सांख्यकारिका (का.18)-राकेश शास्त्री, पेज-59

62. अधस्तनानां केन सह कस्य सम्बन्धः? समीचीनां तालिकां चिनुत-

(क) मिथ्याज्ञानमतद्रूपप्रतिष्ठम् (i) स्वाध्यायात्

(ख) इष्टदेवतासम्प्रयोगः (ii) यमाः

(ग) अनुभूतविषयासम्प्रमोषः (iii) विपर्ययः

(घ) सार्वभौमा महाव्रतम् (iv) स्मृतिः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

स्रोत- पातञ्जलयोगदर्शनम् - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-36,45,

63. ''यथा मधुकरराजं मक्षिका उत्पतन्तमनूत्पतन्ति, निविशमानमनुनिविशन्ते तथेन्द्रियाणि चित्तनिरोधे निरुद्धानीत्येषः.....।'' एषा व्याख्या कस्य योगाङ्गस्य, व्यासभाष्यानुसारेण?

(A) प्रत्याहारस्य (B) धारणायाः

(C) ध्यानस्य (D) ब्रह्मचर्यस्य

स्रोत-पातञ्जलयोगदर्शनम् (2/54)- सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-314

64. योगदर्शनस्य व्यासभाष्यानुसारेण चित्तभूमीनां समुचितः क्रमोऽस्ति-

(A) क्षिप्तम्,विक्षिप्तम्,मूढम्,एकाग्रम्,निरुद्धम्।

(B) क्षिप्तम्,मूढम्,विक्षिप्तम्,एकाग्रम्,निरुद्धम्।

(C) विक्षिप्तम्,मूढम्,एकाग्रम्,क्षिप्तम्,निरुद्धम्।

(D) निरुद्धम्,मूढम्,विक्षिप्तम्,क्षिप्तम्,एकाग्रम्।

स्रोत-पातञ्जलयोगदर्शन- सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज-01

65. जैनदर्शनानुसारेण निम्नाङ्कितस्य सप्तभङ्गिन्यायस्य समुचितः क्रमः कोऽस्ति?

(A) स्यादस्ति च नास्ति च, स्याद्वक्तव्यः, स्यान्नास्ति, स्यादस्ति चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः।

(B) स्यादस्ति, स्यान्नास्ति, स्यादस्ति च नास्ति च, स्यादवक्तव्यः, स्यादस्ति चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः।

(C) स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति चावक्तव्यः, स्यादवक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति च, स्यान्नास्ति स्यादस्ति।

(D) स्यादस्ति, स्याद्वक्तव्यः, स्यादिस्त चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति, स्यादस्ति च नास्ति च, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः।

स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह-उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, पेज-146

66. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्धः? समीचीनां तालिकां चिनुत।

(क) माध्यमिकाः (i) बाह्यार्थानुमेयत्वम्

(ख) योगाचाराः (ii) सर्वशून्यत्वम्

(ग) सौत्रान्तिकाः (iii) बाह्यार्थप्रत्यक्षत्वम्

(घ) वैभाषिकाः (iv) बाह्यार्थशून्यत्वम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(iii)	(iv)	(iii)

स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज-31

59-B	60-A	61-B	62-A	63-A	64-B	65-B	66-C

67. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत-

(क) हर्षचरितम् (i) शूद्रकः
(ख) मुद्राराक्षसम् (ii) दण्डी
(ग) दशकुमारचरितम् (iii) विशाखदत्तः
(घ) मृच्छकटिकम् (iv) बाणभट्टः

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', पेज- 396, 504, 318, 491

68. अभिज्ञानशाकुन्तले शकुन्तलायाः प्रतिकूलदैवशमनार्थं कण्वः कुत्र गतः?

(A) काशीतीर्थम् (B) प्रयागतीर्थम्
(C) काञ्चीतीर्थम् (D) सोमतीर्थम्

स्रोत-अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथमोऽङ्कः)- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-31

69. ''उपपन्ना हि दारेषु प्रभुता सर्वतोमुखी''- अभिज्ञानशाकुन्तले इयमुक्तिर्भवति-

(A) मारीचस्य (B) शारद्वतस्य
(C) कण्वस्य (D) शार्ङ्गरवस्य

स्रोत- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5/26)- कपिलदेव द्विवेदी, पेज-294

70. मेघदूते अस्याः नद्याः उल्लेखो नास्ति-

(A) तुङ्गभद्रा (B) रेवा
(C) गन्धवती (D) गम्भीरा

स्रोत- मेघदूतम्, दयाशंकर शास्त्री, पूर्वमेघ, श्लोक- 20,37,45 - पेज-89,123,139

71. ''सुलभेष्वर्थलाभेषु परसंवेदने जनः। क इदं दुष्करं कुर्यादिदानीं शिविना विना।'' एषा उक्तिः कं लक्षयति?

(A) चाणक्यम् (B) राक्षसम्
(C) चन्दनदासम् (D) भागुरायणम्

स्रोत- मुद्राराक्षसम् (1/24)- पुष्पा गुप्ता, पेज-61

72. मृच्छकटिके विदूषकस्य नाम भवति-

(A) आर्यकः (B) मैत्रेयः
(C) शर्विलकः (D) संस्थानकः

स्रोत- मृच्छकटिकम्- रमाशंकर त्रिपाठी, पेज- xiii

73. ''निपीय यस्य क्षितिरक्षिणः कथास्तथाद्रियन्ते न बुधाः सुधामपि।।''-इति कस्य कथा अत्र उल्लिखिता?

(A) दुष्यन्तस्य (B) रघोः
(C) रामचन्द्रस्य (D) नलस्य

स्रोत- नैषधीयचरितम् (1/1) सुरेन्द्रदेव शास्त्री, पेज-01

74. किरातार्जुनीयस्य प्रधानो रसोऽस्ति-

(A) शृङ्गारः (B) वीरः
(C) शान्तः (D) अद्भुतः

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-244

75. वेणीसंहारे दुर्योधनस्य कञ्चुकी भवति-

(A) विनयन्धरः (B) जयन्धरः
(C) रुधिरप्रियः (D) सुन्दरकः

स्रोत- वेणीसंहारम्- डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-27

76. ''अर्पणं स्वस्य वाक्यार्थे परस्यान्वयसिद्धये। उपलक्षणहेतुत्वादेषा...........।।''-साहित्यदर्पणानुसारतः रिक्तस्थानं पूरयत।

(A) लक्षण-लक्षणा (B) उपादानलक्षणा
(C) सारोपा लक्षणा (D) साध्यवसाना लक्षणा

स्रोत- साहित्यदर्पण- (1/7)-शालिग्राम शास्त्री पेज-32

77. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत-

(क) आशङ्कसे यदग्निं तदिदं स्पर्शक्षमं रत्नम्। (i) रत्नावली
(ख) अल्पक्लेशं मरणं दारिद्र्यमनन्तकं दुःखम्। (ii) मुद्राराक्षसम्
(ग) गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिताः। (iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(घ) आनीय झटिति घटयति विधिरभिमतमभिमुखीभूतः। (iv) मृच्छकटिकम्

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-244

67-A 68-D 69-B 70-A 71-C 72-B 73-D 74-B 75-A 76-A 77-B

78. ''लोके हि लोहेभ्यः कठिनतराः खलु स्नेहमयाः बन्धनपाशाः''-इति हर्षचरिते कस्य मनसि समजायत?
(A) राज्यवर्धनस्य (B) प्रभाकरवर्धनस्य
(C) कुरङ्गकस्य (D) हर्षवर्धनस्य
स्रोत- हर्षचरितम् - शिवनाथ पाण्डेय, पेज-06

79. ''श्रीहीरः सुषुवे जितेन्द्रियचयं मामल्लदेवी च यम्''- इति वार्त्ता केन सम्बद्धा?
(A) माघेन (B) भारविणा
(C) श्रीहर्षेण (D) कालिदासेन
स्रोत-नैषधीयचरितम् (1/145) सुरेन्द्रदेव शास्त्री, पेज-287

80. ''स बाल आसीद् वपुषा चतुर्भुजो मुखेन पूर्णेन्दुनिभस्त्रिलोचनः।''-इति शिशुपालवधस्य पद्यांशः केन सम्बद्धः?
(A) शिशुपालेन (B) श्रीकृष्णेन
(C) नारदेन (D) रावणेन
स्रोत-शिशुपालवधम् (1/70) तारिणीश झा, पेज-146

81. ''वैदेहिबन्धोर्हृदयं विदद्रे''-रघुवंशस्य अस्मिन् पद्यांशे वैदेहिबन्धुः भवति-
(A) लक्ष्मणः (B) भरतः
(C) रामः (D) रघुः
स्रोत-रघुवंशम् 14/33- श्रीहरिगोविन्द मिश्र, पेज-354

82. काव्यमीमांसोक्तकथानुसारं पुरा पुत्रीयन्ती सरस्वती कुत्र तपस्यामास?
(A) विन्ध्यगिरौ (B) तुषारगिरौ
(C) सह्यगिरौ (D) मेरुगिरौ
स्रोत-हिन्दी काव्यमीमांसा (काव्यपुरुषोत्पत्ति) गंगासागर राय, पेज-12

83. जगन्नाथमते काव्यं कतिविधं भवति-
(A) द्विविधम् (B) त्रिविधम्
(C) चतुर्विधम् (D) पञ्चविधम्
स्रोत- रसगङ्गाधर- मदन मोहन झा, पेज-37

84. ''त्रयः समुदिताः, न तु व्यस्ताः''-इति काव्यप्रकाशे प्रथमे उल्लासे किम् अधिकृत्य उल्लिखितम्?
(A) काव्यलक्षणम् (B) काव्यभेदम्
(C) काव्यहेतुम् (D) काव्यफलम्
स्रोत-काव्यप्रकाश (1.3)-सीताराम दोतोलिया, पेज- 41-43

85. काव्यप्रकाशे उपमानोपमेययोः अभेदे अयमलङ्कारः भवति-
(A) रूपकम् (B) उपमा
(C) उत्प्रेक्षा (D) श्लेषः
स्रोत-काव्यप्रकाश (सू.-139)- सीताराम दोतोलिया, पेज-445

86. आसु का नाट्यवृत्तिर्न भवति-
(A) अभिधा (B) आरभटी
(C) सात्त्वती (D) भारती
स्रोत-दशरूपक (2/47) डॉ. श्रीनिवास, पेज-182-83

87. ''भम धम्मिअ-'' इत्यादिश्लोकः ध्वन्यालोके प्रथमे उद्द्योते अस्य उदाहरणं भवति-
(A) वाच्ये प्रतिषेधे विधिरूपस्य
(B) वाच्ये विधिरूपे प्रतिषेधरूपस्य
(C) वाच्ये विधिरूपेऽनुभयरूपस्य
(D) वाच्ये प्रतिषेधेऽनुभयरूपस्य
स्रोत- ध्वन्यालोक (1/4)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज-13

88. 'दशरूपकतः रिक्तस्थानं पूरयत-''आनन्दनिस्यन्दिषु रूपकेषु व्युत्पत्तिमात्रं फलमल्पबुद्धिः। योऽपीतिहासादिवदाह साधुस्तस्मै नमः ....॥''
(A) काव्यपराङ्मुखाय (B) नाट्यपराङ्मुखाय
(C) शास्त्रपराङ्मुखाय (D) स्वादुपराङ्मुखाय
स्रोत- दशरूपक (1/5)- रमाशंकर त्रिपाठी, पेज-05

89. ''कटुकौषधवच्छास्त्रमविद्याव्याधिनाशनम्।''-इत्युक्तिः एषु कस्मिन् अलङ्कारग्रन्थेऽस्ति-
(A) साहित्यदर्पणे (B) वक्रोक्तिजीविते
(C) रसगङ्गाधरे (D) काव्यप्रकाशे
स्रोत-वक्रोक्तिजीवितम् (1/7)- राधेश्याम मिश्र, पेज-15

90. एषु किं काण्डं रामायणे नास्ति?
(A) किष्किन्धाकाण्डम् (B) सीताकाण्डम्
(C) बालकाण्डम् (D) युद्धकाण्डम्
स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-122

91. अस्य महापुराणेषु गणनं नास्ति-
(A) पद्मपुराणस्य (B) ब्रह्मपुराणस्य
(C) विष्णुपुराणस्य (D) आदित्यपुराणस्य
स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा, पेज-176

78-D	79-C	80-A	81-C	82-B	83-C	84-C	85-A	86-A	87-B
88-D	89-B	90-B	91-D						

92. एषु किम् उपपुराणं न भवति?

(A) कूर्मपुराणम् (B) साम्बपुराणम्

(C) नृसिंहपुराणम् (D) एकाम्रपुराणम्

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा, पेज-177

93. एषु किं पर्व महाभारते नास्ति-

(A) मौसलपर्व (B) कुन्तीपर्व

(C) शान्तिपर्व (D) उद्योगपर्व

स्रोत-संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि',पेज- 145

94. कौटिलीयार्थशास्त्रे सर्वविद्यानां प्रदीपः सर्वकर्मणाम् उपायः, सर्वधर्माणामाश्रयः भवति-

(A) आन्वीक्षिकी (B) त्रयी

(C) वार्ता (D) दण्डनीतिः

स्रोत- कौटिल्य का अर्थशास्त्र- श्री वाचस्पति, पेज-9

95. मनुसंहितानुसारं राज्ञः सचिवानां संख्या भवति-

(A) 10-12 (B) 7-8

(C) 3-4 (D) 5-6

स्रोत- मनुस्मृति (7/54) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-170-171

96. ''तमसा बहुरूपेण वेष्टिताः कर्महेतुना।
अन्तःसंज्ञा भवन्त्येते सुखदुःखसमन्विताः॥''
इति मनुवचनं केन सम्बद्धम्?

(A) उद्भिदेन (B) अण्डजेन

(C) जरायुजेन (D) स्वेदजेन

स्रोत-मनुस्मृति- (1/49)- गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-29

97. श्रीमद्भगवद्गीतायां कर्मयोगः कतमोऽध्यायः?

(A) द्वितीयोऽध्यायः (B) तृतीयोऽध्यायः

(C) चतुर्थोऽध्यायः (D) पञ्चमोऽध्यायः

स्रोत- गीता- अध्याय तीन

98. एपिग्रेफिया इंडिका इति पत्रिकायाः प्रकाशनं केन प्रारब्धम्?

(A) जेम्स प्रिंसेपमहोदयेन

(B) सर विलियमजोंसमहोदयेन

(C) जे. बर्जेसमहोदयेन

(D) कीलहार्नमहोदयेन

स्रोत- गूगल विकीपीडिया

99. 'धम्मलिपि' नाम कस्य लेखेषु प्राप्यते?

(A) अशोकस्य (B) समुद्रगुप्तस्य

(C) खारवेलस्य (D) कनिष्कस्य

स्रोत-भारतीय पुरालेख- डॉ. शिवस्वरूप सहाय, पेज-90

100. भारतवर्षे दानलेखानाम् उत्कीर्णनं बाहुल्येन कस्मिन् धातौ कृतम्?

(A) लौहधातौ (B) ताम्रधातौ

(C) रजतधातौ (D) स्वर्णधातौ

92-A	93-B	94-A	95-B	96-A	97-B	98-C	99-A	100-B

58	दिसम्बर 2018	NTA UGC–NET/JRF संस्कृतम्	प्रश्नपत्रम् II

1. माण्डूकायनी शाखा कस्य वेदस्य विद्यते–
(A) यजुर्वेदस्य (B) अथर्ववेदस्य
(C) ऋग्वेदस्य (D) सामवेदस्य
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, पेज - 46

2. साङ्ख्यरीत्या मोक्षप्राप्तिः कस्मादङ्गीक्रियते–
(A) ज्ञानात् (B) धर्मात्
(C) ऐश्वर्यात् (D) वैराग्यात्
स्रोत- सांख्यकारिका (का. -44) - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज -276

3. 'खलु कृत्वा' निरुक्तानुसारं 'खलु' पदं विद्यते-
(A) प्रतिषेधार्थे (B) पदपूरणार्थे
(C) समुच्चयार्थे (D) निश्चयार्थे
स्रोत- निरुक्तम् (प्रथम अध्याय) -आचार्य विश्वेश्वर, पेज-54

4. तर्कसङ्ग्रहदीपिकानुसारं 'तज्जन्यत्वे सति तज्जन्यजनकः' कः -
(A) हेतुः (B) परामर्शः
(C) व्यापारः (D) उपनयः
स्रोत - तर्कसंग्रह - आद्याप्रसाद मिश्र, पेज -41

5. 'व्रीहीनवहन्तीति कस्य विधेरुदाहरणम् अर्थसङ्ग्रहदिशा–
(A) नियमविधेः (B) आर्थी-परिसङ्ख्याविधेः
(C) श्रौती-परिसङ्ख्याविधेः (D) अपूर्वविधेः
स्रोत- अर्थसंग्रह - राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज- 263

6. 'मानवश्रौतसूत्रम्' केन वेदेन सह सम्बद्धम् विद्यते–
(A) ऋग्वेदेन (B) अथर्ववेदेन
(C) सामवेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन
स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास-उमाशंकर शर्मा ऋषि,पेज-91

7. पुरुषस्यास्तित्वं साङ्ख्यरीत्या कस्माद् हेतोः–
(A) त्रैगुण्यात् (B) अधिष्ठानात्
(C) भेदानां परिमाणात् (D) विषयत्वात्
स्रोत- सांख्यतत्त्वकौमुदीप्रभा- आद्याप्रसाद मिश्र, पेज-200

8. शब्दनित्यत्वे वार्त्तिककृतः किं प्रमाणम्–
(A) सर्वे सर्वपदादेशाः दाक्षीपुत्रस्य पाणिनेः
(B) तदशिष्यं सञ्ज्ञाप्रमाणत्वात्
(C) पृषोदरादीनि यथोपदिष्टम्
(D) सिद्धन्तु नित्यशब्दत्वात्
स्रोत- व्याकरण महाभाष्य (तृतीय आह्निक)-चारुदेव शास्त्री, पेज -132

9. 'अखण्डेषु कारणेषु फलावचः' इत्यनेन कस्यालङ्कारस्य लक्षणं प्रोक्तमाचार्यमम्मटेन–
(A) सङ्करस्य (B) समासोक्तेः
(C) विभावनायाः (D) विशेषोक्तेः
स्रोत- काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर (10/107)- पेज- 498

10. 'अग्निष्टोमाख्यः' सोमयागः कदा अनुष्ठीयते–
(A) शरदि (B) वसन्ते
(C) ग्रीष्मे (D) प्रावृषि
स्रोत- यज्ञमीमांसा- श्रीवेणीराम शर्मा गौड, पेज-127

11. 'सच्चिदानन्दाद्वयं ब्रह्म' इत्यादिना वेदान्तसारे किं लक्षितम्–
(A) अवस्तु (B) वस्तु
(C) अज्ञानम् (D) अधिकारी
स्रोत- वेदान्तसार- सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज- 37

12. पाणिनीयशिक्षानुसारेण विसर्गस्य रूपपरिवर्तनं (गतिः) कतिविधं भवति–
(A) सप्तविधम् (B) नवविधम्
(C) अष्टविधम् (D) त्रिविधम्
स्रोत- पाणिनीयशिक्षा (श्लोक-14)- शिवराज, पेज- 18,19

13. फललक्षणा निम्नलिखितासु लक्षणासु कस्याः पर्याया विद्यते–
(A) गौणीलक्षणायाः (B) रूढिवतीलक्षणायाः
(C) प्रयोजनवतीलक्षणायाः (D) शुद्धालक्षणायाः
स्रोत- साहित्यदर्पण (2/10) - सत्यव्रत सिंह, पेज- 68

1-C	2-A	3-A	4-C	5-A	6-D	7-B	8-D	9-D	10-B
11-B	12-C	13-C							

14. ''कथाप्रसङ्गेषु मिथः सखीमुखात्तृणेऽपि तन्व्या नलनामनि श्रुते'' अत्र नलपदस्यार्थोऽस्ति-

(A) शत्रुः (B) नृपः

(C) अग्निः (D) तृणम्

स्रोत- नैषधीयचरितम् (1/35) - बद्रीनाथ मालवीय, पेज-72

15. साहित्यदर्पणानुसारं रसस्य किं विशेषणं न साधु–

(A) लोकानुभूतिः (B) ब्रह्मस्वादसहोदरः

(C) अभिन्नः (D) स्वप्रकाशः

स्रोत- साहित्यदर्पण (3/2) - सत्यव्रत सिंह, पेज-105

16. तस्मादकृतकं शास्त्रं स्मृतिं च सनिबन्धनाम् ।
आश्रित्यारभ्यते शिष्टैः शब्दानामनुशासनम् ॥
वाक्यपदीयस्यास्यां कारिकायाम् 'अकृतकं शास्त्रम्' इति किम् ?

(A) ब्रह्मसूत्रम् (B) व्याकरणशास्त्रम्

(C) मीमांसाशास्त्रम् (D) अपौरुषेयं शास्त्रम्

स्रोत- वाक्यपदीयम् - जयदेव उप्रेती, पेज- 31

17. 'तादात्म्यसम्बन्धावच्छिन्नप्रतियोगिताकः' तर्कसङ्ग्रहे कः प्रोक्तः–

(A) प्रागभावः (B) प्रध्वंसाभावः

(C) अन्योन्याभावः (D) अत्यन्ताभावः

स्रोत- तर्कसंग्रह- राकेश शास्त्री, पेज- 266

18. ''सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः'' उक्तिरियं कुत्र प्राप्यते–

(A) किरातार्जुनीये (B) रघुवंशे

(C) मेघदूते (D) मालविकाग्निमित्रे

स्रोत- रघुवंशमहाकाव्यम् (1.18) - हरगोविन्द मिश्र, पेज-8

19. कतिविधास्तुष्टयः साङ्ख्ये परिगणिताः?

(A) अष्टौ (B) सप्त

(C) नव (D) तिस्रः

स्रोत- सांख्यकारिका (का0-47) - राकेश शास्त्री, पेज- 134,135

20. 'शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यः' इति लक्षणलक्षिता चित्तवृत्तिः का योगदर्शनानुसारेण ?

(A) विपर्ययः (B) निद्रा

(C) प्रमाणम् (D) विकल्पः

स्रोत- पातञ्जलयोगदर्शनम् (1.9) - सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज- 38

21. 'ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति' उक्तिरियं कुत्र प्राप्यते ?

(A) हर्षचरिते (B) मालविकाग्निमित्रे

(C) उत्तररामचरिते (D) नैषधीयचरिते

स्रोत- उत्तररामचरित (1.10)- शिवबालक द्विवेदी, पेज-153

22. 'राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिविम् '– अत्र 'दीदिविम् ' पदस्य कोऽर्थः?

(A) इन्द्रम् (B) प्रकाशमानम्

(C) द्युलोकम् (D) पुनर्जायमानम्

स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (1.1.8) - हरिदत्त शास्त्री, पेज- 59,60

23. कस्माद् हेतोः प्रधानस्यानुपलब्धिः सांख्यरीत्या?

(A) समानाभिहारात् (B) सौक्ष्म्यात्

(C) अतिदूरात् (D) मनोऽनवस्थानात्

स्रोत- सांख्यकारिका (का० -8) - राकेश शास्त्री, पेज- 27

24. तर्कभाषारीत्या अभावात्मककार्यस्य कारणं कीदृशम्भवति?

(A) निमित्तकारणम् (B) असमवायिकारणम्

(C) समवाय्यसमवायिकारणम् (D) समवायिकारणम्

स्रोत- तर्कभाषा- श्रीनिवास शास्त्री, पेज- 43

25. साहित्यदर्पणानुसारं रसास्वादने को हेतुः?

(A) काव्यपाठः (B) पात्राणि

(C) सहृदयता (D) सत्त्वोद्रेकः

स्रोत- साहित्यदर्पण (3/2) - सत्यव्रत सिंह, पेज- 105

26. जहदजहल्लक्षणाया वेदान्ते किमपरं नाम प्रयुक्तम्?

(A) भागलक्षणा (B) सारोपालक्षणा

(C) जहल्लक्षणा (D) अजहल्लक्षणा

स्रोत- वेदान्तसार- सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, पेज- 127

27. अधोऽङ्कितेषु केन सह कस्य सम्बन्धः? समुचितां तालिकां चिनुत -

(a)	अयोगात्मकभाषा	(i)	संस्कृत भाषा
(b)	श्लिष्टयोगात्मकभाषा	(ii)	तुर्की
(c)	प्रश्लिष्टयोगात्मकभाषा	(iii)	तिब्बती भाषा
(d)	अश्लिष्टयोगात्मकभाषा	(iv)	चेरोफी

Options

(A) (a) (iv), (b) (iii), (c) (ii), (d) (i)

(B) (a) (ii), (b) (i), (c) (iv), (d) (iii)

(C) (a) (i), (b) (ii), (c) (iii), (d) (iv)

(D) (a) (iii), (b) (i), (c) (iv), (d) (ii)

स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 357

14-D	15-A	16-D	17-C	18-B	19-C	20-D	21-C	22-B	23-B
24-A	25-D	26-A	27-D						

28. अजहत्स्वार्था लक्षणा का भवति?

(A) लक्षणलक्षणा (B) फललक्षणा

(C) उपादानलक्षणा (D) साध्यवसानिका

स्रोत- साहित्यदर्पण (का0-6) - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज-157,158

29. 'तपसा ब्रह्मचर्येण श्रद्धया विद्यया आत्मानम् अन्विष्यात्' - इत्युक्तिः कस्याम् उपनिषदि प्राप्यते?

(A) केनोपनिषदि (B) श्वेताश्वतरोपनिषदि

(C) प्रश्नोपनिषदि (D) मुण्डकोपनिषदि

स्रोत- ईशादि नौ उपनिषद् (1.10)- गीताप्रेस, पेज-180

30. साङ्ख्यदर्शनेऽन्तःकरणं किमात्मकम्?

(A) मनोबुद्धी एव (B) बुद्धिरेव

(C) बुद्ध्यहङ्कारमनांसि (D) बुद्ध्यहङ्कारावेव

स्रोत- सांख्यतत्त्वकौमुदीप्रभा- आद्याप्रसाद मिश्र, पेज- 246

31. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' मतमिदं कस्य विद्यते?

(A) वामनस्य (B) रुद्रटस्य

(C) भामहस्य (D) रुय्यकस्य

स्रोत- काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर- पेज- 25

32. ग्रिमनियमानुसारेण प्रथमवर्णपरिवर्तने तवर्गीयध्वनीनां कः परिवर्तनक्रमोऽस्ति?

(A) त-थ, द-त, ध-द (B) त-ध, द-त, ध-द

(C) त-द, द-थ, ध-द (D) त-थ, ध-त, द-थ

स्रोत- भाषाविज्ञान- कर्णसिंह, पेज- 168

33. अधस्तनेषु किं मेलनं समुचितम्?

(A) आ मुक्तेः - आङ्मर्यादाभिविध्योः

(B) दम्पती - स्त्रियां संज्ञायाम्

(C) घृतगन्धि - वोपसर्जनात्

(D) मुहूर्तसुखम् - यस्य चायामः

स्रोत- कारक प्रकरण- राममुनि पाण्डेय, पेज- 89

34. 'मौद' शाखा केन वेदेन सह सम्बद्धा वर्तते?

(A) सामवेदेन (B) ऋग्वेदेन

(C) अथर्ववेदेन (D) कृष्णयजुर्वेदेन

स्रोत- अथर्ववेद (भाग-1) - आचार्य वेदान्ततीर्थ, भू0 पेज- 7

35. 'स्वच्छजलवत् सहसैव...सर्वत्र विहितस्थितिः' इत्यादिना काव्यप्रकाशकृता को गुणो मतः?

(A) माधुर्यगुणः (B) समाधिगुणः

(C) ओजोगुणः (D) प्रसादगुणः

स्रोत- काव्यप्रकाश (8/93)- आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 390

36. अधोऽङ्कितेषु समासप्रकरणानुसारं केन सह कस्य सम्बन्धः? समुचितां तालिकां चिनुत -

(a)	हंसौ	(i)	जातेश्च
(b)	ब्राह्मणक्षत्रियविट्शूद्राः	(ii)	पुमान् स्त्रिया
(c)	शूद्रभार्यः	(iii)	न निर्धारणे
(d)	नृणां द्विजः श्रेष्ठः	(iv)	वर्णानामानुपूर्व्येण

Options

(A) (a) (ii), (b) (iv), (c) (i), (d) (iii)

(B) (a) (iii), (b) (iv), (c) (ii), (d) (i)

(C) (a) (i), (b) (iv), (c) (ii), (d) (iii)

(D) (a) (iv), (b) (i), (c) (iii), (d) (ii)

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड-4)- भैमी व्याख्या, पेज-83,240,238

37. 'सारङ्गी' इत्यत्र स्त्रियां ङीष्-प्रत्यय-विधायकं किमस्ति सूत्रम् ?

(A) अन्यतो ङीष्

(B) वर्णादनुदात्तात् तोपधात्तो नः

(C) जातेरस्त्रीविषयादयोपधात्

(D) षिद्गौरादिभ्यश्च

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड-6)- भैमी व्याख्या, पेज- 36

38. 'तेजो यत्ते रूपं कल्याणतमं तत्ते पश्यामि' -इत्युद्धरणं वर्तते -

(A) कठोपनिषदि (B) ईशोपनिषदि

(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) तैत्तिरीयोपनिषदि

स्रोत- ईशादि नौ उपनिषद् (मन्त्र-16) - गीताप्रेस, पेज-42

39. 'सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च' अस्य मन्त्रस्य द्रष्टा ऋषिः कः ?

(A) दीर्घतमा (B) मधुच्छन्दा

(C) वसिष्ठः (D) कुत्स आङ्गिरसः

स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह- हरिदत्त शास्त्री, पेज- 146

28-C 29-C 30-C 31-A 32-A 33-A 34-C 35-D 36-A 37-A 38-B 39-D

40. वेदे 'सूनरी' कस्याः विशेषणम् ?
(A) उषसः (B) सरस्वत्याः
(C) अपालायाः (D) घोषायाः
स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (1.48.8)- हरिदत्त शास्त्री, पेज- 123

41. 'नित्यज्ञानाधिकरणत्वम्' इति तर्कसङ्ग्रहदीपिकायां कस्य लक्षणं प्रोक्तम् ?
(A) मनसः (B) ईश्वरस्य
(C) परमाणोः (D) जीवात्मनः
स्रोत- तर्कसंग्रह- गोविन्दाचार्य, पेज- 73

42. निरुक्ते कति पदजातानि उपदिष्टानि ?
(A) त्रीणि (B) षट्
(C) चत्वारि (D) पञ्च
स्रोत- निरुक्त- आचार्य विश्वेश्वर, पेज- 18

43. 'गौतमधर्मसूत्रम्' केन वेदेन सह सम्बद्धं विद्यते ?
(A) अथर्ववेदेन (B) कृष्णयजुर्वेदेन
(C) ऋग्वेदेन (D) सामवेदेन
स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा ऋषि,पेज- 91

44. महाभाष्ये व्याकरणस्य आनुषङ्गिकप्रयोजनेषु ''विभक्तिं कुर्वन्ति'' इत्यस्य क्रमोऽस्ति -
(A) सप्तमः (B) षष्ठः
(C) दशमः (D) पञ्चमः
स्रोत- महाभाष्य- चारुदेव शास्त्री, पेज- 7

45. 'मशककल्पसूत्रम्' कस्य वेदस्य वर्तते ?
(A) अथर्ववेदस्य (B) ऋग्वेदस्य
(C) सामवेदस्य (D) कृष्णयजुर्वेदस्य
स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी,पेज- 216

46. भरतमुनिना रसस्य संख्या कियती स्वीकृता ?
(A) षट् (B) दश
(C) अष्टौ (D) नव
स्रोत- नाट्यशास्त्र (6.15)- ब्रजमोहन चतुर्वेदी, पेज- 157

47. 'उभयप्राप्तौ कर्मणि' इति कारकसूत्रस्योदाहरणं किम् ?
(A) आश्चर्यो गवां दोहोऽगोपेन (B) अधिकरणवाचिनश्च
(C) कृत्यानां कर्तरि वा (D) कर्तृकर्मणोः कृति
स्रोत- कारकप्रकरण- राममुनि पाण्डेय, पेज- 122

48. ''वागर्थाविव'' इत्यत्र कतमः समासः ?
(A) केवलसमासः (B) अव्ययीभावसमासः
(C) द्विगुसमासः (D) कर्मधारयसमासः
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्द प्रसाद शर्मा,पेज- 890,891

49. 'लोकेऽधिको हरिः' इत्यत्र सप्तमीविभक्तौ को नियमः?
(A) यस्मादधिकं यस्य चेश्वरवचनं तत्र सप्तमी
(B) अधिरीश्वरे
(C) 'तदस्मिन्नधिकमिति दशान्ताड्डः' इति सूत्रनिर्देशात्
(D) सप्तमी-पञ्चम्यौ कारकमध्ये
स्रोत- कारकप्रकरण- राममुनि पाण्डेय, पेज- 106

50. एध् धातोः लङ्लकारे उत्तमपुरुषबहुवचनस्य किं रूपं भवति ?
(A) एधामहि (B) ऐधेमहि
(C) एधामहै (D) ऐधामहि
स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्द प्रसाद शर्मा, पेज-494

51. 'सत्या विशुद्धिस्तत्रोक्ता विद्यैवैकपदागमा' वाक्यपदीयस्य अस्यां कारिकायां 'विद्यैवैकपदागमा' इत्यनेन पदेन किं स्वरूपा विद्या लक्ष्यते?
(A) अर्थरूपा (B) शब्दरूपा
(C) प्रणवरूपा (D) वर्णरूपा
स्रोत- वाक्यपदीयम् (1/10) - जयदत्त उप्रेती, पेज-8

52. अज्ञानस्य समष्ट्योपहितं चैतन्यं वेदान्ते किमुच्यते?
(A) प्राज्ञः (B) वैश्वानरः
(C) ईश्वरः (D) विराट्
स्रोत- वेदान्तसार- राकेश शास्त्री, पेज-88

53. 'केवलाघो भवति केवलादी' - अस्य मन्त्रस्य द्रष्टा कः ?
(A) कण्वः (B) गविष्ठिरः
(C) भिक्षुराङ्गिरसः (D) ब्रह्मा
स्रोत- ऋग्वेद-10.117.6

54. साङ्ख्यदर्शने कैवल्यं कस्य मन्यते?
(A) अहङ्कारस्य (B) महतः
(C) पुरुषस्य (D) प्रधानस्य
स्रोत- सांख्यकारिका (का0-19) - राकेश शास्त्री, पेज-62

55. 'रि च' इत्यनेन सूत्रेण किं कार्यं भवति ?
(A) उपधायाः दीर्घः रेफस्य च लोपः
(B) पूर्वस्वरस्य दीर्घः रादौ प्रत्यये परे
(C) रेफस्य लोपः रादौ प्रत्यये परे
(D) तासस्त्योः सस्य लोपः रादौ प्रत्यये परे
स्रोत- अष्टाध्यायी- ईश्वरचन्द्र, पेज- 975

40-A	41-B	42-C	43-D	44-B	45-C	46-C	47-A	48-A	49-A
50-D	51-C	52-C	53-C	54-C	55-D				

56. अधस्तनेषु उचितसम्बन्धयुतं विकल्पं चिनुत -
(A) वि मृळीकाय ते मनो रथीरश्वं न संदितम् - इन्द्रसूक्तम्
(B) ऋतस्य बुध्न उपसमिषण्यन् वृषा मही रोदसी आ विवेश- वरुणसूक्तम्
(C) यो रध्रस्य चोदिता यः कृशस्य यो ब्रह्मणो नाधमानस्य कीरेः -अग्निसूक्तम्
(D) यस्य व्रते पृथिवी नन्नमीति यस्य व्रते शफवज्जर्भुरीति - पर्जन्यसूक्तम्

स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (5.83.5) - हरिदत्त शास्त्री, पेज-286

57. काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति सिद्धान्तः प्रधानतया केन प्रतिपादितः ?
(A) अभिनवगुप्तेन (B) भरतमुनिना
(C) मम्मटेन (D) आनन्दवर्धनेन

स्रोत- काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर, भू0 पेज-18

58. ''अदूरवर्तिनीं सिद्धिं राजन्विगणयात्मनः'' रघुवंशे इयमुक्तिः कस्य?
(A) कौत्सस्य (B) सिंहस्य
(C) वसिष्ठस्य (D) अरुन्धत्याः

स्रोत- रघुवंशमहाकाव्यम् (1/87) - श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी,पेज- 38

59. कस्याम् उपनिषदि 'भृगुवल्ली' उपदिष्टा?
(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) केनोपनिषदि
(C) ऐतरेयोपनिषदि (D) बृहदारण्यकोपनिषदि

स्रोत- ईशादि नौ उपनिषद् - गीताप्रेस, पेज-405

60. अधस्तनेषु किं मेलनं सत्यमस्ति -
(A) त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवीति- सक्तुमिव
(B) म्लेच्छो ह वा एष यदपशब्दः -दुष्टः शब्दः
(C) प्रायश्चित्तीया मा भूमेत्यध्येयं व्याकरणम् -सारस्वतीम्
(D) न चान्तरेण व्याकरणं कृतस्तद्धिता वा शक्या विज्ञातुम् - सुदेवोऽसि

स्रोत- महाभाष्य- चारुदेव शास्त्री, पेज-15

61. अधोऽङ्कितेषु समुचितं विकल्पं चिनुत -
(A) वैभाषिकाः - तत्र बोधात्मको जीवः । अबोधात्मस्त्वजीवः
(B) योगाचाराः - हीनयानम्
(C) माध्यमिकाः - महायानम्
(D) सौत्रान्तिकाः -तज्ज्ञानं पञ्चविधं मतिश्रुतावधिमनः पर्यायकेवलभेदेन

स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज-32,124

62. 'आग्निवेश्य-गृह्यसूक्तम्' कस्य वेदस्य वर्तते?
(A) कृष्णयजुर्वेदस्य (B) सामवेदस्य
(C) ऋग्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

स्रोत- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- कपिलदेव द्विवेदी,पेज-231

63. अर्थशास्त्रस्य चतुर्थमधिकरणं वर्तते -
(A) धर्मस्थीयम् (B) षाड्गुण्यम्
(C) योगवृत्तम् (D) कण्टकशोधनम्

स्रोत- कौटिलीय अर्थशास्त्र- वाचस्पति गैरोला, भू0 पेज-77

64. 'शोणो धावति' इत्युदाहरणे वेदान्तरीत्या का लक्षणा?
(A) जहल्लक्षणा (B) साध्यवसानालक्षणा
(C) अजहल्लक्षणा (D) भागलक्षणा

स्रोत- वेदान्तसार- राकेश शास्त्री, पेज- 243

65. 'नीतिमञ्जरीप्रतिपाद्यविषयाः केन सम्बद्धाः ?
(A) अथर्ववेदेन (B) ऋग्वेदेन
(C) कृष्णयजुर्वेदेन (D) सामवेदेन

स्रोत- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (भाग-2), पेज-518

66. 'तं राजा प्रणयन् सम्यक् त्रिवर्गेणाभिवर्धते' अत्र त्रिवर्गस्याभिप्रायः कः ?
(A) ब्राह्मणः क्षत्रियः वैश्यश्च
(B) भूः भुवः स्वश्च
(C) साम दानं भेदश्च
(D) धर्मः अर्थः कामश्च

स्रोत- मनुस्मृति (7.37)- गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-158

67. अर्थसङ्ग्रहरीत्या शाब्दीभावनाया लक्षणं किम् ?
(A) भवितुर्भवनानुकूलो भावकव्यापारविशेषः
(B) भवितुर्भवनानुकूलो भावयितुर्व्यापारविशेषः
(C) प्रयोजनेच्छाजनितक्रियाविषयव्यापारः
(D) पुरुषप्रवृत्त्यनुकूलो भावयितुर्व्यापारविशेषः

स्रोत- अर्थसंग्रह- राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पेज- 23,30

68. रुद्रदाम्नः गिरनारलेखः कस्यां भाषायां विद्यते ?
(A) संस्कृतभाषायाम् (B) पालिभाषायाम्
(C) अपभ्रंशभाषायाम् (D) प्राकृतभाषायाम्

स्रोत- भारतीय पुरालेखों का अध्ययन- शिवस्वरूप सहाय,पेज-209

69. 'वाग्ग्मी' इत्यत्र को मत्वर्थीयप्रत्ययः ?
(A) ग्मिनि (B) विनि
(C) मिनि (D) इनिः

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (5.2.124)- गोविन्द प्रसाद शर्मा, पेज-1119

56-D	**57-D**	**58-C**	**59-A**	**60-C**	**61-C**	**62-A**	**63-D**	**64-C**	**65-B**
66-D	**67-D**	**68-A**	**69-A**						

70. कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः। तवाभिधानाद् व्यथते नताननः सुदुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः।। अत्र कोऽलंकारः ?

(A) लुप्तोपमा (B) मालोपमा

(C) श्लिष्टोपमा (D) उत्प्रेक्षा

स्रोत- किरातार्जुनीयम् (1.24) - अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पेज- 73,

71. 'तस्मादृचः साम यजूंषि दीक्षा' -पंक्तिरियं कुत्र प्राप्यते?

(A) ऋग्वेदे (B) ईशोपनिषदि

(C) शुक्लयजुर्वेदे (D) मुण्डकोपनिषदि

स्रोत- ईशादि नौ उपनिषद्- गीताप्रेस, पेज-252

72. मनुस्मृतौ 'सर्वतेजोमयो हि सः' अस्मिन् श्लोकांशे 'सः' पदेन कः प्रोक्तः ?

(A) सूर्यः (B) नृपः

(C) प्राज्ञः (D) गुरुः

स्रोत- मनुस्मृति (7/11) - गिरिधर गोपाल शर्मा, पेज-151

73. ऋग्वेदप्रातिशाख्ये कियन्ति समानाक्षराणि उक्तानि?

(A) दश (B) पञ्चविंशतिः

(C) चत्वारि (D) अष्टौ

स्रोत- ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् (1.1) - वीरेन्द्र कुमार वर्मा,पेज- 42

74. 'महदरण्यम्' इत्यर्थे स्त्रीप्रत्यये किं भवति?

(A) अरण्या (B) अरण्यानी

(C) महारण्या (D) महारण्यानी

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी (4.1.49)- गोविन्दाचार्य, पेज- 1164

75. तर्कसङ्ग्रहरीत्या मनः कीदृक् ?

(A) एकमनित्यं परमाणुरूपञ्च

(B) अनन्तं परमाणुरूपं नित्यञ्च

(C) एकं विभु नित्यञ्च

(D) अनन्तं विभु नित्यञ्च

स्रोत- तर्कसंग्रह- गोविन्दाचार्य, पेज- 76

76. शिशुपालवधस्य सर्गसंख्या काऽस्ति?

(A) विंशतिः (B) एकविंशतिः

(C) सप्तविंशतिः (D) पञ्चविंशतिः

स्रोत- संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', पेज-262

77. 'मा नो वधाय हत्नवे जिहीळानस्य रीरधः।' अत्र स्तूयमानो देवः कः ?

(A) रुद्रः (B) मित्रः

(C) वरुणः (D) अग्निः

स्रोत- ऋक्सूक्तसंग्रह (1.25.2) - हरिदत्त शर्मा, पेज-69

78. काव्यमीमांसानुसारं काव्यकविः कतिधा भवति?

(A) चतुर्धा (B) त्रिधा

(C) पञ्चधा (D) अष्टधा

स्रोत- हिन्दी काव्यमीमांसा- गंगासागर राय, पेज- 37

79. जातिवाच्ये सति 'हस्त' शब्दस्य मत्वर्थीयः कः प्रयोगः?

(A) हस्तवान् (B) हस्ती

(C) हस्तालुः (D) हस्तिकः

स्रोत- वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज-901

80. 'बुध-युध-नश-जनेङ्-प्र-द्रु-स्रुभ्यो णेः' इति नियमेन शुद्धः प्रयोगः कः ?

(A) बोधयति पद्मम् (B) योधयते काष्ठानि

(C) बोधयते पद्मम् (D) वेदमध्यापयते

स्रोत- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (खण्ड-5) - गोविन्दाचार्य, पेज-445

81. भाषाविज्ञानानुसारेण भारोपीयपरिवारस्य भाषा नास्ति?

(A) मय (B) तोखारी

(C) इटालिक (D) आर्मीनी

स्रोत- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी, पेज- 385

82. हर्षचरितं कति उच्छ्वासेषु विभक्तम् ?

(A) सप्तसु (B) अष्टसु

(C) चतुर्षु (D) दशसु

स्रोत- संस्कृतसाहित्य का इतिहास- उमाशंकरशर्मा ऋषि, पेज-396

83. शमप्रधानेषु तपोधनेषु गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः। स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्तास्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति।। अत्र 'तत्' पदेन किं द्योतते?

(A) शमः (B) तपः

(C) धनम् (D) तेजः

स्रोत- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/7)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-108

70-C	**71-D**	**72-B**	**73-D**	**74-B**	**75-B**	**76-A**	**77-C**	**78-D**	**79-B**
80-A	**81-A**	**82-B**	**83-D**						

84. तर्कसङ्ग्रहरीत्या आद्यस्यन्दनासमवायिकारणं किम्भवति?

(A) द्रव्यत्वम् (B) द्रवत्वम्

(C) गुरुत्वम् (D) स्नेहः

स्रोत- तर्कसंग्रह- राकेश शास्त्री, पेज-168

85. 'मेदश्छेदकृशोदरं लघु भवत्युत्थानयोग्यं वपुः' इत्येवं कस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादितम्?

(A) मृगयायाः (B) पर्यटनस्य

(C) तपश्चर्यायाः (D) पादपसिञ्चनस्य

स्रोत- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2/5)-कपिलदेव द्विवेदी, पेज-104

86. पण्डितराज-जगन्नाथानुसारं निम्नलिखितेषु को न रसदोषः?

(A) स्थायि-व्यभिचारिणां शब्दवाच्यत्वम्

(B) रसस्य व्यङ्ग्यत्वम्

(C) विच्छिन्नरसस्य पुनर्दीपनम्

(D) समबल-प्रबलप्रतिकूलरसाङ्गानां निबन्धनम्

स्रोत- रसगङ्गाधर- मदन मोहन झा, पेज-208

87. साध्यशून्यः पक्षो मुक्तावल्यां क उदाहृतः?

(A) बाधः (B) व्याप्यत्वासिद्धः

(C) सत्प्रतिपक्षः (D) अनैकान्तिकः

स्रोत- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमान खण्ड का0-78) - गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, पेज-71

88. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं किं स्त्रीधनं नास्ति?

(A) अध्यग्नि (B) आधिवेदनिकम्

(C) अन्वाधेयकम् (D) सामान्यार्थः

स्रोत- याज्ञवल्क्यस्मृति (2.143)- गङ्गासागर राय,पेज-284

89. 'अग्निष्टोमाख्ये' सोमयागे कति शस्त्राणि भवन्ति?

(A) द्वादश (B) पञ्चदश

(C) एकादश (D) अष्ट

स्रोत- श्रौतयागपरिचय- श्रीवेणीरामशर्मा गौड, पेज- 30,32

90. 'प्रतिहर्त्ता' ऋत्विक् कस्य गणस्य विद्यते

(A) ब्रह्मगणस्य (B) उद्गातृगणस्य

(C) होतृगणस्य (D) अध्वर्युगणस्य

स्रोत- श्रौतयाग परिचय- श्रीवेणीरामशर्मा गौड, पेज- 28

91. 'जन्माद्यस्य यतः' इत्यस्मिन् सूत्रे 'यतः' पदेन किमभिधीयते?

(A) प्रकृतेः (B) जगतः

(C) ब्रह्मणः (D) सृष्टेः

स्रोत- ब्रह्मसूत्र (शाङ्करभाष्य-1.12) - स्वामी दयानन्द सरस्वती, पेज-34

92. अधोऽङ्कितेषु केन सह कस्य सम्बन्धः? समुचितां तालिकां चिनुत -

(क)	अचोऽन्त्यादि	(i)	प्रगृह्यम्
(ख)	इ इन्द्रः	(ii)	उपधा
(ग)	कृत्तद्धितसमासाश्च	(iii)	टि
(घ)	अन्त्यादलः पूर्वो वर्णः	(iv)	प्रातिपदिकम्

Options

	क	ख	ग	घ
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दप्रसाद शर्मा, पेज-61,76,131,175

93. 'सन्निहितसाधनादधिकस्यानुपादित्सा' इत्यनेन योगाङ्गनियमेषु कः?

(A) सन्तोषः (B) ईश्वरप्रणिधानम्

(C) शौचम् (D) तपः

स्रोत- पातञ्जलयोगदर्शन- सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज- 273

94. 'वेः शब्दकर्मणः' इति सूत्रस्योदाहरणम्भवति-

(A) चित्तं विकरोति कामः (B) स्वरान् विकुरुते

(C) शत्रुमधिकुरुते (D) छात्राः विकुर्वते

स्रोत- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (1.3.34) - गोविन्द प्रसाद शर्मा, पेज- 397

95. 'दण्डिक' इत्यस्मिन् पदे कः तद्धितप्रत्ययः?

(A) इक् (B) ठन्

(C) ठञ् (D) ठक्

स्रोत- लघुसिद्धान्तकौमुदी- गोविन्दाचार्य, पेज- 1116

84-B 85-A 86-B 87-A 88-D 89-A 90-B 91-C 92-D 93-A 94-B 95-B

96. 'मनसा हरिं व्रजति' इत्यत्र 'गत्यर्थकर्मणि' - इत्यादिसूत्रेण कर्मणि चतुर्थी कथन्न भवति?

(A) व्रजधातोः गत्यर्थाभावात्

(B) गत्यर्थकर्मणोऽभावात्

(C) अध्ववाचिकर्मत्वात्

(D) चेष्टायाः प्रतीत्यभावात्

स्रोत- सिद्धान्तकौमुदी- राममुनि पाण्डेय, पेज- 79

97. 'त्रयो धर्मस्कन्धा, यज्ञो अध्ययनं दानम् इति' -इत्युक्तिः कस्याम् उपनिषदि लभ्यते?

(A) तैत्तिरीयोपनिषदि (B) छान्दोग्योपनिषदि

(C) बृहदारण्यकोपनिषदि (D) ऐतरेयोपनिषदि

स्रोत- छान्दोग्य (2/23/1) - गीताप्रेस, पेज- 198

98. अथर्ववेदीयकृषिसूक्तस्य द्रष्टा ऋषिः कः?

(A) मधुच्छन्दाः (B) भिक्षुः

(C) विश्वामित्रः (D) बुधः

स्रोत- अथर्ववेद (भाग-1), पेज- 126

99. अधोऽङ्कितेषु समुचितं विकल्पं चिनुत -

(A) जीवाजीवास्रवबन्धसम्वरनिर्जरमोक्षास्तत्त्वानि- सौत्रान्तिकाः

(B) भावनाभिर्भावितानि पञ्चभिः पञ्चधाक्रमात्,महाव्रतानि - व्यासभाष्यम्

(C) तत्र जीवा द्विविधाः संसारिणो मुक्ताश्च-आर्हताः

(D) स्यान्नास्ति चावक्तव्यः - वैभाषिकाः

स्रोत- सर्वदर्शनसंग्रह- उमाशंकर शर्मा ऋषि, पेज, 130

100. योगदर्शने सर्वा चित्तभूमयः काः?

(A) निद्रा, तन्द्रा, प्रमादः, मोदः, दुःखम्

(B) क्षिप्तम्, मूढम्, विक्षिप्तम्, एकाग्रम्, निरुद्धम्

(C) क्षिप्तम्, प्रक्षिप्तम्, मूढम्, विमूढम्, सम्मूढम्

(D) स्मृतिः, विस्मृतिः, निरुद्धम्, एकाग्रम्, मोहः

स्रोत- पातञ्जलयोगदर्शन- सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेज- 01,06

96-D 97-B 98-C 99-C 100-B

स्रोत ग्रन्थसूची

1. **अष्टाध्यायी** (भाग-1, 2) - पं. ईश्वरचन्द्र, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली - 2015
2. **अथर्ववेद** (भाग-1-2)-वेदान्ततीर्थ, मनोज पब्लिकेशन्स दिल्ली- 2015
3. **अर्थसंग्रह**-सत्यप्रकाश शर्मा, साहित्य भण्डार मेरठ - 2010
4. **अर्थसंग्रह**-वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्भा पब्लिशर्स - 2014
5. **ईशादि नौ उपनिषद्** - गीताप्रेस, गोरखपुर संवत् - 2071
6. **ईशावास्योपनिषद्** - आद्याप्रसाद मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद –2014
7. **उपनिषद्-अङ्क** - गीताप्रेस, गोरखपुर संवत्–2071
8. **उत्तररामचरितम्** - कपिलदेव द्विवेदी - रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद–2015
9. **ऋग्वेद** (1, 2, 3, 4) - वेदान्ततीर्थ - मनोज पब्लिकेशन्स, दिल्ली –2015
10. **ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम्** - वीरेन्द्रकुमार वर्मा - चौखम्भा संस्कृत संस्थान, दिल्ली –2011
11. **ऋक्सूक्तसंग्रह** - हरिदत्त शास्त्री - साहित्य भण्डार, मेरठ
12. **कालिदास-ग्रन्थावली** - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014
13. **किरातार्जुनीयम्** – श्रीनिवास शर्मा - भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी – 2013

14.(A) **किरातार्जुनीयम्** - रामसेवक दुबे - शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद –2013

14.(B) **किरातार्जुनीयम्**-डा0 राजेन्द्रमिश्र-अक्षयवट प्रकाशन–2008

15. **केनोपनिषद्** - गीताप्रेस, गोरखपुर - संवत् – 2072
16. **कठोपनिषद्** - आद्याप्रसाद मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद –2011
17. **कठोपनिषद्** - बैजनाथ पाण्डेय - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली –2014
18. **कर्णभारम्** - रामजी मिश्र - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी– 2012
19. **कादम्बरी** (महाश्वेतावृत्तान्त) - प्रद्युम्न पाण्डेय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2015
20. **कुमारसम्भवम्** - प्रद्युम्न पाण्डेय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2015
21. **काव्यप्रकाश** - आचार्य विश्वेश्वर - ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी – 2014
22. **काव्यप्रकाश**-पारसनाथ द्विवेदी - विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
23. **कादम्बरी-कथामुख** - तारिणीश झा - रामनारायणलाल अरुण कुमार, इलाहाबाद – 2014
24. **कादम्बरी** (शुकनाशोपदेश) - तारिणीश झा - रामनारायण लाल अरुण कुमार, इलाहाबाद – 2010
25. **केनोपनिषद्** - शिवप्रसाद द्विवेदी - चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी–2009
26. **गद्यालोक-प्रकाश** - करुणा अग्रवाल - विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद – 2006
27. **छन्दोऽलंकारसौरभम्** - अभिराजराजेन्द्र मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2011
28. **तर्कसंग्रह** - अनितासेन गुप्ता - शारदा पुस्तक भवन, वाराणसी – 2012
29. **तर्कसंग्रह** - रामभजनशर्मा वात्स्यायन - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
30. **तर्कसंग्रह** - गोविन्दाचार्य - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2012
31. **तर्कसंग्रह** - कृष्णबल्लभाचार्य - व्यास प्रकाशन, वाराणसी
32. **तैत्तिरीयोपनिषद्** - चुन्नीलाल शुक्ल - साहित्य भण्डार मेरठ – 2012
33. **तर्कभाषा**-श्रीनिवास शास्त्री - साहित्यभण्डार, मेरठ – 2008
34. **तर्कभाषा** - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2013
35. **तर्कसंग्रह** - केदारनाथ त्रिपाठी - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2008
36. **तर्कसंग्रह** - आद्याप्रसाद मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद– 2013
37. **दशकुमारचरितम्** - श्रीनिवास शर्मा - शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – 2000
38. **दशरूपक** - रमाशङ्कर त्रिपाठी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2011
39. **दशरूपक**-श्रीनिवास शास्त्री-साहित्य भण्डार, मेरठ – 2015
40. **दशकुमारचरितम्** - विश्वनाथ झा - मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली – 2015
41. **ध्वन्यालोक** - आचार्य विश्वेश्वर - ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी – 2010
42. **नैषधीयचरितम्** - बद्रीनाथ मालवीय - रामनारायण लाल विजयकुमार, इलाहाबाद – 2013
43. **नैषधीयचरितम्** - सुरेन्द्रदेव शास्त्री - चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी – 1999
44. **नाट्यशास्त्र** - बाबूलाल शुक्ल - चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी संवत् – 2071
45. **नाट्यशास्त्र** - ब्रजमोहन चतुर्वेदी - विद्यानिधि प्रकाशन,

दिल्ली – 2014
46. **निरुक्तम्** - छज्जूराम शास्त्री/देवशर्मा शास्त्री - मेहरचन्द लक्षमनदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली – 2012
47. **निरुक्तम्**-आचार्यविश्वेश्वर-ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी- 2014
48. **निरुक्तम्**-उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2011
49. **पाणिनीयशिक्षा** - शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2012
50. **प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख** (भाग-1, 2) - श्री परमेश्वरीलाल गुप्ता - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी– 2014
51. **पातञ्जल योगदर्शन** – सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन – 2013
52. **पुराण विमर्श** - आचार्य बलदेव उपाध्याय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2013
53. **ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य** - स्वामी सत्यानन्द सरस्वती - चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – 2013
54. **बृहद्धातुकुसुमाकर** - हरेकान्त मिश्र - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली – 2003
55. **बृहदारण्यकोपनिषद्** (शाङ्करभाष्य) - गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत् – 2071
56. **भारतीयदर्शन** - बलदेव उपाध्याय - शारदा मन्दिर, वाराणसी– 2011
57. **भारतीय पुरालिपि अभिलेख एवं मुद्राएँ** - शोभा सत्यदेव - भवदीय प्रकाशन अयोध्या, फैजाबाद – 2002
58. **भारतीयदर्शन**-जगदीशचन्द्र मिश्र-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन– 2015
59. **भारतीय दर्शन की रूपरेखा** - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2012
60. **भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र** - कपिलदेव द्विवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाशन – 2014
61. **भाषाविज्ञान** - भोलानाथ तिवारी - किताब महल, वाराणसी– 2014
62. **भाषाविज्ञान**-कर्ण सिंह - साहित्य भण्डार, मेरठ – 2006
63. **भारतीय दर्शन आलोचन और अनुशीलन** - चन्द्रधर शर्मा - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2013
64. **मनुस्मृति** - गिरिधर गोपाल शर्मा - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी – 2014
65. **मुद्राराक्षसम्** - श्रीपरमेश्वरदीन पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014
66. **मेघदूतम्**-तारिणीश झा-रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद– 2011
67. **मेघदूतम्** - दयाशङ्कर शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, प्रकाशन– 2014
68. **मृच्छकटिकम्** - श्रीनिवास शास्त्री - साहित्य भण्डार, मेरठ – 2010
69. **मृच्छकटिकम्**-रमाशङ्कर त्रिपाठी-मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली–2012
70. **मुण्डकोपनिषद्** - गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत् – 2071
71. **याज्ञवल्क्यस्मृति** - उमेशचन्द्र पाण्डेय - चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी संवत् – 2070
72. **याज्ञवल्क्यशिक्षा** - नरेश झा - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014
73. **यज्ञमीमांसा**-वेणीरामशर्मा गौड़ - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
74. **रघुवंशमहाकाव्यम्** - कृष्णमणि त्रिपाठी
75. **रसगङ्गाधर** (भाग-1) - मदन मोहन झा - चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी – 2012
76. **रत्नावली** - तारिणीश झा
77.(a) **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (भाग-5)-भीमसेन शास्त्री-भैमी प्रकाशन, दिल्ली – 2010
76.(b) **लघुसिद्धान्तकौमुदी,** गीताप्रेस, गोरखपुर
78. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (भाग-6)-भीमसेन शास्त्री-भैमी प्रकाशन, दिल्ली – 2005
79. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (भाग-4)-भीमसेनशास्त्री-भैमी प्रकाशन, दिल्ली – 2004
80. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (भाग-3)-भीमसेन शास्त्री-भैमी प्रकाशन, दिल्ली – 2011
81. **लघुसिद्धान्तकौमुदी-**गोविन्दाचार्य-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2013
82. **लघुसिद्धान्तकौमुदी**-धरानन्दशास्त्री-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2012
83. **लिङ्गानुशासनम्** - नरेश झा
84. **वक्रोक्तिजीवितम्** - दशरथ द्विवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2007
85. **वैयाकरण-सिद्धान्तकौमुदी** (भाग-एक) - गोपालदत्त पाण्डेय-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2012
86. **वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी** (भाग-दो) - गोपालदत्त पाण्डेय-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2013
87. **वैदिक साहित्य का इतिहास** - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर-चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, वि.सं. –2072
88. **वैदिकसूक्तसंग्रह**-राधेश्याम खेमका-गीताप्रेस, गोरखपुर संवत्– 2071
89. **वैदिक साहित्य एवं संस्कृति** - कपिलदेव द्विवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2010
90. **वैदिक साहित्य का इतिहास** - पारसनाथ द्विवेदी - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2011-12
91. **वैदिकसूक्तसंग्रह**-विजयशङ्कर पाण्डेय-अक्षयवट प्रकाशन,

इलाहाबाद – 2011
92. **वेद-कथाङ्क** - गीताप्रेस, गोरखपुर - संवत्–2071
93. **वैदिक माइथोलॉजी** (मैकडॉनल) - रामकुमारराय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2007
94. **वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी** (भाग-5) - गोविन्दाचार्य - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2012
95.(A) **वाक्यपदीयम्** - शिवशङ्कर अवस्थी - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2013
95.(B) **वाक्यपदीयम्** - सूर्यनारायण शुक्ल - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2012
96. **वृत्तरत्नाकर**-धरानन्द शास्त्री-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली– 1993
97.(a) **वेदान्तसार**-सन्तनारायण श्रीवास्तव-सुदर्शन प्रकाशन, गाजियाबाद– 2005
97.(b) **वेदान्तसार, बद्रीनाथ शुक्ल -** मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली– 1999
98. **वेणीसंहार** - श्रीपरमेश्वरदीन पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2014
99. **वैदिक साहित्य और संस्कृत** - आचार्य बलदेव उपाध्याय - शारदा संस्थान, वाराणसी – 2015
100. **व्याकरणमहाभाष्यम्** (पश्पशाह्निक) - मधुसूदन मिश्र - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2014
101. **व्याकरणमहाभाष्यम्** (पश्पशाह्निक) - जयशङ्करलाल त्रिपाठी- चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी – 2013
102. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्** - गीताप्रेस, गोरखपुर
103. **श्रीमद्भगवद्गीता** - गीताप्रेस, गोरखपुर
● **शतपथ ब्राह्मण** - स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती - विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली– 2014
104. **शिशुपालवधम्**-आद्याप्रसाद मिश्र-अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद– 2008
105. **शिशुपालवधम्** - तारिणीश झा - रामनारायणलाल अरुणकुमार, इलाहाबाद – 2014
106. **श्रौतयज्ञपरिचय**-वेणीराम शर्मा गौड़-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 1999
107. **शिशुपालवधम्** - जनार्दनगङ्गाधर रटाटे - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2013
108. **शुकनासोपदेश** - राजेश्वरप्रसाद मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2007
109. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास** (भाग-1, 2, 3)- बलदेव उपाध्याय-उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ– 2012
110. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास** - कपिलदेव द्विवेदी - रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद
111. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** - उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' - चौखम्बा सुरभारती अकादमी, वाराणसी – 2014
112. **संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास** - राधाबल्लभ त्रिपाठी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2013
113. **सांख्यकारिका** - सन्तनारायण श्रीवास्तव - सुदर्शन प्रकाशन गाजियाबाद – 2006
114. **सांख्यतत्त्वकौमुदी प्रभा**-आद्याप्रसाद मिश्र-अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2015
115. **सांख्यकारिका** - राकेशशास्त्री - संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली – 2004
116. **साहित्यदर्पण** - मिश्रोऽभिराजराजेन्द्र मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2004
117. **साहित्यदर्पण**-शालिग्राम शास्त्री-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली – 2004
118. **साहित्यदर्पण** - भवानीशङ्कर शर्मा - हंसा प्रकाशन, जयपुर– 2010
119. **संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृतसाहित्यम्** - सर्वज्ञभूषण - संस्कृतगङ्गा प्रकाशन, प्रयाग – 2016
120. **संस्कृतगङ्गा वस्तुनिष्ठ संस्कृतव्याकरणम्** - सर्वज्ञभूषण - संस्कृतगङ्गा प्रकाशन, प्रयाग – 2016
121. **स्वप्नवासवदत्तम्** - जयपाल विद्यालङ्कार - मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली – 2011
122. **स्वप्नवासवदत्तम्** - शेषराजशर्मा 'रेग्मी' - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
123. **संस्कृत-कवि-दर्शन** - भोलाशङ्कर व्यास - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 2004
124. **संस्कृत शास्त्रों का इतिहास** - बलदेव उपाध्याय - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी – 1994
125. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास** (भाग-15) - बलदेव उपाध्याय गोपालदत्त पाण्डेय - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ – 2001
126. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** - बलदेव उपाध्याय - शारदा निकेतन, वाराणसी – 2001
127. **संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र**- अभिराज राजेन्द्र मिश्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी – 2010
128. **सिद्धान्तकौमुदी** (कारक प्रकरण) - आद्याप्रसाद मिश्र - अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद – 2014
129. **सिद्धान्तकौमुदी** (कारक प्रकरण) - आनन्द श्रीवास्तव, राममुनि पाण्डेय - विभा प्रकाशन, इलाहाबाद – 2012
130. **हर्षचरितम्** - मोहनदेव पन्त - मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली – 2014

❑❑❑